

2 अच्युतंदांतक(काव्य)A prakrit poem by वेदान्त देशिक with छाया. *Vv* -2-

3 अच्युतरायाभ्युदय (काव्य) of श्रीराजनाथ with a comm. by पं. कृष्णमाचारियर Part 1 Cantoes 1-6 Cr. 8vo. pp. iv-156. *Vv* 1-

4 अकबर The Great Mogul (चरित) 1542-1605 by V.A. Smith.1919 2 ed. 8vo (9x6), pp.xvi 504, 15 illusts. & 8 maps. *Of* 12-

5 —The Jain teachers of, by V. A. Smith. -8-

6 अकबर's Tomb at Sikandra by E. W. Smith. *Gt.* 23-

7 अग्निपुराणम् महर्षिव्यासप्रणीतम् *Aa* 4-

8 — Transl. into Engl. by Dutt 2 vols. 8vo. pp. 1246. *Ad.* 10-

9 — पोर्यसाईज. *Vy.* 6-

0 अग्निष्टोम (कर्म) complete description of the usual form of सोम sacrifice and the Vedic Culture by Caland. 2 Vols. *Gr* 20-

11 अग्निहोत्रचन्द्रिका (कर्म) किजवेडकरोपाह्वरामचन्द्रशास्त्रिभिःकृता 4°. *Aa* 2-14-

अ

12 ADMINISTRATIVE SYSTEM OF THE MARATHAS (from original sources) by Surendranath Sen, 2 ed. (revised & enlarged) 8vo. pp, 730. *Cu*. 10-

It is an exhaustive account of the polity that prevailed during the centuries of Maratha domination. Dr. Sen has closely studied the available *original sources* and this work, is undoubtedly the most valuable contribution on Maratha administrative system that has yet appeared in English.

13 Addresses at the Parliament of religions, Chicago, by स्वामी विवेकानन्द. *Av* -4-

14 अणुभाष्यम् (वेदान्त) श्रीवल्लभाचार्यश्रीपुरुषोत्तमजी महाराज विरचितभाष्यप्रकाशाख्यव्याख्या सहितम् *Bn.* 22-8

15 — With new comm, बालबोधिनी by Shridhar Shastri Pathak, Vols. 2. pp. 826 *Bp.* 6-4-

16 — by हेमचन्द्र विद्यारत्न 8o *Bi* 6-

17 — त्रिमूर्ती, पचदर्शिका स. *Vl.* 3-

18 अणुव्याख्यान(वेदान्त)The Text of न्यायसुधा (सर्वमूलम्) *Mr.* 2-12-

19 अतत्करणप्रबोध (वेदान्त) पद्मनाभार्य विरचित. *Vl.* -5-

20 अन्तर्यामीकरण नाटकानीतिम् & अन्डाति ed. by भजितनाथ *Sl.* each 1-

अ

21 अन्त्यकर्मदीपकः (धर्म) पर्वतीयपण्डित श्रीनित्यानन्दपन्त शास्त्रिभिःकृतः तेनैव कृतया टिप्पण्यासहितः *Ch.*

22 अन्त्येष्टीश्राद्धकर्मपद्धति,कर्म *Vy* 1-4-

23 अथर्वणोपनिषदः, (1 आत्मबोध, 2 आश्रम, 3 कृष्ण, 4 कामाग्नि, 5 गारुड, 6गोपीचन्द, 7नारायण, 8महा, 9नरदपूर्वतापनि, 10वासुदेव, 11स्कन्ध.) ed. w. नारायणकृत संस्कृत टीका दीपिका by Col. Jacob. *Bp.* 1-8-

24 अथर्वण ज्योतिष—of the वेदाङ्ग ज्योतिष of the अथर्ववेद orig. text ed. for the first time by Pt. भगवद्दत्त *Dv.* -8-

25 अथर्ववेद & गोपथब्राह्मण—by M. Bloomfield. *Gr.* 9-

26 — परिशिष्टानि ed. by Bolling and Negelein vol. I; Text and critical apparatus Part 1 & 2. परिशिष्टानि 1-72. and part 3: Indices, 8vo. 1910. *Gr.* 40-

27 — प्रातिशाख्य or the Phonetic grammatical aphorisms of the अथर्ववेद critically ed. for the first time from orig. mss. with an introd. and appendices by V. B. Shastri, part I *Pu.* 3-

28 — Text in orig. Sans. transl. into Engl. with तिरत्नभाष्य by Whitney. *Ao.* 35-

29 अथर्ववेद Altindische Zaubere by Dr. Caland *Gr.* 60-

30 — An Index Verborum to the published text of, by Whitney pp. 363. *Ao.* 30-

31 अथर्ववेद The Hundred lessons & lectures of, text, transl. into german with critical notes by Dr. Grill, *Gr* 7-

32 — The Hymns of, together with extracts from the ritual books and the comm. transl. into Engl. by Bloomfield *Of.* 22-

33 — The Hymns of;—Transl., with popular Comm. by Griffth, 2 Vols. *Lz.* 14-

34 — The Verbal system of, by J. Negelein. 4-

35 — Transl. with critical and exegetical comm. by Whitney; revised and ed. by Lanman. 1905. 4to (11×7½) 2 vols not sold separately. *Ho.* 50-

36 — transl. into German by F. Ruckert. 1923. *Gr.* 12-

37 अथर्ववेदसंहिता (मूळ) *Am.* 1—

38 — (काश्मीर) पिप्पलाद शाखा(फोटो) by Bloomfield & Garbe. folio 540 facsimile plates, 3 leaves of letterpress. (This is a facsimile of celebrated अथर्ववेद Mss. written on birch bark, found in 1875 in the Library of the महाराजा of काश्मीर and analysed in Prof. Roth's famous tract "Die Atharvaveda in Kashmir, 1875") [illegible] copy. Orig. price £ 30. 3 Vols. 1901. 350-

39 — सायनभाष्यसह by Pandit, 1895-98, 4 Vols. *Bp.* 40-

40 — by Roth and Whitney. ed. by Dr. Lindenau. 1924. 8vo. *Gr.* 25-

अ

41 अथर्ववेदीय कौशिकसूत्र w. extracts from the comms. of दारिल and केशव ed. with notes etc. by Bloomfield. *Ao*, 40–

42 — गोपथ ब्राह्मण. Text in नागरी, Introd. Indices, Readings &c. by Gaastra. *Br*. 10—

43 — दन्त्योष्ठविधि or the 4 th Laksana of Atharva Veda ed, w, Introd, transl. Index by रामगोपाळशास्त्री 1928 1st ed pp, 7, 18,3, –14–

44 — नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषद् शंकराचार्यकृत पूर्वतापनीय भाष्य,विद्यारण्य प्रणीतोत्तरतापनीय दीपिका टीका सहिता *Aa*. 1–12—

45 — पञ्चपटलिका (अथर्ववेद तृतीय लक्षणग्रन्थ)हिन्दिअनुवादसहित by भगवद्दत्त throwing light on the arrangement, div. and text of अथर्ववेद with Transl. and Index of Pratikas. *Di*. 1–4–

46 — बृहत्सर्वानुक्रमणी ed. from the orig. Mss. with an Introd. and Index by R. शास्त्री. and भगवद्दत्त 1922.8vo.pp.42,204,22. *Di*. 4–

47 — माण्डूक्योपनिषत् गौडपादीयकारिकासहिता शांकरभाष्य आनन्दगिरिटीकोपेताच, शंकरानन्दविरचितमाण्डूक्योपनिषदीपिका च. *Aa*. 2–5–

48 — वैतानसूत्र. The ritual of the अथर्ववेद; ed. with critical notes and indices by Garbe, 1878, 8vo. pp. 119. *Gr*. 5–

49 — Transl, into German by Caland. *Gr* 10–

अ

50 — अथर्ववेदीया माण्डूकीशिक्षा The Phonetical Treatise of the अथर्ववेद ed. from orig. Mss. with Introd. Append. and Index by भगवद्दत्त 1921. 8vo. *pp*. 25,6,7, *Di*. 1–

51 अथर्वशीर्षगणपति *Au* –6–

52 अद्वयवज्रसंग्रह (बौद्ध) consisting of twenty short works on Buddhist philosophy by अद्वयवज्र a Buddhist savant belonging to the 11th century A. D. by डॉ. हरप्रसाद शास्त्री 1927. *Go*. 2—

53 अद्भुततरंगिणी (ज्योतिष) मूळ प. वळ भद्रजी मिश्रकृत. *La* –8–

54 अद्भुतदर्पण (नाटक)—श्रीमहादेवकविविरचित. *N*. –12–

55 अद्भुतरामायण (इतिहास) *Vy*.–12–

56 अद्भुतसागर (ज्योतिष) श्रीवल्लालसेनदेवविरचित, मूलमात्र. *La* 10–

57 अद्वैत An Essay on the doctrine of the unreality of the world, by Dandoy S.J.1919.cr.pp.65 1–

58 अद्वैतचन्द्रिका (वेदान्त) *Ag*. 1—

59 अद्वैतचिन्तामणि (वेदान्त) by रंगोजीभट्ट *Sb*. 1–12–

60 अद्वैतचिन्ताकौस्तुभ (वेदान्त) of महादेव सरस्वती ed. by गिरीन्द्रनाथ दत्त and अनन्तकृष्ण शास्त्री 8vo. *Bi*. 3–12–

61 अद्वैततरणिः (वेदान्त) नटेशार्यविरचित गौडगिरिवेंकटरमणाचार्यकृतस्य चन्द्रिका-प्रकाशप्रसरस्य खण्डनात्मकः. *Bm*. 1–8–

62 अद्वैतदीपिका (वेदान्त) of नृसिंहशर्मा with the comm. of नारायणाश्रम Vol. I&II ed. by गोपाळशास्त्री नेने, 1916 8vo. *Pp*. 442 *Lz*. 8–8–

अ

: —माथुरस्य कामाख्यविरचिता *Ch.* -8-

अद्वैत Philosophy, an introd. to, by कोकिलेश्वर शास्त्री 1926 2 ed. 8vo. pp. 280. *Cu.* 4-

65 अद्वैतभावोपनिषत् २ कठुपनिषत् ३ तारोपनिषत् ४ कौलोपनिषत् ed. by सिताराम शास्त्री with introd. by Avelon *Tt.* 2—

66 अद्वैतमकरन्द (वेदान्त) of लक्ष्मीधर with the comm. of स्वयप्रकाश यति and an Engl. Introd. by R. कृष्णस्वामी शास्त्री Cr. 8vo. *Vi.* -6-

67 अद्वैतरत्नरक्षण—(वेदान्त) मधुसूदनीय *N.* -10-

68 अद्वैतसिद्धिः (वेदान्त) श्रीमत्परमहंसमधुसूदनसरस्वतीप्रणीता। विठ्ठलेशीयव्याख्योपबृंहित—गौडब्रह्मानन्दीव्याख्यासहिता तथा बलभद्रप्रणीतासिद्धिव्याख्यया—अनन्तकृष्णशास्त्रिसङ्कलितन्यायामृताऽद्वैतसिद्धितरङ्गिणीलघुचन्द्रिकासग्रहात्मकचतुर्थ्योपस्कृता च 4o. *N.* 10—

69 — मिथ्यात्वमिथ्यात्वान्तो भाग *N.* 2-8-

70 — Engl. Transl. Vol. I, Pt. I, by Dr. Ganganatha Jha. *Lz.* 4-

71 — ed by V. साम्बशिव अय्यर 1893 *Pp.* 3, 4, 343. *Ams.* 4-8-

72 अद्वैतसिद्धान्त वैजयन्ती of त्रिम्बकशास्त्री *Vv.* -8-

73 अद्वैतसिद्धिसिद्धान्तसार (वेदान्त) An abstract of अद्वैतसिद्धी by सदानन्द व्यास with a comm. by the same author ed. and annot. by लक्ष्मणशास्त्री भनॅाड, *Ch.* 4-8-

74 अद्वैतसुधा (वेदान्त) *Vy.* -12-

75 अद्वैतामोदः (वेदान्त) अभ्यङ्करोपाह्ववासुदेवशास्त्रिप्रणीतः *Aa.* 2-

अ

76 अधिकरणकौमुदी (मीमांसा) By Pt. रामकृष्णभट्टाचार्य ed. by गोपाळशास्त्री नेने. *Ch.* 1-8-

77 अधिकरणसंग्रह. (वेदान्त) निर्भयराम कृत *Vt.* 4-

78 अधिमास परीक्षा (धर्म)- *Vy* 4-

79 अध्यात्मकल्पद्रुम (जैन) श्रीमुनिसुन्दरसूरीकृत. *N.* -8-

80 अध्यात्मखण्डी (धर्म) ed. by शशिभूषण सिद्धान्त. *Sd.* -8-

अध्यात्मपटलम् (कर्म) by आपस्तंब, w. विवरण of श्रीशंकर *Tr.* -4-

81 अध्यात्मप्रदीपिका (वेदान्त) पाठान्तरे समेतः-अष्टावक्रस्य *Gn.* -6-

82 — (वेदान्त) *Vy.* -6-

83 अध्यात्मरामायण (वेदान्त) Transl. into Eng. prose by Lala Baij Nath, *Pa.* 4-

84 — मूल *Vy.* 1-4-

85 — संस्कृत टीकासमेत *Vy* 4—

86 — N. 1-8—

87 अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्ति (मीमांसा) of वासुदेवदीक्षित ed. by कुप्पुस्वामी शास्त्री. Pt i & ii *Ch.* each 3-8-

88 अनङ्गरङ्ग (कामशास्त्र) महाकवि श्रीकल्याणमल्ल विरचित ed. by Dr. Schmidt with intro. 1927 pp 2, 4 62, 29. *Ps* 1-8-

89 — ed. by नेपाळी विष्णुप्रसाद भाण्डारी *Ks* -12-

90 — *Mc.* 2-

91 अनंतकथा (मूलमात्र-तुल्यपत्रा) *Vy*-3-

92 अनर्घराघव (नाटक) श्रीमुरारीकृत, रुचिपत्युपाध्यायकृत टीकेसहित *N.* 2-

93 अनर्घनलचरित्र (महानाटक) पचनदीय पं. श्रीसुदर्शनाचार्यशास्त्रिप्रणीत *Ch.* 1-8

अ

94 अन्नपूर्णाकथा मूल (भविष्यपुराणांतर्गत) *Vy* –6–

95 अनादितत्त्वम् (वेदान्त) नृसिंहदेव शास्त्रिणाप्रणीतम् pp. 72. *mc.* –12–

96 अनिर्वचनीयतासर्वस्वम् (वेदान्त) see खण्डनखण्डखाद्यम्.

97 आह्निकप्रकाश (वीरमित्रोदय) *Ch.* 9–

98 अनुगीता (वेदान्त) by K. T. Telang 1908, 2 ed. *Of.* 12–8

99 अनुत्तरप्रकाश पंचाशिका (वेदान्त) of आदिनाथ. *Km* 1–7–

100 अनुभवरस (संगीत) हीरासखी *Vy* 2–8–

101 अनुभवानन्दलहरी (वेदान्त) *Vy* –3–

102 अनुभूतिप्रकाश (वेदान्त) विद्यारण्यस्वामिकृत. *N* 1–

103 अनुभूत योगावली (वैद्यक) *Vy* –12–

104 अनुमानगादाधर्या अनुमितिप्रकरणम् (न्याय) खंड १. *Kg* 1–8–

105 अनुमितिप्रकरणम् वा व्याप्तिपंचक प्रकरणम् सिंहव्याघ्रलक्षणप्रकरणम् वा व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावप्रकरणम् खंड २ *Kg.* 1–8–

106 — व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावप्रकरणम् खंड ३. *Kg.* 1–8–

107 — व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावप्रकरणं वा पूर्वपक्षप्रकरणम् वा सिद्धान्तलक्षण प्रकरणम् खंड ४ *Kg.* 1–8–

108 — तथा सिद्धान्तलक्षणप्रकरणम् वा अवच्छेदकत्वनिरुक्तिप्रकरणम् ख. ५ 1–8–

109 — अवच्छेदकत्वनिरुक्तिप्रकरणम् वा सामान्याभावप्रकरण वा विशेषव्याप्तिप्रकरणं खंड ६ *Kg.* 1–8–

110 — चतुर्दशप्रकरणं वा व्याप्तिग्रहोपायप्रकरणं वा तर्कप्रकरणम् खंड ७ *Kg* 1–8–

अ

111 — तर्कप्रकरणम् वा व्याप्त्यनुगमप्रकरणम् वा सामान्य लक्षणप्रकरणम्, खं. ८ 1–8–

112 — सामान्यलक्षणप्रकरणम् वा उपाधिप्रकरणं. खंड ९ *Kg.* 1–8–

113 — उपाधिप्रकरणं खं. १० *Kg.* 1–8–

114 — उपाधिप्रकरणम् वा पक्षताप्रकरणम् खंड ११. *Kg.* 1–8–

115 — पक्षताप्रकरणम् वा परामर्शप्रकरणम् खंड १२ *Kg.* 1–8–

116 अनुमानदीधिति प्रसारिणी–(तर्क) of कृष्णदास सार्वभौम ed. by प० तर्कनिधि 8° *Bi.* 2–4–

117 अनुरागरस सं-नारायणस्वामी *Vy* –3–

118 अनुरुद्धशतकम्—(बुद्ध) of अनुरुद्ध महाथेरा of अनुराधपुरा with Comm. by—The Rev C. A. Seelakkhandha The'ra 1890 8° p. 11, 46. *Bl.* 2–

119 अनुवाद रत्नाकर pt. I. II. (व्याक.) उमाचरण विद्याभूषण *Sd* each –2–

120 अनेकविधाकल्पनिरूपणाध्याय by हरिकृष्ण. *Vy* 7–

121 अनेकार्थध्वनिमंजरी (कोश) *Vy*. 1—

122 अनेकार्थसंग्रह (कोश) of हेमचन्द्र with extracts from comm. of महेंद्र. Ed. by Zachariae 1893 15–

123 अनेकार्थसंग्रह (कोश) आचार्य श्रीहेमचन्द्र निर्मित *Ch.*

124 अनेकार्थसमुच्चय by शाश्वत Ed. by कुलकर्णी 1929 pp. VIII, 90, 2–

125 अन्ययोगव्यवच्छेदिका। द्वात्रिंशिकाख्य महावीर स्वामिस्तोत्र हेमचन्द्राचार्य कृत *Km7* 1–

126 अन्योक्तिशतक वीरेश्वरकृत *Km5* 1–

127 अन्योक्तिशतक (जैन) शोभचंद्र, दर्शनविजयगणी कृत. *Jb.* –6–

अ

128 अन्योक्तिसंग्रहाध्याय हरिकृष्ण *Vy* 1-

129 अनुभूतयोगावली (वैद्यक) *Vy* -I

130 अन्योपदेशशतक (काव्य) मधुसूदन कवि प्रणीत. *Km* 1-

131 अन्वयप्रबोध (व्याकरण) *Vy* -2-

132 ANALYTICAL INDEX OF NAMES AND SUBJECTS by M. Winternitz: a complete index to the 49vols, of the Sacred Books, constituting a gazetteer of Eastern Religion, and valuable as an independent work of reference, pp xvi + 684, *Of* 16-

133 Analysis of the Contents of ऋग्वेद by मार्कण्डेयशास्त्री *Sb*,

134 ANNALS AND ANTIQUITIES OF THE RAJASTHAN of J TOD ed. by W. CROOKE 1920 3vols Ordinary paper, I, pp, lxx + 588, 13illus, II, xxx + 668, 26 illus, III, xxii + 606 25illus, & map *Of* 40

135 ANNALS of the भाण्डारकर इन्स्टिट्यूट vols 1-9 each 10-

136 Annual Reports of Archaeology for 1905-10, *Ct* each 1-

137 Antiquity of the Veda by Krishna Shastri Godbole 1882. 2-

138 — of the Ramayana, a note on, by N.C. Das 1899 4to pp, 14 *Cc* 1-

139 — of Chamba State by J. Vogel *Gi* 22-

140 — Bhimbar & Rajauri *Gi* 4-

अ

141 — Indian Tibet, Francke 12-

142 अपभ्रंशकाव्यत्रयी—(जैन) consisting of works, the चर्चरी, उपदेशरसायन, and कालस्वरूपकुलक, by जिनदत्तसूरि. (12th century) comm. ed. by Gandhi *Go.* 4-

143 अपरिमितायुर्ज्ञाननाममहायानसूत्रम् (जैन) by Walleser. *Gr* 2-8-

144 अपामार्जनस्तोत्र मूलमात्र. *Vy* -2-

145 अपरोक्षानुभूतिः (वेदान्त) by श्रीमच्छंकराचार्य—श्रीशिवराम. स्वामिविरचित दीपिकाख्यसमश्लोकव्याख्यासमेता—मनीषापंचक च—श्रीयोगानन्द यतीन्द्र विरचित पद्यात्मकमहाराष्ट्र व्याख्यासमेत. by वामन शास्त्री केमकर 1889 pp 4,30,13 1-

146 — Direct Perception. A well-known work with मराठी transl. and explanatory notes by बापटशास्त्री 1928. pp. 122, Crown 16 mo 3 ed *Ak* 8-

147 — or Direct Cognition of the Unity of Jiva and Brahma ed. by तुकारामतात्या *Rt.* -6-

148 अपरोक्षानुभवदर्पण, (वेदान्त) पद्यीकरणसह. *Vy.* -10-

149 The Apokryphen of the Rigveda (खिलानि Recension) text, ed. by Scheftelowitz (A new discovery regarding ऋग्वेद) *Gr.* 10-

150 Aphorism of नारद by कनोजमल *Ad* -8-

151 Aphorisms of the न्याय Philosophy by गौतम ed. by Ballantyne w. Engl. Transl 1850, 8vo, pp 56. 5-

अ

152 Aphorisms of Yoga by पतञ्जली with the Comms. of व्यास and Gloss. of वाचस्पति मिश्र by रामप्रसाद Engl. Transl. 3 ed. *Po* 7-8-

153 अंबडचरित्र जैन, अमरसूरिकृत. *Jb* 14-

154 अंबाष्टकं सटीकम् (स्तोत्र) श्रीशंकराचार्यस्य. *Gn.* -2-

155 अधिनौयान मीमांसा धर्म, *Vy* 1-4-

156 अभयकुमारचरित्र(जैन) काव्य, चन्द्रतिलकोपाध्यायकृत. *Jb.* 15-

157 अभिधावृत्तिमातृका(कोष) of मुकुलभट्ट तथा शब्दव्यापारविचार of मम्मटाचार्य. *N.* -6-

158 अभिधानचिंतामणिकोश (जैन) Vols. 2 ed. w स्वोपज्ञटीका by हेमचन्द्र 8vo pp. 620. 7-8-

159 अभिधानप्पदीपिका मोग्गल्लानथेरविरचित नामपाली-शब्दकोष एकाक्षर कोश, विभक्त्यर्थ प्रकरण, अकारादि शब्दानुक्रम, सन्धिदर्शक पदच्छेद इत्यादि समन्वित by मुनिजिनविजय 8vo pp. 8, 162. 5-

160 अभिधानरत्नमाला(कोश) of हलायुध a Sanskrit vocabulary, ed. with a Sanskrit-English glossary by Th. Aufracht, London, 1861. 8vo. pp. 400. 10—

161 — Reprint 1928 *mt.* 10—

162 अभिधान राजेंद्र—(कोश) Prakrit Dict. by विजयराजेंद्रसूरिकृत 7 Vols *Rl.* 275-

163 अभिनवकौस्तुभमाला-दक्षिणामूर्तिस्तवा-स्तोत्र by कृष्णमाचार्यमुनि-2-

164 अभिनवरत्नमाला parts I & II Containing humorous passages sweet songs, lyrics &c. written in an easy, elegant idiomatic Sanskrit style. by M. P. Oka. each 1-4-

165 अभिनवतालमंजरी (संगीत) -6-

166 अभिनवरागमंजरी (संगीत) -8-

167 अभिमन्युनाटक by शालिग्राम *Vy* 1-

168 अभिलषितार्थ चिन्तामणि Vol. I 8vo. *Bs.* 2-

169 अभिषेकनाटकम् by भास *T.* -12-

170 अभिज्ञानशाकुन्तल—see शाकुन्तल.

171 अमरकोश(कोष)अमरसिंहकृत, भानुजी दीक्षितकृत व्याख्यासुधा (रामाश्रमी) टीकेसहित. *N.* 4-8

172 — विष्णुदत्तशर्मसंगृहीत नामचन्द्रिकाख्य व्याख्यासहित. *Vy.*

173 — संस्कृत टिकासहित. *Vy* 2-

174 — मूल *Vy* -8-

175 — सटीक *Vy* 1-

176 अमरकोषः तिवरी सं ed. by स. विद्याभूषण 8vo *Bs.* 4-

177 — मूल शब्दकोशसहित. *N.* -14-

178 — सटीक शब्दकोशसहित. *N.* 1-2-

179 — with क्षीरस्वामीटीका by Oke 1913. 4°. pp. 9, 240, 106 3-8-

180 — or Sanskrit Thesaurus with meanings in English and Kannada and an Alphabetical Index to the words by Lewis Rice 1883, 3 ed. (Rare) 8vo. *pr.* XII 148. 8—

181 अमरसार (कोष) Anabridgment of अमरकोष. Being a Sanskrit-English and English-Sanskrit Pocket Dictionary. By M. S. Gole, 3 ed. 1-

अ

182 अमरटीका कामधेनु The Tibetan version of Amartica Kamadhenu,-a Budhistic Sans. comm. on the अमरकोश by Subhuti Channdro. ed. by सतीशचन्द्र विद्याभूषण 1912. 8vo. Br. 1-4-

183 अमरदत्तमित्रानंद चरित्र (जैन) गद्य, भावचन्द्र सूरिकृत. Jb 1-

184 अमरावतिस्तूप Burgess Gr 7-8-

185 अमरुशतक(काव्य)श्रीअमरुककविविरचित, अर्जुनवर्मदेवरामप्रणीत रसिकसंजीवनी टीकेसह N. 10-

186 — by Simon. Gr. 3-

187 अमरौघशासन(वेदान्त)ofगोरक्षनाथ. Km. 3-6-

188 अमृतबिन्दु and कवल्योपनिषद् w. Text Transl. & comm by पं. महादेव शास्त्री. 1-4-

189 अमृतलहरी (काव्य) जगन्नाथराजकृत Km.1 1—

190 अमृतोदय (नाटक) श्रीमद्गोकुलनाथकृत. N. -8-

191 अयोगव्यवच्छेदिका द्वात्रिंशिका महावीर स्वामीस्तोत्र हेमचन्द्राचार्य कृत. Km7 1-

192 अयोध्याकाण्ड-(रामायण) of Ram Labhaya 1923. Dt. 1-8

193 अयोध्यामाहात्म्य. Vy. -14-

194 अर्धनारीश्वर स्तोत्रम् चन्द्रमहाकविकृत Km. 14. 1-

195 अर्धमागधी कोष (जैन) Illust. Literary Philosophic & Scientific with Sanskrit, Gujrathi, Hindi and English Equivalents, references to the Texts and Copious

अ

quotations. Introd. by Woolner ed. by शतावधानि रत्नचंद्रजी. 1923. 3 Vols. (all out) 22-

196 अर्धमागधी रीडर by Dr. Jain. This book as its name implies deals with the अर्धमागधी sacred language of the जैन आगम It contains Grammar of अर्धमागधी, Hist. of literature together with an account of its present recensions, bibliography, Mss. Extrac s, etc., their Engl. transl. and index. 8vo. pp. lxv. 180.3-

197 अर्थसंग्रहवैभवप्रकाशिका, रा.ना.-3-

198 अर्थशास्त्र of कौटिल्य ग्रन्थत्रयम् by Dr. R. शामशास्त्री 3ed. 8vo. Bs 4-

199 — Original text prepared w. the help of Munich (German) Mss. and all other sources available ed. with an extensive hist. introd. of 47 Pages, & notes in Engl. by Dr. J. Jolly and Dr. R. Schmidt together with the ancient Original Sans. Comm. नयचन्द्रिका 2 vols. 8vo. pp. 47, VI. 272, 2,2,2. Mt. 10-

200 — by Dr. R. Shama Sastry Engl. Transl. Ad. 6-

201 — with the comm. by T. गणपति शास्त्री vols. 1 to 3 Tr 21-

202 — by Meyer (parts (in German) 55-

203 — by बार्हस्पत्य ed. w. introd. notes and transl. by Thomas. Pa. 2-8

204 अर्थपंचक(वेदान्त) by पिल्लै लोकाचार्य ed. with Engl. transl. by Dr. G. Thibaut. Bm

अ

205 — कौमुदीसमेत by श्रीरामेश्वर शिवयोगिभिक्षु ed with notes by Pt रघुवीर त्रिवेदी,लक्ष्मणशास्त्री द्रवाड, Ks 1

206 — श्रीरामेश्वरशिवयोगिभिक्षुकृत मीमांसार्थसंग्रह कौमुदीव्याख्यासह N -14-

207 — सटीक ed by कृष्णनाथ न्यायपञ्चानन Sl 1-4-

208 — सटाक सटिप्पण Kg 1-

209 — मराठी टीकाbyश्र पराजप N 2-

210 Aral to Ganges by Brunhhofer Gr 10-

211 EARLY HISTORY OF THE SPREAD OF BUDDHISM AND THE BUDDIST SCHOOLS, by Dr Nalinaksha Dutt. with a foreword by Dr. Narendra Nath Law (Book I analyses the forces that helped the propagation of Buddhism in India and delineates the missionary activities of Buddha and his disciples in detail Book II contains a delineation of the four principal Aunayana schools of Buddhism including resumes of their doctrines 8vo pp 314 + xi Co 7-8-

212 EARLY HISTORY OF India from 600 B.C. to the Muhammadan Conquest, including the Invasion of Alexander the Great by Vincent A Smith 4ed revised by S M Edwardes 1924, 8vo (6 + 9) pp xu + 536 with 18 illustrations and maps. Of 16-

213 EARLY HISTORY of the Indo-iranians. *Reprint*, by Keith. 8vo pp 81-92 -8-

अ

214 EARLY HISTORY of the Rajputs by Vaidya 7-8-

215 EARLY HISTORY of the Vaishnava Sect, by RayChaudhuri, 8vo pp 158 2-13- (The book contains materials for a connected history of Vaishnavism from the Vedic times to the age of the early Tamil Acaryas who laid the foundation of Sri Vaishnava School The author takes into consideration only works of proved antiquity and epigraphical records His method of treatment is strictly scientific and he comes to a number of interesting conclusions among which is the establishment of the historic personality of Vasudeva Krishna and the determination of the doctrines of the old Bhagavata sect

216 EARLY HISTORY of the Vaishnavism in South India by S K Ayangar 1920 Pp x + 112 Of 1-4

217 EARLY TRAVELS IN INDIA 1583-1619, ed by William Foster 1921 pp. xiv + 352, and ten illustrations India-paper Of 11-8

218 अलङ्कारकौमुदी (अलङ्कार) श्रीवत्सभट्टविरचिता Gn -2-

219 अलङ्कारकौस्तुभ (अलङ्कार) मार्तण्डेश्वरपण्डितविरचित, स्वोपज्ञव्याख्यासहित N.

220 — a work on Sans Rhetoric by Kavi Karnapura ed.by Prof. शिवप्रसाद भट्टाचार्य part.I. Vr 3-8-

221 अलङ्कारचन्द्रिका (काव्यचन्द्रिका) अलङ्कारदर्पण नाम संस्कृतग्रन्थसह. Vy -6-

अ

222 अलंकारप्रदीप (अल्कार) of विश्वेश्वरपण्डित ed by भण्डारि *Ks* -8-

223 अलंकारमणिहार (आल्कार) श्रीकृष्णब्रह्मतन्त्र परकाल स्वमिन्द्रै प्रणीत pts 1-3 *Rs* 10-2-

224 अलंकारमुक्तावली (काव्य) श्रीविश्वेश्वर पाडेय निर्मिता. *Ks* -15-

225 अलकारविकाश (संस्कृत कुवलयानद) मराठी भाषातरासह by केमकरशास्त्री 1886, Roy. pp. 3,233 2-4-

226 अलंकारशास्त्र (अलकार) सटीकम् श्रीवाग्भट्टप्रणीत. *Gn.* -2-

227 अलंकारशेखर (अलंकार) केशवमिश्र कृत श्रीअनन्तराम शास्त्रिणा भूमिकादिभि सनाथ्य सशोधित *Ks* 1 4

228 ——— *N.* -12-

229 अलंकारसूत्रम् (अल्कार) by श्रीराजानक रुय्यक w. the अलङ्कारसर्वस्व of श्रीमंखुक and its comm by समुद्रबन्ध 4to *Tr.* 2-8-

230 — ed. by चन्द्रकान्त तर्कलंकार *Sd.* 2-1-

231 Alberuni's India Account of the Religion, Philosophy, Literature, Geography, Chronology, Astronomy, Customs, Laws and Astrology of India, about A. D. 1010 By Dr. E. C. Sachau, Cheap ed *Kp.* 8-

232 Alexander's Empire by Mahaffy *J.* 1920. 8th ed *Fu.* 7-8-

233 Altindche Grammatic or the Grammar of the Old Indian language by Jakob Wackernagel Complete in 2 vols. *Gr* 34-3-

अ

234 *Allahabad University Studies* Vols. I to V each 7-8-

Vol I Contains —

1 Meteorology in Ancient India by Ganganath Jha

2 A contemporary Life of Akbar in Sanskrit by Amarnath.

3 The Mamsara and Vitruvius by P K Acharya

4 Persian Loan—words in the Ramayana of Tulsidas by Babooram

5 Synthetic Gradation in Indian Thought—Umesha Misra

6 The Vrsakapi Hymn—K C Chattopadhyaya.

7 Apabhramsha Literature—Hira Lal Jain

8 Identity of the Present dialects of Hindustan with the Ancient *Janapadas*—Dhirendra Varma.

9 The Realism of David Hume—A C Mukerji

10 On vertical and Horizontal pressures on a rough cycloidal pully due to the motion of a heavy inextensible chain over it—A C Banerji & S K. Mukerji

11 The conception of Muslim Marriage—Mahomed U S Jang

12 Negative Catalysis in Oxidation reaction—N R Dhar

13 Studies in Absorption S Ghosh and N R Dhar

14 [illegible]

15 On the Stability of colloidal Solutions K C Sen

16 New [illegible] on spectrum analysis —N K Sur

अ

Vol. II Contains —

1 The Origin and Development of the Muslim Law of Marriage—Dr U. S. Jang

2 Bernard Shaw as a critic of Contemporary Society by F J Fielden.

3 Hindu System of measurement by P. K. Acharya

4 The Date of Kalidasa by K Chattopadhaya

5 Marriage in Grhya Time & Now R. K. Shukla.

6 The Verb in the Ramayana of Tulsidas—Babu Ram Saksena.

Vol III Contains —

1 Cytoplasmic Organs in the Germ Cells and Somatic Cells of Tubifex—H R. Mehotra

2 Studies in Absorption—Part XIII M Mehotra

3 Phenomenal after effect in certain Photochemical Reactions -B. K. Mukerji and N R Dhar

4 Studies on the Oxid Fickel K P Chatterji.

5 Some observations on the Phenomenon of Coagulation and Absorption-S Ghosh

6 Electroyte Antagonism with Inorganic Suspensions and the Equilibrium between Sodium and Calcium Ions in Biological Systems—K C Sen

7 On the Temperature Radiation of Gases-M N Saha

8 On the Choice of Striking Point in the Pianoforte String by Ghosh.

9 Rainbows-G. B. Deodhar

10 The Criterion-P. S. Burrell

अ

11 The Sensible Appearance of movement-Randle

12 Reald's *Conception of Idealism* -A. C. Mookerjee.

13 On Green's "Spiritual Principle" -N. C. Mookerjee.

14 Parasitism in India, its cost and cure-B G. Bhatnagar

15 Development of Persian Literature during the time of Akbar-M Zia Ahmad.

16 A note on the mess of Sur Sagar - D Varma M

235 All India Oriental Conferences. *Bp*
First session Report 2 Vols. 13–
Second „ „ 1 Vol. 10–
Third „ „ „ 10–
Fourth „ „ 2 Vols. 13–

236 अवच्छेदकतानिरुक्ति(न्याय) *Su*-15-

237 अवन्तीक्षेत्रमहात्म्य स्कन्द पु. *Vy*-4–

238 अवन्तिसुन्दरीकथासार *Kv* 2–

239 अवतारसिद्धि (वेदान्त) प. यमुनाशंकरजी नागरद्वाराविरचित. *La.* -2–

240 अवदानकल्पलता(बुद्धिज्म)श्रीक्षेमेन्द्रविरचिताया बोधिसत्वावदानकल्पलताया मणिचुर्णावदानं नाम तृतीयपल्लव.*Ch.*–1–

241 — (संस्कृत तिबेटी) of क्षेमेन्द्र ed. by शरत्चन्द्रदास and हरिश्चन्द्र विद्याभूषण 2 Vols. 8vo. *Bi.*

242 अवदानशतक ed. by. Speyer Vol. I (Fsc. I–IV) Vol. II (Fsc. I–IV.) *Bb* each *Fac.* 5–

243 अवधूतगीता (वेदान्त) N. –4–

244 — (Silk-cover) *N.* –6–

अ

245 — (वेदान्त) मूल श्रीदत्तात्रेय प्रणीता (Silk) *Vy.* –7–

246 अविमारकम् (नाटक) by भास ed. by Ganapati Shastri. *Tr.* 1–8–

247 अवैदिकदर्शनसंग्रह (वेदान्त) by गंगाधर वाजपेययाजी. *Vv.* –3–

248 अवैदिकसिद्धान्तवैजयन्ती (वेदान्त) by त्रिवक्रतीर्थ. *Vt.* –8–

249 ASUTOSH MEMORIAL VOLUME. 38 contributions on all topics by different eminent scholars of the world ed. by Prof. J.N Samaddar. 2 pts. bound in one. Patna. 15–

250 ASUTOSH Mukerjee silver jubilee Commemoration volumes

These volumes contain essays contributed by the friends and admirers of the late Sir Asutosh Mookerjee on the occasion of the Silver Jubilee of his attaining the Degree of Doctor of law, 3 vols of the Univ of Calcutta.

Vol. I, Arts and Letters, 1921. Roy. 8vo. pp. 621 11–4–

Vol. II, Science, 1922 Roy. 8vo pp. 484. 11–4–

Vol. III *Orientalia*, pts I, Roy 8vo. pp 524. 11–4–

Vol. III. *Orientalia*, pt. 2 Roy 8vo pp. 757. 11–4–

Vol. III. *Orientalia* part 3 Roy. pp. 516. *Cu* 11–4–

अ

251 अशोक (*Carmichael Lectures*, 1923,) by D. R. Bhandarkar, Demy 8vo pp. 364. *Cu.* 5–

In this book the author has set forth his views about the Budhist monarch after a careful and systematic study for a quarter of a century not only of the inscriptions of Asoka but also of the valuable transl and notes on these records by distinguished scholars in the field of Ancient History of India The book consists of eight chapters dealing with the following topics, I, Asoka and his early life II, Asoka's empire and administration, III, Asoka as a Budhist IV, Asoka's Dhamma V, Asoka as a missionary, VI, Social and Religious life from Asokan monument VII Asoka's place in History VIII Asoka s inscriptions

252 — by V. A. Smith 3rd. revised and enlarged. 1920. Cr. 8vo (7¼ × 5). pp. 280, with two illustrations, a map and an index. *Of* 6–6–

253 – Text and Glossary, by A.C. Woolner 1924 4to (12¾+9¾) pt I introd & text pp xxxvii 52 pt. II, glossary, pp. iv+53 156. *Of* 10–

254 — by J M Macphail, 2ed. C. 8vo. *As* 2–8–

255 — by Radhakumud Mukerjee, 8vo. *M.* 15–12–

256 — Inscriptions by Ramrtar Sharma, Text, with transl. *Ml.* 2–8–

अ

257 अश्ववैद्यक (वैद्यक) of जयदत्तसूरि ed. by दत्त कविरत्न, 1886, 8vo. *Bi.* 4–8

258 अश्वधाटीकाव्य Hindi. Transl. *Vy* –4–

259 अष्टलिंगतोभद्र (र. मंडळ) *N.* -2–

260 अष्टसिद्धि by pt. कन्हय्यालालमिश्र w. Hindi Transl. 1916, 4to, pp 2, III. *Vy* –12–

261 अष्टाविंशत्युपनिषद् *Vy* 1–8–

262 अष्टादशस्मृति मूल 1 अत्रि, 2 अंगिरस, 3 आपस्तम्ब, 4 औशनसी, 5 कात्यायन, 6 गौतम, 7 दक्ष, 8 पाराशर, 9 बृहस्पती, 10 यम, 11 लिखित, 12 वसिष्ठ, 13 विष्णु, 14 व्यास, 15 शातातप, 16 शख, 17 संवर्त, 18 हारीत. (सर्वधर्मनिरूपणयुक्त) ग्रंथ 1924. *Vy* 2–

263 अष्टाध्यायीसूत्रपाठ (व्याकरण) पाणिनिकृत. *N* –8–

264 — *Vy* –6–

265 — *Kg* –4–

266 — पञ्चपाठी (व्याकरण) गणपाठ, धातुपाठ, वार्तिकपाठ, लिंगानुशासन. *Vy* –12–

267 — सवार्तिक गणपाठ by चन्द्रसागर शास्त्री *Bm.* –12–

268 अष्टपदी see गीतगोविंद.

269 अष्टाविंशत्युपनिषद् 1 ईशावास्य, 2 ऐतरेय, 3 कठ, 4 कृष्ण, 5 कलिसंतरण, 6 केन, 7 कैवल्य, 8 कौषीतकी, 9 गर्भ, 10 छान्दोग्य, 11 जाबाल, 12 जाबालि, 13 तैत्तिरीय, 14 दत्तात्रेय, 15 नारायण, 16 नारदपरिव्राजक(?), 17 प्रश्न, 18 ब्रह्म, 19 बृहदारण्यक, 20 बृहज्जाबाल, 21 महानारायण, 22 माण्डूक्य, 23 मुक्तिक, 24 मुण्डक, 25 रामपूर्वतापिनी(?), 26 श्वेताश्वतर, 27 सर्व, 28 हयग्रीव. 1923. *N.* 1–

अ

270 अष्टांगसंग्रह (वृद्धवाग्भट) इन्दुव्याख्यासह संपूर्ण ३ भाग. *Mp.* 17–

271 अष्टाङ्गहृदय मूल (वैद्यक) वाग्भटकृत, शब्दकोशसहित. *N.* –12–

272 — सटीक श्रीमदरुणदत्तप्रणीत सर्वांगसुंदराव्याख्यासहित. *N.* 8–

273 — स. मूळ मराठी भाषांतर by G. K. Garde. 10–

274 (वैद्यक) by देवेन्द्रनाथसेनगुप्त *Cc.* 8–

275 —सूत्रस्थान—वाग्भटकृत मूल तथा अरुणदत्तकृत सर्वांगसुन्दरा, चन्द्रनन्दकृत पदार्थचन्द्रिका, हेमाद्रिकृत आयुर्वेद रसायन तथा प. रामप्रसादजीकृत कठिण स्थळटिप्पणी सहित. *Vy.* 6–

276 — मूल, वाग्भटविरचित *Vy* 4–

277 अष्टोत्तरशतोपनिषद् 1 अथर्वशिरस, 2 अथर्वशिखा(?), 3 अद्वयतारक, 4 अध्यात्म, 5 अन्नपूर्णा, 6 अमृतनाद, 7 अव्यक्त, 8 अवधूत, 9 अक्षमालिका(?), 10 अक्षि, 11 आत्म, 12 आत्मबोध, 13 आरुणिक, 14 ईशावास्य, 15 एकाक्षर, 16 ऐतरेय, 17 कठ, 18 कठरुद्र, 19 कलिसंतरण, 20 कृष्ण, 21 कालाग्निरुद्र, 22 क्षुरिक, 23 केन, 24 कैवल्य, 25 कौषीतकिब्राह्मण, 26 गणपति, 27 गोपालपूर्वतापिनि, 28 गोपालोत्तरतापिनी, 29 गर्भ, 30 गरुड, 31 छान्दोग्य, 32 जाबाल, 33 जाबालदर्शन, 34 जाबालि, 35 तारसार, 36 त्रिपाद्विभूतिनारायण, 37 त्रिपुर, 38 त्रिपुरतापिनि, 39 त्रिशिखिब्राह्मण, 40 तुरीयातीत, 41 तेजोबिंदु, 42 तैत्तिरीय, 43 दत्तात्रेय, 44 दक्षिणामूर्ति, 45 देवी, 46 ध्यानबिन्दु, 47 नादबिन्दु, 48 नारदपरिव्राजक, 49 नारायण, 50 नारायण(?), 51 निर्वाण, 52 निरालम्ब, 53 नृसिंहपूर्वतापिनि,

अ

54 नृसिंहोत्तरतापिनी, 55परब्रह्म, 56परमहंस, 57 परमहंसपरिव्राजिक, 58 पंचब्रह्म, 59 प्रश्न, 60 प्राणाग्निहोत्र, 61 पाशुपतब्रह्म, 62 पैङ्गल, 63 बह्वृच, 64 बृहदारण्यक, 54 ब्रह्जबाल, 66 ब्रह्म, 67 ब्रह्मबिन्दु, 68 ब्रह्मविद्य, 69 भस्मजाबाल, 70 भावन, 71 भिक्षुक, 72 मण्डलब्राह्मण, 73 महा, 74 महावाक्य, 75 माण्डुक्य, 76 क्षुरिक, 77 मुद्गल, 78 मुण्डक, 79 मैत्रेय, 80 मैत्रायणि, 81 मंत्रिक, 82 याज्ञवल्क्य, 83 योगकुंडलि, 84 योगचुडामणि, 85 योगतत्त्व, 86 योगशिख, 87 रामपूर्वतापिनि, 88रामोत्तरतापिनी, 89रामरहस्य, 90रुद्रहृदय, 91 रुद्राक्षजाबाल, 92 वज्रसूचिक, 93 वराह, 94 वासुदेव, 95 शरभ, 96शाण्डिल्य, 97 शाट्यायनि, 98 शारीरक, 99 शुकरहस्य, 100 श्वेताश्वेतर, 101 संन्यास, 102 सरस्वतीरहस्य, 103 सर्वसार, 104 सावित्रि, 105सीत, 106 सुबाल, 107 सूर्य 108 सौभाग्यलक्ष्मी, 009 स्कन्द, 119 हंस 111 हयग्रीव, 112 क्षुरिक. *N.* 3–

278 Aspects of the वेदान्त by Vythinatha Aiyar 1921. 1 ed.cr. 1212 *Nl.* 1–

279 — Ancient Indian Polity by N. N. law with a Foreword by A. B. Keith 1921. Svo. (6+9) pp. xx+228. *Of.* 10–

280 Astronomy, Astrology & Mathemeties by Thibaut. *Gr* 4–

281 ASTONOMY HINDU ARYAN and antiquity of Aryan Era by pt. Bhagwan Das Pathak 1920. I.ed. 2–

282 Astronomical Instruments in the Delh, Musem.. *Gi.* 1–10–

अ

283 Astronomical Observatorios of जयसिंह, by Kaye *Gi.* 14–12–

284 अहिर्बुध्न्य संहिता(पंचरात्रागम) ed. byरामानुजाचार्य under the Supervision of otto Schroder 2vols pp.xi 177. *Od* –15

285 अक्षरमाला. *Mp* –1–

286 अक्षरतन्त्र सटीक अगिशलीमुनि प्रणीत see सामवेद. *Cc.* 1–8

287 अक्षयशास्ति तथा शिवभक्तिकल्पलतिका (स्तोत्र) श्रीधर व्यंकटेशरया कृत. *Vy* –2–

988 ACTION, the philosophy of, see,—The philosophy of action.

289 ADOPTION The theory of, see–The theory of adoption.

290 ANTHROPOLOGICAL Society, the journal of, see,—The journal of the Anthropological society.

291 अहमदाबाद, the Muhammaden Architecture of, see–The Mahammaden Architecture of अहमदाबाद.

292 अलंकारशास्त्र, the ancient history of, see–The Ancient History of अलंकारशास्त्र.

293 अवेस्ता and कालरी Hunas in, see-the Hunas in अवेस्ता and कालरी.

294 अवेस्ता and old Persia, the selections from, see–the selections foom अवेस्ता and old Persia.

295 अशोक the inscriptions of, see–The inscriptions of अशोक.

296 असीरिया, The history of, see–The History of असीरिया.

आ

297 आगमप्रामाण्यम् (वेदान्त) श्रीपञ्चरात्रतन्त्रप्रामाण्यव्यवस्थापनपरम्, श्रीभाष्यकाराणां परमगुरुणा श्रीद यामुनाचार्यप्रणीतम् पण्डितस्वामिरामभिश्रशास्त्रिणा परिशोधितम्, क्वचिद्विषमस्थले विशदीकृतं च. अयमागमप्रामाण्यग्रन्थः सम्यगवलोकितो दार्शनिकेतिहासनिरूपणव्यवसायीनामत्यन्तमुपयोक्ष्यते. *Ls* -12-

298 आंग्लाधिराज्यस्वागतम् —म. म. श्रीपरवस्तु वेंकट रंगाचार्यवर्यगुरुकृतं, पद्यात्मकं, आंग्लभाषानुवादसहित, 8vo pp. 32 *Vz.* -3-

299 आचाराङ्गसूत्र (जैन) or the first Anga of the Jains, text ed. w. analysis notes and glossery by W. Schubring *Gr.* 5-

300 अचारचन्द्रिका स्वामी दयानन्द विरचित 1922 8vo. pp. 2, 62, 24 24. *Kg* -8

301 आचारचिन्तनम् (धर्म) by रामाक्षर चट्टोपाध्याय *Sd* -6

302 आचारप्रदीप गद्यपद्य (जैन) रत्नशेखर सूरिकृत *Jb* 6-4

303 आचारभूषणम्(कर्म)सत्याषाढहिरण्यकेश्यान्हिकम् । *Au* 4-6

304 आचारमयूख (धर्म) नीलकण्ठभट्टकृत प्रात 'स्मरणादिशयनान्तस्यान्हिकक्रियाकलापस्य निरूपणपरो ग्रन्थ' *Gu* -8-

305 आचारमार्तंड (धर्म) *Sp* 1-

306 आचाररत्न(कर्म)आन्हिकग्रन्थ *N* 1-

307 आचारार्क (कर्म) मूल *Vy* -12-

308 आचारादर्श— (धर्म) यजुर्वेदीय आन्हिकविधि *Vy* -12-

आ

309 आचार्याः-(चरित्र) शङ्कर, रामानुज and मध्वThe Three Great. *Nt* 3-

310 आचारेन्दु । (कर्म) मोटे त्र्युपाह्व-त्र्यम्बकविरचित । *Au* 4-

311 आतङ्गणाउदसाओ (जैन) and Anuttarovaiya Sutra transl. into Engl. by L.D Barnett *Ra* 6-8-

312 आत्मचिन्तनम् (धर्म) by रामपद महोपाध्याय *Sd* -7-

313 आत्मतत्त्वविवेक (वेदान्त) by उदयनाचार्य w. the comments दीधिती by रघुनाथ and कल्पलता by शङ्करमिश्र and sub-comm. called टिप्पणि by श्रीरामतर्कालङ्कार भट्टाचार्य Ed. by वामचरण भट्टाचार्य and प. राजेश्वरशास्त्री द्राविड, with a forward by प. गोपीनाथ कविराज *Ch* 3-

314 आत्मतत्त्वविवेक (बुद्ध) on बाह्यार्थभङ्गाधिकार. A Refutation of Buddhistic metaphysics by उदयनाचार्य. w. the comments of शङ्करमिश्र, भगीरथ ठक्कुर रघुनाथ तर्कशिरोमणी, मथुरानाथ तर्कवागीश &c. ed by म. म. विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदि. 1807–1925 *Bi* 3-12-

315 आत्मनिंदाष्टकम् (स्तोत्र)शमचतुरिकृत *Km7* 1-

316 आत्मप्रबोध सटीक (जैन) जिनलाभसूरिकृत 2ed. *Jb* 8-

317 आत्मपुराण(वेदान्त) with comm. Unbound *Gn* -12-

318 आत्मपुराण (ऐतरेयोपनिषदर्थ प्रकाशरूप) अध्याय १ सान्वयार्थ, by बापटशास्त्री 1913, 8o *Ak* 2-

आ

319 आत्मविद्या (वेदान्त) or a few thoughts on the science of the Self in seven discesources by रामचन्द्र अय्यर, Cr. 8vo. Pp. xxvi–397 Cloth Gilt *Vv* 2–

320 आत्मविद्याविलास (वेदान्त) of श्रीसदाशिवब्रह्मेंद्र. *Vv* –2–

321 आत्मानात्मविवेक (वेदान्त) or Discrimination of Spirit and Not Spirit (in Questions and Answers) and आत्मबोध by शंकराचार्य Transl. by मोहनी मोहन चतर्जी *Rt* –6–

322 आदर्शगीतावली (संगीत) जीवराम्रोपाध्यायकृत *Mb* –9–

323 आदिपुराण मूल मात्र सम्पूर्ण *Vy* 1–

324 आदित्यहृदय (स्तोत्र) मूल *Vy* –5-

325 — लघु *Vy* –2–

326 — वाल्मीकीरामायणान्तर्गत *Vy* 1–

327 आदित्यहृदय, सूर्यकवच (स्तोत्र) *N* –2–

328 आधानपद्धति (कर्म) किंजवडेकरोपाह्वरामनशास्त्रिभि कृता *Aa* 1–14

329 आनन्दगान (संगीत) *Vy* –5–

330 आनन्दवहार (काव्य) श्रीकृष्णस्तुति *Vy*

331 आनन्दमन्दाकिनी (वेदान्त) मधुसूदन सरस्वतीकृत *Km 2* 1–

332 आनन्दलहरी (वेदान्त) by अप्पयदीक्षित with his own comm. called चन्द्रिका 8vo. pp. 5, 11, 150, 22 *Bm.* 1–8–

आ

333 —or a Wave of Bliss, a transl. and comm. by Avelon *Tt* 1–8–

334 आनन्दलतिका—(चम्पू) a short Champu composed by कृष्णनाथ सार्वभौम with the help of his accomplished wife जयन्तीदेवी *Ss*

335 आनन्दवृन्दावनचम्पू सटीक *Vy* 4–

336 आनन्दसागरस्तोत्र by नीलकंठदीक्षित *Km* 11 1–

337 आनन्दामृतवर्षिणी (वेदान्त) A comm. on गीता by आनन्दगिरी *Vy* 1–

338 आन्हिककर्मसूत्रावली (धर्म) शुक्लयजुर्वेदीय *Vy* 2–8

339 आन्हिकचन्द्रिका (कर्म) सायनमन्त्रभाष्यासह *N* 1–

340 आन्हिकप्रकाश धीरमित्रोदयेन *Ch* 1–

341 आन्हिकशुक्लयजुर्वेदीय (कर्म) *Vy* 1–

342 आन्हिकसूत्रावली शुक्लयजुर्वेदी (कर्म) *N* 2–8–

343 आन्हिकसूत्रावली (कर्म) यजुर्वेदीय *Mc* 2–8–

344 आपस्तंबीय वेद (वेद) *N* –2

345 आपदुद्धारक-स्तोत्र सटीक *Vy*–3–

346 आपस्तम्बीयगृह्यसूत्रम्-शब्दानुक्रमणिका तथा संस्कृत व्याख्यासहितम् *Ks* 4–

347 आपस्तम्बीय गृह्यसूत्र (कर्म) मूलं *H*

348 आपस्तम्बीय धर्मसूत्र मूलमात्र *Mu* 1–

349 आपस्तम्ब सुल्बसूत्र (कर्म) *Bs*

350 आभोग (वेदान्त) rare comm on the कल्पतरु by लक्ष्मीनृसिंह Part I चतुःसूत्री *Vy* 2–

आ

351 Ideal of the कमयागीं by श्रीअरविन्दघोष *Ad* 1-12

352 Ideals from the Sanskrit (reprint) ed by Griffith "with immemorium" preface by आनन्दराम भट्टाचार्य *Al*

353 THE IDEALS of INDIAN ART with Illustrations by Havell E B Roy 8vo *Jm* 16-

354 आयुर्वेद चिन्तामणी (वैद्यक) मिश्र निघण्टु *Vl* 2-8

355 आयुर्वेदप्रकाश —(वैद्यक) उपाध्याय श्रीमाधवविरचित *Yl* 2-

356 आयुर्वेदविज्ञान (वैद्यक) विनायक सन कृत भाग, *Ul* 4-

357 आयुर्वेदसूत्रम् (वैद्यक) योगानन्दकृत व्याख्यासहित *Bs* 2-4

358 आयुर्वेद सूत्रम् (वैद्यक) मूलमात्र श्रीमाधव विरचित *Yl* 2-

359 आयुर्वेदीय नवनीतकम् (वैद्यक) *Mc* 4-

360 Ayurvedic system of medicine as occuring in चरक, सुश्रुत वाग्भट् and other authoritive sanskrit works ancient and modern by कविराज सनगुप्त 1909, 8vo pp 20, liv, 421 *Cc* 12-

361 Art Manufacture of India by Mukerji S N 1888 *Gt* 3-

362 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Four Reports—made during the years 1862-63-64 65 by A Cunningham 1871 Vol ii Roy pp V 459 Jau 12-

आ

363 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—Annual Report for the year 1922-by D B Spooner, contains 42 plates & 2 text illustrations *Gt* 15-

364 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA—Annual Report for 1923—24 by Marshall, contains XLIII plate. (Section II deals w exploration & Research at Harappa and Mohenjo-Daro) *Gt* 15-

365 ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF CEYLON

Epigraphia Zeylanica being of the and other inscriptions of Ceyl V I II part 3 Ed and Transl by Wickeremasinghe 9 ls 1904 2 (1 prts) each 4

366 Archaeological Remains and Excavations at Nagari by D R Bhandarkar *Gt* 3-8

367 Archaeological Antiquities of Northern Gujrat *Gt*

368 आर्यभट्टीय सूर्यसिद्धान्त तथा संस्कृत टीका सहित *It* 10-8

369 Manual of Astronomy, with the Comm भट्टदीपिका of परमादीश्वर ed by H Kern 1874 XII 116 Text in sanskrit *Br* 8-

370 आर्यमञ्जुश्रीमूलकल्प (मन्त्र) pt 1-3 *Tr* 9-8

371 आर्यांचे मूलस्थान by Ogale K L 1910 transl into मराठी from Tilak s Arctic Home in the Vedas 1-8

आ

372 आर्यविद्याव्याख्यानमाला 8Vo pp. 244 3–2

373 आर्यविद्यासुधाकर Composed by यज्ञेश्वर चिमणभट्ट ed w various new notes by म म प शिवदत्त कुडाल Oriental College, Lahore 1923 pp 4, 139, 3 *Ps* 8–

374 आर्यावर्तिक Home, showing the the cradle of the Aryas by ना भ पावगी 3–8–

375 ARYANS—A study of Indo-European origin by V G Childe 8Vo pp XVI 221 *Kp* 8–

376 The Aryan Period and their condition by Spiegel F *Or* 8–

377 THE ARCTIC HOME IN THE VEDAS—Being also a new Key to the interpretation of many Vedic Texts and Legends by Bal Gangadhar Tilak *Or* 5–8–

378 आलवन्दारस्तोत्र–मूलमात्र (रा सा) *Vr* –1–

379 आर्याशतक (काव्य) टिप्पणायुतम्–श्री श्रीमुख कवि *Gn* –2–

380 —(स्तोत्र) मूक कविकृत *Vv* –2–

381 आर्यासटीक (काव्य) श्रीमुद्गलाचार्य विरचित *Gn* –12–

382 आर्यासप्तति—(ज्योतिष)भट्टोत्पलाचार्यकृत टिकासहिता *N* –4–

383 आर्यासप्तशती—(काव्य) गोवर्धनाचार्यकृत, अनन्तपण्डितकृत व्यङ्ग्यार्थदीपना टीकासहिता *N* 1–8–

आ

384 — (काव्य) पर्वतीय श्रीविश्वेश्वर पण्डित विरचिता तत्कृतया टीकयोपेता २ खण्डौ *Ch* 4–8–

385 OUR EDUCATIONAL PROBLEM with an introduction by Lala Lajpat Rai ed by Lala Hardayal *Pl* 1–8

386 आपमतसंग्रह—म म परवस्तु वकट रंगाचार्यार्य वरदाचार्यप्रवृत्ते तत्पुत्रेण श्रीनिवासजगन्नाथस्वामिनाथवरगुरु णाकृता संस्कृतच्छाया, आश्रमानुक्रमा सहिता। ८० pp 12 *Vz* –4–

387 आवश्यकसूत्रम्—(जैन) The necessary precepts A religious treatise useful to the Jains by जक्केरी 1928 vol 1 Roy. mo *N* 4–

388 — of the Jain text ed w. notes by Lemann *Gr* 2–8–

389 आशीर्वाद शतकम् (स्तोत्र) श्रीविश्वेश्वर कवीकृत *Vt* –2–

390 आशुबोध व्याकरणम् by तारानाथ तर्कवाचस्पतिभट्टाचार्य 1873 cr pp III 486, 3 *Ct* 2–

391 आशौचनिर्णय—(धर्म) त्र्यम्बककृत *N* –2–

392 —(धर्म) अग्निपुराणाक *Vy* 1–8

393 — मूलमात्र *Vy* –2

394 आशौच पञ्जिका (धर्म) शुद्धसिद्धान्त पञ्जिकान्तर्गता श्रीमधुसूदन शर्म मैथिलेन विरचिता *Ag* 1–

395 आशौचाष्टम् (स्मृति) by वररुचि with comm *Tr* –4–

396 आशौ चाष्टक (धर्म) By वररुचि with Sanskrit comm *Md* –2–

आ

397 आश्वलायनगृह्यसूत्रम् (कर्म) मूल N -4-

398 — with the comm अनाविल by हरदत्त Ti 5-

399 —Sans. Text & Ger—Transl. w.notes. by Stenzler F. Gi 10-

400 —गार्ग्यनारायणीय वृत्ति, गृह्यपरिशिष्ट, कुमारिलभट्टविरचित गृह्यकारिका Pt 4-

401 आश्वलायन सूत्रप्रयोगदीपिका (वेद) of the अयर्ण गोत्र by पं मन्चनाचार्य ed by सोमनाथ पाध्ये Bn 3-

402 आश्वलायनश्रौतसूत्रम् नारायणवृत्ति-सहितम्। Aa 3-

403 आश्चर्यचूडामणि (नाटक) महाकवि श्रीशक्तिभद्रविरचित व्याख्यम्। pp 281, 238, 3, Km 2-

404 — Engl Transl 1-4-

405 आश्चर्यदीपिका (मन्त्र) Ty -2-

406 आश्चर्ययोगरत्नमाला (मन्त्र) Ty -4-

407 आश्लेषाशान्ति ज्येष्ठाशान्ति (कर्म) Vy -2-

408 आषाढमहात्म्य मूलमात्र Gn -8-

409 आर्षेयकल्पसूत्र of (सामवेद) text ed. w. notes etc by Dr. W Caland. Gr 5-

410 आर्षेय ब्राह्मण of सामवेद by Caland W Gr 10-

411 आर्षेयब्राह्मणम् सामवेदीय by सत्यव्रत भट्टाचार्य 1892 8° pp 191 Cc 2-

412 आश्वलायन सूत्रम् (जैन) ed and transl by Pischel. R. Gr 2-

413 THE ASHRAMA IDEAL by Dr G. S. Arundale Being the opening lecture of the second session of the Brahmavidya Ashrama 1923 Ad -3-

आ

414 आदिती an essay, see—An essay on आदिती

415 ANDHRA DYNASTY, the coins of, see-The coins of Andhra Dynasty.

416 ART, the national value of, see-The national value of art.

417 ARCHITECTURAL DRAWINGS, the portfolio of, see—The portfolio of Archtecture drawings

418 ARCHITECTURE OF GUPTA STYLE AND शिखर, the origin of, see-the origin of the Architecture of Gupta style and शिखर.

419 ARCHITECTURE OF INDIA, ancient and medieval see—The Ancient and medieval architecture of india

420 ARCHOELOGY, a Museum at मथुरा साँची, and सारनाथ see,— a Museum of archaeology at मथुर, साँची and सारनाथ.

421 Archaeological survey of India the memoirs of see,-the memoirs of the Archaeological survey of India

422 ARCHITECTURAL WORKS IN INDIA, a review of, see -a review of architectural works in India

423 ARCHAEOLOGICAL RELIES in the museum of V. R. Society, a catalogue of, see,— A cat. of

इ

Archäeological Relics in the museum of V. R. society.

424 ARYAN RESEARCH, a method of, see,—The method of Aryan Research.

425 ARYAN RULE IN INDIA, the History of, see—History of Aryan Rule in India.

426 ARYANS, IN ASIA, ancient history of, see–Ancient History of Aryans in Asia.

427 ARYANS, a history of origin and expansion of, see–History of Origin and Expansion of Aryans.

428 ARYAN MEDICAL SCIENCE, a short history of, see,–A short History of Aryan medical science.

429 ARYAN NATIONS, mythology of, see —The mythology of Aryan nations.

430 आर्यावर्त, The Heart of, s — A Heart of आर्यावर्त.

431 आर्यांs the wisdom of, see– The wisdom of the आर्यांs.

432 आश्वलायन, गोभिल, पारस्कर शाख्यायन सूत्राs–a list of words in, see–A List of words in आश्वलायन, गोभिल पारस्कर sutras &c.

433 इन्द्रसभा of अमानत by Rosen F Gr 3–

434 इन्द्राक्षीस्तोत्र मूल Vy 1–

435 — मूल Bo 1-3–

436 इतिहाससमुच्चय मूलम् Vy 1–

इ

137 इसप्नीतिकथा Pt. I & II, pt. I contains stories 1 to 60 & Pt II, 61 to 120 N –8–

438 ईशोपनिषत Text, Engl. Transl. and orig. Comm. w full explanation. by मुनशी सुरजमल La –8–

439 — Text and Paraphrase and word-for word Transl. Engl. rendering and comments by स्वामी शर्वानंद. Ad –6–

440 — Ed. by अरविन्द घोष, 1-8

441 — w. a new comm. by सदानन्द, transl. into Engl. with introd. by J. T मुजुमदार w. forword by Arthur Avalon. Text in देवनगरी. St 3–

442 — Text and transl. w. comm. by K. चट्टोपाध्याय Ad –4–

443 — Text w. मराठी transl. by चि. ग. भानु, 1911. 8vo pp. 2, 2(8 1·8

444 — with प्रकाशिका of श्रीशंकरनारायण & editor's बालबोधिनी by पाठकशास्त्री. 1923 8vo pp. 2, 34, 2, Oa 1–

445 — सटीक शांकरभाष्योपेता, उवटाचार्यकृतमीशावास्यभाष्यम्, आनन्दभट्टोपाध्यायकृतमीशावास्यभाष्यम्, अनन्ताचार्यकृतमीशावास्यभाष्यम् च, ब्रह्मानन्दसरस्वतीकृतमीशावास्यरहस्यम्, शंकरानन्दकृता ईशावास्यदीपिका, रामचन्द्रपण्डितकृता ईशावास्यविवृतिश्च। Aa –14–

446 — Transl. into Engl. with comments of शंकराचार्य and श्री-

ई

आनन्दाचार्य and notes from the Tikas of आनन्दगिरि, उवटाचार्य, शंकरानन्द, रामचन्द्र पण्डित, आनन्दभट्ट, by श्रीशचन्द्र वसु Rt –12–

447 — with the भाष्य of श्रीशंकराचार्य and टीका of जयतीर्थस्वामी and with the glass of रघुनाथतीर्थ. Mv I–4

448 — with the भाष्य of श्रीशंकराचार्य faithfully transl. into Engl. with explanatory foot notes from आनन्दगिरि by प्रो॰ हिरिअण्णा cr. 8Vo Vv –6–

449 — with notes and meanings by R. रामसुमाशास्त्री 8vo pp 14 Tr

450 ईशावास्य केन and मुण्डक with Sankara's comm. transl. by सितारामशास्त्री 1905 cr. pp 156 Nt 2–4–

451 ईशकेनकठप्रश्नमुण्डमाण्डूक्यानन्दवल्लीभृगूपनिषदः। तासु रामानुजमतानुयायिनारायणकृतप्रकाशिकासमेतमीशोपनिषत्रङ्गरामानुजविरचितप्रकाशिकासमेता केनादिमुण्डकान्ता । रामानुजमतानुयायिङ्गनारायणविरचितप्रकाशिकोपेता माण्डूक्योपनिषत्। रङ्गरामानुजविरचितप्रकाशिकोपेते आनन्दवल्लीभृगूपनिषदौ। Aa 2–8–

452 ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक & माण्डूक्य with माधव's comm. transl into Engl. w copious explan. notes by R. B. श्रीशचन्द्र 3rd ed. Po 7–8

453 ईशकेनकठोपनिषद् । दिगम्बरानुचरविरचितार्थप्रकाशाख्यव्याख्यासमेता । Aa 1–

454 ईश, केन and मुण्डकोपनिषद् Text and Transl. into Engl. with Sankara's Comm. by सीतारामशास्त्री Ad 2–8–

455 ईशानशिवगुरुदेवपद्धतिः (तन्त्र) by ईशानशिवगुरु देवमिश्र vol 1–4 containing सामान्य, मन्त्र, क्रिया, योगपाद, respectively. Tr 14–12

456 ईशानविचार द्वात्रिंशिकाख्य (जैन) Yv

457 ईश्वरगीता Transl into Engl. by L. K. Mal 1924 8Vo pp v, 62, 4, Mt 1–8–

458 ईश्वरप्रत्यभिज्ञ विमर्शिणी –(वेदान्त) Text by उत्पलदेव, Comm. by अभिनवगुप्त, Demonstrates the existence of God to counter-influence the nihilistic teachings of the Bauddhas. Is the philosophy proper of the Trika system or the Recognitive School of Kashmir. With preface and introd. Engl. in vols 1. 11 Km. 8–

459 ईश्वरप्रतिपत्तिप्रकाश –(वेदान्त) by श्री मधुसूदनसरस्वती. Ir –4–

460 ईश्वरशतक (स्तोत्र) सटीक अवतार कविप्रणीत. Km9 1–

461 ईश्वरसंहिता. Sw 7–8–

462 ELEMENTARY GRAMMER OF THE संस्कृत LANGUAGE w. मराठी Transl. prepared by विष्णुकृष्णशास्त्री 1864 cr. pp, 82, 2ed. 8–

463 ELEVEN ATHARVANA UPANISHADAS, with Dipika by Col. G. A. Jakob, 2nd ed. Bp 1–8

इ

164 ELEMENTS OF HINDU ICONOGRAPHY by गोपिनाथराव 2 vols *Md* 40-0

465 ELEMENTARY SANSKRIT GRAMMER w. DHATUKOSH by Thibaut 8vo. pp. 255 *Cu* 2-

466 ENGL. SANS. DICT (practical) by Borooah A. 1877 15-

467 ENGL. SANSKRIT DICT. by V. S Apte. 6-

468 ENGL. SANSKRIT DICTIONARY by V. G. Apte *Oa* 4-

469 ENGL. MARATHI DICT, by Molesworth and Candy. *Gu* 12-

470 Engl-Tibetan DICT. by Lama Dawsamdup Kazi, Roy. 8º pp. 1003. *Cu* 15-

471 ENGL-FRENCH and French-Engl. Dict. by Wessely. 3-8-

472 ENGL-GERMAN and German Engl. Dictionary, by Wessely, F.— 2-8-

473 ENGL.—Spanish and Spanish —Engl Dict. by Wessely 3-8-

474 ENGL.-SWEDISH AND Swedish—Engl. Dict. by Wessely 3-8-

475 EPIC MYTHOLOGY by Hopkins W. *Gr* 18-

476 EPIGRAPHIA Indo-moslemica ed. by J. Horoviz 1909-10, 1911—12 10-

477 EPIGRAPHIA INDICA AND

इ

RECORD OF THE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Ed by कृष्णशास्त्री pts II, IV, V, VI, IX, X, XI, to XVIII each 3-

478 Epigraphica Indica Vol III in 1-6 parts & 8th part vol IV in 8 parts, Vol V in I, 3 to 8 pts Vol VI 1-5 pts Vol VIII 7 & 8 pts, Vol. IX 1-8 pts Vol X 1-8 pts Vol XI, 3 to 8 pts. Vol XII 1-7 pts Vol XII 1-4, 6-8 Vol XIV 2-8 pts Vo XV 1-5, 7 & 8 Vol XVI 1-7 pts. Vol XV.I 1-7 pts Vol XVIII 1-5 pts. *Prices on Inquiry. each pt.* *Go*

479 EPIGRAPHICAL CONTRIBUTIONS, the Inscriptions of Asok on pillars & Rocks 3 parts, 1 by Luders H. *Gr* 3-

480 ETHICS OF INDIA. By E. WASHBURN HOPKINS. 8vo (5 x 5½), pp. xiv *Of* 10-8

481 ETHICS OF THE HINDUS by S. K. Maitra, 1925 cr. pp. 40, XVII, 344, 78 *Cu* 4-

482 ETHICS OF THE KORAN, by M. A. Buch. 1921 cr. pp III 2, 129 cloth *Ba* 2-4-

483 ETHICS—manual of Hindus by G. Chandavarkar *Oa* 1-4

484 ESSENTIALS OF HINDUISM, a Symposium. *Ad* -8-

इ

485 EVOLUTION OF INDIAN POLITY, by R Shama Sastri, 1920 8vo pp 192 *Cu* 6–

Contains a connected history of the growth and development of political institutions in India compiled mainly from the Hindu Sastras The author being the famous discoverer and translator of the Kautilya Arthasastra it may be no exaggeration to call him one of the authorities on Indian Polity

486 EVOLUTION OF LAW, by Nareschandra Sen Gupta, Roy 8vo pp 191 *Cu* 2–8–

487 EVOLUTION OF MAN series of lectures delivered by Lull, Ferris Parkar, Angell, Keller and Conklin ed by Bartsell Roy pp X, 202 *Yu* 12–

488 Index Verborum to the published text of अथर्वेद by W D Whitney 25–

489 Index Verborum of the Fragments of the Avesta, by M SCHUYLER 9–8–

490 Index Verborum to the published texts of कौटल्य अर्थशास्त्र Vol I—III *Bs* 7–4–

491 Index Verborum to काठक सं- हिता by Rudolf *Gr* 12–

492 Index to Bothlingk's Indische Spruche by S Blau A 1893, 8vo pp 109 *Gr* 2–

इ

493 INDEX TO महाभारत *Separately Mi* 5–

494 —to महाभारत by Sorensen 1 to 12 parts 100–

495 Index to Panini s Sutras, Dhatupatha, &c *Po* 1–8–

496 A (Descriptive) Index to the names in the रामायण by मन्म नाथ राय *Sb*5

497 Index to Sabara's भाष्य by the late Col J A Jacob *Sb* 6–

498 INDICES of the first fifty Vols of Indian Antiquary compiled by Miss L M Anstey—Vol I part I Indian authors 4–
Vol II part II Subject Index part III list of illustrations 5–

499 The Indic Alphabet called Nagari, in which Sanskrit is commonly printed A brief manual for beginners by C R Lanman *Ho*

500 The Indo-Aryan Races in English By R B Ramprasad Chanda 1916, pt I Roy pp XIII, 274 *Vr* 5–

501 The Indo Germans, their spread Original Home & culture (Die Indogermanen,) by Hirt H Vol each *Cr* 10–

502 INDIA AS KNOWN TO THE ANCIENT WORLD by G BANER

इ

JEE. 1921. 8 vo ($8\frac{1}{4} \times 5\frac{1}{2}$). pp ii + 74. *Of* 3-

503 INDIA, OLD AND NEW. By SIR VALENTINE CHIROL 8vo. *Mm* 7-8-

504 INDIA OLD AND NEW by Hopkins E. 1902 8vo pp. VIII 312 15-

505 INDIA FOR INDIANS by: Das, Chitta Ranjan. *Pl* 1-

506 INDIA IN THE SEVENTEENTH CENTURY, by J. N. Das Gupta (Oxon) 8Vo pp. 258 *Cu* 3-8

The condition of India in respect of its palitical, social, and economic aspects, in the early years of the East India Company, has been discribed in this volume with the help of the narratives of European travellers and foreign observers who were drawn to this land by their love of adventure, the fascination of romance, and the call of the East.

507 INDIA BY FLORA ANNIE STEEL. An up-to-date edition of one of the standard works on India and the Indians. With 32 Full-page Illustrations by MORTIMER MENPES. Large Crown 8Vo. *M* 5-12

508 INDIAN ANTIQUARY. Journal of Oriental Research in Archaeology History, Leterature Languages Philosphy, Religion Folklore &c &c. 58 Vols. each 20-0

इ

509 INDIA Architecture according to Manasara Silpasastra by Dr. P. K. Acharya *Of* 10-

"The book gives an account of the architecure of the Vedic, the Buddhist, and the classical Periods of India up to the Mohammaden age."

510 INDIAN Architecture with Numesous Illusts. ed. by Ananthalwar and A Res. Vol. I. Parts 1 to VI Roy. pp. VIII 96, 112, 72 *Md* 76-

511 Indian Art and Art-Crafts, by Dr. Stella Kramrisch, R. Shrinivasan, Krishnaswami Pillai and W. D. S. Brown. *Ad* 2-

512 The Indian Buddist Iconography mainly based on the Saddansmala and other cognate Tantrik Texts of Rituals by B. Bhattacharya 1924 4 to (10 into 7½) pp. xxiv + xxx + 220, with 69 plates and frontispiece *Of* 35-

513 INDIAN CHRONOLOGY (Solar, Lunar and planetary) A practical Guide to the Interpretation and verification of Tithis, Nakshatras, horoscopes and other Indian time-records B c. to A D 2000 by L. D. Swami Kannu Pillai 1911 Roy. pp. II 12, 233, XII *Md* 1-

514 The Indian and foreign chronology by Ketkar V. B. 1923. *B. B. R. A. S.* 4-4

515 Indian Coins by E. J Rapson with Indices 1898 *Or* 6-

इ

516 THE INDIAN COLONY OF CHAMPA, by R. C. मुजुमदार. 15–

517 THE INDIAN COLONY OF CHAMPA, by Babu फणीन्द्रनाथ बोस of the विश्वभारती, शान्तिनिकेतन *Ad* 2–
An interesting and informing work of research dealing with the colonisation by Indians in the Early Christian Era at Champa in Further India—a great kingdom that existed in the land, now comprising the southern portion of Annam or French Indo China

518 THE INDIAN COLONY OF SIAM by Prof. Phanindra Nath Bose together with a foreward by Dr Bagchi with 6 plates *Ml.* 3–8–0

519 THE INDIAN CORONATION Ode in संस्कृत by प लक्ष्मण सूरि 1911 Roy pp 10, 21 *Md* 1–

520 THE INDIAN CORONATION SONG by प कृष्णमाचार्य, 1911. *Ki* 1–

521 INDIAN DRAMATURGY, by P N Patankar. *Sb.* 3

522 INDIAN DRAMA, by Konow S *Gr.* 9–

523 INDIAN DICTIONARY (कोश) by Zacharia, T *Gr* 5–

524 INDIAN CULTURAL INFLUENCE IN CAMBODIA by Dr Bijanraj Chatterjee. *Cu* 6–

525 INDIAN IDEALS in Education Religion, Philosophy and Art, being the Kamala lectures for 1924–25 by Mrs Besant. 8vo pp 70 *Md* 1–8–

526 INDIAN LITERATURE ABROAD (China) by Probhat Kumar Mukherji *Co* 1–

527 INDIAN LOGIC AND ATOMISM An Exposition of the Nyaya and Vaisesika Systems, by A. B KEITH, 1921 Crown 8vo ($7\frac{1}{4} \times 5\frac{1}{4}$) pp. 292 *Of* 6–8–

528 INDIAN MATERIA MEDICA or Taleef shreef transl from the orig by G Playfair, 1833, 8vo pp, 8, 189 *Gt.* 20–

529 INDIAN MEDICINAL PLANTS, by K R Kirtikar & Major M D Basu, 2 vol *Cu* 275–
The book contains botanical description, names in vernaculars properties and uses of over 1,300 Indian plants Neatly printed on thick art paper (1419 pages) with clear illustration in above 1000 royal 4to-sized lithographic plants A very rare and valuable work of reference to Botanists medical men manufacturers of Indigenous Drugs and Agricultural and Forest Departments

530 INDIAN MYTHOLOGY ACCORDING TO महाभारत by Fausboll V 1903 Vol 1 9–

531 INDIAN PAINTING, by Percy Brown, Principal of the Government school of Art, Calcutta

इ

With 17 Plates. *Crown* 8vo. Paper. *As.* 1-8-

532 INDIAN PAINTING UNDER THE MUGHALS A. D. 1550 to A.D.1750 by Percy Brown 1924. Quarto (11¦+¦) pp. 204, with 72 plates, 4 in colours *Of* 80-

533 INDIAN PALEOGRAPHY with 17 tables (*Grundriss S.*) by Buhler G. *Gr* 21-

534 INDIAN PANDITS in the Land of Snow by S. C. Das. Ed. by N. G. Das. 1893. 8vo. pp. VIII, 92 VII. 28 5-

535 INDIAN PHILOSOPHIE by Strauss O. 7-

536 INDIAN POETRY AND INDIAN IDYLLS by Arnold *Kp.* 8-
Containing "The Indian Song of Songs" (from the Sanskrit of the Gita Govinda of Jayadeva), two Books from "The Iliad of India" (Mahabharata), "Proverbial Wisdom" (from the Shlokas of the Hitopadesa), and other Oriental Poems.

537 INDIAN PHILOSOPHY by Radhakrishan S. Vol. I and II. 33-6-

538 THE INDIAN PROBLEM by C. F. Andrews cr. pp. 128, *Nl.* 1-

539 INDIAN PRIMER OF PHILOSOPHY *see*—तर्कभाषा.

540 THE INDIAN SECT OF THE JAINAS by Buhler, J. 1903. 3-

इ

541 INDIAN SERPENT LORE OR THE NAGAS in Hindu Legend & Art by J. Vogel with 30 plates 1926. *Ml* 31-8-

542 INDIAN TEACHERS OF BUDDHIST UNIVERSITIES, by Phanindranath Bose. *Ad* 2-8-

"Too little is known to the general public about the ancient Indian seats of learning, and about the great scholars that proceeded from these "Universities," as they may well be called, Phanindranath Bose of Visvabharati, Santiniketan, has therefore done good service by collecting, in this well written little volume, all the available materials on the work done by Indian Pandits in the Buddhist Universities of Nalanda, Vikramasila, Odantapura and Jagaddala.

543 INDIAN THEISM, From the Vedic to the Muhammadan Period, by NICOL MACNICOL, 8o. cloth *Of* 5-8-

The various ways in which Hindu thought has approached theistic ideas and practice are most sympathetically considered in this volume. CONTENTS: Introduction. Part I: History—I. The Theism of the Rigveda.—II. Theistic Elements in the Popular Religion in the Period of the Brahmanas and the Upanishads —III. The Theism of the Upanishads.—IV. Theism within Buddhism.—V. The Theism of the Bhagavadgita —VI. Theism during the Mahabharata Period.-VII. The Theism of the Vedant Sutras and

इ

of Ramayana —VIII Later Vaishnavite Cults —IX Kabir & Nanak—X Siva Bhakti—XI The Sakta Sect Part II Theology—Part III Criticism and Appreciation —Appendices

544 INDIAN TEACHERS IN CHINA by फणीन्द्रनाथ बोस 1923. *Ml.* 1-8-

545 "INDIAN WISDOM" by M. Willams 1898 8o. pp. 575 22-

546 INDUS VALLEY IN THE VEDIC PERIOD by R. B Ramprasad Chanda. *Gi* -8-

547 INSCRIPTIONS OF ASOKA, by Prof. D. R. Bhandarkar and S. N. Majumdar 1920 Cr. 8vo. pp. 104 *Cu* 4-4-

The various texts of the rock pillar cave and other inscriptions are given in parallel lines to enable the student to compare the different readings at a glance

548 INSCRIPTIONS OF ASOKA—Corpus Inscriptionum Indicarum Vol. I. New edition with 55 plates by E. Hultzsch. *Gi* 80-

549 INSCRIPTIONS, SOUTH INDIAN, *see*—South Indian Inscriptions.

550 INFLUENCE OF ANALOGY IN SANSKRIT by V. S. Ghate 8vo pp. 339-355 -8-

551 INSTITUTIONS OF HINDU LAW on the ordinances of मनु according to the glass of Culluca transl from the orig-Sansk. by W. Jones 1794 Roy pp xix, 366 *C* 45-

इ

552 INSTITUTIONS OF VISHNU by J. Jolly. *Of* 9-8-

553 INTERNATIONAL LAW AND CUSTOMS IN ANCIENT INDIA, by Pramathanath Banerjee, Roy. 8vo. pp 170. *Cu* 4-

In this interesting book the author demonstrates the elaborate code of International Law and military usages which existed in Ancient India, and a cursory glance will show that the Ancient Indian usage in this matter was much more elaborate and much more humane than that followed by all nations of antiquity and even by nations of Modern Europe Contents —Sources of International Law International Status of Persons in International Law—Intercourse of State The Essential Rights and Duties of States—The Theory of Balance of Power—Treatises and Alliances—War Character Grounds The Law relating to Enemy Persons and Enemy Property—The Agents Instruments and Methods of Warfare-Neutrality

554 INTERCOURSE BETWEEN INDIA AND THE WESTERN WORLD to the Fall of Rome, by H. G. RAWLINSON, 2nd Ed Demy 8vo *Mm* 6-8-

555 AN INTERPRETATION OF ANCIENT HINDU MEDICINE by Chandra Chakraberty 1923. cr pp xxvi, 599, 15 8-

556 INTER-STATE RELATIONS IN ANCIENT INDIA, Part I. by Dr

इ

Narendranath Law 1920.cr.pp, X, 99, 2. *Co* 2-

557 AN INTROD. TO ADVAITA PHILOSOPHY, Shankar School or Vedant as taught by मधुसूदन सरस्वती by K. S. Vidyaratna. pp.XV 194, 1924 *Cu* 8-

558 INTRODUCTION TO ADVAITA PHILOSOPHY by कोकिलेश्वर शास्त्री thoroughly revised and enlarged. 8vo. pp. 280, *Cu*. 4-

The work is a brilliant exposition of the Shankara-School of the Vedanta Philosophy. The most striking feature of the work is the full consideration of various altogether new issues such as—(1) whether Shankara has denied the reality of the objects of the universe. (2) whether individuality has been resolved in his system of Philosophy into more relations and actions and whether the Ego cannot be held to be an active power. (3) whether Vedanta advocates inertia, emptying of the human mind rather than its expansion, (4) whether Sankara's Theory can be called Pantheism, (5) what is the relation between Being and Not Being, and between Infinite and Finite (6) what is the place of Ethics and Religion, (7) what is the correct view on Vedantic Mukti, and such other valuable topics The work will prove an indispensable companion for the thorough and correct understanding of the great Maya—Vada in its various aspects. Copious authoritative quotations from Shankara's commentaries on the 10 Upanishads, Brahma-Sutra and Gita have been given in the footnotes enhancing the value of the work, which are an invaluable mine of information, on the subject The author attempts also to clear up various misinterpretations and misrepresentations of the Shankara-Vedanta, giving a correct and right exposition.

इ

559 INTRODUCTION TO भगवद्गीता by Garbe (Transl. from the German) by *Utgikar.* 1-8-

560 — TO भगवद्गीता by Mackikhan. -12-

561 — TO THE GRAMMAR of the Sanskrit Language for the use of Early Students by H. H. Wilson 1847, 2nd Ed. 8vo pp. XV, 499 10-

562 — TO THE GRAMMAR of the Tibetan Language with the texts of Situ Sumtag, Dag-je Salwai, Milong & Situi Shal-Lung, by S C. Das, 1915, Roy. pp. 2, 2, XXVII. 62 10-

563 — To History of Indian *Buddhism part I by Burnouf* E.— *Tr* 20-

564 — TO INDIAN ART, by Dr. A. K. Coomaraswami, with 34 Plates. *Ad* 3-8-

565 — TO THE HINDU SYSTEM OF PHYSIQUE by K. L. Sarkar. 3-

इ

566 — TO INDONESIAN LINGUISTICS, transl. by C. O. Blagden and Brandstetter R. 1916. 8vo 7–8–

567 — TO MAHAYANA BUDDHISM with special reference to Chinese and Japanese phases. by Dr. McGovern, W. M. 8vo. *Kp.* 6–

568 — TO THE मन्त्रशास्त्र *Rl.* 6–

569 — TO MATERIA MEDICA for India including preparations of Britsh Pharmacopocia 1898 by C F. Ponder & D. Hooper 1901 8o. pp. III. 256 *Cc.* 5–

570 — TO THE MIMAMSA SUTRAS by P. Mohanlal Sandal Roy pp. VI. *Po.* 4–

571 — TO THE पञ्चरात्र AND अहिर्बुध्न्य संहिता. Introductory Remarks—Part I: The Literature of the Pancaratras; Part II: the Philosophy of the Pancaratras; Part III: The Ahirbudhna Samhita; Appendices and Indices, pp. 178. *Ad* 3–

572 — TO प्राकृत. by A. C Woolner, pp. xvi+219. *Pu* 4–

It is the only book in English for mastering Prakrits-Two parts bound in one volume

इ

573 — TO THE STUDY OF HISTORY by Langlois & Seignobos. 1923. 3 Impr. 7–8

574 — to the study of language. A critical survey of the history and methods of comparitive Philology of the Indo-European languages by Delbrueck B. *Gr* 5–

575 — to the study of language by Bloomfield L. 9–

576 — *to* the Study of the Yoga Aphorisms of पतञ्जलि *Rl* –4–

577 — TO YOGA By Annie Besant. Theosophical Convention Lectures of 1907 Contents The Nature of Yoga, Schools of Thought, Yoga as Science, Yoga as Practice Cloth. *Ad* 1–8–

578 IS INDIA CIVILISED? Essays on Indian Culture, by Sir John Woodroffe, 1918, Cr. pp. x 276. *Nt* 3–

579 IS ARTHASASTRA SECULAR? by V. R. R. Dikshitar, 1925, Roy. pp. 615-631. *Ml* 2–

580 INSTITUTIONS OF विष्णु by J. Jolly. *Of* 9–8

581 THE IMPERIAL GAZETTEER OF INDIA. New edition, 1909. Twenty-six vols. 8vo ($8\frac{3}{4}\times6$), pp. ccxciv 11328. *Of* 92–

582 ETHICS, an outline of the history of, *see*—An outline of the History of Ethics.

583 INDONESIAN LINGUISTICS, an introd. to, *see*—An Introd. to Indonesian Linguistics

इ

584 INDO-ARYAN RESEARCH, Ethnography, Encyclopedia, *see*—Encyclopedia of the Indo-Aryan Research, Enthography.

585 INDO-GERMANIC ASIA, the world contemplation of, *see*—The world contemplation of Indo-Germanic Asia.

586 INDO-GERMANIC LANGUAGES, a comparative grammar of, *see*—A comparative grammar of Indo-Germanic Languages.

587 INDO-IRANIANS, the early history of, *see*—the Early History of Indo-Iranians.

588 ईश्वरकृष्ण, the साख्यकारिका of, *see*—the साख्यकारिका of ईश्वरकृष्ण.

589 INDIA VEDIC, embodied in the ऋग्वेद, *see*—वैदिक India embodied in the ऋग्वेद.

590 INDIA, ANCIENT, *see*—Ancient India.

591 — — an essay on the history of Drama, *see*—An essay on the History of Drama in Ancient India.

592 — — Corporate Life in, *see*—Corporate Life in Ancient India.

593 — — the Chronology of, *see*—The Chronology of Ancient India.

594 — — & अर्थशास्त्र, deplomatic theories of, *see*— Deplomatic *theories of Ancient India* and अर्थशास्त्र.

इ

595 — — desciplino of consequenses in, *see*—Descipline of consequences in Ancient India.

596 — — Economic life and progress in, *see*—Economic Life and Progress in Ancient India.

597 — — Hellinism in, *see*—Hellinism in Ancient India.

598 — — A history of education in, *see*—A History of Education in Ancient India.

599 — — international law and customs in, *see*—International law and customs in Ancient India.

600 — — *interstate relations* in, *see*—Interstate relations in Ancient India.

601 — — the lays of, *see*—The lays of Ancient India.

602 — — Lectures on the economic condition of, *see*—The Lectures on economic conditions of Ancient India.

603 — — Local self-Government in, *See*—Local self Government in Ancient India.

604 — — the magic of, *See*—The Magic of Ancient India.

605 — — Men and Thought in, *See*—Men and thought in Ancient India.

606 — — Philosphy of, *See*—*The Philosophy of Ancient* India.

इ

607 — — Political History of, See,—Political History of Ancient India

608 — — Sources of Law and Society in, See—Sources of Law and Society in Ancient India

609 — — Studies in the Medicine of, see—The Studies in Medicine of the Ancient India

610 — — Theory of Government in, see—Theory of Government in Ancient India

611 — — theism in, see—Theism in Ancient India

612 — — the town planning in, see—The Town-planning in Ancient India

613 — — Vedic Brahmana period of the religion in, see—The Vedic Brahman period of Religion in Ancient India

614 — — the weapons, army, organisation and political maxims of, see—the Weapons, Army Organisation and political maxims of Ancient India

615 — — the Women in the witchcraft of see—The women in the Witchcraft of Ancient India

616 INDIA ANCIENT, Women in epos of, se —The women in, the epos of Ancient India

इ

617 — — and Mediaeval, see—Ancient and Mediaeval India.

618 — — and Mediaeval, Geograpical dictionary of, see—The Geographical dictionary of Ancient and Mediaeval India

619 INDIA, MEDIAEVAL under Mohammadan rule, see,—Mediaeval India under Mohammaden Rule

620 INDIA-PRE-HISTORIC see,—Pre-Historic India.

621 INDIA, PRE-MUSSALMAN, see—Pre—Mussalman India.

622 INDIA, DRAVIDIAN see,—Dravidian India

623 INDIA, SOUTH, and her MUHAMMADEN INVADERS see,—South India and her Muhommaden Invaders.

624 — South, the Village gods in, see—Village gods in South India.

625 — SOUTHERN, Hints for coin collections and coins of, see—The coins of southern India and hints for coin collections

626 — and CEYLON, a history of fine art in see —A History of Fine Art in India & Ceylon

627 — and Western World, an intercourse between, see—An intercourse between India and Western world

628 — the Archaeological survey of, see —The Archaeological Survey of India

इ

629 — the Brain of, see,—The Brain of India.

630 — the Coins of, see—The Coins of India.

631 — the Early History of, see—The Early History of India.

632 — the Early Travels in, see—the Early Travels in India

633 — the Ethics of, see—The Ethics of India.

634 — the Gold Legends of, see—The Gold Legends of India.

635 — the Heart of, see—the Heart of India.

636 — the History of the British Empire, see—The History of the British Empire in India.

637 — the History of the caste in, see—The History of the Caste in India.

638 — the Early History of, see—The Early History of India.

639 INDIA, a history of, from the earliest times, see—The History of India from the earliest times.

640 INDIA, Hindu and Mahomedan period in the history of, see—The History of Hindu and Mahomedan period in India.

641 — the Imperial Gazetter of, see—The Imperial Gazetter of India.

इ

642 — Linguistic Survey of, see—Linguistic Survey of India.

643 — a literary history of, see—A Literary History of India.

644 — a list of published Mahomedan inscriptions in, see—A List of Published Mahomedan Inscription in India.

645 — maxims of worldly wisdom in, see—The Maxims of Worldly Wisdom in India.

646 — memoirs of the archaeological survey of, see—*The Memoirs of the Archaelogical Survey of India.*

647 — myths and Legends of, see—The Myths and Legends of India.

648 — the music of, see—The Music of India.

649 — natural religion in, see—The Natural Religion in India.

650 — North-East, social organisations in, see—The Social Organisations in North-East India.

651 — an outline of the religious literature of, see—An Outline of the Religious Literature of India.

652 — Office Library, a catalogue of, see—A *Catalogue of* India Office Library.

इ

653 — an original Sanskrit texts on the origin and progress of the religion and Institutions of, see—Original Sanskrit Texts on the Origin and Progress of the Religion and Institutions of India

654 INDIA'S PAST, a survey of her Literature, Religions, Languages and Antiquities by Macdonell, 1927 7-8

655 INDIA, a peep into the early history of, see—A peep into the early History of India

656 — the peoples of, see—The peoples of India

657 — primitive culture of, see—The Primitive Culture of India

658 — the religion of see—The Religion of India

659 — the renaissance in see—The Renaissance in India

660 — A Review of Architectural works in, see—A Review of Architectural works in India

661 — the Rural Problems of, see—the Rural Problems of India

662 — a Short History, from the earliest times to the present day, see—A Short History of India from the earliest times to the present day

इ

663 — a Short History of the Frontier States of, see—A Short History of the Frontier States of India

664 — Yuan Chwang's Travels in, see—Yuan Chwang's Travels in India

665 INDIAN Alphabets, old & new tables of, see—the old and new Tables of Indian Alphabets

666 — Art, an Intrduction to, see—An Introduction to Indian Art

667 — Art, a Hand Book of, see,—A Hand Book of Indian Art

668 — Art the Himalayas in see—the Himalayas in Indian Art

669 — Art the Ideals of, see—the Ideals of Indian Art

670 — Architecture, Modern see—Modern Indian Architecture

671 — Antiquary, an Index to see—An Index to Indian Antiquary

672 — ANTIQUITIES, photographic negatives of, see—The Photographic Negatives of Indian Antiquities

673 — BRAHMI ALPHABET an origin of the, see—An Origin of the Indian Brahmi Alphabet

इ

674 — Buddhism, an introduction to, see—An Introduction to Indian Buddhism.

675 — — the Legends of, see—the Legends of Indian Buddhism.

676 — —, A Manual of, see—A Manual of Indian Buddhism.

677 — —, the Original and Developed Doctrines of, see —The Original and Developed Doctrines of Indian Buddhism.

678 — Citizen, Rights and Duties of, see—Rights and Duties of Indian Citizen.

679 — Classics, the Gleanings from, see—the Gleanings from *Indian Classics.*

680 — ancient, Colonies in the far East, Champa, see—Ancient Indian Colonies in the far East, Champa.

681 — Ancient, Customs about the Funeral, see—Ancient Indian Customs about the Funeral.

682 — Culture, some Contributions of South India to, see—some Contributions of South India to Indian culture.

683 — Culture, the Dravidian Elements in, see—the Dravidian Elements in Indian Culture.

684 — Drama and Vedic Akhyana.

इ

685 — Drama, the Beginnings of, see—the Beginnings of *Indian Drama.*

686 — Drugs, a Catalogue of, see—A Catalogue of Indian Drugs.

687 — and Eastern Architecture, the History of, see—The History of, Indian and Easern Architecture.

688 — ANCIENT, EDUCATION, see—Ancient Indian Education,

689 — Erotic, an Essay on, see—An Essay on Indian *Erotic.*

690 — Ancient, Fables and Stories, see—Ancient Indian Fables and Stories.

691 History, a text book of, see—A Text Book of Indian History.

692 — —, Sources of Coins in, see—The Sources of Coins in Indian History.

693 — — and Culture, some *Studies in,* see—*Some Studies* in the Indian History and Culture.

694 — Ancient, Historical Traditions, see—Ancient Indian Historical Traditions.

695 — Institute of Philosophy a Journal of, see—A journal of the Indian Institute of Philosophy.

696 — Jainism Studies in South, see—Studies in South Indian Jainism.

इ

697 — Literature, some Problems of, see—some Problems of Indian Literature.

698 — Literature the History of, see—The History of Indian Literature

699 — Logic, a History of the Mediaeval school of, see—A History of the Mediaeval school of Indian Logic

700 — Logic, a History of, see—A History of Indian Logic

701 — Medicine, the History of, see—The History of Indian Medicine

702 — Museum, the coins in, Calcutta see,—The coins in the Indian Museum, Calcutta

703 — Music, the History of, see—History of Indian Music

704 — Nationalism, the significance of, see—The significance of Indian Nationalism

705 — Ancient, Numismatics, see—Ancient Indian Numismatics.

706 — Philosophy, an outline of, see—An Outline of Indian Philosophy

707 — Philosophy, a Study of, see—A study of Indian Philosophy.

708 — Philosophy, the studies in, see—The studies in Indian Philosophy

उ

709 — Philosophy, A History of, see—A History of Indian Philosophy.

710 — Philosophy, the six systems of, see—The six systems of Indian Philosophy.

711 INDIANS, the secret Philosophy of, see—The secret Philosophy of Indians.

712 INDIAN Poetry, the Foundations of, see—The Foundations of Indian Poetry

713 — Poetry, anthology of modern, see—Anthology of Modern Indian Poetry

714 — Ancient Polity, Aspects of, see—The Aspects of Ancient Indian Polity.

715 — Polity, the Evolution of, see—The Evolution of Indian Polity.

716 INDIANS, Post Vedic Philosophy of, see—Post Vedic Philosophy of Indians

717 — Ancient Thought, and formal training see,—Ancient Indian Thought and formal Training

718 — Tibet, Antiquities of, see—Antiquities of Indian Tibet

719 — Ancient Tribes, see—Ancient Indian Tribe

720 उज्ज्वलनीलमणि (जैन) N

721 उत्तमचरित्र (जैन) Vl 2-

722 उत्सर्गमयूख (धर्म) नीलकण्ठ भट्ट विरचित ed. by ... 8vo pp. 27 Gu 4-

उ

723 उत्सर्जनोपाकरणविधि (कर्म) (ऋग्वेदि श्रावणी) 8vo 27, *Gu.* -4-

724 उत्तमकुमारचरित्र श्लोकबद्ध (जैन) of चारुचन्द्रजी. *Jb*, -12-

725 उत्तरकाशीमहात्म्य, मूल *Vy* -3-

726 उत्तरगीता । (वेदान्त) गौडपादीयदीपिकाख्यव्याख्यायुता भगवत्पादश्रीशंकराचार्याणां परमगुरुभिः श्रीशुकाचार्याणां च शिष्यैः श्रीगौडपादाचार्यैः प्रणीतेयं व्याख्येयैतान्तरकथनमलमस्या महिमानमवगमयितुम् । 8vo pp. 4. 31 *Gu.* -3-

727 — Being the Initiation of अर्जुन by श्रीकृष्ण Transl. by D. K. Laheri. *Ad.* -4-

728 — Being the Initiation of अर्जुन by श्रीकृष्ण into योग and ध्यान. *Rl.* -4-

729 — with the comment of श्रीगौडपादाचार्य. Cr. 8vo. *Ti.* -6-

730 उत्तरचम्पू, A poem, containing Prose and verses on उत्तररामायण by सुब्रह्मण्यकवि with preface of author ed. and publ. by the same, 1920 8o pp.86 *Mt.* -12-

731 उत्तरचम्पू, शाण्डिल्यवर्मशास्त्रिविरचिता भिरा टिप्पणीसहिता. *Kg.* -12-

732 — स्कन्दपुराणान्तर्गत

733 उत्तरचरितम् ed. by हरिदास सिद्धान्तवागीश *Sd.* 2-

734 — ed. by हरिपद चट्टोपाध्याय *Sd.* 2-8-

735 — सटीक ed. by पूर्णचन्द्र कव्यतीर्थ *Sd.* 3-4-

736 उत्तररामचरित(नाटक) श्रीभवभूतिकृत, वीरराघवकृतटीकासहित. *V.* 1-

737 — of भवभूति. with the comm, of घनश्याम, ed. with full introd. dealing with the Personal History of भवभूति ; the date of Bhavabhuti's Works, his Literary estimate and full notes, etc. by P. V. काणे, and Literal Engl Transl. by C N. जोशी. 8vo pp. IV. 12, 192, 60, 50, 8, *Sl.* 4-

738 — with संस्कृत Comm. by प. भट्जीशास्त्री together with Engl. transl. notes, copious vocab. of difficult words, the texts & introd. by V. S. पटवर्धन. 8vo pp. IV, 12, 192, 50, 80 *Bo.* 3-

739 — with Comm. of वीरराघव, Engl. notes, & transl. by काळे. 8vo pp. 38, 184, 80, 32. *Gu.* 4-

740 — or Rama's Later History. An ancient Hindu drama by भवभूति. 1915 Roy. 8vo. pp. 190. *Ho* 10-

It is critically ed in the orig Sanskrit Prakrit with an introd & Engl transl and notes & variants by Prof. S. K Belwalkar

Part 1 Introd and transl (Prefixed) is a convenient synoptic analysis of the play The introd treats of Bhavabhuti's life and date and works and includes a summary of the Rama-story as given by the Ramayana. Lastly he adds an essay entitled "A method for editing Sanskrit dramas" The method is very simple and practical)

Part 2 The text, with index glossaries etc. Each Prakrit speech is

उ

followed by the Sanskrit version in immediate sequence.

741 — Sanskrit text, ed. by Dr. बेलवलकर. 1921, 8vo pp 4, 2, 107. *Oa* 1-4-

742 — ed. with notes and explanations by ईश्वरचन्द्र विद्यासागर 1876 3 ed. 8vo. pp. 39, 246. *Cc* 9-

743 — मराठी Transl. by Dr Belwalkar 1915 8vo pp. 13, 68, 2, 279. *Oa.* 2-

744 — by परशुरामपंत गाडबोले. 1-8-

745 उत्तररामचरितसार व विचार, मराठील भाषांतर व त्याच्यावर काहीं विचार by लेले, 1902. Roy. pp 2, 87 -10-

746 उत्तररामचरितचंपू :—त्रिगुणीसमन श्रीव्यंकटेश्वरीविरचिता. *Gn.* 1-

747 उत्तरनारायणभट्टी (कर्म) *Vy* -8-

747*a* उत्तरपक्षावली (व्याकरण) *Kg.* -4-

748 Uttarpara speech by श्रीअरविंद घोष publ. by रामेश्वर ॲण्ड 1922 Cr pp. 29 -9-

749 उत्तराध्ययनसूत्र (जैन) कमलसंयमी टीकायुतम् Pt 1 3-8-

750 — Prakrit text in Sanskrit characters with introd and full commentary in Engl by Prof. J Charpentier. 1921 22-

751 उदकशान्ति (कर्म) आपस्तंबप्रयोगसहित. *N.* 2-

752 उदकशान्ति-शान्तकीया—(कावेरी) *V.* -4-

753 उदयसुन्दरीकथा a romance (Campu, in prose and poetry) by Soddhala, a contemporary of and patronised by the three brothers वत्सराज, नागार्जुन, and मुम्मुणिराज successive rulers of कोकण composed between A. D. 1026 and 1050 : ed. by C. D. Dalal and कृष्णमाचार्य 1920. *Go.* 2-4-

754 उदारराघव (नाटक) सटिप्पण श्रीकविमल्लाचार्यस्य. *Gn.* 1-8

755 उद्धटसागर (काव्य) by पूर्णचन्द्र दे. *Sd* 2-

756 उन्मत्तराघवप्रेक्षाणक (नाटक) भास्करकविविरचित *N.* -3-

757 उपदेशकल्पवल्ली (जैन) of इन्द्रहंसगणि with the comm. of मतिजिय 2ed *Jb.* 1-8-

758 उपदेशचिन्तामणिसटीक (जैन) of जयशेखर सूरि pt. 1 to 4 *Jb.* 19-8-

759 उपदेशपारिजात of महामण्डल ग्रन्थावली 1 प्रार्थना, 2 धर्मप्रसार, 3 निगमागमस्वरूप. 4 उपदेशप्रणाली. 5 कार्यकुशलता. 8vo pp 3, 84, 4, -8-

760 उपदेशमालासटीक (जैन) of धर्मदासगणि with the Comm. of रामविजयगणि. *Ib.* 11-

761 उपदेशशतक (काव्य) गुमानिकविकृत *Kmg.* 1-

762 उपदेशसार (जैन) गद्यपद्यात्मक 2ed *H* 4-8-

763 उपदेशसाहस्री (गद्यपद्योभयभागात्मिका) अद्वैतवेदान्तविलम्बित सर्वाङ्कुटोऽयं निबन्ध श्रीमद्भगवत्पादाचार्यप्रणीतो विजयते। असकृदेन परिशीलयतामद्वैतवेदान्तशास्त्र मर्मावबोधः स्यात्। अस्य प्रथम गद्य-

उ

भाग —प्रथमभागश्च पृथङ्मुद्रितावास्ता। साम्प्रत ग्राहकसौकर्यार्थमेकत्रैवोभय मुद्रितमस्ति. *N.* 1-8-

764 — श्रीमच्छंकराचार्यकृता रामतीर्थकृतपदयोजनिकासहिता। विषयानुक्रमणिकया, श्लोकानुक्रमणिकया, नैष्कर्म्यसिद्धिभूतश्लोकप्रदर्शनेन अत्रोदाहृतमन्यान्तरस्थवाक्यानुक्रमणिकया, शुद्धिवृद्धिपत्र्या च सहिता। Ed. by D. V. Gokhale *Gu.* 1-8-

765 — of श्रीशङ्कराचार्य Text with मराठी transl. by फडके publ. by देशपांडे. 1911 cr pp. 2, 2. 4. 247 1-

766 उपनिषदः By F. Max Muller vols 1-15. each *of* 12-

767 उपनिषत्प्रकाश with the chief Comments of different schools, in Marathi ed by वि. म. भाव *Dv.* 22-

768 उपनिषत्पाठावली ed. by D. V. Kalekar & publ. by गर्गेश. 8vo. pp. 2. 282, 12. -12-

769 Upanishadas, the minor, in 5 Volumes (All the five vols. if bought together) *Ad* 25- see—Minor Upanishadas.

770 उपनिषद्वाक्यकोश A Concordance to the Principal Upanishadas and भगवद्गीता by Col. G. A. Jacob. 25-

771 उपनिषत्संग्रह–शांकरभाष्यानुसार [मूळ श्रुति अन्वयार्थ, रहस्यार्थ, व टीक उपनिषदांचे विवेचनासह सटीक] ईशकेन-कठ-प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्य-तैत्तिरीय-ऐतरेय—छान्दोग्य-बृहदारण्यक—श्वेताश्वतर—कैवल्य—जाबाल.

उ

772 — भृगुवल्ली with Sansk. Comm and मराठी transl. by व्यंकट रामचंद्र. 1886 cr. pp. 38 -8-

774 उपनिषदां समुच्चयः। स च श्रीनारायणशङ्करानन्दविरचितदीपिकासमेतानामथर्वशिरआदीनां हंसोपनिषदन्तानां द्वात्रिंशन्मितानां भवति। *An.* 6-12- इह समुच्चयसगृहीतानामुपनिषदां वर्णानुक्रमतो नामान्यधो लिख्यन्ते—

1 अथर्वशिरस्, 2 अथर्वशिखा 3 अमृतनाद 4 अमृतबिन्दु 5 आत्म 6 आरुणेयी 7 कैवल्य 8 कालाग्निरुद्र 9 क्षुरिका 10 गर्भ 11 गोपालपूर्वतापनीय 12 गोपालोत्तरतापनीय 13 चूलिका 74 जाबाल 15 तेजबिन्दु 16 ध्यानबिन्दु 17 नादबिन्दु 18 नीलरुद्र 19 परमहंस 20 पिण्ड 21 प्राणाग्निहोत्र 22 ब्रह्म 23 ब्रह्मबिन्दु 24 ब्रह्मविद्या 25 भिक्षु 26 योगतत्त्व 27 योगशिखा 28 रामपूर्वतापनीय 29 रामोत्तरतापनीय 30 सन्यास 31 सर्व & 32 हंस.

773 Upanishad series, ईश, कठ, केन, तैत्तिरीय, प्रश्न, मुण्डक and माण्डूक्य. Texts with Engl. transl. and notes by स्वामी शर्वानंद. *At.* 4-

774 उपमितिभवप्रपञ्चकथा (जैन) of सिद्धर्षि publ. by हरचन्दभाई. *Ro*

775 उपलेखसूत्र of शौनक ed by मधुसूदन साभाभर्मा. *Ce.* 1-5-

776 उपसर्गार्थ (व्याकरण) महादेवभट्टभार्गव लिखित *Kg.* -8-

777 उपसर्गवृत्तिमाला प्रायचरणांचे संग्रह (व्याकरण) *Ch.* -1-

778 उपाकर्म [धार्मिक] गर्भवक व मातार *Sp.* -10-

779 उपाकर्मपद्धति (कर्म) *Pu.* -12-

उ

780 उपाक्रमपराक्रम (वेदान्त) of अप्पय दीक्षित. An essay ed. by लक्ष्मणशास्त्री द्रविड. *Br.* 3-

781 उपाधीपरीक्षाप्रश्नावली (काव्य) ed. by अप्रकाशित. *Sd.* -12

782 उपाधीवाद-गदाधरस्य. (न्याय) *Su.* 1-14-

783 उभयाभावादिवारकपरिष्कारः सटीकः *Gb.* -12-

784 ——— प्रकाशव्याख्यासहित. -12-

785 उभयाभिसारिका see चतुर्भाणी.

786 उर्ध्वपुंड्रमार्तंड *U.* -4-

787 Urvasia fabula Kalidasia Latin by Lenz R. 1833. 9-

788 उवासगदसाओ The Religious profession of an Uvasaga, expounded in Ten Lectures, being the Seventh अङ्ग of the Jainas. The Prakrit text with the Sanskrit Commentary of अभयदेव. Ed. and transl. by A. F. Rudolf Hoernle. (1885–1890). The work is only sold in com plete sets with the exception of fascs. 4 to 6. 4-6

789 Usrika, dawn-rhythms by आनन्द A. 1-8

790 उषाहरण by Trivikrama Panditacharya (1 to 4 cantoes) with the commentary of Sumatindra Swamin, a high class kavya, treating the marriage of उषा—the daughter of बाणासुर, and अनिरुद्ध. *Ut.* 1-4

ऋ

791 उपनिषदाः the wisdom of, see— The wisdom of the upanishadas.

792 उपनिषद् The philosophy of, see—The Philosophy of the Upanishadas.

793 उपनिषद्. philosophical teachings in, see—The Philosophical teaching, in the Upanishadas.

794 Upanishadic philosophy, a constructive survey of, see—A constructive survey of the upanishadic philosophy.

795 Upanishadic texts (four) unpublished see-unpublished, four Upanishadic texts

796 ऋग्वेदसंहिता (वेद) मूलमात्र. 8vo. pp. 658. *Am.* 4-

797 — — *Rt.* 5-

798 — — परिभाषा-ऋग्विधान-सर्वानुक्रम-स्वाहाकार-त्रिधिमंत्रकोशासह. *N.* 3-

799 — सूक्त (वैदिक) *Vy.* 3-8

800 ऋग्वेदमूल (श्रुतिबोध) पदपाठसहित. अष्टक 1 to 5 8vo. pp. 1244, 10-

801 ऋग्वेदमन्त्रसंहिता (वेद) *Vj.* 1-8-

802 — — *N.* -14

803 ऋग्वेदसंहिता or the sacred hymns of the Brahmans with sanskrit comm. of सायणाचार्य, ed. by Max Muller. Complete text and comm. both in orig. संस्कृत 5 vols. 400-
2 ed. 4 „ 250-

804 ऋग्वेद 2 Vols. (Transcription) by Aufretch. 2-

ऋ

805 ऋग्भाष्य by मध्वाचार्य on the 1st. 40 suktas of 1st मण्डल of ऋग्वेद. *Mt.* -10-

806 ऋग्भाष्य टीका or सम्बन्धदीपिका by श्रीजयतीर्थाचार्य with the gloss of चल्याचार्य. This is a commentary on the above ऋग्भाष्य *Mt* 5-8-

807 ऋग्वेद Sayana's comm. on, passages supplementing those contained in Macdonell's *Vedic Reader*, ed. by पशुपतिनाथशास्त्री 1921. Crown 8vo (7½ × 5), pp. 198. *Of* 1-4-

808 ऋग्वेदअनुक्रमणिका *Am.* 1-8-

809 ऋग्वेदसारसंग्रह by शिवनाथ अग्निहोत्रि. *Sd.* 3-

810 ऋग्वेदी देवे (वेद) *N.* 1-

811 ऋग्वेदीनित्यविधि (कर्म) *N.* -8-

812 ऋग्वेदीब्रह्मकर्मसमुच्चय (कर्म) *N.* 2-12-

813 ऋग्वेद सन्ध्या *Sp.* -2-

814 ऋग्वेद An Engl. transl. by Wilson H. The first अष्टक or Book 1850, rare. *Gr.* 10-

815 — The second अष्टक or Book 1854, rare. *Gr.* 10-

816 — The third & fourth Ashtakas or Books 1875, rare. *Gr.* 20-

817 — The fifth अष्टक or Book 1866, rare. *Gr.* 10-

818 — The sixth & seventh Ashtakas or Books each. 10-

819 — Complete in 6 Vols originally ed. Available separately. 125-

ऋ

820 — German edition by Kaegi. 8-12

821 — Comprehensive and condensed manual of Vedic Research, authorised translations with additions to the Notes by R. Arrowsmith by Kgegi. A— 1186. 10-

822 — Translation with critical and explanatory notes. by Grassmann volt II *Gn.* 36-

823 — By Geldner volt I & II. 4-

824 ऋग्वेद transl. into मराठी by कोल्हटकर & पटवर्धन 8vo. pp. 1244 10-

825 — transl. into मराठी by चित्रावशास्त्री. 12-

826 — transl. into Engl. and मराठी by S. P. पण्डित, 1 to 3 मण्डल. (वेदार्थयत्न) 75-

827 — Bengali transl. by R. C. दत्त 2 vols 8o. *Cc* 20-

828 — The hymns of, transl. into Engl. by Ralph T. griffith 2 vols. *Lz.* 16-

829 — The hymns of, transl. into Engl. by Macdonell *Ad.* 2-

830 — The hymns from, introd. to metre and textual history by Oldenberg *Gr.* 25-

831 — Hymns of, by Hillebrandt A. *Gr.* 10-

832 — or sacred hymns of ब्राह्मण with Comm. and Introduction. by Ludwig A. 6vols. *G.* 100-

ऋ

833 ऋग्वेद Forty hymns in नागरी with notes and transl by Macdonell A A

834 — The Hymns of, संहिता and पद texts by Max Muller 1869 1st Mandala. 18–

835 — The Hymns of, the संहिता& पद texts by Max Muller F 1877 2ed. 2 vols. *Gr*. 40–

836 — The selections of hymns from, with सायनभाष्य and notes by Dr Peterson 1st series *Bp*. 2–

837 — The selections of hymns from, with सायनभाष्य by Dr Peterson and enlarged by Dr R Zimmermann second series *Bp* 5–8–

838 — The Vedic hymns from, transl into Engl by Edward J Thomas *Jm* 2–12–

839 — The Vedic hymns from, transl into Engl by F. Max Muller and H Oldenberg vols I & III *Of* 45–

840 — The Vedic hymns from, transl into Engl by H. Oldenberg 1897, 8vo pp. x, 500, 8 mandals I to V 11–8–

841 ऋग्विधान By Mayer Dr Rud 1879 *Gr* 3–

842 — श्रीमहर्षिशौनकप्रणीतम् । ऋग्विधानरहस्यप्रकाशका अनिरुद्धभट्टभाष्यस्य *Vl* –12–

843 ऋग्वेदव्याख्यान Hindi by ग्रा भगवद्दत्त 1–4–

ऋ

844 Rigveda, India as principally embodied in the by Z A Ragozin with 36 illustr. and maps *Fu* 5–10–

845 Rigvedic Culture (बेंगाल) with illustrations and maps, by Abinas Chandra Das *Ad* 10–12–

846 Rigvedic India by अविनाशचन्द्र दास 1927, 2ed. 8vo pp. XXII 616 10–

An outline of the Early History of India as depicted in the Rigveda examined in the light of the results of modern geological Archaeological & Ethonological investigations and drawn from a comparative study of the civilisations of the Deccan Ancient Aryans Babylonia Assyria Phoenicia Asia Minor and Pre historic Europe

847 Rigveda, The God वरुण in, by Griswold *Gr* 3–8–

848 — The lectures on, by Dr Ghate, 2ed *Oa* 3–

849 — Mysterium and Mimus in, by Schroeder *Gr*. 10–

850 — on some river names in, by stein 8vo pp 21–28 –4–

851 — The principles to be followed in translating, by Macdonell 8vo pp 19 vol –8–

852 — The Religion of, by D Griswold 8vo cloth ed *As* 8–

CONTENTS I The Antecedents of the Rigvedic Age II The Rigvedic Age—III The Rigvedic Book—IV

ऋ

The Vedic World of Gods and Demons —V Varuna the Ethical God —VI Agni the Priestly God VII Indra the Warrior God —VIII Soma the Deified Sacrificial Drink —IX Usas and the Asvins X The Minor Gods of the Vedic Pantheon XI The Eschatology of the Vedas —XII The Rigveda and Later Hindu Developments —XIII The Fulfilment of the Religion of the Rigveda

853 — or sacred hymns of Brahman with comm and introd by Ludwig A. 6 Vols *Gr* 100–

854 — Repetitions ed by by M Bloomfield 1916 Two vols not sold separately Part 1 Text pp xx and 487 Part 2 Commentary. Part 3 Lists and indexes pp iv and 488 to 690 *Ho.* 31–

856 — Similarities and Metaphors in, by Hirzel *Gr.* 5–

857 ऋग्वेद् Text, criticism, and notes by Oldenberg, 1 to 10 mandals. 2 vols 60–

858 ऋक्प्रातिशाख्यम् with a commentary based on that of उवट which has been given here in a popular and intelligible form with copious references Ed by Dr पशुपतिनाथशर्मा with the assistance of चित्तहरण चक्रवर्ति 8vo pp ii, 252, 10 *Se* 3–

859 — GERMAN & NAGARI by Max Muller — 35–

ऋ

860 — (वेद) of शौनक With the Comm of उवट ed & annotated by Pandit युगलकिशोर and Pt प्रभुदत्तशर्मा *Bn* 6–

861 ऋग्वेदब्राह्मण-ऐतरेय & कौषीतकी of the Rigveda transl from origin संस्कृत by A B Keith 1920 Pp xii+556 *H.* 34–

862 ऋग्वेदभाष्योपक्रमणिका by सायनाचार्य, ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with English Notes and introd 1925, 8vo. pp 278 90 –12–

863 Der Rigveda in Auswahl by Geldner K Glossar vol I (German) *G.* 25–

864 ऋग्वेदविलासी by Scheftelowitz J. 15–

865 Rigveda, Dictionary of, by Grassmann H *Gr* 60–

866 — by Neisser, part 1 10–

867 ऋतुसंहार (काव्य)—कालिदासकृत, मणिरामकृत टीका with शृंगारतिलक काव्य *N* –6–

868 — Ed with संस्कृत comm चन्द्रिका by S D गजेन्द्रगडकर and A B गजेन्द्रगडकर with introd notes & appendices 1916 8vo pp XVVI, 202 1–4–

869 — with notes and Engl transl by सीताराम अय्यर 1897. 8vo pp, IV, 20, 43 *Gn* 1–2–

870 — with चंद्रिका *N.* –10–

871 — Ed with an introd dealing with the date of Kalidasa Kalidasa the man & Poet, Critical Estimate of the Ritus-

ऋ

sambar, Various Readings, Exhaustive Notes, Literal English Transl. and Important Appendices by B G. Kher, and V. R. Nerurkar. *St.* 1-

872 — With new full Comm. by शास्त्री व्यंकटाचार्य उपाध्याय with Prose Construction, Exhaustive Notes, Literal Engl. Transl. and Introd. by M. R. Kale, *St.* 1-

873 — or The seasons by कालिदास orig. संस्कृतकाव्य ed. with preface of Sir William Jones, by Herman Kreyenberg. 1924 Hannover. pp. 10, 163. 7-8-

874 ऋषभपञ्चाशिका of धनपाल. *King.* 1-

875 ऋग्वेद, Analysis of the contents of, see—The Analysis of the contents of ऋग्वेद

876 एकनाथ the Life of, *Nt* -4-

877 — by Justice Abbote. 2-

878 एकसूत्र by Franke H. *Gn.* 1-

879 एकादशीमाहात्म्य सह टिप्पणीसह. *Vy.* -10-

880 एकादशीतिथीव्रतनिर्णय (धर्म) जयसिंहकल्पद्रुमकृत. *Vy* -4-

881 एकाक्षरकोष with मराठी transl. by मल्लिकार्जुनशास्त्री. 1-

882 — by Arthur Avelon 1913. *Tl.* 2-

883 एकाक्षरनाममावली with मराठी transl. by विश्वशम्भु.

884 एकीभावस्तोत्र वादिराजप्रणीत *Km.* 1-

ए

885 Age of the वेद translated from Winternitz's Geschichte der indischen Literatur, by Utgikar N. B. Part 1, 2ed Leipzig 1904 pp. 246-258 -6-

886 AGES (periods) of East Indian Archaeology by Mueller J. *Gr.* 12-

887 THE ANCIENT EAST by Hogarth D. G 1914. 2-

888 Ancient Home of the आर्यन्स and their migration to India, by A. C. गांगोली. *Sb.* 5-

889 ANCIENT ROMIC CHRONOLOGY by H. Bruce Hannah, Law. Roy. 8vo. pp. 60 *Cu.* 1-8-

The book deals with the method of embodying some orig researches of Mr H B Hannah in the domain of Chronology and computation of time in Ancient Egypt, as well as other connected matters the process being shown through various internal evidences

890 ANCIENT HISTORY of अलंकारशास्त्र by Nobel J. 1-8-

891 ANCIENT HISTORY of the आर्यन्स in Asia, Iran & Turan by Brunhofer. *Gr.* 10-

892 ANCIENT GEOGRAPHY and Civilization of महाराष्ट्र (Repr'nt) by P. V. काणे. 1917. 8vo. pp. 45. 1-

893 ANCIENT MONUMENTS IN BURMA. *Gt.* 5-

894 ANCIENT INDIA. to the 1st Century. by E. J. Rapson. Cr. 8vo. 5s. *Um.* 3-12

ऋ

The Vedic World of Gods and Demons —V Varuna the Ethical God —VI Agni the Priestly God VII Indra the Warrior God —VIII Soma the Deified Sacrificial Drink —IX Usas and the Asvins X The Minor Gods of the Vedic Pantheon XI The Eschatology of the Vedas —XII The Rigveda and Later Hindu Developments —XIII The Fulfilment of the Religion of the Rigveda

853 — or sacred hymns of Brahman with comm and introd by Ludwig A. 6 Vols *Gr* 100–

854 — Repetitions ed by by M Bloomfield 1916 Two vols not sold separately Part 1 Text pp xx and 487, Part 2 Commentary Part 3 Lists and indexes pp iv and 488 to 690 *Ho* 31–

856 — Similarities and Metaphors in, by Hirzel *Gr.* 5–

857 ऋग्वेद Text,criticism,and notes by Oldenberg, 1 to 10 mandals 2 vols 60–

858 ऋक्प्रातिशाख्यम् with a commentary based on that of उवट which has been given here in a popular and intelligible form with copious references Ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with the assistance of चित्रहरण चक्रवर्ति 8vo pp ii, 252, 10 *Ss* 3–

859 — GERMAN & NAGARI by Max Muller — 35–

ऋ

860 — (वद) of शौनक With the Comm of उवट ed & annotated by Pandit युगलकिशोर and Pt प्रभुदत्तशर्मा *Bn* 6–

861 ऋग्वेदब्राह्मण–ऐतरेय & कौषीतकी of the Rigveda transl from origin संस्कृत by A B Keith 1920 Pp xii+556 *Ht* 34–

862 ऋग्वेदभाष्योपक्रमणिका by सायनाचार्य, ed by Dr पशुपतिनाथशास्त्री with English Notes and introd 1925,8vo. pp 278 90 –12–

863 Der Rigveda in Auswahl by *Geldner K Glossar vol I* (German) *S t.* 25–

864 ऋग्वेदखिलानी by Scheftelowitz J. 15–

865 Rigveda, Dictionary of, by Grassmann H *Gr* 60–

866 — by Neisser, part 1 10–

867 ऋतुसंहार (काव्य)—कालिदासकृत, मणिरामकृत टीका with शृंगारतिलक काव्य *N* –6–

868 — Ed with संस्कृत comm बालबोधिनी by S D गजेन्द्रगडकर and A B गजेन्द्रगडकर with introd notes & appendices 1916 8vo pp XVVI, 202 1–4–

869 — with notes and Engl transl by सीताराम अय्यर 1897 8vo pp, IV, 20, 43 *Gn* 1–2–

870 — with चंद्रिका टीका *V* –10–

871 — Ed with an introd dealing with the date of Kalidasa Kalidasa the man & Poet Critical Estimate of the Ritus-

ऋ

sambar, Various Readings, Exhaustive Notes, Literal English Transl. and Important Appendices by B G. Kher, and V. R. Nerurkar. *S/.* 1-

872 — With new full Comm. by शास्त्री व्यंकटाचार्य उपाध्याय with Prose Construction, Exhaustive Notes, Literal Engl. Transl. and Introd. by M. R. Kale, *S/.* 1-

873 — or The seasons by कालिदास orig. संस्कृतकाव्य ed. with preface of Sir William Jones, by Herman Kreyenberg. 1921, Hannover. pp. 10, 163. 7-8-

874 ऋषभपञ्चाशिका of धनपाल. *Kmg.* 1-

875 ऋग्वेद, Analysis of the contents of, see—The Analysis of the contents of ऋग्वेद

876 एकनाथ the Life of, *N/* -4-

877 — by Justice Abbote. 2-

878 एकशृङ्ग by Franke H. *Gn* 1-

879 एकादशीमाहात्म्य मूल टिप्पणीसह. *Vy.* -10-

880 एकादशीतिथिव्रतनिर्णय (धर्म) जयसिंहकल्पद्रुमकृत. *Vy* -4-

881 एकाक्षरकोष with मराठी transl. by मल्लिकार्जुनशास्त्री. 1-

882 — by Arthur Avelon 1913. *Tt.* 2-

883 एकाक्षरनामावली with मराठी transl. by विश्वशम्भु.

884 एकीभावस्तोत्र वादिराजप्रणीत *Km.* 1-

ए

885 Age of the वेद translated from Winternitz's Geschichte der indischen Literatur, by Utgikar N. B. Part 1, 2ed Leipzig 1904 pp. 246-258. -6-

886 Ages (periods) of East Indian Archaeology by Mueller J. *Gr.* 12-

887 The Ancient East by Hogarth D. G. 1914. 2-

888 Ancient Home of the आर्यन्स and their migration to India, by A. C. गांगुली. *Sb.* 5-

889 Ancient Romic Chronology by H. Bruce Hannah, Law. Roy. 8vo. pp. 60 *Cu.* 1-8-

The book deals with the method of embodying some orig researches of Mr H B Hannah in the domain of Chronology and computation of time in Ancient Egypt, as well as other connected matters the process being shown through various internal evidences

890 Ancient History of अलंकारशास्त्र by Nobel J. 1-8-

891 Ancient History of the आर्यन्स in Asia, Iran & Turan by Branhhofer. *Gr.* 10-

892 Ancient Geography and Civilization of महाराष्ट्र (Reprint) by P. V. काणे. 1917. 8vo. pp. 45. 1-

893 Ancient Monuments in Burma. *Gr.* 5-

894 Ancient India. to the 1st Century. by E. J. Rapson. Cr. 8vo. 5s. *Mm.* 3-12

ष

895 ANCIENT INDIA by Prof U. N Ball 2 ed. 2-8-

A comprehensive study of the social political and economic history of ancient India from the earliest times to the Muhammadan conquest based upon all available sources, traditional, literary and archaeological Every material has been critically examined in a scientific spirit and an attempt has been made to present the Indian point of view in simple language

896 THE ANCIENT INDIAN COLONIES in the Far East, Champa. with one map and several plates by Dr. R C मुजुमदार vol I. Roy. 8vo pp 525. *Du.* 15-

897 ANCIENT INDIAN CUSTOMS about the funeral by Caland D. *Gr.* 10-

898 ANCIENT INDIAN EDUCATION by F.E. Keay.1918 Crown 8vo (7¼+5¼) pp 192. *Of* 3-8-

899 ANCIENT INDIAN FABLES AND STORIES. by Stanley Rice *We.* 3-

900 ANCIENT INDIAN GENEALOGIES—Are they trustworthy by F. E Pargiter 8vo. pp 107-113 -8-

901 ANCIENT HISTORY OF THE DECCAN, transl from the French into Engl. by स्वामिनाथ दीक्षित 1920. Roy pp 114 4-

902 ANCIENT INDIAN HISTORICAL TRADITION, by F. E. Pargiter 1922 8vo. (9¼+6). pp.viii+368 *Of.* 10-

ष

903 ANCIENT MEDICAL MANUSCRIPTS from Eastern Turkestan by A. F R Hoernle, 8vo pp 415-432.

904 ANCIENT INDIAN NUMISMATICS (*Carmichael Lectures, 1921*), by Prof. D. R. Bhandarkar. 8vo. pp. 241. *Cu.* 4-14-

This book contains a course of lectures on Numismatics a part of Archaeology, delivered by the Prof in 1918 The subjects of the lectures are as follows

I Importance of the Study of Numismatics II Antiquity of Coinage in India III Karshapana its Nature and Antiquity IV Science of Coinage in Ancient India V History of Coinage in Ancient India

905 ANCIENT INDIAN TRIBES—the Bhutas, by नरसिंहस्वामी. 1915 8vo pp 33 *Va* 1-8-

906 ANCIENT INDIAN TRIBES by विमलचरण ला, 8vo pp 189, 4, 3 5-8-

907 ANCIENT GEOGRAPHY OF गान्धार, the notes, by Hargreaves. 2-2-

908 ANCIENT MID-INDIAN क्षत्रिय TRIBES by Dr Bimala Charan Law. *Co.* 8-

909 ANCIENT AND MEDIEVAL INDIA by Mrs Manning 2 Vols. 1869. 30-

910 THE ANCIENT AND MEDIAEVAL ARCHITECTURE OF INDIA. A

प

Study of Indo-Aryan Civilisation. With numerous Illustrations, by Havell E. B 1928 Roy 8vo *Im* 25-

911 ASIATIC RESEARCHES OR TRANSACTIONS OF THE SOCIETY instituted in Bengal for inquiring into History, Antiquities Arts, Sciences and Literature of Asia London vol I to VII, 3, 4 & 5th ed 8vo XVI, 483 each vol. 20-

912 *ECONOMIC CONDITION OF* ANCIENT INDIA, by J. N Samaddar, pp 186 cu 3-

A brilliant study which embodies a reconstruction of economic data and of economic theories in Ancient India from treatises and from scattered references in early Hindu and Buddhist literature This is the first systematic attempt to deal with this important subject The author in course of his lectures lays bare to us the underlying spirit and principles of the great Hindu Civilisation He has taught us to look not merely at the actions of the *Ancient Indians and their glori*ous achievements in the domains of Economics and Politics but he has unfolded the environments in which they were wrought the motives which impelled them and the ambition which inspired them The book has been highly praised by *Dr Sylvain Levi Dr Jolly Prof Winternitz Sir John Marshall Dr A Marshall Prof Hopkins Prof Telang Dr Keith and* many other distinguished savants

प

913 ECONOMIC DEVELOPMENT Snap-shots of World-Movements in Commerce, Economic Legislation, Industrialism and Technical-Education by Prof Benoy Kumar Sarkar, 1926 8vo pp xxxvi, 428 *Pl* 8-

R commended by the Calcutta University for M A in Commerce and in Allahabad University as a reference book.

914 ECONOMIC LIFE AND PROGRESS IN ANCIENT INDIA (being the outlines of Indian Economic History) by नारायणचन्द्र बानर्जी 8vo. pp. 325+XVI *Co.* 6-

This book contains a systematic and detailed account of the growth *of economic life in ancient India* from the earliest time to the rise of the Maurya empire At the end of each period a chapter dealing with Indian economic theories and ideas has been appended

915 THE ENCHANTED PARROT *Being a selection from the* शुकसप्तति or the seventy tales of a parrot, *transl from the* संस्कृत text, by Wortham B — 1911. 3-8-

916 AN ESTIMATE OF THE Civilisation of the VANARAS as depicted in the रामायण by ममन्सराय *Sb* 1-8-

916a An Essay on Aditi, by Hillebrandt A 1-8-

917 ESSAY SANSKRIT-ENGL On the Art, style and verification of the महाभारत by P K गोडे

ए

1916 publ. by लिमेत महाभागवत कुर्तकोटी. 8vo. pp 365-386. -8-

918 — ON THE DOCTRINE of the unreality of the world, in अद्वैत-see अद्वैत.

919 — ON THE HISTORY OF IRAN by Hertel. 6-8

920 — CONCERNING HUMAN UNDERSTANDING by Locke — 1912 5-

921 ESSAYS ON INDIAN EROTIC, by Schmidt Gr. 20-

922 Eassy on माठर-वृत्ति (*commentary on samkhyakarikas by* माठर) ed. by डॉ. बेलवल्कर. 1924. Roy. pp. 36. Ba, 1-

923 — ON THE PHILOSOPHY OF RELIGION, Personality and Atonement by A. G Widgery. 1918. Roy. pp. 46 1-8-

924 — ON THE RELIGION OF THE HINDUS by Wilson, 1882, 2 Vols, each 15-

925 — on संस्कृत Literature collected and edited by Dr. Reinhold Rost, Wilson H. and Cowell E. 1865. 15-

926 — ON THE SACRED LANGUAGE, Writings & Religion of the पारसीs by Haug M. Kp. 9-1-

927 — by Max Mueller, chips from a German workshop. Gr. 24-

1 — on the science of Religion Vol. I 1867

2 — on Mythology, Traditions & customs. " II. "

ए

3 — on Literature, Biography & Antiquities. Vol.III 1870.

4 — on science of language. Vol. IV. 1875

928 AN ESSAY ON SEMANTICS by Breal Michel. Gr. 3-

929 — The superman by श्रीअरविंद घोष 2ed. Cr. pp 28 Cc. -6-

930 ESSAYS, MISCELLANEOUS, by Colebrooke H. T. 1837 vols. I & II. 50-

931 ETHNOGRAPHY (Encyclopedie of Indo—Aryan research), by Baines, A— 13-

932 EXPLODED MYTH OF अशिकुलाs by C. V. वैद्य. 1942 8vo. pp. 10 4-4-

933 EXCAVATIONS AT तक्षशिला by Sir J. Marshall. Gr. 11-

934 EXTRACTS OF विहारह. Text. & transl. by Scriba.(German)7-

935 ANCIENT HINDUS, on the weapons, army organisation and political maxims of, see—On the weapons, army organisation & political maxims of Ancient Hindus by Oppert. 12-

936 ANCIENT WORLD, India as known to the, see, — India as known to the Ancient world.

937 ANCIENT GEOGRAPHY of गान्धार the notes on, see—The notes on the Ancient geography of गान्धार.

938 ASIA, Indo-germanic, the world contemplation of, see,-the

ए

world contemplation of Indo-germanic Asia.

939 — The Cultural unity of, see-The Cultural unity of Asia

940 — First outlines of a systematic anthropology of, see,—First outlines of a systematic anthropolgy of Asia

941 ASIATIC SOURCES, Eastern, Mediaeval Researches from, see Eastern, Mediaeval Researches from Asiatic sources

942 EDUCATION religion, philosophy and art, Indian ideals in, see,-Indian ideals in Education Religion Philosophy and Art

943 ETHNOGRAPHY, LECTURES, on, see,-Lectures on Ethnography

944 ऐतरेयब्राह्मणम् (वेद) मूळ A 1-

945 — श्रीमत्सायणाचार्यविरचितभाष्यसमतम् 2 vol *Aa* 10-10-

946 — Transl into Engl by M Haug, in 2 parts *Po* 9-

947 — *and* एतरयाचावन of the ऋग्वेद with the comm of सायनाचार्य ed by सत्यव्रत सामाश्रमा 2 vols *Bi* 17-

948 — मराठ्रवचि by विश्वनाथ कृष्ण जोशी *Bp* 4-

949 ऐतरयारण्यकम् । (वेद) सायणाचार्यविरचितभाष्यसमतम् । *Aa* 3-

950 ऐतरेयोपनिषत् अरण्य आश्वलायनीय *N* -4-

951 — सटाकशांकरभाष्यापता, विद्यारण्यविरचिता दीपिका च । *Aa* 1-4

ओ

952 — With the Bhashya of and gloss of तारकर्ण *Ai* 7-

953 — Text in orig संस्कृत with मराठी transl & comm by वापट शास्त्री 1920, 8vo pp 6, 2, 289, *Ak* 1-8-

954 — Text in orig संस्कृत *with* मराठी *transl and comm by* वापटशास्त्री *8vo pp 32 Al*

955 — शांकरभाष्यसमता, Text, transl. into मराठी by C. G भानु 1914 8vo pp 109, 24 *Ds* 2-8-

956 — and तैत्तिरीयोपनिषत् with *the comm of* मन *transl into* Engl by श्रीशचन्द्र *Po*. 6-

957 — Text transl into मराठी with शांकरभाष्य by सीतारामशास्त्री Cr pp 230 cloth *Ad* 2-8-

958 — *Text in* संस्कृत, *transl. into* मराठी with शांकरभाष्य C G भानु 1914.pp 3 109, 24 *Ds* 2-8-

959 ऐन्द्रस्तुति चतुर्विंशतिका (जैन) A religious book useful to the Jainas by वृद्धभदास, 1928 *N*. -4-

960 ऐन्द्र SCHOOL OF संस्कृत GRAMMARIANS-Their place in the संस्कृत and subordinate Literature by A C Burnell Roy pp VIII 120 15-

961 ॐकारमहात्म्य *sixty verses on* the mystic significations of the syllable ॐ with एकनाथस मराठा verse parahrase by G N मुद्मदार 1914

963 OMAR KHAYYAM THE POET. By T Hr WEIR, *We* 2-2-

ओ

963 OCEAN OF STORIES, by N. M. Penzer with a forward by Sir R. C. Temple 1924, 10 Vols. each 31-8-

Being C H Lawney's transl. of Somadeva's Kathasaritsagar or (ocean of streams of story) now ed with introd. fresh explanatory notes and terminal essay.

964 THE OCEANIC LANGUAGES by Macdonald. D. 1907 10-

965 THE ORION (ओरिऑन) Researches into the Antiquity of the वेदाः by B. G. टिळक publ. by टिळक बंधू.

966 ORIENT PEARLS: INDIAN FOLK-LORE. By Shovona Devi cr. 8vo Ib 2-

967 ORIENTAL COINS, a Catalogue by S. Lane-Poole. 1875-1891, 8vo. with autotype plates. Vols. I-VIII. out of print; Vol. IX (additions to Vols. I-IV.) 1889 21s net; Vol. X (additions to Vols. V-VIII) 1891. 25s net.

Part 1-4 & 5-8 Of 28s.

968 ORIENTAL CONFERENCES (all India) summaries of papers 1924. Roy. pp. XIII, 211, L Md 7

969 ORIENTAL AND LINGUISTIC STUDIES (The Veda, the Avesta, the science of language) by Whitney W. 1873. 15-

970 ORIENTAL MEMOIRS. A narrative of seventeen years residence in India, by Forbes, J. 1834 2 Vols. 45-

ओ

971 THE ORIGIN OF BENGALI SCRIPT by बानर्जी. 1913 8vo. pp. 122. Cu. 3-

The book gives a history of the developement of the Bengali alphabet. It is a valuable contribution to Indian Palæography

972 ORIGIN & CULT OF तारा by Pt. हिरानन्दशास्त्री. Gi 2-4-

973 ORIGIN OF THE वज्रायन देवताः by Arthur Avalon. Tl. -8-

974 ORIGINAL AND DEVELOPED DOCTRINES OF INDIAN BUDDHISM, by R. Kimura. Sup. Roy. 8vo. pp. 82. Cu. 3-

It is a comprehensive manual of charts, giving an explicit idea of the Buddhist doctrines, as promulgated in diverse ways by diverse Buddhist Philosophers

975 ORIGINAL SANSKRIT TEXTS on the origin and progress of the Religion and Institutes of India, collected, transl. into Engl and illustrated with notes by J Muir 1858; pt. I. 21-

976 ORISSA IN THE MAKING, by विजयचन्द्र मुजुमदार with an introductory Foreword by Sir Edward A Gait 1925, Cr. 8vo. pp. 247. Cu. 4-8-

This work which has no rival in the field presents a mass of new facts relating to the early history of Orissa, and sets out the hitherto unnoticed course of events which

13

ओ

culminated in the emergence of Orissa as a distinct national and linguistic unit How the author has executed th s work successfully after having been engaged for many years in his research work in Orissa has been notified by Sir *Edward A Gait in the introductory* Foreward spoken of above

977 ORIENTAL LIBRARY, catalogue of संस्कृत Manuscripts in see—A catalogue of संस्कृत Manuscripts in the Oriental Library

978 औचित्यविचारचर्चा क्षेमेन्द्र कविकृत *Km* 1–

979 औपपत्तिकसूत्र or the first उपाङ्ग of the जैनs, text,ed with notes and glossary by Dr F Leumann very rare 1882 8vo pp 50 *Gr* 20–

980 — by मानालाल राधाजी

981 OUTLINES OF INDIAN PHILOSOPHY *by John Beames G 1868* Cr pp VIII 96 5–

982 AN OUTLINE OF THE RELIGIOUS LITERATURE OF INDIA by *J* N Farquhar 1920 8vo (8 × 5) pp xxviii+452 *Of* 13–8

983 OUTLINE OF THE वेदान्त System of Philosophy according to Shankara by Paul Deussen transl by J H Woods & C B Runkle Cr 8vo (7 × 5) pp x+46 *O* 3–8

984 OUTLINES OF THE HISTORY OF ETHICS by Sidgwick H — 1910 5–4–

क

985 OUTLINES OF JAINISM by J Jaini, ed. by F W Thomas Cr 8vo *Mm* 3–

986 OUTLINES OF INDIAN PHILOSOPHY by Deussen P 3–

987 ककारादिकृष्णसहस्रनाम (Silk-cover) *Vy* –10–

988 कटाक्षशतक (काव्य) मूककविकृत *Gn* –4–

989 — *Vv* –2–

990 कथाकोश or treasury of stories transl from Sk Mss with appendix, containing notes by *Prof Leumann* ed by Tawney C — 12–8

991 कथाकौतुक (काव्य)—पण्डितश्रीवरविरचित *N* –12–

992 — of श्रीवर the history of Joseph in Persian Indian garb Sanskrit and German by Schmidt R — *Gr* 10–

993 कथारत्नाकर गद्यपद्य (जैन) of हेमविजयगणी *Jb* 12–

994 — Transl by Johannes Hertel complete in 2 parts 30–

995 कथासरित्सागर (काव्य) by श्रीसोमदेवभट्ट with 194 entertaining stories *N* 5–4–

996 — Text ed by Brockhouse 2 Vols *Gr* 17–

997 A CONSTRUCTIVE SURVEY OF UPANISHADIC PHILOSOPHY by Prof R D रानडे 1929 Roy pp 31 438, 2, 3 *Oa* 10–

998 कपिनामुपवास Fasting of the monkeys a short poem by संता

क

चार्य शिरोमणि 1925 Cr. pp. 278 -4-

999 कमलनेत्रस्तोत्र Vy -1-

1000 THE KAMALA LECTURES—on *Indian Ideals of Education, Philosophy, Religion and Art*, by Annie Besant, with a Foreword by the Hon'ble Sir Ewart Greaves 8vo pp 135 Cw 1-8-

1001 —— by Shastri 1-8-

1002 —— by Jha 1-8-

1003 कमलिनीकलहंस (नाटिका) by राजचूडामणी दीक्षित. 1917. pp 84 Vi -8-

1004 कर्णकुतूहल (ज्योतिष) (सटीक) I v -12-

1005 कर्णभूषण-(काव्य) श्रीगङ्गानन्दकविराजप्रणीत N -10-

1006 कर्णसुन्दरी (नाटिका)—महाकविबिल्हणकृत N -8-

1007 कर्पूरप्रकरसटीक (जैन) with the कथा of हरिमुनि and comm by जिनसागरसूरि. Jb 4-4-

1008 कर्पूरमञ्जरी (नाटक) सटीक—श्रीराजशेखरकृत, वासुदेवकृत टीका and बालभारत नाटक N 1-

1009 — Transl into Engl with introd and notes, by C R Lanmann 1901. Roy. 8vo pp 316 Ho 18-6-

(drama by the Indian poet Raja-s-khara (900 A D) critically ed in the orig (Nagari letters) with a glossarial index and an essay on the life and writings of the poet by Prof. Sten Konow

क

A play of court—intrigue and the only extant drama written entirely in Prakrit. It presents interesting parallels with the Braggart Soldier of Plautus

1010 कर्पूरादिस्तोत्राणि Text with introd & comm by विमलानन्दस्वामी Transl by and notes of Arthur Avalon Tl 3-

1011 कर्मप्रदीप or छान्दोग्यपरिशिष्ट with the comm called परिशिष्टप्रकाश of म म नारायणोपाध्याय ed by म. म चन्द्रकान्त तर्कालङ्कार together with a comm by himself called प्रभा 1909 Bi 2-4-

1012 कर्ममीमांसा By A B Keith Cloth As 1-8

In the Karma Mimamsa the exposition of the texts which ordain the Hindu sacrifices is worked out into a system which finally proved of considerable importance for logic philosophy and law In this brilliant booklet the system is clearly expounded and its history set forth in outline

1013 कर्मयोग (वेदान्त) by स्वामी विवेकानन्द 1923 8vo pp 92 Ai -12-

1014 कर्मविपाक (धर्म) सूर्य नाम भरणमत Vy 1-

1015 कर्मसिद्धान्तदीपिका (धर्म) Vy -2-

1016 KARMA, THE CONCEPTION OF, AND Reincarnation in Hindu Religion & Philosophy by paul Yevtic 8vo pp 120 4-

1017 करणकुतूहल सटीक (ज्योतिष) भास्कराचार्यविरचित तथा सुमतिहर्षकृतटीकासहित I y -12-

क

1018 करणकौस्तुभ (ज्योतिष) कृष्णदैवज्ञ-विरचित *Au* -3-

1019 करणप्रकाश (ज्योतिष) by ब्रह्मदेव ed with comm & Theory of Numbers by सुधाकर द्विवेदी. *Cl* 1-8-

1020 CURRENCIES OF THE HINDU STATES OF RAJPUTANA by Webb W —1893 20-

1021 करणे दुर्गेश्वर (ज्योतिष) *Ly* -6-

1022 करणेश्वामग्रावली (ज्योतिष) *Ly* -6-

1023 करणापुण्डरीकम् (बुद्ध) 8vo, pp. 129 5-

1024 करुणालहरी (काव्य) पण्डित जगन्नाथकृत *Km2* 1-

1025 करुणावज्रायुधम् (जैन) श्रीबालचन्द्रसूरिकृत -8-

1026 कल्किपुराणम् महर्षिदर्शनसहितम् by जीवानन्द 1890, 8vo pp 6, 132, 3 *Cc* 1-4-

1027 CULTURE AND KULTUR, RACE ORIGINS OR THE PAST UNVEILED by H B Hannah 8vo pp 158. *Cu* 3-12-

Besides other cognate matters the book generally deals with race origins race-developments and race movements & differentiates not only between Barbarous Races & cultured Races but also between Barbarous Races that were or are civilised and those that were or are uncivilised

1028 Cultural Unity of Asia, by James H Cousins *Ad* 2-

1029 CULTRAL, LINGUISTIC and LITERARY HISTORICAL gleaning from the कौटिल्य Engl Transl from H Jacobi's German book by N B उत्गीकर 1-8-

1030 कलियुगाचार्यस्तोत्र *Vy* -1-

1031 कलिविडम्बनं (नाटक) टिप्पणीयुतम् श्रीनीलकण्ठस्य *Gn* -2-

1032 —— *Kmr* 1-

1033 —— *Vi* -2-

1034 कलाविलास (काव्य) क्षेमेन्द्रकविरचित. *Kmr* 1-

1335 कलियुगप्रतापवर्णन *Vy* -1-

1036 *A Collection of Esoteric Writings* of T सुब्बाराव *Rl* -2-

1037 THE COLLECTED WORKS OF SIR R G Bhandarkar Vol.III ed by N B Utgikar with *each its* ve *ind* ces comprising Early History of the Deccan and Miscellaneous Historical Essays pp 18, 4-8 Vol IV Vaisnavism—Saivism a d Wilson Philological Lectures — will be out in 1929 but the first work is issued separately *for use in India* 3-8 Vol II ' Literary Religious and Social Essays.' nearly ready Vol I Miscellaneous writings is in the press

1038 कल्पद्रुमकोश standard work on संस्कृत Lexicography by केशव,ed by र रामावतारशर्मा *Go* 10- ✖

1039 कल्पलता प्रौढमनोरमाव्याख्या—(व्याकरण) श्रीकृष्णमित्रविरचिता *Mu* 2-

1040 कल्पसारसमुच्चय (धर्म) *Vy* 1-

1041 कल्पसूत्रवाधिकाटीका (जैन) of विनयविजय उपाध्याय *Jb* 8-

1042 — (German) with introd text, remarks, transl and glossary by Schubring W. *Gr* 2-8-

क

1043 कल्याणकल्पद्रुम (संगीत) रोचक छन्दबद्ध वेदान्त मानस सूक्ष्म रामायण. *Vy* –4–

1044 कल्याणमन्दीरस्तोत्र सिद्धराज दिवाकरप्रणीत. *Km.* 1–

1045 कल्याणसौगन्धिकम् (नाटक) कविनीलकण्ठविरचितम् *Mc.* –8–

1046 — (An old play) Ed. with an easy संस्कृत Comm. by M. V. व्यंकटरत्नशास्त्री together with Foreward by Dr. L. D. Barnett. 1927. *Ps* 1-

1047 कविकल्पलता (अलंकार) A work on rhetoric by देवेश्वर together with his own comm. ed. by शरचन्द्रशास्त्री. 1913. *Bi* 1–8–

1048 कविकण्ठाभरणम् (काव्य) क्षेमेन्द्रकविकृत. *Km4* 1–

1049 कविकल्पद्रुमः (धातुपाठः) by लालमोहन विद्यानिधि. *Sd* –8–

1050 — (व्याकरण) सटीक by शिवनारायण शिरोमणी. *Sd* 1–8

1051 — (जैन) –4–

1052 कविचित्तप्रमोदक (काव्य) सटीकः श्रीकविगोविंदविरचितः *Gn* –4–

1053 कवितावली (काव्य) शालीरामकृत. *Vy* –6-

1054 कविरहस्यम् (काव्य) टिपण्या समेतम् हलायुधस्य. *Gn* –8–

1055 — भट्टहलायुधस्य, Ed. by केमकरशास्त्री 1891. publ. by क्षीरसागर. 8vo. pp. 4, 8. 40. –8–

1056 कवीन्द्रकार्पाभरणम् (काव्य) सटीकं विश्वेश्वरपण्डितप्रणीतम्. *KmS* 1–

1057 कवीन्द्रवचनसमुच्चय (काव्य) A Sanskrit Anthology of verses. Ed. with introduction and notes by T. W. Thomas. 1812. *Br* 2–4–

1058 कवीन्द्राचार्यसूचिपत्रम् List of संस्कृत works in the collection of कवीन्द्राचार्य, a Benares Pandit (1656 A. D.): ed. by R. अनंतकृष्णशास्त्री with a foreword by Dr. गंगानाथ झा 1921. *Go* –12–

1059 Coins of the Andhra dynasty, the Western Kshatrapas, the त्रैकूटक and बोधी dynasty, by E. J. Rapson. 1908. 8vo. with map & autotype plates. *Of* 19–

1060 — of the गुप्त dynasties & of शशांक by John Allan. 1914. 8vo ($3\frac{3}{4} \times 5\frac{1}{4}$) pp. 324, with twenty-four plates. *Of* 18–12–

1061 — OF INDIA by C. J. Brown. With twelve fullpage plates of reproductions of Coins, and eleven illusts. of Coin-legends. Cr. 8vo. cloth *As* 1–8–

1062 — IN THE INDIAN MUSEUM, CALCUTTA, a Catalogue. 1906-8 Royal 8vo, with collotype plates. Vol. I by V. A. Smith, 30s. net; or in parts. Vol. II. by H. N. Wright (a section by Sir J. Bourdillon) 30s. net, Vol. III. by H. N. Wright. 40s. net. *Of* 75–

1063 — OF THE MOGHUL EMPERORS by S. Lane-Poole 1892. 8vo. with autotype plates *Of* 27–

क

1064 — IN THE PUNJAB MUSEUM, LAHORE, a Catalogue in two vols by R. B. Whitehead 1914 Roy. 8vo vol I, 20 plates Vol II, 21 plates and a map Part I & II. *Of* 40-

1065 — sources of Indian History by Rapson E. J, *Gr* 6-

1066 काञ्चीमाहात्म्यम् (पुराण) *Sn* 1-12-

1167 काठकोपनिषत् । सटीका द्वयशांकरभाष्यायता । *Aa* 1-4-

1068 — by श्रीअरविंद घोष. 2nd ed *Pl* -4-

1069 — by श्रीधरशास्त्री पाठक 1919, 8vo pp 9, 183, *Oa* 2-

1070 — With मध्वभाष्य and with the gloss of वेदेशतीर्थ and व्यासतीर्थटीका *Mv* 1-8-

1071 — Text transl into Engl with Sankara's comm by M हिरिअण्णा *Ad* -12-

1072 — Text and transl. by स्वामी शर्वानंद. *Ad* -12-

1073 — with शांकरभाष्य, faithfully transl into Engl by हिरिआण्णाशास्त्री 1915 Cr pp xvi, 137 *Vv* 1-4-

1074 — with the sanskrit text, Anvaya, vritti and meaning, transl. with notes and index into Engl by S C Vasu, 1905 Cr pp 191 6 34 *Po* 1-8-

1075 — Text transl into मराठी with द्वैताद्वैतभाष्य by चि ग भानू

क

1912 So 3, 2, 280-94 *Ds* 5-

1076 कठ & प्रश्न Text and transl with Sankara's Comm by S सीतारामशास्त्री Cloth *Ad* 2-8-

1077 काठकगृह्यसूत्र with extracts from three comments, an appendix & index ed for the first time by Dr. W. Caland 1926. *Dv* 7-

1078 काठकगृह्यसूत्राणि समाप्याणि *Km*

1079 काठकसंहिता of Katha by Schroeder with index, 3 Vols 40-

1080 कणादसिद्धान्तचन्द्रिका (न्याय) by गंगाधर सूरि *Tr* -12-

1081 काण्वशाखीयशतपथब्राह्मणम् ed. for the first time by Dr Caland containing full introd and part of text pp II IV, 120, 95 *Ps* 10-

1082 काण्वशाखीयश्राद्धमार्तण्ड 1-

1083 काण्वसंहिता (वद) of the शुक्लयजुर्वेद with सायनभाष्य 1 to 20 chapters ed by माधवशास्त्री. *Ks* 6-

1084 कातन्त्रम् दुर्गसिंहविरचित व्याख्यासहितम् *Bi* 6-8-

1085 — With the comm of दुर्गसिंह ed with notes and indexes by J Eggling 6-12-

1086 — Text with transl by B. Liebich 1919 *Ur* 5-

1087 कातन्त्रछन्दप्रक्रिया ed by चन्द्रकान्त तर्कालंकार *Sd* 2-8-

1088 कात्यायेष्टिदीपिका श्रौतकर्मपद्धति (कर्म) दर्शपूर्णमासपद्धति by पर्वताय प नित्यानंदपन *Ks* 1-

क

1089 कात्यायनतिर्पण (कर्म) मूल. *Vy* -2-

1060 कात्यायनशान्ती (कर्म) -2-

1091 कात्यायन and पतञ्जलि by Kielhorn— *Gr* 5-

1092 कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्यम् (कर्म) With a comm. by श्रीककाचार्य ed. by मनमोहन पाठक and शुल्बसूत्र of कात्यायन with the भाष्य of उपाध्यायकर्क. *Ch* 9-

1093 कात्यायनश्रौतसूत्रसभाष्यम् *Ko* 30-

1094 कात्यायनसर्वानुक्रमणि of the ऋग्वेद with extracts from षड्गुरुशिष्य's comm. entitled वेदार्थदीपिका ed. with critical notes and appendices by A. A. Macdonell. 1886. pp. xvii+226. *Of* 18-12-

1095 कार्यबोध. (Dattatreya System of thought) with the comm. of काजनी, ed by Pt, मुकुन्दलालशास्त्री. *Ks* -8-

1096 कादंबरी by बाण and his Son, Vol. I Text., Vol. II, Notes and Introduction, by Dr. P. Peterson. *Bp* 10-

1097 — बाणभट्टकृत, भानुचन्द्र व सिद्धचन्द्र टीकासह. *N* 6-

1098 — उत्तरार्ध An Engl. transl by V. R. नेरुरकर. 1-8-

1099 — *of* बाण, *transl*, by Ridding C. 1896. D. T. F. Vol. VIII. 10-8-

1100 — पूर्वार्ध सटीकम् by हरिदास सिद्धान्तवागीश. *Sd* 2-

क

1101 — ed. with introd. notes and appendices by P. V. काणे. 1911. 8vo. pp. XXXIII 106, 2, 282. 3-

1102 — भट्टबाणगद्यकादम्बर्या अतिलघुसंग्रहः आंग्लपदार्थसमेता. *Md* -6-

1103 कादम्बरीसार Being an abridgement of Bana's Kadambari, copious explanatory notes, a full glossary and an abstract of the tale. by M. S. आपटे. 4th ed. revised and improved *Bb* 1-12-

1104 — By M. S. Apte. 1915, 4ed. 8vo pp. III, 17, 208 126. *Bb* 3-

1105 — कथासार (काव्य) श्रीमदभिनन्दकृत. *N* -8-

1106 — संग्रह by प. कृष्णमाचार्य or अभिनवभट्टबाण, ed. by श्रीनिवास पत्राच. रियर 1924, 3ed. cr. pp. VIII, 202. 2-

1107 कान्तिरचतुसिंहविजय *Bs.*

1108 कामकलाविलास (वेदान्त) by पुण्यानन्द with comm. Explaining what श्रीचक्र symbolically represents *Km* 1-4-

1109 — (मन्त्र) पुण्यानन्दविरचित नटनानन्दविरचितया चिद्वल्ल्याख्यया संयुत 1918 Cr, pp. 126. *Bm* 1-4-

1110 — A, Tantrik Prakarana of the Kashmir School by Punyananda with comm. by नटनानन्दनाथ ed. by महादेवमिश्र. Complete Translation by and notes of Arthur Avalon. *Ad* 3-

क

1111 — A तांत्रिकप्रकरण of the Kashmir School by पुण्यानन्द with Comm. by Anantanatha. Ed. with Introd. by जगदीशचन्द्र चतर्जी. *Tt* 5–

1112 कामघटकथा गद्य (जैन) *Jb* –12–

1113 —— (जैन) शुभवर्धन-गणीकृत. 1–

1114 कामसूत्रं (कामशास्त्र) by वात्स्यायन मुनि with a comm. called जयमङ्गला Ed. by दामोदरलाल गोस्वामि. *Ks* -8–

1115 — of वात्स्यायन (German Transl.) by Schmidt. *Gr* 15–

1116 कामंदकीयनीतिसार or the elements of Polity (in Engl.) ed & publ by M N. Dutt 1906 8vo pp. VI,254. *Cc* 5–

1117 कामाक्षीस्तुतिशतक (काव्य) मूक-कविकृत. *Vy* –4–

1118 —— *Gu* –4–

1119 COMPOSITION (MUSICAL) of सामनाथ critically ed. with a table of notations by Simon R. 5–

1120 COMPOSITION AND STYLE, by Blackman R. 1923 3–8–

1121 कारकवादार्थ (व्याकरण) जयरामपण्डितप्रणीत *Vy* –3–

1122 कारकशब्दरत्नप्रभा (व्याकरण) by राघवाचार्य ed. by श्रीवत्सचक्रवर्ति अभिनवभट्टबाण 8vo pp 22 1912 *La* –4–

1123 कारकशब्दबोधप्रकरणम् (व्याकरण) मूल. राघवाचार्येण विरचितम् *Mu* –6–

क

1124 कारकोल्लासः (व्याकरण) By भरत मल्लिक. A small metrical very useful to the beginners of Sanskrit Grammar. 1924 8vo, pp. 6, 10. *Ss* –2–

1125 कारिकावली (न्याय) सिद्धान्तमुक्तावलीसहित, *N* 10–

1126 — न्यायमुक्तावलीसवलिता, दिनकरीव्याख्या-रामरुद्रीव्याख्यायुता. *N* 3–8–

1127 — (सिद्धान्तमुक्तावलीसहिता) —न्यायवैशेषिक-दर्शनयो प्राचीनानां कृत प्रणीतेषु प्रकरणग्रन्थेषु सिद्धान्तमुक्तावली समुद्भासिता मूर्धाभिषिक्तेत्यत्र न विदुषां वैमत्य किंतु तत्र दीधितिकृदुपज्ञतया निरूसरण्या संक्षेपतः सूक्ष्मतमानामर्थानामुपनिबद्धतया प्राय दुर्गमेति मन्यामहे ... इति तेषामुपकारायास्माभिः प्राय सर्वासु विषमस्थलेष्वतिविस्तृता सरला सुबोधा च टिप्पणी पण्डितजीवरामशास्त्रिभिः कारयित्वा तया सहैव दृढतरेषु सुचिक्कणेषु पत्रेषु स्थूलाक्षरैर्मुद्रिता । सर्वेषामधिकपत्रयुतामपीमा सर्वसुलभ्यार्थाल्पीयसा मूल्येन वितरामः । 1923 8vo. *Gu.* –10–

1128 — मुक्तावली-प्रभा-मञ्जूषा-दिनकरीय-रामरुद्रीय—गङ्गारामजटीयसहिता ॥ अस्मिन् पुस्तके कारिकावलीव्याख्या मुक्तावली, तद्व्याख्या प्रभा, मञ्जूषा, दिनकरीय दिनकरीयव्याख्या रामरुद्रीय, दिनकरीयखण्डन गङ्गारामजटीयं च संयोजितम् । 1913 Roy. pp. 6, 2, 886 *Bm* 12–

1129 — दिन० राम० म० इत्यादि तथा गुणनिरूपण दिनकरीय महामहोपाध्याय प. श्रीलक्ष्मणशास्त्रीव्याख्यासहिता *Kg* 6–

1130 — दिनकरी रामरुद्रीसहिता. by विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य with

क

दिनकरप्रकाश by महादेवभट्ट and दिनकरभट्ट and a comm called रामरुद्रितरङ्गिणी by रामरुद्रभट्टाचार्य & न्यायाचरण पं. श्रीराजशेखरशास्त्री *Ks* 6-

1131 — न्यायचन्द्रिकासहिता with two comm सिद्धान्तमुक्तावली of विश्वनाथन्यायपञ्चानन and न्यायचन्द्रिका by प. श्रीनारायणतीर्थ- ed. with notes by पं. धुण्डिराजशास्त्री *Ks* 1-8-

1132 — दिनकरीयरामरुद्रीयसहिता गुणनिरूपणप्रकरणस्य *Ky* 3-

1133 — प्रज्ञामनोरमासरलसंस्कृत व्याख्यासहिता. *Mt* -6-

1134 — मुक्तावली दीनकरी रामरुद्री *Vy* 3-8-

1135 —— 2-

1136 — मुक्तावली *Vy*

1137 — of विश्वनाथ transl. into German by Hultzsch E. *Gr* 1-8-

1138 कार्तवीर्यार्जुनोपासनाध्याय (मन्त्र) *Vy* 2-

1139 कार्तिकमाहात्म्यमूलमात्र पद्मपुराणान्तर्गत. *Vy* -12-

1140 — सटीक स्कन्दपुराणान्तर्गत *Vy* 1-4

1141 — — *Gn* -8-

1142 कार्पिण्यकण्ठाभरण (काव्य) गोपालदास विरचित संस्कृतटीकातथाटिप्पणीसहित *Vy* -8-

1143 CORPUS INSCRIPTIONUM INDICARUM (Gupta Inscriptions) by J. F. Fleet. Vol III. *Gi* 25-

1144 CORPORATE LIFE IN ANCIENT INDIA by R. C. मुजुमदार 8vo pp, XIV, 414. 7-8-

क

1145 KARLIMA RANI by Anand A. 3-

1146 कार्याधिकरणवाद (वेदान्त) Part I & II. *Su* 1-10-

1147 कार्याधिकरणतत्त्वम् (वेदान्त) *Su* -14-

1148 कालकर्म by Anand Swami. 6-

1149 कालमाधव (धर्म) by माधवाचार्य, ed by प. रत्नगोपालभट्ट. *Ks* -2-

1150 — (धर्म) सटिप्पण. *Vy* 2-8-

1151 — — *Ky* 2-8-

1152 कालविवेक (Text with notes) A treatise on Hindu Law and rituals by जीमूतवाहन ed. by प्रमथनाथ तर्कभूषण. (1905-1911) *Bi* 5-4-

1153 कालसार of गदाधर राजगुरु Being a portion of गदाधरपद्धति ed. by म. म. सदाशिवमिश्र 1900 1904 *Bi* 5-4-

1154 कालज्ञाननिरूपणाध्याय by हरिकृष्ण व्यंकटराम. *Vy* -3-

1155 कालिदास and अलङ्कारशास्त्र By हरिचन्द्र. 8vo. pp. XIV, 252, 104. IV. *Fr* 10-

1156 कालिकापुराण मूल *Vy* 5-

1157 कालीविलास तन्त्र ed. by पार्वतीचरणतर्कतीर्थ with Engl. Introd. by Arthur Avalon *Tl* 2-

1158 कालिकासहस्रनाम. *Vy* -5-

1159 कालीतन्त्रम् with commentary & transl The work bearing the name already published from Bat-tala, Calcutta is not regarded as genuine, as verses attributed to the Kalitantra in works like Tantrasara and

क

Shyamarahasya are not found in the latter though they are present in the work published by the Parishad. 8vo. pp. 2, 59 12. *Ss* -10-

1160 काशीशाङ्करीजागदीश्याः पञ्चलक्षण्याः (न्याय). *Kg* -3-

1161 काशीशाङ्करीसिद्धान्तलक्षणस्य न्यायशास्त्र. *Kg* 6-10-

1162 काव्यडाकिनी of गगानन्द कवीन्द्र ed. with Introd. by जगन्नाथशास्त्री and कविराज. 1924 8vo. pp 2, 2, 59. *Sb* -11-

1163 काव्यदर्पण By राजचूडामणी दीक्षित ed. by सुब्रह्मण्यशास्त्री with his own Indrod. 2 vols, vol. I. Ullasas 1 to 6, cr. 8vo, *Vp* 2-8-

1163 / काव्यप्रकाश.(अलंकार) श्रीमाणिक्यचन्द्रविरचितसंकेतसमतः । *Aa* 2-4-

1164 — of मम्मट Ullasas I, II. & X with Zalkikar's Sanskrit Introduction (available separately) 3-

1165 — Ullasas I and II (available separately) -10-

1166 — With a Comm. by वामनाचार्य झळकीकर (out of Series) *Bp* 6-

1167 — With the comm संकेतटीका. *Bs* 3-8-

1168 — Treatise on Rhetoric transl. into Engl by डॉ. गगानाथ झा. *L2* 5-

1169 — by मम्मट with a comm. called नागेश्वरी by Pandit

क

हरिशंकरशर्मा. Ed. by Nyayopadhyaya Pt. धुण्डिराजशास्त्री. 4-

1170 — (टीकासमेतः) ed by महेशचन्द्र न्यायरत्न. *Sd* 4-

1171 — By श्रीमम्मट with a comm. सुधासागर by भीमसेन दीक्षित, ed. by Pt. नारायणशास्त्री खिस्ते. *Ch* 7-

1172 — of मम्मटभट्ट with two comments. the संप्रदायप्रकाशिनी of Sri Vidyachakravartin and the साहित्यचूडामणी of Sri Bhattagopala. *Tr* 3-

1173 — Ullasas I & II. Ed. with an Introd Explanatory Notes, and Transl. in Engl. by H. D Velankar, 8vo. pp. IV, IV, 120 1919. *St* 1-4-

1174 — Ullasas I & II—Ed. with an introd. Explanatory Notes and Transl. in Engl. by P P. Joshi *St* 1-

1175 — Ullasa X—Ed with Introd Explanatory Notes and Transl. in Engl. by P. P. जोशी. *St* 2-8-

1176 — or A treatise on संस्कृत Rhetoric by मम्मटभट्ट with explanatory illustrated notes by पं. न्यायरत्न 1866, 8vo pp. 24, 11, 370, 4 *Cc*

1177 — Ed by his pupil कविरत्न 1886, 2nd ed 8vo pp 22, 4 23, 336, 8 *Cc* 5-

1178 — पं शिवदत्तकृत शिवानामकसंस्कृतटीकासहित. *Vy*

क

1179 — उल्लास I&II with corresponding portions of the काव्यप्रदीप of गोविंद & the उद्योत of नागोजीभट्ट ed. by प्रो. चान्दोरकर 1898. 8vo. 2, 2, 46, 86. 1-8-

1180 — उल्लास VII काव्यप्रदीप व उद्योत संस्कृतटीकासह, ed. with Engl. notes by प्रो. चांदोरकर 1895 8vo. pp. 6, 4. 80, 109, 2 -8-

1181 — उल्लास X by प्रो. चान्दोरकर. 8vo. pp. 3, 3, 4. 2, 167, 182, 25, 3. 2-

1182 — (काव्यप्रकाशस्य *प्रतिच्छायाव्याख्या*) श्रीमद्गोविन्दठक्कुरप्रणीतः । श्रीमद्गोविन्दठक्कुरेणास्मिन् ग्रन्थे ये ये विषया निरूपितास्तेषामीदृशक्रमः–काव्यप्रयोजनकारणस्वरूपभेदनिरूपणम्, शब्दार्थविभागार्थव्यञ्जनावाचकशब्दमतभेदभिन्नसंकेतितार्थम् । लक्षणेतन्मूलव्यञ्जनानिरूपणमित्याद्यनेकविषयैःसमलङ्कृतः स च रामशास्त्रिभागवताचार्येण परिशोधितः *Ls* 3-8-

1183 — म. म गोविन्दविरचित, तत्सद्गुपाख्यवैद्यनाथकृतटीकासहित. 8vo. pp. 6, 472, .11 *N* 2-4-

1184 — गोविन्दठाकुरकृत पं. शिवदत्तकृतशिखानामक संस्कृतटीकासहित *Vy*

1185 काव्यभूषणशतकम् (काव्य) श्रीकृष्णवल्लभप्रणीतम् *Km6* 1-

1186 काव्यमञ्जरी (काव्य) पद्मनदासकृत. *Vy* 1-8

1187 काव्यमाला-प्रथमगुच्छकः *N* 1-
1 अमृतलहरी by जगन्नाथ प
2 औचित्यविचारचर्चा, by क्षेमेन्द्र
3 कलाविलास by क्षेमेन्द्र.
4 प्राणाभरणम् by जगन्नाथ प.

क
5 महागणपतिस्तोत्रम् (सटीकं) by राघवचैतन्य.
6 मुकुन्दमाला by कुलशेखरनृपति.
7 राजेन्द्रकर्णपूर by शम्भुमहाकवि.
8 वक्रोक्तिपञ्चाशिका, by रत्नाकर.
9 वैराग्यशतकम् by अप्पय्यदीक्षित.
10 शिवस्तुति by लंकेश्वर.
11 श्यामलादण्डकम् by कालिदास.
12 सुधालहरी by जगन्नाथ प.

1188 काव्यमाला-द्वितीयगुच्छकः *N* 1-
1 अन्योक्तिमुक्तालता, by शम्भुमहाकवि.
2 आनन्दमन्दाकिनी by मधुसूदनसरस्वती.
3 अंबाष्टकम् (सटीकं) by शंकराचार्य.
4 उपदेशशतकं, by गुमानिक.
5 करुणालहरी by जगन्नाथ प.
6 चारुचर्या by क्षेमेन्द्र.
7 नेमिदूतकाव्यं, by विक्रम.
8 भावविलास by रुद्रकवि.
9 मुकुन्दमुक्तावली, by शंकराचार्य.
10 लक्ष्मीलहरी, by जगन्नाथ पं.
11 विष्णुपादादिकेशान्तवर्णनस्तोत्रम् by शंकराचार्य.
12 सेव्यसेवकोपदेशः by क्षेमेन्द्र.
13 सुवृत्ततिलकः ,, ,,

1190 काव्यमाला-तृतीयगुच्छकः *N.* 1-
1 कुट्टनीमतम्, दामोदरगुप्तप्रणीतम्
2 दानलीलाकाव्यं, माधवविरचितम्
3 *पञ्चस्तवी, गोकुलनाथविरचिता*
4 शिवशतकम्, ——
5 *शृंगारतिलकं*, रुद्रभट्टकृतम्

1191 काव्यमाला-चतुर्थगुच्छकः *N* 1-
1 कविकण्ठाभरणम् क्षेमेन्द्रकृतम्
2 चण्डीशतकम् बाणभट्टविरचितम्

क

3 नवरत्नमाला कालिदासकृता.
4 भल्लटशतकम् भल्लटकृतम्
5 भावशतकम् नागराजप्रणीतम्
6 रसिकरञ्जनसर्गीक रामचन्द्रकृतम्
7 सभारञ्जनशतकम्–नीलकण्ठ
8 ताराशशाङ्क–श्रीकृष्णकवि
9 स्वाहासुधाकर नारायणभट्टपादकृत

1192 काव्यमाला–पञ्चमगुच्छक *N* 1-
1 अन्योक्तिशतकम् वीरेश्वरकृतम्
2 कलिविडम्बन नीलकण्ठदीक्षितकृत
3 कोटिविरह नारायणभट्टकृत
4 चतुर्वर्गसंग्रह क्षेमेन्द्रकृत
5 नक्षत्रमाला शिवरामत्रिपाठीकृता
6 पञ्चशती मूककविकृता
7 शृङ्गारवैराग्यतरङ्गिणी सोम-
प्रभाचार्यकृता
8 सहृदयलीला–राजानकरुय्य

1193 काव्यमाला–षष्ठमगुच्छक *N* 1-
1 अन्यापदेशशतकम् नीलकण्ठ
दीक्षितप्रणीतम्
2 काव्यभूषणशतकम्–कृष्णवल्लभ
3 जानकीचरणचामर श्रीनिवासा
चार्यविरचित
4 दर्पदलम् क्षेमेन्द्रविरचितम्.
5 दीनाक्रन्दस्तोत्रम् लाष्टकनिर्मितम्
6 रसरत्नहारसटीक शिवराम त्रि-
पाठीप्रणीत
7 शान्तिविलास–नीलकण्ठ
8 शिवकेशादिपादान्तवर्णनस्तोत्रम्
श्रीशङ्कराचार्यकृतम्
9 शिवपादादिकेशान्तवर्णनस्तोत्रम्
शङ्कराचार्यकृतम्

1194 काव्यमाला–सप्तमगुच्छक *N* 1-S-
1 आमनि-दाष्टकम्
2 ऋषभपञ्चाशिका, धनपालप्रणीता
3 एकीभावस्तोत्रम्,–वादिराज

क

4 कल्याणमन्दिरस्तोत्रम्, सिद्धसेन-
दिवाकरप्रणीतम्
5 गौतमस्तोत्र, of जिनप्रभसूरि
6 चतुर्विंशतिजिनस्तव -जिनसूरि
7 चतुर्विंशतिजिनस्तुति (सटि-
प्पणी) शोभनमुनिप्रणीता
8 जिनचतुर्विंशतिका, भूपालकवि
9 जिनशतकम्, जम्बूगुरुवि
10 प्रश्नोत्तर-रत्नमाला विमल
11 पार्श्वनाथस्तव जिनप्रभसूरि
12 पार्श्वस्तव ,, ,,
13 भक्तामरस्तोत्र, मानतुङ्गाचार्यवि
14 महावीरस्वामीस्तोत्र (संस्कृत
प्राकृत) जिनवल्लभसूरिविर.
15 ,, ,, हेमचन्द्राचार्य-
विरचित अन्ययोगव्यवच्छेदिकद्वात्रिं-
शिकाख्य
16 ,, ,, ,, अयोगव्यवच्छे-
दिकद्वात्रिंशिकाख्य.
17 विषापहारस्तोत्र, धनञ्जय
18 वैराग्यशतक, पद्मानन्दकवि
19 श्रीवीरस्तव, जिनप्रभाचार्य
20 श्रीवीरनिर्वाणकल्याणस्तव,जिन-
प्रभसूरिविरचित
21 सिद्धिप्रियस्तोत्र, देवनन्दि
22 सिद्धान्तागमस्तव जिनप्रभसूरि
23 सूक्ति-मुक्तावली,सोमप्रभाचार्य

1195 काव्यमाला–अष्टमगुच्छक *N* 1-
1 कवीन्द्रकर्णाभरणं सटीकम्,
श्रीविश्वेश्वरपण्डितप्रणीतम्,
2 प्रबोधसुधाकर
3 मुग्धोपदेश श्रीजल्हणप्रणीत
4 रामाव्लीशतकम्, श्रीविश्वेश्वर
5 सुदर्शनशतकम् श्रीकूरनारायण-
कविप्रणीतम्
6 सुभाषितनीवि वेदान्ताचार्यश्री-
वेङ्कटनाथप्रणीता.

क

1196 काव्यमाला-नवमगुच्छकः N 1-4-
1 अन्योपदेशशतकम् मधुसूदन-
कविप्रणीतम्.
2 ईश्वरशतकम्, अवतारकवि
3 कौन्तेयवृत्तम् विद्यानागेश-
कविविरचितम्.
4 नीतिशतकम् श्रीसुन्दराचार्य-
कविनिर्मितम्.
5 चण्डीकुचपञ्चाशिका लक्ष्मणा-
चार्यप्रणीता.
6 चतु:षष्ट्युपचारमानसपूजा-
स्तोत्रम् श्रीशंकराचार्यविरचितम्
7 त्रिपुरसुन्दरीमानसिकोपचार-
पूजास्तोत्रम् श्रीमच्छंकराचार्य-
भगवत्पादविरचितम्.
8 त्रिपुरसुन्दरीमानसपूजनस्तोत्रम्
श्रीसामराजदीक्षितविरचितम्.
9 देवीशतकम् आनन्दवर्धनाचार्य
कृतं (कय्यटकृत टीकयासमेतम्)
10 शिवस्तुति सटीका श्रीनारायण-
पण्डिताचार्यविरचिता.
11 सुन्दरीशतकम्, उत्प्रेक्षाकवि-
वल्लभविरचितम्.

1196a काव्यमाला-दशम गुच्छकः N 1-
1 धातुकाव्यम्, टीकयासमेतम्.
2 रामाष्टप्रासः सेतुशास्त्रीविरचितया
टीकया समेत. रामभद्रदीक्षित-
विरचितः
3 ललितास्तवरत्नम्, दुर्वासोविर.
4 वासुदेवविजयम्, वासुदेवकवि-
विरचितम् स्वकृत टीकया समेतम्

1196b काव्यमाला-एकादशगुच्छकः N 1-
1 आनन्दसागरस्तवः नीलकण्ठ-
दीक्षितप्रणीतः
2 खड्गशतकम् सटीकम्.
3 त्रिपुरमहिमस्तोत्रम्, नित्यानन्द-
विरचितया व्याख्यया समन्वितम
श्रीदुर्वासोविरचितम्.
4 रामकृष्णविलोमकाव्यम् दैवज्ञ-
श्रीसूर्यकविविरचितं स्वकृतटीकया
समेतम्.
5 लौकिकमुक्तावली, श्रीदक्षिणा-
मूर्तिविरचिता.
6 शृंगारशतकम्, श्रीयुतगोस्वामी-
जनार्दनभट्टप्रणीतम्.
7 हरिविलासम् श्रीलोलिम्बराज-
विरचितम्,

1197 काव्यमाला-द्वादशगुच्छकः N 1-
1 भिक्षाटनकाव्यं-उत्प्रेक्षा वल्लभ-
कविविरचितम्.
2 रामचापस्तव, श्रीरामभद्र-
दीक्षितविरचितः
3 रामबाणस्तव—श्रीरामभद्र-
दीक्षितविरचितः
4 शृंगारशतक, कविनरहरि-
विरचित.

1198 काव्यमाला-त्रयोदशगुच्छकः N 1-
1 गङ्गाफाखेलनम् गिरिधरविरचितम्
2 दूतीकर्मप्रकाशः पण्डितविल्हणाख्य-
कविविरचितः
3 नीतिधनदम्, वैराग्यधनदम्, शृंगारधनदम् } श्रीधनराजकविविरचित.
4 पवनदूतकाव्यम् श्रीमद्वादिचन्द्र-
विरचितम्
5 बिल्हणकाव्यम्, बिल्हणकवि
6 मनोदूतम् (सहृदयहृदयाल्हाद-
नापरनामकम्) तैलङ्ग व्रजनाथ-
विरचितम्.
7 धर्मसारस्तोत्रम् श्रीभद्रभद्र-
दीक्षितविरचितम्.

क

8 वैराग्यशतकम् गोस्वामीजनार्दनभट्टप्रणीतम्.

1199 काव्यमाला-चतुर्दशगुच्छक *N* 1-

1200 काव्यमीमांसा (अलंकार) A work on poetics by राजशेखर (880-920 A. D.) ed. by दलाल & अनंतकृष्णशास्त्री 1916. Re-issue. 1924. *Go* 2-4

This book has been set as a text-book by the Bom. and Patna Universities

1201 काव्यविलास of चिरंजीवभट्टाचार्य ed. with introd. by कविराजशर्मा & हेरंबगशास्त्री 1925, 8vo pp. 10, 7, 56, 2, 2, *Sb* 1-12-

1202 काव्यसंग्रह कतिपयटीकासमेतः publ. by दीनानाथ न्यायरत्न 8vo. pp. 104, 24 *C* 1-

1203 काव्यादर्श (अलंकार) of दण्डिन् With a new Comm. ed. with Notes by प्रो. बेल्वलकर and र. रड्डीशास्त्री Parts I and II publ. Part III in Press Part II only available separately *Bp* 5-

1204 — Sk. Text & Transl. by Dr. बेल्वलकर 1924 8vo pp. VIII, 184 *Oa* 3-

1205 — (टीकासमेत) ed by प्रेमचन्द्र तर्कवागीश *Sd* 2-

1206 — श्रीदण्डाचार्यविरचित, 'कुसुमप्रतिमा' संस्कृतव्याख्या तथा टिप्पणसहित. *M* 3-

1207 काव्यानुशासन (अलंकार) आचार्य हेमचन्द्रविरचित, स्वोपज्ञालंकारचूडामणिसंज्ञकवृत्तिसहित. *N* 2-4-

क

1208 — श्रीमद्वाग्भटविरचित, संस्कृतटीकासह. *N* -7-

1209 काव्यालंकार (अलंकार) रुद्रटकृत, नमिसाधुप्रणीतटीकासहित. *N*

1210 काव्यालंकारसारसंग्रह of उद्भट with the comm. लघुवृत्ति of इन्दुराज ed with Introd Notes, Appendices etc. by N. D. बनहट्टी 229. *Bp* 2-8-

1211 काव्यालंकारसूत्रवृत्ति of वामन with the comm. कामधेनु of गोपेन्द्रतिप्पभूपाल. Roy. 8vo. pp. xviii-201 Cloth. *Pv* 2-8-

1212 — Text with extracts from कामधेनु by N. N. कुलकर्णी. 1928, 8vo. pp. 126, *Oa* 1-8-

1213 — Engl. Trans. by Dr. Jha. 2ed *Oa* 1-8

1214 काव्यालंकारसूत्राणि (अलंकार) with Gloss by प. वामन and a comm. called काव्यालंकारकामधेनु by श्रीगोपेन्द्रत्रिपुरहरभूपाल ed. by वल्लगोपालभट्ट. *Bn* 2-

1215 — पण्डितवामनविरचितानि. *N* -12-

1216 काशिका (व्याकरण) A Comm on पाणिनी's Grammatical Aphorisms by प. वामन and जयादित्याचार्य ed by Pt. गंगाधरशास्त्री and प. रत्नगोपालभट्ट. *Ks* 6-

1217 —— पाणिनीयव्याकरणसूत्रवृत्तिः, पण्डित जयादित्यविरचिता, रानडे उपाख्येन प० बालशास्त्रिणा परिशोधिता, सद्गुणी एक्सिमर् पुस्तके निबद्धा pp. 8vo. 830. *Ly* 6-8-

1218 — *Two cantoes transl.* *Gr* 1-

क

1219 काशिकावृत्तिः—सूत्रा. *Ky* 6-

1220 काशिकाविवरणपञ्जिका or Nyasa by जिनेन्द्रबुद्धि ed by प्रो. श्रीशचन्द्र चक्रवर्ति. Complete in 3 Vols. with Introd, etc. Vol. I (अध्याय 1-4), Rs 9 -. Also available in 4 separate parts. Vol. II. Pt. I (अध्याय 5), Rs 2/8- Vol. II. Pt. II (अध्याय 6), Rs 5/-. Vol. III S. M Series (अध्याय 7 & 8), Rs. 6/8. (Introd. and title pages of Vols. I & II now available (complete set). *Vr* 23-

1221 काशीखण्ड (पुराण) सटीक स्कन्धपुराणान्तर्गत. *Vy* -8-

1222 काश्मीरशैविज्ञम्, Brief introd. to history, literature & doctrines of the अद्वैतशैव philosophy of काश्मीर in Engl. *Km* 2-8-

1223 काश्यपशिल्पम् । महेश्वरोपदिष्टम् । *Aa* 3-1

1224 KOSMOGRAPHIC DER INDEX. or the geography of the Indian Puranas by Kirfet W. 4vo. pp. 8, 36, 001.

1225 KOSMOGONISCHE GRUNDANS CHANUNGEN IN नवधर्मशास्त्र by John. W. 1-4-

1226 क्रियमाणप्रयोगसंग्रह (कर्म) पुराणोक्त. *Vy* -10-

1227 किरणावली By उदयनाचार्य with the comm. of वर्धमानोपाध्याय, ed. by M. M. शिवचन्द्र सर्वभूषण (1911-12) Fasc. 1-3. *Bi* each 2-4-

क

1228 किरणावलीभास्कर of पद्मनाभमिश्र. A comm. on Udayan's किरणावली, ed. with introd. by G. N. कविराज. 8vo. pp. II. 10, 184, 8. *Sb.* 1-12-

1229 किरातार्जुनीयम् (काव्य) Text of cantoes I-III of किरातार्जुनीय, the great poem of भारवि with मल्लिनाथ's comm. prose order of the श्लोकs, notes, transl. into Engl, & ed. by M. R. काळे. 1928, 3ed. cr. 16 mo. pp. 200. *Bp* 1-10-

1230 — भारविकृत मल्लिनाथकृतघण्टापथटीकासहित. *N* 2-

1231 — with the comm. शब्दार्थदीपिका of चित्रभानु (सर्ग 1-3). *Vo* 2-8-

1232 — with Engl. Transl. by L. R. Pangarkar, cantoes I-X, R. *pp.* 109. *Gn* 1-12-

1233 — (सटीकानुवादम्) ed. by गुरुनाथ विद्यानिधि. *Sd* 3-

1234 — (सटीकम्) ed. by हरिपद चट्टोपाध्याय. *Sd.* 2-8-

1235 — or अर्जुन's combat with the किरात, transl. from the original Sanskrit into German, and explained, by Prof. Carl Cappeller, 1912 Roy. 8vo pp. 232. *Ho* 15-

The subject-matter is taken from the great epic of India, the Maha-Bharata. Like the Ajax of Sophocles as compared with the Ajax of Homer, this poem is an instructive example for the student of literary evolution or literary genetics. For

क

centuries it has been acknowledged in India as one of the six Mahakavyas or most distinguished specimen of artificial poetry, a master piece of its kind

1235 — Cantoes 1-III with the comm. of मल्लिनाथ, Prose order of the Shlokas, Critical Notes, Literal Engl. Transl. and an Introd. fully touching the important points in the text by M. R काळ *St* 1-8-

1236 — कोलाचलमल्लिनाथसूरिविरचितया घण्टापथसमाख्यव्याख्यया सहित सपूर्णम्. *Ch* 1-12-

1237 — (सर्ग १-३) कोलाचलमल्लिनाथसूरिकृतया घण्टापथव्याख्यया, प श्रीकनकलालशर्माकृतया भावार्थदीपिनीव्याख्यया च समुल्लसितम् *Ch* -4-

1238 — (सर्ग १ते३) प. गगाधरमिश्रकृतकृतेरन्वय, व्याख्या, व्याकरण, समास, कोषसारार्थ-भाषार्थ सक्षिप्तकथानक समलकृत्य *Ch*

1239 — सटीक, सर्ग 1 & 2, publ by का. रा. भाद्वेकर 8vo. pp 20 19, 22, 2. *Bo* 1-

1240 — Transl into Engl by P N पाटणकर. 1907, cr pp 36. -12-

1241 KEY, TO APTE'S सस्कृत Composition *Gn* 1-

1242 KEY, TO APTE'S GUIDE *Gn*

1243 कुचिमारतन्त्र (कामशास्त्र) श्रीकुचिमारमुनिप्रणीतम् ed by म म मथुराप्रसाद दीक्षित 1922 8vo pp 17. *Vl* -4-

क

1244 कूटपदव्याख्या (काव्य) स कूटश्लोकों विस्तृतव्याख्या *Vy* -6-

1245 कुट्टिनीमतम् (कामशास्त्र) *Gu* -6-

1246 — (काव्य) दामोदरगुप्तप्रणीतम्. *Km J* 1-

1247 कुन्दसुंदर (वैद्यक) सटीक सस्कृत. *Vy* -3-

1248 कुण्डरत्नावली (सटीक) ६४ आकृतीसह *N* 1-4-

1249 कुण्डलियरामायण सटीक *La* -10-

1250 कुदृष्टिध्वान्तमार्तण्ड मयूरस्वामी रगाचार्यप्रणीत *Vy* -10-

1251 कुशकण्डिकाभाष्य (कर्म) मूल. *Vy* -4-

1252 कुन्दमाला by Dingnaga ed. by रामकृष्ण खेर and रामनाथशास्त्री. 1923 8vo. pp VI. 3, 84 *Oa*

1253 कुमारदास and his place in सस्कृत Literature by G. R. नन्दर्गिकर 1908, 8vo. pp. XXXIX

1254 कुमारपालचरित्र महाकाव्य (जैन) of जयसिंहसूरि. *Jb* 4-8-

1255 कुमारपालप्रतिबोध (चरित्र) A biographical work in प्राकृत by सोमप्रभाचार्य composed in Samvat 1241 or A. D. 1995 by मुनजिनविजयजी 1920. *Go* 7-8-

1256 कुमारसंभव (काव्य)—कालिदासकृत (सर्ग१-७) सीतारामकृत (सर्ग८-१७) सजीवनीटीकासहित. *N* 1-

1257 — टीकाद्वयोपेतम् । *Kg* 2-

1258 — with two comm प्रकाशिका of अरुणगिरिनाथ and विवर्ण of नारायणपण्डित (Part III Sargas 6th, 7th & 8th) *Tr* 8-8

क

1259 — Text and Translation, by M. R. Kale, cantoes I-VIII complete. *Ad* 3-8-

1260 — सर्ग 1 by K. V. खांडेकर *Bo* -12-

1261 — सटीक *Vy* 1-12-

1262 — (सर्ग 1 to 7) सटीकानुवादम् ed. by गुरुनाथ काव्यतीर्थः *Sd* -8-

1263 — (सर्ग 7th only) ed. by प्रेमचन्द्रतर्कवागीश. *Sd* 1-8-

1264 — (सर्ग 1 to 7) चन्द्रिकासह ed. by हरिपद चट्टोपाध्यायः *Sd* 1-8-

1265 — (सर्ग 1 to 7) सटीकम्. *Sd* -8-

1266 — (सर्ग 1 to 7) संपूर्णम् सटीकम्. *Sd* 1-8-

1267 — (सर्ग 1 to 7) सटीकम् ed. by हरिदास सिद्धान्तवागीशः *Sd.* 1-8-

1269 — With two comments in संस्कृत (1) संजीवनी of मल्लिनाथ 1 to 8 cantoes and 9 to 17 cantoes by सीतारामकवि (2) शिशुहितैषिणी. 1 to 17 cantoes of भरतसेन 8th chapter. संजीवनी of सीतारामकवि and शिशुहितैषिणी 9 to 17 cantoes by कनयालाल ठाकूर- *Ks* 1-8-

1270 — With the comm. of मल्लिनाथ. Engl. notes and transl. by कृष्णमाचार्य 1902, 8vo. pp. 2. 21, 14, 4. *Md* -12-

1271 — Cantoes 1 & 2. *Vy* -2-

1272 — or Birth of the War god by कालिदास. Rama Narayana. 2-

क

1273 कुरुक्षेत्रमाहात्म्य मूल *Vy* -2-

1274 कुरुक्षेत्र or the Moral Nature of the Holy War to which the भगवद्गीता calls Mankind Cr. 8vo. pp. 56. *Vr* -6-

1275 कुवलयानन्द. (अलंकार) चन्द्रालोक & अलंकारचन्द्रिकाटीका & वर्णक्रमकोश-सहित. *N* 1-

1276 — सटीक पं. जयदेवविरचित-चन्द्रालोकव्याख्यानरूप, अप्पय्यदीक्षितविरचित तथा वैद्यनाथकृत अलंकारचन्द्रिकानाम-टीकासहित. *Vy* 2-

1277 कुवलयानन्दकारिका (अलंकार) (आशाधरभट्टप्रणीतव्याख्यासहिता) A -8-

1278 — or the memoral verses of अप्पय्यदीक्षित, ed. and explained with an Engl. comm. and transl. by P. R. शर्मा 1903 Very rare. 8vo. pp. VIII. 173, III 2-

1279 कुलचूडामणिनिगम ed. by गिरिशचन्द्रवेदान्ततीर्थ with an Introd. by अक्षयकुमार मित्र *Tt* 2-

1280 कुलार्णवतन्त्र ed. by तारानाथ विद्यारत्न with Introd. in Engl. by Arthur Avalon. *Tt* 2-

1281 कुवलयाश्वविलास (काव्य) *Gn* 5-

1282 कुसुमाञ्जलि Handful of flowers, easy संस्कृत stories for high school standard IV. with explanatory notes in Engl. by A. K. ज्ञातिस, 1928, Pt. I 2ed. *Ka* 2-

1283 कुसुमाञ्जलि. (न्याय) श्रीमदुदयनाचार्य-विरचिता श्रीहरिदासभट्टाचार्यकृतव्याख्योपेता श्रीमन्नारायणतीर्थप्रणीता विरचिता [illegible] *Ch* -8-

क

1284 कुसुमाञ्जलिबोधिनी (न्याय)comm. on उदयन's theistic Tract, Nyaya Kusumanjali by Varadaraja 80 pp. X 141 X. *Sb* 2-

1285 कूर्ममहापुराण (मूल) *Vy* 3-8-

1286 केतकीग्रहगणितम् (गणित) ग्रहगणितम् publ. by V. B. केतकर. 8vo. pp. 10. -4-

1287 केदारकल्प (उपपुराण) रुद्रयामलयान्तर्गत. *Vy* 2-

1288 केदारखण्ड(पुराण)मूल, स्कन्दपुराणान्तर्गत. *Vy* 6-

1289 केदारमहात्म्य मूल. *Vy* 3-

1290 केनोपनिषद् । सटीक शाङ्करपदभाष्यवाक्यभाष्योपेता । शङ्करानन्दकृता केनोपनिषद्दीपिका, नारायणविरचिता केनोपनिषद्दीपिका च। *Aa* 1-

1291 — Text, Engl. Transl. and original Comm.by K. चट्टोपाध्याय. pp. 60. *Lz* -4-

1292 — Transl. into Engl. with Shankara's Comm. by M हिरिअण्णा. 1912. 8vo. pp. XIII 65. *Vi* -6-

1293 — Text and Translation by स्वामी शर्वानन्द. 1919. 8vo. pp. 20. *Ad*. -6-

1294 — With notes & meaning by K R. शास्त्री. 1920. 8vo. pp 12. *Ad* -6-

1295 — Orig. संस्कृत Text with मराठी transl by V K. ओक, 1913 8vo. pp 10, 5, 135. 6-

1296 — Orig. संस्कृत Text with मराठी transl. and Comm. by G, G. मातृ. 1912. 8vo. pp. 2, 277. *Ds* 1-

1297 केन & कठ Upanishads with the Comm. of शंकर, रामानुज & बालबोधिनीटीका by Pathak Shastri. 1919. 8o pp. 88. *Oi* 3-3-

1298 केदारकल्प (पुराण) रुद्रयामलयान्तर्गत. *Vy* 2-

1299 CHEMISTRY AND TEXICOLOGY OF NERIUM ODORUM with description of newly separated active principle by चुनिलाल बोस. 1912. 8vo. pp. 38. *Cu* 1-12-

1300 केरलमतप्रश्नसंग्रह (ज्योतिष) *Vy* 5-

1301 केवलान्वयी शिरोमणिटीका, जागदीशिवृत्ति, जगदीशकृतटीका. *Cc* 1-

1302 कैफियतयादी Containing Historical Accts. of certain families of renown in Deccan & S. M. Country under the Mahomedan & Maratha Govts selected by Late G. C. वाड, P. V मावजी, & D. B. पारसनीस. 1908 Roy. pp. 2, 264. *Bo* 5-

1303 कैवल्योपनिषत् सटीक. *Vy* -1-

1304 कैय्यदेवनिघण्टु or पथ्यापथ्यविबोधक श्रीकैय्यदेवविरचित *Mc* 5-

1305 कैवल्यरत्नम्, अष्टादशपुराणोपलक्षितानामद्वैतवेदान्तवाक्यानां संग्रह , तत्रभवता श्रीमद्वासुदेवब्रह्मानन्दमुनिना कल्पितम् साहित्यदर्शनाध्यापकेन मानवल्लीगङ्गाधरशास्त्रिणा परिशोधितम् । pp 148. *Lz* 1-

1306 कोकसार (वैद्यक) *Vy* 2-

1307 कोकिलसन्देश *Mp* -4-

क

1308 कोटिविरह (काव्य) नारायणभट्टकृत. *Km5* 1-

1309 THE COURT PAINTERS OF THE GRAND MOGULS, by Laurence Binyon with historical Introd. and notes by T. W. Arnold 1921, 8vo. (10+1) pp. 86. and 40 Plates. 8 of which are in colour. *Of* 64-

1311 कौटिलीयार्थशास्त्रपदसूची 3-4-

1312 कौटलीयम् अर्थशास्त्रं—म. म. गणपतिशास्त्रिविरचित श्रीमूलाख्यव्याख्योपेतम् Pt. 1 to 3. each. *Tr* 10-

1313 — Transl. into Engl. by R. Shamashastry with introductory note by Dr. Fleet. 2ed. *Md* 6-

1314 — with Introd. transl. & remarks in German, by Meyer J. 6 Parts, each *Gr* 12-

1315 — नयनचन्द्रिकानामकप्राचीनटीकया टिप्पण्या च सहितः उत्तमसंस्करणस्य. *Ch* 10-

1316 — साधारण संस्करणस्य. *Ch* 10-

1317 —अर्थशास्त्रस्य अति प्राचीनो ग्रन्थः कौटिल्यप्रणीतः। Part I & II. *Mt* 4-

1318 — Original texts prepared with the help of Munich (German) Mss; ed. with an extensive historical introd. of 47 pages, and Engl. notes by Dr. J. Jolly, and Dr. R. Schmidt. The ancient comm. Nayachandrika of Madhvaraja with various notes is also added. Vol. I containing text and introd. Vol. II Comm. and notes. *Mt* 9-

1319 कौन्तेयवृत्त (काव्य) विद्यावागीशकृत. *Km9* 1-

1320 कौमुदीमित्रानन्दनाटक (जैन) श्रीरामचन्द्रप्रणीत. *Bo* 1-

1321 कौमुदीसुधाकरम् ed. by चन्द्रकान्त तर्कालंकार. *Sd* 1-

1322 कौलोपनिषत् 2 अद्वैतभावोपनिषत्, 3 अरुणोपनिषत्, 4 कलिकोपनिषत्, 5 त्रिपुरमोहोपनिषत्, 6 तारोपनिषत्, 7 भवभियोपनिषत्, & 8 भावनोपनिषत्, ed. by सीतारामशास्त्री with an introd. by Arthur Avalon. *Tt* 3-

1323 कौशिकसूत्र see—अथर्ववेद.

1324 कौषीतकी & मैत्र्युपनिषद् with शंकरानन्द's Comm. in Engl. *Po* 6-

1326 कन्दर्पचूडामणी (वैद्यक) वीरभद्रदेवविरचित. *Yt* 3-

1327 कन्दर्पचूडामणी (कामशास्त्र) वीरभद्रप्रणीत पं० रामचन्द्रशास्त्रीकृतसरलसंस्कृतटीकासहित. *Mt* 1-

1328 कंसवधनाटक—महाकविश्रीशेषकृष्णकृत. *N* 8-

1329 COMPANION to संस्कृत Grammar by K. G. ओक. 1895. cr. pp. VI, 368. 1-6-

1330 COMPARATIVE DICTIONARY OF THE LANGUAGES OF INDIA & High Asia with a dissertation by W. W. Hunter. 1868. Roy. pp. 218. *Kp* 40-

1331 COMPARATIVE GRAMMAR OF THE DRAVIDIAN OR SOUTH-

क

INDIAN Family Languages, by Rev. J. L. Wyatt, and T. Ramakrishna Pillai. 8vo. *Kp* 14–

1332 COMPARITIVE GRAMMAR OF THE INDO-GERMANIC LANGUAGES by K. Brugmann; transl. into Engl by Conway & Rouse. Vol. I–V. including index. 110–

1333 COMPARATIVE HINDU MATERIA MEDICA. by चन्द्रचक्रवर्ति. 1923. cr. pp. ii. 198, ii, 6, 2, *Cc* 5–

1334 COMPARATIVE RELIGION. (*Stephanos Nirmalendu Ghosh Lectures* 1923 published in July, 1925) by Prof. A. A. Macdonell. Roy. 8vo pp. 194. *Cu* 3–

The work is the first course of lectures on Comparative Religion delivered under the auspices of the Stephanos Nirmalendu Ghosh foundation The author has given a survey, in eight lectures, of all the important religious of antiquity, including an introductory one on 'Primitive Religion' They embrace Confucianism, Zoroastrianism, Brahmanism (including Buddhism), Greek religion, Judaism, Muhammadanism and Christianity These religious are treated objectively, not from the point of view of any particular one It has been shown what they have in common, and to what extent each approaches universality, to the outlook of a world religion.

1335 COMPARISON OF THE CONTENTS OF ऋग्वेद, वाजसनेय, तैत्तिरीय

क

and अथर्ववेदप्रातिशाख्य by मंगलदेवशास्त्री. *Sb5* 5–

1336 — of the भाष्यs of शंकर, रामानुज केशवकाश्मीरिन् & वल्लभ on some Crucial Sutras. by Dr. R. D. Karmarkar. 1920. 8vo. pp. 63. *Oa* 1–8–

1337 COMPLETE WORKS OF स्वामिविवेकानन्द. All the Vols. are of uniform size. 7 pts. *each* *As* 3–8–

1338 COMPLETE COLLECTION OF THE POEMS OF तुकाराम, ed. by V. P. पण्डित & the life of the poet by J. S गाडगीळ. 1869. Roy. pp. 742, 2 vols. 20–

1339 COMPLETE CATALOGUE OF THE LIBRARY, of B. B. R. A. S. Part I Authors, up to the end of 1915. . 7–
Part II—Subjects. up to the end of 1917 9–

1340 कृत्यरत्नाकर (कर्म) मूल Pt 6. *Vy* 6–

1341 — of चण्डेश्वर ठाकुर, ed. by कमलाकान्त स्मृतिरत्न. 1921–25. *Bi* 6–

1342 कृत्यसारसमुच्चय (धर्म) अमृतनाथविरचित व्रतादिनिर्णय. *Vy* 1–

1343 कृष्णजन्माष्टमी, or Birth of Lord Krishna, Text. ed. with various notes, transl. indexes and pictures by A Weber. v. scarce, 1858 *Gr* 10–

1344 कृष्ण, A study in the theory of Avataras by Babu Bhagavan Das. *Ad* 1–

क

1345 कृष्ण and the पुराणs. An essay on origa and development of Vaishnavism by सीतानाथ तत्त्वभूषण. publ. by श्रीगुरुनाथ रॉय. 1926. cr. pp. IX. 134. *Cr* 1-4-

1346 कृष्णकर्णामृत (काव्य) of लीलाशुक with the comm. called सुवर्णचषक by पापयाल्लयसूरि with an Introd. by K. Sundarama Aiyar. Cr. 8vo. *Vv* 1-8-

1347 —— *Vy* -6-

1348 —— प्रथमशतक in मराठी with *comm.*

1349 कृष्णयजुर्वेदीयकाठकसंहिता, In 4 parts of the Black Yajurveda ed. with text, notes, introd. by L. V. Schroeder with a complete Index verborum by R. Simon. 4 vols. *Gr* 45-

1350 — तैत्तिरीयब्राह्मण:

1351 — तैत्तिरीयसंहिता. Kg 4-

1352 — संहिता. *Bl* -4-

1353 कृष्णनाटकम्. *Mp* -12-

1354 कृष्णभक्तिचन्द्रिका.(काव्य) *Gn* 5-

1355 कृष्णलीलामृत (काव्य). *Vb* 5-

1356 — with संस्कृत व्याख्या by मधुकरराव मोडक, canto I, cr. pp. 150. 2-

1357 कृष्णविलास (काव्य) of सुकुमारकवि with comm. Sargas 1-4. *Vr* -12-

1358 — भंसुकुमारकविविरचितम् रामशास्त्रिविरचितया विलासिन्याख्यव्याख्यया समेतम्. *Ch* -12-

1359 — (सव्याख्यानम्) 1—4 सर्गाः -10-

क

1360 — (1st class) *Mp* 1-4-

1361 — (2nd *Do*) *Mp* -2-

1361*a* — (3rd *Do*) *Mp* 1-

1362 कृष्णानन्दलहरी (काव्य) संस्कृतगोत्रव्याख्यासहित. *Vy* -2-

1363 कृष्णामृततरङ्गिका सटीका. *Vy* -6-

1364 क्रमदीपिका (वैष्णवतन्त्र) By काश्मीरक केशवभट्ट with a comm. by श्रीगोविन्दभट्ट. *Ks* 1-8-

1365 — (स्तोत्र) म. म. केशवभट्ट विरचिता विद्याविनोदश्रीगोविन्दभट्टाचार्यकृतविवरणोपेता भाग १ सम्पूर्ण. *Bu* 4-8-

1366 कृष्णभट्टीयमुक्तावलिविवादार्थकीटीका (न्याय) *Kg* -8-

1367 THE CROWN OF HINDUISM, by J. N. Farquhar. 1913 A. D. 8vo. (8½ × 5½) pp. 470. *Of* 6-

1368 CHRONOLOGY OF ANCIENT INDIA (From the times of the Rigvedic King Divodasa to Chandra-Gupta Maurya with glimpses into the Political History of the period) by Sita Nath Pradhan Roy. pp. XXIV, 291. *Cu* 6-

1369 — of Ancient India by गोपाळ अय्यर 1901 cr. pp. VII 90, 1st & 2nd series. *Nd* 3-

1370 क्रियाकोश, Hindi transl. by उपाध्याय रामचन्द्रशर्मा-नागौरी अनुमतिसे. cr. pp. 42. -3-

1371 CREATION—according to Tantra, by Sir John Woodroffe. *Tl* 1-8-

1372 CRITICAL EDITION OF THE MAHABHARATA Fascicule 1 pp 60). 2-4- The price of the complete set is to be 175(bound) &165(unbound), the price being reduced to 150 and 140 respectively if paid in advance *Bp*

1373 CREST-JEWEL OF WISDOM OF श्रीशङ्कराचार्य by M M Chatterji and चर्पटपञ्जरि of Shri Shankaracharya by J N Parmanand. *Rt* -8-

1374 CRADLE—LAND of Arts & Creeds by Charles J Stone 1880 pp XX, 419. 15-

1375 THE CRADLE OF MANKIND · LIFE IN EASTERN KURDISTAN By W A Wigram D D and Sir Edgar Wigram With 16 Page Illustrations Demy 8vo *Mm* 12-

1376 क्रोडपत्रसंग्रह (न्याय) or critical notes on अनुमानजागदीशी and अनुमानगादाधरी of श्रीकालीशङ्करसिद्धान्तवागीश ed by म म प विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, प रामचरण भट्टाचार्य and धुण्डिराज शास्त्री *Ch* 12-

1377 THE CALENDAR FOR 1924, University of Madras vol II List of High schools recognised, Affiliated Institutions Endowments Graduates & tabular statements 1924 cr pp X, 583 *Mi* 2-

1378 CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE By A B Keith 1923 Crown 8vo (711 5) pp. 154 *Of* 1-14-

1379 Classical Dictionary of Hindu Mythology and Religion, Geography, History and Literature. By Prof John Dowson M R A S Sixth Edition *Kp* 8-

1380 CLASSICAL SANSKRIT LITERATURE Crown 8vo Cloth *As* 1-8-

1381 CLIMATIC CHANGES, THEIR NATURE and cause by Huntington E and Visher S-1922 15-

1382 CALLIGRAPHY SPECIMENS OF CALLIGRAPHY in the Delhi Museum *Gil* 5-2-

1383 A Catalogue of the Archaeological Relics in the Museum of the Varendra Research Society Rajshahi Compiled by Prof Radhagovinda Basak, and Prof Dinesh Chandra Bhattacharya *Vr* -12-

1384 A CATALOGUE, (DESCRIPTIVE), OF MSS IN THE CENTRAL LIBRARY, BARODA vol 1 (veda Vedalaksana and Upanishads), compiled by G K श्रीगोंडेकर and K S Ramaswami Shastri, with a Preface by Dr Bhattacharyya, Ph D 1925 *Go* 6-

1385 — OF THE PROVINCIAL CABINET OF COINS EASTERN BENGAL & ASSAM *Gt* 5-

क

1386 — OF THE PROVINCIAL CABINET OF COINS ASSAM (supplement) *Gi* 12–

1387 — OF COINS IN THE PROVINCIAL MUSEUM, LUCKNOW by C. J. Brown. Coins of the Mughal Emperors. in two volumes. pp. xvi + 90+iv+468, map and 22 plates. Published for the U. P. Govt. *Of* 40–

1388 — OF INDIA OFFICE LIBRARY. *Gt* 80–

Vol. II part II Hindustani Books by Blumhardt 4–

Vol II part III, Hindi, Panjabi, Pushtu & Sindhi 4–

Vol II part IV, Bengli, Uriya & Assamese. 4–

Supplement 1906—1920 Bengali Books. 16–

Vol II part V Marathi & Gujrati Books. 4–

Arabic Mss. by O Loth 11-8-

Mandalay Mss by Fausboll 1897 1-10-

Pali Mss by H Oldenberg 1882 4–

Two collections of Persian & Arabic Mss 4-

Sanskrit Mss by J Eggeling parts 1—7 (1887 to 1904) each 8–

1389 — OF INDIAN DRUGS with मराठी transl. revised, examined and reported on by W. Dymosk. 1883, 8vo pp. 32.

1390 — YEARLY, OF THE LIBRARY OF THE B. B. R. A. SOCIETY. each. –8–

क

1391 — OF THE LIBRARY OF THE INDIA OFFICE, HINDUSTANI BOOKS by Blumhardt. J.—1900. 15–

1392 — (DESCRIPTIVE) OF MSS. IN THE GOVERNMENT MSS. LIBRARY at the B. O. R. Institute, Vol. I part I,Samhitas and Brahmanas. *Bp* 4–

1393 — (DESCRIPTIVE) OF MSS. IN THE JAIN BHANDARS AT PATTAN ; edited from the notes of the late Mr. C. D. Dalal, by Pandit L. B. Gandhi 2 vols. · *Go*

1394 — OF ORIENTAL LIBRARY संस्कृत MANUSCRIPTS. *Bs* –12–

1395 CATALOGUS CATALOGORUM., An Alphabet Register of संस्कृत works and authors, by Aufrecht. *Bu* 75–

1396 — संस्कृत MSS. in the R. A. S. with an Appendix by F. W. Thomas, ed. by M. Winternitz. 1902. *Ra* 5–

1397 — OF संस्कृत MSS. LEIPZIG UNIVERSITY. *Gr* 30–

1398 — OF संस्कृत MSS. IN MYSORE AND COORG, COMPILED for Govt. by L. RICE. 1884. Roy. pp. 2, 2, 327. 15–

1399 — OF संस्कृत MSS. IN THE LIBRARY OF HIS HIGHNESS THE महाराजा OF बिकानेर compiled by राजेन्द्रनाथ मित्र. 1880, 8vo.. pp XII, 745. *Cc* 5–

क

1400 — DESCRIPTIVE OF संस्कृत AND प्राकृत MANUSCRIPTS in the Library of the B B. R. A.S. by H. D. वेलणकर. Vol. I 5-

1401 — OF संस्कृत- and पालि books in the British Museum. by HAAS E. 1875. 25-

1402 KANARESE LITERATURE by E. P. Rice, 2nd ed. CROWN 8VO. *As* 1-8-

The fruit of patient work on the part of a small number of pains taking scholars who have laboriously pieced together the scattered information contained in inscriptions on stone and copper and in the colophons and text of palmleaf manuscripts

1403 QUESTIONS OF मिलिन्द by Bhikkhu Nyanatiloka. 6-

1404 THE QUESTIONS OF KING MILINDA, from the Pali, by T. W. Rhys Davids Vols. I-II *Of* 31-8-

1405 CASTS IN INDIA, HISTORY of, see—*The History of casts in* India.

1406 CHRONOLOGY, INDIAN & FOREIGN, see-Indian and Foreign Chronology.

1407 COMPARATIVE LANGUAGES, a grammar of, see A Grammar of Comparative Languages

1408 — RELIGION, LECTURES ON, see—Lectures on Comparative Religion.

क

1409 — Philosophy, a short manual of, see—A short manual of Comparative Philosophy.

1410 COPPER PLATES & INSCRIPTIONS in V. R. Society, a descriptive list of, see—*A descriptive list of copper plates and Inscriptions in the V. R.* Society.

1411 CONCEPTION OF कर्म, see—कर्म the Conception of.

1412 CONFACIANISM, THE TEXTS of, see—Texts of Confacianism.

1413 कम्बोडिया, Indian cultural influence in, see—Indian Cultural Influence in कम्बोडिया.

1414 कपिल, सांख्य Philosophy of, see—*The सांख्य Philosophy of* कपिल.

1415 कर्मयोग, The ideal of, see—The ideal of कर्मयोग.

1416 काठकसंहिता, An index Verborum to, see—An index Verborum to काठकसंहिता

1417 कांडेवाड, प्राकृत and संस्कृत inscriptions of, see—प्राकृत & संस्कृत inscriptions of कांडेवाड

1418 कालिदास, the brith place of, see—The Birth-Place of कालिदास.

1419 कालिदास and विक्रमादित्य, the Date of, see—The Date of कालिदास and *विक्रमादित्य.*

1420 KILWARD, HISTORY OF, FROM ARABIC manuscripts, see—A

क

History of Kilwaed from Arabic Mss.

1421 KING MINDEN, The pageant of, see—The Pageant of King Minden.

1422 कोसल, THE SAGE and the King in, see—The Sage and King in कोसल.

1423 कुराण, ETHICS of, see—The Ethics of कुराण.

1424 कौटिल्य, the historical gleanings from, see—The Historical Gleanings from कौटिल्य.

1425 खड्गशतक (काव्य) सटीक *Km. II* 1–

1426 खण्डनखण्डखाद्यम् (वेदान्त) by श्रीहर्ष with the comm खण्डनफक्किकाविभजन by आनन्दपूर्ण with extracts from the comments of चित्सुखी- शंकरमिश्र & रघुनाथ, ed. by Dr. गंगानाथ झा & प. लक्ष्मणशास्त्री द्रविड. *Ch* 14–

1427 — (The Sweets of Refutation) Translation by गंगानाथ झा Vol. II *Ad* 5–

1428 — Engl. Transl by Dr. Thibaut and Dr. Ganga Nath Jha, 5 vols. *Lz* 10–

1429 — (ज्योतिष) edited by पं. बाबू मिश्र 8vo. pp. 217 *Cu* 2–

The book is an astronomical work by the great scholar Brahmagupta. It contains the commentary called *Vasana Bhashya* by Amaraja

1430 खण्डनपरिशिष्ट (वेदान्त) श्रीतारा- चरणशर्मणा विरचितम्. *Ch* –8–

1431 खण्डनोद्धारः अर्थात् श्रीहर्षकृतखण्डन- खण्डखाद्यग्रन्थस्य समाधानं, श्रीवाचस्पति-

ग

मिश्रविरचितः पंडितविन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदिना उक्तपाठशालीयन्यायशास्त्राध्यापकेन न्यायाचार्योपाधिधारिणा श्रीवामाचरणभट्टाचार्येण च संस्कृतः pp. 182. *Lz* 24–

1432 खगोलचित्रम् (ज्योतिष) by कालीनाथ मुखोपाध्याय. *Sd* 3–

1432a खरोष्ठी Inscriptions discovered by Sir Aurel Stein in Chinese Turkestan, Part I. Text of Inscriptions discovered at the Niya Site, 1901. Transcribed and edited by A. M. Boyer, E. J. Rapson, and E. Senart. 1920.super Roy. pp. viii+154, with six separate plates. *Of* 22–8–

1433 खादिरगृह्यसूत्र रुद्रस्कन्दवृत्ति. *Bs* 1–

1434 खाल्डिया AND INDIAN वेद - by B. G. टिळक, 8vo pp. 9–15 –८–

1435 गज़लसंग्रह (संगीत) *Vy* –10–

1436 गणकारिका (वेदान्त) A work on Philosophy (पाशुपतमत) by भासर्वज्ञ who lived in the 2nd half of the 10th century, ed. by C. D. दलाल 1921. *Go* 1–6–

1437 गणदर्पण (व्याकरण) रामनारायण शिरोमणि *Sd* 1–8–

1438 गणधरसार्धशतक सटीक (जैन) of जिनदत्त सूरि. with the comm. of सर्वराजगणी. *Ib* 2–4–

1439 गणरत्नमहोदधि । *Ib*

1440 गणपत्यथर्वशीर्ष (तंत्र) *N* –2–

1441 गणपतिस्तोत्र. *N* –6–

1442 गणेशगीता (वेदान्त) *N* –4–

1443 — (Silk cover) –6–

ग

1444 — नीलकण्ठविरचितटीकासमेता। *Aa* 2-
1445 गणेशपुराण (Loose) *Gn* 6-
1446 गणेशसहस्रनाम *N* -8-
1447 गणेशसहस्रनामावली. *N* -3-
1448 —— मूल. *Vy* -3-
1449 गणेशायर्वशीर्षम्। (वेदान्त)सभाष्यम्। *Aa* -2-
1450 गणेशाष्टक (स्तोत्र) *N* -8-
1451 गदनिग्रह. (वैद्यक) श्रीशोढलवैद्यविरचितः। अस्य प्रयोगखण्डात्मकः प्रथमो भागः। अस्मिन् खण्डे घृततैलचूर्णगुटिकासवावलेहाख्याः षडधिकाराः सन्ति। द्वितीय संस्करणम्। *Yt* 2-
1452 गदनिग्रहस्य द्वितीयो भागः—कायचिकित्सा शल्य-शालाक्यभूततन्त्र-कौमारभृत्यागदतन्त्र - रसायन-वाजीकरण-पञ्चकर्मविधाख्यनवखण्डात्मकः। *Yt* 4-8-
1453 गद्यपद्यमुक्ताहार (काव्य) with copious Engl. notes and Exhaustive glossary by भवानीशंकर सुखटणकर. 1915, pt.1 cr. pp 3, 4, 130, 70. *Gn* -9-
1454 गद्यसंग्रह (काव्य) ed by महेशचन्द्र न्यायरत्न. *Sd* 1-
1455 गयामाहात्म्य. *Vy* -8-
1456 गयायात्रापद्धति (कर्म) *Vy* -4-
1457 गर्गसंहिता (इतिहास) मूल, *Vy* 6-
1458 — अश्वमेधखण्ड. *Vy* 1-4-
1459 गरुडपुराण—(सटीक) सारोद्धार. *N* -14-
1460 गरुडमहापुराण सपूर्ण. *Vy* 7-
1461 —सस्कृतटीकयासमेतम्. *Vy* 1-4-
1462 — Engl Transl by M. V. दत्तशास्त्री. 1908, 8vo pp X, VI, 784. *G* 10-

ग

1463 Guide to the Buddhist Ruins of सारनाथ by R. B. Daya Ram Saheni *Gt* 13-
1464 — To the Observatories at दिल्ली, जयपुर, उज्जयनी and बनारस, by G. R. Kaye. *Gt* 2-4-
1465 — to Learning संस्कृत Composition by A. C. दत्त and R. K. भट्टाचार्य. 1912. cr. pp. 132. *Cc* -8-
1466 — to Sanskrit Composition—being a Treatise on Sanskrit Syntax, for the use of Schools and Colleges by V. S. आपटे. cr. pp. 136. *St* 2-12-
1467 — To Sanskrit Sandhies. *Gn* -2-
1468 — To Second Book of संस्कृत By R. G. भाण्डारकर. *Gn* -1-8
1469 — To First Book of संस्कृत by R G. भाण्डारकर. *Gn* 1-
1470 The Gods of Northern Buddhism. *Of* 63-

Their History Iconography, and Evolution through the Northern Countries, by Alice Getty with a general Introd translated from the French of J. Deniker and illustrations from the collection of Henry H Getty 1914 Demy Quarto (11¼x9¼). pp 246 with ten plates in colour (nine by Demoulin of Paris) and fifty-four in black and white.

1471 गाथासप्तशती (काव्य) श्रीमातवाहनविरचिता, गङ्गाधरभट्टकृतटीकासहिता. *N* 3-

ग

1472 गादाधरीपक्षलक्षणी (न्याय) चिन्तामणि-दीधिति-गादाधरी-कृष्णभट्टीय-न्यायरत्नेति व्याख्यापञ्चग्रन्थीसंग्रहः सिद्धान्तलक्षणसार्वभौमपरिष्कारोपेतः। *N* 1-8-

1473 —— *Su* -8-

1474 गादाधरी—चतुर्दशलक्षणी. *Su* 1-14-

1475 गान्धार by Foucher. *Gi* 22-

1476 — The notes on the ancient *geography* of, (*a commentary on a chapter by* Hiuen Tsang.) Transl. by H. Hargreaves 1915. *Cc* 2-2-

1477 गानरत्नमञ्जरी (संगीत) गोपिकागीत. *Mp* -2-

1478 गायत्रीतन्त्र श्रीमच्छंकरसुतविनिःसृतम्. *Ch* -8-

1479 गायत्रीतन्त्र, Orig. संस्कृत with Hindi transl. by बलदेव प्रसादजी सुखानंदजी मिश्र. 1916, cr. pp. 109, 3. *Vy* -8-

1480 — शंकरसुतविनिःसृतम्. *Vy* -8-

1481 — पटल (स्तोत्र). *Vy* -2-

1482 गायत्रीपुरश्चरणपद्धतिः। श्रीमच्छंकराचार्यविरचिता थांर श्वपनामकसीरिविरचिता च *Aa* 1-8-

1483 गायत्रीरामायणम् *Rm* -1-

1484 THE GOSPEL OF LIFE by F. T. Brooks. An introd. to the Study of the भगवद्गीता and the उपनिषद्s, Vol. 1, pp. 400 *Vp* 1-8-

1485 गिरिशस्तोत्र पार्वतीपतिस्तुति. *Vy* -1-

1486 गीतगोविंद (काव्य) महाकवि श्रीजयदेवविरचित, कुंभनृपतिप्रणीतरसिकप्रियाव्याख्या, म. म. शंकरविरचितरसमञ्जरीव्याख्यासहित. *N* 1-2-

1487 — otherwise known as अष्टपदी by श्रीजयदेव. Pt. I & II cr. pp. 22. *Vp* -8-

1488 —— *Vl* -6-

1489 — मूलमात्रम्. *Vy* -3-

1490 — French Transl. by M. G. Courtillier. 2-

1491 गीता—(वेदान्त) रामानुजभाष्यसह. *Vy* 2-

1492 — सुबोधमराठी, शाकरभाष्यानुसार (अवतरण, मूलश्लोक, अन्वय, सरळ व सुबोध अर्थ, स्पष्टीकरण व सिंहावलोकन,) शरीरस्थ व चतुर्भुज श्रीकृष्ण चित्रसहित. pp. 390. *Ak* 2-

1493 — and gospel by J. N. Farquhar. 1917, cr. pp. 2, 106. *Cs* -6-

1494 गीतार्थसंग्रहः (वेदान्त) रक्षासहितः *Su* -6-

1495 गीतातात्पर्य (वेदान्त) By श्रीमध्वाचार्य, and its comm. न्यायदीपिका, by श्रीजयतीर्थस्वामि. श्रीमध्वाचार्य wrote two भाष्यs or comments on the भगवद्गीता, 1 गीताभाष्य and 2 गीतातात्पर्यनिर्णय. This न्यायदीपिका is again the comm. on गीतातात्पर्यनिर्णय with the gloss तात्पर्यदीप. *Mt* 7-

1496 गीताभाष्य (वेदान्त) A study in Analytical Ethics and sociology by S. R. राजवाडे, pt. I, cr. pp. 18. 3-

1497 — (वेदान्त) of मध्वाचार्य with the टीका प्रमेयदीपिका by जयतीर्थमुनि

and with the gloss भवरत्नकोश by श्रीमुमतीन्द्रस्वामी and गीताविवृत्ति, an orig comm of भगवद्गीता according to मध्वभाष्य *Mv* 7–8–
1498 गीतारहस्यम् (वेदान्त) or तुल्यदर्शनम् by महाराष्ट्रीय 1922 Roy. pp 76 1–
1499 गीर्वाणरघुकोश संस्कृत-मराठी ed & publ by J. V आप्टे 1915 8vo pp 25, 638, 16, 3 5–
1500 गीतिशतक (काव्य) श्रीसुन्दराचार्य कृत *Km J* 1–
1501 गुणस्थानक्रमारोहवृत्ति गद्य (जैन) of रत्नशेखरसूरि *Jb* 1–8–
1502 गुप्त STYLE OF ARCHITECTURE and the origin of शिखर by E B Havell, 8vo. pp. 44. 416 *Bp* –8–
1503 गुप्तसाधनतन्त्र Original संस्कृत with Hindi Transl by चन्द्र प्रसाद. 1917, cr pp 100. *Vy* –6–
1504 गुर्वावली (जैन) –4–
1505 गुरुपरंपराचरित्र सटीक *Vy* –10–
1506 गुरुपरंपरास्तोत्राणि मूल, मुकुन्दविकृतानि *Vt* –2–
1507 गुरुप्रसादमहीमादर्श (स्तोत्र) मूल, by श्रीकृष्णशास्त्री –1–
1508 गुरुपासनाकल्पद्रुम by हरिकृष्ण *Vy* 1–5–
1509 गुरुपादुकास्तोत्र (याग) शिवानन्दविनिर्गतदुर्गादासभट्टाचार्यकृतटीकासहित *Cc* –3–
1510 गुरुवंशकाव्य of लक्ष्मणशास्त्री with his own comm called भावबोधिनी. A very rare work treating of the line of जगद्गुरुs in the शृंगेरी मठ beginning from श्रीशंकरभगवत्पाद ed. by ब्रह्मश्रीकृष्णशास्त्रिगल cantos 1–7 *Vv* 1–8–
1511 गूढार्थदीपिका (वेदान्त) A comm on रासपञ्चाध्यायी of भागवतदशमस्कन्ध by धनपतिसूरि and रसव्याख्या (शुद्धाद्वैतवेदान्त) by जगन्नाथशर्मा, ed. by रत्नगोपालभट्ट. *Bn* 4–8–
1512 — A comm on भगवद्गीता of the Tenth chapters of श्रीमद्भागवत of प धनपतिसूरि, ed by रत्नगोपालभट्ट *Bn* 1–8–
1512*a* — भ्रमरगीत *Kg* 1–8–
1512*b* — रासपञ्चाध्याई *Kg* 4–8–
1513 गोकर्णमाहात्म्य *Vy* –2–
1514 गोत्रप्रवरनिबन्धकदंब (कर्म) *Vy* 3–
1515 गोदावरीमाहात्म्य or गौतमीमाहात्म्य मूल *Vy* 2–
1516 गोदास्तोत्र or लक्ष्मीस्तोत्र.*Vy* –3–
1517 — तथा श्रीयदुशैलशर्मात्मय सिंहाम्बाकी. *Vy* –3–
1518 गोपदृशचन्द्रिका (स्तोत्र) –2–
1519 गोपथब्राह्मण संस्कृत text ed by Gaastra D 1919 8vo *Br* 10–
1520 गोपालचम्पू श्रीमज्जीवगोस्वामिप्रणीत. वृन्दावन 10–
1521 गोपालपटल (स्तोत्र) *Vy* –3–
1522 गोपालविवेक सटीक (रा सा) *Vy* –6–
1523 गोपालसहस्रनाम-गोपालकवच तथा गोपालस्तवराज *N* –3–
1525 —— *Vy* –7–
1526 — मूल राधास्तोत्रसहित *Vy*–2–
1527 — पार्थी साईज. *Vy* –5–

ग

1528 गोभिलगृह्यसूत्र (वैदिक) ed. by by M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार with his own comment, 2nd edn. (1906-1908). I & 2 Vol. *Bi* 6-12-

1529 गोभिलगृह्यसंग्रह An appendix to the गोभिलगृह्यसूत्र with the commentary by the editor. M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार. *Bi* 1-8-

1530 गोभिलपरिशिष्ट (Appendix) containing सन्ध्यासूत्र, स्नानसूत्र, स्नानसूत्रपरिशिष्ट, श्राद्धकल्प, श्राद्धकल्पपरिशिष्ट with भाष्य, by M. M. Chandra-Tarkalankar. (1909). *Bi* 2-4-

1531 गोरक्षसिद्धान्तसंग्रह ed. with introd. by कविराज. 1925; 8vo. pp. 2, 80, 2. *Sd* -14-

1532 THE GOLDEN LEGEND OF INDIA, or Story of India's God-given Cynosure (Sunashepha-Devarata) *Lu* 7-8-

A Vedic theme of human life and divine wisdom ordained to be rehearsed at coronations of Indian kings. A faithful paraphrase in Engl verse side by side with a literal transl Illustrated by copious Notes, by William Henry Robinson.

1533 GOLD-STUCKER'S PANINI. (Reprint). *Po* 5-

1535 गोलबोधः (ज्योतिष) पण्डितश्रीमोतारामशर्मकृतः, एतद्ग्रन्थाध्ययनेनानुपायासेनान्यानुत्तरं गोलस्थितिविषयं बोधं लभन्ते, कठिनस्थलं च भाष्येणोद्घाटितम्. *Gb* -8-

1536 गोलदीपिका (ज्योतिष) by परमेश्वर. *Tr* -4-

ग

1537 गोलीयरेखागणितम् (ज्योतिष) पं. नीलाम्बरविरचितम्, परिशिष्टविशेषक-गोलीयरेखागणितसहितम्, पं. श्रीराजवंशी झा मैथिलकृतविकासिकाख्योपपत्ति-टीकयासहितम् । तथा गोलीयरेखागणितम् म. म. पं. श्रीसुधाकर द्विवेदि कृतम् । पं. श्रीराजवंशीझाकृत टीकासहितम् । तथा गोलबोधः पं श्री. सीताराम झा कृत तेनैव विरचितटीकयासहितः *Ch* -12-

1538 गोवर्द्धनसूरिप्रभाव—(रा. सा.) वृंदावनस्वामी गुरुपरम्परा स्तोत्र संग्रह. *Vy* -4-

1539 गोविन्दाष्टक मूल, श्रीशंकरभगवत्पादाचार्यकृत. *Vy* -5-

1540 — तथा कृष्णाष्टक. *Vy* -6-

1541 गोविनय गंगाप्रसादमवलीकृत. *Vy* -2-

1542 गौडवध (प्राकृतकाव्य) वाक्पतिवर्णित संस्कृतटीकासहित. 5-8-

1543 गौडलेखमाला Inscriptions of the Chandra, Varman and Sena Dynasties of Bengal. Text in Nagari character with plates, English transl. Introd. and notes etc., by N.G. मजुमदार. Vol. III. *Vr.*

1544 गौडीयश्राद्धप्रकाशमहानिबन्ध (कर्म) मूल. *Vy* 4-

1545 गौतमबुद्ध (चरित्र). *As* 1-8-

A brief biography of the founder of Buddhism accurate sympathetic imaginative, and suggestive An excellent manual for the beginner, but also a readable and inspiring volume for the advanced student

ग

A biography (Based on the Canonical Books of the Theravadid) by K J Saunders

1547 गौतमतंत्र गौतमप्रणीत. Vy 1-8-

1548 गौतमपृच्छावृत्ति (जैन) जयशेखरसूरिकृत. Jb 24-

1549 गौतमसूत्रम् (धर्म) हरदत्तकृतमिताक्षराटीकासमेतम्। Aa 2-8-

1550 — मस्करी भाष्यसह. Bs 3-8-

1551 गौतमप्रणीतन्यायसूत्राणि। वात्स्यायनभाष्यविश्वनाथवृत्तिसमेतानि। Aa 4-8-

1552 गौतमस्तोत्रम् जिनप्रभसूरिविरचितम्. Km7 1-

1553 गौतमीयतन्त्र (मन्त्र.) महर्षिगौतमप्रणीत. Vy 1-8-

1554 गौडवहो of वाक्पति. A Prakrit Historical poem originally ed. by S. P. पण्डित Re-edited by N. B. उटगीकर. pp. 422. 5-8-

1555 गौरिकाञ्चलिकातन्त्र—संस्कृतमूल with Hindi Transl. by बलदेव मिश्र. cr. pp. 4, 82.

1556 गौरीस्वयंवरमञ्जरी (काव्य) Vy 3-

1557 गंगावतरणम् A Kavya by नीलकण्ठदीक्षित. in 8 cantos. Cr 8vo. Illustd Vt -8-

1558 — श्रीनीलकण्ठदीक्षितविरचितम्. N -8-

1559 गंगामहात्म्य मूल. Vy -3-

1560 गंगालहरी (काव्य) मूल, N -1-

1561 — पीयूषलहरी व्याख्यासहिता N -7-

1562 — (स्तोत्र) मूल, पण्डित जगन्नाथकृता. Vy -2-

1563 गंगासहस्रनाम. स्कन्धपुर. Vy -4-

ग

1564 गंगावादि by L. Rice. 8vo. pp. 237-248.

1565 गञ्जिफाखेलनम् गिरिधरकृतम्. Km13 -1-

1566 गन्धोत्तमनिर्णयतन्त्र (मत्र) इसमे मद्यका विवेचन है. Vy -8-

1567 गृह्यसूत्र (वैदिक) by पारस्कर with हरिहरभाष्य. Vy 2-

1568 गृह्यसूत्राणि by H. Oldenberg. Vol I & II. Of 22-8-

1569 — Indishe Hausregeln by Loth Otto. Gr 2-1-

1570 ग्रहशान्ति (कर्म) शुक्लयजुर्वेदोक्त. Vy -10-

1571 गृहस्थधर्म (जैन) ज्ञानचन्द्रजी महाराजकृत. -6-

1572 — (जैन) by श्रीविजयधर्मसूरि, publ. by प्रेमचंद. रतनजी and चंदूलाल पुनमचंद 1922, cr. pp. 19.

1573 ग्रहलाघव (ज्योतिष) गणेशदैवज्ञविरचित प. सुधाकरद्विवेदीकृतसंस्कृत टीकासहित Vy 4-4-

1574 ग्रहलाघवकरण (ज्योतिष) गणेशदैवज्ञकृत प सुधाकरद्विवेदिकृतटीकासह. 4-4-

1575 ग्रहलाघवसारणी (ज्योतिष) Vy 1-8-

1576 —— Vy 1-

1577 —— by गंगाधरशर्मा. 1923 Roy. pp 84 Vy 1-4-

1578 ग्रहगणितम् (ज्योतिष) or the tables of the Sun, Moon and the planates with precepts for their use and theory by केतकर. 1914 -8vo. pp 3,168. Oa 2-

1579 — by केतकर. 1899. 8vo. pp 2, 88. Oa 1-

ग

1580 प्रथमाला. ग्रेग न मीट by डो ग. दा. रुईकर. 8vo pp 46 -6-

1581 GRAMMAR OF COMPARATIVE LANGUAGES with index by Bopp F 1859, 3 Vols each Gi 40-

1582 — OF THE TIBETEN LANGUAGE by H. Bruce. Hannah Roy. 8vo pp 416 Cu 11-4-

1583 GRAMMAR OF प्राकृत LANGUAGES by Pischel Gi 28-

1584 — of शाकटायन with comm प्रक्रियासंग्रह of अभयचन्द्रसूरि 1893, 8vo. pp XIV, 160, 384 Md 12-

1585 — of the संस्कृत Language by H L Colebrook. 1805 Vol. I Roy pp XXII, 369, 4. Cc 34-

1586 — of the संस्कृत Language on a new plan by W Yates 1820, 8vo pp xxviii, 427. Cc 5-

1587 — of the Hindi language by Kellogg S 1876 15-

1588 GREEK AND संस्कृत A comparative study by गो. R D रानडे 1915 8vo pp 137-775 -8-

1589 GREATNESS OF शिव महिमस्तव of पुष्पदन्त with the comm of जगन्नाथ चक्रवर्ति. Tr 1-8-

1590 GARLAND OF LETTERS, Studies in the Mantra Shastra

This book is an attempt now made for the first time to explain to the English knowing readers an undoubtedly difficult subject by Arthur Avelon Tr 7 8

ग

1591 GLEANINGS FROM INDIAN CLASSICS, ed by M. N. दत्तशास्त्रि. 1911, 3rd edn. cr pp xxv, 192 Cc 1-8-

1592 GLORIES OF मगध by प्र. J N Samaddar 2nd edn. revised, enlarged and brought up to date with 26 plates Cc 8-

1593 THE GOLDEN LEGEND OF INDIA by William Henry Robinson 1911 8vo pp xviii, 148 7-8-

1594 गुजराथ, MUHAMMADAN ARCHITECTURE in, see—the Muhammadan Architecture in गुजराथ.

1595 गुप्त ERA AND मिहिरकुल, a new light on, see—A new light on गुप्त ERA AND मिहिरकुल

1596 गुप्त DYNASTY, THE COINS of, see—The Coins of the गुप्त Dynasty

1597 GODDESS, THE HYMNS to, see—The Hymns to Goddess.

1598 GRAND MOGULS, THE COURT PAINTERS of, see—The Court Painters of the Grand Moguls

1599 GRAMMAR OF THE संस्कृत LANGUAGE, an introduction to, see—An introduction to the Grammar of the संस्कृत Language.

1600 — of the Tibetan Language, an introduction to, see— An introduction to the grammar of the Tibetan Language

1601 GREEKS, THE PHILOSOPHY of, see—The Philosophy of the Greeks

ग

1602 GREAT BRITAIN & IRELAND, Centenary Volume of the R. A. Society, see—The Centenary Volume of the R. A. Society of great Britain & Ireland.

1603 गौडामा. THE बुद्ध OF THE BURMESE, THE LIFE or legend, see—The Life or legend of गौडामा, the बुद्ध of the Burmese.

1604 गौतम, THE LIFE OR LEGEND, see—The life or Legend of गौतम.

1605 गोरखपूर, सरण and गाझीपूर, a *report of the tours in*, see—A report of the tours in गोरखपूर, सरण & गाझीपूर.

1606 गोरक्षनाथ, THE SYSTEM OF CHAKRAS ACCORDING to, see—The System of Chakras according to गोरक्षनाथ.

1607 गौरीशंकर ओझा, THE BOOK OF the cave, see—The Book of the cave–गौरीशंकर.

1608 घटकर्परकाव्य. V_{ij} -2-

1609 घेरण्डसंहिता A treatise on हठयोग transl from the orig संस्कृत by S. C वसु 1895. cr. pp. xxiv 54, 4, 47. *Rt* -12-

1610 — *Being a treatise on* the हठ and राजयोग, printed with संस्कृत Text and an Appendix containing extracts from Engl works of authority, describing the समाधि taken by the साधु हरिदास at the Court of रणजितसिंग in Punjab. *Rt* -8-

च

1611 — A treatise on Hata Yoga Text, & English Transl. by श्रीशचन्द्र वसु *Ad* -12-

1612 चक्रदत्त (वैद्यक) श्रीशिवदासकृत तत्त्वचन्द्रिकाव्याख्यासवलित *Mt* 5-

1613 — शिवदासकृतप्राचीनसंस्कृत व्याख्यासमेत *Mc* 4-

1614 चक्रावलीसमाहाध्याय V_{ij} 2-4-

1615 चतुर्भाणी by रत्नकृष्ण कवि, publ. by *D. G.* शर्मा, *1922*. Roy. pp. VI, IV, 28, 31, 15, 48 2-

1616 चतुःश्लोकीभागवत (वेदान्त) *N* -4-

1617 चतुर्थसुबोध पाठावली or the fourth course of easy संस्कृत Readings by M. P. ओक, 1923 3rd edn cr pp. 2, 124 -10-

1618 चतुःषष्ट्युपचारमानसपूजास्तोत्र. शंकराचार्यविरचित *Km* 9 1-

1619 चर्पटपञ्जरी मूल V_{ij} -2-

1620 — स्तोत्र. V_{ij} -8-

1521 चरकसंहिता (वैद्यक) सूत्रस्थान सम्पूर्ण. An Engl. transl. publ. with introd. by A. C. कविरत्न. Roy pp. VIII.443 8 *Cc* 10-

1622 — मूलमात्र *N* 4-

1623 — with comm. of चक्रपाणिदत्त. ed by A. C. कविरत्न pts. 1-4 and 6 & 7. *Cc* 1-

1624 — सटीक–चक्रपाणिदत्तव्याख्या सहिता. *N*

1625 — चक्रपाणिदत्तकृत संस्कृतटीकासहित। *Mt* 10-

1626 — मूल अत्युत्तम गुटका. *Mt* 4-

1627 चरणव्यूहपरिशिष्टसूत्रम् श्रीमहामुनिशौनकोक्तम् । श्रीमहीदासपण्डितप्रणीतभाष्यसहितम् *Gu* -8-

च

1628 चरियापीठिका Pali Text ed. in देवनागरी Characters with an Engl. Introd. by Dr. B. C. Law. 1924. 1-

1629 चतुर्लिंगतोभद्र (कर्म) *N* -1-

1630 चतुर्वर्गसंग्रह,क्षेमेन्द्रकृत. *Km5* 1-

1631 चतुर्विधपुरुषार्थविचार. श्रीपादाचार्य विरचित. *Ch* -8-

1632 चतुर्विंशतिजिनस्तवः (जैन) जिनप्रभासूरिविरचित. *Km7* 1-

1633 चतुर्विंशतिजिनस्तुतिः (स्तोत्र) सटिप्पणी शोभनमुनिप्रणीत. *Km7* 1-

1634 चतुर्विंशतिमतसंग्रहः (धर्म) By पं. भट्टोजी दीक्षित. ed. by पं. देवीदत्तपराजुली. *Bn* 3-

1635 चाणक्य by Monseure E.— 5-8-

1636 चाणक्यकथा by रविनर्तक with Bengali transl. by T. C. Law, and ed. with preparatory notes by N. N. Law. 1921. 8vo. pp. iii, 32, 38. 1-

1637 — by ईश्वरचन्द्रशास्त्री. *Sd* -10-

1638 — राजनीति. विषयविज्ञवः सन्ति (मिश्रणीय) by ईश्वरचन्द्रशास्त्री. *Sd* -14-

1639 — राजनीतिशास्त्र with a learned foreword by Johan Van Manen 1926, 2nd edn. 8vo. pp. XX. 72. *Co* -11-

1640 — शतकम् (काव्य) by चाणक्य पण्डित ed. with full comm. by जीवानन्द विद्यासागर. 1907, 4th edn. 8vo. pp 30 *C* -10-

1641 चातुर्मास्यमाहात्म्य मूल. *Vy* -12-

च

1642 चांभार by G. W. Briggs. 1920. pp. 270, with 13 illustrations. *Of* 4-8-

1643 चार्वाकदर्शनसार (सखडन) Text in orig संस्कृत with मराठी transl. by बापटशास्त्री. 1915, 12th edn. 8vo. pp. 65. *AK* -4-

1644 चारपण्डित (1 जगन्नाथराय, 2 जयदेव, 3 भर्तृहरी, and 4 माघ) orig. संस्कृत with मराठी transl. by केमकर शास्त्री.1888. Roy. pp. 98-123. 44, 36, 28. 1-

1645 चारुदत्तम् (नाटक) of भास, ed. by T. गणपतीशास्त्री. *Tr* -12-

1646 चारुचर्या (काव्य) क्षेमेन्द्रकृत. *Km2* 1-

1647 चारोंवेदसंहिता मूल. *Am* 7-8-

1648 चारोंवेदोंकीअनुक्रमणिका *Am* 3-

1649 चित्रसेनपद्मावतीचरित्र श्लोकबद्ध, (जैन) of राजवल्लभ उपाध्यायजी, 3rd edn. *Jb* 2-

1650 CHIPS FROM A GERMAN WORKSHOP by Max Mueller.— 4 vols. *Gr* 24-

1651 चिकित्सासमूह.(वैद्यक) *Vy* 1-4-

1652 चिकित्सार्थप्रदीप(वैद्यक) *Vy* 2-8-

1653 चित्रमीमांसा, (अलंकार) श्रीमदप्पयदीक्षितविरचितम् पण्डितरामशास्त्रिणा स्वमतिविशेषे टिप्पण्या संभूष्यातीवपरिश्रमेण संशोधितम् । इदं खलु काव्यसुधारसमास्वादनशीलान्तरङ्गाणां मनसि न तावदनल्पं काव्यं 'न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनितानन' मित्युक्तविशारदसुकुमारतां ..... शंसिताः मधुमधुरोऽलङ्काराः ..... प्रकाशनम् ..... सर्वेषु च संबन्धाः

च

प्रायशो लक्षणाना लक्ष्य समन्वयमापर्यन्त्र-सक्तनया न भवेदतीव प्रमोदो मीमांसारसिकाना प्रगल्भधियामिति समुपक्रान्त किल प्राचीननवीनमतखण्डनपुरःसरमुपनिबन्धुं परेण सन्नाहनाय चित्रमीमांसानामकाऽलङ्कारग्रन्थो निखिलशास्त्राब्धिपारदृश्वनास्वतन्त्रप्रज्ञेन तत्र भवता अप्पयदीक्षितेन pp.128 *L*· 1-4-

1654 — श्रीमदप्पयदीक्षितप्रणीत। चित्रमीमांसाखण्डनं—पण्डितराज जगन्नाथविरचितम्. *N* 1-

1655 चैतन्य AND HIS AGE (*Ramtanu Lahiri Fellowship Lectures for 1919 and 1921*), *by* R B. Dineschandra Sen with a Foreword by Prof. Sylvain Levi. 8vo. pp. 453. *Cu* 6-

The book gives a complete and consistent history of Chaitanya, his religious views and of the sects that follow his religion, with an account of the condition of Bengal before the advent of the great subject of the memoirs. Everything deal with in the book is based on old authority

1656 — AND HIS COMPANIONS by Rai Bahadur दिनेशचन्द्र सेन. 8vo. pp. 341. *Cu* 2-

The book presents short life—sketches of Sri Chaitanya and his Bhaktas with a general history of the Vaishnava doctrine and a comparative study of mysticism (occidental and oriental)

1656₁ — MOVEMENT, by M. T. Kennedy. 1925 Pp xii + 270 18 illustrations. *Of* 4-8-

1657 चैतन्य's Pilgrimages and Teachings by य. सरकार *Cc* 3-

च

1658 चैतन्यचन्द्रोदय (नाटक)—श्रीकविकर्णपूरविरचित. *N* 1-4-

1659 चोमासीव्याख्यान तथा होलिकाख्यान (जैन) of कल्याणजी. 4th edn. -10-

1660 चौरपञ्चाशिका (काव्य) of कवि बिल्हण. *Gn* 1-4-

1662 चौर्यासीप्रबन्ध गद्य (जैन) of राजशेखरसूरि. *Jb* -4-

1663 चंगकारिकाः—चंगदासेन विरचितः सत्रधोपदेशः। चंगकारिका इति प्रसिद्धः ज्ञानव्याकरणानुसारिग्रन्थः। स्वोपज्ञवृत्तिसहितः पद्यात्मकः। 8vo. pp. 77. *Vz* -6-

1664 चण्डिकामहात्म्य मूल. -2-

1665 चण्डीकुचपञ्चाशिका (काव्य) लक्ष्मणाचार्यकृता. *Km 9* 1-

1666 चण्डीशतकम् of बाणभट्ट. *Km 4* 1-

1667 चन्द्रचूडचरित्र (गणेशा तात्याची कारकीर्द.) ed. by *D. V.* आपटे & publ. by D V. पोतदार & G. N. मुजुमदार. 1920. 8vo. pp. 3, 3-9, 174, 15- 3-

1668 चन्द्रप्रभचरितम् (काव्य) श्रीवीरनन्दिविरचितम्. सं। १८. *N* 1-

1669 चन्द्रप्रभा-हैमकौमुदी (जैन) A treatise on grammer by मेघविजयोपाध्याय. *1828. Roy. 8vo. pp.* 512 *N* 5-

1670 चन्द्रदर्शनम् edited by चन्द्रकान्त तर्कालंकार. *Sd* 2-

1671 चान्द्रव्याकरण by चन्द्रगोमिन् Text in Roman character with orig. comm ed. by B. Lebich in 2 vols. *Gr* 15-

च

1673 — Vyakarna, an essay by Liobich. *Gr* 1-

1674 चन्द्रव्याकरण by Liebich. *Gr* 9-

1675 चन्द्रालोकः (अलंकार) श्रीपीयूषवर्षजयदेवकविविरचितोऽलंकारग्रंथः। पायगुण्डोपाह्ववैद्यनाथ (बाळंभट्ट) विरचितव्याख्यासहितः। 8vo. pp. 10, 22, 5. *Gu* -10-

1676 चन्द्रिकाशब्देन्दुशेखरव्याख्या. (व्याकरण). *Mu* -10-

1677 चम्पूभारतम् श्रीखण्डे इत्युपाख्यनारायणसूरिविरचितटीकासहितम्। *Gu* 2-

1678 चम्पूरामायण (काव्य) श्रीभोजराजविरचित (पंचमकाण्डपर्यंत), लक्ष्मणसूरिविरचित (षष्ठकाण्डमात्र), रामचंद्रबुधेन्द्रविरचितव्याख्यासहित. N 2-

1679 चंबा State, the antiquities of, see—The Antiquities of चंबा State.

1680 चन्द्रगोमिन & कालिदास, the time of, see—The time of चन्द्रगोमिन् and कालिदास.

1681 CHESS. A HISTORY OF, see—The History of chess.

1682, चम्पा, THE ANCIENT INDIAN COLONIES in the far east, see—The Ancient Indian Colonies in the far East, चम्पा.

1683 छंदरत्नमाला *Vy* -4-

1684 छंदःसूत्र पिंगलसूत्र. *As* 1-8-

1685 छन्दोमञ्जरी ed. by गुलाब कायर्की. *St* -8-

1686 छायाविवेक (ज्योतिष) गुलाबराय रचित. *Vy* 2-2-

ज

1687 छांदोग्योपनिषत् आनन्दगिरिटीकाशांकरभाष्योपेता। *Aa* 5-

1688 — रङ्गरामानुजविरचितप्रकाशिकोपेता। *Aa* 3-12-

1689 — नित्यानन्दकृतमिताक्षराव्याख्यासमेता। *Aa* 2-

1690 — with मध्वभाष्य transl. into Engl. With copious explanatory notes, by श्रीशचन्द्र विद्यार्णव 3rd edn. *Po* 14-

1691 — Text in orig. संस्कृत with Engl. transl. by गंगानाथ झा. 1923. 4 edn. cr. pp. 309. *Md.* 3-

1692 — Text in orig. संस्कृत transl. into मराठी with शांकरभाष्य by C. G. भानु. 8vo. pp. 450. *De* 5-

1693 — म. म. पैप गणरायविरचिता, गुरुनाथविद्यानिधिभट्टाचार्यकृतटिकाग्रन्थसमलंकृता, सम्पादितार्थ। cr. pp. 13, 212. *Cc* -12-

1694 छान्दोग्यमन्त्रभाष्यम्—of गुणविष्णु whose interpretation of the ritual mantras is valuable inasmuch as we get here a pre-Sayanic interpretation of some of the Vedic mantras. *Se*

1695 जगन्नाथमहात्म्य अथवा पुरुषोत्तम महात्म्य, स्कन्दपुराणांतर्गत. *Vy* 1-8-

1696 — पुरुषोत्तमविलास. *Vy* -6-

1697 जगन्नाथविजयम् (काव्य) श्रीरंगराजविरचित. *Vy* -5-

1698 जगन्नाथाष्टकम् *Vy* -1-

1699 जगद्विनोद (भंजन) कवीश्वर पद्माकर. *Vy* -6-

ज

1700 जटापटलम् टीकासहितम् by Thibaut C.— *Gr* 2-

1701 जन्ममरणविचार (वेदान्त) of वामदेव. *Km* 1-4-

1702 जन्मदिनपूजापद्धति(धर्म) Vy-2-

1703 General introduction and Philosophy of Veda upto Upanishadic period by Deusson Paul. *Gr* 5-

1704 जपग्रंथ (वेदान्त) प साधुसिंहजीकृत *La* 1-

1705 जयमङ्गला or the साख्यसमति टीका, a newly discovered comm. on Isvara-Krishna's famous compendium the साख्यसमति by Prof H. Sharma with an Introd, by गोपिनाथ कविराज. 8vo. pp 13+69. *Co* 2-

1706 जयसिंहकल्पद्रुम (धर्म) मूल, श्रीरत्नाकरदीक्षितकृत. Vy -8-

1707 जयन्तविजय (काव्य) श्रीअभयदेवविरचित. *N* 1-

1708 जयन्तीमहात्म्य (राम, कृष्ण, वामन and नृसिंह.) Vy -5-

1709 जयाख्यसंहिता (पञ्चरात्र तत्त्वज्ञान) an authoritative Pancharatra work ed by प कृष्णमाचार्य of Vadtal *Go*

1710 जयानन्दकेवलीचरित्र शकन्द (जैन) of मुनिसुन्दर *Jb* 10-

1711 JOURNAL OF THE ANTHROPOLOGICAL SOCIETY Bombay 1893 Vol 1 & II, each contains nos. 1 to 8. *Cu*

ज

1712 — OF THE DEPARTMENT OF LETTERS (Eighten volumes published) *Cu* 172-12-

Each volume contains learned essays on various literary subjects by reputed scholars.

1713 — OF THE INDIAN INSTITUTE OF Philosophy. Vol. 1 nos 1, 2 & 3. *Ar* 1-

1714 — OF THE DEPATRMENT OF LETTERS,(भल्लसहिता), संस्कृत Text 1921. vol VI. Roy pp ii 8, 272. *Cu* 9-

1715 जलभेद सटीक Vl 1-

1716 जलाशयोत्सर्गप्रकाश (कर्म) Vy 2-8-

1717 जागदीशी (न्याय) A comm on अनुमानचिन्तामणि दीधिति by शिरोमणी ed by सामनाथोपाध्याय *Ch* 19 8-

1718 जागदीशीपञ्चलक्षणी सिंहव्याघ्रलक्षणसहिता श्रीजगदीशतर्कालंकारप्रणीता *Ch* -3-

1719 जागदीशीयपञ्चलक्षण्या सिंहव्याघ्रलक्षणयोश्च क्रोडपत्रक। श्रीकालीशङ्करप्रणीतम्. *Ch* -3-

1720 जागदीशी सिद्धान्तलक्षणस्य क्रोडपत्रम्। श्रीकालीशङ्करप्रणीतम *Ch* -10-

1721 जागदीशी सामान्यनिरुक्ति विप्रव्याप्तिमूल दीधितिसहित। *Ch* 1-

1722 जातक together with its comm being tales of the anterior births of गौतमबुद्ध Vols. III IV V VI each. 21-

1723 — or Stories of the Buddha's Former Births.transl

जा

from the Pali. 6 vols. Roy. 8vo. 21s each. Index vol. 10s 6d. (*Cam*) 105-

Vol I Transl R Chalmers Vol II. Transl. W H D Rouse, Vol III Transl H T Francis, and R. A Neil, Vol IV. Transl W. H. D. Rouse, Litt D. Vol V. Transl. H T Francis, Vol. VI. Transl. E B Cowell and W. H. D Rouse.

1724 — Selected and Edited by H. T. Francis, and E. J. Thomas. 8 Parts. Roy. 8vo. (*Cambridge*) *Mm* 12-

1725 — संग्रह (जैन) Transl. into मराठी. by धर्मानन्द कोसांबी. 1924. cr. pp. 8. 4. 256. 1-8

1726 जातकतत्त्वम् (ज्योतिष) *Ky* 2-

1727 जातकपद्धति(ज्योतिष) श्रीकेशवदैवज्ञविरचिता, वैद्यदिवाकरकृतप्रौढमनोरमाख्यव्याख्यासहिता, प श्रीरामनारायण परिशोधिता। pp. 142 *Lz* -12-

1728 जातकपारिजात. (ज्योतिष) by वैद्यनाथशर्मा. ed. with notes by माधवशास्त्री भाण्डारी. *Ch* 2-

1729 ——— 2-

1730 जातकमाला Stories of Buddha's former incarnations by आर्यशूर Ed. in संस्कृत [Nagari letters] by Prof. Hendrik Kern 1891 Second issue, 1914 Roy. 8vo Pages 270. *Ho* 17-

A masterpiece as to language and style and metrical form of Buddhist literature of the Northern Canon. By the Honorable (Arya) Sura Stories used as homilies in old Buddhist monasteries, Editio princeps Kern (1833-1917), long the honoured Dean of the Dutch Orientalists, thought that Cura flourished not far from 600 A D or earlier

1731 — or Garland of Birth Stories, by आर्यशूर. Transl. from the Sanskrit by J. S. Speyer. 1895, 8vo. *Of* 10-

1732 जातकसंग्रह (ज्योतिष) मूल. *Vy* -14-

1733 जातकसंग्रह, (ज्योतिष) मूल. *Vy* 1-

1734 जातकाभरणम् (ज्योतिष) मूलं, सम्मितिकलक्षणाध्यायसहितम्. *Vy* 1-

1735 जातकाभरणम् (ज्योतिष) मूल, बुण्डिराजकृतम्. *Lu* -6-

1736 जातकालंकार, (ज्योतिष) गणेशदैवज्ञविरचित. *Ch* -8-

1737 ——— *Vy* -7-

1738 — संस्कृत टीकासहित. *Vy* -6-

1739 जानकीचरणचामरम् (काव्य) श्री. निवासाचार्यविरचितम् *Km9* 1-

1740 जानकीपरिणय (काव्य) by चक्रकवि. *Tr* 1-

1741 जानकीहरण of कुमारदास Cantos I to X (in two parts) with a संस्कृत comm by निरुपशास्त्री & ed with exhaustive Engl Notes and Literal Engl. Transl. by K. M. जोगळेकर. 1911, 8vo. pp. 10, 110, 48, 78 *St* 4-

1742 — with copious notes, Various Readings and Introd

ज

determining the Date of Poet, with Literal Engl. Transl. Appendices also. कुमारदास & his Place in Sans. Literature, by नदर्गिकर. 8vo. pp. 6, 8.3, 155. *Gn* 3-2-

1743 — Ed. and publ. with comm. Engl. Transl. and copious notes by N. S. ल्होकुर. 1911. 8vo. pp. 34, 30. *Bg* 2-

1744 जिनशतकम् (जैन) जबुगुरुविर-चितम्. *Km 7* 9-

1745 जिनचतुर्विंशतिका (काव्य) भूपाल-कविप्रणीता. *Km 7* 1-

1746 जानकीशतसाई (अलंकार) *Vy* -6-

1747 जीव-मुक्तिविवेकःश्रीमद्विद्यारण्यस्वा-मिविरचितः भाषानुवादसमेतः *Ky* 3-

1748 जीवन्मुक्तिविवेक (वेदान्त) *or the Path to Liberation in the Life* by स्वामिविद्यारत्नसरस्वती rendered into Engl. by मणिलाल द्विवेदी. *R* 1-1-

1749 THE GEOGRAPHICAL DICTIONARY OF ANCIENT AND MEDIÆVAL INDIA by Nundalal Dey Second revised and enlarged edition. Demy quarto. pp. 262. *Co* 9-

1750 ज्येष्ठमहात्म्य मूल. -6-

1751 ज्येष्ठाशान्ति (धर्म) ज्यग्रानक्षत्र जननादिशान्ति *Vy* -2-

1752 जैनजातकाः OR LORD RISHABH'S PURVABHAVAS. Being an Engl. Transl. of Book I Canto I of हेमचन्द्र's त्रिषष्टिशलाक

ज

पुरुषचरित्र, orig. transl. for the first time by Prof. अमूल्यचरण विद्याभूषण, *revised and ed.* with notes, historical Introd. life of श्रीहेमचन्द्र, *Jainas cosmography* etc. by प्रो. बनारसीदास जैन. 1925. Roy. pp. xxiv, 118. *Ps* 4-1-

1753 जैनतत्त्वज्ञानम् by विजयधर्मसूरि. cr. pp. 18. *Jb* -8-

1754 जैनतत्त्वादर्श. by प. आत्मारामजी आनंद. 2nd edn. Roy. pp. 4, 16, 596. *Bo* 6-

1755 जैनदर्शनसार (खंडन) orig. संस्कृत with मराठी transl. by बापट शास्त्री. *Ak* -4-

1756 जैनधर्माचे महत्त्व व स्थान. (धर्माच्या तुलनात्मक शास्त्रात) by K. L ओगले. cr. pp. 28.

1757 जैननित्यपाठसंग्रह. (स्तोत्र) *N* 1-

1758 जैनभानू by श्रीवल्लभ विजयजी 1910. 8vo. pp 103, 3. *La* -5-

1759 जैनमतकथा *Vy* -5-

1760 जैनवार्तिकम् जैनमतप्रदर्शकः शान्त्याचार्येण जैनसार्वभौमेनायविरचितो ग्रन्थोऽयमत्र शान्ततया परमतानिरसनपूर्वकं स्वसिद्धान्तान् प्रख्यापयति। प्रमङ्गतश्च बहवोऽपि विषया अत्रोपनिबद्धाः न केवलं जैनानां किन्तु तदितरेषामपि शोभना शास्त्रिणां व्युत्पत्तिमादधानोऽयं ग्रन्थो लोकोत्तरं अत्युच्च स्थानमारोहति। विट्ठलशास्त्रिणा महता परिश्रमेण सम्पादित. । pp. 168. *Lz* 1-12-

1761 जैनतर्कवार्तिक—शान्त्याचार्य-टीकायुत. *Yt* 2-

1762 जैनश्वेतांबरीसंघ. *Km7* 1-4-

ज

1763 जैनसाहित्यसंशोधक. A monthly Magazine ed. by मुनिराज श्रीजिनविजयजी Issues 1-4. 1-8-

1764 जैनस्तूप of मथुरा by V. A. Smith. *Gs* 14-8-

1765 जैनस्तोत्ररत्नाकर (स्तोत्र) श्वेताम्बरसाम्प्रदायी 1905. cr. pp. 40. *N* -4-

1766 जैनस्तोत्रसंग्रह—कल्याणमंदिरस्तोत्र, एकीभावस्तोत्र, विषापहारस्तोत्र तथा जिनचतुर्विंशतिका *N* -4-

1767 जैनेन्द्रव्याकरणम् देवनन्दिविरचितम् अभयनन्दिमुनिविरचितवृत्तिटीकयासहितम् । Pt. I & II. pp. 372 *Lr* each 4-4-

1768 जैमिनीपद्यामृत (ज्योतिष) मूल. कन्दलीवृत्तिसहित. *N* 1-

1769 जैमिनि-पाणिनीदर्शनसार (समतभेद) In मराठी by बापटशास्त्री. *Ak* 4-8-

1770 जैमिनीयउपनिषद्ब्राह्मण text, in देवनगरी characters with indexes, Ortel's edn. by Pt. रामदेव with an introd. on the History of सामवेद's Literature by भगवद्दत्त. 1891. 8vo. pp. 144, 10. *Do* 4-8-

1772 जैमिनीयगृह्यसूत्रम् or the Domestic ceremonies according to the school of जैमिनी, original text in Devanagari Character ed. with extracts from the orig. comm. सुबोधिनी, list of Mantras Notes, Introd and for the first time transl. into Engl. by Dr. Caland. 1922, Roy. pp. II. 80, 62, 2. *Pa* 6-

ज

1773 — Sanskrit Text and Dutch transl. by Gaastra D. 10-

1774 जैमिनीयन्यायमाला (न्याय) ed. by रेवतीकान्तभट्टाचार्य. *Sd* 1-8-

1775 जैमिनीयन्यायमालाविस्तार (न्याय) श्रीमन्माधवप्रणीतः । *Aa* 8-

1776 जैमिनीयश्रौतसूत्र (with an Essay on the knowledge of Vedic Ritual) by Gaastra 1906. 8vo *Gi* 10-

1777 जैमिनीयसंहिता (with an introduction on सामवेद literature) by Dr. Caland. D. *Gi* 12-

1778 जैमिनीयसूत्र (ज्योतिष) सटीक नीलकण्ठकृतसुबोधिनीनामसंस्कृतटीकासहित. *Vy* -7-

1779 जैमिनिसूत्रवृत्ति. (मीमांसा) सुबोधिनीनामिका श्रीमत्परमकारुणिको भगवान् जैमिनिर्यथाधिकारं वैदिककर्मकलापप्रणयनं संपादयिष्यन् वेदप्रामाण्य व्यवस्थापनद्वादशलक्षणात्मकं धर्ममीमांसामारचयत् । यस्याश्च दुरवगमतया मन्दमतीनां ततोऽनवबोधमालोक्य भास्करादयस्तां व्यचक्षत । भाष्यकाराभिप्रायमजानानां मन्दतमानां सुखावबोधार्थं बुभुत्सूनामुपकाराय सुबोधिन्याख्यां वृत्तिमरचि श्रीरामेश्वरसूरिः-pp. 728. *Lc* 4-8-

1780 जैमिनीयाश्वमेध (इतिहास) मूल. *Vy* 2-8-

1781 जोगविहारकल्पद्रुम (संगीत) *Vy* -6-

1782 ज्योतिर्निबन्ध । (ज्योतिष) सुरमहाराष्ट्रीशिवराजविरचितः । *Aa* 3-15-

1783 ज्योतिर्लिङ्गस्तोत्र तथा शिवमानसपूजा. *N* -5-

ज

1784 ज्योतिर्विद्याभरणम् महाकवि श्रीकालिदासविरचितम् भावरत्नविरचितसुखबोधिका टीकासमेतम् *Ch* 2-8-

1785 ज्योतिःशास्त्रनिघण्टु (ज्योतिष) नक्षत्रादिसंज्ञापदार्थानिसज्ञावाचक *Vy* 2-

1786 ज्योतिषशिक्षक or Astrology Instructor by डॉ R N जोशी 1926, cr pp 4, 3, 254 1-8-

1787 ज्योतिषसिद्धान्तसंग्रह A collection of Ancient Hindu Astronomical works containg सूर्य, ब्रह्म, पितामह & वृद्धवासिष्ठसिद्धान्त ed by म म विन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदी *Bn* 2-4-

1788 ज्योतिषसिद्धान्तसारसंग्रह प सूर्यनारायण सिद्धान्तीकृत *La* -5-

1789 जयसिंग astronomical observations of, see—The Astronomical observations of जयसिंग

1790 JOURNAL OF THE R A Society of great Britain and Ireland, centenary supplyment to, see—Centenary supplement to the journal of the R A Society of great Britain & Ireland

1791 जहांगिर The memoirs of, see—The memoirs of जहांगीर

1792 The jain teachers of अकबर, see—अकबर, the jain teachers of, 8vo pp 265-276

1793 JAINS The Indian sect of, see—The Indian sect of jains

1794 JAINISM, The outline of, see—The outlines of jainism

1795 JAINISM, The heart of, see—The Heart of Jainism

ट

1796 FABLES OF OLD AND NEW INDIAN ALPHABETS (*Dutch*) by Holle K 10-

1797 TEACHINGS OF नागार्जुन transl from Chinese Text by Wallesser M *Gt* 6-

1798 TEMPLE of शिव at भमर by R D Banerji *Gr* 6-6-

1799 THE TEN जातक by Fausboll V 5-

1800 TEXT-BOOK OF INDIAN HISTORY by Rev G W Pope. 1880 3rd edn cr pp VII 574 10-

1801 TEXTS OF CONFUCIANISM, by J Legge Vol 1-4 *Of* 57-

1802 TILE MOSAICS OF LAHORE FORT by J Vogel *Gt* 55-

1803 TIME OF चन्द्रगुप्त & कालिदास by Liebich B -12-

1804 TIME ANALYSIS OF संस्कृत Plays by Jackson A 1-8-

1805 TOWN PLANNING IN ANCIENT India by विनायकराव 8-8-

1806 TRANSLATION OF विक्रमार्कचरितम् (*Spanish*) by Ayuso D 1-8-

1807 TRANSFORMED HINDUISM, the Mono theistic religion of beauty in 2 volumes *At* 5-4-

1808 TRAVELS IN THE MOGUL EMPIRE A D 1656-1668 By Francois Bernier transl and annotated by A Constable *1891 revised by V A Smith* 1916 pp li+500 *Of* 6-8-

1809 TREATISE ON THE HINDU LAW OF INHERITANCE by S

ट

G. Grady 1864, 8vo. pp. LXX IV, 493. 20–

1810 TREATISE OF THE योग Philosophy by N. G. पाळ. *Ad* –5–

1811 THE TREASURE OF THE MAGI, by James Hope Moulton, Demi 8vo. *Of* 6–6–

A brilliant and most readable volume which tells the whole story of Zoroastrianism, & sets the teaching of Zoroaster and the work of the Magian priests in clear relation to Christ and His teaching.

CONTENTS —Introduction. Book I Zoroastrianism —I Zoroaster and the Parsis —II. The Teaching of Zorathustra —III. After Zorathustra —IV Zorathustra and the Outside World —V. The Religion of the Later Avesta. Book II · I The Country —II The Priesthood.–III Ceremonial Life Temples & Towers of Silence —IV. Ceremonial · Outside the fire Temple —V. Orthodoxy and Reform.—VI. Parsi Piety.—VII. The Parsis and Christian Propaganda –VIII The crown of Zoroastrianism —Index of Passages Translated —General Index

1813 THE TRIUMPH OF वाल्मिकी from the Bengali of H. P शास्त्री. ed. by R. Sen. 10–

1815 TWELVE PRINCIPAL UPANISHADAS (1 ईश, 2 ऐतरेय, 3 कठ, 4 केन, or तवलकार, 5 कौषितकी ब्राह्मण, 6 छांदोग्य, 7 तैत्तिरीय, 8 प्रश्न, 9 बृहदारण्यक, 10 माण्डूक्य, 11 मुण्डक, and श्वेताश्वतर,) Engl. transl. and notes from the comments of शंकराचार्य and the gloss of आनन्दगिरि. 5–

ट

1816 TWO CANTOES OF कालिदास, transl. by Leibich B. *Gr* 1–

1817 TWO संस्कृत INSCRIPTIONS ENGRAVED ON STONE, the orig. texts, with transl. and comments by Hall F, 1851, (J. A. O. S.) 8–8–

1818 TERMINALIA अर्जुन, the thesis on, see–The Thesis on Terminalia अर्जुन.

1819 PTOLEMY'S GEOGRAPHY, RESEARCHES on, see–The Researches on Ptolemy's Geography.

1820 TWICE BORN, THE RIGHTS of, see—The Rights of the Twice–Born.

1821 DAILY PRAYERS OF THE Brahmans (सन्ध्यावंदन) by S. E. गोपालाचार्लु. *Ad* –12–

1822 DATE OF THE भागवतपुराण. An essay by C. V. वैद्य. 1925. Roy. pp. 144–158. *Md* –8–

1823 DATE OF कालिदास by K. चट्टोपाध्याय. 1926. Roy. pp. ii. 79–170. 1–8–

1824 DATE OF कालिदास and विक्रमादित्य. by K. K. हेरे & S K. ओक. 1922. Roy. pp. 137–220. –4–

1825 — of शूद्रक's मृच्छकटिक by K. G. मेंहदळे. pp. 367–374. –12–

1826 THE DEFINITION OF POETRY by नारायणशास्त्री खिस्ते *Sb?*

1827 DEMOCRATIC HINDUISM by कृष्णशास्त्री. 1921. cr. pp 72 IXX. *Ot* 2–

1828 THE DESCENT OF MAN by Darwin C. 1877. 15–

ड

1829 DESCRIPTIVE CATALOGUE OF THE संस्कृत Mss. in the Adyar LIBRARY, by F. O Schraoder. Vol. 1—Upanishads. *Ad.* 7–8
The collection described in this volume comprises 1322 MSS distributed among 365 works Devanagari and Engl Roy 8vo. pp xi 315

1830 DESCRIPTIVE LIST OF COPPER-PLATES AND INSCRIPTIONS in the Museum of the Varendra Research society, by नीरदबंधु सन्याल. V-

1831 DIABETES, THESIS for M. D. Examination by G. M मल्लिक. 1910 *Cu* 3–12–

1832 A DICTIONARY OF HINDU ARCHITECTURE by Dr. P. K. आचार्य. *Of* 23–
This is an Encyclopaedia of Hindu Architecture It deals with some three thousand terms relating to architecture, sculpture, and cognate arts

1833 DIPLOMATIC THEORIES OF ANCIENT INDIA and अर्थशास्त्र by कालिदास नाग *Fr* 5–

1834 DISCIPLINE OF CONSEQUENCES in Ancient India by G. L सिंह *Sb* 4

1835 DOCTRINE OF SACRIFICE in the ब्राह्मण by Levi S. *Fr* 15–

1836 DOGMA IN MODERN SOUTHERN BUDDHISM by Wallesser M *Gr* 5–

1837 DOWNFALL OF HINDU INDIA by C V. Vaidya 1926, Vol. 3. 8vo IV, IV, 503. *Gu* 7–8–

ड

1838 DRAMATIC DIVERTISSEMENTS by श्रीनिवास अय्यगार. 1921, cr. pp. III, 200 *Md* 2–

1839 DRAWING OF GEOMETRIC PATTERNS IN SARACENIC Art. *Gi* 4–

1840 DEPARTMENT OF LETTERS, a journal to, see—A journal to the Department of letters.

1841 DICT. OF ANCIENT & MEDIAEVAL INDIA (GEOGRAPHICAL) see – Geographical Dict. of Ancient and Mediaeval India.

1842 *DICT.* ENGL -SANSKRIT FOR STUDENTS. see—no 467.

1843 — ENGL.-SANSKRIT. see—nos. 466, 468

1844 — ENGL.-FRENCH & VICE VERSA, see—no 471.

1845 — ENGL.-GERMAN, see—no. 472.

1846 — ENGL -SPANISH and VICE-VERSA see—no. 473.

1847 — ENGL -SWEDISH and VICE-VERSA, see—no 474

1848 — ENGL -TIBETAN, see—no 470.

1849 — ENGL -MARATHI, see—no 469.

1850 DICT. MARATHI ENGL. see—मराठी Engl Dict.

1851 DICT PALI—ENGL. see—पालि Engl Dict

1852 DICT SANSKRIT-ENGL see—संस्कृत Engl. Dict.

1853 DICT. TELGU-ENGL. see—तेलगु Engl Dict.

द

1854 THE DOCTRINE OF THE UNREALITY of the world, see—An essay on अद्वैत.

1855 DOCTRINES OF THE न्याय, SOME ASPECTS OF THE HISTORY of, see-A History of some aspects of the doctrines of the न्याय.

1856 DELHI MUSEUM, ASTRONOMICAL instruments in, see—Astronomical instruments in Delhi-Museum.

1857 तत्त्वकौमुदी(सांख्य)of वाचस्पती मिश्र. Text and translation by गंगानाथ झा. 8vo pp. XXXII, 114, 2, 8, 82, 2, 2. *Rl* 3–

1859 — (सांख्य) सटीका by कृष्णनाथ-न्यायपञ्चानन. *Sd* 1–8 –

1860 तत्त्वकौस्तुभ by भट्टोजीदीक्षित. *Vλ* –8–

1861 तत्त्वचिन्तामणी (न्याय) A treatise on न्याय (Indian Logic) by गंगेश उपाध्याय with the comments of मथुरानाथ तर्कवागीश, जयदेवमिश्र गदाधरभट्टाचार्य and कृष्णकान्त विद्यावागीश and with the "आख्यातवाद" and the "न्यायवाद" of M. M. रघुनाथ शिरोमणी ed. by M. M. कमलाकान्त तर्कवागीश. (1888 1907). *Bi* 4–8–

The division of this work into Volumes and Parts is somewhat irregular. In the above division Vol 1 contains the first or Pratyaksha Khanda, Vols II and III together contain the second or Anumana Khanda, vol IV contains the third or Upamana Khanda, vols. V and VI [called Part IV. vols. 1 and 2] contain together the fourth or Sabda Khanda.

त

1862 तत्त्वत्रयम् (वेदान्त) विशिष्टाद्वैत. by श्रीलोकाचार्य स्वामी with a comm. of वरवर & भाष्यभाषाप्रकाश. *Ch* 3–

1863 तत्त्वदीपनम् (वेदान्त) A comm. on पञ्चपादिकाविवरण by अखण्डानन्द, ed. by रामशास्त्री तैलंग. *Bn* 12–

1864 तत्त्वदर्शनम् or The Mind-Aspect of Salvation—This might also be entitled: "Mental Equipoise" or द्वन्द्व इति or "The Art of Perceiving Essential Unity beneath the Mask of Seeming. Contrast." *Vt* –6–

1865 तत्त्वनिर्णय (वेदान्त) शैववैष्णववाद: *Su* –4–

1866 तत्त्वनिर्णयप्रसाद (जैन) by द्विजानन्दसूरि. 1902. Roy. pp. 740. *Bo* 4–

1867 तत्त्वचिन्तामणिदीधितिप्रकाश by भवानन्द सिद्धान्तवागीश with तत्त्वचिन्तामणि & दीधिति, ed. by M. M. गुरुचरण तर्कदर्शनतीर्थ. (1910–1922) in progress *Bi* 4–8

1868 तत्त्वप्रकाश (आगम) by श्रीभोजदेव with the comm. तात्पर्यदीपिका of श्रीकुमार. *Tr* 4–

1869 तत्त्वप्रकाशिका, तत्त्वसंग्रह तथा तत्त्वनिर्णय (आगम.) cr 8vo. *Vv* 1–

1870 तत्त्वप्रदीप (ज्योतिष) *Vy* –3–

1871 तत्त्वप्रदीपिका-चित्सुखी-(वेदान्त) श्रीमच्चित्सुखाचार्यमुनिविरचिता, परमहंसप्रत्यग्रूपभगवत्प्रणीतया नयनप्रसादिन्याख्यया सहिता. *N* –3–

त

1872 तत्वबिन्दु,–सर्वतन्त्रस्वतन्त्रश्रीवाचस्पति मिश्रकृत शब्दबोधकारणवारणपर म. म. श्रीगङ्गाधर शास्त्रिणा टिप्पणीनिर्माणपुरस्सरं संशोधित। *Lz* 6–

1873 तत्त्वबोध by श्रीशंकराचार्य with Hindi transl by प्रेमपति शर्मा 1918. cr pp 48, 14

1874 तत्त्वमुक्ताकलाप –(वेदान्त) भाषा सर्वार्थसिद्धान्तानुसारासिद्धान्तिसमग्र रूपणपर प्रकरणत्रय, श्रीवेदान्ताचार्यश्री भिवन श्रित्रिताक्ककसारणा सर्वतन्त्रस्वतन्त्र मिषणेन श्री ६ वड्डटनाथदेशास्त्र प्रणात आरामानुषमतावलम्बनामातीसयुक्तम pp 744 *Lz* 5–10–

1875 तत्त्वमञ्जरी (वेदान्त) by श्रीराघवेन्द्रस्वामि, an excellent and easy comm for the अणुभाष्य of मध्वाचार्य *Mi* 1–

1876 तत्त्वदीप्वर (वेदान्त) निशिष्ट्रित by लाकाचार्य ed by रमानुजदास and तत्वत्रय चुलुकसग्रह *Bn* 1–8–

1877 तत्त्वत्रयचुलुकसंग्रह (वेदान्त) by श्रीवरदगुरु ed by भट्टनाथ *Bn*

1878 तत्त्वसंग्रह (वेदान्त) बुद्धतत्त्वज्ञान A Buddhist philosophical work of the 8th century by शान्तरक्षित a Prof at नालन्द with पञ्जिका टीका by his disciple कमलशील, also a Prof at नालन्द, ed by Pt Embar Krishnamachary with a Foreword by Dr B भट्टाचार्य 2 vols *Go* 24–

1879 तत्त्वसांख्यायनटीका (वेदान्त) by श्रीजयतीर्थस्वामि with the gloss of श्रीसत्यधर्मतीर्थ *Mi* 1–8–

त

1880 तत्त्वज्ञानतरङ्गिणी काव्यबद्ध (जैन) of श्रीज्ञानभूषण *Jb* 1–4–

1881 तत्त्वार्थाधिगमसूत्र A treatise on Essential principles of jainism by श्रीउमास्वामिआचार्य, ed with introd transl notes & comm in Engl by L. जैनि Roy pp xxviii, 210 6–8–

1882 तत्त्वार्थदीप (वेदान्त) श्रीवल्लभाचार्य विरचित, तत्तेव कृतयाप्रकाशाख्यव्याख्यया सहित, गोस्वामि श्रीपितारर्जीमहाराज-कृताऽऽवरणभङ्गारप्रतिलकसमलङ्कृत, (प्रथमद्वितायप्रकरणसपूर्णम) *Kg* 7–8–

1883 तथागतगुह्यक or गुह्यसमाज The earliest and the most authoritative work of the Tantra School of the Buddhists ed by Dr B भट्टाचार्य *Go*

1884 तपतीसंवरणम् (नाटक) by कुलशेखरवर्मा with the commentary of शिवराम *Tr* 22–4–

1885 तरङ्गिणी A khandana of अद्वैतसिद्धि which is a criticism on न्यायमित्र *Mi* 9–

1886 तलवकारउपनिषद् or केनोपनिषद् with the भाष्य of मध्व, विद्यतीर्थटिप्पणी and व्यासतार्थटीका *Mi* 12–

1887 — or जैमिनीयउपनिषद्ब्राह्मण text of सामवेद in देवनागरी character by Dr Caland W *D* 2–8–

1888 —— In Roman characters by Ortel *Ao* 8–

1889 तर्ककौमुदी (न्याय) लौगाक्षिभास्करकृत 1907 8vo pp 20 *N* –2–

1890 —— *Vy* –2–

त

1891 तर्कताण्डव by व्यासराजस्वामि in 9 parts. 2 parts are ready. *Mb* 3-

1892 तर्कपद्यरत्नावली. *Vy* 1-

1893 तर्कभाषा. (वेदान्त) श्रीमत्केशवमिश्र विरचिता, श्रीमद्विश्वकर्मविरचितया न्याय-दीपाख्यटीकयासहिता, प. श्रीसुरेन्द्रलालगा-स्वामिना संस्कृता pp. 180. *Ls* 1-12-

1894 — संस्कृत Text only by N. N. कुलकर्णी, 1924, 8vo. pp. 38 *Oa* -8-

1895 — Engl. transl. by Dr. गंगानाथ झा. 1924. 2nd edn. 8vo. pp. ii, 74. *Oa* 1-4-

1896 —— of केशवमिश्र. An Indian primer of philosophy, transl. from the orig. संस्कृत with an introd. and notes by Tuxen. P. 1914. 3-

1897 — W. गोवर्धनटीका, ed. with an introduction & notes, critical & explanatory by S. M. परांजपे 2nd edn 1917. pp. 6, 5, 113, 86, 2. 2-

1898 तर्कसार: *Mp* -6-

1898*a* — An easy treatise on Tarka Sara. *Mp* -6-

1899 तर्कसंग्रह—(न्याय) न्यायबोधिनी पदकृत्य पाख्यादिप्पणी. *N* -6-

1900 — लघुबोधिनी. *N* -8-

1901 — सिद्धान्तचन्द्रोदयाख्यटीकया सहित: अन्नमट्टविरचितकर्कसंग्रहस्यातिविख्यात टीका: सन्ति। तत्र 'न्यायबोधिनी' 'दीपिका' 'सिद्धान्तचन्द्रोदय' इत्यादय: प्रसिद्धास्तासु न्यायबोधिनी न्यायशास्त्र प्रवि-

त

विष्णुणा पारिभाषिकशब्दप्राचुर्यादतिदुर्बोधा तथैव दीपिकापि दुष्प्रवेशा, सिद्धान्तचन्द्रोदये तु सर्वविषयाणामतिसरलतया व्याख्यान कृतं. अतोऽस्माभि: न्यायशास्त्रं प्रविविक्षूणां जनानामुपकाराय शोधने महान्त प्रयासमास्थाय मुद्रित:। *Gu* -10-

1902 — A work on Philosophy (refutation of वैशेषिक theory of atomic creation) by आनन्दज्ञान or आनन्दगिरि, the famous commentators on the भाष्यs of शंकराचार्य who flourished in the latter half of the 13th century,: ed. by T. M. त्रिपाठी 1917. *Go* 2-

1903 — न्यायबोधिनी, वाक्यवृत्ति: निरुक्ति, पद्मगिराममदिप्पणी, तर्कसंग्रहदीपिका, नीलकण्ठप्रकाशिका, रामरुद्रीया, नृसिंहप्रकाशिका, पट्टाभिरामप्रकाशिका चेत्येतैर्नवभिर्व्याख्यानै:समन्वित:। 1920, 8vo, pp. 2, 436, 5. *Bm* 3-4-

1904 — श्रीअन्नंभट्टप्रणीत:। द्रुविमार-गोवर्धनाचार्यविरचितया न्यायबोधिन्या मनीषिप्रकाण्डचन्द्रजसिंह कृतेन पदकृत्येन, न्यायोपाध्याय प. श्रीढुण्ढिराजशास्त्रि विरचितया विरलयाच सहितम्। *Ch* -6-

1905 — with critical notes &c. by K. C मेहेंदळे. Revised & enlarged with introd. & new comm. by D. G. दवरी 1908, 8vo pp. 2, 82, 122. *Bo* 1-8-

1906 — by Hultzsch E. 4-

1907 — गुमार्थदीपिनीसहित: *Mp* 1-8-

1908 — with दीपिका and न्यायबोधिनी ed with Notes etc. by Y. V. आठल्ये and M. R. बोडस. 2nd edn. *Bp* 3-

त

1909 — न्यायबोधिनीपदकृत्यविरलोपेतः *Kg* -8-

1910 — न्यायबोधिनी व पदकृत्य टीकाऽ मराठी Transl. by N. N. कुलकर्णी 1-8-

1911 — with दीपिका, *in मराठी by* Prof. S. M. पराजपे. 1-8-

1912 — मूल. *Vy* -1-

1913 — न्यायबोधिनी—पदकृत्यटीका-सहित. *Vy* -6-

1914 — लघुबोधिनीटीकासहित *Vy* -8-

1915 तर्कसंग्रहचन्द्रिका—(म. म. श्रीमद्व्रह्मसूत्रतर्कसंग्रहव्याख्या) प. मुकुन्दशर्मकृत. -6-

1916 — दीपीका नीलकण्ठटीका-सहित. *Vy* -12-

1917 तर्कसंग्रहसार Text & *मराठी* transl. ed. & publi. by भावेशास्त्री. 1914, 8vo. pp. 2,2,82. *Ak* 5-

1918 तर्कसंग्रहसर्वस्वम् by कृष्णविट्ठ श्रीरामशार्मा. 1924 cr. pp. 4,2,III 42, 10. 2-

1919 ताजिकनीलकंठी (ज्योतिष) सटीक. *N* 1-

1920 — श्रीनीलकण्ठदैवज्ञविरचिता श्रीविश्वनाथदैवज्ञविरचितसोदाहरणसहृत टीका विभूषिता प. श्रीसीतारामशास्त्रिरचित गणितविषयापपत्ति सहिता। *Ch* 1-4-

1921 — विश्वविख्यातदैवज्ञविश्वनाथकृत-सोदाहरणसंस्कृतटीकासहिता, तथा ज्यो. आ. प. श्रीसीतारामशर्मकृतगणितविषयोपपत्त्यादिटिप्पणीसमलंकृता, *Gb* 1-8-

1922 — संस्कृतटीका तथा पूर्वोक्तसर्वालंकारविभूषिता. *Vy* 1-6-

त

1923 — नीलकण्ठाचार्यविरचित विश्वनाथदैवज्ञकृतसंस्कृतटीकासहिता। तन्त्रप्रात्मका. *Vy* 1-6

1924 TANTRIK ORDER WITH SEVERAL SEXUAL ILLUSTS. *Mf* 10-

1925 तत्त्वार्थचन्द्रिका by व्यासराज स्वामि. An explanatory gloss on तत्त्वप्रकाशिका though a commentary it is in itself a keen argumentative—The *masterpiece of व्यासराजस्वामि*, with the gloss of राघवेंद्र स्वामि, only two भाग्यs. *Mv* 18-

1926 तार्किकरक्षा श्रीवरदराजकृता, कोलाचल मल्लिनाथसूरिविरचितव्याटीकयासहिता। 8vo. pp. 432. *Lz* 3-3-

1927 तारातन्त्र text in नागरी character, ed. by प. गिरिशचन्द्र वेदान्ततीर्थ with an Engl. introd. by अक्षयकुमार मित्र. *Vr* -8-

1928 ताराशशांक (काव्य) श्रीकृष्ण कविप्रणीत *Km4* 1-

1929 तालमान or Iconometry by T. A. गोपिनाथराव *Gi* 4-8-

1930 तिङन्तार्णवतरणिः (व्याकरण) *Vj* 10-

1931 तिथिनिर्णय (धर्म) *Vy* -2-

1931*a* तिलकमञ्जरी (काव्य) धनपालकृत जैनआख्यायिका. *N* 2-8-

1932 तिलकमञ्जरीसंग्रह by कृष्णमाचार्य. 1909, cr. pp. 60. *V*, -3-

1933 TIBETAN PRIMER (NO 2) by Lama Wargden, edited by S C. विद्याभूषण. 1902, 8vo. pp. 53. *Cc* -8-

त

1934 — (No 3 & 4) by Lama U Gya-tsho 1923 3rd edn cr pp. 54. 2-

1935 TIBETAN TALES, DERIVED FROM INDIAN SOURCES. 8vo *Kp* 9-6-

Translated from the Tibetan of the 'Kahgyur by F A von Schiefner, and from German into English by W R S Ralston New edition with a Preface by C A F Rhys Davids

1936 TIBETAN MYSTERY (three) PLAYS AS PERFORMED IN THE TIBETAN MONASTERIES cr 8vo. *Kp* 5-12-

Transl from the French by Jacques Bacot (with an Introduction Notes and Index) and into English by H I Woolf with numerous illustrations from native Images by A Golob w

1937 तीर्थकल्प by जिनप्रभसूरि, ed by D R भण्डारकर & केदारनाथ साहित्यभूषण,(1923) *Ri* -12-

1938 तीर्थचिन्तामणि A treatise on स्मृति by वाचस्पति मिश्र, ed by कमलकृष्ण स्मृतितीर्थ 1912 *Bi* 3-12-

1939 तीर्थमाला भरतखण्डान्तर्गत तीर्थानां संक्षिप्त वर्णन -6-

1940 तुलसीकथचरित्र तुलसीस्तव तुलसीस्तोत्र, रामाकरक तथा भैरव *Vy* -2-

1941 तुलसीकृत रामायण (रावणवध) मू. *Vy* 8-

1942 — — *Vy* 7-

1943 — — *Vy* 3-

त

1944 — — *Vy* 2-

1945 — — *Vy* 1-12-

1946 — — *Vy* 1-4-

1947 तुलसीविवाहविधिपद्धति (कर्म) चतुर्थीलालजीकृत *Vy* -3-

1948 तुरीयमीमांसा, (वेदान्त) सत्प्रज्ञाचार्य-सर्वतन्त्रस्वतन्त्रपण्डितस्वामिरामभिक्षुशास्त्रिप्रणीता । अस्या किल ब्राह्मणादिद्विजातीनां सर्वेषामपि सन्यासग्रहणाधिकारं शास्त्रतो युक्त्याच ग्रन्थकर्तृतीव परिश्रमेण प्रतिपादितं । इयं च तुरीयमीमांसा द्विरुक्तिरेकमात्रस्यार्थेऽपि... *L* 1-8-

1949 TELUGU ENGL DICT by Philip C. Brown 1852 40-

1950 तैत्तिरीयारण्यकम्, सायनभाष्यसहितम् Pt I & II *Aa* 9-1-

1951 तैत्तिरीयोपनिषद् । शांकरभाष्यभेता, आनन्दगिरिटीकायुता शंकरानन्दकृता दीपिका च । *Aa* 1-12-

1952 — श्रीमच्छङ्करभगवत्पादकृतभाष्यानन्दगिरिकृतटीकायुता तैत्तिरीयविद्याप्रकाश च सहिता । ed by D. V. गोखले, *Gu* 1-

1953 — with the भाष्य of मध्वाचार्य and the gloss of श्रीनिवासतीर्थ and व्यासतीर्थ *Mi* 2-8-

1954 — containing (शिक्षा, आनन्द, भृगु) with शांकर transl by माधवाचार्य, *Ak* 1-

1955 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्य of शंकराचार्य with the commentary called वनमाला by अच्युत कृष्णानन्दतीर्थ Roy 8vo pp 86-270 Cloth *Vi* 4-

1956 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिकम् । सुरेश्वराचार्यकृत सटीकम् । *Aa* 2-2-

त

1957 — Text, in देवनागरी character Transl. & शंकर's Commentary, etc. by Pt. A. महादेवशास्त्री *Ad* 5–

1958 — Text and Translation by स्वामी शर्वानन्द *Ad* –14–

1959 तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्य *Vt* 1–

1960 ——— *Vv* 2–

1962 तैत्तिरीय, ऐतरेय, & श्वेताश्वतरोपनिषद्: Translated by G. R. S. Mead and J. C. चट्टोपाध्याय. *Ad* –8–

1963 तैत्तिरीयब्राह्मणम् । कृष्णयजुर्वेदीय-सायणाचार्यविरचितभाष्यसमेतम् । Vols. 1 to 3. *Aa* 4–8–

1964 — with the comm. of भट्टभास्कर with स्वरपाठ अष्टकs. I, II, III, with parts I & II. *Bs* 12–12–

1965 तैत्तिरीयप्रातिशाख्य Text Transl. and Notes with its comm the त्रिरत्नभाष्य by W. D. Whitney. 1868. (J.A.O.S.) 36–9–

1966 तैत्तिरीयसंहिता (कृष्ण यजुर्वेदीय) Transl. into Engl. by A. B. Kieth in 2 Vols. 36–9–

1967 — (पद) सपदपाठा, सायणाचार्यविरचितभाष्यसमेता । Vols. 1 to 9 *Aa* 48–10–

1968 तन्त्र THE PRINCIPLES OF, by शिवचन्द्र विद्यार्णव भट्टाचार्य महोदय, Pt. I, & II by बरदकान्त भट्टाचार्य with an introd. by Arthur Avalon. *Tt* 20–

1969 TANTRA OF THE GREAT LIBERATION (महानिर्वाण तन्त्र) A Transl from the संस्कृत with Introduction and Comm. by Arthur Avalon. *Tt* 8–

त

1970 तन्त्ररहस्यम् A work on the प्रभाकर school of पूर्वमीमांसा by रामानुजाचार्य ed. by Dr. R. शामाशास्त्री. 1923. cr. pp. *Go* 1–8–

1971 तन्त्रराज (*Kalimata*) Ed. by लक्ष्मणशास्त्रि द्रविड with full Summary in Engl. by Arthur Avalon Pt. I. *Tt* 3–

1972 तन्त्रवटधानिका by अभिनवगुप्त, Bound in one. *Km* 1–4

(1) Tells how liberation from worldly trammels is obtained through the right realisation of the Highest Self (2) gives instructions with regard to the awakening of the serpent force and its passage through various life centres in the body. (3) is a brief resume of the *Tantraloka* by the author himself

1973 तन्त्रवार्तिकम् (मीमांसा) by भट्ट कुमारिल. A gloss on शाबरभाष्य on the मीमांसा Sutras from the 2nd. पाद of the 1st अध्याय upto 8th पाद of the 3rd. अध्याय, ed by पं. धुण्डिराजशास्त्र धर्माधिकारि and म. म. प. गंगाधरशास्त्री. *Bn*

1974 — A commentary of Sabara's Bhasya on the पूर्वमीमांसा Sutras of जैमिनि Translated into English by M. M. गंगानाथ झा (1903-1914). *Bi* 25–

1975 तन्त्रशुद्धम् (तन्त्र) by भट्टारक वेदोत्तम. *Tr* –4–

1976 तन्त्रसार Epitome of the voluminous तन्त्रालोक by अभिनवगुप्त with preface in Engl. *Km* 2–8–

1977 तन्त्रसमुच्चय. (तन्त्र) by नारायण with the comm. विमर्शिनी of

त

श्रीशंकर Part I and II each containing पटल्s 1 to 6 & 7 to 12 respectively. *Tr* 6-12-

1978 तन्त्राभिधान *with* बीजनिघण्टु *and* मुद्रानिघण्टु. A Tantrik Dictionary, ed. by तारानाथ विद्यारत्न with an Introd. in Engl. by Arthur Avalon, vol. I. *Tt* 2-

1979 तन्त्रालोक. Vols.1-8 *Km* 30-

1980 तृतीयासुबोधपाठावली. The third course of easy sanskrit readings, with Grammatical exercises in संस्कृत at the foot of each lesson, collated from Various sources by M.P. ओक. 1928, 5th edn. crown. 16 mo. *Ga* -6-

1981 त्रयोदशगुच्छ (दिगंबर जैन): *N* 1-

1982 त्रिकालसंध्या (कर्म) ऋग्वेदियां. *N* -2-

1983 — हिरण्यकेशीया. (आपस्तंबीया). *N* -1-

1984 — यजुर्वेदीया. -1-

1985 त्रिकाण्डमण्डन or आपस्तंबसूत्रध्वनितार्थकारिका by त्रिकाण्डमण्डन भास्कर मिश्र, a son of कोशिकुदुर सूनार कुमारस्वामि, a सोमयाजी being an exposition of the आपस्तंब Aphorisms of आपस्तंब with an anonymous commentry, ed. by म. म चन्द्रकान्त तर्कालंकार महाचार्य. 1903. Fasc 1-3 *Bi* 2-4-

1986 त्रिकाण्डशेष (कोश) सारार्थचन्द्रिका नामकसंस्कृतटीकयासहित. *Vy* 3-

1987 त्रिकोणमिति संज्ञे बोधनम्मा सर्वप्रणाम. *Ky* 2-

त

1988 त्रिपुरमहिमास्तोत्र नित्यानन्द विरचितव्याख्यासहित. *Km11* 1-

1989 — दुर्वासकृत *Km11* 1-

1990 त्रिपुररहस्यम् (ज्ञानकाण्ड) ed. with Introd. by गोपिनाथ कविराज, Pt. I, 8vo. pp. 2, 80, Pt. II. 8vo. pp. 232, 2, 2, 2, 1, 1925. *Sb*

1991 — महात्म्यखण्डम् *Ch*

1992 त्रिपुरसुन्दरीमानसिकोपचारपूजास्तोत्र श्रीशंकराचार्यविरचित. *Km 8* 1-

1993 — मानसपूजास्तोत्र श्रीशामराज दीक्षितविरचित. *Km 9* 1-

1994 त्रिविधनामावली. *Vt* 1-4-

1995 त्रिवेणिका by आशाधरभट्ट, ed. with introd. by B. N. शर्मा & G. N कविराज. 1922, 8vo.pp. 13, 29, 2. *Sb* -14-

1996 त्रिषष्टिश्लोकपुरुषचरित—(जैन) of the great जैनाचार्य श्रीहेमचन्द्र. It contains the history of 63 eminent persons transl. into Engl, with an historical introd. by Prof. B. दास जैन. Vol. I. 4-8-

1997 त्रिसुपर्ण (वेद) *N* -1-

1998 त्रिस्थलीसेतुः (धर्म) नारायणभट्टविरचितः। *Aa* 3-12-

1999 त्रिभुवनसिंहकुमारचरित्र (जैन) गद्य. *Jb* 1-4-

2000 त्रैलोक्यमोहनकवच (स्तोत्र) सटीक *N* -2-

2001 त्रैवेद्यगोष्ठी गद्य, (जैन) of मुनिसुन्दरसूरि. *Jb* 1-8-

2002 तक्षशिला, The excavations, at, see—Excavations at तक्षशिला.

2003 तिबेट, THE RELIGION of, see—The Religion of तिबेट.

त

2004 TIBETAN LANGUAGE, A GRAMMAR of, see—A Grammar of the Tibetan Language

2005 तुकाराम, A COMPLETE collection of poems, see—A Complete collection of the poems of तुकाराम.

2006 TURKEY LANGUAGE, A SKETCH of, see—A sketch of the Turky Language

2007 तिचनापल्ली, A SHORT HISTORY of, see—A short History of तिचनापल्ली.

2008 THE THEORY OF ADOPTION, by प. दुर्वगुल श्रीरामशास्त्री. 1909 8vo, pp. 59. *Cu* 3-12-

It discusses the Origin & Merits of the theory of adoption in a Hindu family

2009 — OF GOVERNMENT IN ANCIENT India (Postvedic) by बेणिप्रसाद with a foreword by Prof. A. B Keith 8-8-

2010 — of INDIAN MUSIC AS EXPOUNDED by सोमनाथ ed by K B. देवल, publ from the separate print of संस्कृत by प L. कुतकोटी 1916 Research Vol. I no. 3&4, 8vo. pp. 241-308. *Oo* -8-

2011 THE THEORY OF SOVEREIGNTY, by शशांक जीवन रे 8vo pp 360. *Cu* 10-

The work is the thesis by the author for the Degree of Doctor of Law The author has sought to formulate a correct theory of Law

थ

by critically analysing the conception of Sovereignty and investigating the entire history of the theory of Sovereignty. The work has been *divided into three books* Book I deals with the Origin of Law and the State, ' Book II treats of the Manifestation of Sovereign Power *in the Different Systems of Polity* and Book III presents a Critical Exposition of Sovereignty

2012 THEISM IN ANCIENT INDIA, by गोपिनाथ कविराज. *Sb* 3-

2013 — IN MEDIEVAL INDIA. (Hibbert Lectures) by Estlin Carpenter. 1919 pp. XII, 552. 15-

2014 THREE GREAT ACHARYAS, शंकर, रामानुज and मध्व. Their life, Times and Philsophy cr. pp. 344 *Nt* 2-

2015 THREE DIALOGUES BETWEEN HYLAS AND PHILONOUS by Berkeley G. 1916. 2-

2016 THESIS OR TARMINALIA ARJUNA by लाल मोहन घासल. 1909. 8vo pp. 7 *Cu* -12-

2017 THIRD संस्कृत COURSE FOR MATRIC—STUDENTS by M S. गोळे. 1912. Revised. 3rd edn cr. pp *ii*, 112. *Bo* -8-

2018 THIRTY MINER उपनिषदाः। (1 अध्यात्म, 2 अमृतनाद, 3 अमृतबिन्दु, 4 आत्मबोध, 5 कलिसंतरण, 6 कैवल्य, 7 गर्भ, 8 तारसार, 9 तेजोबिन्दु, 10 ध्यानबिन्दु, 11 नादबिन्दु, 12 नारदपरिव्राजक, 13 नारायण, 14 निरालम्ब, 15 पैङ्गल, 16 ब्रह्म, 17 भिक्षुक, 18 मण्डल-

थ

माण्डूक, 19 मुक्तिक, 20 मैत्रेय, 21 योगकुण्डली, 22 योगतत्त्व, 23 शाण्डिल्य, 24 शारीरक, 25 सर्वसूचि, 26 वराह, 27 स्कन्द, 28 सर्वसार, 29 सुबल & 30 हंस.) Transl. into Engl. by नारायण स्वामि अय्यर. *Ad* 3-8-

2019 THOUGHTS FROM THE वेदान्त. A popular presentation by R. कृष्णस्वामि अय्यर. Crown 8vo. xix 181. Vv 1-8-

2020 THOUGHTS ON INDIA, by a Brahmin, 1881. 8vo. pp. IV, 344, 4. *Bn* 3-

2021 THOUGHTS AND GLIMPSES by अरविन्द घोष. cr. pp. 21. *Cc* -8-

2022 THEATRE OF THE HINDUS, SELECT SPECIMENS of, see—select specimens of the theatre of the Hindus.

2023 THEOSOPHY, THE PURPOSE of, see—The Purpose of Theosophy.

2024 THIRD ORIENTL CONFERENCE, the proceedings of, see—The proceedings of the third oriental conference.

2025 दत्तकमीमांसा (धर्म) पत्रवाक्यप्रमाणपारावारपारीण धर्माधिकारीनन्द पण्डितविरचिता. *Ch* -8-

2026 दत्तकचन्द्रिका (धर्म) (पद्धतिसहिता). ed. by कान्तिमोहन काव्यतीर्थ. *Sd* -8-

2027 — दत्तकमीमांसा (पद्धति)

2028 — शिरोमणीकृतसटीका व ed. by महेश्वर भट्टाचार्य. *Sd* 1-12-

द

2029 दत्तकारुण्यलहरी (स्तोत्र) मूल. *Vy* -11-

2030 दत्तदासतत्त्वोक्तिसंग्रह by T. G. काळे and publ. by V. G. विजापूरकर 8vo. pp. 125. 1-

2031 दत्तात्रयसहस्रनामावलि. *N* -4-

2032 दयाशतकम् (स्तोत्र) by श्रीधर व्यंकटेशारया. *Md* -3-

2033 दयानन्दजीवनचरित्रसमालोचन. *Vy* -12-

2034 दर्पदलनम् (काव्य) क्षेमेन्द्रकृत. *Km 6* 1-

2035 दर्शनशुद्धि सटीक (जैन) of चन्द्रप्रभसूरि with the comm. of देवप्रभसूरि. *Jb* 6-

2036 दर्शपूर्णमासप्रकाशः(कर्म)सरस्वतिभूषण किञ्जवडेकरोपाह्ववामनशास्त्रिभिः कृतः। धूर्तस्वामिभाष्यरामाण्डारवृत्तिभद्दत्तप्रणीतसूत्रदीपिकासमेतः। *Aa* 6-12-

2037 दर्शनमाला containing (1 चार्वाक 2 जैन. 3 जैमिनि-पाणि, 4 तर्कसंग्रह, 5 पूर्णप्रज्ञ, 6 बौद्ध, 7 माहेश्वर, 8 रामानुज, & 9 वल्लभ) ed. & transl. into मराठी by बापटशास्त्री.pp.3610, 2edn. 3-4-

2038 दशकर्मपद्धति (कर्म) *Vy* -9-

2039 दशकुमारचरित—दण्डीकृत, पूर्वपीठिका, कवीन्द्रसरस्वतीकृत पदचन्द्रिका टीका, शिवरामकृत भूषणाटीका, लघुदीपिका टीका (दशकुमारचरित) व पदचन्द्रिका टीका (पूर्वपीठिकासह). *N* 1-12-

2040 — (काव्य) of दण्डिन Closely Transl. into Engl. by M. R काळे and V R नेरूरकर *Gn* 2-4-

2041 — Part II, by Dr. Peterson, reedited with Notes in one Volume, by G. J. आगाशे. *Bp* 4-6-

द

2042 — ed. with different Readings and glossory of difficult words & phrases and a comprehensive lucid comm. in संस्कृत by G. K. अभेड्कर. 1895. 8vo. pp. 78, 11 *Bo* -12-

2043 — ed. with संस्कृत comm. बालबोधिनी by S. D. गजेन्द्रगडकर notes, Introd and Appendices by A. B. गजेन्द्रगडकर. 8vo. pp. VIII, 166, 136 उच्छ्वास I & II. 3-8-

2044 — संस्कृत टीका तथा टिप्पणीसह. *Vy* 1-8

2045 — (सटीक) ed. by गुरुनाथ काव्यतीर्थ. सर्ग 1 & 2 *Sd* 1-14-

2046 — ed by रेवतीकान्त भट्टाचार्य. सर्ग 1 & 2. *Sd* 1-4-

2047 — ed by हरिदास सिद्धान्तवागीश. सर्ग 1 & 2. *Sl* 1-4-

2048 — ed by हरिपद चट्टोपाध्याय सर्ग 1 & 2. *Sd* 1-8-

2049 दशरूपकम्—The book is an able and authoritative essay on Hindu Theatre by the poet दण्डिन् It contains a commentary called अवलोक by धनंजय and a commentary called प्रभास्य by प सुदर्शनाचार्य Roy. 12 mo *Gu* 1-

2050 THE DASARUPA, a Treatise on Hindu Dramaturgy by Dhananjaya, edited and translated by G. C. O. Haas. 1912. pp 440. *Of* 11-4-

2051 दशमस्कन्ध (पुराण) अन्वितार्थ प्रकाशिकाव्याख्यासह. 5-

द

2052 दशवैकालिकसूत्रसटीक (जैन) of शय्यंभवाचार्य with the comm. of समयसुंदर उपाध्यायजी. *Jb* 6-

2053 दशश्लोकी (वेदान्त) by निंबार्काचार्य with a comm. called लघुमञ्जूषा by गिरिधर प्रपन्न. *Ch* 4-8-

2054 दशावतारचरित (काव्य) श्रीक्षेमेन्द्रकृत. *N*

2055 दशोपनिषद्—(1 ईश, 2 ऐतरेय 3 कठ, 4 केन, 5 छान्दोग्य, 6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 बृहदारण्यक, 9 मुण्ड, & 10 माण्डूक्य.) with the भाष्य of मध्वाचार्य and टीका & glosses of various authors *Mv* 34-8-

2056 — (1 ईश. 2 ऐतरेय, 3 कठ, 4 केन, 5 कौषीतकी, 6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 मुण्ड, 9 मुण्डक, & 10 श्वेताश्वेतर) ed with संस्कृत Text, Annotations and transl. by सीतानाथ तत्त्वभूषण. *Ad* 3-

2057 — स्वामि श्री १०८ भास्करानन्द विरचितभाष्यसहिता *Kg* 4-

2058 — ईश ०६, केन ०८, काठक ०१२, प्रश्न ०१०, मुण्डक०८, गौडपादीय कारिकासह माण्डूक्य २॥ रु तैत्तिरीय १॥ ऐतरेय १॥, छान्दोग्य ४॥, बृहदारण्यक ७॥, या दहा उपनिषदांचा—मूळ श्रुति, अर्थ, शांकरभाष्य व त्याचा सरळ स्पष्टीकरणासह अर्थ, यांसह—सेट एकदम घेणारास २० रु *Ak* 250-

2059 दहरविद्याप्रकाशिका श्रीमत्सदाशिवब्रह्मेन्द्रगुरुपरमशिवेन्द्रसरस्वतीप्रणीता। अन्तीव सरल्या इदयंगमया सरण्या दहरतत्त्वं विवेचयति। अस्मिन् ग्रन्थे हृत्पुण्डरीक परब्रह्मस्यैव उपास्यत्वं सिद्धान्तितम्। इतरेषां देवानां तदुपासकत्वं च व्यवस्थापितम्। ed.

द

and published by चन्द्रशेखरशास्त्री. 1925.cr. pp. 2, 84. *Md* 2-8-

2060 दाठावंसो—or A history of the tooth relic of the Buddha—Pali text ed. and transl. into Engl. by Dr. Bimala Charan Law. The history of Ceylon would be incomplete without the Dathwamsa. 8vo. pp. 4,66, 2, 2. *Ps* 4-

2061 दानचन्द्रिका (धर्म) मूल. *Vy* -10-

2062 दानप्रकाशश्लोकबद्ध—(जैन) of कनककुशलगणी. *Jb* 1-6-

2063 दानमयूख is an exposition of the doctrines of charity, gifts, religious & otherewise prevalent among the Hindus. ed. by V. R. लेले 1924. 8vo. pp. 3, 300. *Gu* 1-

2064 — (धर्म). *Ky* 1-8-

2065 दानलीला (काव्य). *Km3* 1-

2066 दानसमह (धर्म) मूल. *Vy* 2-8-

2067 दामकप्रहसनम् (An old Play in one Act) Ed. with text and transl. by Pt. V. व्यंकटरामशर्मा. 1916, 8vo, pp. 2, 56. -6-

"In matters of diction phraseology and plain, it bears a companionship to the 13 works of so-called Bhasa and to Bhagavadajjuka, Mattavilas Prahasna and Kalyansaugandhika It is called as the 14th play of Bhasa"

2068 दिङ्मीमांसा (मीमांसा) महामहिम-साम्प्रदायिक म. म. सुधाकरद्विवेदीविरचिता। अस्यां मीमांसायां न्यायेन, दिगुणने कथं भवतीत्येतत्प्रतिपादनं समीचीनतया कृतमस्ति, ज्योतिर्विदामस्यमेव भाद्यौग्या वर्तते। pp. 54. *Lz* -10-

2069 दिव्यसूरिचरितम्—गरुडवाहनपण्डितकृतम्। 2nd edn. *Vz*

2070 दीनाक्रंदनस्तोत्र, लोहकृ निर्मित. *Km 7* 1-

2071 दीपवंश AN ANCIENT BUDDHIST HISTORICAL RECORD. by Oldenberg. H. 1879. 16-12-

2072 दीपवंश and महावंश. Text ed. in Roman character by Geiger W. *Gr* 10-

2073 दीर्घवृत्तलक्षण (ज्योतिष) पं. सुधाकर द्विवेदिकृत. *Vy* -8-

2074 दु(डु)पटीका (मीमांसा) by भट्ट कुमारिल. A gloss on the शाबरभाष्य मीमांसा from 4 th to 12 th अध्याय. ed. by म. म. पं. गंगाधरशास्त्री. *Bn* 6-

2075 दुर्गासप्तशती, दुर्गाप्रदीप गुप्तवती, चतुर्धरी, शान्तनवी, नागोजीभट्टी, जगच्चन्द्रिका तथा दशोद्धार टीकासहित *Vy* 4-

2076 — शान्तनवीटीका, सटीकाङ्गषट्क.तथा सभाष्य वैदीमूक राप्रीमुक सहिता. *Vy* 1-12-

2077 — नागोजिभट्ट कृत संस्कृत टीकासहित. *Vy* 1-4-

2078 — (मन्त्र) संपूर्ण सचित्र, *Vy* 2-

2079 ——— *Vy* 1-10-

2080 दुर्गोपासनाकल्पद्रुम (बृहज्ज्योतिषान्तर्गत) by पं. हरिकृष्ण. *Vy* 5-

2081 दुर्घटवृत्ति (व्याकरण) *Vy* 2-

2082 दूतवाक्य (नाटक) of भास ed. by गणपति शास्त्री with his own commentary. *Tr* -8-

द

2083 दूताङ्गदछाया (नाटक) श्रीसुभट-कविविरचित N -3-

2084 दूतिकर्मप्रकाश, पढरी विठ्ठलकृत. Km 13 1-

2085 देवरामकथासार (काव्य)—राजा-नकभट्टाह्लादकृत. N -6-

2086 देवऋषिपितृतर्पण (कर्म) Vy -1-

2087 देवकोश, अमरकोश Lz 4-

2088 देवीपञ्चस्तवी (स्तोत्र) कालिदासकृत. Vi -2-

2089 देवीपुराण with देवीभागवत. Gu 2-

2090 देवीभागवत Complete transl by स्वामि विज्ञानानन्द & publ by S N वसु Roy. pp 1192, Po 23-

2091 देवीशतकस्तोत्रम् by आनन्दवर्धन with the comm of कय्यट Km8 1-

2092 देवीसहस्रनामावली Vy -3-

2093 देवी रग ed by P C Roy, cr pp 72 C 1-8-

2094 देशोपदेश or नर्ममाला by क्षमेन्द्र Bound in one Km 1-8-

Delineate a vivid picture of the moral and political evils rampant in the day of the author and thus given short glimpse into the history of Kashmir in the medieval ages With preface and introd in Engl

2095 देवात्पग्राममहात्म्य (पुराण) मूर ब्रह्मपुराणान्तर्गत Vy 1-8-

2096 दैवम् (व्याकरण) by देव with पुरुषकार of कृष्णलीला शुकमुनि Tr 1-

2097 दैवज्ञकामधेनु —(A Treatise on Astrology) By the very venerable अनवमदर्शी सङ्घराज महास्थविर of the Hastavanguliya Parivena, Ceylon Ed by the Very Rev C. A. शीलस्कन्ध स्थविर of the "शैलबिम्बाराम" Vihar Dodanduwa, Ceylon and शीतारामशास्त्री उपाध्याय. Bn 4-8-

2098 दोलोत्सवदीपिका(सगीत) Vy -4-

2099 द्यूतविधि see—अथर्ववेद

2100 दृष्टान्तमञ्जूषा (नीति) Vy 1-4-

2101 दृष्टान्तरत्नावली पद्य (जैन) of अरिमल्ल, 2nd edn Jb 1-2-

2102 दृश्यत्वानुमाननिरासवाद —(वेदिक) माध्वकारणताविद I Su -4-

2103 द्रव्यगुणसंग्रह (वैद्यक) द्रव्यगुणसंग्रह व्याख्यासहित N 1-12

2104 — शिवदासकृत व्याख्या Mt -12-

2105 द्रव्यसग्रहवृत्ति & द्रव्यसग्रह (जैन) by नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ति with comments by ब्रह्मदेव ed with Introd transl notes and orig comm in Engl by S G घोषाल Roy pp 123, 103, LXXXIII 78-

2106 DRAVIDIAN INDIA by Prof. T R Aiyangar 4-

2107 THE DRAVIDIAN ELEMENT IN INDIAN CULTURE by Ben Slater G 1914 10-8-

2108 द्राह्यायणगृह्यसूत्रवृत्ति I (सूत्र) रुद्रस्कन्दप्रणीता I Aa 1-

2109 द्रौपदीपरिणय (नाटक) चक्रकविकृत

2110 द्रौ पदीस्वयंवरा (ना...

2111 द्युचरचार (ज्यो... सुधाकर द्विवेदीकृत. Vy -8-

द

2112 द्वयाश्रयकाव्य of हेमचन्द्र by Prof. A. V. काथवटे. Vol. I, (Cantos I—X). *Bp* 9–

2112*a* — with the commentary of अभयतिलक by Prof. A. V. काथवटे, Vol. II, (Cantos XI—XX). *Bp* 9–

2113 द्वात्रिंशत्पुत्तलिकासिंहासनम् or A life of विक्रम by जीवानन्द with comm. अभिनव by श्रीआशुतोष विद्याभूषण. 1916. 8vo pp. 255. *Cc* 2–

2114 द्वादशमहावाक्यविवरणम् *Vy* –4–

2115 द्वारकामहात्म्य.मूल, स्कन्धपुराणान्तर्गत. *Vy* 1–4–

2116 — मूल, गर्गसंहितांतर्गत *Vy* 5–

2117 द्वादशलिंगतोभद्र (कर्म) रंगीत. *Vy* –1–

2118 द्विरूपकोशः—श्रीहर्षदेवकृतो लघुनिघण्टुः। 2nd edn. *Vz* 1–4–

2119 द्वितीयासुबोधपाठावली. Second course of easy sanskrit readings collated by M. P. ओक from various sources. 1928, 6th edn. crown 16 mo pp.40 *Oa* –4–

2120 द्विसंधानम् of धनंजय ed with comm. of बदरीनाथ by प. शिवदत्त, & K.P परब 1895.8vo. 16 *N* 1–8–

2121 धनंजयविजय (काव्य) काञ्चनाचार्यविरचित. *N* –3–

2122 धनदत्तचरित्र गद्य. (जैन) of भारचन्द्रसूरि. *Jb* –11–

2123 धनिष्ठापञ्चकशांति. *Vy* –3–

2124 धनुर्वेदाध्याय: by हरिकृष्ण.*Vy* –4–

2125 धनुर्मासाध्याय: by हरिकृष्ण. *Vy*–3–

ध

2126 धनुर्वेदसंहिता (ज्योतिष) महर्षि वसिष्ठमुनिप्रणीता. *Vy* –10–

2127 ——— *Sd* 1–8–

2128 धन्वन्तरीयनिघण्टु (वैद्यक) *Aa* 6–4–

2129 धम्मपद Text, Engl. Transl. notes & Introd. 1923. cr. pp. XXXVI, 115. *Oa* 2–

2130 धम्मपद Original Text, transl. into गुजराथी with Introd notes etc. by प्रो. धर्मानन्द कोसाम्बी. 1914. cr. pp. 156. 1–

2131 धम्मसंगनि by Mrs. Rhys Davids. 1923. 2nd edn. *Ra* 18–12–

2132 DHAMMA & BRAHMAN (German) by Geiger W. 2–

2133 धम्मपद & सुत्त-निपात, Engl. transl. from the Pali. by F. Max Muller and V. Fausboll. *Of* 8–

2134 (धर्मकल्पद्रुम) सत्यार्थविवेक. An explanation of sanatan dharma as the basis of all religion and Philosophy in Hindi ed. and publ. by स्वामि दिव्यानन्द. Vol. I & VI Roy. pp. IVI, 6, 1155. 1–

2135 धर्मदत्तकथा (जैन) *Jb* 1–4–

2136 धर्मनिर्णय (धर्म) वर्णाश्रमप्रतिपादन. *Vy* –6–

2137 धर्मप्रदीप. (धर्म) द्वादशमासान्तर्गत तिथींची सप्रमाण निर्णय. *Vy* 7–8–

2138 धर्मप्रदीपोक्तपिष्टपशुनिराकरणखण्डनम्. A booklet establishing that the annimal to be

ध

killed on sacrificial occasions, was originally intended to be made of floor by H. R. पुरोहित. 1923. foolscap, 8vo, Vt -1-

2139 धर्मप्रचारसोपान. Hindi translation. cr. pp. 84. Kg -3-

2140 धर्मरत्नकरण्डक सटीक (जैन) of वर्धमानसूरि. Pt. I & II. Jb. each 7-8-

2141 धर्मरत्नमञ्जूषा गद्य (जैन) of देवविजयगणी Pt. I, II, & II Jb 10-

2142 धर्मराजकालखा (धर्म) Vy -11-

2143 धर्मविजयम् (नाटक) श्रीभूदेवशुक्लविरचितम् च्छायासमेतम्. Vy -8-

2144 धर्मशर्माभ्युदय (काव्य) महाकविश्रीहरिचन्द्रविरचित. सर्ग 21. N 1-

2145 धर्मशास्त्रसंग्रहः (धर्म) साधुचरणप्रसादजी संग्रहीत नरपञ्चाशत स्मृतीनासारः Vy 10-

2146 धर्मशिक्षणाचाओनामा. In मराठी by श्रीराम, publ. by क. रि. वझे. cr. pp 79. -12-

2146a धर्मशिक्षणमाला संस्कृत with मराठी transl. by S. चित्रावशास्त्री. 1926. pp. 2, 16. -2-

2147 धर्मसखापुस्तकमाला (धर्म) हनुमानशर्मानिर्मित. 1 स्नानविधि. 2 भोजनविधि. -4-

2148 धर्मसंगति (संगीत) राधाकृष्णजीमिश्र संग्रहीत. Vy -4-

2149 धर्मसिन्धु (धर्म) मूल Vy 5-

2150 धर्म & Life by K. सुंदरम अय्यर. Pt. I & II. Vy 4-

ध

2151 धर्मामृतम् or न्यायसेन vol. II. Bt

2152 धर्मानुबन्धिश्लोकचतुर्दशी. 8vo. pp 5, 45. Pp 1-

2153 धर्माकूतम् A series of dissertations on the रामायण of वाल्मिकी by त्र्यम्बकराय मखि who flourished in the 17th century at the Court of King एकोजी of Tanjore. Published in parts of 200 pages each. Royal 8vo. Vp each. 1-

2154 — त्र्यम्बकराय दीक्षितकृत. Pt. I & II. Vp 1-

2155 धातुकाव्य सटीक वासुदेवकविविरचित. Km10 1-

2156 धातुपाठः (व्याकरण) पाणिनिमुनिप्रणीतः (with foot-notes) Vd -6-

2157 — सटिप्पण पं. श्रीकनकलाल शर्मणाकृतया धात्वर्थ प्रकाशिकयाटिप्पण्या समालङ्कृतः Ch -2-

2158 — of हेमचन्द्र with the author's own commentary. (German) by Kirste J. 1901. 16-

2159 धातुप्रदीप (व्याकरण) A work on Paniniya Dhatupatha (Sanskirt verbal roots) by मैत्रेय रक्षित, ed. by Prof श्रीशचन्द्रचक्रवर्ति. Vr 1-8-

2160 धातुरूपकल्पद्रुमः (व्याकरण) by गुरुनाथ काव्यतीर्थ. Sd 3-

2161 धातुरूपावलि (व्याकरण) N -3-

2162 — Kg -1-

2163 — लघुपाठसहित. Vy 3-

2164 धातुवृत्तिसारः or The material portion of-दुर्गसिंह's (कातन्त्रगण-

धा

(वृत्ति) with Extracts from रामानुजा's मनोरमा from the धातुकोश of आनन्दराम बरुआ. dem oct.pp.82. वेहरामपुर. 5-

2165 धातूत्पत्तिनिर्णयाध्यायः by हरिकृष्ण Vy

2166 धार्मिकलक्षणकाव्यम्. Gb -6-

2167 धौम्यनीति (नीति) संस्कृत टीका-सहिता. Vy 2-

2168 ध्यानमञ्जरी (स्तोत्र) श्रीअग्रस्वामि-कृता. Vy -1-

2169 ध्वन्यालोक. आलोचनासहित. N 5-

2170 नदेशविजयम् (काव्य) A Kavya by व्यंकटकृष्ण दीक्षित in 10 cantos, Roy. 16 mo. Illustd. Vr -8-

2171 नमस्कारमहात्म्य, सोमप्रदीप (जैन) of सिद्धसूरि. Jb -12-

2172 नर्मदामहात्म्य-रेवाखण्ड स्कन्दपुरा-णान्तर्गत. Vy 4-

2173 नर्मदाष्टक (स्तोत्र) शंकराचार्यकृत. N -4-

2174 नर्ममाला or देशोपदेश by क्षेमेन्द्र. Bound in one. see—no 2091. Km 1-8-

2175 नरनारायणानन्द (काव्य) A poem on the Pauranic story of अर्जुन and कृष्ण's rambles on Mount गिरनार by वस्तुपाल Minister of King वीरधवल of धोलका composed between Samvat 1277 and 1287, i. e. A. D. 1221 and 1231, ed. by C. D. दलाल and R. अनन्तकृष्णशास्त्री. 1916 Go

2176 नरनारायणीय (काव्य) सटीक. Vy -12-

2177 नरपतिजयचर्या (ज्योतिष) स्वरोदय तथा जयलक्ष्मीनाम सरस्वतीका तथा भाषा-टीका सहित. Vy 2-8-

न

2178 नरवर्मचरित्र काव्यबन्द, (जैन) of चारित्रसुन्दर. 2nd edn. Jb 1-

2179 नरेश्वरपरीक्षा. Km

2180 नलचरित्रम् (नाटक) नीलकण्ठ-दीक्षित प्रणीतम्. Bm 1-

2181 ——— Vo

2182 नलदमयन्तीयम् (नाटक) by K. तर्काचार्य. 8vo. pp.145. Ss 1-4-

2183 नलपाक (वैद्यक) मूल, नलविरचित. Ca 1-8-

2184 नलविलास (नाटक) of रामचन्द्र सूरी, pupil of हेमचन्द्रसूरि, describing the Pauranik story of नल and दमयन्ति ed. by G. K. श्रीगोन्देकर and L. B. गांधी. 1926. Go 2-4-

2185 नलाभ्युदय. (काव्य) by वामनभट्टबाण. 2nd edn. Tr -4-

2186 नलोदयः (काव्य) by कालिदास, बालबोधिनीव्याख्यया समलंकृतः ed. & publ. by J. विद्यासागर.1895, 8vo. pp. 94. C. -8-

2187 नलोदय (काव्य) संस्कृतटीकासहित. Vy 1-

2188 नलोपाख्यान—(काव्य) Story of Nala, an episode of the महाभारत Sanskrit Text, with Engl. Transl. ed. by Monier Williams 2nd revised edn. 1879. Roy. 8vo. (9¼ × 6¼), pp. xii+174+175-230 (Vocab.). Of 11-4-

2189 नवग्रहजपविधि (कर्म) Vy -4-

2190 नवग्रहविधानपद्धति(कर्म) Vy -6-

2191 नवरत्नप्रदीप by नन्दपण्डित. 8vo. pp. 3 115, 4, 1. Sb 2-

2192 नवरत्नमाला (काव्य) by कालिदास. Km 1-

न

2193 नवरत्नरासविलास (संगीत) *Vy* 1–

2194 नवीनसंस्कृतबालबोधिनी for use of beginners in देवनागरी लिपी by T. K. रामचन्द्रराव. 1922. 8vo. pp. IV. 78. *Md* –8–

2195 नक्षत्रमालासटीका (काव्य) by शिवराम त्रिपाठी. *Km 4* 1–

2196 NATURAL RELIGION in India by Lyall, A. 1891. 3–

2197 नशाखण्डनचालीसी (नीति) भला-रामसागर संन्यासीकृत. *Vy* –2–

2198 नष्टजन्माङ्गदीपिका (ज्योतिष) गद्य-पद्यात्मकटीका तथा पञ्चाङ्गदीपिकासहिता *Vy* –4–

2199 नागरसर्वस्वम् by Pt. पद्मश्री for *private circulation.*

A very raro and old work on Indian erotic, or the science of love as known to the ancient Indians with a commentary by Jagat Jyotirmalla Bhupa, a former King of Nepal and explanatory notes by Tansukhram M. Tripathi. It is a very rare work of its kind *Gu* 4–

2200 नागरसमुच्चय (संगीत) नागरीदासजी-कृत. *Vy* 1–

2202 नागानन्द सुन्दरदासशास्त्रिकृतसर-स्वतीविमर्शनामकसरलसंस्कृतटीकासहित सङ्ग्यात्व्याससङ्गान्वय, इङ्गान्वयसहिता। 2nd edn. अलाहाबाद. 1–8–

2203 — (नाटक) by श्रीहर्षदेव with the comm. नागानन्दविमर्शिनी of शिवराम. *Tr* 3–8–

2204 — edited by M. R. काळे. *Gn* 3–4–

2205 — ed by R. D. करमरकर, 3–4–

2206— ed by K. M. जोगळेकर, 3–4–

न

2207— ed. by M. R. परांजपे. 2–8–

2208 — with notes. 8vo. pp. 72, 16, 84, 117, 70. *Md* 2–8–

2209 — By Bergaigne. French translation. 2–

2210 नागेशोक्तिप्रकाशः (व्याकरण) श्री-कृष्णशर्मणा मैथिलेन विनिर्मितः शब्देन्दु-शेखरव्याख्यानपद्धान्तसूत्रपर्यन्ताः *Ch* 4–

2211 नागेशोक्तिनिर्णय (व्याकरण) *Vy*

2212 नाटवाटमहसम (नाटक) सटिप्पण. *Gn* –6–

2213 नाट्यदर्पण (dramaturgy) by रामचन्द्र सूरि with his own comm. ed. by L. B. Gandhi and G. K. Shrigondekar. *Go*

2214 नाट्यशास्त्र of भरत with the comm. of अभिनवगुप्त of Kashmir: ed. by M. रामकृष्ण कवि. 4 vols., vol. I, illustrated, 1926. *Go* 6–

2215 नाडीविज्ञानम् (वैद्यक) कणादप्रणीत सटीकम्, जीवानन्दविद्यासागरभट्टाचार्येण विरचितया व्याख्यया समलङ्कृतम्। 1887. 8vo. pp. 44. *Cu* 1–

2215*a* — गंगाधरराजकृतव्याख्या-सहितम्. *Mt* –6–

2215*b* नाडीविज्ञानम् गंगाधरकविराजकृत-व्याख्यासहितम् *Vy* –4–

2215*c* —— *Sd* –4–

2215*d* नान्दीमुखश्राद्ध (कर्म) *Vy* –2–

2215*e* नानार्थार्णवसंक्षेपः (कोश) by केशवस्वामि. Part I to III. खण्ड 4, 5 & 6. *Tr* 5–

2215*f* नामदेव The saint, *Nt* –4–

2215*g* नामलिङ्गानुशासनम् (कोश) by अमरसिंह with the comm. टीका-सर्वस्व of वन्द्यघटीय सर्वानन्द. vol. I–IV. *Tr* 8–

न

2215*h* नामलिङ्गानुशासन of अमर W. अमरकोशोद्घाटना of क्षीरस्वामि,ed. by K. G. ओक. 1913. *Oa* 3–8–

2216 नामार्थदीपिका—मराठी आर्याबद्ध. with विष्णुसहस्रनामव्याख्या. by P. T. गोडबोले. 1886. Roy. pp. 113, 19. *Bo* 1–

2217 नारदगीता (वेदान्त) *Vy* –5–

2218 नारदपञ्चरात्रम् (ज्ञानसंहिता) transl. into Engl. by स्वामिविज्ञानानन्द alias हरिप्रसन्न चतर्जी. 1920. Roy. pp. 2, IV, 256, XVI. *Po* 6–

2219 नारदपञ्चरात्र (कर्म) (भारद्वाजसंहिता). संस्कृतटीकासहित. *Vy* 1–4–

2220 — मूल. सपूर्ण. *Vy* –12–

2221 नारदपुराण मूल. *Vy* 8–

2222 नारदसंहिता (ज्योतिष) by नारद. *Ks* –6–

2223 ——— *Kq* –8–

2224 नारदीयगणितकौमुदी by पं. पद्माकर द्विवेदी. *Sbi*

2225 नारदीयशिक्षा सामवेदस्य, ed. by S. सामाश्रमी. *8vo*.pp.28. *Cc* –10–

2226 नारायणबलिप्रयोग (कर्म). *Vy* 1–8–

2227 नारायणवर्म मूल. *Vy* –3–

2228 नारायणमतसारसंग्रह (सं. सं.) रामानुजैरमतम्मेतय, भाविसम्पन्नक, श्रीरामानुजसिद्धान्तसार इत्यादिसहित. *Vb* –6–

2229 नारायणाष्टकम्—मराठी with मराठी transl. by केमकरशास्त्री. 1–

2230 नारायणोपनिषद् (वेदान्त). *Vy* 1–8–

न

2231 — संस्कृत Text with मराठी transl. by बापटशास्त्री. *Ak* –11–

2232 नारीदेहतत्त्व (वैद्यक) *Vy* –10–

2233 NORTH PANCALA DYNASTY (from the J. R. A. S. April) by Pargitar, 1918. 1–8–

2234 नासिकपञ्चवटीमाहात्म्य–मूल. पद्मपुराणान्तर्गत. *Vy* –6–

2235 नासिकेतोपाख्यान (पुराण) मूल. *Vy* –8–

2236 निगोदषट्त्रिंशिका (जैन) of रत्नसिंहसूरि. *Jb* –8–

2237 निघण्टु & निरुक्त (कोश) The oldest Indian Treatise on Etymology Philology and Semantics, critically ed. and transl. for the first time into English by Lakshman Sarup, Ph. D. 8vo. (10 × 6¾). Translation and Notes. pp. 260. *Of* 15–12–

2238 —— The Oldest Indian treatise on etymology, Philology and semantics, Sanskrit—Text Critically edited from the original Mss. with an appendix showing the relation of the Nirukta with other Sanskrit works, by Dr. Lakshman Sarup *Pu* 4–8–

2239 — Introduction by Lakshman Sarup. *Of* 5–4–

2240 — By Skold, Part I, II. *Of* 13–8–

2240*a* निष्कर्मपद्धति (कर्म) *N* –2–

2241 निष्कर्मप्रयोगमाला (कर्म) *Vy* 1–

न

2242 नित्यकर्मतन्त्रम् Orig. संस्कृत with हिंदी transl. by पं. बलदेवप्रसाद मिश्र. 1902. 2nd edn. cr. pp. 4 199, 5. *Bo*

2243 नित्यशिक्षाध्यायः by हरिकृष्ण. *Vy* -3-

2244 नित्याचारप्रदीप A treatise on स्मृति by नरसिंह वाजपेयि. ed. by विनोद विहारी भट्टाचार्य. (1903-1911). *Bi* 9-12-

2245 — पद्धति (Text) A treatise on स्मृति-by दिवाकर वाजपेयि. ed. by विनोद भट्टाचार्य. vol. I. 1903. *Bi* 7-

2246 नित्याह्निकम् (कर्म) सस्वरम्. *Ch* -8-

2247 — or The Daily Rites of Every Brahmin. *Vy* -8-

2248 नित्यानुरागिणी, समाख्यया नित्याङ्गिरामकृत व्याख्यया समलंकृता, मूल संस्कृत पाठ तथा संस्कृतव्याख्यपासहित. *Mc* 1-8-

2249 नित्यापोडशिकार्णवः। (कर्म) वामकेश्वरतन्त्रान्तर्गत सेतुबन्धाख्यव्याख्यासहितः। *Aa* 3-8-

2250 निदान (वैद्यक) A संस्कृत system of Pathology with Engl. transl. & संस्कृत passages by R. L गुप्त. 1912. 8vo. pp. II, 270 *Cc* 5-

2251 निदानदीपिका (वैद्यक) वेङ्कटेश कृष्ण कारीकर भागास्करेत्युपसंग्रहीता. *Ch* 4-

2252 निदानसूत्रम्-सामवेदीयम्, ed. by सत्यव्रतसामी 8vo. pp. 169. *Cc* 2-8-

2253 निम्बादित्यदशश्लोकी (वेदान्त) श्रीहरिव्यासदेवकृत कुसुमाञ्जली भाष्य समेत. *Vy* -4-

न

2254 निम्दांसंग्रहाध्यायः by हरिकृष्ण, *Vy* -5-

2255 निर्माणकाव्य ed. by गोपीनाथ कविराज. vol I Pt. I. *Sb II*

2256 निर्णयसिन्धुः (धर्म) of कमलाकरभट्ट with a commentary of कृष्णंभट्ट, ed. with notes by प. गोपालशास्त्री नेने. *Ch* 19-

2257 —— मूल, टिप्पणीसहित. *Vy* 3-8-

2258 निर्णयार्णव, *Vl* -4-

2259 निर्णयामृत (धर्म) मूल. *Vy* 2-

2260 निर्वाणाष्टक (वेदान्त) मूल. *Vy* -1-

2261 निरुक्त अथवा निघण्टु [वैदिक कोष] दुर्गाचार्यकृत व्याख्यासहित प. शिवदत्तशर्मानिर्मित टिप्पणीसहित. *Vy* 8-

2262 निरुक्तम् (वेद) दुर्गाचार्यकृतवृत्तिसमेतं तस्य पूर्वषट्कात्मकः प्रथमो भागः। *Aa* 8-12-

2262_1 — उत्तरषट्कात्मको द्वितीयो भागः। *Aa* 7-8-

2263 निरुक्त (वेद) of यास्क with Durga's Comm. ed by H. M. भडकमकर. Vol. I. *Bp* 9-8-

2264 — (Old edition). With the commentaries of देवराज etc. Edited by सत्यव्रत सामाश्रमि. (1882-1884) Vol. IV. *Bi* 12-

2265 — (2nd edition). With the commentaries. Edited by सत्यव्रत सामाश्रमि. Thoroughly revised by his son & pupil. हितव्रत सामकान्त (1911-12). *Bi* -11-

2266 निरुक्तलघुविवृत्ति (व्याकरण) सम्पादिता. *N* -14-

नै

2267 निरोधलक्षणम् सटीकम् Vl 1-

2268 — of वल्लभाचार्य with षड्विवरण. transl. into गुजराथी & ed. by M. T. तेलीवाला. 1916, Roy. pp. 60, 7, 22, 2. Bo 1-

2269 निवेदिता and कुमारस्वामी. Myths of the Hindus and Buddhists." 1910. 8-

2270 नीति-चन्द्रिका by स्वामि दयानन्द. 1922. 8vo. pp. 88, 14. Kg -8-

2271 नीतिघनदम् (काव्य) by धनञ्जयकवि. Km13 1-

2272 नीतिमयूख—(धर्म) नीलकण्ठकृतः। अत्र राज्याभिषेकप्रयोगोऽभिषिक्तस्य कर्तव्यं तदुपयोगितया च राज्याङ्गादि निरूपितम्। Gu 1-4-

2273 नीतिमनोरमा (नीति) Vy -10-

2274 नीतिवाक्यामृत (काव्य) सटिप्पणम् श्रीसोमदेवसूरेः। Gn 1-

2275 — (जैन) of सोमदेवसूरि. Orig. संस्कृत with जैन translation with the comm. of ज्ञानपण्डित. cr. pp. 33, 417. Bo 1-12-

2276 नीतिशतक (काव्य) by सुन्दराचार्य कवि. Km 9 1-

2277 — भर्तृहरिकृत कृष्णशास्त्री महाबलकृतटीकासह. N -6-

2278 — with notes & Engl. transl. by M. C. अळसिंगाचार्य. 1915. 8vo. pp. 112. -14-

2279 — With Sanskrit comm. Engl. transl. & notes. Vd -8-

2280 — With Engl. Transl. & Notes. Vy -8-

2281 नीति and वैराग्यशतक of भर्तृहरी ed. with notes & comm. in Sanskrit & an English transl. by M. R. काळे. cr. pp. XV, 52, 96. Gn 1-12-

2282 नीतिवैराग्यशृंगारशतक (काव्य) of भर्तृहरी. Vy -6-

2283 नीतिसारः (नीति) by कामन्दक with the comm. of शंकरराय. Tr 3-8-

2284 THE NEAR EAST FROM WITHIN, by Cassell. 1915. 10-

2285 नीलकण्ठविजयः (चम्पू) श्रीनीलकण्ठदीक्षितप्रणीतः व्याख्यासमन्वितः। Bm 2-

2286 ——— Vv

2287 नीलमतपुराणम् An original text, ed. with an English Preface, an index to the verses and 9 English appendices by Prof. R. L. कानजीलाल and Prof. J. D. शाहशास्त्री. Ps 5-

2288 नीलाम्बरीयगोलीयरेखागणितम्—पण्डितप्रवरश्रीराजवंशीका मैथिलविरचितया 'शिकाशिका' समाख्यटीकया, तत्कृतपरिशिष्टेन, विशेषाङ्कगोलीयरेखागणितेन च सहितम्। अन्ते चाधुनिकप्रणाल्यनुसारेण छात्रबुद्धिविशदार्थं कतिचन प्रश्नाश्च सङ्गृहीताः सन्तीत्यलमधिकप्रशंसया अतिसुन्दरपत्राकारं पुस्तकम्। Gbd.

2289 नूतनगृहप्रवेशपद्धति (कर्म) कलशस्थापनपद्धति, सर्वतोभद्रमण्डल, अष्टदलचक्र, नवग्रहस्थापनकोष्टक, षोडशमातृकास्थापनकोष्टक तथा ग्रहादि देवस्थापना इत्यादि. Vy 1-8-

2290 NEW LIGHT ON गुप्त ERA & मिहिरकुल, orig. संस्कृत with Engl.

न

transl by K B पाठक 8vo pp 195–222 -8

2291 NEW भक्तिसूत्र by G N कविराज *Sbo*

2292 नेमिदूतकाव्य विक्रम विरचित *Km2* 1-

2293 नेत्रोद्योततन्त्र *Km*

2294 A'NATION IN MAKING Being the Reminiscences of Fifty Years of Public Life in Bengal By S बानर्जी 1915 8vo pp xvi+410 with a portait *Of* 10-8-

2295 NATIONS OF INDIA at the battle between the पाण्डव & कौरव by Pargiter 1908 *Oa* 2-

2296 NATIONAL VALUE OF ART by अरविंद घोष 1911 cr pp 68 12-

2297 NATIONALISM IN HINDU CULTURE by राध कुमुद मुकर्जी *Ad* 3-8-

2298 नैषधीयचरित—श्रीहर्षविरचित नैषध यश्राष्टारप्पनारायणाप्रकाशक \ 6

2299 — काव्य (द्वितीय सर्गकम्) ed by प्रमचन्द्र तर्कवागीश *S1* 4-

2300 — of श्रीहर्ष with प्रकृतगाथा by रामगोपाल तळकर and ed by F T गाइवारे 1869 canto 1 hov pp 4, 236 4 1-12-

2301 नैषधकाव्यम् म म कोलाचलमल्लिनाथसूरिविरचित जीवातुसमाख्य व्याख्या सहितम् (सर्ग १–१२) *Ch* 3-4-

2302 नैषधं मल्लिनाथनारायणटीकाभ्याम् cantos 1 to 6 & 7 to 12 *Bm* 3-4-

2303 — मल्लिनाथ, cantos 7 to 12 \ / 1-12-

न

2304 — व्याख्यानसहित

2305 नैषध and श्रीहर्ष by नलिकमल महाचार्य *Sb3*

2306 नैष्कर्म्यसिद्धि (वेदान्त) A treatise on वेदान्त by सुरेश्वराचार्य with a comm called चन्द्रिका by ज्ञानोत्तममिश्र ed & annotated by प राम-शास्त्र मनरङ्गा *Bn* 4-

2307 — with comm and notes and index 2nd edn revised with the addition of an Introd and explanatory Notes by Prof हिरियण्णा *Bp* 3-

2308 NOTES ON THE ANCIENT GEOGRAPHY of गान्धार see-No 1476

2309 NOTES ON ANCIENT HINDU SHIPPING by R मुकर्जी 8vo pp 447–455 5-

2310 NOTES ON THE OLD MONGOLIAN CAPITAL OF SHANGTU by Bushell S 1-8-

2311 NOTES ON A STUDY OF THE PRELIMINARY Chapter of महाभारत by व्यङ्कटाचलम् अय्यर 1922. 8vo pp 10 145 \V *Md* 5-8-

2312 NOTES AND QUERIES— VIRGIN Worship by गणनाथ कावराज *Sb*

2313 नन्द The Pariah saint his life and teachings cr pp 56 \/ -4-

2314 नृसिंहचम्पू *Vy* -3-

2315 नृसिंहपुराणम् आन्ध्रानुवाद सहितम् *Gn* 2-8-

2316 — मूल 2-8-

2317 नृसिंहसहस्रनाम *Vy* -5-

न

2318 नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषत् । श्रीमच्छंकराचार्यविरचितपूर्वतापनीयभाष्य-विद्यारण्यप्रणीतोत्तरतापनीयदीपिकाभ्यां समेता. *Aa* 1-12-

2319 न्यायकलिका of जयन्त ed with introd by G N झा 1925 8vo pp. 3 2, 202 *Sb* -14-

2320 — By श्रीउदयनाचार्य with the comm of वर्धमान and the gloss of रुचिदत्त, ed by प लक्ष्मणशास्त्री द्रविड *Ks* 6-

2321 न्यायकुसुमाञ्जलि (न्याय) सटीका सटिप्पणा *Kq* 6-

2322 — (English translation) by G N. कविराज. *Sb* 3

2323 — हरिदासीटीकाटिप्पणीयुत *Gbd* -8-

2324 न्यायकोष of Pandit भीमाचार्य झळकीकर being a systematic dictionary of the technical terms of Indian Philosophy This second edition of this well-known work of reference was long out of print A thourghly revised and considerably enhanced third edition is now ready pp over 1100 "An indispensable reference-book for all Oriental scholars and Institutions" *Bp* 15-

2325 न्यायतत्त्वप्रबोधिनी (दर्शनम्) ed by हरिनाथ तर्कसिद्धान्त *Sl* -2-

2326 न्यायतात्पर्यदीपिका (न्याय) or the comm on न्यायसार of भासर्वज्ञ by जयसिंह सूरि, ed by सतीशचन्द्र विद्याभूषण. 1910 *Bi* 3-

न

2327 न्यायदर्शनम् (न्याय) by गौतम with वात्स्यायनभाष्य accompanied by two orig comments in संस्कृत (1) the भाष्यचन्द्र of रघुत्तम upto 3-2-11ch. and the खद्योत by डॉ गंगानाथ झा, Elucidated with टिप्पणी by प अनन्तदास शास्त्री, & ed by गंगानाथ झा, & ढुण्डिराज शास्त्री. *Ch* 10-

2328 — (न्याय) श्रीमहामुनि गौतमप्रणीतम् । श्रीविश्वनाथवृत्ति सहितम् । श्रीमत्पण्डितप्रवर श्रीबालकृष्णमिश्रविरचित लघु सूत्रीतात्पर्यविवृत्याच समेतम्। *Ch* 1-

2329 — with the भाष्य of वात्स्यायन and वृत्ति of विश्वनाथ ed by ध L ढवाडशास्त्री & रामशास्त्री भाण्डारी. 3-

2330 — सभाष्यविश्वनाथवृत्ति सहित *Kg* 4-

2331 — विश्वनाथवृत्तिटिप्पणीविवृतियुतम्। *Gb* 1-4-

2332 न्यायप्रकाश (दर्शनम्)सटीक ed by कृष्णनाथ न्यायपञ्चानन *Sd* 1-12-

2333 न्यायप्रदीप प भगीरथ *Vy* 1-

2334 न्यायप्रवेश (न्याय) (Sanskrit Text) on Buddhist Logic of दिङ्नाग, with comm of हरिभद्रसूरि and पार्श्वदेव Part I ed by A. B ध्रुव *Go*

2335 — (Tibetan Text) Part II ed with introd notes, appendices, etc. by Pt विधुशेखर भट्टाचार्य 1927. *Go* 1-8-

2336 न्यायपरिशुद्धि (वेदान्त) रामानुज Philosophy by श्रीवेङ्कटनाथ with a comm called न्यायसार by प श्रीनिवासाचार्य, ed with notes by लक्ष्मणाचार्य *Ch* 7-8-

न

2337 न्यायबिन्दु (न्याय) by धर्मकीर्ति with the comm of धमात्तराचार्य, ed by प. चन्द्रशेखरशास्त्री with his own संस्कृत notes, Preface & हिंदी transl *Ks* 1-8-

2338 — (मीमांसा) It contains a collection of all Adhikaranas of पूर्वमीमांसा with a logical commentary known as सङ्ग्रास्य by भट्ट विद्यानाथ. *Gu* 1-4-

2339 — A Bilingual Index of Sanskrit and Tibetan words Edited by M.M S C विद्याभूषण. 1917, *Bi* 2-

2340 — टीका (न्याय) of धर्मोत्तराचार्य : to which is added the न्यायबिन्दु, edited with critical notes by Peter Peterson 1889. fasc 1-2. *Bi* 2-

2341 न्यायबोधिनी (न्याय) मायुरस्य कामाक्षी समहिता । publi by कामाक्षिण्णा. 1912. 8vo. pp 76 *Mi* -10-

2342 न्यायभास्करखण्डनम् (वेदान्त) मध्वचन्द्रिका खण्डनच प. श्रीरामसुब्रह्मण्यशा विविरचितम् *Ch* 1-8-

2343 न्यायभाष्य (दर्शनम्)—पण्डित-सुदर्शनाचार्यप्रणीतया प्रसन्नपदारव्यव्याख्यया सहितम् । *Gu* 9-

2344 न्यायमञ्जरी Pt. I and II *Vi* 22-

2345 न्यायमकरन्द -प्रमाणमाला (वेदान्त) A treatise on the वेदान्त Philosophy by आनन्दबोध भट्टाचार्य with a comm. by चित्सुखमुनि प्रमाणमाला & न्यायदीपावली by A. B. भट्टाचार्य 6-

न

2346 न्यायरत्नमाला (मीमांसा) By प. पार्थसारथीमिश्र, ed by प्रो. गगाधर शास्त्री. *Ch* 3-

2347 न्यायरक्षामणि. (न्याय) अप्पयदीक्षित कृता ed. by T. गणपतिशास्त्री *Vv* 5-

2348 — (वेदान्त) श्रीमदप्पय्यदीक्षित कृत ब्रह्मसूत्रप्रथमाध्यायव्याख्या. *Bm* 5-

2349 न्यायलीलावती (वदान्त) A treatise on the वैशेषिक Philosophy by वल्लभाचार्य, ed. by प विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदि. *Bn* -8-

2350 — (तर्क) श्रीमद्वल्लभाचार्य विरचिता N -12-

2351 न्यायवार्तिकम् (न्याय) A Critical Gloss on न्यायदर्शन & वात्स्यायनभाष्य by भारद्वाज उद्योतकर ed with preface by म. म. प विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी. *Ks* 6-

2352 — (न्याय) श्रीभारद्वाजोद्योतकरविरचितम्, भूमिका सहितम् । *Kg* 6-

2353 न्यायवार्तिक तात्पर्यटीका (न्याय) of श्रीवाचस्पति मिश्र, ed by प. राजेश्वरशास्त्री द्राविड. *Ks* 6-

2354 न्यायवार्तिकतात्पर्यपरिशुद्धि (न्याय) by उदयनाचार्य with a gloss called न्यायनिबन्धप्रकाश by वर्धमानोपाध्य, ed by Vindhyesvari Prasan Dvivedin and Laksmana Shastri Dravida (1911-1914.) *Bi* 6-

2355 न्यायसार (वेदान्त) A rare Brahmanic work on medical logic by भासर्वज्ञ together with the comm. called न्यायतात्पर्यदीपिका by जयसिंह सूरि ed by म म सतीशचन्द्र विद्याभूषण. 1910. 8vo pp 12, 428.

न

2356 — श्रीमहादेवपण्डितविरचितः, नागेश्वरपन्तधर्माधिकारिणा संशोधितः। pp. 248. Lz 1–8–

2357 — with commentary and notes in Engl. by M. M. अभ्यंकर & प्रो. देवधर. 1922. 8vo. pp. 6, 98. Oj 28–

2358 — of वल्लभाचार्य with the comments of वर्धमानोपाध्याय, शंकर मिश्र & भगीरथ ठाकूर, ed. by पं. हरिहरशास्त्री. Ch 3–

2359 न्यायादेश by श्रीवल्लभाचार्य. संस्कृत with हिंदी transl. by भट्ट श्रीरामनाथ शास्त्री. 1916. Bo –8–

2359a ——— Vl –3–

2360 न्यायसिद्धाञ्जनम्(वेदान्त)भगवद्रामानुजमतानुवर्तिना समयानुयायिनामभिमततत्त्वनिरूपणपरं प्रकरणम् । श्रीवेङ्कटनाथदेशिकेन प्रणीतम् । पं. स्वामिरामभिश्र शास्त्रिणा पूर्वाचार्य परिनिर्णये परिशोधितम् । भवन्ति चात्र ग्रन्थे षट्प्रकरणानि जडद्रव्यपरिच्छेदः, जीवपरिच्छेदः, नित्यवि भूतिपरिच्छेदः, बुद्धिपरिच्छेदःषष्ठश्चाद्रव्यपरिच्छेदः, । pp. 196. Lz 1–8–

2361 न्यायसिद्धान्तदीपः(न्याय)श्रीशशधराचार्यविरचितः, शेषशार्ङ्गधराचार्यकृतटीकासहितः, विन्ध्येश्वरीप्रसाद शर्मणा परिशोधितः। pp. 652. Lz 5–

2362 न्यायसिद्धान्तमञ्जरी,(न्याय) जानकीनाथभट्टाचार्यकृता, यादवाचार्यकृतटीकया सहिता, सा च पं॰जीवनाथमिश्रेण संशोधिता। pp. 298. Lz 2–4–

2363 — भट्टाचार्यचूडामणि जानकीनाथविरचिता । पं. श्रीनीलकण्ठदीक्षितप्रणीतबृहत्संप्रकाशाभिधव्याख्यासमेता. Ch 1–8–

न

2364 न्यायसिद्धान्तमाला by जयराम. 8vo. pp. 2, 71, 8. Sb 1–2–

2365 न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (न्याय) कारिकावली सहिता, पं॰नृसिंहदेव शास्त्रिकृत संस्कृत टिप्पणी "सौभाग्यवती" नामक अत्यन्त सरला विवृत्ति । Mc 1–8–

2366 — प्रभा नामा संस्कृत व्याख्यासहित पं॰नृसिंहदेवशास्त्री विरचित. । Mc '4–

2367 न्यायसुधातन्त्रवार्तिकटीका (मीमांसा) A comm. on तन्त्रवार्तिक by पं सोमेश्वरभट्ट, ed. by पं॰ मुकुन्दशास्त्री. Ch 24–

2368 न्यायसूत्रम्(न्याय)श्री-महर्षिगौतमप्रणीतम् । श्रीविश्वनाथन्यायपञ्चाननविरचितवृत्त्या समुद्भासितम् । pp. 212. Lz 1–10–

2369 — of गौतम with English transl. by S. C.विद्याभूषण. Vol. II and III Roy. pp. VXVI, 63, 175, XI, XIV. Po 3–

2370 — पाठ श्रीगौतममहामुनिप्रणीतः Ch –3–

2371 न्यायसूत्रभाष्यवार्तिकम् An Engl. transl. of न्यायसूत्रभाष्य by Dr. गङ्गानाथ झा. vol. I II and III together. Po 11–

2372न्यायसूत्रविवरणम्,(न्याय)श्रीराधामोहन विद्यावाचस्पति गोस्वामिभट्टाचार्यविरचित श्रीसुरेन्द्रलाल गोस्वामिभट्टाचार्येण संस्कृतम् । pp. 408. Lz 3–

2373 न्यायामृतम् (वेदान्त) A Criticism or Adwaita philosophy, by व्यासराजतीर्थ with the gloss of श्रीनिवासतीर्थ. Mb 20–

2374 NAMES & SUBJECTS, ANALYTICAL index of, see—An analytical index of names and Subjects.

न

2375 NATHAS, SOME ASPECTS OF THE HISTORY and doctrines of, see—some aspects of the History & Doctrines of the Nathas.

2376 नागरी, ARCHAEOLOGICAL REMAINS & Observations at, see—Archæological remains & Observations at नागरी.

2377 नागार्जुन, The teachings of, see—The teachings of नागार्जुन

2378 नायकास of मदुरा, THE HISTORY OF, see—The History of the नायकास of मदुरा.

2379 KNOWLEDGE, THE FIRST PRINCIPLES of, see—The first Principles of knowledge.

2380 NORTHERN GUJRATH, ARCHITECTURAL ANTIQUITIES of, see—Architectural Antiquities of Northern गुजरात

2381 निर्वाण, The way to, see—The way to निर्वाण.

2382 न्यायवैशेषिक Literature, a History & Bibliography of, see—A History and Bibliography of न्यायवैशेषिक Literature

2383 पतञ्जलिचरित (काव्य) श्रीरामभद्र दीक्षितप्रणीत. *N* 1–

2383*a* पतञ्जलि for western Readers. The Yoga Aphorisms of Patanjali paraphrased and modernised from various English Translations and Recensions by Daniel R Stephen *Ad* 2-

2383*b* PATANJALI'S YOGA APHORISMS Engl. Transl with notes by W. Q Judge *Ad* 4–6–

प

2384 पद्मिमार्गदीपिका. *Vy* –4–

2385 पत्रिकाप्रशस्ति (काव्य) श्रीबालकृष्ण त्रिपाठीकृत. *N* –3–

2386 पद्मचरित्र महाकाव्य (जैन) of शुभवर्धन गणी. *Jb* 3-4–

2387 पद्मचन्द्रकोष (संस्कृत-हिंदी) By प. गणशदत्तशास्त्री pp. 600, *Mc* 7–

2387*a* पथ्यापथ्यम् (वैद्यक) (वरणीधरकृत वङ्गानुवादसह) अप्रकाशितम्. *Sd* 1–

2388 पद्मपुराणम् मूल. *Vy* 20–

2389 — Vol. 1-4. *Aa* 20–

2390 —— *Po*

2391 — by Prof H शर्मा with a Foreword by Dr. M Winternitz It shows that कालिदास has drawn materials for his शाकुन्तल and रघुवंश from the portion of the पद्मपुराण edited here 8vo pp lii+100 *Co* 2–

2392 पद्मसम्भव—(Garman) By Gruenwedel A *Gr* 5–

2393 पद्मावती of Mallik Muhammad Jaisi in Hindi Edited with a commentary, translation and critical notes by Grierson G. A. and M. M. सुधाकर द्विवेदि (1896–1911) Fasc. 1-6. *Bi* each 2–

2394 पदरचना (काव्य) N

2395 पदवाक्यरत्नाकरः(न्याय) *Su* 2–8–

2396 पदार्थतत्त्वनिरूपणम्, (धर्म) तुरस्या वैशेषिकमतसिद्धपदार्थाना खण्डन । रघुनाथमहाचार्यविरचन । श्रीरघुदेवन्यायालङ्कारेण विरचितया टीकया तथा श्रीरामभद्रसार्वभौम विरचितया टीकया च समन्वितम् । pp. 136 *Lz* –14–

प

2397 पदार्थदीपिका—(व्याकरण) म. म. कोण्डभट्ट विरचिता. *Ch* -7-

2398 पदार्थधर्मसंग्रह (वैशेषिक) प्रशस्तपाद-भाष्य on the वैशेषिक sutras of कणाद,—along with the न्यायकन्दलि. श्रीधर's comm. on the भाष्य.Engl. version. Transl. into Engl. by. Dr. गंगानाथ झा. 8vo. pp. 668. *Lz* 10-

2399 पदार्थरत्नमाला (न्याय) श्रीगुरुनाथ निर्मिता । नागेश्वरपन्तधर्माधिकारिणासंशोधिता । pp. 62. *Lz* -8-

2400 "PUBLIC WORSHIP". A Study in the Psychology of Religion by Hylan J. 1901. 2-

2401 परमध्यदीपिनी—(जैन) धमपाल's comm. on the Therigatha, ed. by Moller E. 1893. 8vo. pp. xxviii, 319. *Pt* 15-

2402 THE PURPOSE OF THEOSOPHY by Mrs. A. P. Sinnett. *Bt* -4-

2403 परमलघुमञ्जूषा (व्याकरण) श्रीमन्नागेशभट्ट विरचिता। म. म. पर्वतीय पं. नित्यानन्दपन्तेनाटिप्पण्यापरिष्कृत्यसंशोधिता । *Ch* -8-

2404 परमात्मप्रकाश (जैन) by योगीन्द्राचार्य, transl.into Engl. with crit. notes by R.D. जैन, with introd. by C. R. जैन. 1915. Roy. pp. 15, 60, VII *Ar* 2-

2405 परमार्थसार (वेदान्त) of अभिनवगुप्त. Explains in a lucid & easy way the elements of *Kashmir Shaivism*. Comm by योगिराज. Cloth. *Km* 2-8-

2406 — By भगवत् आदिशेष with the commentary of राघवानन्द. *Tr* -8-

प

2407 परशुरामकल्पसूत्र (तन्त्र) A work on तन्त्र with comm. by रामेश्वर and पद्धति by उमानन्द ed. by A. महादेवशास्त्री. 1923. Vols. 2. *Go* 11-

2408 परमेश्वरशतक (स्तोत्र) *Vy* -6-

2409 परात्रिंशिका (आगम) comm. by अभिनवगुप्त in glorification of पराशक्ति. *Km* 3-6-

2410 पराप्रवेशिका (वेदान्त) by क्षेमराज bound in one,(1) is a brief description of the 36 Shaiva categories, (2) is a devotional poem, and (3) elucidate the highest *Shaivistic* Philosophy (4) as the title *implies is a primer of the Philosophy of Kashmir*. *Km* 1-7-

2411 पराशरस्मृतिः (धर्म) पं. श्रीविनायकधर्माधिकारिकृतविद्वन्मनोहराख्यव्याख्यया सहिता, पण्डितनागेश्वरपन्तधर्माधिकारिणा संशोधिता च. pp. 426. *Lz* 3-8-

2412 — उत्तरखण्ड. *Vy* -4-

2413 — with the gloss of माधवाचार्य. Ed. with notes by M. M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार. (1890–1899) Fasc 1–5. *Bi* 10-

2414 पराशरधर्मसंहिता (धर्म) Ed. with the comms. of सायनमाधवाचार्य by वामनशास्त्री इस्लामपुरकर. Vol. I, II & III, each with Pt. I & II. *Bp* 36-

2415 परिणयमीमांसा (कर्म) श्रीनटेशशास्त्रिणा विरचिता. *Ch* -12-

2416 परिभाषा (व्याकरण) ed. by गङ्गाधर कविराज. *Sd* -8-

2417 परिभाषापाठः (व्याकरण) *Ch* -6-

प

2418 परिभाषाभास्कर (व्याकरण) परिभाषेन्दुशेखरखण्डनम्। श्रीशेषाद्रिनाथविरचितमूलम्। *Mu* 1-

2419 परिभाषावृत्ति (व्याकरण) A treatise on संस्कृत grammar by श्रीदेव, ed by प हरिदत्त दुबे *Bn* 2-

2420 — By नीलकण्ठदीक्षित *Tr* -8-

2421 परिभाषेन्दुशेखर (व्याकरण) म म श्रीनागेशभट्टविरचित। म म तात्याशास्त्र्युपराभिधान श्रीरामकृष्णशास्त्रिणा निर्मितन भूति नामक तिलकेन विभूषित। *Ch* 9-

2422 — प जयदेवमिश्रविरचितविजया टीकासहित *Ch* 5-8-

2423 — By म म भैरवमिश्र with तत्त्वप्रकाशिका, ed by लक्ष्मणशास्त्री त्रिपाठी *Ks* 3-

2424 — वैद्यनाथभट्टकृतयागदारव्य व्याख्या सहित। *Mu* 2-8-

2425 — वैद्यनाथकृतगदाटीकासहित। *Aa* 2-6-

2426 — Text with notes & translation by Dr Kielhorn F Complete Pt. 4 *Bp* -8-

2427 — गदासहित। *Bn* 2-8-

2428 — विश्वनाथभट्टाया। Pt.I Roy pp 56

2429 परिशिष्टदीपिका। (धर्म) अस्मिन् ग्रन्थे नानोपयोगिपरिभाषा कुण्डमण्डपनिम ण प्रकार सहोमतुलादानप्रयोग होमरहिततुलादानप्रयोग बृहद्दानप्रयोग सप्तिनदानप्रयोग। भूम्यादिदानप्रयोग प्रायश्चित्तप्रयोग सुवर्णदानादिदशमहादानप्रयोग गजादिदान प्रयोग वास्तुशान्तिनिजन्यासगृहप्रवेशप्रयोग गृहदानप्रयोग शय्यादानप्रयोग सुवर्णरजतादिदानमन्त्रसंग्रह गोमुखप्रसवशान्तिप्रयोग मूलशान्तिप्रयोग आश्लेषाशान्तिप्रयोग मार्ध्वदन्तजतशान्तिप्रयोग पितामहकनक्षत्रजननशान्तिप्र त्रिकप्रसवशान्तिप्र यमलजननादिशान्तिप्रयोग चतुर्दश्यांपिजननशान्तिप्रयोग जलाशयोत्सर्गप्रयोग एत विषया भासाङ्कऽन्यच्च। 2-

2430 परिशिष्टपर्व (जैन) By श्रीहेमचन्द्राचार्य, ed by दुर्घसिंहजी and शट वीरचन्द्र 1912 pp 117 *Bn* -12-

2431 PARISISTAS of the अथर्ववेद, see—अथर्ववेद

2432 परीक्षामुख-सूत्रम् (जैन) A Digambara Jaina work on Logic-Nyaya by माणिक्यनन्दि together with the comm called "परीक्षामुखलघुवृत्ति" by अनन्तवार्य, ed by M M सतीशचन्द्र विद्याभूषण 1909 *Bi* 2-

2433 पवनदूतम् (काव्य)—by धोयि, a court-poet of लक्ष्मणसेन of Bengal Ed with critical & historical introd variants, Sanskrit notes etc It will be of interest alike to students of History & Sanskrit literature pp IV, 36 36 3 *Ss* -12-

2434 — By वादिचन्द्र *Km19* 1-

2435 पवमानपञ्चसूक्तम् (कर्म) *N* -4-

2436 पश्चार्धमीमांसा (मीमांसा) सरस्वतीभूषणकिञ्जाडकरोपाह्ववामनशास्त्रिविरचिता। *Aa* -10-

2437 पक्षता-गादाधरी (न्याय) *Si* 1-

2438 पाकदर्पणम् (पाकशास्त्र) by महाराज नल ed by वामाचरण भट्टाचार्य

2439 पाण्डवगीता (स्तोत्र) मूल *Vy* -3-

2440 — (वेदान्त) *N* 1-

प

2441 पाण्डवचरित्र महाकाव्य(जैन)of शुभवर्धनगणी. *Jb* 2-9-

2442 पाण्डवविजयम् by हेमचन्द्रराय. 1916. cr. pp. 100, 2. 1-

2443 पाणिनी—(संस्कृत-इंग्लिश) His place in संस्कृत Literature-*Po* 5-
An investigation of some Literary and chronological questions which may be settled by study of his work by Goldstucker, 1914 Roy. pp. VII, 235.

2444 पाणिनी (German) by Liebich. *Gr* 10-

2445 — By रजनीकान्त in Bengali. *Cn* 1-8-

2446 पाणिनीप्रदीप.(व्याकरण) *Gss* -8-

2447 PANINI'S GRAMMAR (German, by Bothlingk O. *G*- 25-

2448 पाणिनीतन्त्रकोडपत्राणि (व्याकरण) Pt. I & II. *Ch* 3-

2449 पाणिनीतन्त्रवादनक्षत्रमाला (व्याकरण) by अप्पय दीक्षित. *Mu* 1-8-

2450 —— *Kg* 2-

2451 — By R V. कृष्णम्माचार्य. 1910. Pt. II, 8vo. pp 119. *Mu* 1-

2452 पाणिन्यादि शिक्षासंग्रह —३२ (Science of Vedic Phonetics) A collection of 32 शिक्षाs by याज्ञवल्क्य and others with comm. on some of them, ed. and annotated by युगलकिशोर व्यास. *Bn* 5-

2453 पाणिनीयमिताक्षरा (व्याकरण) A gloss on पाणिनी's grammatical Aphorisms by अन्नंभट्ट, ed. by जगन्नाथस्वामि and his son भट्टनाथस्वामि. *Bn* 15-

प

2454 पाणिनीयदशपाठसंग्रह. (व्याकरण) (1 पाणिनीय शिक्षाभाष्य, 2 अष्टाध्यायी सूत्रपाठः 3 गणपाठः 4 वार्तिकपाठः5 परिभाषापाठः 6 धातुपाठः 7 लिङ्गानुशासन 8 उणादिसूत्रपाठः 9 फिट्सूत्राणि, and 10 नवाह्निकभाष्य वार्तिक पाठश्च). *Ch* -8-

2455 — *Hs* -12-

2456 पातञ्जलदर्शनम् (योग) with the comm. of अनन्तपण्डित. *Vp* -6-

2457 — with a gloss called मणिप्रभा by रामानन्दयति ed. by प. दामोदरलाल गोस्वामि. *Bn* 1-

2458 — नागेशकृतभाष्यछायाख्यवृत्तिसहितम् । न्यायरत्नजीवनाथमिश्रेण परिशोधितम् । *Lz* 2-12-

2459 —— 1-

2460 — अनन्तपण्डितप्रणीतया पदचन्द्रिकाख्यया व्याख्याऽन्वितम् । *Gu* -8-

2461 पातञ्जलयोगदर्शनम् श्रीमद्भोजदेवविरचितया राजमार्तण्डाख्यया वृत्त्यासमन्वित टिप्पणीसहिता. *Kg* 1-

2462 — बालरामस्वामिकृतटीप्पणी सहित. *Kg* 2-

2463 पातञ्जलयोगसूत्रम् With the comm. of व्यास and gloss of वाचस्पति मिश्र transl. by रामप्रसाद, with introd from वसु 1924. Roy. pp XII, 320 *Po* 7-8-

2464 — With the Scholia of व्यास and the commentary of वाचस्पति and the वृत्ति of नागोजिभट्ट by राजारामशास्त्री बोडस and वासुदेव शास्त्री अभ्यंकर. 2 nd edn. *Bo* 3-8-

2465 — ed. by रोहिणिकान्त सिद्धान्त वागीश. *Sd*

2466 — भोजवृत्तिसहितम्. 1-

प

2467 — भावागणेशवृत्ति-नागोजीभट्टियवृत्तिसहित *N* -14-

2468 पातञ्जलयोगसूत्राणि। (योग) वाचस्पतिकृतटीकासंवलितव्यासभाष्यसमेतानि तथा भोजदेवविरचितवृत्तिसमेतानि। *Au* 3-

2469 पातञ्जलयोगसूत्रपाठ —(योग) *Ch* -3-

2472 पातञ्जलमहाभाष्य [नवाह्निक] कैयटकृतप्रदीप, नागेशकृतउद्योतव्याख्यासहित तथा पायगुडेकृत छायासहित। pt.I *N* 5-

2473 — विधिशेषरूपम्। प्रथमाध्याय द्वितीयपादादिद्वितीयाध्यायन्त। कैयटप्रणीतप्रदीप तथा नागेशकृतउद्योतसहित. Pt. II. *N* 4-8-

2474 पातञ्जलसूत्रवृत्ति by नारायणशास्त्री. pp 232 *Lz* 2-12-

2475 पातङ्गलम् (काव्य) सटीकम् ed. by कृष्णनाथ न्याय पञ्चानन. *Sd* 6-

2476 PANTUS TO INDUS (Essay) by Brunhhofer. *Gr* 10-

2477 PSALMS OF MARATHA SAINTS, by Nicol Macnicol. Cloth. *As* 1-8-

108 Poems, chiefly of the lyrical type known as *abhangs* chosen from the writings of six Maratha *poets*, and transl into Engl. verse

2478 पारदयोगशास्त्र—(वैद्यक) शिवराम योगीन्द्र विरचितम्— *Mt* -8-

2479 पारस्करगृह्यसूत्रम्-(धर्म) पञ्चटीकोपेतम्। (1) कर्काचार्य (2) जयराम (3) हरिहर (4) गदाधर—(5) विश्वनाथप्रणीत-भाष्यपञ्चकसमलङ्कृतम्—कामदेवभाष्यसहितवास्यायिनीकण्डिकासूत्रहरिहरभाष्योपेतस्नानसूत्र—कर्कगदाधरकृतभाष्य—कृष्णमिश्रकृतभाष्यकारिकात श्राद्धसूत्र-भाजनसूत्ररूपपरिशिष्टसहित च। *Gu* 6-8-

प

2480 — With कात्यायनश्रौतश्राद्ध, शौच, स्नान, भोजन and कण्डिका. ed by मुकुन्दपन्त धुपतावेकर. *Ks* -8-

2481 — With two comments called हरिहरभाष्य and गदाधर. *Ks* 3-

2482 — कात्यायनसूत्रीयश्राध-शौच. *Kg* -8-

2483 पाराशर्यविजय (वैदिक) प्रथमाध्यायप्रथमपाद। *Su* 4-

2484 PARTS OF नल and हितोपदेश IN ENGLISH LETTERS. Prepared by C R. Lanman. 1889 Roy. 8vo. pp. 50. *Ho* 2-

A reprint of the first 44 pages of the Reader translated from the Oriental characters into English letters It corresponds page for page and line for line with its original, so that the references of the Vocabulary and Notes of the Reader apply exactly to this reprint With the Grammar and Reader and this reprint the student is enabled to acquire a knowledge of the structure of the Sanskrit and to do some reading without first learning the *Oriental letters*

2485 पार्थपराक्रम (नाटक) A drama describing अर्जुन's recovery of the cows of King विराट by Prahladanadeva, the founder of पाल्हनपुर and the younger brother of the परमार, king of चन्द्रावति (a state in Marwar) and a feudatory of the kings of गुजरात who was a युवराज in Samvat 1220 or A. D. 1164, ed by C D. दलाल 1917. *Go* -6-

प

2486 पार्वतीपरिणय (नाटक) By बाणभट्ट. with a critical Introd. and footnotes and half-tone frontispiece. Demy 8vo. pp. 18-71. Vv -8-

2487 — कर्तृत्व विमर्शः कृष्णमाचार्येण विरचितः । Md -8-

2488 ——— N 5-

2489 पार्वतीपरिणय. कुमारसम्भवस्य आद्य सर्गत्रयसंग्रहा १०८ श्लोकात्मकः आंग्ल टिप्पणीसमेतश्च । Mu -3-

2490 पार्श्वनाथचरित्र-पद्य (जैन) -3-

2491 पार्श्वनाथ The life of by M. Bloomfield. 12-

2492 पार्श्वनाथस्तव (स्तोत्र) जिनप्रभसूरि विरचित. Km7 1-

2493 पारिजातहरण (चम्पू) महाकवि श्रीशेषकृष्णविरचित N 7-

2494 PALI ENG. DICT. by Rhys. Davids. 1925. 85-

2495 PALI COURSE by the Rev. Suriyagoda Sumangula. 1913. pp. XVI, 244, 4. 6-

2496 पाली & संस्कृत by Franke. R O. 1902. 8vo. VI. Gr 6-

2497 पालिपाठावली By मुनि जिनविजय. 8vo. pp. 8, 107. Gptm -14-

2498 PALI BOOK-TITLES and their brief designations. (proceedings of the American academy of arts and sciences) by Lanman. 1909. vol. XLIV. No. 24. 2-

2499 PALI NOUNS, verbs & papers for stds. VI & VII, cr. pp. 82.

2500 PALI LITERATURE and language. by Geiger. 1916. 14-

प

2501 PALI READER with notes & Glossary by Anderson D. 1901-7. 2 pts. in 3 Vols. Gi 20-

2502 — Selections by धर्मानन्द कोसाम्बी. 1914. pt I. cr. pp. V. 139. Pt. II. 2-

2503 PALEOGRAPHY as means for the language research in German by Lepsins R. 1840. very rare. 10-

2504 — Notes by V. S. सुखठणकर. 8vo. pp. 309-322. -8-

2505 PALLAVA ARCHITECTURE—(Early period) part I Gi 6-8-

2506 — by A. Rea. Gi 11-8-

2507 POSITIVE BACK GROUND OF HINDU SOCIOLOGY. by Prof. B. K. सरकार. Book II Part 1& 2 Po 6-

2508 PICTURE RAMAYAN or चित्ररामायण. in मराठी By श्री. बाळासाहेब पंत. 5-

2509 ——— Telagu. 16-

2510 ——— Tamil. 16-

2511 ——— Kanarese. 16-

2512 ——— Bengali. 16-

2512a पितृदयिता (कर्म) by अनिरुद्धभट्ट. Guru of बल्लालसेन. Sr 1-14-

Edited by Pt. Dakshina Charan Bhattachary It is a work on Sraddha etc of the Samavedins. It shows that even at the time of Ballalasena Sraddhas were performed in the presence of Sagnika Brahmanas instead of their symbolic substitute.

प

2513 A Peep into the early History of India from the foundation of the मौर्य Dynasty to the downfall of the Imperial गुप्त Dynasty by R.G भाण्डारकर with a preface by H G Rawlinson 1920. cr. pp IV, 74. 2-

2514 THE PEOPLES OF INDIA. By J D. ANDERSON with 8 illustrations & 2 maps (*Cam*) 1-14-

2515 पुद्गलषट्त्रिंशिका सटीक (जैन) of रत्नसिंहसूरि *Ib* -8-

2516 पुण्यसारचरित्र गद्य, (जैन) of भावचन्द्रसूरि *Jb* -12-

2517 पुरश्चरणदीपिका (मन्त्र) By प काशिनाथभट्ट. cr pp 48 *Vy* -3-

2518 पुराणs IN THE LIGHT OF MODERN SCIENCE by K नारायणस्वामी अय्यर cr pp XV, 294. *Ad* 1-8-

2518a पुराणपञ्चलक्षणं by Kirfel 1927 Roy pp 5, 93 *Gr* 35-

2519 PURANA TEXT OF THE DYNASTIES OF KALI AGE by Pargiter. *Mt* 3-12-

2520 पुरुषसूक्तम्—(वेद) सायणाचार्यप्रणीतभाष्यायतम्। *Aa* 4-

2521 —— मूलम् *N* -1-

2522 —— सायण-महीधर-मङ्गल-निम्बार्क—भाष्यसहितम्। *Ks* 4-4-

2523 पुरुषसूक्तभाष्यम्। *Su* 1-

2524 पुरुषार्थचिन्तामणि। (कर्म) विष्णुभट्टकृत। *Ai* 4-

2525 — (धर्म) श्रीमद्रामकृष्णभट्टसुतविष्णुभट्टकृत *N* 2-8-

प

2526 पुरुषोत्तमसहस्रनाम, *N* -3-

2527 पुरुषोत्तमनामसहस्र सटीक *Vl* -10-

2528 पुरुषोत्तममहात्म्य मूल. *Vy* -8-

2529 पुष्करक्षेत्रमहात्म्य मूल. *Vy* -2-

2530 पुष्पबाणविलास, (काव्य) By (श्री-कालिदास पण्डितवर श्रीवेंकटसार्वभौमविरचित व्याख्यासह. *N* 4-

2531 पुष्पसूत्रम् (वेद) सामप्रातिशाख्य by पुष्पर्षि, with a comm of अजातशत्रु ed by लक्ष्मणशास्त्री द्रविड *Ch* 4-8-

2532 पुष्टिमार्ग (निबंध) चतुर्थवैष्णवपरिषद *Vl* -4-

2533 पुष्टिमार्गीयबृहस्तोत्रसरित्सागर २३७ स्तोत्राणि *Vl* 5-

2534 — तत्त्वस्तोत्र (२८ स्तोत्राणि) *Vl* -3-

2535 —— *Vl* -4-

2536 पुष्टिप्रवाहमर्यादा सटीक. *Vl* 1-

2537 पूजा orig संस्कृत with मराठी transl by S चित्रावशास्त्री. 1927. pp 16, 32. -3-

2538 पूजासमुच्चय (कर्म) ९२ पूजा तथा १३ नामावली १०५ *N* 1-

2539 पूर्णप्रज्ञदर्शनम् श्रीमदानन्दतीर्थ भगवत् पूज्यपाद विरचित भाष्यसमेतम्। श्रीनवचन्द्र शिरोमणिनाच संशोधितम्। 1886, 8vo pp 181. *Cc* 3-

2540 — Engl transl *Ts* 3-8-

2541 पूर्णप्रज्ञदर्शनसार orig text with मराठी transl by बलशास्त्री 1914 8vo pp 70. *Ak* -5-

प

2542 पूर्वपक्षावली (व्याकरण) Ed. with Notes by प. गोपालशास्त्री नेने. *Hs* -3-

2543 ——— *Ch* -3-

2544 — तथा उत्तरपक्षावली. *Vy* -4-

2545 पूर्वमीमांसाअधिकरणकौमुदी— (मीमांसा) म म. प. रामकृष्णभट्टाचार्य विरचिता नेने इत्युपाख्य गोपालशास्त्रिणा परिशिष्टाधिकरणनिरूपणपूर्वक टिप्पण्या परिष्कृत. *Ch* -3-

2546 पूर्वोत्तरमीमांसावादनक्षत्रमाला by अप्पयदीक्षित. cr. 8vo *V* 2-8-

2547 PAGEANT OF KING MINDON by C. Duroiselle *Gt* 7-6-

2548 PERIPLUS OF THE ERYTHRAEAN SEA

Travel and trade in the Indian ocean by a merchant of the fifth century Translation from the Greek and annotated by W H Scoff 8vo 1912 9-

2549 POEMS BY INDIAN WOMEN. Selected and rendered by various Translators and edited by Margaret Macnicol. With Coloured Frontispiece from the original in the Indian Museum. Crown 8vo pp. 98. *As* 1-8-

This anthology brings together over one-hundred selections rendered into English from the work of fifty six women poets of India dating from 1000 B C. to the present day Fourteen languages are represented and twenty-five translators have lent their services The poems are divided into Vedic India, Early Buddhist Days Mediaeval India and Modern India, while an introduction describes the characteristics of women's poetry in each of these periods, and studies in detail the contributions of the various vernaculars

This little volume, it is hoped, may help in some measure to reveal the outlook of women at different stages of India's history, to shew with what their minds were filled, what their deepest longings were, and what the chief concerns of their daily lives

2550 THE POLITICAL INSTITUTIONS AND THEORIES OF THE HINDUS. A study in the comparative politics by B सरकार. 12-

2551 POLITICAL HISTORY OF ANCIENT INDIA (From the Accession of परीक्षित to the extinction of the Gupta Dynasty) by हेमचन्द्रराय चौधरी.Roy. 8vo. pp 416. *Cu* 7-8-

Dr Raychaudhuri's work in the domain of Indology is characterised by a rare sobriety and by a constant reference to original sources and this makes his contributions specially valuable We have here probably the first attempt on scientific lines to outline the political history of India of the Pre-Buddhistic period from about the 10th Century B C. and the work is one of great importance to Indian history.

2552 PORTFOLIO OF ARCHITECTURAL DRAWINGS. part I *G* 9-

2553 POST VEDIC PHILOSOPHY OF INDIANS by Deussen P. *Gr* 10-

प

2554 Position of Women in Hindu Law, by द्वारकानाथ मित्र. 8vo. pp. 758. *Cu* 12–

The work is a thesis approved for the Degree of Doctor of Laws in the University of Calcutta, It is generally based on original research as well as on the results achieved by previous writers on Hindu Law. It traces historically the various stages in the development of the position of women in Hindu Law

2555 पौराणिकदर्पणम्. (धर्म) पं. शिवशंकर शास्त्रिणा विरचितम् । *Ch* 7–8–

2556 पौरोहित्यकर्मसार (कर्म) Collected with notes by प. रमाकान्तशर्मा, ed. by प रमाकान्तशर्मा. *Ks* –4–

2557 पौलस्त्यवधम् (नाटक) By pt. लक्ष्मणसूरि with introd. by रामस्वामि शास्त्रिन् 1914. *Md* 3–

2558 पौरमहात्म्य, *Vy* –6–

2559 पञ्चतन्त्र (कथा) श्रीविष्णुशर्मसंकलित. *N* 1–4–

2560 — प. जीवरामजी उपाध्यायकृतसंस्कृतटीकासहित । pp.434. *Mc* 1–8–

2561 — With introd, copious notes and transl. by M. R. काळे. तन्त्राः I to 5 *St* 2–

2562 — Tantra I st—with a short comm explaining all difficult compounds, and difficult verses, various readings and copious notes giving a literal transl. of almost all the difficult श्लोकs and prose passages and containing useful information of various kinds

प

Book I, As 12 Book II, III, IV, V. *Gn* each –10–

2563 — Book II, III, IV and V. ed. with Notes, by Dr. G. Buhler. *Bp* –8–

2564 — Book I Ed. with Notes, by Dr. Kielhorn. *Bp* –6–

2565 — Reconstructed. An attempt to establish the lost original Sanskrit text on the basis of the principal extant versions by Franklin Edgerton. 1924 Med. 8vo. (9½+6½) 2 vols. I Text in Roman letters. pp. xx+410 ; 2, Introduction & Translation, pp x+406 27–

2566 — Reconstructed By Edgerton. Sanskrit text in देवनागरि लिपि with introd. तन्त्र, I–V 1929. 8vo. pp 9. 47. *Oa* 1–8–

2567 — Tantra I, Sold separately for –12–

2568 — A collection of ancient Hindu tales, in the recension (called Panchakhyanaka, and dated 1199 A. D.) of the Jaina monk पूर्णभद्र critically edited in the original Sanskrit [in Nagari letters ;] and, for the sake of beginners, with word—division by Dr Hertel. 1908. Roy. 8vo pp 346.

2569 — Text of Purnabhadra with critical Introduction and list of variants by Prof. Hertel. 1912. Roy 8vo. pp. 246.

प

2570 — Text of Purnabhadra and its relation to texts of allied recension, as shown in Parallel specimens. by Prof. Hertel, 1912. pp. 10: and 19 sheets mounted on guards and issued in atlas-form. Roy. 8vo. Price of all three together, *Ho* 12–

2571 — A collection of ancient Hindu tales, in its oldest recension, the Kashmirian entitled Tantrakhyayika. The orig. Sanskrit text [in Nagari letters] editio minor. reprinted from the crictical editio major by Prof. Hertel. 1915. Roy. 8vo. pp. 166. *Ho* 6–

2572 पञ्चदशी (वेदान्त) विद्यारण्यकृत, रामकृष्णविरचित टीकासहित. *N* 1–

2573 — English Translation by B पानगी. *Rt* 2–8–

2574 ——सटीक, *Vu* 2–8–

2575 — श्रीमद्भारततीर्थप्रणीत. with मराठी transl by वासुदेवशास्त्री. 1906. cr. pp. 4, 4, 550, 5. *Ds* 2–

2576 —सुबोध मूळ-अन्वयार्थ सटीकरण प्रत्येक प्रकरणाचा मतितार्थ प्रस्तावना-सविस्तर अनुक्रमणिका. pp. 1200 *Al* 1–

2576*a* — Text in नागरी with Engl. Translation explanatory notes and summary of each chapter by M. S. Rau and कृष्णस्वामी आय्यर. 1912. 8vo. pp. xv, 629. Vt 4–

2577 पञ्चपरमेष्ठि see—अर्धमेरु.

प

2578 पञ्चपक्षी (ज्योतिष) सटीक. Vy –10–

2579 पञ्चपञ्चासिका (ज्योतिष) सटीक, Vy –3–

2580 पंचपादिका By पद्मपादाचार्य ed. by रामशास्त्री. 1891. Roy. pp. III, 9,–100. Vj 3–

2581 पञ्चपादिकाविवरणम् of प्रकाशानन्द with extracts from भावदीप & तत्त्वप्रकाशिका ed. by रामशास्त्री 1882, Roy. pp. 4, 5, 247. *Vj* 5–

2582 पञ्चयज्ञ संस्कृतटीकासह. Vu –5–

2583 पञ्चरत्नगीता—भगवद्गीता, विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुस्मृति तथा गजेन्द्रमोक्ष. (Silk cover) *N* 1–8–

2584 — (Silk cover) pp. 32 *N* 1–

2585 — साधी, मध्यमाक्षरा. pp. 32. *N* –12–

2586 — सूक्ष्माक्षरा. pp. 64 (Silk cover) *N* –8–

2587 पञ्चरात्रम् of भास with the comm. सुधा. ed. with introd. Engl. transl. notes, & glossary by W. G. उर्लिंग. 1920. 4–

2588 — of भास ed. by T. गणपतिशास्त्री. *Tr* 1–

2589 पञ्चलक्षणीसर्वस्वम् By कृष्णमूर्ति श्रीरामशास्त्री. 1926. cr. pp. 15, 150. तेलगू. 2–

2590 पञ्चविधानसूत्रम् By Richard Simon. 1913. Roy. pp. 81.

2591 पञ्चशती (स्तोत्र) मूकरचित. *Km* 7 1–

2592 पञ्चशती (स्तोत्र) मूकरचित. *Md* 1–

प

2593 पञ्चसंग्रह (जैन) of चन्द्रर्षिमहत्तर with the comm मलयगिरजी. pt. 1 to 4. *Jb* each. 7-8-

2594 पञ्चसायक— (कामशास्त्र) कविशेखरज्योतीश्वराचार्यप्रणीतसटिप्पणम् । सदानन्द शास्त्रिणा परिशोधित । *Mt* 3-4-

2595 पञ्चस्तवी (काव्य) गोकुलनाथकृत. *Km 3* 1-

2596 — स्तोत्र *Vy* -3-

2597 पञ्चीकरण (वेदान्त) of श्रीशंकराचार्य with two comments in संस्कृत (1) वार्तिक of सुरेश्वराचार्य with वार्तिक भाष्य and (2) विवरण by आनन्दगिरी with तत्वचन्द्रिका by श्रीरामतीर्थ. *Ks* -8-

2598 पृथ्वीचन्द्रचरित्र श्लोकबद्ध, (जैन) of लब्धिसागरसूरि. *Jb* 1-8-

2599 पृथ्वीराजचव्हाणचरितम् (संस्कृत) *S.B.R.* 1-8-

2600 पृथ्वीराजविजय A संस्कृत epic by चान्दकवि with the commentary of जोनराज, ed. by Dr.S, K. बेलवलकर. (1914-1922). *Bi* 2-4-

2601 प्रकरणपञ्चिका (मीमांसा) of प्रभाकर school by शालिकनाथ with मीमांसासार संग्रह *Ch* 5-

2602 प्रक्रियाकौमुदी (व्याकरण) रामचन्द्राचार्यविरचिता । भट्टोजीदीक्षितकृत सिद्धांतकौमुदीयमूला । सन्धिपंचक नाम प्रथमोभागः । Demy 8vo. 24, *V2* -8-

2603 — ed. by K. P. त्रिवेदी Vol 1. *Bp* -10-

2604 प्रचंडपाण्डव (नाटक) orig text ed with notes by Cappeller. 4-

2605 प्रणयमाधव (नाटक) *Vy* 1-8-

प

2606 प्रतापरुद्रकल्याणम् (नाटक) सटिप्पणम्—श्रीविद्यानाथविरचितम् *Gn* -8-

2607 प्रतापरुद्रयशोभूषण of विद्यानाथ with comm. of रत्नापण of कुमारस्वामि ed. by K. P. त्रिवेदी. *Bp* 11-

2608 प्रतापरुद्रीयम् (अलंकार) विद्यानाथप्रणीतम् । मल्लिनाथसूनुना कुमारस्वामिना विरचितया रत्नापणाख्यया व्याख्यया समन्वितम् । अलङ्कारशास्त्रजिज्ञासूना अत्युपकारकोऽत्यावश्यकश्चाय ग्रन्थः । अस्मिन् पुस्तके नव प्रकरणानि सन्ति । नायक—काव्य—नाटक—रस—दोष—गुण—शब्दालङ्कार——अर्थालङ्कार—मिश्रालङ्कार प्रकरणानीति । अलङ्कारशास्त्रसमार्वेज्ञ्य यावन्तो विषया ज्ञातव्याः सर्वेऽपि तावन्त· नितरा सग्रहेण रमणीयया पण्डितहृद्याल्हादिन्या सरण्या उपपादिता । 1914 *Bm* 1-8-

2609 प्रतापसिंहचरितम् (संस्कृत) by हसूरकर. *Sbr* 1-1-

2610 प्रतिष्ठामयूख (धर्म) सर्वदेवप्रतिष्ठापनावर्णनविधी. *Vy* 6-

2611 प्रतिभाबोधकम् (ज्योतिष) म. म. प. श्रीसुधाकरद्विवेदी विरचितम् । प. श्रीगङ्गाधरमिश्र मैथिली कृतादर्शतलसज्ञक तिलकेनामलङ्कृतम् । *Hs* -8-

2612 प्रतिमा—(नाटक) of भास with introd. transl & notes by Prof. S. M परांजपे. 1927. 8vo pp. XX, II, 188. *Oi* 3-

2613 — ed by T. गणपतिशास्त्री. *Tr* 2-

2614 प्रतिसांवत्सरिकश्राद्धप्रयाग.—(धर्म) *N* -6-

2615 प्रतिष्ठामयूख (धर्म) *Gu* -8-

2616 प्रतिज्ञायौगंधरायणम् (नाटक) of भास ed. by गणपतिशास्त्री. *Tr* 1-8-

प

2617 प्रत्यक्षशारीरम् (वैद्यक) A Text book of Human Anatomy in संस्कृत with Engl. and संस्कृत introd. containing a short history of आयुर्वेद literature by म. म. कविराज गणनाथसेन. 1918. Pt. I and II, Roy. pp. 2, 6, 17, 147, 4. *Cc* 11-8-

2619 प्रत्यभिज्ञानकारिकावृत्ति By उत्पलदेव. Bound in one. *Km* 3-
Represent briefly the doctrines of the Recognitive School expounded by Somananda with preface and introd. in Engl

2620 प्रत्यभिज्ञाहृदयम् (वेदान्त) Summary of the doctrines of the *Advaita Shaiva* Philosophy of Kashmir by क्षेमराज. *Km* 1-6-

2621 प्रत्येकबुद्धचरित्रगद्य (जैन) of इन्द्रहंसगणि. 2nd. edn. *Jb* 1-

2622 प्रद्युम्नाभ्युदयम् (नाटक) by रविवर्मा भूप. *Tr* 1-

2623 — श्रीचन्द्र. *Jb* 6-8-

2624 प्रद्युम्नचरित्र (जैन) By हीरलाल. *Jb* 3-8-

2625 प्रपञ्चसारतन्त्र ed. by तारानाथ विद्यारत्न with an introd. in Engl. by Arthur Avalon. *Tt* 3-

2626 प्रपञ्चसारविवेक (धर्म) *Vy* 1-

2627 प्रपञ्चहृदयम्. (तन्त्र) *Tr* 1-

2628 प्रपञ्चपारिजात (वेदान्त) *Su* -4-

2629 प्रपञ्चागम सूत्र. (स. सं.) *Vy* 4-

2630 प्रबन्धकल्पलतिका (essay) ed. by ज्योतिर्नाथ महाचार्य. *St* 1-

2631 प्रबन्धचिन्तामणि (कथा), or Wishing-stone of Narratives composed by मेरुतुङ्गाचार्य. Transl. into Engl. from the orig. Sansk. by C. H. Tawney. (1894-1910) *Bi* 4-12-

2632 प्रबोधचन्द्रिका—(व्याकरण) वैजलभूपकृता। अयं चोदाहरणमयः। पद्यात्मकोऽयं। Roy. pp. 16 mo. 48. *Vz* -4-

2633 प्रबोधचन्द्रोदय (नाटक)—श्रीमत्कृष्णमिश्रयतिविरचित, नाण्डिल्लनाथप्रभुविरचित (1) चन्द्रिकाटीका तथा दीक्षितरामदासविरचित (2) प्रकाशटीकासह. *N* 1-4-

2634 — A Drama on the conflict between the higher and lower nature of Man, ultimately ending in the triumph of the former: and श्रीशंकराचार्य's आत्मबोध. Translated by Mr. Taylor. *Rt* -8-

2635 — सटीक. *Vy* 1-4-

2636 प्रबोधसुधाकर-(काव्य) *Km* 8 1-

2637 प्रभाकरविजयम् (मीमांसा) A short but illuminating exposition of the doctrines of the प्रभाकर school of मीमांसा philosophy by नंदीश्वर, ed. by A. K. रामनाथशास्त्री. 1926. 8vo. pp. 8, 16, 102. *Sr* 1-4-

2638 प्रभावकचरित—(जैन) *N* 1-8-

2639 प्रमाणपद्धति (वेदान्त) by श्रीजयतीर्थाचार्य with the gloss of जनार्दनभट्ट. *Mr* 1-10-

2640 प्रमाणलक्षणटीका (वेदान्त) or न्यायकल्पलता by जयतीर्थस्वामि with the gloss of रामेन्द्रस्वामि. *Mr* 1-8-

2641 प्रदीपकमल्लमार्तण्ड—(कर्म) चन्द्रप्रभाचार्यविरचित. *N* 4-

प

2642 प्रमेयरत्नार्णव (वेदान्त) of श्रीबालकृष्णभट्ट ed. by रामगोपालभट्ट. *Ch* 1-8-

2643 प्रयागमहात्म्य मूल. *Vy* -7-

2644 प्रयोगपारिजत (कर्म)-नृसिंहीयस्य प्रथमषोडशसंस्कारकाण्डानि with the meanings of the मन्त्राs. *N* 4-

2645 प्रयोगरत्न (कर्म) नारायणभट्टी उत्तरनारायणभट्टी-अंत्येष्टि समन्त्रक. *N* 2-

2646 ——— *Vy* 1-8-

2647 प्रवचनसरोद्धार सटीक (जैन) of नेमिचन्द्रसूरि with the comm. of सिद्धसेनसूरि. *Jb* 32-

2648 प्रशस्तपादभाष्यम्-(वैशेषिक) With an unpublished comm called सूक्ति by the famous Naiyayika जगदीश तर्कालंकार and a new com. on सूक्ति and Bengali elucidation by the author. 8vo. pp. 4,8, 23, 222. *Ss* 2-

2649 — (वैशेषिक) by प्रशस्तदेवाचार्य with three comments (1) सूक्ति, by जगदीश तर्कालंकार, (2) सेतु, by पद्मनाभमिश्र and (3) व्योमावती, by व्योमशिवाचार्य, ed. by प गोपीनाथ कविराज and प. धुण्डिराजशास्त्री. *Ch* 7-8-

2650 प्रशस्तभाष्यटीकासंग्रह (वैशेषिक) A collection of comments on the प्रशस्तभाष्य and कणादरहस्य by श्रीशंकर मिश्र and reviews on the प्रशस्तभाष्य (समालोचन) and तर्कालंकार भाष्यपरीक्षा ed. by प. विन्ध्येश्वरिप्रसाद द्विवेदी and धुण्डिराजशास्त्री. *Ch* 3-

2651 प्रश्नास्तिकाशिका-(स्तोत्र) बालकृष्णस्य. *Gn* 6-

प

2652 प्रश्नमार्ग (ज्योतिष) Revised and ed- wtih explantory foot-, notes by P. N. नीलकण्ठशर्मा. 1926. अध्याय 1-16. 8vo. pp. 4,10, 327, 52. *Vd* 4-

2653 —— *Bm* 4-

2654 प्रश्नचिन्तामणिग्रन्थ.—(जैन) of वीरविजयजी. *Jb* 4-

2655 प्रश्नवैष्णव (ज्योतिष) श्रीमन्नारायणदाससिद्धविरचित. *Ch* -8-

2655*a* प्रश्नोपनिषद्। सटीकशाङ्करभाष्योपेता, शङ्करानन्दविरचितप्रश्नोपनिषद्दीपिका च। *Aa* 1-

2656 — Text and Engl. Transl. by स्वामी शर्वानंद *Ad* -12-

2657 प्रश्नोत्तरमाला सटीक (जैन) of विमलाचार्य with the comm of देवेन्द्रसूरि. *Jb* 13-

2658 प्रश्नोत्तररत्नमाला (वेदान्त) सटीका-शङ्करानंदस्य. *Gn* 1-4-

2659 ——— *Vy* -2-

2660 प्रश्नोत्तरपयोनिधि—(वेदान्त) बलरामदासमुनिकृत. *N* -3-

2661 प्रश्नावली (ज्योतिष) ed. by हरिपद चट्टोपाध्याय. *Sd* -8-

2662 प्रसंगाभरण (काव्य) *Gn* 3-

2663 प्रसन्नराघव (नाटक) श्रीजयदेवकविविरचित *N* -12-

2664 — श्रीरसप्रधान, स्वइविशेषे शृंगारकरुणरसगर्भितम्। pp. 168. *Lz* 1-4-

2665 प्रसूतितंत्र—(वैद्यक) श्रीयामिनीभूषणकृत. *Mi* 2-

2666 प्रस्तावचन्द्रिका (निबंध) प. नृसिंहदेवशास्त्रीविरचित. *Mc* 1-8-

प

2667 प्रस्तावप्रभाकर कुशलापरनामकेन रामचन्द्रशास्त्रिणी निर्मितः । गणेशदत्त शास्त्रिभिः संशोधितः । 1918, 8vo. pp. 5–52.

2668 प्रस्तावशतक सटीक (जैन) of केसरविमल. *Jb* 12–

2669 प्रस्थानभेद (वेदान्त) by मधुसूदन-सरस्वती. Roy. pp. 16. *Vv* –3–

2670 — In मराठी By G. V. लेले. 1914. cr. pp. 2, 8, 256, 2. 1–4–

2671 प्रस्थानरत्नाकर (वेदान्त) शुद्धाद्वैत Philsophy by गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी-महाराज, ed. by रत्नगोपालभट्ट. Ch 3–

2672 ——— *Vy* 1–2

2673 प्रहस्तवाद सटीक. *Vl*

2674 प्रज्ञानानन्दप्रकाश श्री १०८ मत्पर-महंस प्रज्ञानानन्दसरस्वतीस्वामिविरचिता। भावार्थकौमुदीटीका। प्रज्ञानानन्दपरिशि-ष्टाभ्यां भाषानुवादेनसहितश्च। *Ch* 3–

2675 ——— *Sd* 3–

2676 प्राकृतकथासंग्रह (जैन) ed. by मुनिजिनविजय. 1921. 8vo. pp. 72. *G.p.t.m* –12–

2677 प्राकृतधम्मपद by Barua and S. N. Mitra. 8vo. pp. 322. *Cu* 5–

A new edition of the Dutreuil de Rhins Kharoshthi Ms of the *Dhammapada*, of which an edition was published in the *Journal Asiatique* in 1897 by M. Senart. The joint editors have reconstucted whole passages from minute fragments not utilised by M. Senart, and they have brought in the results of their vast and deep Pali Studies in establishing the text. The importance of the *Dhammapada* as a world classic need not be emphasised too much. In the Introductory essay, there is an able study of the question of the literary history of this work.

2678 प्राकृतप्रकाशम्,(व्याकरण) of वररुचि with two comments (1) of वसन्तराज and (2) of सदानन्द. Part 1 8vo. pp. 4, 171, Part II 185 to 405, 14. *Sb* 5–

2679 — with the text of भामह and notes by उदयरामशास्त्री. *Ks* 1–4–

2680 — ed. by वसन्तकुमार चट्टो-पाध्याय. *Sd* 1–8–

2681 — ed. by रेवतीकान्त भट्टा-चार्य. *Sd* 1–

2682 — वररुचिकृतसूत्राणां भामह-कृतव्याख्या सटिप्पण. *Kg* 2–

2683 प्राकृतपिङ्गलम् — (छंद) A treatise on Sanskrit Prosody. with the commentaries of विश्वनाथपञ्चानन वनसिंहार, कृष्ण and यादवेन्द्र. Edited and supplemented with a complete index and glossary of all Prakrita words in the text by चन्द्रमोहन घोस. *Bs* 6–

2684 प्राकृतपिङ्गलसूत्राणि—श्रीमल्लक्ष्मीनाथ-विरचित, हर्षिनाथटीकासह. *N* 1–

2685 प्राकृतमञ्जरी (व्याकरण) श्रीमत्कात्या-यनमुनिनिर्मितप्राकृतसूत्रप्रवृत्ति. *N* 6–

2686 प्राकृतमार्गोपदेशिका (जैन) 1–4–

2687 प्राकृतरूपावतार—(व्याकरण) A Prakrit grammar based on the वाल्मीकिसूत्र. 8–12–

2688 — of सिंहराज. The text in Nagari characters with notes

प

introd and index by Hultzsch E 1909, 8vo *Rt* 7-12-

2689 प्राकृतलक्षणम् (व्याकरण) By चण्ड, ed by रवन सन्त भगवार्ड 1923 cr pp 2, 23, 6 39 1-

2689a — or chanda s grammar of the Ancient Prakrit (Arsha) ed by Hoernle H Pt I 15-

2690 प्राकृतव्याकरण श्रीमदाचार्यविरचित । स्वीयवृत्तिसहित । श्रीजैनाचार्य-प्रथमायमात । 8vo pp 136 *Vz* 1-

2691 — by B G डोशा publ by N M काठारा 1905 8vo pp 353 *G p l t* 4-

2692 — With an Engl transl by प का काशिका 1883 8vo pp V, 160 *Mc* 2-

2693 प्राकृतसर्वस्वम् of मार्कण्डेय, ed by यकन्मट्टनाथस्वामि 1927 Pt I 8vo pp 127 3-

2694 प्राकृत and संस्कृत inscriptions of कर्नाटक publ by H H the महाराजा of भावनगर pp 233 20-

2695 PRACTICAL GRAMMAR OF THE संस्कृत Language for the use of early students by Th Benfey London 1803 Roy pp XVII 228 5

2696 — — of the पाली Language by S Duroiselle 1921 3rd edn cr pp 1 IX 345 7-8-

2697 प्राचीनलेखमाला Pt 1 to 3 *N* 5-

प

2698 प्राचीनगुर्जरकाव्य A collection of old गुजराती poems dating from 12th to 15th centuries A D ed by C D दलाल 1920 *Go* 2-4-

2699 प्राचीनसाहित्य By रवीन्द्रनाथ ठाकुर Transl into गुजराती by M H देसाई & N D पारीख 1928 cr pp 5 125 *G p/m* -12-

2700 प्राणाभरणम् (काव्य) By प जगन्नाथ *Kmt* 1-

2701 प्रातःस्मरण (स्तोत्र) *Vy* -2-

2702 THE PROBLEM OF to be, by Wallesser M *Gr* 1-8-

2703 THE PROBLEM OF BUDDHISTIC PHILOSOPHY by Rosenberg D 10-

2704 PROBLEMS OF RURAL INDIA by नागेन्द्रनाथ गाङ्गुली *Cu* 2-4-

2705 — of the साहित्यशास्त्र by भावरशास्त्री पाठक 1923 Roy pp 5 -8-

2706 प्राभाकर भारतशाक साहित *Vl* 7-

2707 — मूल *Vl* 4-

2708 प्रामाण्यवाद —(न्याय) *St* 3-?-

2709 प्रायश्चित्तकदम्ब (धर्म) *Kg* -8-

2710 प्रायश्चित्तनिर्णय (धर्म) अग्निपुराणान्त *Vy* -2-

2711 प्रायश्चित्तप्रकरण of भट्टभवदेव, ed by Pt गिरिशचन्द्र वेदान्ततीर्थ *Vr* 2-

2712 प्रायश्चित्तमयूख —(धर्म) *Gu*

2713 — Text with मराठी transl by T B ऐनापुर publ by A M मराना 1914 Roy pp 433 429 3-4-

प

2714 प्रायश्चित्तमनोहरः पण्डितप्रवरेण श्रीकान्हुमिश्रशर्मणाविरचितः। श्रीआनन्दमिश्रकाव्यस्मृति तीर्थनसशोधितः। 8vo pp. 90, 7.

2715 प्रायश्चित्तेन्दुशेखरः (धर्म) Vy -12-

2716 Primer of Hinduism, by J. N. FARQUHAR. 1912. 2nd edn. revised and enlarged. pp. 222, with forty nine illustrations, Of 1-4-

2717 PRIMER OF PHONETICS by Jespersen O. 5--

2718 प्रसन्नपदा A commentary on the माध्यमिकसूत्र in Tebetan by चन्द्रकीर्ति, ed. by D. M. Wallesser. 1914. Bt 1-

2719 Prolegomena to a History of Buddhistic Philosophy, by B. M. Barua, (Lond.) Roy. 8vo. pp. 52. Cu 1-8-
The book embodies the results of a scientific enquiry by the author, from the historical standpoint, into successive stages in the genesis and increasing organic complexity of a system of thought in India, supposed to have evolved out of a nucleus as afforded by the discourses of Gautama, the Buddha.

2720 Prospectus to a New and Critical Edition of the महाभारत also containing an up-to-date History and Review of work done hitherto on the महाभारत by N. B. उत्गीकर. 1914 Roy. pp. VI, 42 Bp -8-

2721 प्रियदर्शन सुपम् of [illegible] with the comm. [illegible] of

प

श्रीहलायुध. 8vo. pp. 5, 6, 239. Cl 1-8-

2722 — Ed. by रेवतीकान्त भट्टाचार्य Sd 1-8-

2723 प्रियंकरचरित्र (जैन) उवसग्गहरस्तोत्र माहात्म्ययुत. 2nd edn. Jb 2-

2724 प्रियदर्शिका (नाटिका) of श्री हर्ष. An old संस्कृत love drama, text, annotations, transl. into Engl. by R. P. कारके. 1928 2nd edn. Roy. 12mo pp. 216. Ana 2-8-

2725 — A Sanskrit Drama of the Seventh Century A. D. Transl. into Engl. by G. K. Nariman, A. V. W. Jackson, and C. J. Ogden. with an introd. and notes by the two latter, together with the Text in Transliteration 1923. pp. cxii+138 with frontispiece, Cu 9-

2726 — with comm, and प्रस्तावना. Demy 8vo. pp xlviii—97 Vt 1-

2727 — French transl. by Strehly G. 1888, cr. pp.63. 2-

2728 The short comedy of मत्तविलास ed. with an introd. notes translation and appendices by N. G. सुरू. 1928 crown 16 mo. pp. 229. 2-

2729 PRELIMINARY list OF संस्कृत AND प्राकृत MANUSCRIPTS. 1910 8vo pp. 279. Ad

2730 Pre-Historic India, by पञ्चानन मित्र. 8vo. pp. 300 (with 30 coloured plates) Cu 6-

प

One of the pioneer works on Indian pre-history by a young Indian scholar who is well posted in the latest work in this subject

2731 PRE-MUSSALMAN INDIA by M. S. नटेसन. 1917. cr. pp. XVI, 138, X *Md* 1–

2732 PREPARATION PAPERS IN संस्कृत for Matric Candidates by M P. ओक. 1928. 8vo pp, 32. *Oa* –8–

2733 Primitive culture of India, (lectures delivered in 1922 at the school of Oriental Studies) by Hodson C (James G Forlong Fund) Vol 1. 5–4–

2734 PRINCIPLES OF TANTRA. The Tantratattva of श्रीशिवचन्द्र विद्यारत्न, भट्टाचार्य महोदय, ed with an introd. and comm by Arthur Avalon. Part I. *Tt* 8–

2735 — Part. II. with an introd by वरदकान्त मजुमदार, ed by Arthur Avalon. *Tt* 12–

2736 THE PRINCIPLES OF HINDU Ethics by M A. Buch 1921 cr. pp 18, XI, 600 10 *Bd* 7–

2737 ——— *Sb* 6–4–

2738 PRINCIPLES OF INDIAN शिल्पशास्त्र together with the texts of मयशास्त्र by Prof फणीन्द्रनाथ बोस of विश्वभारती Univ with a forword by Dr. James H cousins cloth 3–8–

2739 PRINCIPLES OF हिंदु & Mohammaden LAW by the late sir W. H Macnaughten, ed by H. H. Wilson. 1882. 2nd edn cr. pp. XXX, 240 7–

प

2740 PRINCIPAL TWELVE उपनिषदाः (1 ऐतरेयआरण्यक, 2 कठ, 3 कौषीतकीब्राह्मण, 4 छान्दोग्य, 5 तल्वकार, 6 तैत्तिरीय, 7 प्रश्न, 8 बृहदारण्यक, 9 मुण्डक, 10 मैत्रायण ब्राह्मण, 11 वाजसनेयिसंहिता and 12 श्वेताश्वतर) transl by oriental scholars and ed by Max Muller. *Of* 12–

2741 प्रेतकल्प (German) in गरुडपुराण with नवनिराम's सारोद्धारटीका by E. Abegg 1921 8vo pp. X, 272. 4–

2742 प्रेमसागर or OCEAN OF LOVE. Being the literal Hindi transl of Lallu Lal Kairas, ed by late Prof Eastwick fully annotated & explained grammatically, ediometically and exegetically by Frederick Pincot 1897 8vo. pp xx 327, 16

2743 प्रेमामृत or AMOURISM by R S शर्मा 1922 cr pp. 16, 254 *Bo* 2–

2744 प्रेमामृत परिवृढाष्टकच *Vl* –8–

2745 THE PLACE AND IMPORTANCE OF JAINISM in the Comparative Science of religion by O Pertold. –8–

2746 THE PLAYS ASCRIBED TO भास their Authenticity and Merits by Prof देवधर 1927 8vo pp. 68. *Oa* 1–

2747 PROCEEDINGS OF THE FIRST ORIENTAL CONFERENCE Vol I & II Roy pp XII, 470 13–

प

2748 — of the Second Oriental Conference Vol II 10-

2749 PROCEEDINGS of the 3rd. Oriental Conference, 1915 Roy pp. LXX. 745. 10-

2750 — of the 4th Oriental Conference 2 Vols 13-

2751 प्रौढमनोरमाव्याख्यानकल्पलता । (व्याकरण) श्रीकृष्णमित्रकृता, अव्ययीभावपर्यन्ता । Ch 3-

2752 प्रौढमनोरमाखण्डनं, (व्याकरण) प० श्रीचक्रपाणिदत्तविरचितं,प० विन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदिना,प० श्रीगणपतिशास्त्रिणा च शोधितम्, pp. 140 L- 1-4-

2753 प्रौढबोध (व्याकरण) In मराठी By R. B. जोशी, 1900 3rd edn. rare cr. pp. XII, 553 2 2-12-

2754 PERSIA ANCIENT, THE LIGHT OF, see—The Light of Ancient Persia

2755 PATHOLOGY, A संस्कृत System of, see—A संस्कृत System of Pathology.

2756 PUNJAB MUSEUM, LAHORE, the COINS in, see—the Coins in the Punjab Museum, Lahore

2757 PARISISTAS OF अथर्ववेद see—अथर्ववेद No 26

2758 पिंगलसूत्र. THE EXTRACTS OF, see—THE EXTRACTS OF पिंगलसूत्र.

2759 Pre - BUDDHISTIC INDIAN PHILOSOPHY, the HISTORY OF see —THE HISTORY OF the PRE BUDDHISTIC INDIAN PHILOSOPHY

2760 PRINCIPAL उपनिषद् AND भगवद्गीता, Recurrent and parallel passages in, see—Recurrent & Parallel Passages in Principal उपनिषद् & भगवद्गीता

2761 PROVINCIAL CABINET OF COINS in Eastern Bengal and Assam, a Catalogue of, see—A Catalogue of Provincial Cabinet of Coins in Eastern Bengal and Assam,

2762 PROVINCIAL CABINET OF COINS,–Assam, a Catalogue of, see—A Catalogue of Provincial Cabinet of Coins Assam.

2763 PROVINCIAL MUSEUM, LUCKNOW, A CATOLOGUE OF, see—A catalogue of Provincial Museum, Lucknow

2764 प्राकृत,An introduction to see—An introduction to प्राकृत

2765 प्राकृत LANGUAGES, the GRAMMAR of—see—The Grammar of प्राकृत Languages

2766 पाणिनीय सूत्र-धातुपाठ, an index to, see—An index to पाणिनी's सूत्र s–धातुपाठ

2767 पाणिनि by GOLDSTUCKER, see—Goldstucker on पाणिनि.

2768 पाणिनीयशिक्षा, A STANZA FROM, see—A stanza from पाणिनीयशिक्षा.

2769 पतंजलि, the STUDY OF, see—The Study of पतंजलि

2770 पतंजलि, the योग APHORISMS of, see—The योग Aphorisms of पतंजलि.

2771 पालि LANGUAGE, the PRACTICAL GRAMMAR OF, see—The

प

Practical Grammar of the पाली Language

2772 पाली A MANUAL of, see—A Manual of पाली

2773 पारसी, AN ESSAY ON THE SACRED LANGUAGE, WRITINGS & RELIGION, see—An essay on the sacred Language, writings and Religion of the पारसी

2774 POETRY THE DEFINITION OF, see—The Definition of Poetry

2775 परिभाषेन्दुशेखर (व्याकरण) ed by कृष्णशर्मा with notes by Pt शिवरामशास्त्री कृत Ks 1-4-

2776 — सामान्य Kg 1-8-

2777 — मूल Vy 1-4-

2778 पाणिनीयशब्दानुशासन (व्याकरण) सिद्धान्तकौमुदीव्याख्यानरूपम् । आद्यपर्यन्त - प्रथमाभाग । Cl 2-

2779 — तद्धित-कृदन्त । Ch 2-

2780 — स्त्रीप्रत्ययान्ते भाग । Gbl 2-

2781 — कारकसमासान्त । 2-

2782 FIRST OUTLINES OF A SYSTEMATIC ANTHROPOLOGY OF ASIA, by V Giuffrida-Ruggeri, trans lated from Italian by हरचन्द्र चक्रवर्ती Roy 8vo pp 110 Cu 1-8-

It gives an account of the anthropometric characteristics in respect of stature cephalic index and nasal index of living subjects with additional information on the subject obtained by the author from different sources

फ

2783 THE FIRST PRINCIPLES OF KNOWLEDGE by Rickaby J— 1896 5-

2784 FIRST BOOK OF SANSKRIT by R G भाण्डारकर On 1-

2785 "A FORGOTTEN EMPIRE" विजयानगर by Sewell R 1924 9-

2786 FRAGMENTS FROM दिङ्नाग by Randle H N 1926 Ri 6-

2787 फक्किकारत्नमञ्जूषा—(मूल) Vy -12-

2788 FORMAL TRAINING AND THE ANCIENT INDIAN THOUGHT, by G I सिंह Sb 5-

2789 FOUNDATIONS OF INDIAN POETRY (being a survey of the origin and development of theories of Indian Poetics from the earliest period) by Dr J Nobel 8vo pp 881 Co 5-

2790 FISCAL ADMINISTRATION— UNDER EARLY COLAS by H कृष्णशास्त्री 8vo pp 223-235- Oa -8-

2791 THE PHILOSOPHY OF ACTION or गीतारहस्य of B G टिळक by मिताक्षरे Hl 2-8-

2792 PHILOSOPHY OF BIBLE by Deusson Paul G 5-

2793 — of BRAHMANICAL सच्चिदानन्द Rl 12-

2794 PHILOSOPHY OF THE GREEKS by Deusson Paul Gr 9-

2795 — OF ANCIENT India by Grabe R 1899 Op 2-4-

2796 — OF रवीन्द्रनाथ टागोर by Prof S राधाकृष्ण 8vo 6-8-

फ

2797 — OF शङ्कराचार्य by M A Buch publ by A G Widgery 1921 cr pp 276 *Bd* 3-

2798 — OF वैष्णव RELIGION (With special reference to the Krishnite and Gaurangite Cult) by Prof गिरीन्द्र नारायण मलीक 8-

2799 — of the वेदान्त in its relations to the occidental Metaphysics by Dr Paul Deussen *Ad* -2-

2800 — of उपनिषद्s by Deussen Paul, transl into Engl by Clark *Mt* 14-

2801 — of the उपनिषद्s with foreword by रवीन्द्रनाथ टागोर and introd by Edmond Holmes, ed. by रामकृष्ण 1924 5-

2802 — AND HISTORY, by G H Langley 1926. Roy. pp 21

2803 PHILOSOPHICAL TEACHINGS IN THE उपनिषद्s *Po* 3-

2803a फिनीशियन्स (Essay) in French on the History, Antiquity of the Mediterrance. 5-

2804 FOOD & DRINK in RAMAYANIC age by M N Roy *Sb/*

2805 THE PSYCHOLOGY AND ETHICS OF BUDDHISM by Bohn W *Gr* 9-

2806 PHENICIENS (French) by Autran C 6-

2807 FOLK TALES OF HINDUSTAN *Ut* 4-8-

2808 FOUR UNPUBLISHED UPANISHADIC TEXTS (छागलेय, आर्षेय, शौनक)tentatively ed. & transl for the first time पर्यङ्कविद्या (कौषीतक्युपनिषद् chap, Text & Transl 1925. Roy pp 34. *Md* 1-

2809 PHOTOGRAPHIC NEGATIVES OF INDIAN ANTIQUITES at Simla. 4-

2809a ——— 9-

2810 फतेपुरसीक्री, Mogul Architecture of see—Mougal Architecture of फतेपुरसीक्री

2811 PHILOSOPHY of वेदान्त, see—The वेदान्त Philosophy

2812 PHILOSOPHY, AN OUTLINE of THE वेदान्त SYSTEM of, see—An outline of the वेदान्त System of philosophy

2813 PHILOSOPHY (Contemporary) The reign of religion in, see—The reign of religion in the contemporary philosophy

2813a PHILOSOPHY of RELIGION an essay in, see—An essay in the philosophy of religion

2814 PHILOSOPHY, INDIAN, an outline of, see—An outline of the Indian Philosophy

2815 PHILOSOPHY OF वेद upto Upanishadic period A general Introduction to, see — A general introduction to the Philosophy of वेद upto Upanishadic period

2816 PHONETICS, a Primar of, see— The Primer of Phonetics

2817 FIRST ORIENTAL CONFERANCE The proceedings of, see—The

प

proceedings of the first oriental conferance

2818 FOURTH ORIENTAL CONFERENCE the Proceedings of, see— The Proceedings of the fourth Oriental Conference

2819 बलिनारायणमहात्म्य मूल Vy -8-

2821 THE BIRTH PLACE OF कालिदास with notes, references and appendices, by Pt लक्ष्मीधर कल्ल शास्त्री 1926 Roy 8vo pp III, 165 Du 1-8-

2822 Birth of the War-God (कुमारसम्भव) A Poem by कालिदास, transl from the संस्कृत into English verse by T H Griffith 1879 Roy pp V, 89 Al 3-

2823 बल्भद्रचरित्र श्लोकबद्ध -(जैन) of शुभवर्धनगणी 2nd edn Jb -10-

2824 बाणाष्टचरित्र by आनन्दभट्ट ed by हरप्रसादशास्त्री (1904) Bi -10-

2825 बाण AND HIS MUSE by अर्जुननाथ पण्डित 1917 Roy pp 20 La 1-8-

2826 बाणभट्ट An essay in मराठी by P. G पारखीशास्त्री 1905 2nd edn 8vo pp 11 4 180 2 1-

2827 बाधगाम्भीर्य (न्याय) Su -15-

2828 BOMBAY IN THE ELEVENTH CENTURY by H शास्त्री 8vo pp 249-254

2829 बालचरित of भास transl into German by Weller H 4-

2830 बालबोध संग्रह Vl -6

2831 बालम्भट्टी A comm on the मिताक्षरा (a treatise on हिन्दु Law) by बालम्भट्ट. Corrected and ed by गोविन्ददास (1904-1907) Bi 2-4-

2832 बालभारत (काव्य) अमरचन्द्रसूरि विरचित N 3-4-

2833 बालभारत AND प्रचण्डपाण्डव (नाटक) N 1-

2834 बालरामायण(नाटक) कविकुलशेखरराज राजशेखर प्रणीतम । अस्य कवेरिदानीं कर्पूरमञ्जरी, बालरामायणम, विद्धशालभञ्जिकेति ग्रन्थत्रयमुपलभ्यते । एतनास्य कवेः प्राचीनत्वमनुमेयं । श्रीरामचन्द्रस्य बाल्यदशामारभ्य समग्रचरितं विंशतिदशाङ्कघटितमपूर्वं बालरामायणं नाटकमकरोत् । एतन्नाटकमपि वीररसप्रधानं । स्थलान्तरे शृङ्गारकरुणरसगर्भितं चास्ति । cr pp 328 L 2-

2835 बालशास्त्रीजाम्भेकरयाणांजीवनवृत्तान्त cr. 8vo pp 328, 40 Lz 3-

2836 बालसंस्कृतप्रभाकर [व्याकरण] Vy -10-

2837 बार्हस्पत्यअर्थशास्त्र OR THE SCIENCE OF POLITICS ACCORDING TO THE SCHOOL OF बृहस्पति Original text in देवनागरी ch ed with an introd notes and Engl transl by Dr F W Thomas together with an historical introductory remarks and indexes by Pt भगवद्दत्त Po 2-8-

2838 BOWER MANUSCRIPTS by A. Hoernle Gi 32-8-

2839 Bibliotheca Buddhica—

-Complete set available Nos I to XXV each fasc for Rs 5 only of these some Books are in Devanagari characters.

ब

only, others in Russian. Tibetian and Turkish.

2840 BIBLIOGRAPHY of संस्कृत DRAMA, with an introductory sketch by M Schuyler 1906 pp. xii+106. *Kd* 9-8-

2840*a* BRIEF SUMMARY OF THE युग of the glorious age exhibited by Sir Charles Elliott. 1895 8vo pp 25, xvii *Bt* 1-8

2840*b* BRIEF SKETCH of पूर्वमीमांसा system by P. V. काणे 1924. Roy. pp 39 1-

2841 विज्ञापनराज्य विज्ञापकगिरिरचित *Km13* 1-

2842 BEGINNINGS of INDIAN PANTHEISM by Lauman. 1-8-

2843 THE BEGINING OF INDIAN DRAMA by Hillebrandt 1-

2844 बीजगणितम् पूर्वगणित भा—(Elements of Algebra) of भास्कराचार्य with expository notes and illustrative Examples by Pt सुधाकर द्विवेदी, ed with further Notes by P, मुरलीधरझा. *Bn* 2-

2845 बीजगणितम् प० नवांकुराभिधीयम् । Part I & II *Ch* each. 2-

2846 — — ed by पाण्डुरङ्ग दत्तात्रेयदेवे *Sd* 2-

2847 BOOK OF THE BALANCE OF WISDOM, an Arabic work on the water-balance, written by Al Khazini in the 12th century & ed by Khanikoff C. 1857. 5-

भ

2848 THE BOOK OF THE CAVE— गौरीशंकरगुहा by आनंदाचार्य Cr. 8vo. *Kp* 4-

2849 THE BOOK OF THE KINDRED SAYINGS (Sanyutta-Nikaya) or GROUPED SUTTA Pt I Kindred Sayings with Verses (Sagatha-Vagga) transl. by Mrs. Rhys Davids. 1917. pp xii+322 *Of* 7-8-

2850 — of the Kindred Sayings (Sanyutta Nikaya) or Grouped Suttas Part II Nidana Book (Nidana Vagga) transl by Mrs Rhys Davids assisted by F H. Woodward 1922 Pp xvi+206 *Of* 7-8-

2851 — of the Kindred Saying (Sanyutta-Nikaya) OR GROUPED SUTTAS. Pt III transl. by Woodward ed. by Mrs Rhys Davids 1925. pp. xvi 222. *Of* 7-8-

2852 THE 19 BOOKS OF महाभारत by Holtzmann 10-

2853 बुद्धचरित्र of king रघु with Introd. Notes etc by Prof. H D वेलणकर. The work is ascribed to king शम्भाजी, son of the Great शिवाजी pp 106 1-8-

2854 बुद्ध HIS LIFE, HIS TEACHING HIS ORDER together with the History of the Buddhism by M. N घोष 1931. Cr. pp. ii 11. Lxiii 279. *C* 10-

ब

2855 बुद्ध by Oldenburg *Gr* 10–

2856 बुद्धचरित of अश्वघोष with a comm. by दत्तात्रयशास्त्री निगुडकर. Edited with an introd. dealing with all important points full Notes and literal Engl. transl. by K. M जोगळेकर Cantos. I to V. *St* 2–

2857 — Ed. with comm Engl. transl. and notes by N S. लोहूर 1911 Pt 1 to 5 8vo, pp 38, 95. *Bg* 2–4–

2858 — Ed (with introd. comm. Engl transl. notes and appendices by नद्गर्णिर. 1919 Pt 1 to 5 8vo pp. 10, 144, 97, 152–XII. 2–

2859 ——— *Sbr* 1–

2860 — A short catechism of the annotations on it Cantos I–V by N V. उपाध्ये 1912 cr, pp. II, IV, 60 *Bo* –4–

2861 बुद्ध HIS LIFE, HIS DOCTRINES AND HIS ORDER by Dr. H OLDENBURG transl. from the German by W Hoey 1927. 8vo pp. IV 154 *Cc* 17–8–

2862 बुद्धस्तोत्रसंग्रह A collection of Buddhistic Hymns—by मिश्रसर्वज्ञमित्र of काश्मीर. with the संस्कृत comm. of जिनरक्षित of विक्रमशील to gether with two Tibetean versions. Edited by M M सतीशचन्द्र विद्याभूषण 1918 *Bi* 3–

2863 बुद्धलीलासारसंग्रह गुजराथी transl by धर्मानन्द कोसाम्बी. cr. pp 23, 395 *G p t n* 2–8–

ब

2864 बुद्ध and his religion by Saint Hilaire cr 8vo 5–

2865 THE BUDDHA & HIS RELIGION by Saint Hilaire J. B cr. 8vo, 3–8–

2866 THE BUDDHA'S "WAY OF VIRTUE" A Transl of the Dhammapada, by W C D, Wagiswara and K J. Saunders. 2nd Impr. *Wu* 2–12–

2867 BUDDHA'S PATH of VIRTUE, by F L. Woodward. *Ad* 1–8–

2868 BUDDHISTIC ANTHOLOGY extracts from Pali scriptures ed with transl by Neumann E 1892 8vo *Br* 5–4–

2869 BUDDHIST Birth—Stories (Jataka Tales,) with the commentary, introd. entitled Nidana Katha or the Story of the Lineage. transl. from Prof. Fausboll's Pali text New and revised edn by Mrs Rhys Davids. cr. 8vo *Kp* 6–

2870 BUDDHIST CONCEPTION OF SPIRITS by Dr. विमलचरण ला with a Foreward by Dr कृष्णस्वामी अयगार *Co* 4–

2871 BUDDHIST ILLUSTRATED MENUSCRIPTS IN BURMESE by H Baynes 1895 Roy pp 129–139 1–

2872 BUDDHIST LEGENDS transl from the orig Pali text of the *Dhammapada Comm.* by W. Burlingame, fellow of the Am-

ब

erican Academy of Arts and Sciences and Lecturer on Pali in Yale University 1921 Roy 8vo pp 366+370+378–1114 Not sold separately *Ho* 70–

2873 BUDDHIST MAHAYANA TEXTS The बुद्धचरित of अश्वघोष transl from संस्कृत by C B Cowell 1894 Vol XIIX. Pt 1, 8vo pp XIII, 208, 8 *Of* 20–

2873a BUDDHIST NYAYA tracts (six) *Bi* 1–8–

2874 — PSYCHOLOGY by Mrs Rhys Davids 1914 3–

2875 BUDDHIST RECORDS of the Western World by Si-yu-ki transl from the Chinese of Hiuen Tsiang by Beals 8vo New edn *Kp* 8–

2876 BUDDHIST RECORDS for the Western World 9–4–

2877 BUDDHIST RELIGION by I-Tsing as practised in India and the Malay Archipelago (617–695 A.D), translated by J Takakusu 1896 with a map Crown 4 to(9+8,), pp lxiv+210, *Of* 10–8–

2878 — SCRIPTURES a selection transl from the Pali with Introd by F I Thomas *Wu* 2–10

2879 — STORIES transl from the Pali by F L Woodward Cloth *At* 1–8–

ब

This modest but attractive little volume contains a store of most interesting Buddhist Parables He (the author) has wisely chosen to preserve the simplicity of language of the orig and has thus preserved ungarnished the teaching of Buddhist ethics which the stories contain

2880 — AS A RELIGION, its historical development and its present conditions from the German, revised and enlarged by Hackmann H 1910 *Gr* 7–8–

2881 — IN TRANSLATIONS — Passages selected from the Buddhist sacred books and transl from the orig Pali into Engl by Henry Clarke Warren 1896 Sixth issue 1915 Roy 8vo pp 540 *Ho* 15–

2882 — its history & Literature by Rhys Davids *Put* 7–8–

2883 — AND ITS PLACE IN THE MENTAL LIFE OF MANKIND by Paul Dahlke 8vo *Mm* 8–

2884 — AND BUDDHISM IN SOUTHERN ASIA by Prof K J Saunders cr 8vo *Mm* 3–8–

2885 — BUDDHISM IN CHINA by L Hodous D D Cr 8vo *Mm* 4–4–

2886 — AND SCIENCE by Paul Dahlke, transl by [illegible] 8vo. *Mm* 7–8–

ब

2887 THE BEGINNINGS OF BUDDHIST ART and other Essays in Indian and Central Asian Archæology. by Foucher. Revised by the Author and translated by L A and F. W. Thomas 1917 Roy. 8vo (10½+7½) pp xvi+316. with 30, collotype plates Paper Cover. *Of* 27-

2888 Beitraege Zur Lite (German) or commemoration volume for the anniversary of 75th birthday of Hermann Jocobi. publ with Indices by Kerfel W. 20-

2889 बोधपञ्चदशिका of अभिनवगुप्त. *Km*

2890 बोधसार (A treatise on वेदान्त) by नरहरि, with a comm by the author's pupil Pt दिवाकर, ed by स्वामिदयानन्द *Bn* 15-

2891 बोधिचर्यावतारपञ्जिका, प्रज्ञाकरमति's comm to the Bodhicharyavatara of शान्तिदेव. A Budhistic religious treatise, ed with indices by Louis De La Vallee Poussin (1901-1914) *Bi* 5-4-

2892 बङ्गदर्शनसार (सङ्कलन) with मराठी transl by बापटशास्त्री *Ak* -6-

2893 BAUDHAYANA RITUAL SUTRA by DR CALAND. *Mt* 2-

2894 बोधायनगृह्यसूत्र सपरिशिष्ट ed by R शामशास्त्री 1920. 8vo pp xviii, 503. *Bs* 2-8-

2895 बोधायनधर्मसूत्र गोविन्दस्वामिप्रणीत बोधायनविवरणम् । 8vo. pp xi 392, 107 5-

ब

2896 बौधायनपितृमेधसूत्र with Dutch transl. by Raabe C 4-

2897 बौधायनपितृमेधसूत्राणि [संस्कृत Text and Dutch Translation by Randerch. 4-

2897*a* बैजामिन फ्रॅंकलिनची पार्लमेंट पुढें झालेली जबानी in मराठी by V B मोघे, publ by V G विजापुरकर. 8vo pp. 36. 2-

2898 BENGALI RAMAYANAS by रा ब दिनेशचन्द्रसेन. 8vo pp. 335. *Cu* 7-8-

In this book the author advances certain theories regarding the basic materials upon which the Epic of Valmiki was built and the ideals presented therein as also the sources of the Bengali Ramayanas and the principles contained in them.

2899 — RELIGIOUS LYRICS, SHAKTA Selected and Transl by Edward Thompson, and A M. Spencer Cr 8vo Paper, Cloth, *Ar* 1-8-

A selection of over a hundred lyrics from the Shakta literature of Bengal, translated into English prose, with explanatory notes An introduction traces the development of Shaktism, the worship of the female energy in nature, as personified in Durga and Kali, and suggests reasons for the prevalence of this worship in Bengal and for the popularity of the literature which it has produced. An interesting and sympathetic study is given of the work of Ramprasad Sen whose poems in this selection out number those of all other writers these

ब

poems, ' says the *translator*, ' have gone to the heart of a people as few poets' work have done. Such songs as the exquisite ' This day will surely pass, Mother, this day will pass ' I have heard from coolies on the road or workers in the paddy fields I have heard it by broad rivers at sunset, when the parrots were flying to roost and the village folk thronging from marketing to the ferry ' At the end of the selections are fifteen Agamani and Vijara songs taken from different writers and arranged to form a drama of welcome and farewell

2900 बैधयनश्रौतसूत्र Belonging to the तैत्तिरीयसंहिता. A treatise on the Vedas ed by Dr W Caland. (1904–1919) *Bu* 11-12-

2900*a* — श्रौतसूत्र belonging to the तैत्तिरीयसंहिता ed. by Dr Caland vol I-III *Bt* 16-8-

2901 बृहदारण्यकोपनिषद् with शांकरभाष्य and आनन्दगिरिटीका *Aa* 8-

2902 — रङ्गरामानुजमुनिविरचितप्रकाशिकोपेता। *Aa* 3-4-

2903 — श्रीनित्यानन्दमुनिविरचिता मिताक्षराटीका। *Aa* 2-12-

2904 — भाष्य of श्रीशंकराचार्य, faithfully transl into Engl by M हिरियण्ण. Part I cr pp xx, 123 *Vi* 1-4-

2905 — with the भाष्य of श्रीमध्वाचार्य and the gloss भावबोध of श्रीरघूत्तमस्वामी. *Mt* 7-

2906 — with the comm of श्रीशंकराचार्य, transl into Engl from the original संस्कृत by

ब

Dr E Roer 1905 cr 8vo. pp 595. *Cc* 4-

2907 — with मध्व's comm. translated into Engl by S. C. वसु. *Po* 15-

2908 — Text and transl. with Madhva's comm by श्रीशचन्द्रविद्यार्णव *Ad* 15-

2909 — मराठी transl by K B. मराठे Roy. pp 8 -8-

2910 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यार्थ orig संस्कृत text with मराठी transl by V. V. बापटशास्त्री 1917. *Al* 3-

2911 बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्। with शांकरभाष्य and आनन्दगिरिकृतटीका Vols 1-3. *Aa* 22-8-

2912 बृहदारण्यकवार्तिकसारः (वेदान्त) by स्वामिविद्यारण्य with a comm called लघुसंग्रह by महेश्वरतीर्थ and वेदान्तवार्तिकलघुवार्तिक by श्रीरामशंकर यति, a pupil of श्रीसुभानन्दमुनि *Ch* 15-

2913 बृहत्कथामञ्जरी—(काव्य) क्षेमेन्द्रविरचित *N* 3-12-

2914 बृहत्कथाश्लोकसंग्रह, संस्कृत text by Lacote F 3 vols each 10-

2915 बृहज्जातकम्—(ज्योतिष) भट्टोत्पलसहृतटीकासहित ज्योतिषार्णवकार्णिक सम्पादितसंस्कृतपाठशालाध्यापकशाकर्भा [illegible] *Gbd* 3-

2916 — श्रीवराहमिहिरकृतम्। श्रीमहीधरकृतटीकासहितम्। प० श्रीनिवासाचार्यकृतटिप्पणीसहितम्। *Ch* 2-

2917 — Translated by N. चिदम्बरम्यर *Ad* 4-8-

ब

This very popular astrological treatise which has been out of print for some time has now been reprinted

2918 — दशाध्यायी सटीक Vy 2-3-

2919 — दशाध्यायीटीकासमेतम् । Li -4-

2920 — टीकोपेतम् । ed by प हनुमानशर्मा 1912 Roy pp 4, 172, 5 Vy 2-8-

2921 बृहद्देवता (attributed to शौनक) A summary of the deities and myths of the ऋग्वेद, critically ed in the orig Sanskrit [Nagari] letters with an introd and seven appendices and transl into Engl with critical and illustrative notes vol 6 by Prof A A Macdonell 1904 Roy 8vo pp 234+350 = 584 Not sold separately Ho 21-

The Great Deity (book) hardly later than 400 B C. is one of the oldest books ancillary to the Rig Veda It includes very ancient epic material as the story of Urvashi, the nymph that loved a mortal (whence Kalidas s great drama Urvashi) Text is edited in a way that meets the most rigorous demands of exact philological criticism The typographic presentation of text version and notes (critical and expository) is a mod l of convenience.

2922 — Text, an index to the Gods of the ऋग्वेद by शौनकाचार्य, edited by राजेन्द्रलालमित्र (1899 1923) Bi 3-

2923 बृहद्धर्मपुराण A collection of Hindu mythology and traditions, edited by M M हरप्रसादशास्त्री (1888-1897) Bi 4-8-

2924 बृहद्धातुरूपावलि by T R कृष्णमाचार्य ed by Pt सुब्रह्मण्यशास्त्री 1924 8vo pp xxii, 618 Md 4-8-

2925 — (Calico Bound) Vd-4-8-

2926 बृहच्छब्दरूपावलि Compiled by प T. R कृष्णाचार्य 1922 cr pp 21, 96 67 Mi -8-

2927 बृहन्निघण्टुरत्नाकर Pt 1 to 8 Vy 40-

2928 बृहत्पाराशरहोरासंग्रह—(म) Vy 1-8-

2929 बृहत्संहिता (म) Pt I & II. Vj -12-

2930 बृहत्संहिता by वराहमिहिर with comm of भट्टोत्पल ed by M M सुधाकरद्विवेदि 1895 part I sup Roy pp 27, 661 Vj 5-

2930a — Ed by सुधाकरद्विवेदि 1897 Vol I pt. II sup Roy. pp VII 26, 643-1263 Vj 5-

2930b बृहद्ब्रह्मसंहिता (वेदांत) नारदपञ्चरात्रान्तर्गता । Ai 1-12-

2931 बृहत्सुद्गलमिश्र (ज्योतिष) Vc 1-8-

2932 बृहद्योगतरङ्गिणी (ज्योतिष) त्रिमल्लभट्टविरचिता। Vols I & II, Aa 10-12-

2933 बृहद्व्याकरणभूषण—(व्याकरण) A treatise on संस्कृत grammar by प कौण्डभट्ट, ed by प रामकृष्णशास्त्री alias नानाशास्त्री पटवर्धन Bn 6-

ब

2934 बृहच्छार्ङ्गधरपद्धतिः (काव्य) श्रीमन्मायकविनिर्मितम्, । श्रीमल्लभदेवकृतयासन्देहविषौषधिव्याख्यया, । श्रीमल्लिनाथकृतया सर्वंकषा व्याख्यासमेतम् । *Ch* 3-8-

2935 बृहत्स्वयम्भूपुराण Containing the traditions of the स्वयम्भूक्षेत्र in नेपाळ, ed by M. M हरप्रसादशास्त्री (1894-1900) *Bi* 4-8-

2936 बृहत्मानसतन्त्र orig संस्कृत with हिंदी transl ed by हरिशंकर. 1913 Roy. pp 2,3,71 1-8-

2937 बृहत्स्तोत्ररत्नाकरसचित्र illustrated, part I containing 256 and part II 257-416 स्तोत्रs respectively. 1927. 2nd edn cr pp 16, 471 15 466 *Gu* each 1-

2938 बृहत्स्तोत्ररत्नाकरसचित्र (स्तोत्रs 182) paper cover N -14-

2939 — सचित्र (स्तोत्रs 182) cloth cover *N* 1-

2940 — सचित्र (स्तोत्रs 182) silk cover. *N* 1-4-

2941 — स्तोत्रs 144 *Vy* 1-8-

2941*a* — स्तोत्रs 151, cloth cover *Vy* 1-

2942 बृहत्स्तोत्ररत्नावली (रा सा) Pt I to 3 *Vy* 4-8-

2943 BRAHMA (German) NEW LIFE —राजयोग the secret study of India for acquiring a better life by Mahatma Akaja 1-

2944 ब्रह्मकर्मसमुच्चय—ऋग्वेदी—(विषय ३८८). *N* 2-12-

2945 — हिरण्यकेशी—(विषय ३८८) रंगीतमंडलसहित *N* 3-8-

2946 — यजुर्वेदी-शुक्लयजुर्शाखीय कर्मकाण्डप्रदीप *N* 5-

ब

2947 ब्रह्मचर्य First step to world-Salvation, the true builder of man by रमेशचन्द्र चक्रवर्ति. *Ad* -4-

2948 ब्रह्मचर्यसोपान in हिंदी cr pp 51 *Kg* -3-

2949 ब्रह्मजिज्ञासा or An inquiry into the philosophical basis of theism, transl into Engl from the orig बंगाली by सितानाथ तत्त्वभूषण cr pp iv, ii, 255 *Cc* 1-8-

2950 ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका— (वेदान्त) by सदाशिवेन्द्रस्वामि *Tr* 2-4-

2951 ब्रह्मतर्कस्तव and पद्मरत्नस्तुति of अप्पय्यदीक्षित. with his own comm and an Engl introd by R कृष्णस्वामिशास्त्री *Vt* 1-

2952 ब्रह्मदर्शन or INTUITION OF THE ABSOLUTE An introd to the Study of Hindu Philsophy by श्रीआनन्दाचार्य with portrait cr 8vo *Mm* 3-8-

2953 ब्रह्मनिरूपण—(वेदान्त) ज्ञानाङ्कुश अथवा रामभजन रामायण *Vy*

2954 ब्रह्मवैवर्तपुराण Engl transl by R N सेन. all parts 17-
1 Part प्रकृति & गणेशखण्ड 6-
2 Part II fasc I pp 1-176 3-
3 Part II „ II pp 177-232 1-8-
4 part II „ III completing the work 7-

2955 ब्रह्मसिद्धान्तभाष्यम्—(वेदान्त) A comm on ब्रह्मसूत्रs called वेदान्तपारिजातसौरभ by श्रीनिम्बार्काचार्य, ed by pt विन्ध्येश्वरीप्रसादद्विवेदी *Ch* 1-8-

ब

2957 ब्रह्मवाद श्रीहरिरायजीकृतसटीक Vl -3-

2958 ब्रह्मविद्या by Annie Besant 1922 Ad 1-8

The six inaugural lectures of the Brahmavidyashram with a Preface by S Subramanya Iyer A survey of the field of synthetical study as differential manifestations of the Cosmic Life Chapter I Mysticism God Manifesting as will Chapter II Religion God Manifesting as Love Chapter III Philosophy God Manifesting as Understanding Chapter IV Literature and Art: God Manifesting as Beauty Chapter V Science God Manifesting as Knowledge. Chapter VI Social Organisation God Manifesting as Society

2958a ब्रह्मविद्याभरणम् (वेदान्त) A comm. by अद्वैतानन्द on ब्रह्मभाष्य of शंकर ed by हरिहरशास्त्री. अध्याय 1-4- Roy pp.2, 17, 819 Ams 10-

2959 ब्रह्मसाधन or Endeavours after the life divine by सीतानाथ तत्त्वभूषण cr. pp 172, XX Cc 1-8-

2960 ब्रह्मसूत्रम् (वेदान्त) मूल Vl -4-

2961 — श्रीमदानन्दतीर्थविरचित माध्वभाष्य, ज्यतीर्थमुनि विरचिततत्त्वप्रकाशिकाटीकासहित Vb 5-

2962 — शांकरभाष्य without टीका (अट्कर's edn) Ad 3-

2963 — Text with notes only Ad 2-4-

2964 — With the comm of शंकराचार्य transl into Engl by K M बानर्जी. 1870 1 Fac. Bt 1-

ब

2965 — With a comm by भास्कराचार्य ed by प विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी Bn 4-8-

2966 — With a comm called सिद्धान्तजाह्नवी—(तरङ्ग 1-2) by श्रीदेवाचार्य and a sub-commentary called द्वैताद्वैतसिद्धान्तसेतुका (तरङ्ग 1) by सुन्दरभट्ट, ed by रत्नगोपालभट्ट and दशश्लोकी by निम्बार्काचार्य with a comm called लघुमञ्जूषा by गिरिधर प्रपन्न Ch 4-8-

2967 — of श्रीकृष्णद्वैपायन original संस्कृत transl. into मराठी with the comments of शंकर, रामानुज, मध्व, and वल्लभ by G G भानु. 1912 8vo pp 2, 16, 840 Ds 6-

2968 — in Bengali ch with the Bhagavatabhasya and its Bengali translation by Pt. Haridas Vidyavagisa Bhagavatcarya. 8vo pp 277 Co 2-8-

For the first time it has been shown that the *Brahma Sutras* have their parallels in the *Shrima Bhagvat* and that the latter is a commentary on the former

2969 — श्रीमद्द्वैपायनप्रणीतान्यानन्दगिरिकृतटीकासनाथशांकरशारीरकभाष्यसमेतानि। vol I & II Aa 12-

2970 ब्रह्मसूत्रभाष्यम् श्रीकण्ठाचार्यप्रणीत। श्रीमदप्पय्यदीक्षितविरचितशिवार्कमणिदीपिकाव्याख्यासहित। पञ्चे अनिरु, ताभिः देवनागरलिपिभिर्मुद्रित। द्वैताद्वैतग्रन्थ प्राचीनमितभाष्यमतीवसरल च। Bm 18-

2972 — (वेदान्त) with a comm विज्ञानमित्र, by विज्ञानभिक्षु ed by पं मुकुन्दशर्मा Ch 9-

ब

2973 — of श्रीशंकराचार्य, with भामती of वाचस्पतिमिश्र, कल्पतरु of अमलानन्द and परिमल of अप्पय्यदीक्षित, published in pts, each part containing Roy 8vo pp 80 each part V₁ 1-0

2974 — by मध्वाचार्य, with तत्वप्रकाशिका by जयतीर्थस्वामि and भावदीप a gloss by श्रीराघवेन्द्रस्वामि This is a comm on मध्वाचार्य's भाष्य on ब्रह्मसूत्र Mi 13-

2975 — with सूत्रपाठ in the beginning,' by श्रीमध्वाचार्य pocket edn Mi 1-6-

2977 — with तात्पर्यचन्द्रिका (आनन्दतीर्थीय) vol 1 to 4. Bs 13-8-

2979 ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् Text with notes and English translation by Dr बेलवलकर 1923 8vo pp 226, ii ixii Oa 6-

2980 — चतु सूत्रीपर्यन्त, पूर्णानन्दीयव्याख्यासहित, रत्नप्रभाभासितम्। Ch

2981 — शाकरभाष्यसह, गोविन्दानन्दकृत रत्नप्रभा सर्वतन्त्रस्वतन्त्र वाचस्पतिमिश्रकृत भामती, आनन्दगिरिकृतन्यायनिर्णय Vg 12-

2982 — Orig with मराठी transl by काशिनाथशास्त्री लेले अध्याय 2-4. 8vo pp 427, 549 20-

2983 — शांकरभाष्यानुसार(वैयासिकन्यायमालासह)प्रत्येक अधिकरणाचे नाव-सूत्रे-सूत्रार्थ विषय—संशय पूर्वपक्षसंगति, सिद्धान्त वैयासिकन्यायमालाश्लोक, अन्वयार्थ प्रस्तावना, सविस्तर अनुक्रमणिका ed. by वापटशास्त्री 1923 pp 530 Ak 3-

ब

2984 — (मूळ सूत्रार्थ, शांकरभाष्य, अवतरणे, स्पष्टीकरण तथा भामत्यादि टीका-कराणा विस्तृत टीका). ed & transl. into मराठी by V V वापटशास्त्री 1924 अध्याय I part I 8vo pp 17, 27, 824 Al 5-

2985 ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला। सुब्रह्मण्यविरचिता। Aa 4-4-

2986 ब्रह्मसूत्रदीपिका (वेदान्त) of श्रीशंकरानन्द and तत्वानुसधान (वेदान्त) by महादेवानन्द, edited by रामशास्त्री तैलंग Bn 3-

2987 ब्रह्मसूत्रतात्पर्यविवरणम् (वेदान्त) of गैरसर्मा टिळक, ed by Pt B K त्रिपाठी and काशीनाथशर्मा 1917 8vo pp 84. Lz 1-8-

2988 ब्रह्मसूत्रवृत्ति (वेदान्त) with अद्वैतमञ्जरी by a pupil of श्रीशंकराचार्य ed by नाक 1914 8vo pp 4, 143 Gu -12-

2989 — or ब्रह्मतत्वप्रकाशिका, by सदाशिवानन्दसरस्वति with a life sketch in Engl and half tone portrait of the author cr 8vo pp 322 cloth V₁ 2-8-

2990 — भावप्रकाशिका, श्रीकृष्णचन्द्रकृत (प्रथमाध्याय) Vl 1-

2991 — हरिदीक्षितविरचिता। Aa 2-7-

2992 — भावप्रकाशिका, प्रथमाध्याय. Kg 1-8-

2993 ब्रह्मज्ञानावली—(स्तोत्र) शंकराचार्यकृत N -8-

2994 ब्रह्म, अरणि and कैवल्योपनिषद् Text and transl Ai -7-

ब

2994a BRAHMA AND THE BRAHMANAS by Martin Haug. 1871 pp 48 *Gi* 3-

2995 ब्रह्मसूत्रम् of ब्रह्मण्य नक्षत्र ed by रामनाथ शर्मा 1904 8vo pp 74 *Bn*

2996 ब्रह्मसूत्रवृत्ति (बदान्त) A comm on the ब्रह्मसूत्रs by रामानन्दसरस्वति स्वामि, ed by प्रज्ञानानन्दसरस्वतिस्वामि *Ch* 6-

2996a ब्रह्माण्डपुराण (essay)-Javanese by Dr Juyn Boll 8vo pp 271 282 1-

2997 BRAHMA-KNOWLEDGE AN OUTLINE OF THE PHILOSOPHY OF THE VEDANTA, as set forth by the Upanishads and by Shankara ed by L D BARNETT 3rd edn *Vu* 2-12-

2998 BRAHMI LANGUAGE—introd and grammar Part I *Gi* 2-8-

2999 ब्रह्मसूत्र (रा सा) आनन्दगिरिविरचित व्याख्यान *Vy* -8-

3000 ब्रह्मानन्दपद्य (पुराण) मल Vy 1-

3001 ब्रह्मोपनिषत्सारसंग्रह Orig text transl into Engl with com mentary by V ... 1916 Roy pp x 8vo *Fi* 1-8-

3002 — English translation *Vi* 1-8-

3003 BRAHMANA QUOTATIONS IN निरुक्त by Prof I D गुप्त 8vo pp 43-53 -8-

3004 ब्रह्मसूत्र—(धर्म) ब्रह्मसूत्र कृत्य। *Ch* 3-

ब

3005 BRITISH BEGINNINGS IN WESTERN INDIA 1579-1657 An Account of the early days of the British Factory of Surat with ten full page illustrations and three maps by H G RAWLINSON 1920 8vo (5+6) pp vi+158 *Of* 7-14-

3006 The Brain of India by अरविन्द घोष 1927 cr pp 47 *Cn* -8-

3007 Burma, ANCIENT MANUMENTS in, see Ancient manuments in Burma

3008 Bible the philosophy of, see—the Philosophy of the Bible

3009 Brahman Text the world view of, see–The world view of ब्राह्मण Text

3010 Brahmanism the women in, see—The women in Brahmanism

3011 Brahmanical तत्त्वावन्दन, the philosophy of see—The Philosophy of the Brahmanical तत्त्वावन्दन

3012 ब्राह्मणs, the daily prayers of, see—The daily prayers of the ब्राह्मणs

3013 ब्राह्मणs, the doctrine of sacrifice in, see—The doctrine of sacrifice in the ब्राह्मणs

3014 Bombay University matric sanskrit papers of, see—संस्कृत Papers of the Bombay University matric examination

ब

3015 British Empire in India, the history of see—The History of the British Empire in India

3016 British India a history from the earliest English intercourse, see—A History of British India from the earliest English Intercourse

3017 बुद्ध the sayings of, see—The sayings of बुद्ध

3018 बुद्ध, the life and early history of his order, see—The life of बुद्ध and early History of his order.

3019 बुद्धघोष, THE LIFE AND WORK OF, see—The life and work of बुद्धघोष

3020 BUDDHIST ART THE BEGINNINGS OF, see—The beginnings of Budhist Art

3021 — DRAMA THE SELECTIONS from see—The selections from Buddhist drama

3022 — HISTORICAL RECORDS ancient -दीपवंश, see—Ancient Buddhist Historical records—दीपवंश

3023 — ICONOGRAPHY-INDIAN, see—Indian Buddhist Iconography

3024 — LITERATURE THE MANUSCRIPT REMAINS OF, see—Manuscript remains of Buddhist Literature

3025 — RUINS OF सारनाथ,—A GUIDE TO, see—A guide to the Buddhist ruins of सारनाथ

3026 BUDDHIST UNIVERSITIES—INDIAN TEACHERS OF see—The Indian teachers of the Buddhist Universities

3027 BUDDHISTIC PHILOSOPHY, A MANUAL OF see—A manual of Buddhistic Philosophy

3028 — PHILOSOPHY, PROLEGOMINA TO A HISTORY OF see—Prolegomina to a History of Buddhist Philosophy

3029 — Philosophy the problem of—see—The problem of Buddhistic Philosophy

3030 — THOUGHT THE SYSTEM OF see—The system of Buddhistic thought

3031 BUDDHISM AND THE BUDDHIST school, the spread of the early history of see—The spread of the early history of the Buddhism and Buddhist school

3032 — THE CENTRAL CONCEPTION OF see—The Central conception of Buddhism

3033 — THE HEART OF, see—The Heart of Buddhism

3034 — INDIAN THE LEGENDS OF, see—The legends of Indian Buddhism

3035 — INDIAN, original AND DEVELOPED DOCTRINES OF, see—

ब

original and developed doctrines of the Indian Buddhism

3036 —— A MANUAL OF, see—A Manual of Indian Buddhism

3037 — THE MANUAL OF, see—The Manual of Buddhism

3038 — the message of, see—The Message of Buddhism

3039 — Modern-Southern, the dogma in, see—The dogma in the Southern Buddhism, Modern

3040 — Northern, the Gods of, see—The Gods of Northern Buddhism

3041 — The Psychology and ethics of, see—The psychology and ethics of Buddhism

3042 — the soul theory of see—The soul theory of Buddhism

3043 BUDDHISM the story OF, see—the Story of Buddhism

3044 BENGALI Script the ORIGIN OF, see—the origin of Bengali Scirpt

3045 BENGALI LANGUAGE, the history of, see The History of the Bengali Language

3046 BODLEIAN LIBRARY MOHAMMADAN COINS IN, see the Mohammadan coins in the BODleian Library

3047 भक्तामरस्तोत्रसटीक (जैन) कथायुक of मानतुङ्गसूरि, with the comm of गुणाकरसूरि *Jb* 3-

भ

3048 — मानतुङ्गाचार्यविरचित *Km* 1-

3049 भक्तिचन्द्रिका A comm on शाण्डिल्य's भक्तिसूत्रs by नारायणतीर्थ ed with introd &c by G N कविराज 1924 8vo pp 2 117 *Sb* -15-

3050 भक्तिप्रकाश—श्रवणमननादि इशविध भक्तिवर्णन सोदाहरण *Vj* 1-4-

3051 भक्तिमञ्जरी (स्तोत्र) by H H स्वाति श्रीरामवर्मा *Tr* 1-

3052 भक्तिमार्तण्ड (स्तोत्र) गोस्वामी श्रीगोपेश्वरजीमहाराजविरचित *Vl* 2-8-

3053 — श्रीगोस्वामि गोपेश्वरमहाराजविरचित प्रथमो भाग । *Gu* 1-4-

3053*a* — गोपेश्वरजी महाराजकृत तत्त्वार्थदीप आवरणभङ्गसहित pt I & II *Ch* 7-8-

3054 भक्तियोग by स्वामि विवेकानन्द 1922 5th edn cr 8vo pp IX, 140 *At* -12-

3055 भक्तिरत्नावली of आचार्य with चतुर्दशाविवृत्ति ed and publ by M T तल्लिवाल्ला 1917 Roy pp 3, 100 *Ro* 2-

3056 भक्तिसागर, सकलभक्तिशास्त्ररहस्यप्रकाशक श्रीनारायणभट्टविरचित। श्रीनारायणमास्थसंस्कृतपाठशालाध्यापकेन पण्डित श्रीगणपतिशास्त्रिणा परिशोधित । pp. 282 *L* 2-

3057 भक्तिसागरसूत्र Containing सूत्रs of नारद and शाण्डिल्य and भक्तिरत्नावलि of विष्णुपुरी transl into Engl by नन्दलाल सिंह *Jo* 7-

3058 भक्तिसुधातरङ्गिणी (वेदान्त) or the works of श्रीसच्चिदानन्द शिवाभिनव नृसिंहभारतीस्वामि the late जगद्गुरु of

म

चूर्णि with several half-tone illusts (edn. de Luxe) 10-
Ordinary. V_l 2-8-

3059 भक्तिसूत्र or the Aphorisms of शाण्डिल्य, with the comm. of स्वप्नेश्वर on the Hindu Doctrine of Faith, transl by E. B. Cowell. 1878 B_l 2-

3060 भक्तिहेतु—(टीकात्रयोपेत) V_l 14-

3061 भक्तिहेतुनिर्णय— V_l -10-

3062 भगवद्गीतानुक्रमणिका— (वेदान्त) गीतान्तर्गतप्रत्यकश्लोकारम्भमालिका. N 1-

3063 भगवद्गीता (वेदान्त) मूल, स्थूलाक्षर. (loose sheets.) N -12-

3064 — (भाष्यादिव्याख्याष्टकसमण्डिता)

3065 — शंकरानन्दीटीकासह बुकसाईज N 2-8-

3066 — श्रीधरीटीकासह बुकसाईज। N 1-

3067 — स्थूलाक्षर (silk cover.) N 1-

3068 — शाङ्करभाष्योपेतम्। Aa 2-

3069 — आनन्दगिरीकृतटीकासवलितशाङ्करभाष्यसमेता। Aa 6-4-

3070 — श्रीमद्धनुमद्विरचितपैशाचभाष्यसमेता। Aa 1-8-

3071 — श्रीमधुसूदनसरस्वतीविरचितया गूढार्थदीपिकाख्यया व्याख्यया तथा श्रीधरस्वामिविरचितसुबोधिन्याख्यव्याख्यया समेता। Aa 6-4-

3072 — तात्पर्यचन्द्रिकाटीकासमेत। रामानुजभाष्यसहिता। Aa 1-4-

3073 भगवद्गीतासप्तटीकोपेता। प्रथमं पुस्त०। Roy. pp. 4, 6, 5, 820. Gu 12-

म

(१) श्रीमच्छङ्कराचार्यविरचितभाष्यम् (२) आनन्दगिरिकृत शाङ्करभाष्यव्याख्यानम्, (३) आनन्दतीर्थीय (माध्व) भाष्यम् (४) जयतीर्थविरचिता प्रमेयदीपिकाटीका (५) रामानुजभाष्यम्, (६) मल्लमसप्रदायानुसारिणी पुरुषोत्तमजीप्रकाशिता अमृततरङ्गिणी, (७) नीलकण्ठविरचितो भारतभावप्रदीपः— एते समता श्लोकावर्णानुक्रमणिकया श्लोकगतविषयानुक्रमणिकयाच सवलिता, मञ्जुलैराय साक्षरमुद्रिता।

3074 — अष्टटीकोपेता। द्वितीयो गुच्छः (१) निम्बार्कमतानुयायिश्रीकेशवकाश्मीरिभट्टाचार्यपादप्रणीता—तत्त्वप्रकाशिका (२) श्रीमधुसूदनसरस्वतीकृता—गूढार्थदीपिका. (३) श्रीशंकरानन्दप्रणीता—तात्पर्यबोधिनी. (४) श्रीधरस्वामिकृता—सुबोधिनी, (५) श्री सदानन्दविरचित —भावप्रकाश (६) श्रीधनपतिसूरिविरचिता—भाष्योत्कर्षदीपिका (७) वैष्णवपण्डितश्रीसूर्यविरचिता—परमार्थप्रपा,(८) पूर्णप्रज्ञमतानुसारिश्रीराघवेन्द्रकृत —अर्थसंग्रहः इत्येताभिर्व्याख्याभिः सहिता। अत्र श्लोकाः स्थूलतमाक्षरैष्टीकाश्च स्थूलाक्षरैर्मुद्रिता, मुद्रा मा केशिपतेति। Ed by गोखले, बाके and जीवरामशास्त्री. 1915. Roy, pp. 1325. Gu 10-

3075 — with the comm. called 'ब्रह्मानन्दगिरि' of व्यङ्कटनाथ in excellent Advaitic comm. cr. 8vo. pp 614 Cloth V_v 4-

3076 — With easy संस्कृत annotations literal Engl transl. by सीतानाथ तत्त्वभूषण & श्रीशचन्द्र वेदान्तभूषण. 1929 8vo. pp 18, xxviii, 336 Cc 2-8-

3077 — मोक्षसंदर्शनपरभाषा प० लक्ष्मणाचार्य प्रणीतया मनःप्रयभाष्यार्थ

म

प्रकाशिकया भगद्गीतारम्यामदर्पणाख्यया व्याख्यया समन्विता। ed by T N रघुरामाचार्य. 1926 अध्याय 1–6 Roy pp 561 *Tan* 5–

3077*a* — With easy संस्कृत annotations and literal Engl. transl. by सितानाथतत्वभूषण. and श्रीशिवचन्द्र-वेदान्तभूषण. 1921 8vo. pp 18. LXXVIII, 336 *Cc* 2–8–

3077*b* भगवद्गीता मूल, सचित्र *Mc* 6–

3077*c* ——— मूल्य. *Mp* –4–

3078 — Text alone in bold Characters. Printed on fine white paper. Very useful for पारायण. Roy 8vo. pp 100. –8–

3078*a* — विशिष्टाद्वैतमतानुयायी with तत्वार्थसुदर्शनीनाम सस्कृतटीका & Hindi translation *Vy* 4–

3078*b* — मधुसूदन सरस्वतीकृत गूढार्थ दीपिका नामक सस्कृत टीकासहित *Vy* 2–8–

3078*c* — सदानन्द स्वामिकृत भावप्रकाश नामक श्लोकबद्ध सस्कृत टीकासहित *Vy* 4–

3079 — विष्णुसहस्रनामसहित (silk cover) *Vy* 10–

3079*a* — — *Vy* 1–

3079*b* भगवद्गीता and गीतार्थसंग्रह of महर्षि गोभिल ed by Pt K T श्रीनिवासाचार्य with a preface and Engl foreward by Dr सुब्रह्मण्य अय्यर. 1917 cr *Md* 1–

3079*c* — with the भाष्य of श्री शकर भगवत्पादाचार्य ed by A. महादेवशास्त्र & K रगाचार्य 1835 Roy pp 24, 446, 2. *Rs* 2–12–

म

3080 भगवद्गीतातत्वविचार, in हिंदी by सत्येशस्वामी –2–

3080*a* भगवद्गीता with मराठी translation & comm by B G टिळक. 1915 8vo pp. 601, 854

3080*b* भगवद्गीतादिपञ्चरत्न—गीता, विष्णुसहस्रनाम, भीष्मस्तवराज, अनुस्मृति तथा गजेन्द्रमोक्ष *Vy* 1–6–

3080*c* — (Poket size.) *Vy* –10–

3081 — द्वादशरत्न, contains, 1 अच्युताष्टक, 2 अनुस्मृति, 3 अष्टश्लोकीगीता 4 चतुश्श्लोकीगीता, 5 गजेन्द्रमोक्ष, 6 गीता, 7 गीतामहात्म्य 8 गीतार्थसग्रह, 9 भीष्मस्तवराज 10 विष्णुसहस्रनाम 11 शापमोचन, and 12 सप्तश्लोकीगीता

3081*a* भगवद्गीता Text, one inch in length and breadth. Curiosity of the world. The smallest book of the world *Ml* 1–

3081*b* — देवनगरी Text. Engl. transl notes and annotations by the late तुकारामतात्या *Rt* –12–

3082 — Translated into Engl with the सनत्सुजातीय and अनुगीता by K T तैलग. *Of* 9–6–

3083 — A fresh study. Being a plea for the historical study and interpretation of the गीता by Prof. D D वाडकर. *Oi* 1–

3084 — with the भाष्य of श्रीरामानुज and the तात्पर्यचन्द्रिका of श्री वेदान्त देशिक, ed. by रगाचार्य M Parts 16. Cr 8vo pp. 40 8–

3085 — With an English transl. and explanatory notes from

म

all the three भाष्यs by K S रामस्वामिशास्त्री Vol I Chapter I-II Vo 2-

3086 — ed with देवनागरी Text Engl transl and comm of शंकराचार्य by Pt A महादेवशास्त्री 1918 4th edn cr pp XII 532 Md 5-

3088 — Transl and comm in Engl according to श्रीमध्वभाष्य by S सुब्बाराव 1906 8vo pp Lxxviii, 317, VI Vi 3-8-

3089 — Engl transl with comm and references to the Bible etc by M M चटर्जी 3-8-

3090 — Engl transl by स्वामि परमानन्द 1-12-

3091 — देवनागरी text literal Engl transl comm and index by स्वामीस्वरूपानन्द 1922 3rd edn cr pp XIII 418 Av 2 8-

3092 — श्रीजयरामभट्टाचार्यविरचिता शाङ्करार्थनकभाष्येण समष्टितया ज्ञानसंता इत्यासहबहुपङ्क्त्यादिकयासमन्विता । Lz 2-

3093 — श्रीमधुसूदनभाष्यव्याख्यासमेता । ed by Pt नन्दलाल शर्मा शर्मा 1916, Roy pp 41, 280 Vp 2-8

3094 — The text of by A V पटवर्धन 1926 pp 72 Double Demi -2-

3095 — अमृततरङ्गिणीसहित Vl 2-8-

म

3096 — गीतार्थसंग्रहसहिता । Sv 2-

3097 — तत्त्वप्रकाशिकाव्याख्यासहिता । Su 2-4-

3098 भगवद्गीता श्रीबालबोधिन्याख्य टीकया समेता 1893 8vo pp 6 347 Bo 1-

3099 — Devanagari Text and Free English translation Literal transl and introd on संस्कृत grammar by Mrs Besant and भगवानदास Ad 1-

3100 — Engl transl by Annie Besant Ad 4-8-

3101 — Devanagari Text and Engl transl by Anni Besant Ad -4-

3102 — English transl by Annie Besant Ad Paper -6- Cloth 1-

3103 — Engl transl by Annie Besant Ad Cloth 1-

3104 — (The Song Celestial) Poetic Engl transl by Sir Edwin Arnold Cloth 1-12- Leather Ad 3-8-

3105 — (The Lords Song) by L Barnett De l 2-

3106 — Notes and index to the by K Browning 12-

3107 — Text and transl by by F T Brooks art wrappers 1-4-

भ

3108 — Engl transl by F T Brooks -12-

3109 — Transl with criticism of age, original size etc by Garbe R (German) 6-

3110 — Engl transl by W. Q Judge (*New York*) 4-8-

3112 — Sansk text in Roman character and preface in French by Michalski W *Fr* 3-

3112a — ed. with संस्कृत text, पदच्छेद, word meaning Engl transl notes & comm by राधाचरण *Po* 2-

3113 — or Dialogues between कृष्ण and अर्जुन transl into Engl with notes by Wilkinson, 3rd edn publ with संस्कृत text by उपेन्द्रलाल दास 1896 cr pp.134 2-

3114 — Transl by Mr Charles Wilkins New edn revised and enlarged with two learned introds by Prof मणिलाल द्विवेदी and नाथिनचन्द्र बानर्जी *Rt* -12-

3115 — or Song of the Blessed one Indias favourite Bible, interpreted by F Edgerton *Op* 8-12-

3116 — Shri Gitamrita Bodhini, compiled by Vanapati Rama Prapanna Das alias Lt Henry Wahab -4-

3118 — मधुसूदनी टीकासहित *Ch* 1-8-

3119 — अमृततरंगिणी व्याख्यासहित *Kg* 2-8-

भ

3120 — संस्कृत with मराठी transl by C G भानु pt I अध्याय 1 to 3 8vo 443 *Ds* 3-8-

3121 — Orig.with मराठी transl by C G भानु pt II अध्याय 4 to 6 8vo pp 372 3-

3122 — Orig with मराठी transl by C G भानु 1909 pt II अध्याय 7 to 12 8vo pp 282 *Ds* 3-

3123 — Orig. with मराठी transl by C G भानु 1910 pt III 8vo pp 437 *Ds* 3-

3124 — उपसंहार in मराठी with orig संस्कृत by C G भानु 1910 pt IV 8vo pp 626 *Ds* 2-

3125 — With मराठी transl by K V लल्शास्त्री 1913 5-

3126 भगवद्गीताभाष्य—मूळश्लोक, अन्वयार्थ, शांकरभाष्य, भाष्यार्थ, सरळ व सुबोध अन्वयासह अर्थ, गीतारहस्य परीक्षणात्मकप्रस्तावना, सविस्तरविषयानुक्रमणिका, वाक्यस्त अनेकार्थशब्दाचाकोश parts I and II pp 1340 *Ak* 10-

3127 — Orig with हिंदी transl and comm by स्वामि विवेकानन्द खण्ड 1st and अध्याय II, with 100 श्लोका: 8vo pp 136 8 1-

3128 — सतसई व सुदर्शनाचार्यशास्त्री प्रणीत । हिंदीभाषानिबंध *Ch* 4-

3129 — With हिंदी transl by सत्यव्रतस्वामि cr pp 13 *Kg* -2-

3130 — An English Essay by C Jinarajadasa -2-

म

3131 — An Essay on the, by श्रीअरविंदघोष Vol 1,11 12–

3132 — An introduction to for English readers, and comments on British connection with India by W L Wilmshurt 1–8–

3133 — Introd to the text and Engl transl by V K रामानुजाचार्य with a general introd and notes according to विशिष्टाद्वैत Philosophy 3–

3134 — An introd to, by Garbe, transl from the German into Engl by N B उटगीकर. 1918 Roy pp 35. 1–8–

3135 — An Introduction to by D S शर्मा 1–

3136 — and the उपनिषद्स an introduction to the study of (the Gospel of Life) by F T Brooks Vol 1 pp 400 cloth Wrappers Vv 1–

3137 — The Divine path to God, by K S रामस्वामिशास्त्री 1–

3138 — Class Lectures on the Hindu Philosophy of conduct, by M Rangacharya Vols (all out) 5–

3139 — Four Lectures delivered in Engl with the appreciation of Dr Subramania Aiyer by T Subramania in 1886
Cloth Av 1–8–
Board — 2–8–

म

3140 — Lectures on by Pt भवानी शंकर –12–

3141 — Hints on the study of—Four Lectures by Mrs Besant, 1905. Cloth 1–8–
Boards New edn 1–2–
Wrapper –14–

3142 — Message of the—A message of Karma in Engl by लालजपतराय –12–

3143 — Philosophy of the—An exposition by Chhaganlal Kaji (2 Vols) Boards 5–8–
Av Cloth 6–8–

3144 — A Study by V G भट, publ by L B जवार 1924 cr pp 86 1–4–

3145 — A synthesis of, 1–

3146 — Thoughts on the, by a Brahmin F T S A series of 12 lectures read before the K. T S 8–

3147 — And our Social Problems by K S रामस्वामि शास्त्रीगल Vv –4–

3148 भगवद्गुणदर्पणाख्य विष्णुसहस्रनाम-संपूर्ण १२००० Vy 5–

3149 भगवद्ज्जुकीयम् By बोधायनकवि, ed. with commentary, critical notes & introd by अनुजन्ञाचन and preface by Prof M Winternitz 1925 8vo. pp. xxvi,98. 2–4–

3150 भगवद्दर्पण (ग.सा.) Vy 1–

भ

3151 भगवध्यानसोपान (वेदान्त) with a commentary by A V गोपाल चारियर Ic -6-

3152 भगवत्पादाभ्युदयम् A Kavya in cantos 9 by M M लक्ष्मणसूरि Vv -10-

3153 भगवल्लीलाकल्पद्रुम (पुरा इति) Vy 1-4-

3154 भट्टिकाव्य भट्टिकृत, जयमङ्गलाटीकासहित 8vo pp 7, 24, 479 N 3-

3155 — Ed with notes by N K कळकर and V G ओक 1896 cr pp IV, 47 9 -12-

3156 — Ed with the comm of मल्लिनाथ, by K P त्रिवेदी vol I & II Bp 15-

3157 — Edited by गुरुनाथ काव्यतीर्थ (सर्ग 1 to 22) Sd 3-

3157a — (चन्द्रिकासह) Ed by हरिपद चट्टोपाध्याय (सर्ग 1 to 8) Sd 4-

3158 भट्टिकाव्य (सटीकानुवादम्) ed by शारदारञ्जनराय (सर्ग 1) Sd -12-

3159 — Ed by गुरुनाथ काव्यतीर्थ सर्गाः 2-8 Sd 3-8-

3159a भणसार Ed by B K ठाकोर in गुजराथी Sd 2

3159b भद्रबाहुसंहिता (जैन) Text with transl, & appendix containing full text of important judgement in a jaina case by orig side of High Court of judicature, Indore by J L जैनि cr pp XI 129 Ar 7-4-

3160 भरतचरितम (काव्य) by कृष्णकवि Tr 1-

3161 भल्लटशतकम भल्लटकृत Km4 1-

भ

3162 भवभूति AND उत्तररामचरित्र with some thoughts in मराठी by रंगाचार्य रड्डी 8vo pp 28

3163 भवानी सहस्रनाम Vy -5-

3164 भविष्यपुराण——— Vy -12-

3164a भविष्यत्कहा (German) by धनपाल A Jain legend in अपभ्रंश ed by Jacobi J 1916 Roy pp 226 Gr 10-

3165 —— or पञ्चमीकहा A romance in अपभ्रंश language by धनपाल (circa 12th century) ed by C D दलाल and Dr P D गुणे 1923 Go 6-

3166 भस्मधारणविचार (कर्म) Sw 2-

3167 भागवत मूलमात्र Gd 1-4-

3168 — Ch 3-

3168a भागवत मूल silk cover Vy 3-

3169 — अन्वयार्थ प्रकाशिका व्याख्या सहित Vy 20-

3170 — नवीनसुबोधिनी टीका सहित Vy 25-

3171 — श्रीधरी टीका तथा टिप्पणासहित Vy 20-

3172 — मध्यमाक्षर Vy 6-

3173 — (silk cover) Vy 7-

3174 — In easy Engl prose A new transl according to the अद्वैत comm extracts with notes from विशिष्टाद्वैत and द्वैत comments, publ by Pt T R कृष्णाचार्य 1916 vol I स्कन्ध 1-7 Roy pp 2 160 2 Md 7-8-

3175 — The text of भागवत with द्वैत and विशिष्टाद्वैतपाठ ed and

भ

publ by Pt. T R. कृष्णाचार्य 1916 vol II स्कन्धs 8 to 12 Roy pp. 45, 44, 91, 116, 61, 25 *Md* 7–8–

3176 — A prose Engl transl. ed & publ by M. N. दत्त 1896 vols I–II स्कन्धs 1–12. 8vo pp. ii 95, 414, 137 70. *C.* 12–

3177 — Translated into easy English prose by S सुमारान. This translation is quite different in style and contents from that of Mr. मन्मथनाथ दत्त of happy memory The commentaries of श्रीधरस्वामि, श्रीवीरराघवचार्य and श्रीविजयध्वजतीर्थ are also represented 25–

3178 — With comment of श्रीधर printed on good thick paper, in large types (*Unbound*) *Gn* 5–

3179 — With comm of श्रीधर and with notes of महेश्वरभट्ट well-known annotator of अमरकोष and also with चूर्णिका printed on thick paper, in large types. (Unbound) *Gn* 10–

3180 — With the comm of विजयध्वज *printed on good thick* paper, in large types (unbound) *Gn* 10–

3181 — Text, big type with the readings of the three Hindu Schools of philosophy. *Paper* Bound 2 Vol *Mv* 6–

3182 — FIRST THREE PARTS (Royal 8vo pp 480) *Ts* 4–8–

3183 — English Translation by सुमारान. *Ts* 2–8–

भ

3184 — by Burnouf M. 5vols. 100–

3185 — प्रथम स्कन्ध with सुबोधिनी टीका by वल्लभाचार्य *Vl* 2–

3185*a* — द्वितीय स्कन्ध with सुबोधिनी टीका *Vl* 2–

3185*b* — तृतीय स्कन्ध with सुबोधिनी टीका. *Vl*

3185*c* — दशमस्कन्ध with टिप्पणी

3185*d* — — उत्तरार्ध *Vl*

3185*e* — दशम स्कन्ध जन्मप्रकरण with सुबोधिनीटीका and टीप्पणी *Vl* 4–8–

3186 भागवतचम्पू सटिप्पण *Vy* 1–8–

3187 भागवतचूर्णिका (पुराण) *Vy* 18–

3188 भागीरथीचम्पू *Gn* 1–4–

3189 भाट्टदीपिका (मीमांसा) vols III and IV *Bs* 15–5–

3190 भाट्टभाषाप्रकाश (मीमांसा) by श्रीनारायणतीर्थ ed by M M स्वामि भागवताचार्य *Ch* 3–

3191 भाट्टरहस्यम् (मीमांसा) *Su* 1–8–

3192 भाट्टचिन्तामणेस्तर्कपाद (मीमांसा) by M M Pt गागाभट्ट ed by Pt रामकृष्णशास्त्री पटवर्धन alias तात्याशास्त्री पटवर्धन *Ch* 3–

3193 भाट्टदीपिका (मीमांसा) (Text) A work belonging to the Purva Mimansa School of Hindu Philosophy by खण्डदेव, ed by M M. चन्द्रकान्त तर्कालंकार and M M मन्मथनाथ तर्कभूषण (1900–1912) *Bi*

3194 — भाण्डारकर Commemoration vol containing 40 essays. 1917 Roy pp. viii, 455 *Oa* 12 and 16–

म

3195 माधपद्मासमहात्म्य मूल Vy -8-
3196 भामति (वदान्त) A gloss on शंकराचार्य's commentary on the ब्रह्मसूत्र's by वाचस्पतिमिश्र, ed. by बालशास्त्री 1880 Bi 5-
3197 भामह and दण्डिन् their age and position in Poetry by Jacobi. 1-
3198 भामिनीविलास (काव्य) मूल Vy -6-
3199 — पंडित जगन्नाथविरचिता अच्युतरायकृतयाप्रणयप्रकाशाख्यया व्याख्या सहित 8 vo pp 172 N 1-
3200 — Comprising text with संस्कृत, transl and copious notes in Engl various readings, life of the author &c by शेषाद्रि अय्यर 8vo 1-8-
3201 — ed with introd transl and critical notes by Prof S. M. परांजपे 1895 1-8-
3202 भागवतचम्पू टिप्पणीसमेता। Gn -8-
3203 — सटिप्पण. Vy -8-
3204 भारतइतिहाससंशोधकमण्डळ, मराठी अहवाल, चैत्र-भाद्रपद. शके १८३४ 8vo pp. 127 1-8-
3205 — प्रथमसंमेलनवृत्त, मराठी, शके १८३५ 8vo pp 82 1-8-
3206 — पंचम-संमेलन-वृत्त, मराठी, शके १८३० 3-
3207 — षष्ठ-संमेलन-वृत्त, मराठी, शके १८४० 4-
3208 भारतमञ्जरी (काव्य) महाकवि क्षेमेन्द्र कृत. N 5-
3209 — The Text based upon old Mss with lucid comm by सर्ववाचस्पति भीमाचार्य शास्त्री, and ed with exhaustive introd. critical, grammatical and explanatory notes, & Literal Engl. transl by M S. भाण्डारे. 8vo pp. 2, XIV, II, 136, 282, 853, 3 St 4-
3210 भारतशक्ति Essays and Addresses on Hindu Dharma and National Education by Sir John Woodroffe. It 1-8-
3211 Bharata Readings Easy and interesting stories from the Mahabharata in the orig. Sanskrit Printed in Roman letters, with a literal English version, by C R LANMAN. Ho
These show to the beginner how exceedingly easy the epic texts are They are chosen with common sense and good taste and are purged of long winded descriptive passages They are in simple unstiled language entertaining, full of swift-moving action and incident. Among them are the story of shakuntala (heroine of the master)
3212 भारते रामायणकालीन समाजस्थिती. An essay in मराठी by P. V. काणे. 8vo. pp. 53. -8-
3213 भारतीयसाम्राज्य—पूर्वार्ध by N B पावगी. in मराठी 1893. pt. I cr. pp. 233 2-
3214 भारतीय ज्योतिःशास्त्र अथवा भारतीय ज्योतिषाचा प्राचीन आणि अर्वाचीन इतिहास by S K दीक्षित. 10-
3215 भारद्वाजगृह्यसूत्रम् The Domestic Ritual according to the school of bharadvaja, ed. in the orig Sanskrit with an introd and

भ

list of words by Salomons. 1913 8vo *Br* 7-

3216 भावदीपिका A प्राकृत comm in श्लोकs by भावाचार्य अष्टत्रे. 1860 *Mf* 2-

3217 भावप्रकाश, मूलमात्र *Mf* 2-

3218 — शब्दरत्नटीका *Kg* 3-8-

3219 — of शारदातनय An ancient work on Dramaturgy, ed by रामस्वामिशास्त्री, and His Holiness यदुगिरीयतिराजस्वामि *Go*

3220 भावविलास रुद्रकविकृत *Km2* 1-

3221 भावशतक (काव्य) *Gn* 1-

3222 भावशतक (काव्य) नागराजप्रणीत *Km4* 1-

3223 भावनाविवेक—by Mandan Misra with a comm by Bhatta Umdeka in 2 parts *Sb* 1-8-

3224 भावार्थरामायण by श्रीएकनाथ, publ by G C देव 1910 Part I & II Roy pp 180, 171 15-

3225 भावोपहार of बोधयञ्चदशिका by चक्रपाणिनाथ with the comm of रामदेवभट्ट, ed with notes by व मुकुन्द शास्त्री. 1881 *Km*

3226 भाषापरिच्छेद —मैथिल-मुकुन्दझा-प्रणीत कारिकावली तथा अर्थदीपिकासहित 8vo pp 90 *N* -10-

3227 भाष्यप्रकाशशास्त्रम् by Dr T K लड्ड publ by म मा कृतकोटि 1915 8vo pp 787, 192, 133, 135 (Sans Research) 4-

3227*a* — Reprint by कृतकोटि -8-

3228 भारतमात्र आणि मराठी भाषा by K P कुलकर्णी *Oa* 2-

3229 भाव्यप्रसन्नपाद *Vj* 6-

भ

3230 भास AND THE AUTHORSHIP OF THE thirteen त्रिवेन्द्रम plays, by हिरानन्दशास्त्री *Gt* -14-

3231 BHASA STUDIES An essay on the history of the drama of ancient India by Lindenau 3-

3232 भास's plays orig संस्कृत with Engl transl A critical study by T गणपतिशास्त्री 1925 8vo pp II, 124 1-

3233 भास's works A criticism by A कृष्ण Pishardy, transl from रसिकरञ्जन, publ by N केशव पिले 1925 Roy. pp 48, 20 *Tr* -12-

3234 भास्करोदया-(न्याय) तर्कसंग्रह दीपिकाप्रकाश नीलकंठी व्याख्या. *N* 1-

3235 — *Sd* -8-

3236 भास्करविजयम् A short but illuminating exposition of the doctrines of the प्रभाकर school of मीमांसा philosophy by नन्दीश्वर, ed. by Anant Krishana shastri and पशुपतिनाथ शास्त्री *Ss* 1-4-

3237 भास्वती of पुरुषोत्तमदेव A treatise on Sanskrit Grammar with the comm of श्रीधराचार्य ed by गिरीशचन्द्र वेदान्ततीर्थ (1917) *Bi* 9-10-

3238 — A comm on panini's grammar by पुरुषोत्तमदेव, ed. by Prof. श्रीशचन्द्रचक्रवर्ति. *Vr* 6-

3239 भास्वतिप्रकरणम्–सस्वृत भाषाद्वयटीकासारणी. *Kg* 2-

3240 भिक्षाटनकाव्य उत्प्रेक्षावल्लभकविविरचित. *Km12* 1-

3241 भिक्षानविहिारा by दहरूमाई. 1909 pp 119, 74, 35 -6-

भ

3242 भीष्म A great work on Hindu Religion. His life and teachings. cloth 8vo. pp. 400 3-

3243 भुजङ्गस्तोत्राणि श्रीशंकराचार्यकृत. Vv 2-

3244 भुवनभानुकेवलीचरित्र गद्य (जैन) of इंद्रगणी. 2nd edn Jb 3-

3245 भेदधिक्कारः—(वेदान्त) by श्रीनृसिंहाश्रममुनि with a comm by the author's pupil नारायणस्वामि and उपक्रमपराक्रम (वेदान्त) by अप्पयदीक्षित, ed and annotated by Pandit लक्ष्मणशास्त्री द्रविड. Bn 3-

3246 भेदवादः (वेदान्त) तत्त्वतुल्यायविचार. Sw 8-

3547 भेदोज्जीवन (वेदान्त) by व्यासराज स्वामि with टिप्पणी. Mv 1-

3247 भेलसंहिता (वैद्यक) Roy.8vo pp. 236 Cu 9-

It contains the complete text (in Sanskrit) of the Bhela Samhita, one of the most ancient and valuable treatises on Indian medicine.

3248 भैषज्यरत्नावली—रविदत्तविरचितसंस्कृतटीकासहित Mt 2-

3249 भैमी शब्दरत्न व्याख्याकाराकान्त (व्याकरण) Kg 1-

3250 भैरवसहस्रनाम— vy -2-

3251 भोजप्रबन्ध (काव्य) मूल vy -12-

3252 — An Engl transl. by सुरेन्द्रनाथमजूमदार 1917, 2nd edn cr pp 164. Cc -10-

3253 भगवद्गीता Recurrent and parallel passages in, see—Recurrent & parallel passages in भगवद्गीता

3254 भागवतपुराण, the date of, see—the Date of भागवतपुराण

म

3255 भूमर AND राजुरि, antiquities of, see—the Antiquities of भूमर and राजुरि.

3256 भूमर The temple of शिव at, see—the temple of शिव at भूमर.

3257 BOTHLINGKS indesche sprichen, an index to, see—An index to Bothlingks indesche sprichen.

3259 मकारादिश्रीरामसहस्रनाम, स्वयामलोक. vy 3-

3260 — तथा रकारादि श्रीरामसहस्रनाम, उयामलोक्त vy -6-

3261 भागचन्द्राचरित्र गद्य (जैन) of भावचन्द्रसूरि. 3rd edn Jb -8-

3262 MATERIA MEDICA OF THE HINDUS by W. C, दत्त. 1922 8vo pp. xx, 356. 6-

A glossary of Indian plants by George King, revised edition with additions and alterations by K B. सेन and K. P सेन.

3263 MATERIA MEDICA OF MADRAS by M. S. खानबहादुर. 1891. vol. I. Roy pp. x, 161. 1-8-

3264 MATERIALS for a critical edition of भरत's नाट्यशास्त्र [Reprint] by Dr. S K बेल्वल्कर 1915. 8vo pp. 37. 44. -8-

3265 मणिदर्पण [न्याय रत्नपरिच्छेद] by राजचूडामणिमखिन Tr 1-4-

3266 मणिमञ्जरी A revised edn by नारायण पण्डिताचार्य, treating the lives of श्रीराम, श्रीकृष्ण, & progress of Buddhism. Mo -7-

3267 — Ts -2-

म

3268 मणिसार. [न्याय] अनुमानखण्ड, by गोपीनाथ. Tr 1-8-

3269 मतविलासप्रहसनम् (नाटक) by श्री महेन्द्रविक्रमवर्मा. Tr -8-

3270 मत्स्यपुराणम् । श्रीमद्द्वैपायनमुनिप्रणीतम् । Au 6-

3271 — (Book size) Kg 5-

3272 — Transl. into Engl. Parts I and II. Po 20-

3273 — श्रीमद्वेदव्यासप्रणीतम् Vy 7-

3274 मथुरापथलक्षणम् (न्याय) मथुरानाथीय व्याप्तिपञ्चकटीकायाः क्रोडपत्रम् । श्रीकालीशङ्कर प्रणीतम् । Ch 3-

3275 मदनपारिजात A treatise on Hindu Law by मदनपाल, ed by मधुसूदन स्मृतिरत्न. 1893. Bi 8-4-

3276 मदालसाचम्पू त्रिविक्रमकृत. 1881. Roy pp. 84. 2-

3277 मन्दाक्रान्ताष्टकम् मूककविकृतम्. Vv -2-

3278 मधुराष्टकम् with षड्विवृत्ति by श्रीवल्लभाचार्य. ed. by M. T. तेलीवाला. 1918. Roy. pp. 52. N 1-

3279 — Vl -8-

3280 — -4-

3281 मन्दिभूतशतकम् श्रीव्यंकटेश शास्त्रीकृतम्. Vv -2-

3281a मध्यमव्यायोग & पञ्चरात्रम् (नाटक) of भास ed. with introd. full transl. explanations, questions, answers & illustrative notes, by G. L. पाण्डेय. 8vo. pp. 172. 1-6-

3282 — (नाटक) of भास, ed. by T. गणपतिशास्त्री. Tr 1-8-

3283 मध्यसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरण) श्रीवरदराजकृत. N 1-4-

3284 — Vy 1-

3285 मध्वविजय. Ts -8-

3286 — with meanings. Ts 2-

3287 मध्वाचार्य A sketch of his life & times by C. N. कृष्णस्वामि अय्यर, and his Philosophical system by सुभाराव.cr. pp. 74. Vt -12-

3288 मनुस्मृतिकुल्लूकभट्टकृतटीकया सहिता, ग्रन्थान्तरेषु मनुनाम्नोल्लिखितैरिदानीन्तनमनुस्मृतिपुस्तकेष्वनुपलभ्यमानैः श्लोकैः (पद्यानां वर्णानुक्रमकोशेन, विषयानुक्रमेण च सहिता सूक्ष्मेक्षिकया संशोधिता च । Gu 2-4-

3289 — (धर्म) कल्लूकभट्टकृतटीकासह. Vy 3-

3290 — कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीकासह । 8vo. pp. 4, 18. 490, 23. N 2-8-

3291 — Translated into English by G. Buhler. Of 16-

3292 — ed. with 7 comments. (1 कल्लूक, 2 गोविन्दराज, 3 नंदन, 4 मेधातिथि, 5 रामचन्द्र, 6 राघवानन्द, & 7 सर्वज्ञनारायण). by मण्डलिक: 3 vols. 30-

3293 — With the भाष्य of मेधातिथि transl. into Engl. by गंगानाथ झा. vols 1 to 5, each with two parts. Cu 67-8-

3293a — Notes in Engl. by गंगानाथ झा. in 3 vols. Cu 27-

3294 मनुसंहिता (काशीचन्द्र टीका) by हरसम्भनाथ भट्टाचार्य. Sd 6-8-

2295 मनुटीकासंग्रह (Text). Being a series of copious extracts from

म

six unpublished commentaries of the code of Manu. *Bo* 3–

(A) Medhatithi's Manubhasya (B) Govindaraja s Manutika. (C) Narayana's Monavartha vivriti (D) Raghawananda (E) Nandana (F) Kashmirion author

3296 मनुष्यजातक, सस्कृतटीका समरसिंह प्रणीता । तथा श्रीधरशर्मांकृता संस्कृत टीका-समेता । *Vy* 1–4–

3297 मनुष्यालयचन्द्रिका (शिल्प) *Tr* –8–

3298 मनोदूत (सहृदयहृदयाल्हादनापरनामक सटीक.) *Km13* 1–

3299 मनोरमामाधवम् (चरित्र) An interesting new सस्कृत romance by V. P. ताटके. 1893. vols I & II. 8vo. pp. 175. *Bd* 3–

3300 मनोरमा (व्याकरण) शब्दरत्नसहिता सम्पूर्णा. *Kg* 15–

3300*a* — शब्दरत्नसहिताऽव्ययीभावान्ता सटिप्पण. *Kg* 4–

3301 मराठी—ENGLISH DICT. by Molesworth and Candy *Oa* 30–

3302 मराठ्यांच्या इतिहासाची साधने १७५०–१७९१ by V. R. राजवाडे. 1898. खण्ड. 1. 8vo. pp. 409, 2. 25–

3303 —— शिवकालीनपत्राणी, ed. by V. K. राजवाडे 1915. खण्ड 20. 8vo. pp. 2, 476. 3–

3303*a* Maratha History the main currents of by G. S. सरदेसाई. 1926. 8vo. pp. iv 184. 2–

3304 Maratha History (Rise of the Maratha Power) by Justice M. G. रानडे. Bound in clouth, with gilt letters. 2–

म

In 12 Chapters dealing with the Importance of Maratha History How the Ground was prepared, how the Seed was sown, how the Seed thrived, the Tree blossoms, the Tree bears fruit, Shivaji as a Civil Ruler, the Saints and Prophets of Maharastra, Gingi how order was brought out of Chaos, Chouth and Sardeshmukhi Marathas in Southern India, Gleanings from Maratha Chronicles

3305 मलयसुन्दरीचरित्र (जैन) of जयतिलकसूरि. *Jb* 4–

3306 मलमासमहात्म्य मूल पद्मपुराणातर्गत *Vy* –8–

3307 महागणपतिस्तोत्रम् सटीकम् राघवचैतन्यविरचितम् । *Km*1 1–

3308 महार्थमञ्जरी In Prakrit by महेश्वरानन्द with the author's comm. interesting description of the principles of *Kashmir Shaivism* in *Arya* metre. *Km* 1–12–

3309 — (दर्शन) with the commentary परिमल of महेश्वरानन्द. *Tr* 2–4–

3310 महानयप्रकाश A work on Kashmir Shaivism in Prakrit, interesting from the philological point of view. by राजानक शीतिकान्त. *Km* 1–12–

3311 MAHANARAYANA UPANISHAD edited by Col. jacob. –7–

3312 महानिर्वाणतन्त्रम् Ed. with prose Engl. transl. by M. N. दत्त. 1900. 8vo pp. 2, 10, xxxii, 315. *Cc* 10–

म

3312a — In देवनागरी character. ed. by Various Authors. pt.I–IV. *Bi* 30–

3313 महाभारत (निबंध) A criticism by C. V. वैद्य. *Gn* 2–8–

3314 — Its origin, contents and form by Oldenberg. 6–

3314a — According to North Indian recension by Holtzmann. 10–

3314b — In East and West by Holtzmann A. 10–

3314c — As epochs and Law book, by Dahlmann I. *Gr* 15–

3315 महाभारत-विराटपर्व, ed. with eight comments (1 भारतदीप, by नीलकण्ठ, 2 टीका by अर्जुनमिश्र, 3 चतुर्भुजमिश्रीय, 4 दुर्घटार्थप्रकाशिनी, 5 विषमार्थभञ्जनी, 6 भारतार्थप्रकाश by सर्वज्ञ नारायण, 7 विषमपदविवरण, & 8 लक्षाभरणम्) and numerous readings by M. G. बाके 1915. sup Roy. pp. 204. *Gu* 3–8–

3316 — उद्योगपर्व, ed with five comments (1 भारतदीप by नीलकण्ठ, 2 टीका by अर्जुनमिश्र, 3 दुर्घटार्थप्रकाशिनी by विमलबोध, 4 भारतार्थप्रकाश, by सर्वज्ञनारायण, and 5 लक्षाभरणम् by वादिराज.) and with numerous readings by M. G. बाके. 1910. sup. Roy. pp. 492. *Gu* 8–8–

3316a महाभारत-विराटपर्व, critically ed with various readings, notes and introd by N. B. उत्गिकर. 1923 Roy. size 15–

म

3317 — Abridged by C. V. वैद्य. 1921. 4th edn. 8vo. pp. iii, 506. 3–4–

3318 — वन and विराटपर्वs in unbound parts. *Mv* 6–

3319 — कर्ण, शल्य and सौप्तिकपर्वs in parts. *Mv* 5–

3320 — स्त्री and शान्तिपर्वs in unbound parts. *Mv* 6–

3321 — अनुशासन, आश्वमेधिक, आश्रमवासिक, महाप्रस्थानिक, मौसल & स्वर्गारोहणपर्वs in unbound parts, *Mv* 5–

3322 — According to Southern Recension with readings and footnotes (and its *Alphabetical Index* with preface in Engl. contents, narrative stories for important names and events by T. R. कृष्णाचार्य. 1914. Roy. pp 5, 56, 44, 89, 4, 200. *Mv* 100–

3323 — (1 आदि, 2 भीष्म, 3 कर्ण, and 4 द्रोण) transl. into Engl. prose by P. C. राय. 1888. 8vo. pp. 622, 446, 368, 696. *G* 30–

3323a महाभारत or the great epic of India, the first critical & illustrated edition, ed. by Dr. *सुकथनकर to be out in last.* Subscription price. 175–

3324 — *The greatest epic of* the world transl. into Engl. from the orig. संस्कृत by P. C. राय. and revised by S. L. शास्त्री. parts. 30, each 1–

म

3325 — Translated into Engl prose by M N Dutt Vols I & II पर्वs 1-18 Roy 8vo *Cc* 35-

3326 — (1आदि 2सभा, 3वन, 4विराट, 5 उद्योग, 6 भीष्म, 7 द्रोण, & 8 कर्ण) transl into Engl, prose by M N दत्त, 1895 vol I and II Roy pp 316 108, iv, 453, 79 267, 215, ii, 375, iii 194, *Cc* 25-

3327 महाभारत the selections from ed by Johnson F 1842 Roy 8vo pp xiii 265 8-

3328 — With comm of नीलकण्ठ in large type on thick good paper (Loose seats) *Gn* 75-

3329 — संस्कृत original, (1 आदि 2 सभा, 3 वन, 4 विराट, 5 उद्योग, 6 भीष्म, & 7 द्रोण) with मराठी transl by K V लेलेशास्त्री Roy pp 25-

3330 महाभारततात्पर्य by रामभाऊमिश्र pp 288 *Ls* 2-4-

3331 महाभारततात्पर्यनिर्णय by मध्वाचार्य. A trical synopsis of the महाभारत भागवत and रामायण *Mi* 3-4-

3332 महाभारततात्पर्यप्रकाश भागवधर्मसारोद्धारश्च । श्रीसदानन्दव्यासविरचित । तत्कृतटीका सहित *L* 3-13-

3333 महाभारतप्रवेशिका–नलोपाख्यान and सावित्र्युपाख्यान with introduction and notes by P V काणे 1912 cr pp ii 156 *Mc* 1-

3334 महाभाष्य प्रदीपोद्योत (नवाह्न) A treatise on Panini s grammar by नागोभट्ट ed by बहुवल्लभशास्त्री 1901 (in progress) *Bi* 31-8-

म

3335 MOHAMMADAN Coins in the Bodleian Library, a catalogue by S Lane Poole 1888 4to. *Of* 9-6-

3336 MUHAMMADEN Architecture of अहमदाबाद Part 1 and II *Gi* 45-

3337 — — of गुजराथ by Burgess *Gi* 17-

3337*a* — — in गुजराथ *Gi* 16-

3338 महायानविंशिकानम् by प ज्वालाप्रसादमिश्र 1912 8vo pp 8 184 *Vy* -12-

3339 महायान doctrines of salvation by Schayer 1923 2-8-

3340 MAHAYANA *Texts, from the* Sanskrit by Cowell Max Muller, and J Takakusu *Of* 15-12-

3341 महायानसूत्रालङ्कार (Sk & Fr) by Levi S 2 vols 20-

3342 महाराष्ट्रसंतविजयालङ्कार *Sbr*

3343 महाराष्ट्रीयभगवद्गीता मराठी–कवितासंग्रह contains (1निर्याणाचे अभंग 2 गीतासार एकनाथकृत, 3 गीतासार पूर्णानन्दकृत 4 उपदेशरत्नाकर 5 शङ्कर पुराण & 6 निर्विकल्पग्रन्थ) publ by K C महाजन 1914 8vo pp 170 -12-

3344 महावाक्यरत्नावली (वेदान्त) श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य रामचन्द्रयतिविरचित *N* 3-

3345 महावंशो राजरत्नाचारी and राजावली, forming the sacred and historical Books of Ceylon by Uphan E 1835 (rare) 8-

3346 महाविद्याविडम्बन (न्याय) A work on न्याय philosophy by भट्टवादीन्द्र who

म

lived about A. D 1210 to1274, ed. by M R तेल्ग 1920 *Go* 2-4-

3347 महावीरचरितम् (नाटक) भवभूतिकृत, वीरराघवकृत टीकासह. *N* 1-8-

3348 — ed with सस्कृत comm and सस्कृत Engl. glossary by A Borooh 1871. 8vo pp xii 300 8, 2 *Cc* 5-

3348a MAHAVIRA—CHARITAM, A Drama by the Indian Poet *Bhavadhuti*, ed with critical apparatus, introd. and notes by the late *Todar Mall*, revised and prepared for the press by *A. A Macdonell*, 1928 Roy 8vo. pp liv+352 *Of* 18-

Prof Macdonell in his Preface writes Any scholar examining the Author s introduction which treats of the Author s manuscript material and various cognate matters as well as his critical foot notes will easily be convinced that no classical Sanskrit text has ever been so exhaustively prepared by an Indian scholar Thus eighteen sanskrit manuscripts have been collated in preparing the text

3349 — सार व विचार in मराठी by M. V. लेले 1901 Roy. pp 2, 87. -10-

3350 महावीरजिनस्तोत्र सटीक (जैन) of जिनवल्लभसूरीने *Jb* 14-

3351 महावीरस्वामिस्तोत्र अन्ययोगव्यवच्छेदिकाद्वात्रिंशिकाख्य, हमचन्द्राचार्यविरचित *Km7* 1-

3352 महापुराणे Face I-III each 5-

म

3353 महासिद्धान्त (ज्योतिष) A treatise on Astronomy by आर्यभट, ed with his own comm. by M M सुधाकरद्विवेदि *Bn* 3-6-

3354 महिम्नस्तोत्र-मधुसूदनी (शिवस्तोत्र) व्याख्यासहित ✓ -6-

3354a — केवलशिवार्थेन कमुबोधिनीटीका *N* -2-

3355 — or A Hymn to शिव. Text and translation by Rev K. M. बानर्जी. *Rl* -2-

3356 महिम्नस्तोत्र व्याख्यापद्दीपिकायुतम् by पुष्पदन्ताचार्य, with a comm of मधुसूदन सरस्वती and five other comments of प नारायण पतिशर्मा त्रिपाठी, also with शक्तिमहिमा Stotra & Preface *Ks* 1-

3358 — शक्तिमहिमा by दुर्वास and शिवमहिमा by पुष्पदन्त *Vt* -4-

3359 — (Greatness of Siva) by Arthur Avalon *Sl* 1-8-

3360 महिमास्तोत्र *Rl* -2-

3361 महिपालचरित्र काव्यम् (जैन) of चारित्रसुन्दर 2nd edn *Jb* 1-4-

3362 माघ, the Glories of, see -no 1592

3363 माघकाव्य or शिशुपालवध सटीक (see—शिशुपाल वध) *Vy* 4-

3364 माघमाहात्म्य मू. *Vy* -10-

3365 माठरवृत्ति and date of ईश्वरकृष्ण by Dr S. K. बेल्वलकर 8vo pp. 171-184 -8-

3366 — An essay by Dr S K बेल्वलकर 1924 Roy pp 36 1-

3367 MODERN INDIAN ARCHITECTURE by G. Sanderson *Gu* 9-

म

3368 MODERN LANGUAGES OF THE EAST INDIES by Cust R 1878 25-

3369 MODERN REVIEW A monthly Review and miscellany, ed by रामानन्द चतर्जी 1923 Jan Dec vol xxxiii, no 1-12-8 8-

3370 माण्डूक्योपनिषद् with गौडपादिका and शांकरभाष्य transl into Engl by M. N द्विवेद 1909 8vo pp-XI, VI, 137, X *Po* 1-8-

3371 — Translated with Shankara's commentary by M. N द्विवेदि *Ad* 2-

3372 — with मराठी transl and comm by C G भाद् 1913 8vo pp 4, 194, 3-

3373 मातङ्गतन्त्रम् *Km*

3374 मातङ्गलीला (गजलक्षण) by नारायण *Tr* -10-

3376 मधुरि पञ्चलक्ष्मा *Kg* -3-

3377 — *Gss* -3-

3378 माधवनिदान (वैद्यक) सटीक श्रीमन्माधवकविराचित मधुकोशाख्यया आतङ्कदर्पणाख्यया च सनाथाकृतम् । *N* 3-

3379 — मूलमात्र pp 429 *Mr* 1-8-

3380 — मधुकोश तथा आतङ्कदर्पण टीकासहित *Mt* 2-

3381 — सस्कृत टीकासमेत् । *Vy* 5-

3382 माधवीयाधातुवृत्ति नाम सायणविरचित धातुरत्नाकराख्यशास्त्रम् माधवमार्गेण विरचिता, द्वारकानाथशर्मा सम्पादिता । वन्दना । *Lz* 7-8-

3383 माध्यमकवृत्ति by L. Poussin Fsc. I—VII each *Fasc* 5-

म

3384 मानवगृह्यसूत्र A work on Vedic ritual (domestic) of the यजुर्वेद with the भाष्य of अष्टावक्र, ed by प रामकृष्ण हर्षजी with introd by Prof B C लेले *Go* 5-

3385 — (german) with commentary by Knauer F 10-

3386 ——— मूल *Il* 1-

3387 मानवधर्मशास्त्र (धम) The code of मनु Original Sanskrit text with critical notes by Jolly J 1887 15-

3388 मानवश्रौतसूत्र (चयन) Devanagari Text by Geldner J —super Roy pp 22 3-

3389 मानवआयुष्य की वादिक मर्यादा orig सस्कृत with हिंदी transl by सातवलेकर 1919 cr pp 48, 2 -3-

3390 मानमेयोदय (मीमांसा) by नारायणभट्ट and नारायण पण्डित *Tr* 1-4-

3391 मानमतत्त्वविवेक by विश्वनाथ न्यायपञ्चानन 8vo pp 3 4, 2, 29 -12-

3392 मानसोल्लास or अभिलषितार्थचिन्तामणी An encyclopædic work divided into one hundred chapters treating of one hundred different topics by सोमेश्वर, a चालुक्य king of the 12th century ed by G K. श्रीगोन्देकर 1925 vol I *Go* 2-12-

3393 — or Abhilashitarthachintamani ed by G K Shrigondekar, vol II

3394 MINOR UPANISHADS Containing अन्तोपनिषद् कैवल्य & ब्रह्म Part II *At* -7-

म

3395 MINOR UPANISHADS. containing (1 अमृतबिन्दु, 2 आरुणेयि, 3 आत्मा, 4 कैवल्य, 5 तेजोबिन्दु. 6 ब्रह्म &7 सर्व)ed by Schroeder. 12-

3397 MINOR LAW—books, by J Jolly (नारद बृहस्पति) Of 9-6-

3398 MINOR TIBETAN TEXTS — (Text, translation,—notes) the song of the Eastern Snow Mountain by Johan van Manen 1919 Bi 1-4-

3399 मायापुरीमहात्म्य, मूल Vy -12-

3400 मार्कण्डेयपुराण Transl into Engl prose by M. N दत्त, Ad 7-

3401 — Engl transl. by F. E. Pargiter (1888-1905) 9 fasc Bi 9-

3402 — सप्तशती-शान्तनवी-टीका-समेत. Vy 4-

3403 मार्गशीर्षमहात्म्य मूल स्कन्दपुराणान्तर्गत Vy -8-

3404 MARTIN LUTHER by Gustav 1697 cr pp 128 1-8-

3405 मालविकाग्निमित्र (नाटक) कालिदास कृत, काटयवेमकृत टीकासह 8vo pp 108. N -12-

3406 — श्रीमृत्युञ्जयनिश्शङ्कभूपालरचित विबुधजनोल्लास्य प्रतिपदव्याख्या सहित। 8vo. pp 286 Vz -8-

3407 — with the comm of काटयवेम, amplified by the editor, with an introd. on the model of शाकुन्तल Literal Engl transl. exhaustive critical explanotry and grammatical notes and various readings on the model of शाकुन्तल by M. R. काळे. Gn 3-8-

3408 — Ed. with notes by S. P पंडित. 1869 8vo pp. XXXVIII, 164. 2 .rare 5-

3408a — Ed with संस्कृत, comm. सरला by श्रीरामशर्मा Introd translation of all verses, & notes &c by R D. करमरकर 1918 8vo pp. 2, XXIII, 176 117, 12 .2. 5-

3409 — Ed with introd Engl transl. and critical notes by S. M. परांजपे 1918, cr pp 18,109, 79 2-4-

3410 — With the comment of नीलकण्ठ. and काटयवेम and an Engl introd 8vo pp. XXVIII-155 Vi 1-

3411 — Ed with the comm बालबोधिनी by आप्पाशास्त्री राशिवडेकर. 1902. 4-

3412 — Ed. by गुरुनाथ काव्यतीर्थ सटीकम् Sd 1-8

3413 — Ed by प्रतापचन्द्र वेदान्तभूषण St -12-

3414 — Ed by रेवतीकांत भट्टाचार्य 1-4-

3415 — Ed by हरिदास सिद्धान्तवागीश. 1-4-

3415a — Ed by हरिदास भट्टाचार्य. 1-

3415b — French translation, by G. Strehly 1885 cr. size. pp XII, 274 2-

3416 मालतीमाधव (नाटक)—भवभूतिकृत, त्रिपुरारिकृत टीका, मान्यदेवकृत टीका तथा

म

जगद्धरकृतटीका सहित । pp 2, 124 3. *N* 2-4-

3416*a* मालतीमाधव with the comm of जगद्धर ed with a literal Engl transl. notes & introd by M R काळे. 1928. 2nd edn pp 40, 2, 219, 4, 100, 109, *Gn* 4-8-

3417 — With the comm of जगद्धर. ed with critical notes etc. by Dr. R. G. भाण्डारकर 2nd edn *Bp* 4-4-

3418 — (सर्गाङ्क) Ed by कृष्णविहारी तर्कसिद्धान्त *Sd* 2-8-

3418*a* — Ed by हरिदास सिद्धान्त वागीश *Ad* 2-8-

3419 — French translation by Foucaure. 1877. crown size pp XI 198. 2-8-

3420 — माल द विचार in मराठा by M V लेले. 1900 Roy pp 84 2 -10-

3421 मालिनीविजयवा Important आगमशास्त्र on the त्रिक system of the *Kashmir Shaivism* with preface and elaborate introd in Engl Cloth *Km* 3-8-

3422 मालिनीविजयवार्तिक By अभिनवगुप्त, is a gloss on the मालिनीविजयतन्त्रम् Cloth *Km* 3-

3423 मावळचा मराठ्यांचे पराक्रमाचा इतिहास, by G S. सरदेसाई. ग्रंथ *Ca* 5-

3424 माहेश्वरदर्शनसार (समतमद) मराठी, by बाळशास्त्री *Ak* 5-

3425 MAGIC OF ANCIENT India by Henry V. *Fr* 4-

म

3426 MIDDLE AGE by Deusson paul 5-

3427 MYTHS AND LEGENDS OF INDIA, by Macfie J. 1924 3-

3428 MYTHICAL AND LEGENDARY Accounts OF CASTE with orig संस्कृत and Engl. transl 8vo. pp. x 204 *Gr* 12-

3429 मित्रलाभ (सटीकानुवाद) ed by गुरुनाथ काव्यतीर्थ *Sd* 1-4-

3430 मिताक्षरा-माण्डूक्यकारिकाव्याख्या— (वेदान्त) A gloss on गौडपादाचार्य's माण्डूक्यकारिकाs by स्वयंप्रकाश सरस्वति स्वामि and माण्डूक्योपनिषद्दीपिका of शंकरानन्द, ed by Pt रत्नगोपालभट्ट. *Ks* 1-4-

3431 मिताक्षरा (A treatise on succession of विज्ञानेश्वर. by Orianne *Tr* 3-4-

3432 The MYSTERIOUS KUNDALINI The physical basis of the "Kundali (Hatha) Yoga" According to our present knowledge of Western Anatomy and physiology by Dr V S Rele, with a foreword by Arthur Avalon, illustrated with orig. diagrams and photogravure plates *Tar* 3-8-

3433 मीमांसार्थप्रकाश (मीमांसा) लौगाक्षिभट्टकेशवविरचितटीका सहित *Ch* 1-

3434 मीमांसाऽभ्युदय, (मीमांसा) A thesis on मीमांसा by D. T. ताताचार्य शिरोमणि 1925 cr pp 10, 16, 78. 3-

3435 मीमांसानुक्रमणिका (मीमांसा) by मण्डनमिश्र, with an orig, comm.

म

मीमांसामण्डन, by म म गंगानाथ झा, ed by प धुंडिराजशास्त्री Ch 1-8-

3436 मीमांसाकौस्तुभ -(मीमांसा) An exhaustive commentary of जैमिनीसूत्रा by खण्डदेव, ed by वेदविशारद चिन्नस्वामिशास्त्रा Ch 9-

3437 — Part I IV & V together Su 4-

3438 मीमांसादर्शन शाबरभाष्यसहितम्—(मीमांसा) of जैमिनमुनि with the comments of शबरस्वामि अध्याय 1-12 Kn 10-

3439 ——— Kg 12-

3440 मीमांसान्यायप्रकाश -(मीमांसा) by आपदेव with a comm called भट्टालंकार, by Pt अनन्तदेव, ed by Pt. M- M लक्ष्मणशास्त्री द्रविड, and Pt. सितारामशास्त्री Ch 5-

3441 — सारविवेचिनीसहित -(मीमांसा) of आपदेव ed with an orig संस्कृत comm by वेदविशारद Pt. A चिन्नस्वामिशास्त्री alias व्यंकटसुब्रह्मण्यशास्त्रि Kn 2-

3442 — आपदेवकृत —अनन्तदेवकृत—भाट्टालंकाराख्य टीकासहित —(पूर्वार्धम्) Gu 1-

3443 — आपदेवकृत Ch -8-

3444 — काशीस्थश्रणकरपाठशाला व्याकरणाचार्यकमीमांसकपाठकाभिधभीमदेवमाहाशर्मनिर्मिता टिप्पण्या सनाथ उपाध्यायोपनामकेन भास्करनाथ मिश्र परिष्कृत । Kn 2-

3445 — आपदेवकृत सारविवेचिन्या व्याख्यया सहित । Kt 3-

3446 — of आपदेव ed by म m वासुदेवशर्मा अभ्यंकर Bp

म

3447 मीमांसापरिभाषा—(मीमांसा) श्रीकृष्ण यज्वकृता । म म पर्वतीय प श्रीनित्यानन्द पन्तेन लघुटिप्पण्या परिष्कृत्य संशोधिता॥ Ch -4-

3448 — श्रीमत्कृष्णयज्वप्रणीता, pp 4, 6, 32 N -4-

3449 — श्रीगङ्गानाथशर्मणा मैथिलेन परिशोधिता । Lz -6-

3450 — ed by अमरनाथशास्त्री Sd -4-

3450$_a$ — (सटीक) ed by रेवतीकान्त भट्टाचार्य Sd -8-

3451 मीमांसापादुका । (मीमांसा) Sw -7-

3452 मीमांसाबालप्रकाश (मीमांसा) by भट्टशंकर, ed by Pt मुकुन्दशास्त्रि Ch 3-

3453 ——— Bn 3-

3454 मीमांसा सूत्राणि of जैमिनि transl by Pt मोहनलाल सन्दाल (Chapters I-XII) Ao 20-

3455 मीमांसासारसंग्रह (मीमांसा) Summary of Mimansa topics in easy verse) ed by शंकरभट्ट Pt सुब्रह्मण्यशास्त्रि Ch 5-

3456 मीमांसासूत्रपाठ (मीमांसा) श्रीमहर्षि जैमिनिमहामुनिप्रणीत । Ch 6-

3457 मीमांसाश्लोकवार्तिकम्—(मीमांसा) by कुमारिलभट्ट, with the comm called न्यायरत्नाकर by पार्थसारथीमिश्र ed by रामशास्त्रि तैलंग / / 15-

3458 — Part I Tr 2-

3459 मीमांसा rules of interpretation as applied to हिंदु Law by किशोरीलाल सरकार 1909 Roy. pp xiv 529 xli 40-

म

3460 MEETING OF THE EAST AND West, by C जिनराजदास *Ad* 2–

3461 मुक्ताफल by वोपदेव with the comm of हेमाद्रि, in 2 pts, with a learned Foreword by Dr N Law, pp xlvii + 361 *Co* 6–
It is a compilation of about 1000 slokas culled out from among the 18000 slokas of the *Bhagavata* executed in such a way as to bring out establish, explain and illustrate in its several chapters those subjects that were calculated important by Bopadeva from the Vaisnava standpoint It contains topics which are treated nowhere at all in Vaishnava literature
The commentary *Kaivalya-dipika* of Hemadri, the famous author of the encyclopaedic treatise Chaturvarga Chintamani is a brilliant exposition of the aforesaid slokas of the Bhagavata arranged by Bopadeva

3462 — (वदान्त ed by ईश्वरचद्र शास्त्री *Sd* 3–

3463 मुक्तावलीसुभाषित (अलंकार) *Vy* -2-

3464 मुक्तिवाद (न्याय) सटीक भागदाधर भट्टाचार्य विरचित । न्यायाध्याय व कुण्डिराजन्यास्त्रणाकृतया विवमस्थलप्रयुक्तया व्याख्यात्व विवृत्यासमलङ्कृत ।
Ch -12-

3465 — by गदाधर भट्टाचार्य, ed by Pt कालिपदतर्काचार्य, with a learned introd two comm and Bengali elucidation It describes the theory of emancipation according to the *Naiya*

म

(modern)Naiyayika School cr. pp. vi 66,153, 3. *Ss* 2–

3466 मुक्तिकोपनिषद् शुक्लयजुर्वेदीय with हिंदी transl. by Pt. हरिशंकर शर्मा 1896. cr pp. 2, 64, 7.

3467 मुकुन्दमाला (काव्य) कुलशेखरनृपविरचित. *Km* 1–

3469 मुकुन्दमुक्तावलि (काव्य) शंकराचार्यविरचित *Km2* 1–

3470 मुकुन्दानन्दभाण—श्रीकाशीपतिविरचित. pp 74, 20. *N* -8-

3471 मुग्धाञ्जलि (काव्य) By ताताचार्य शिरामणि 1925 cr. pp 2, 7. -4-

3472 मुग्धोपदेश (काव्य) जल्हणकृत. *Km*8 1–

3473 मुग्धबोधव्याकरण By वोपदेव, with the comm of रामतर्कवागीश, ed with notes by शिवनारायण शिरोमणि & आजतनाथ न्यायरत्न(1911-13) *Bi* 4-8-

3474 मुण्डकोपनिषत् । शांकरभाष्यआनन्दगिरिटिकायता, नारायणविरचिता दीपिकाच । *Aa* -10-

3475 — with शंकरभाष्य, editor's बालबोधिनी टीका and an exhaustive introd in संस्कृत by पाठकशास्त्रिन्. 1925 8vo pp 75 *Oa* 1–

3476 — With गौडपाद's कारिका at the भाष्य of शंकर transl. into Engl. by मणिलाल N. द्विवेदी *Kt* 2–

3477 — Text with शांकरभाष्य & आनन्दगिरि टीका ed by J Hertel with introd of 67 pages *Gr* 8–

3478 मुण्डक & Text माण्डूक्योपनिषत्

म

& transl. by स्वामी शर्वानन्द. 1920. cl. pp. 72, 19. *Ad* -12-

3479 मुद्राराक्षस (नाटक) of विशाखदत्त-With the commentary of ढुण्ढिराज, ed. with an Engl. transl. critical and explanatory notes, an exhaustive introd. dealing fully with the history of the drama, general remarks, and various readings by M. R. काळे. 3rd revised edn. 8vo. pp. XLIV, 154, 2, 92, 108. *St* 3-8-

3480 — Complete text with exhaustive, critical, grammatical & explanatory notes, translation and masterly introd. by Prof. K. V. अभ्यंकर. 1-8-

3481 — or the Signet Ring. critically ed. with explanatory notes transl. introd appendices & indces by Prof. ध्रुव, 1929 8vo pp. *Oa* 4-

3482 — भावबोधिनीटीका-विस्तृतसमालोचनसहितम् । *Gbd* 2-8-

3483 — (*In the plan of Uttarcharitam*) with an orig Sansk. comm. Engl. transl critical and explainatory notes and an elaborate introd. by S R. Ray. 2nd edn. 3-4-

3485 — Ed by रेवतीकान्त भट्टाचार्य. *Sd* 2-4-

3486 — Ed by हरिपद चट्टोपाध्याय. *Sd* 1-8-

3487 — प. श्रीकृष्णलाल शर्मणाविरचितया भावबोधिन्या व्याख्यया समलङ्कृतम् । *Ch* 2-4-

म

3488 — Text ed from Mss. provided with notes and an index of all prakrit words by Prof. A. Hillebrandit. 10-

3489 — गुजराती transl. by K. H. ध्रुव. 1912. 8vo. pp. 36, 110, 17. 3-2-

3490 MUDRAS: the ritual hand-poses of the Buddha Priests and Shiva Priests. of Kleen Tyra with 60 full-page drawings and introd. by A. J. D. Campbell. 4to *Kp* 12-

3491 मुनिपतिचरित्र गद्य (जैन) 4th edn. *Jb* 1-8-

3492 मुहूर्तचिन्तामणि-- (ज्योतिष) श्रीमत् गोविन्दविरचितपीयूषधाराख्यव्याख्यासहितः प. श्रीअनुपमिश्रकृत युक्तिमञ्जरीसमाख्यया नवीन गणित विषयोपपत्त्यादि टिप्पण्या समलङ्कृतः। *Ch* 3-

3493 — श्रीदैवज्ञरामाचार्य विरचितः। तेनैव कृतया प्रमिताक्षरा टीकयासहितः। पं. अनूपमिश्र विरचितया युक्तिलताख्य टिप्पण्यासहितः। *Ch* 2-

3494 — प्रमिताक्षराटीकासमेतः। *Gb* 2-

3495 — पीयूषधारासहित। *Gbd* 4-

3496 मुहूर्तमार्तण्ड (ज्योतिष) सटीक, श्रीमत्कौशिक कुलकुमुद चन्द्रनारायण विरचित। तत्कृतयैव मार्तण्डवल्लभाख्यया व्याख्यया सुदृढीकृतः। *Ch* 8-

3497 मूर्तिमण्डन संस्कृत (ग. सा) *Vy* -2-

3498 मूलाज्ञानविषये· शब्दखण्डः *Sw* 1-4-

3499 मूलरामायण, मूलमात्र 2-

3500 Mutual relations of the four casts according to मानवधर्मशास्त्र. by Hopkins G. W. 1881. Roy. pp. VI. 114. 3-

म

3501 MAKING OF THE संस्कृत POET by F. W Thomas 8vo. pp 375-386 -8-

3502 मेग्यास्थेनिस and कौटिल्य (German) by Stien, O Gr 9-

3503 मेघदूत (काव्य) कालिदासकृत मल्लीनाथकृतसंजीविनाटीकासह । 8vo pp 87, 43 N -8-

3504 — With introduction notes & transl. by Prof पाठक 1918 2nd edn 8vo pp xxvii. 114 Oa 1-4-

3504a — Text with comm. of मल्लिनाथ, and notes in Engl by G R नंदर्गीकर Gn 1-8

3505 — with the comm of मल्लिनाथ ed with various readings, full introd literal Engl. transl. copious, explanatory and grammatical notes, five appendics by B G सेर & V R नेरूरकर St 1-8-

3506 — A critical and up to-date edn with extracts from important and unpublished commentaries Ss

3507 — (सटीक) Ed by गुरुनाथ काव्यतीर्थ Sd 1-4-

3508 — Ed by लालमोहन विद्यानिधि Sd 1-

3509 — Ed by (बह्वागुवादसह)हरिदास सिद्धान्तवागीश Sd 1-4

3510 — (टीकाचान्द्रिकासहितम्) ed by हरिपद चट्टोपाध्याय Sd 1-

3511 — (In the plan of किरातार्जुनीयम् ed with malli's commentary, transl & critical notes &c. by S. Ray 2-

3512 — with comment of मल्लिनाथ सूरि 8vo.pp 72. Md -12-

3513 — सटीक Vy -8-

3514 — साथ cr pp 52 -8-

3515 — Ed. from Mss with the comm of वल्लभदेव and provided with a complete Sanskrit English vocabulary by Hultzsch E 1911 8-12-

3516 — or cloud messenger, ed with the comm of मल्लिनाथ by K. S भाटवडेकर. 1866 8vo pp 92, 29 rare 5-

3517 मेघसन्देश (काव्य) of कालिदास with the commentary प्रदीप of दक्षिणावर्तनाथ Tr -12-

3518 — with the elaborate & critical comm विद्युल्लता by पूर्णसरस्वति cr 8vo pp 209 Vi 1-8-

3519 मेरुसंदेशविमर्श (काव्यगुणादर्श) by R. कृष्णमाचारियर 1915. cr pp 100. Vi 1-8-

3520 मेदिनीकोश —(नानार्थकोश) by मादनाकार 1-8-

3522 मेरुतन्त्र—(स्तोत्र) Vy -8-

3523 मेरुत्रयोदशीव्याख्यान (जैन) of क्षमाकल्याणजी Jb -4-

3524 "Matrical translations from Sansk. writers" with an introd and many prose parallel passages from classic authors, by Muir J 1879 (rare) 20-

3525 Medicine by jolly J 7-

म

3526 Media, Babylon and Persia, including a story of the Zend-avesta or religion of Zoraster, from the fall of Nineveh to the Persian war, by Regozini Y. 4th edn. 8vo. pp. XXII, 467. 7-8-

3527 MEDIAEVAL INDIA under Mohammaden rule by Lane-poole S. cr.pp.VIII, 449. 7-8-

3528 MEDIAEVAL HINDU INDIA by C. V. Vidya Vols 1-3. 22-8-

3528*a* — Researches from Eastern Asiatic sources by Bretschneider E. 1888. 2 vols 15-

3529 MEMOIRS of the life, writings and correspondence of Sir William Jones by Lord Teign Month 1806. pp. xv 531. 20-

3530 Memoris of the Archoeological *survey of* India. भास and authorship of tho 13 त्रिवेन्द्रम plays by हिरानन्द शास्त्री. 1924. Sup. Roy. pp iii. 31. *Gr.* -14-

3531 — of the Archaeological survey of India Hindu Astronomy by G. R. Kaye. 1924. No. 18. Roy. pp. ii. 134. *Cc* 3-

3532 — Of the Archaeological survey of India–The Indus valley in the वैदिक period by रामप्रसादचन्द्र. 1926. No. 31. *Cc* -8-

3533 — Of the Archaeological survey of India—Varieties of विष्णु Image by Pt. B. B. विद्याविनोद. 1920. No.2. Roy. pp. pp. 23-33 *Cc* -12-

3534 — Of *Jahangir.* by Rogers A, ed. by H. Beveridge. 1909 .vol. I, and II, *Ra* 9-8-

3535 THE MESSAGE of Buddhism the doctrine of बुद्ध, धम & संघ by भिक्षुसुभद्र. ed. by Ellam. Roy. 16mo. *Kp* 2-

3535*a* THE MYTHOLOGY of the Aryan Nations. by Cox G. 1903. 10-8-

3536 Method of Aryan research (German) by Hertal J. *Gr* 5-

3537 MEN AND THOUGHT IN ANCIENT INDIA. by Prof. राधाकुमुद मुकर्जी. Illustrated. cr. 8vo. *Mm* 6-

3538 MAIN RESULTS of the mo-*dern* वैदिक *researches by* R. घोस. 1870. 8vo pp. 51, III. *Co* 5-

3539 मैत्रेयि A story illustrating tho theology and social life of Vedic Hindus. by Pt. सीतानाथ तत्त्वभूषण. *Ad*

3540 मैत्रेयसमिति (German) by Laumann. 2-

3541 मैत्रायसंहिता edited with orig Sanks. Text, introd notes and full index of words by Dr. Schrodre. vols. 4 Roy. pp. 169, 312 24-

3542 मैत्रि or मैत्रायणीउपनिषद् with the commentary of रामतीर्थ, ed.

म

by E B. Cowell, 2nd edn revised by M M सतीशचन्द्र विद्याभूषण (1913-1919) *Bi* 1-8-

3543 MOGHUL ARCHITECTURE OF फत्तेपुरसीक्री part I IV. *Gi* 74-

3544 MOGHUL COLOUR DECORATION by Smith PART I *Gi* 22-

3545 MOGHUL ADMINISTRATION by J N सरकार 1929 8vo pp VII 264 *Cu* 3-

3546 मोहपराजय An allegorical drama describing the overcoming of King Moha [Temptation] or the conversion of कुमारपाल, the चालुक्य *King of गुजरात to* Jainism, by यशपाल an officer of King अजयदेव son of कुमारपाल who reigned from A D 1229 to 1232 ed by मुनि चतुर्विजयजी, with introduction and appendices by C D दलाल 1918 *Go* 2-

3547 मोह-मुद्गर or Panacea for distraction of P शंकराचार्य with बंगाली हिंदी, and Engl transl by D D Roy 1888, cr pp 16 1-2-

3548 मोक्षधर्मसारोद्धार मूल 1-10-

3549 मल्लिकामारुतम् (नाटक) म म श्रीपरवस्तु वेंकटरंगाचार्यवर गुरूकृत। सत्प्रकरणक। तत्प्रीत्रण वरूपरंगनाथस्वामिनार्यवरगुरूणा कृतया लघुटिप्पण्या च छायया च समन्। 8vo pp 96 *Vz* 1-

3550 मन्त्ररामायण वेदकमन्त्र *Vu* 1-

3551 मन्त्रमहोदधि सप्रकसटिप्पण, मातृकान्यास तथा अनुष्ठानिक यन्त्रोसमेत। *Vy* 5-

म

3553 मन्त्रयोगसंहिता with हिंदी transl 1915 8vo pp 2, 4, 154 6 1-

3554 मन्त्रमहोदधि, सटीक

3555 मन्त्रनमस्तुपा—श्रीत्रिविक्रमभट्टारकप्रणीता। *N* -10-

3556 मन्त्रार्थमंजरी—by राघवेन्द्रस्वामि An orig comm on the first 40 suktas of ऋग्वेद The purchase of ऋग्भाष्यमूल & ऋग्भाष्यटीका together is quite indispensable as each of them is a help to the other *Mo* 3-

3557 मन्दस्मितशतकम् (स्तोत्र) by दुर्वास *Vv* -2-

3558 मन्दारमरन्दचम्पू—श्रीकृष्णकविकृत 8vo pp 10, 196 *N* 1-8-

3559 Man and the universe by Sir Oliver Lodge *Pl* 1-8-

3561 Manual of Hindu Pantheism, the वेदान्तसार translated with copious annotations by col Jacob 4th edn *Of* 10-8-

3563 Manual of Buddhist Philosophy by W M Mcgovern 1923 (all out) *Kp* 7-14-

3564 — of Buddhism with introd by Prof Edmund Mills cr 8vo *Kp* 2-

3565 — of Indian Buddhism by Kern H (*Grundriss S*) 9-

3566 — of Hindu Ethics by प्रा चन्दावरकर 1925 cr pp III, XVII, 160 *Oa* 1-4-

3567 MANUAL OF MUSALMAN Numismatics by Cordington 1906 8vo *Ra* 7-4-

म

3568 MANUAL OF पाली by C V. Joshi 1915 cr pp IV 154 2-

3569 MANUSCRIPT REMAINS OF BUDDHIST LITERATURE found in Eastern Turkestan Facsimiles with transcripts transl and notes ed in conjunction with other Scholars by A F R Hoernle. With twenty-two plates vol I parts I & II Manuscripts in Sansk Khotanese Kuchean, Tibetan and Chinese 1916 crown 4to (10 x7½) pp XXXVI+412 Of 31-8-

3570 MAXIMS OF WORLDLY WISDOM OF INDIA (German) which are known as चाणक्य s with remarks on the collection of aphorisms in different recensions and a translation of one of them, by Krossler O Gr 2-8-

3571 MATRIC SANSKRIT PAPERS (1900-1917) OF BOMBAY UNIVERSITY with solutions by नवरकर Gn -14

3571a —— by Kale 1862-1923 Shri Krishna 1-12-

3571b —— by L R Raddi 1917-1926 Oa 1-

3572 THE MUSIC OF INDIA by Herbert A, Popley 1921 crown 8vo (7 x5) pp x+174 with 12 illustrations 2-8-

3573 THE MUSIC OF HINDOSTAN with fourteen plates, two tables, a portrait of Rabindranath Tagore, numerous musical examples & appendices glossary, and an index by A H Fox strangways 1914 8vo (9x6) pp 376 Of 16-8-

म

3574 MUSEUM OF ARCHAEOLOGY AT सारनाथ by Dayaram Sahani Gi 3-12-

3575 —of Archaeology at साचा Gi 5-8-

3576 —of Archaeology at मथुरा Gi 3-8-

3577 मृगेन्द्रतन्त्रम् Km

3578 मृच्छकटिक—(नाटक) श्रीशूद्रककवि विरचित पृथ्वीधरकृत टिकासहित pp 260 6 2 N 1-4-

3579 — Text with the comm of पृथ्वीधर and Engl notes by H मृ.राजशर्मा and K P परब N 2-

3580 — With commentary, Engl notes and transl by M R काळे Gn 5-4-

3581 — With Engl transl and notes by S V करंदीकर and V S करंदीकर 1919-20 cr pp 2 108 181, XII 3-

3582 — Edited with a संस्कृत comm by रामाचार्य रहाळकर and an exhaustive introd dealing with all important points about the author and the text and notes in Engl by V G परांजपे 1909 8vo pp 2, 24, 334, 5, 6, 95 12 Oa 3-8-

म

3583 — Ed by हरिदास सिद्धान्तवागीश *Sd* 2-

3584 — OR THE LITTLE CLAY CART A Hindu Drama attributed to King Sudraka Transl from the orig Sansk. and Prakrit into Engl prose and verse, by A. W Ryder 1905 pp xxx+177 *Ho* 12-12-

3585 — French Transl by P. Regnaud, 1877, pocket size 4 parts 4-

3586 मृत्युञ्जयस्तोत्र *Vj* -2-

3587 मयूर the संस्कृत poems of see The संस्कृत poems of मयूर

3588 मराठा, the administrative system of, see-The Administrative system of the मराठा 12

3589 — the history of see—The history of the मराठा

3590 मराठा Power, the rise of see-The Rise of the मराठा Power

3591 — People a history of, see—A History of मराठा People

3592 — Saints the psalms of, see—The Psalms of मराठा saints 2477

3593 महाभारत an essay on the art, style and varification of, see—An essay on the art style and varification of महाभारत 917

3594 — An index to, see—An Index to महाभारत 464, 493

3595 — the 19 books of see-The 19 books of महाभारत 2952

3596 — a history and criticism of, see—A history and criticism of महाभारत

3597 — Indian Mythology according to, see—Indian mythology according to महाभारत 530

3598 — Prospectus to a new and critical study of, see—Prospectus to a new and critical study of महाभारत 2720

3599 — the selections from see-The selections from महाभारत

3600 महायान Buddhism, an introd to, see—An introduction to महायान Buddhism 567

3601 — Buddhism and हीनयान, a historical study of the terms in, see—A historical study of the terms in महायान Buddhism and हीनयान.

3602 महाराष्ट्र Ancient Geography and Civilisation, of, see-Ancient Geography and Civilisation of महाराष्ट्र 892

3603 माघ, the glories of, see—The glories of माघ 1592

3604 मार, A literal Engl translation of see—A literal English translation of मार

3605 माठरवृत्ति, an essay, see—An essay on माठरवृत्ति 922

3606 MODERN INDIAN POETRY, the anthology of, see—The Anthology of modern Indian Poetry

3607 MODERN SCIENCE, the पुराणाs in the light of see—The पुराणs

म

in the light of modern science.
3608 Manasara silpashastra, Indian architecture according to, see—Indian Architecture according to Mansara silpashastra. 509.
3609 MAGI, the treasure of, see—The treasure of Magi. 1811.
3610 मोगल Empire, the travels in, see—The travels in मोगल Empire. 1808.
3611 — Numismatics, historical studies in, see—The historical studies in मोगल numismatics.
3612 — Indian painting under, see—Indian painting under the मोगल्स. 532.
3613 — Emperors, the coins of, see—The coins of मोगल Emperors. 1063.
3614 — India, the studies in, see—The studies in मोगल India.
3615 MEDIAEVAL SCHOOL of Indian logic, a history of, see—A history of mediaeval school of Indian Logic
3616 MEDICINAL PLANTS, Indian, see—Indian medicinal plants. 529.
3617 MEDIAEVAL Hindu India, a history of, see—A History of Mediaeval Hindu India.
3618 MUSALMAN numismatics, a manual of, see—A manual of Musalman numismatics. 3567.
3619 MANUSCRIPTS in the central

य

Library Baroda, a descriptive catalogue of, see—A descriptive catalogue of manuscripts in the Central Library. 1384.
3620 MID-INDIAN क्षत्रिय tribes, ancient, see—Ancient mid-Indian क्षत्रिय tribes. 906.
3621 यजुर्वेद अनुक्रमणिका. *Am* 1–
3622 —— *Am* -8–
3623 — (*White*)—transl. by T. H. Griffith. *Lz* 4–
3624 यजुर्वेदसंहिता (वैदिक) वाजसनेयी. *Vy* 4–
3625 यतिधर्मसंग्रहः। (धर्म) विश्वेश्वरसरस्वति कृतः। *Aa* 1–12–
3626 यतिलिंगसमर्थनम्। (वेदान्त) *Sw* -4–
3627 यतीन्द्रमतदीपिका। (वेदान्त) अभ्यंकरोपाह्ववासुदेवशास्त्रीविरचितप्रकाशाख्यव्याख्यासमेता। *Aa* 1–4–
3628 ——or the light of the the school of श्रीरामानुज, translated by A गोविन्दाचार्यस्वामि. 1912. cr. pp. xxiv, 175. *Md* 3–
3629 यमुनाष्टक—(स्तोत्र) श्रीशंकराचार्यकृत. *N* 4–
3630 — सटीक *Vl* -6–
3631 यमुनासहस्रनाम *Vy* -3–
3632 यशस्तिलक(जैन) श्रीसोमदेवसूरिविरचित, श्रीश्रुतसागरसूरिकृतव्याख्यासहित. पूर्व and उत्तरखण्ड. *N* 6–8–
3633 यशोधरचरित्र (जैन) of माणिक्यसूरि. *Jb* 2–
3634 यश by Boyer M. *Fr* 1–8–
3635 याजुषज्योतिषं–(ज्योतिष) सोमाकर सुधाकर भाष्यसहित। आर्चज्योतिषञ्च सुधा-

य

करभाष्येण तल्लघुविवरणेन च सहित। म म सुधाकरद्विवेदिसंशोधितम्। *Lz* 1-4-

3636 याज्ञप्रबन्ध (गद्य) समरपुंगवदीक्षित विरचित *N*

3637 यादवाभ्युदय—(काव्य) of श्रीवेदान्त देशिक with the comm of अप्पय दीक्षित 2 vols *Vv* 3-

3638 याज्ञवल्क्यस्मृति (धर्म) With two comments (1) मित्रमिश्र's वीरमित्रोदय and (2) विज्ञानेश्वर's मिताक्षरा ed by Pt नारायणशास्त्री खिस्ते and Pt. जगन्नाथशास्त्री होशिंग *Ch* 7-

3639 — मिताक्षरानाम व्याख्यासहित। pp 4, 21, 402, 29 *N* 2-8-

3640 — अपरार्क व्याख्यासहिता vols I & II. *Aa* 13-

3641 — With the comm बालक्रीडा of विश्वरूपाचार्य *Tr* 7-12-

3642 — orig संस्कृत with Engl transl by S C वसु and comm of विज्ञानेश्वर called मिताक्षरा and gloss of बालभट्ट Roy 8vo *Po* 1-8-

3643 — 1 Achara Adhyaya with the commentary Mitaksara and notes from the gloss of Balambhatti, transl for the first time into Engl with copious explanatory and critical notes by the late R B श्रीशचन्द्र विद्यारत्न *Po* 15-
2-प्रायश्चित अध्याय, with the commentary Mitaksara, transl into Engl 10-
3-व्यवहाराध्याय, Dayabhaga (Inheritance) with the commentary, Mitaksara and gloss Balambhatti, transl into Engl together with word meanings and summary of cases decided in law courts by श्रीशचन्द्रविद्यारत्न and मोहनलाल सण्डाल 3-

3644 — मिताक्षरा जयन्तिकापता। *Vj* 10-

3645 YAJNAVALKYA'S GESETZBUCH Sanskrit and German herausgegeben von Prof Dr Stenzler 1849 8-

3646 YUAN CHWANG'S TRAVELS by Watters ed by T W Rhys Davids and S W Bushell 1904-5 vols 2 *Ra* 19-

3648 युक्तिकल्पतरु of king भोज ed. by Pt ईश्वरचन्द्रशास्त्री with a forward by N N Law 8vo pp 31 238 *Co* 2-8-

The work deals with diverse subjects of secular interest such as a few topics relating to polity construction of buildings and selection of sites therefor articles of furniture precious stones ornaments weapons draught and other animals vehicles ships ship building etc

3649 युक्तिमल्लिका by श्रीवादिराजस्वामि with the comm of सुरोत्तमतीर्थ the brother of the author This is a very interesting metrical work dealing with the teachings of the सूत्रभाष्य etc from the stand point of the ordinary experience *Pu* 12-

3650 युक्तिषष्टिक (60 verses of

य

dont's transl. from chinese texts) by Schaeffer P 6–

3651 युगलांगुलीयम । (कथा) Su 4–

3652 योग and its object by श्रीअरविंद-घोस 8

3653 — As Philosophy and religion by सुरेन्द्रनाथ दासगुप्त. 8–9–

3654 —दर्शन By गंगानाथ झा 1–8–

3655 — Lessons for developing spiritual consciousness by मुकर्जी 3–12–

3656 — Lower and Higher by K नारायणस्वामि अय्यर. 1–8–

3657 — A study of the Mystical Philosophy of the Brahmins and Buddhists by J F C Fuller 4–8–

3658 — Methods how to prosper in mind, body and Estate by R D Stocner 1–2–

3659 योगसारसंग्रह of विज्ञानभिक्षु Text and Translation by गंगानाथ झा Ad 1–

3660 योग Aphorisms of पतञ्जलि, transl. into German by Dr. F Hartmann G; 2–

3661 — Aphorisms of पतञ्जलि An interpretation by W R Judge 1920. cr pp xx 74 5. Cc

3662 योग aphorisms of पतञ्जलि, सूत्राः in Roman ch with german transl by Dr Oaperman 1908 Roy pp 8, 64 Lepzig 2–

3663 योगउपनिषद : Sanskrit–Devanagrai (1 अद्वयतारक, 2 अमृतानन्द, 3 अमृतबिन्दु, 4 त्रिशिखिब्राह्मण, 5 तेजोबिन्दु, 6 दर्शन, 7 ध्यानबिन्दु, 8 नादबिन्दु, 9 पाशुपतब्रह्म, 10 ब्रह्मविद्या, 11 मण्डलब्राह्मण 12 महावाक्य 13 योगकुण्डलि, 14 योगचूडामणि, 15 योगतत्व, 16 योगशिक्षा, 17 वराह, 18 शाण्डिल्य, 19 हंस & 20 क्षुरिका,) edited with श्रीउपनिषद्ब्रह्मयोगी's commentary by Pandit A Mahadeva Shastri

This Volume contains the twenty out of 108 Upanishads which treat especially of Yoga of various kinds. The commentary is lucid and full A full analysis of contents and an index Cloth with gilt letters demi octavo pp 630 *Ad* 5–

3664 योग Philosophy a treasure on the *Ad* –8–

3665 — — explained with the help of the modern sciences by Dr Paul *Rt* –6–

3667 —— as philosophy and Religion by S N Dasgupta 8vo pp x, 200 *open* 7–10–

3668 योगचिंतामणि by श्रीमच्छिवानन्द सरस्वती, ed by श्रीहरिदासविद्यावागीश भागवताचार्य 8vo pp 282 *Cc* 3–

3669 योगतत्वामृत(मराठी)of रा चिं गोपळ, publ by रा श्री गोपळेकर 1897 अध्याय 14 8vo pp 3,10 322 3–

3670 योगदर्शनम् । (योग) पूज्यपादभगवन्महामुनिपतञ्जलिप्रणीतम् । श्रीमद्वाचस्पतिमिश्रविरचिततत्ववैशारद्याख्यव्याख्यायुत । महर्षि कृष्णद्वैपायनप्रणीत भाष्यालंकृतम् । पूज्यपादस्वामि श्री १०८बाल-रामोदासीन विरचित विषमस्थल टिप्पणी सनाथ कृतम् । (rare) *Ch* 8–

3671 — With a commentary

य

called योगमिन्द्रालचन्द्रिका by स्वामि नारायणतीर्थ. *Ch*

3672 — The सूत्रा॰ of पतञ्जलि with the भाष्य of व्यास transl into Engl with notes from, 1 वाचस्पति मिश्र's तत्त्ववैशारदि, 2 विज्ञानभिक्षु's योगवार्तिक and 3 भोजा's राजमार्तण्ड by गङ्गानाथ झा 1907 8vo pp. xiii 161, 2 *Rt* 1-8-

3673 योगशास्त्र-शिवसंहिता Orig with Engl transl by S C वसु 1914 Roy pp 87. *Po* 1-8-

3674 — A Jain work, with the commentary called स्वोपज्ञ-विवरण, ed by विजयधर्मसूरि (1907-1921) 6 fasc *Bt* 7-8-

3675 योगसारसंग्रह श्रीविज्ञानभिक्षुविरचित । *Ch* -8-

3676 — or the Philosophy of योगशास्त्र being one of the rare treatises by विज्ञानभिक्षु the great est authority on the सांख्य and योगशास्त्र with Engl transl by गङ्गानाथ झा *Rt* 1-4-

3677 YOGA—SYSTEM OF PATANJALI, or the ancient Hindu doctrine of concentration of mind embracing the mnemonic rules, called Yoga sutras of Patanjali, and the comment called Yoga bhashya, attributed to VedaVyasa, and the explanation, called Tattva-vaicaradi of Vachaspati Misra, translated *from the original Sanskrit by* Prof James Haughton Woods

य

1914. Roy 8vo pp 422 *Ho* 18-

3678 योग सूत्र of पतञ्जलि transl. by Prof मणिलाल N द्विवेदी with notes explaining fully the meaning of each सूत्र with the help of व्यास's comm and other works by subsequent writers He has also brought to bear on the subject the light of modern research wherever necessary *Rt* 1-

3679 — *Bs* 4-

3680 योगसूत्राणि, भावागणेशवृत्ति, नागोजी भट्टीयवृत्तिसहित *N* 14-

3681 — or a treatise on practical योग consisting of (1) An introd. to योग Philosophy (2) शिवसंहिता and (3) घरण्डसंहिता with the original text and Engl translation by R B श्रीशचन्द्र विद्यारत्न. *Po* .7-

3682 योगसूत्रपाठः श्रीपतञ्जलि महामुनि प्रणीत । *Ch* 3-

3683 योगसूत्रवृत्ति (योग) named योगसुधाकर by श्रीसदाशिवेन्द्रसरस्वति with a life sketch in संस्कृत crown 8vo cloth *Vt* 1-8-

3684 योगरत्नाकर (वैद्यक) *Aa* 5-

3685 योगवासिष्ठ—(वेदान्त) वासिष्ठमहारामायणतात्पर्यप्रकाशाख्यव्याख्यासहित. 2 vols 4, 4 771 14-

3686 — With comm printed in large types, unbound loose leaves *Gn* 13-

3687 — लघु, Engl transl by K नारायणस्वामि अय्यर *Ad* 2-4-

य

3688 योगवार्तिकम, सकलतन्त्रधिषणे. सांख्यप्रवचनभाष्यकारैर्विज्ञानभिक्षुभि सन्निरतर योगवार्तिकनामव्यासभाष्यस्य व्याख्यानमुपनिबन्ध । प रामकृष्ण शास्त्रिणा प कशवशास्त्रिणा च संशोधितम्। L- 3-

3689 योगिनीहृदयदीपिका By अमृतानन्द, being a comm on योगिनीहृदय, a वामकेश्वर Tantra, in two parts, ed with introd by G. N. कविराज. 8vo pp 6, 161 308 *Sb* 2-2-

3690 YOGIC साधन (Reprinted) ed. by the उत्तरयोगी 1920 cr. pp 56, vii. -12-

3691 योग an introd to, see-An introd. to योग. 577.

3692 — the aphorisms of, see-The aphorisms of योग 152

3693 — philosophy, a treatise on, see-A treatise on योग Philosophy 1810

3694 योगसूत्राणि of पतञ्जलि an introduction to the study of, see-An introduction to the study of योगसूत्राणि of पतञ्जलि. 576

3695 रक्तादि अंगिमसहस्रनाम, महायामलोक्त *Vy* -3-

3696 रघुवंश (काव्य) कालिदासकृत, मल्लिनाथकृत सजीवनी टीकासहित स्थूलाक्षर *N* 2-4-

3697 — सूक्ष्माक्षर pp 276 *N* 1-4-

3698 — मल्लिनाथकृत सञ्जीविन्या समेतम्। 8vo pp 338 *Md* 1-

3699 — with commentary, Engl. notes and transl by M R काळे. cantos VI-X. *Gn* 3-8-

3700 —with commentary, Engl notes & transl by M R काळे cantos I-V *Gn* 3-8-

3701 — Ed with the commentary सञ्जीवनी of Mallinath, with a literal Engl transl copious notes, and various readings, in संस्कृत & Engl by M. R. काळे 1924 cantos XI-XV *Shri Krishan* 3-8-

3702 — मल्लिनाथकृतया सञ्जीवनी समाख्यया टीकया सहितम् 1880 2nd edn 8vo pp 700 *Cc* 3-8-

3703 — अरुणगिरिनाथव्याख्यानसहितम् सर्गs 1-6 *Vd* 2-

3704 — with a comm called (1) सञ्जीवनी by मल्लिनाथ (2) and भावबोधिनी टिप्पणी by प कनकलाल ठाकुर complete, ed by प रामतेजा पाण्डे. *Ks* 1-4-

3705 — With two comments. (1) सञ्जीवनी by मल्लिनाथ and (2) अर्थप्रकाशिका by Pt कनकलाल ठाकुर (1 to 5 सर्गs). Ed. by Pt कनकलाल ठाकुर *Ks* -12-

3706 — दण्डान्वयेन मल्लिनाथकृत सञ्जीविन्याख्यटीकया च समलङ्कृतम्। (सम्पूर्णम्) 1914 3rd edn सर्गs 1-19 8vo pp 299, 4 *Gu* 1-4-

3707—दण्डान्वयेन मल्लिनाथकृत सञ्जीविन्याख्यया समासहितम्। (पञ्चसर्गात्मकम्) *Gu* -8-

3708 —सर्गs 1-19 each *Vv* -3-

3709 — Text containing translation, etymological, explanatory, lucid & orig. notes, full introd. & a map at the time of

र

कालिदास by Prof N H पुरन्दरे. 1925 3–

3710 — Ed with marginal foot notes, summary of each canto list of unfamiliar sanskrit words 'Likely questions on text and questions on general study of text with solutions literal transl of verses, extracts from the comm of Mallinath and metres by तावकर 1925 cantos I V cr pp iv, 96 55 74 *Bd* 2-12-

3711 — Explanatory notes in English and sanskrit (cantos 1 to 15) and Harshacharita by K D शास्त्री 1883 8vo pp *Bn* 1-

3712 — सटीक cantos 1 to 10 Pt I and II *Vy* 1-8-

3713 — Text with Engl translation cantos 1-V Roy pp 118, 32, 24 *Oa* 1-8-

3714 — मटाकाननाम्नम् by नवानचन्द्र विद्यारत्न अष्टसर्ग *Sd* 2-

3715 — Ed by नवानचन्द्र सगा 10-13 *Sd* 1-

3716 — (सप्ताकानुवाद्म्) ed by शारदारञ्जनराय सर्ग I *Sd* 1-4-

3717 — (चन्द्रिकासह सम्पूर्ण) ed by हरिपद चट्टोपाध्याय *Sd* 2-8-

3718 रघुवंशविमर्श—(काव्यगुणादर्शे) by R कृष्णमाचार्य 1908 cr pp ix 143 *Vv* 1-

3719 रघुवीरगद्यम् गरूडपञ्चक by प कृष्णमाचार्य 1911 *Tan* -4-

र

3720 रघुवंश and दशकुमारचरितम् the geographical data, by M collins 2-

3721 रघुवीरचरितम्—(काव्य) *Tr* -14-

3722 रघुनाथ विजयचम्पू (चम्पू) *Gn* -10-

3723 —— *Vj* -8-

3724 रघुनाथदास प्रशस्ता by गुरुनाथ काव्यतीर्थ *Sl* 1-8-

3725 रत्नत्रय, भोगकारिका नादकारिका मोक्षकारिका and परमागमसंग्रहकारिका (आगम) with Commentary cr 8vo *Vi* 1-8-

3726 रत्नपञ्चक or सोपानपञ्चक समाप्य, विद्वन्मुखभज्जनानन्दलहरी or शिवानन्दलहरी, शतश्लोकीसारसंग्रह कार्पटपञ्चक एको विष्णुरितिपद्यस्य श्रीनिवासकृत व्याख्यान by श्रीशंकराचार्य *N* -3

3727 रत्नशेखरचरित्र गद्य पद्य (जैन) of दयावर्धनगणी *Jb* 1-2-

3728 रत्नावली-(नाटक) समाप्त of श्री हर्षदेव रत्नावली—प्रभाख्यव्याख्यासवलित 8vo 4, 8 202 2 *A* 1-4-

3729 — with an original commentary transl notes etc, by S R विद्याविनोद *Ad* 2-14-

3730 — With an introd transl notes and appendices by C R देवधर and N G सुरू 1925 2-8-

3731 — Ed with an original commentary translation notes an elaborate introduction by *S* Ray *Cc* 2-14

3732 — Ed with note Engl & Bengali transl by S T

र

विद्याभूषण 1903 8vo pp 6 1 XXI, 79, 81 104 *Cc* 2-

3733 — Ed with exhaustive introd a new sanskrit comm. various readings a literal Engl transl copious notes & useful appendices by M R काळे 1921, 8vo pp XXX\ 4 3, 113, 2 60 84 *St* 3-4-

3734 — With notes in Engl Acts 1-4 8vo pp 3, 83, 17, 2. *Md* 1-8

3735 — (टीकासहित) ed by कृष्णनाथ न्यायपञ्चानन *Sd* 1-4-

3736 रतिनीतिमुकुल, संस्कृत with मराठी transl by केमकरशास्त्री 1-

3737 रतिमन्मथ— नाटक) छायासमतम्। पंडित जगन्नाथ विरचित। *Gn* -10-

3738 रतिरत्नप्रदीपिका—(कामशास्त्र) of देवराज Text with Engl transl by रंगस्वामि अय्यंगार 1922 cr pp 2, 45, 53 5-

3739 रतिरहस्यम्—(कामशास्त्र) or the secret of sexual pleasure by श्रीकोक with notes & comm दीपिका by काञ्चिनाथ 1912 8vo pp 5 228 *Ml* 4-

3740 रतिविजयम्-(नाटक) A Sanskrit Drama by K S रामस्वामी शास्त्री॰ cr 8vo *Vt* -4-

3741 रविसिद्धान्तमञ्जरी (ज्योतिष) of मथुरानाथ शर्मा, ed by विश्वम्भर ज्योतिषरत्न 1911 *Bi* -12-

3742 रवीन्द्रनाथ ठाकोर, Poet, patriot and philosopher by K S रामस्वामी

र

शास्त्री॰ crown 8vo pp 250. cloth *Vt* 1-

3743 — His life and work, by Edward Thompson, Reader in Bengali, University of Oxford with portrait cover crown 8vo pp *As* 1 8-

3744 रसकौमुदी (वैद्यक) श्रीभिषग्वर ज्ञानचन्द्र शर्मणाविरचिता। इय हि रसकौमुदी ग्रन्थकारेण चतुर्भिरधिकारैः समर्पिता। अस्या च प्रथमे ऽधिकारे रसोत्पत्तिः सविस्तर निरूपिता। द्वितीयेऽधिकारे च पारददोषा तद्दोषदूरीकरणोपाया नव प्रकारा प्रदर्शिता। तृतीये ऽधिकारे च लौहपाषाणगन्धकाभ्रकादीना शोधनमारणम्। सर्वपाषाणसत्वपातनम्। विविध वर्णधातुका सूतमारणप्रकारा इत्येवमादयो विषया निरूपिता। चतुर्थेऽधिकारे च जगन्मोहन —षण्मुख सार्वभौम—नवग्रह लोकोत्तर भट्टाणिक्य पञ्चबाण—ब्रह्मास्त्र त्रैलोक्य चिन्तामणि महाकाला नलदया रक्षा प्रत्यक्ष दृष्टफला प्रतिपादिता *Ml* 1-

3745 रसगङ्गाधर-(अलंकार) A treatise on the art of poetical composition by प जगन्नाथ with a commentary called गुरुमर्मप्रकाशिका by नागेशभट्ट ed with notes by प. गङ्गाधरशास्त्री *Bn* 4-8-

3746 — महाकवि श्रीजगन्नाथपण्डित राजविरचित, महामहोपाध्याय नागेशभट्टकृत टीकासहित *N*

3747 रसचन्द्रिका (काव्य) by पर्वतीय प. विश्वेश्वर पाण्डे, ed by प विष्णुप्रसाद भाण्डारी *Kg* 1-

3748 रसतरंगिणि (अलंकार) टिप्पणासमेता। *Gn* -10-

3749 — प सदानन्द विरचित, मूल. *Ml* 5-

र

3750 — श्रीभानुमिश्रविरचित, orig. संस्कृत with हिन्दी transl by जीवनाथजी ओझा. 1914 8vo pp. 184. *Vy* 1-8-

3751 रसपद्धति (वैद्यक) श्रीबिन्दुविरचिता, श्रीमहादेवविरचितटीकयासहिता, तथा— लोहसर्वस्व—श्रीसुरेश्वरविरचितम् एतद्ग्रन्थद्वयमकत्रबद्धमवाप्यते। *Yt* 1-8-

3752 रसकामधेनु (वैद्यक) चूडामणि वैद्यसगृहिता. उपाकरणपाद-धातुसंग्रहपाद-रसक्रियापाद इति। Vol. I&II *Bo* 10-

3753 रसप्रदीप of श्रीप्रभाकरभट्ट, ed. with introd. &c by N S रिसते and G. N कविराज. 1925 vol 12 8vo pp 12 14 *Sb* 1-2-

3753*a* रसप्रकाशसुधाकर श्रीयशोधरविरचित, तथा रससंकेतकलिका-कायस्थ चामुण्डविरचिता,एतद्ग्रन्थद्वयमेकत्र बद्धमेवोपलभ्यते, द्वितीय संस्करणम्। *Bo* 2-

3754 रसप्रकाशसुधाकर तथा रससंकेत कलिका (वैद्यक) *Mt* 2-

3755 रसमञ्जरि (अलंकार) by भानुभट्ट with the comments व्यंगार्थकौमुदी of अनन्तपण्डित and प्रकाश of नागेशभट्ट, ed by रामशास्त्री तेलंग *Bn* 3-

3756 — सटीक 1926 cr. pp 130 *Gn* 1-4-

3757 — श्रीशालिनाथवैद्यविरचिता,संस्कृत Text, transl into हिंदी by प. मुकुन्दराम. 1906 8vo pp. 5, 189

3758 रसरत्नसमुच्चय (वैद्यक) *Aa* 3-12-

3759 — मूल सपुर्ण *Mt* 3-8-

3760 रसरत्नहार सटीक शिवराम त्रिपाठीकृत. *Km6* 1-

3761 रससदनभाण,युवराजकविविरचित। pp 60 *N* -8-

र

3762 रससार of भट्टगोविन्द, ed with introd. &c by G. N. कविराज 1922. 8vo. pp. 8, 104, 2. *Sb* 1-2-

3762*a* रसार्णवम् on the ocean of mercury and other metals and materials, ed. by प्रफुल्लचंद्र रे. and Pt हरिश्चन्द्र कविरत्न. *Bt* 10-

3763 रसहृदयतन्त्र—मुग्धावबोधिनीटीकासहित. *Yt* 2-

3764 रसार्णवसुधाकर (अलंकार) by सिंगभूपाल *Tr* 3-

3765 रसार्णवम्(तन्त्र)पारदादिरसोपरसविषयकम् *Mt* 4-8-

3766 रसायनखण्ड (वैद्यक)नित्यनाथसिद्धकृत. *Mt* -8-

3767 — रसरत्नाकरान्तर्गतचतुर्थ. *Oa* 8-

3768 रसातल or the underworld by Nundo Lal Dey. Crown 8vo pp. 171 *Co* 1-

In this book the author has tried to show that Rasatala the Sapta Sagaras the Rakshasas the Garudas etc are not the products of mere imagination but realities over which the lapse of time has thrown a thick coating of fanciful stories by which they have been defaced beyond recognition He has tried to identify the countries and their inhabitants so far as the present materials allowed

3769 रसिकाष्टक (काव्य) नारायणभट्ट पर्वणीकरकृत *N* 1-

3770 रसिकरञ्जन, सटीक, रामचन्द्र कविकृत. *KM4* 1

र

3771 रसेन्द्रचुडामणि (वैद्यक)मूलमात्र, *Mt*

3772 रत्नेश्वरिशतकम्—(काव्य) *Kg* 4-

3773 रतिमङ्गलानि (कर्म) *N* 10-

3774 RISE OF THE MARATHA POWER BY M G रानडे 2-

3775 RISE A poem by the author of the षड्दर्शन चिन्तामणी. or studies in Indian Philosophy. cr. pp 6, 67, 4, 2-

3777 RIGHTS AND DUTIES OF THE INDIAN Citizen by V S श्रीनिवास शास्त्री. 1927 8vo pp. x, 116 *Cc* 1-8-

3778 THE RITES OF THE TWICE BORN by Mrs Sinclair Stevenson 1920 8vo ($8^1 \times 5^1$), pp. xxiv × 474. *Of* 16-

3779 रागतत्वबोध (सगीत) of श्रीनिवास, ed by सुखटणकर 1918 -8-

3780 रागतरङ्गिणि (सगीत) of लोचन प *A tract on the modes of music,* ed by सुखटणकर 1918

3781 रागनिरूपण (सगीत) of नारद A metric description of 140 musical notes ascribed to नारद ed by D K. जोशी 1914 Bombay-Poona pp 24. 1-

3782 रागमञ्जरी (सगीत) of पुण्डलिक विठ्ठल. A metrical tract on modes of music, ed by B S सुखटणकर. 1918 See no 3779

3783 रागमाला (सगीत) of पुण्डलिक विठ्ठल A metrical treatise on the modes of music, ed by N G रातञ्जनकर वर्द 1914 pp. 26 4o -4-

र

3784 रागलक्षण (सगीत) of रागकवि. A treatise on the modes of music in verse, ed by D K जोशी 1914. pp, 7 68. -3-

3785 रागविबोध (सगीत) Musical composition of सोमनाथ. Verses 37 to 166 in the 5th chapter of his रागविबोध 1904 pp. 4, 33 *Gr* 5-

3786 राघवपाण्डवीय (काव्य) सटीक rare N 1-4-

3787 — कविराजविरचित, शशधरकृत (प्रकाश) टिकासहित *N*

3788 राजतरङ्गिणि of कल्हण *under revision* by Prof. गजेन्द्रगडकर

3789 राजनिघण्टु—नरहरि विरचित, मूल. *Mt* 2-8-

3790 राजनीतिरत्नाकर (नीति) of चण्डेश्वर ठाकूर A manual of polity, ed by जयस्वाल 1924. pp. 20 7 87, Patna 5-

3791 राजमार्तण्ड — श्रीभोजमहाराजविरचित नाडीपरिक्षा श्रीरावणकृता, वैद्यमनोरमा-श्रीकालिदासवैद्यविरचिता, तथा परारूल्प एतद्ग्रन्थचतुष्टयमेकत्रसङ्ग्रहमेतत्प्रलभ्यते। द्वितीय सस्करणम्। *Oa* 1-8-

3792 राजयोग (योग) or conquering the internal nature by स्वामी विवेकानन्द 1923 8vo pp, III 189. 2nd edn *Ht* 1-4-

3792*a* राजशिक्षासोपान Hindi transl cr pp 49 *Ky* -3-

3793 राजवाडे His life and writings by V, S आपटे 1886 8vo pp 3, 54 *Or* 5-

3794 राजस्थानसतीनरत्नहार S B R

र

3794a राज्यारोहण by ग ज आगाश 1912 सर्ग 1-5 cl. pp IX, 64 *Bo* 1-

3795 राजेन्द्रकर्णपूर (काव्य) शम्भुमहाकविविरचित *Kn I* 1-

3796 राधामाधवविलासचम्पू of जयराम पाण्ड It is a description in prose and verse of the loves of कृष्ण and राधा, उल्लास 1 to 5 and of the court life of महाजी भासले, उल्लास V to XI, ed with मराठा introductory essay on the origin and rise of the Marathas and their kingdoms, by V K. राजवाड 1922, pp 8vo VI 279 5-

3797 राधाविनोद (नाटक) सटीक *Gn* 2-

3798 रामकृष्णविलासकाव्य श्रीसूर्यकविविरचित संस्कृत टीकयासहित *Km2* 1-

3799 रामकृष्णविलोमकाव्य *Vy* -3-

3800 रामगीता (वेदान्त) forming part of तत्वसारायण The occult philosophy taught by the great sage वसिष्ठ, ed with an appendix by G कृष्णशास्त्री 1902 8vo pp IV, 103, XXXI, *Ad* 3-

3801 — संस्कृत Text with Hindi transl by विजयसिंह 1921 Roy. pp 2, 26 266, 17 *Kg*

3802 — अध्यात्म रामायणान्तर्गत 1-

3803 — ब्रह्माण्डपुराणान्तर्गत 1-

3804 — of योगानन्द with मराठा transl by कमकरशास्त्री 1886 Roy pp 38 -10-

3805 — रामगीतामहात्म्य च। *N* -1-

3806 रामचरित्र नृसिंहपुराणोक्त *Vy* -6-

र

3807 — पद्मपुराणोक्त *Vy* -6-

3808 — of अभिनन्द court poet of हारवर्ष (cir 9th century *A D*) ed by K S रामस्वामि शास्त्री *Go*

3809 रामचन्द्र the Ideal king *Ad* 1-8-

Some lessons from the Ramayana for the use of Hindu students Companion volume to the story of the Great War

3810 रामचन्द्रिका—(व्याकरण) संस्कृत शब्दरूपावलि गुजाकरकृत *A* -5-

3811 — सटीक, कवि करावदास प्रणीता। *Vy* -3-

3812 रामचापस्तव, रामभट्ट दीक्षित विरचित. *Km12* 1-

3813 रामतापनीयोपनिषद् with comm by रामकौशिक 8vo. pp 2, 33, 16 181. *Sb*

3814 रामदासस्वामिचरित्रम् by मधुकर *Sbr* 1-8-

3814a रामदास A sketch of his life & teachings 8vo 48 *Nt* -4-

3815 रामपद्माध्यायी (पुराण) *Vy* 2-8-

3816 रामबाणस्तव (स्तोत्र) रामभद्रदीक्षितविरचित *Km2* 1-

3817 रामरक्षास्तोत्रम् —बुद्धकौशिकविरचितटीकासहित सटिप्पण। वारणायरामभद्रयन्त्रसहितम्। *Gu* -13-

3818 — सटिप्पण, प. नित्यानन्दशास्त्रिणा संशोधितम्। 8vo pp 43,2 *Kg* -8-

3819 — मद्गलाचार्यविरचितटीकासहित। धारणाय रामभद्रयन्त्रसहित। -13-

3820 रामलीला by श्यामचरण कविरत्न *Sd*

र

3821 — (नाटक) Acts. 1-13. *Vy* 2-

3822 Rama Legenden and Rama Relief in Indonesian by W. Stutterheim. Text with 230 full plates describing the whole of Ramayana as found in Java in 2 Vols.1625.Germny *M* 50-

3823 रामवर्मशतकम् । *M* -4-

3824 रामसहस्रनाम. *Vy* -2-

3825 रामस्तवराज (स्तोत्र) सटीक. हरीयाचार्य स्वामिकृतभाष्य. 8-

3826 रामहृदय-(स्तोत्र) *Vy* 3-

3826*a* रामानुजाचार्य A sketch of his life & times by S. K. अयंगार & his philosophical teachings by T. राजगोपाळ चारिअर with an account of रामानुज & वैष्णविज़म by Prof. M. रंगाचार्य. 2nd edn. 8vo. pp. 109. *N* -12-

3827 रामाश्वमेध (पुराण) मूल. *Vy* 2-8-

3828 रामायण of श्रीवाल्मीकी, रामकृष्ण तिलक टिकासहित. *N*

3828*a* — (मूलमात्र) नित्यपाठोपयोगी. *N*

3829 — *A Metrical Translation of* वाल्मीकी, by Ralph T. H. Griffith, in pica type. Crown. 4to. *Lz* 10-

3830 — Translated into Engl. verse by R. T. H. Griffith. *Ad* 15-

- All the above translations by R. T. H. Griffith, are complete and contain very valuable commentaries and indices.

र

3831 — By P.V.जगदीशअय्यर with Foreword by Prof-K. सुन्दरमअय्यर *Ad* -12-

3832 — A critical edition with गोविन्दराज's commentary in full and extracts from 9 other commentaries. (1) माहेश्वरतीर्थिय, (2) रामतिलक, (3)काटक, (4) सत्यधर्मतीर्थिय, (5) शिरोमणि, (6) विषमपदविवृत्ति, (7)रामानुज, (8)शतश्लोकि, and (9) मुनिभावप्रकाशिका. in 28 parts *M* 20-

3833 — The epic of Rama, Prince of India, condensed into Engl. verse by रमेशचन्द्रदत्त. cr. pp. 194. Dent & Co. 10-

The Photogravures from orig illustrated designed from Indian sources by E. Stuart Hardy-

3834 — With comm. of राम, Printed on good thick paper, large types (unbound loose leaves). *Gn* 1-

3835 — French transl. 2 Vols. bound in one pt. Fauche P H. *Fr.* 20-

3836 रामायणम् टीकात्रयोपेतम् । (१) सर्वतन्त्रभातीभेन शम्भेन्दुशेखरादिनाना निबन्धप्रणेत्रा श्रीमन्नागेशभट्टेनरामशिष्यस्य सतो जीविकाप्रदातुः शृङ्गवेरपुराधीशस्य परिमगे: श्रीरामराजस्य नाम्ना प्रणीतया रामायणतिलकाख्यया टीकया, (२) पाण्डितश्रीवंशीधर-शिवसहायाभ्यां प्रणीतया रामायणशिरोमण्यख्यया टीकया, (३) श्रीगोविंदराजप्रणीतया भूषणाख्यया टीकया च सहितम् । pp.3082. *Gu* 31-

3837 — (१ बालकाण्ड २ अयोध्याकाण्ड ३ अरण्यकाण्ड ४ किष्किन्धाकाण्ड ५ सुन्दर-

र

काण्ड & ६ सुन्दरकाण्ड) with Engl translation The Volumes are published in such a way as to form companion volumes to the Sansk-Text published in the Pocket Sanskrit classic Series. All Volumes. *Vi* 10-
each Kands is also sold separately

3839 — बालकाण्ड ed with various readings full notes and translation of difficult portion by M S भाण्डारे *St* 3-12-

3840 — बालकाण्ड २ सुन्दरकाण्ड, & ३ अयोध्याकाण्ड with 8 commentaries *Mv* 1-

3841 — critically ed with various readings from the orig Mss by प रामशास्त्री 8vo pp 297, 400 *Dn* 1-8-

3842 — of वाल्मीकि abridged by C V. वैद्य 1921 3rd edn 8vo pp 2, 300, 10 3-4-

3845 रामायण of तुलसीदास transl into Engl from the orig Hindi by F G Growse. 4-

3845*a* — अनेक प्राचीन पुस्तक संशोधन समुद्धृतेन बहुपाठभेदेन सहितम् pt I *Lz* 3 3-

3846 — बालकाण्ड ed with various readings exhaustive notes and literal Engl transl by C N जोशी and K L आगल cantos 36-77 *St* 2-

3847 — अयोध्याकाण्ड by *N W* Recension Fac 1-4 *Do* 6-

र

3848 — सुन्दरकाण्ड,ed and transl into Engl prose from orig संस्कृत by M N दत्त 1892 8vo pp 873 *Cc* 5-

3849 — सुन्दरकाण्ड, Silk bound *GBd* 1-

3850 — रामायण निरीक्षण, संस्कृत text with मराठी notes by त्र्य गु काळे 1914 cr pp 2 4, 218, 28, 6 4 1-8-

3851 रामायणमञ्जरी (काव्य) क्षेमेन्द्रविरचित *N* 3-4-

3852 रामायणानंतरचें महाभारत An essay in मराठी by म गो अभ्यंकर 1901 cr pp 4 2 160 -8-

3853 रामाचनचन्द्रिका—(कम) परमहंसमकुन्दानन्दशिष्यानन्दवनप्रणीता *A* 1-

3854 रामानुजदर्शनसार-(समतभद्र) Text in संस्कृत with मराठी transl ed by बापटशास्त्री 1924 8vo pp 6 98 *Ak* -7-

3855 रामानुजाचार्य A sketch of his life & times by कृष्णस्वामी अयगर His philosophical system by T राज गोपाल चारयर with an account of रामानुज Vaishnavism by M M रंगाचार्य cr pp 109 11 2nd edn *Nt* -12-

3856 रामायप्रास by रामभद्राश्रित with the comments of सेतुशास्त्री *Km* 10 1

3857 Rama s Later History or उत्तररामचरितम् see—उत्तररामचरित्र

3859 रामादर्नम । *Bm* -4-
M d-4-

3860 रावणार्जुनीय (काव्य) काश्मीरिक भभट्टभामविरचित *N* 1-4-

र

3861 रात्नप्रदीप by प्रभाकरभट्ट, 8vo. pp. 12, 41, *Sd* 1-2-

3862 रासपञ्चाध्यायीप्रकाश. *Vi* 1-0-0

3863 रासमाला Hindoo Annals of the Province of Goozerat in Western India, by A. K. Rawlinson,. ed. with historical notes and appendices by I, PP. xxiv+144, with 12 illustrations, II, PP. viii+460, with 8 illusts and a sketch-map *Of* 24-6-

3864 रासतार. A comm. on उदयना's किरणावलि by भट्टविनोद. 8vo. pp. 8, 104, 2. *Sb* 1-2-

3865 रासायपृच्छा *Gn* -2-

3866 राष्ट्रपालपरिपृच्छा by L Finot, Fasc. 1. 5-

3867 राष्ट्रौढवंश (महाकाव्य) An historical poem describing the history of the बागुल of मयूरगिरि from राष्ट्रौघ, king of कनोज and the originator of the dynasty, to नारायणशहा of मयूरगिरि by रुद्रकवि composed in Shaka 1518 or A. D. 1596 *Go*

3868 राक्षसकाव्य राक्षसकविकृत *N* -1-

3869 REASON and Bellel by Sir Olivese Lodge. *Pl* 1-4-

3870 RECURRENT and parallel passages in the principal उपनिषद्स and the भगवद्गीता by. Haas G. 1922. 8vo. pp 43. New-york city. *Oa* 1-6-

3871 REDEMPTION, HINDU AND CHRISTIAN by Sydney Cave. 1919. 8vo. ($8\frac{1}{2} \times 5\frac{1}{2}$) pp. XII,+ 264 *Of* 7-14-

र

3872 RELIGION of the वेद by Oldenberg. 1894. pp. IX, 620. 15-

3873 RELIGION of ऋग्वेद, see—ऋग्वेद.

3874 RELIGIONS OF INDIA by A Barth, translated by Rev. J. Wood, 5th edn. 8vo. pp. *Kp* 9-4-

3875 RELIGION OF THE SEMITES. by W. R. Smith, 3rd edn. revised and enlarged by S. A. Cook. Demy 8vo. *Mm* 9-8-

3876 RELIGION OF TIBET A. Study of Lamaism. by L. E. Filam. *Wu* 2-8-

3877 Religions & moral sentiments metrically rendered from संस्कृत writers with an introd. and an appendix containing exact translations in prose by Muir J. 1875. 2-8-

3877*a* Reports of tours with maps in गोरखपुर, सरण and गाझीपुर in 1877,-78,-79, & 80 by Carlleyle. 1885. Roy. pp. IV 122 vols XXII. *Cc* 14-

3878 Researches in the वेद by घोस. 5-

3879 RESEARCH INTO EARLY Iranian history from the epics of India by E. Ardesar ऐरस. 8vo. pp. 76,

3880 — on Ptolemy's Geography-Further India and the Indo-Malay Peninsula, ed. by *Gerini* G. E. 1909. 8vo. *Ra* 12-

र

3881 REPORT of the संस्कृत Manuscripts (1895–1900) by M. M हरप्रसाद शास्त्री 1901 sup Roy. pp 25–

3882 — of sanskrit Mss 1872–3, 1874–5 5–

3883 — of second tour in search of sanskrit Mss made in Rajputana & central India in 1904–5 & 1905–6 by S R भाण्डारकर. Roy. pp 100 5–

3884 Review of Architectural work in India 1918–21 Gi 5–

3885 RITUAL literature-Vedic-sacrifice and magic by Hillebrandt Gr 17–

3886 रुग्भाष्य—(वेद) by व्यङ्कटनाथ Vt –12–

3887 रुद्रविधानपद्धति—(कर्म) Vy –6–

3888 रुद्राध्याय –(वेद) मायणाचार्यभट्टभास्कर प्रणीतभाष्यभ्यां समन्वित। Aa

3889 रुद्राभिषेक–(लघुन्यासयुत) समन्त्रक तथा साधार. Sp –6–

3890 रुक्मिणीपरिणय (नाटक) श्रीरामवर्मवञ्चियुवराजकृत pp 52 N –6–

3891 रुक्मिणीहरणम् (काव्य) An abduction of रुक्मिणी A poem by Ray H C cr pp 3 72, 4 –8–

3892 रूपकषट्कम् (नाटक) Six dramas by वत्सराज, minister of परमर्दिदेव of कालिञ्जर who lived between the 2nd half of the 12th and the 1st quarter of 13th century ed by C. D दलाल 1918 Go 2–4–

3893 रूपसेनचरित्रम्- (जैन) 3rd edn Jb 1–8–

र

3894 रूपावतार (व्याकरण) of धर्मकीर्ति, ed with additions & commendations for the use of college students by रंगाचार्य 2 vols. Nt 10–

3894a Roots, Verb forms, and primary derivatives of the sanskrit language (*Roman*) by Whitney W D 1885 8vo. Gr 12–

3895 रेखागणितम्–सादश–द्वादशाध्यायी,व्यातिविद्वर श्रीकृष्णदत्तशर्मकृतटीकासहितो,सविशषटिप्पणीसमन्वितो। Gbd –12–

3896 —— Kg –10–

3897 —— by H H. ध्रुव and K P. त्रिवेदी vol 1&2 Bp 21–

3898 रेणुकासहस्रनाम (मन्त्र) N –6–

3899 THE REIGN OF RELIGION IN CONTEMPORARY PHILOSOPHY by Prof S राधाकृष्ण 8vo Mm 6–8–

3900 The Renaissance in India by अरविन्द घोष 1920 cr pp 87 2–

3901 Reminiscences of विजयधर्म सूरि (जैन) 2–8–

3902 रोमावलीशतकम् by विश्वेश्वर पण्डित. Km8 1–

3903 Romantic legend of शाक्यबुद्ध from the chinese sanskrit by Beal 8vo pp xii 1875 395 7–

3904 रोहिणीअशोकचन्द्रकथा शाकबद्ध (जैन) by कनककुशलगणी Jb –5–

3905 रजपूत, the early history of, see—The early history of the रजपुत.

3906 रवीन्द्रनाथटागोर, the philosophy of see–The philosophy of रवीन्द्रनाथ टागोर

र

3907 राजपुताना, the currencies of Hindu States, see — The currencies of Hindu States in राजपुताना

3908 राजयोग philosophy, a compendium, of, see—A compendium of the राजयोग philosophy.

3909 राजस्थान annals and antiquities of See—The Annals and Antiquities of राजस्थान 134

3910 रामकृष्ण the life of, See—The life of रामकृष्ण

3911 रामायण, the antiquities of, see—The Antiquities of रामायण 138

3912 — an index to the names in, See—An index to the names in रामायण 496.

3913 रामानुज, the life of, See—The life of रामानुज

3914 RAMAYANIC AGE, the food and drink in, See—The food and drink in Ramayanic age 2804

3915 Royal Asiatic society, the centenary volume of, see—The centenary volume of the Royal Asiatic society

3916 Religion an essay in the philosophy of, see-An essay in the philosophy of Religion 923

3817 — an essay on the science of see-An essay on the science of religion

3918 — of Hindus an essay, see—An essay on the religion of the Hindus 924

3919 — the Parliament of, see, The Parliament of Religion

र

3920 — a study in the psychology of, see—A study in the psychology of religion

3921 Religious literature of India, an outline, of See—An outline of the Religious Literature of India 982

3922 Rig-Veda, the dict of See—The dictionary of ऋग्वेद 865

3923 RIG-VEDA THE GOD वरुण in, see—The god वरुण in ऋग्वेद 847.

3924 — the hymns translated. See—ऋग्वेद

3925 — the lectures on, See—The lectures on ऋग्वेद 848

3926 — Mysterium and mimus in See—ऋग्वेद 849

3927 — the principals to be followed in translating, See—ऋग्वेद 850

3928 — Sayana's commentary on, See—ऋग्वेद 851

3929 — the similarities and Metaphers in, See—ऋग्वेद 856

3930 लकाराथ निर्णय—(व्याकरण) by वेद शाकान्त भट्टाचार्य *Sl* -2-

3931 लघुकौमुदी A sanskrit grammar by वरदराज with Engl version, comm & references by J. K. Ballantyne 5th edn Roy. pp 377, xxvii 6-

3933 लघुशब्देन्दुशेखर, वरदराजकृत *Lz* -3-

3934 लघुचन्द्रिका, by ब्रह्मानन्द सरस्वती, ed. by हरिहरशास्त्री publ. by सारनाथेश्वर 1893 Roy pp J 4, 643 *Ams* 7-8-

ल

3935 लघुचाणक्यम्—(नीति) Sentenze Indiane pp 50 Pisi 5-

3936 लघुजम्बिका—(व्याकरण) Critical notes on परिभाषेन्दुशेखर by Pt रघुनाथ शास्त्री, ed by अनन्तशास्त्री फडके Ks -8-

3637 लघुतासुदम्मननम Aclear synopsis of the अद्वैतवेदान्त with an Engl introduction by R कृष्णस्वामी अय्यर. Vi 1-4-

3938 लघुरामायणम् ed by गिरिन्द्रनाथ गुह cr pp 410 C 3-4-

3939 लघुयोगवासिष्ठ -आ मसुसकृत ।वासिष्ठ चन्द्रिकाटीकासहित । N 5-

3940 लघुविभक्त्यर्थनिर्णय (व्याकरण) मैथिलि श्रीकृष्णकृत । Gu

3941 लघुशब्दानुशासनम म म व्यङ्कटरंगाचार्य गुरु वृत्ति । चतुर्थ संस्करण । पद्य मकम् । Vz

3842 लघुशब्देन्दुशेखर-(व्याकरण वायदार्थिका समेत अव्ययीभावान्त by श्रीनागेश भट्ट with a comm called दीपिका by Pt नित्यानन्दपन्त ed. by Pt. गोपालशास्त्री नेने Ks 4-8-

3943 — (व्याकरण) भैरवीसहित by नागेशभट्ट with a comm called चन्द्रकला or भैरवि by भैरवमिश्र pt II from समास to लिंगानुशासनप्रकरण, ed with notes by Pt गोपाळशास्त्री नेने Ks 8-

3944 — नानाविधग्रन्थनिर्माणधुरीण म म श्रीमन्नागेशभट्टविरचित । भारद्वाज नारायण शास्त्रिणा च संशोधित । Lz 4-

3945 — शास्त्रीव्याख्या Kg 1-

3946 — टिप्पणसहित अव्ययीभावान्त Kg 4-8-

3946a — सटीकसटिप्पण,संपूर्ण Kg 14-

ल

3947 — अव्ययीभावान्त Kg 2-8-

3948 — सटीक । अव्ययीभावान्त । Kg 6-

3949 — सटीक । तत्पुरुषसमासादारभ्य कृदन्तान्त । Kg 10-

3950 — व्याख्या, शार्करी ed by मा बसराचक्रवर्ती or अभिनवभट्टबाण 1910 pt I. 8vo pp 58 Tan -12-

3951 लघुमंग्रह (ज्योतिष)by श्रीलक्ष्मीनारायण Ch 1-

3952 लघुसिद्धान्तकौमुदी(व्याकरण)श्रीव्यासराज विरचितटिप्पणीसहित सूत्रसूचा 8vo pp 738 3, 20 -8-

3953 — by वरदराज भट्टाचार्य with १वार्तिकपाठ, २परिभाषापाठ ३धातुपाठ ४गण पाठ ५पाणिनीयशिक्षा and an index with notes by कनकलालशर्मा. -12-

3954 — रणछोडशास्त्रिविरचित सरबोधिनीनाम विस्तृत या सरलसस्कृत व्याख्यासमेता । Mc 1-

3956 — Ed with orig sansk. comm Engl transl copious critical and explanatory notes dy V V मिराशी 1928 Pt 1 pp 2, 125, 6 2-

3957 लघुस्तवराज by श्रीनिवासाचार्य with the comm गुरुमार्क्मिन्दाकिन्दि by पुरुषोत्तमदास 4-8-

3958 लघुस्तुति -(स्तोत्र) by श्रीलघुभट्टारक with the comm of श्र राघवानन्द Tr -8-

3959 लघुस्तोत्राणि of नीलकण्ठ दीक्षित containing कलिविडम्बन,सभारञ्जनशतक वैराग्य शतक,शान्तिविलास अन्यापदेशशतक,आनन्दसागरस्तव and शिवोत्कर्षमञ्जरी Vi -12-

ल

3960 लग्नमेलकप्रहसनम् (नाटक) शतघर विराचितम् pp 30, 2 N -5-

3961 ललितविस्तर of शाक्यबुद्ध Sansk Text ed with variants, metres & an index by Dr L Lefman in 2 Vols 60-

3963 — A memoir of the early life of शाक्यसिंह transl from the origi Sanskrit into Engl- by राजन्द्रलाल मित्र (1881-1886) Bi 5-

3964 ललितासहस्रनाम V_t -4-

3965 of भास्करराय, सभाष्यभास्कर भाष्यसहित N 1-12

3966 — Vu -4-

3967 ललितात्रशति,नामावल्या देवीपश्वरत्न च सहिता। Bm -3-

3968 — with the comm of श्रीशंकरभगवत्पादाचार्य cr 8vo V_t -8-

3970 — दुर्गाविरचितम् Km10 1-

3971 — (स्तोत्र) दुर्वासकृतम् V_t -2-

3972 लाक्षास्तिवमणिमाला-(वम) N -4-

3973 लक्षणावली(न्याय)न्यायाचार्यश्रीमदुदयनविरचिता, शेषशार्ङ्गधराचार्यविरचिता न्यायमुक्तावल्याख्यया टीकयासहिता। pp 84 L- -12-

3974 लक्ष्मीतोपाख्यान, महाडपुराणात अध्याय ७ N 1-4-

3975 लक्ष्मीराज्यम्, लक्ष्मानाथविराचेतम्। सुबोधिनीनाम्ना संस्कृतव्याख्यासहितम्। Mr 1-8-

3976 लक्ष्मीकर्णामृतरत्नीपद्मा Lq 1-

3977 लक्ष्मीहृदय transl into मराठा with orig संस्कृत by कमकर शास्त्रा

3978 — By जगन्नाथ पण्डित Km21-

3979 लक्ष्मीसहस्रनाम V_t -4-

ल

3980 — Su -5-

3981 Lakshmi Stotras—a miscellany V_t -4-

3982 लक्ष्माहृदयम् तथा नारायणहृदयम्। silk-cover N -6-

3983 लङ्कावतारसूत्रम Sansk Text in देवनागरी ch ed by B Nanjio 1923 Japan 26-4-

3984 लल्लवाक्यानि -(वेदान्त) Philosophical sayings of the prophet-Lalla of Kashmir with sanskrit gloss by राजानक भास्कर Km -6-

3985 Law & Custom by jolly (Grundriss S) 14-

3986 लल्लवाक्यानि edited by GRIERSON G A and BARNETT D D. 1920 Ra 9-8-

3987 Life-of the Buddha and the early history of his order derived from Tibetan Works in the Bkah-Hgyur and the Bstan-Hgyur transl by Rockhill Post 8vo Kp 9-4-

3988 — and teachings of बुद्ध by अङ्गारिक धर्मपाल 2nd edn. 8vo pp Nt -12-

3988a — as legend and history, by E J Thomas with four plates and a map Roy 8vo. Kp 10-

3989 — of बुद्ध by अश्वघोष transl from संस्कृत into Chinese by धमरक्षक & from Chinese into Engl by Sammuel Seal 1883 8vo pp. xxxvii, 380 15-

ल

3990 — and work of बुद्धघोष by Dr. विमलचरण लॉ with a foreword by Mrs. Rhys Davids. *Co* 9-

3991 — or Legend of Gautama the Budha of the Bahn Annotations, the Seven wars to Neibban and notice on the Phongyies or Burmese Monks, by the Rev. P. Bigandet. *Ks* 8-

3993 — of Hiaeu Tsiang by S. Hwui Li, introd containing account of the works of I-tsing. 8vo. *Kp* 8-

3994 — life and gorwth of language by Whitney. 1902. 10-

3995 — of रामकृष्ण 8vo. pp. 774.

A comprehensive chronological account of the master's wonderful life based on Swami Sharadananda's great Bengali work on the subject and supplemented by important facts and conversations called from the Gospel of Shri Ramakrishna in Bengali by M., and other authentic sources with a foreword by Mahatma Gandhi 6-8

3996 — of रामानुजाचार्य, the exponent of the विशिष्टाद्वैत Philosophy by A Govindacharya. *Ad* 2-12-

3997 — of स्वामी विवेकानन्द in four volumes by his Eastern and Western disciples about 460 passages in each vol. 8vo.

3998 — of बॅरिस्टर सावरकर by चित्रगुप्त. Roy. pp VIII, 144. *Pl.* 1-8-

3999 Light on Life. Six spiritual discourses. by बाबाभारति. *Ad* 1-

ल

4000 The Light of Ancient Persia. by M. B Pithawalla. *Ad* 3-

4001 लिङ्गनिर्णयभूषणम् (व्याकरण) *Su* -2-

4002 लिङ्गानुशासन (on grammar,) by वामन who lived between the last quater of the 9th century: ed. by C. D. दलाल. 1918. *Go* -8-

4003 — of हेमचन्द्र with comments and transl. by Franke. 3-

4004 — शाकटायन, हर्षवर्धन, and वररुचि by Franke. *Gr* 12-

4005 — Ed. by रेवतीकान्त भट्टाचार्य. *Sd* -8-

4006 Linguistic Geography by Dauzet A. *Fr.* 2-8-

4007 Lingustic Survey of India compiled & edited by Sir G. Grierson.

- Vol I Introductory pt 1 2 — 13-12-
- „ II Mon—Khamer. — 6-8-
- „ III Tibeto-Burman 3 pts. — 19-8-
- „ IV Munds & Dravid. — 6-8-
- „ VI ndo Aryan Family. 2 pts — 13
- „ VI Hindi — 6-8-
- „ VII Marathi. — 6-8-
- „ VIII Sindhi, Dardic of Paisachi 2 parts each — 6-8-
- „ IX Hindi, Panjabi, Rajasani, Gujarati, Bhil, Pahari. 4 pt — 26
- „ Eranian family — 6-8-
- „ Gipsy langagues — 6-8-

4008 Linguistic studies from the हिमालय by T.Grahame. *Ra* 11-4-

4009 Literary history of India by Frazer R. Roy. pp. XIII, 470. 18-

4010 Literature of the सिंघलीज by Geigar with Indices. 1901. grundriss. 5-

ल

4011 List of-Sansk. Mss discovered during the year 1876 &1879 prepared by Nesfield J. C. with the assistance of pt देविप्रसाद & ed. by राजेन्द्रलाल मित्र 8vo pp 37 & 63 respectively. each. *Cc* 5–

4012 — of Mss collected for the Govt Mss Library by the Prof of Sanskrit at Deccan & Elphinstone Colleges since 1895 and 1899 and complied by the B O R. I Roy pp 94 (1895 –1915) 1–8–

4013 — of Sansk, Jain &Hindi Mss. purchased by order of Govt & depcsited in the Sanskrit college Benares during 1910—11—12 and 15—16. Roy pp 16 20 each 1–

4015 — of संस्कृत & हिंदी Mss deposited in the Sansk.- college at Benares during the year 1912–13 *Ag* 1–

4016 List-of words in the Grihya Sutras of आश्वलायन, पारस्कर, शाख्यायन & गोभिल by Stenzler. *Gr* 10–

4018 — of Bibliothica Indica &c, according to works & Nos by Sieg 1–

4019 — of new Mss added to the Manuscripts Library of B O R I (1895–1915) *Bp* 1–8–

4021 LITERATURE and language of Sighalese by Geiger (*Grin driss S.*) *Gr* 6–

4022 LITTLE CLAY CART (Mrichakatika) —A Hindu Drama

ल

attributed to King शूद्रक, translated into English prose and verse by Arthur William Ryder *Ad* 6–12–

4023 LITERAL Engl. transl. of माघ's शिशुपालवध by S K नाडकर्णी 1920 cantos IV V & VI. *Bo* 10–

4024 LITERARY history of India by Frazer R. 1920 4th impression 18–

4025 Literary History of Sanskrit Buddhism (From Winternitz S Levi, Huber) by G K. नरिमन 2nd revised edn 1925 Roy pp VIII, 393. *Mt* 10–

4026 लीलावती—(गणित) A treatise on Mensuration, by भास्कराचार्य, ed with notes by M M pt सुधाकर द्विवेदि *Bn* 1–8–

4027 — (ज्योतिष) श्री भास्कराचार्य कृत । म. श्रीमुरलीधरठक्कुरकृत लीलावती वासना परिशिष्टप्रश्नादिसहित । *Bh* 3–8–

4028 — सटीक *Sd* 1–8–

4028*a* लीलावती An Engl transl. by Colebrooke with notes by H C बानर्जी 1901 2nd edn. 8vo pp VII 116 *Book Company* 7-8-

4029 — orig संस्कृत with मराठी transl by V P शास्त्री. 1897. 8vo pp 3 4, 230 2 2–

4031 Legends of Indian Buddhism, transl from ' L ' introd. a Histoire du Buddhisme Indien" of Eugene Burnouf, with an

ल

Introd. by W. STEPHENS. *Wu* 2–10–

4032 Lectures on the Study of भगवद्गीता, being a help to students of its philosophy by T. सुब्बाराव. *Rt* –10–

4033 Lectures on comparative religion by A. A. Macdonell. 1925. Roy. pp. 190. *Cu* 3–

4034 Lectures on the economic condition of Ancient India by J. N. Samaddar 1922. 8vo pp xiv, 165. *Cu* 3–

4035 Lectures on Ethnography, by R. B. अनन्तकृष्ण अय्यर. Roy. 8vo. pp. 302. *Cu* 6–

The materials gathered for the preparation of the lectures are mainly from a first hand study of the people of South India in general and of Malabar, Cochin and Travancore in particular. The lectures have been properly illustrated by photographs taken from different parts of South India.

Conts :—Anthropology, Ethnography and Ethnology—Race—Racial history of Malabar Cochin and Travancore—Caste—Sex and Marriage—Family, Kinship and Social Organisation—Magic Sorcery and Witchcraft—Evolution of Taste in Dress and Ornaments—Village Community in South India

4036 Lectures on Hindu Religion, Philosophy and Yoga by K. चक्रवर्ती योगशास्त्री 1893. 8vo pp 158. *Cc*

ल

4037 Lectures on ज्ञानयोग by स्वामि-विवेकानन्द. 1915. 2nd edn. 8vo. pp. 2, 337. *Av* 1–12–

4038 — on the origin. and growth of religion by Max Muller. 1878. Roy. pp. xv, 394.

4039 Lectures on the Science of Language by Max Muller in two vols. 1880. 24–

4041 Lectures on Ancient Indian numismatics, delivered by D. R. भाण्डारकर. 1921. 8vo pp. xii 229.

4042 Lectures on the origin and growth of religion as illustrated by some points in the history of Indian Buddhism (Hibbert lectures) by Rhys Davids T. 1906. 4th edn. 10–8–

4043 Lectures on the ऋग्वेद containing discussion on the question of (1) ऋग्वेद being a recension and (2) About attribution of its authorship by भगवद्दत्त 1920. pt I 8vo. pp 6, 86. *Pa* 2–4–

4044 लेखपद्धति A collection of models of state and private documents dating from 8th to 15th centuries A D ed. by दलाल. and श्रीगोंदेकर 1925 *Go* 2–

4045 Lays of Ancient India, Selections from Indian Poetry rendered into Engl. verse by रमेश चन्द्र दत्त. Post 8vo. *Kp* 8–

4046 Later Hindu civilisation by R. C. Dutt. 1890 8vo. pp. XI. 207. *Cc*

ल

4047 Later Mughals Vol I (1707-1720 and II(1714-1734) ed by Y N सरकार 1922 Cc 16-

4048 Later philosophy from Descartes upto Schopenhauer by deusson 10-

4049 Local History of Poona and its Battlefields by Col L W Shakespear 8vo Mm 5-

4050 लोकप्रकाशग्रन्थ-(जैन) सम्पूर्ण by विनयजी उपाध्यायजी Jb 30-

4051 Local Government in ancient India by राधाकुमुद मुकर्जी with foreword by the Marquess of Crewe, revised and enlarged 1920 8vo (9×6) pp xxviii+338 2nd edn Of 9-6-

4052 लोकोक्तिमुक्तावलि by दक्षिणामूर्ति Km2 1-

4053 Lotuses(Indian) of the mahayana ed by K Saunders, translator and editor of "the Heart of Buddhism" etc Wu 1-4-

4054 Language, its nature, development and origin by Jespersen 1925 14-

4055 Land of seven rivers by N G सरदसाई 8vo pp 93-96 -8-

4056 Language, an essay on the science of, see-An essay on the sciences of Language 927

4057 LANGUAGES modern of the East Indies, see-The modern languages of the East Indies

4058 — of India & High Asia, a contemporary dictionary of, see-A contemporary dictionary of the languages of India & High Asia.

ल

4059 — the history of, see-The *History of the Languages.*

4060 — oceanic, see-Oceanic Languages 364

4061 — the life and growth of, see-The life & growth of Languages.

4062 LAND OF SNOW, Indian Pandits in see-Indian Pandits in the Land of Snow 534

4063 LITERARY पार्सी the home of, see-The Home of literary पार्सी

4064 लाहोर FORT tile mosaics of, see-The tile mosaics of लाहोर fort.

4065 वक्रोक्तिजीवित-(अलंकार) by राजानक कुन्तल with his own commentary A treatise on Sanskrit Poetics, ed with critical notes and introd. and resume by Dr S K Dey 2nd edn revised and enlarged Co 3-8

4065*a* वक्रोक्तिपञ्चाशिका, सटीका by रत्नाकर Im7 1-

4065*b* वज्जालग्ग A prakrit poetical work on rhetoric, ed by Dr Julius Laber (1915-1923). Bi 1-8-

4065*c* वज्रसूचि—(बुद्ध) by Weber A. 3-

4066 वनस्पति Plants and plant-life as in Indian Treatises and traditions by G P. मुजुमदार 8vo pp 254. Co 3-12-

व

4066a वररुचि by R कृष्णमाचार्य.1915. 2nd edn cr. pp. 24 *M1* -8-

4066b वररुचिजन्त्र by अप्पय दीक्षित with his own comm. and an Engl. Introd. by A. V गोपालचारियर. 1-

4067 —— मूल -2-

4067a वराहगृह्यसूत्र (कर्म) Vedic ritual (domestic) of the यजुर्वेद ed by Dr. R. शामाशास्त्री. *Go* -12-

4067b वराहपुराण (पुराण). Ed by काशी केशवशास्त्री 1893. Fasc. 2-14 *Bi* each -10-

4068 — Engl transl *Po*

4069 Varendra Research Society s Monograph No 1—The Naland Copper-plate of देवपाल, by N G मुजुमदार *Vr* 1-

4070 World view of Brahmana Texts by Oldenberg A 20-

4071 World - Contemplation of Indo Germanic Asia by Negelein *Gr* 7-

4072 The World's Eternal Religion. *Al* 5-8-

4073 THE WORLD AS POWER by Sir John Woodroffe *Tt*

(a) world as Causality and Continuity 2-8-
(b) — Consciousness 2-
(c) — Life. 2-
(d) — Matter 2-8
(e) — Mind 2-
(f) — Reality 2-

4073a वर्णमालास्तोत्रम् by रामचन्द्र दीक्षित *Km13* 1-

व

4074 वर्णाश्रमधर्म The synthesis of science, philosophy, religion, sociology and politics Cr pp. x 148, VI -12-

4075 वर्धमानस्वामिचरितम् *Sbr*

4076 वर्धमानदेशनगाथा-(जैन) of राजकीर्तिगणि. *Jb* 6-

4077 वर्षक्रियासामग्री of गोविन्दचन्द्रविकणाचार्य ed by कमलाकान्तस्मृतिभूषण *Bd* 5-4-

4078 वरुण & मित्र (essay) in German by a Hillebrandt 1877 Breslau 4-

4079 वल्लभदर्शनसार—समतभेद ed by बापटशास्त्री 1914. 8vo pp 3, 66 *Ak* -4-

4080 वल्लभाचार्यचरितम् । *Sbr* 2-

4081 — A sketch of life & teaching. 8vo pp 41 *N* -4-

4082 वसन्तविलास (महाकाव्य) An historical poem describing the life of वस्तुपाल and the history of गुजरात by बालचन्द्रसूरि (from Modheraka or Modhera कडिप्रान्त Baroda State) contemporary of वस्तुपाल, composed after his death for his son, samvat 1296 (A D 1240) edited by C D दलाल *Go* 1-8-

4083 वसिष्ठसंहिता—(धर्म) श्रीब्रह्मर्षिवसिष्ठविरचिता । 1915 Roy. pp 232 *Vy* 2-

4084 वसिष्ठसिद्धान्त—(ज्योतिष) ब्रह्मपुत्र महर्षिवसिष्ठविरचित *Ch* 2-

4085 — धर्मशास्त्र ed. with notes by Dr A. A Fuhrer. 2nd edn. *Bp* -12-

व

4086 वाक्यतत्वम् *Mp* -6-

4087 वाक्यपदीय —(व्याकरण) A treatise on the philosophy of संस्कृत grammar by भर्तृहरि w. a comm. by पुण्यराज on the 1st & 2nd काण्डs and हेलाराज's comm. on the 3rd काण्ड, ed. by पं. रामकृष्णशास्त्री. alias तात्याशास्त्री पटवर्धन. and गंगाधरशास्त्री मनवल्ली. vol. 1 fasc. 1–3. *Bn* 7-4-

4088 वाक्यवृत्तिः (वेदान्त) विश्वेश्वरविरचित टिप्पणसमेता । श्रीमच्छङ्कराचार्यकृता । *Aa* -8-

4089 वाक्यसुधा by श्रीशंकराचार्य Text and transl. with notes by मणीलाल द्विवेदी. and वेदान्तसार of सदानन्दस्वामि transl. by N. Ward. *Ad* -6-

4090 वाक्यार्थचन्द्रिका नागेशभट्टविरचिता परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या भागवताचार्य पण्डित श्रीहरीशर्म्मविरचिता ed. by K. रामशास्त्री. 1890 Roy pp. 247 *Vj*. 10-

4091 वाग्भट (an essay on) by Cordier P. (French) 1-

4092 — संस्कृत मूळ मराठी भाषांतरासह. *Ai* 10-

4093 वाग्भटालंकार (अलंकार) मूल *Vy* 4-

4094 — (जैन) श्रीवाग्भटप्रणीत, सिंहदेवगणिविरचित टीकासह. *N* 8-

4095 — प्राज्ञमनोरंजनी सरलसंस्कृत व्याख्यासहित *Mt* 12-

4095*a* वाङ्मयविषयकनिबन्ध in मराठी by विष्णुशास्त्री चिपळूणकर. 1923. 2ed 8vo pp. 215. *Cha* 12-

4096 WAS SHANKAR THE PROPAGATOR of a new system of thought by T. सुब्बाराव Sk Research. 8vo pp. 119-13 -8-

व

4097 वाजसनेयिसंहिता (वेद) उव्वटमहीधरभाष्योपेता—of the शुक्लयजुर्वेद with the comm. मन्त्रभाष्य by उव्वटाचार्य and वेददीप by महीधराचार्य. *Ks* 8-

4098 वाणीभूषणम् —(छन्द) श्रीदामोदरमिश्र कृत. *N* -8-

4099 वातुलनाथसूत्राणि. with the वृत्ति of अनन्तशक्तिपाद Short study of the 13 occult practices conducive to the happy union with the transcendental vitality known as '*Anuttara*.' Said to have been received from the monastic deities by the sage *Vatulanatha* with foreword and transl. in Engl *Km*- 1-

4100 वादसुधाकरः। कृष्णाचार्यकृतः। *Gu*

4102 वादावली — *Vl* 1-8-

4103 वादार्थसंग्रहः (व्याकरण)—अत्र शेषकृष्णकृत स्फोटतत्वनिरूपणं । श्रीकृष्णमौनिकृता स्फोटतत्वचन्द्रिका, गोढभोल्केकृत प्रातिपदिकसंज्ञावादः, वाक्यवादः । हरियशोमिश्रकृता वाक्यदीपिकेति पञ्च ग्रन्थाः सकलिताः । पण्डितानां प्रौढच्छात्राणांच बहुतरमुपकारकः । Ed by बाक्रेशास्त्री. 1913 8vo. pp. 2, 26, 2. *Gu* -6-

4104 — (द्वितीयो भागः) अत्र भवानन्दसिद्धान्तवागीशकृत षट्कारकविवेचनम्। जयरामभट्टाचार्यकृत' कारकवादः समासवादश्च, एककारवादश्चेतिचत्वारो ग्रन्थाः सन्ति । Ed by M. G. बाक्रेशास्त्री. 1914. 8vo pp. 68 *Gu* -6-

4105 — (तृतीयो भाग.) अत्र कृष्णाचार्यकृतः ' वादसुधाकरः मौनिश्रीकृष्णकृतः 'लघुविभक्त्यर्थनिर्णय.। रामकिशोरकृता 'शब्दबोधप्रकाशिका' चेति शाब्दिकाना त्रयो ग्रन्थाः

व

सन्ति। Ed by बाक्शास्त्री 1915 8vo pp 102 Gu -8

4106 — (चतुर्थ भाग) Gu

4107 वादिविनोद-(न्याय) ed by Dr Ganganatha Jha 1915 Roy pp 73 Po 1-

4108 वामनपुराण (unbound) Gu 4-

4109 — Engl transl Po

4110 वायुपुराण व्यासप्रणीत Vy 6-

4111 — व्यासप्रणीतम् (पुराण) Au 4-12-

4112 वाररुचसंग्रह (व्याकरण) with the comm दीपप्रकाश by नारायण Tr 8-

4113 वाल्मिकिरामायण बालकाण्ड and अयोध्याकाण्ड edited by T R कृष्णाचार्य and व्यासाचार्य 1911 Part 3 & 4

4114 वासवदत्ता A sanskrit Romance by सुबन्धु translated with an introduction and notes by L H Gray 12-8-

4114a — of सुबन्धु (संस्कृत) with a full and exhaustive comm by Pt R V कृष्णमाचारियर cr 8vo pp v lxvi 359 cloth Vy 3-

4114b वासवदत्ता(नाटक)स्वप्नवासवदत्ता being a transl of anonymous Sansk drama attributed to भास, ed by सुखटणकर 1923 8vo pp (8 × 5) VI, 94 Of 5-

4115 — of भास Italian transl by Belloni Filippi 3-12-

4115a वासुदेवमननम् A compendium of अद्वैत philosophy transl into Engl from the orig संस्कृत by नारायण

व

स्वामी अय्यर and सुन्दर अय्यर 1918. cr pp VIII, 144 Md 1-2-

4115b वासुदेवविजय by वासुदेवकवि with his own comment Km10 1-

4116 वास्तवचन्द्रशृङ्गारमीमांसनम्—(सोपपत्तिक) Gbd 1-

4116a वास्तवावीचित्रप्रमाणभङ्ग-(ज्योतिष) म म प श्रीसुधाकर द्विवेदिना विरचिता। Ch 1-

4116b वास्तुविद्या—(शिल्प) Tr -12-

4117 वास्तुरत्नावलि-(ज्योतिष) श्रीजीवनाथ मैथिलेन विरचिता। Ch 12-

4118 *विक्रमचरित्रशतप्रबन्ध*—(जैन) 4th edn Jb 3-4-

4119 — By Pt R V कृष्णमाचारियर or अभिनवभट्टबाण 1922 2nd edn cr pp 52, 12 Md -6-

4120 — By T, C नृसिंहाचार्य 1914 8vo pp 44 Ta -6-

4121 — (परिष्कृतसुभाषितम्) Mu 4-

4122 — S व्यङ्कटरामशास्त्री V l 8-

4123 विक्रमाङ्कदेवचरितम् of कविबिल्हण, रामावतार शर्मणा संस्कृतम 1928 सर्ग 1 18 8vo pp 4 2 153 Kg 1 8-

4124 विक्रमा's ADVENTURES, or The Thirty two Tales of the Throne, A collection of stories about King विक्रम, as told by the Thirty-two statuettes that supported his throne Edited in four different recensions of the Sanskrit original (Vikrama charita or Sinhasana-dvatrinsiaka) and transl into Engl with an introd by FRANKLIN EDGERTON. Yale University Of 34-

व

4125 विक्रमोर्वशीय-(नाटक) of कालिदास, रङ्गनाथकृतप्रकाशिकाटीकासहित pp. 2, 142, 3 N -14-

4126 — Ed with a new संस्कृत comm various readings, introd, a literal transl Exhaustive notes in Engl and appendices by M R काळे. 1922 6th edn 8vo. pp 48 152 120. Gn 3-8-

4127 — An Indian Drama, transl into literal Engl prose from the original Sanskrit, and with an introd by आनन्दाचार्य AD 2-8-

4128 — With an introd prose order & transl of every verse, transl of important passages, full notes, critical & explanatory appendices by R D. करमरकर 1920 8vo pp XX-VIII 83, 80 3-8

4129 — With notes by S P पण्डित. 3rd edn Bp 2-

4130 — (सटिक्स) ed. by रामनाथ तर्करत्न Sd I-

4131 — Spanish transl by Avuso D 1-8-

4131a — French transl by Foucaux 1879. pocket size pp 6, 137 2-

4132 — Litho-press edition by चाटर्. Roy pp 128. 4-4

4134 विपदार्थ —(व्याकरण) समासवृत्तादिबहुतिनां एषुबोधक । श्रीनिवासजगन्नाथस्वामि मार्यरामुन्ना रचित । आन्ध्रानुवाद सहित । आङ्ग्लपाठशालाबालकानामत्यतोपयोग । 8vo. pp 20 Vz -2-

4135 Witchcraft of ancient India (German) by Caland Gr 1-

4136 विचारमाला, सटीक पचीकरणसह. Vy 1-

4137 विजयधर्मसूरि His Life and Works by A J Sunavala 4-8-

4138 वीतरागनीजय Mp -6-

4139 विदग्धमाधव (नाटक) सटीक श्रीरूपगोस्वामि प्रणीत pp 219 6 N 1-4-

4140 विदग्धमुखमण्डनम् (काव्य) सटीक धर्मदासमूरिविरचित. N -6-

4141 — (नाटक) परमेश्वरानन्द शार्मकृत सरल संस्कृत व्याख्यासहित. Me 1-

4142 विद्वन्मंडन सुवर्णसूत्र U 3-4-

4143 — वेदान्त शुद्धाद्वैत philosophy by विठ्ठलनाथ दीक्षित with comm called सुवर्णसूत्र of गोस्वामि श्रीपुरुषोत्तमजी महाराज, ed by Pt. रत्नगोपालभट. Bn 3-8-

4144 विद्वन्मनामृतलहरा by केमकर शास्त्री 1892 cr pp 24. -2-

4145 विद्यापरिणय (नाटक) आनन्दरायमखिविरचित N -9-

4146 विद्यामाधवीय of विद्यामाधव विष्णु शर्मकृत मुहूर्तदीपिकाटीकासहित, ed by रामाशास्त्री 1925 8vo Bs 4-10-

4147 विद्यारत्नभाष्य of श्रीमद्विद्यारण्याचार्य with comm. दीपिका of शंकराचार्य, ed. with introd &c by नारायणशास्त्रि खिस्ते, 8vo pp. 4, 40. -9-

4148 विद्यार्णवतन्त्र (सप्तार्थदीपिकायप्रकरणद्वय प्रकाशावरणभार सहिता) Vi 7-8-

व

4149 विदुरनीति (नीति) विषमपदटिप्पणसमेता। श्रीमहाभारत उद्योगपर्वान्तर्गतप्रजागरपर्वणि महाबुद्धिमता विदुरस्य राजानं धृतराष्ट्रंप्रति सदुपदेश। अत्र सर्वसाधारणी नीतिक्रिया सं-क्षेपत उपदिश्यन्ति। cr pp. 4, 68 *Gu* -6-

4150 विश्वसत्यमासिक वर्ष पहिले अंक 1-12. *Oa* 1-4-

4151 विधानमाला नृसिंहभट्ट विरचिता. *Aa* 4-4-

4152 विधानपारिजात of अनन्तभट्ट ed by तारापसन्न विद्यारत्न Vol I-III *Bi* 15-

4153 विधिविवेक (न्याय) श्रीमदाचार्यमण्डन मिश्रविरचित । पूज्यपादश्रीमद्वाचस्पतिमि-श्रनिर्मितया न्यायकणिकाख्यया व्याख्यया-समलंकृत तेन्दरामशास्त्रिणापरिशोधित । *Lz* 3-8-

4154 विधिरसायनम्-(मीमांसा) by अप्पय दीक्षित ed by pt मुकुन्दशास्त्री *Ch* 3-

4155 विधवोद्वाहविवेक or an investigation into the authorities for the marriage of the Hindu widows in refutation of the views of बनारस Pandits by V P शास्त्री 1818 8vo pp XI 5, 1113, 4 3-8-

4156 विद्धशालभञ्जिका of राजशेखर ed with the comm of नारायण दीक्षित, explanatory & critical notes, various readings by B R. अत्र & ऋतुसंहार with close Engl transl and various readings by K G गाडवोले 1867 8vo 2-6-

4157 विनयचन्द्रकेवलीचरित्र transl into गुजराती by हरिविजयजी -6-

व

4158 VINAYA TEXTS, from the Pali, by T W RHYS DAVIDS and H OLDENBERG, Vols 13, 17, 20, out of print

4159 विनायकमहात्म्य मूल -8-

4160 विभक्त्यर्थनिर्णय —(व्याकरण) by गिरिधरभट्टाचार्य ed by जीवनाथ मिश्र न्यायतार्थ *Ch* 7-8-

4161 विमलनाथचरित्रभाषाकबन्ध (जैन) of ज्ञानसागरसूरि *Jb* 9-

4162 विमलशाहचरित्रभाषाकबन्ध, (जैन) of इन्द्रहंसगणि *Jb* 1-

4163 विराटपर्व of the महाभारत. critically edited on the basis of 18 MSS and published as a tentative edn illustrating the principles of textual criticism to be followed in the definitive edition Has received the assent and approval of all scholars ed by प्रो सुटणीकर 15-

4165 विरूपाक्षपञ्चाशिका—(वेदान्त) by विद्याभिनाथ with the comm of विद्याचक्रवर्तिन् *Tr* -8-

4166 विरूपाक्ष II of विजयनगर with Engl transl by S K. अयगार. 8vo pp 255-264

4167 Wilson's Philological Lectures in Sansk and the derived Languages, delivered in 1877 by Sir R G भाण्डारकर 1914 Roy pp 2 303 2-8-

4168 विवृत्ति— चन्द्रकान्तभट्टाचार्यप्रणीत-भाष्य *Gu* 2-

4169 विवरणोपन्यास(वेदान्त) A treatise on a comm on विवरणतत्त्व by रामानन्द सरस्वती, also वाक्यसुधा—By

व

मशिंकराचार्य- with a comm. by ब्रह्मानन्दभारति, ed. by दामोदरशास्त्रि सहस्रबुद्धे. *Bn* 3-

4170 विवरणप्रमेयसंग्रह of माधवाचार्य, ed. by रामशास्त्री तैलंग. 1893. Roy. pp. 7, 18, 266. *Kg* 5-

4171 —— *V* 4-8-

4172 विवाहपद्धति, मूलमात्र. *Mc* -10-

4173 विवाहवृन्दावन, केशवदैवज्ञविरचित टीकासहित. *Mc* 1-8-

4174 विवादरत्नाकर by चण्डेश्वर ठाकुर, ed. by दीनानाथ विद्यालंकार (1885-1887). *Bi* 6-

4175 — on inheritance, transl. into Engl. by सीताराम शास्त्री. 1898. Roy. pt. II, 3, VII, 106. *Md* 3-

4176 विवेकपदमालजीर (जैन) गद्य *Jb* 1-8-

4177 विवेकमञ्जरी (जैन) of आसड with the comm of बालचन्द्रसूरि. *Jb* 5-8-

4178 विवेकचूडामणिः by श्रीशंकरभगवत्पादाचार्य. Text alone. 1919. pocket edn. F. cap. 8vo. pp. 119. *Jb* 4-

4179 — By श्रीशंकराचार्य. Text in Devanagari characters. with Engl. transl. notes and Index. pp. 258.by स्वामि माधवानन्द. *Ar* 2-

This is a most valuable compendium of Advaita Philosophy, quite indispensable to beginners, being a lucid authoritative treatise in delightful verse on this abstruse subject.

व

4180 विशुद्धिमग्गः—(धर्म) *Gu* 2-8-

4181 विवेकानन्दस्वामि, the complete works of, see—the complete works of विवेकानन्दस्वामि. 1337.

4182 विंशतिस्थानविचारामृतसंग्रहः श्लोकबद्ध (जैन) of जिनहर्षसूरी. *Jb* 4-8-

4183 विशिष्टाद्वैतविवरणमाला—(वेदान्त) of पं. सुदर्शनाचार्य. A work on वेदान्त philosophy by रामानुज, compiled by Pt. S. पजारी. 1902. 8vo. pp. 144, 3. 1-

4184 विवेकमञ्जरी. Part 1. *Vi*

4185 विशिष्टाद्वैतमतविजयवादः(वेदान्त)-नरहरि पण्डित कृतः। अत्र विशिष्टाद्वैतमते परेषामाक्षेपानिराकृत्य विशिष्टाद्वैततात्पर्यं व्यवस्थापितम्। *Gu* 1-

4186 विशिष्टाद्वैतविवरणमाला-पञ्चनदीयपाण्डे सुदर्शनाचार्यविरचिता। अत्र अद्वैतदूषण स्वयंप्रकाश शब्दस्य च कर्मज्ञानद्वैतनिरासः। हिरण्यगर्भादि जीवानां परमब्रह्मनिरासः योगमतनिरासः ब्रह्मणः प्रधानोपादानत्वं च। पुनः वैषम्यं नैर्घृण्यं पशुपतिमतनिरासः भागवतमतसंस्थापनम्। इत्यादयो विषया रामानुजमतेन सम्यङ्निरूपिताः। *Gu* 1-

4187 विश्वगुणादर्शचम्पू—पदार्थचन्द्रिका नामक टीकासहित. pp. 10, 313, 9. *N* 1-8-

4188 विषमपदव्याख्यापञ्जिका सायणाचार्य. विरचिता। लघुशब्देन्दुशेखरस्य व्याकरणस्य व्याख्यानम्। *Ch* 2-

4189 विष्णुसहस्रनाम by पद्मपुराण *Km?* 1-

4190 विष्णुपूजा—(पुष्करांकुश) *Kg* -8-

4190 — पद्यात्मकम्। *Kg* -4-

4191 विष्णुपुराणम् A prose Engl. transl. by M. N. Dutt. 1912. 2nd 8vo. pp. XII 464. *C* 10-

व

4192 — A prose Engl transl a system of Hindu mythalogy by Wilson & Cowell vol I & II (1-94-1800) each 15-

4192a विष्णुधर्मोत्तर a treatise on Indian Painting, Image-making by S Kramrisch 2nd edn 1924, Roy pp 59, part 3 *Cu* 3-

4193 विष्णुधर्मोत्तरपुराण—मूल *Vy* 10-

4194 विष्णुपादादिकेशान्तवर्णनस्तोत्रम् सटीक by शंकराचार्य *Km?* 1-

4195 विज्ञानभैरव (शिवयोग,) A Treatise on the *Kasmir Shaiva Yoga* with comm partly by क्षेमराज and partly by शिवोपाध्याय Another comm by आनन्दभट्ट *Km* 2-8-

4196 विष्णुपादादिकेशान्तस्तोत्रम् श्रीकृष्णसरस्वती कृतटीकासह *Vv* -8-

4197 विष्णुभक्तिकल्पलता (काव्य) पुरुषोत्तमविरचित, महीधरविरचित टीकासहित *N* -10-

4198 विष्णुलहरी orig संस्कृत with मराठी transl by केमकरशास्त्री

4199 विष्णुसहस्रनाम -plain *N* -2-

4200 — silk-cover *N* -5-

4201 — Bold type *N* -6-

4202 — Text in देवनागरी and Engl transl by R अनन्तकृष्णशास्त्री *Al* 2-8-

4203 ——— *Vy* -7-

4204 — शांकरभाष्यसहित *Vy* -8-

4205 — भाष्य of श्रीशंकरभगवत्पाद with the comm of तत्त्वज्ञानन्द Royal 8vo

4206 — *Vy* -5-

4207 विष्णुसहस्रनामार्थामृतम् by A. छत्रे 1913 cr pp 22 *Bd* 2-

4208 विष्णुसंहिता-(तन्त्र) *Tr* 2-8-

4209 Vision of वासवदत्ता (स्वप्नवासवदत्ता) ed with an introd Engl transl exegetical, critical, grammatical mythological and historical notes by Dr लक्ष्मण सरूप *Pu* 4-

4210 Vicissitudes of Aryan civilization in India (essay) which treats the history of the vedic & Buddhistic Politics, explaining their origin, prosoperity & decline by M M कुण्टे 1880 Roy 8vo pp 550 20-

4211 विज्ञप्तित्रिवेणि-संस्कृत ऐतिह्य निबन्ध, ed by मुनिजिनविजय 1916 8vo pp. 2, 702 1-

4212 The Village Gods of South India by the Right Rev Henry Whitehead 2nd edn revised and enlarged 1921 pp 176 with 18illustrations 4-8-

4213 वीतरागस्तोत्र, सटीक (जैन) of हेमाचार्य with the comm of विशालराजसूरि *Jb* 1-4-

4214 विश्वनाथभट्टीया। *Mu* -10-

4216 विश्वप्रकाश -(कोश) by महेश्वर ed by Pt. रत्नगोपालभट्ट *Ch* 3-

4217 विवाहदिनम् of मथुरानाथ शर्मा, ed by विश्वम्भर ज्योतिषार्णव and भगवान्दत्त ज्योतिषरत्न *Bi* 1-8-

4218 विश्वामित्र, वसिष्ठ, हरिश्चन्द्र and शुनःशेप by Pargiter R.A.S 1917. 1-8-

4219 — *and* वसिष्ठ by Partiger 1913 J RA S. 1-8-

व

4220 विशेषावश्यकभाष्य सटीक. 2-

4221 विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि of वसुबन्धु विंशति त्रिंशतिच, ed. by S levi संस्कृतमूलम् cr. 1925 5-

4222 वीतरागस्तोत्र orig संस्कृत with हिंदी transl 1915. crown pp 69, 4, 4 *Di* -3-

4223 वीरमित्रोदये-आन्हिकप्रकाश -(धर्म) by M. M. Pt. मित्रमिश्र, ed by Pt. नित्यानन्दपन्तपर्वतीय. *ch* -9-

4224 वीरमित्रोदये-तीर्थप्रकाश ,-(धर्म) ,by Pt मित्रमिश्र, edited by Pt विष्णुप्रसाद भण्डारि *ch* 9-

4225 वीरमित्रोदये-परिभाषा-संस्कारप्रकाशौ (धर्म) by Pt मित्रमिश्र, ed with मासिकपिण्डप्रदीपक—an independent essay by M M pt नित्यानन्दपन्त शर्मा. *Ch* 16-8-

4226 वीरमित्रोदये-राजनीतिप्रकाश —(धर्म) by Pt. मित्रमिश्र edited by विष्णुप्रसाद भण्डारि. *Ch* 7-8-

4227 वीरमित्रोदये-लक्षणप्रकाश -(धर्म) by Pt मित्रमिश्र edited by Pt विष्णुप्रसाद भण्डारि *Ch* 10-8-

4228 वीरमित्रोदये-व्यवहारप्रकाश (धर्म) by मित्रमिश्र. edited by Pt विष्णुप्रसाद भण्डारी *Ch*

4229 वीरमित्रोदये व्यवहाराध्याय -(धर्म) मित्रमिश्र विरचित ,ed by जीवानन्द विद्यासागर. *1875 8vo pp 712.* *Cc*

4230 — पूजाप्रकाश (धर्म) by M. M. Pt मित्रमिश्र ed by Pt विष्णुप्रसादशर्मा भण्डारि *Ch* 6-

4231 वीरमित्रोदय-(वैद्यक) मूल. *Mt* 2-

व

4232 VIRGIN WORSHIP, notes and queries of, see–The notes and queries on virgin worship 2312.

4233 THE WISDOM OF THE ARYAS by Bennett A Roy. 16mo. 2-

4234 THE WISDOM OF Upanishads (Germen) by Hertel J Cr pp. viii. 79. *Gr* 4-

4235 THE WOMAN IN ANCIENT INDIAN EPOS by Meyer J 15-

4236 THE WOMAN IN BRAHMAnism by Winternitz *Gr* 3-4-

4237 THE WAY to Nirvana by L DELA V Poussin Cr. 8vo *Cm* 5-

4238 WAVE OF BLISS or आनन्दलहरी transl. with comm *Tl* 1-8-

4239 वेणीसंहार-(नाटक) of भट्टनारायण, जगद्धरकृत-टीकासह pp 216 *N* 1-4-

4240 — Ed by B T. दवीद alias देशपांडेभास्कर with notes 1896 8vo pp 27,117,92 34,11. 2-

4241 — with संस्कृत comm बालबोधिनी by अप्पाशास्त्री राशिवडेकर & Engl. notes by प्रो K. N द्रवीड. *1910* 5-

4242 — publ by लक्ष्मणपुरी. 1901. 8vo pp 195 *Md* -12-

4243 — Ed with the comm of जगद्धर,curtailed and enlarged as necessary, various readings, a literal Engl transl. & critical & explanatory notes in Engl. by M. R. काळे. 1919. *Gn* 3-

न

4244 — Ed by Poof. K N दवीह 1922 2nd edn 8vo pp VII, 169 *Ou* 3-

4245 — Ed with जगद्दर's comm on the play & two prefatory notices by L R वैद्य & Engl. notes by N B गाडबोले 8vo अक 1-6 3-8-

4246 — Ed with introd literal Engl transl and notes-critical and explanatory, and appendices by A R गजेन्द्रगडकर. 1922 Roy pp 2 101, 111, 32 4-8-

4247 वेतालपञ्चविंशति or twenty-five stories of वेताल, transl from संस्कृत of देवदास. 1820 cr pp III,98 -8-

4248 — By जीवानन्द विद्यासागर, ed by Pt अनुनाथ विद्याभूषण. 1924 8vo pp 2, 350 *Cc* 2-

4249 THE VEDA OF THE BLACK YAJUS SCHOOL entitled तैत्तिरीय संहिता, translated from the orig sanskrit prose and verse by A B Keith 1914, the two vols not sold separately I pp clxxx 288 II pp 289-658. *Ho* 34-

4250 वेदभाष्यम् श्रीमद्दयानन्दसरस्वता स्वामिना निर्मितम् Roy pp 336. 4-8-

4251 वेदरहस्यमहत्त्वनाम *Vo* -1-

4252 वदस्तुति (श्रीमद्भागवतगता) छाकेन्दवायेतिभाष्य । अन्मायस्यतिशकाब्द । कर्तिनाथ पाप्यायकृतप्राग्यायतूहितभीधरीव्याख्या। pp 4, 63 *N* -12-

4253 THE VEDAS AND THEIR ANGAS AND UPANGAS, by विद्यारेडाङ vol I *Ad* 5-

व

4254 The vedas opinions of their authors and of later Indian writers in regard to their origin, inspiration and authority. 1861 Pt III 5-

4255 वेदाङ्गज्योतिष see अथर्वणज्योतिष 24

4256 ऋग्वेदसंहितापदसंहिता वेदार्थयत्न, orig sansk with marathi & Engl translation, complete set Vol 1-5. (Stray Nos are also available) *N* 75-

4257 वेदार्थसंग्रह ,वेदान्तप्रकरणग्रंथ । श्रीमता भगवद्रामानुजाचार्येण प्रणीत । वेदव्यासापरनामधेयश्रीसुदर्शनसूरिप्रणिततात्पर्यदीपिकाव्यख्यारयया सवलित । सत्सम्प्रदायाचार्य सर्वतन्त्र स्वतन्त्र पण्डित स्वामिश्रीरामभिश्रशास्त्रिण सशोधित । *Lz* 4-8-

4258 वेदान्त by Dr V S घाटे,— A study of the Brahmasutras with the भाष्यs of शंकर, रामानुज, निम्बार्क, मध्व and वल्लभ The present work, in its original French, was offered by the late Dr घाटे as a thesis for the Doctorate of of the Paris Univ in 1918 pp 184 2-

4259 वेदान्त अधिकरणमाला । *Vl* 1-

4260 वेदान्ततत्त्वसार Pt I & II. *Vj* 11-

4261 वेदान्तकल्पलतिका of मधुसूदन सरस्वति, ed with introd by G N झा & G N कविराज 1920 8vo pp 8, 81 7, 236 *Sbr* 1-12-

4262 वेदान्तकारिकावली by Pt बुच्चोराम प्रसाद शर्मा with a comm called अध्यात्मसुधातरङ्गिणि, ed by Pt हरिप्रसाद शर्मा कवि *Ch* 4-8-

व

4263 वेदान्त -Its Doctrine of Divine Personality by K. सुन्दरम्‌अय्यर Cr. 8vo pp 200. *Vo* 1-8-

4264 The Vedanta Doctrine of शङ्कराचार्य, comprising of शङ्करा चार्य's दक्षिणमूर्तिस्तोत्र 2 सुरेश्वरा चार्यंs प्रणवार्तिक & 3 दक्षिणमूर्ति उपनिषद् Text and transl ed by महादेवशास्त्री 1920 cr. pp Lxxv. 223, 4. 2nd edn. 2-

4265 वेदान्त-Its Ethical Aspect by K सुन्दरम्‌अय्यर, containing 23 chaprters with an appendix on "गीता How to understand it" Cr. 8vo pp. 400 Cl *Vo* 3-

4266 वेदान्ततत्त्वबोध (वेदान्त) निंबार्कीय, by अनन्तराम, edited by Pt. रत्नगोपाल भट्ट. *Ch* 3-

4267 वेदान्तडिण्डिम । *Vo* -2-

4268 वेदान्ततत्त्वविवेक -श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य नृसिंहाश्रमविरचित । तैलङ्गरामशास्त्रिणा संशोधित । -12-

4269 वेदान्तदीप —(वेदान्त) विशिष्टाद्वैत. A gloss on ब्रह्मसूत्र by रामानुजाचार्य, ed by भट्टनाथस्वामी. *Bn* 4-8-

4270 वेदान्तपारिजात. Pt. I 2 and 3 *Vj* 11-8-

4271 वेदान्तपरिभाषा धर्मराजाध्वरीन्द्रविरचिता । कृष्णनाथन्यायपञ्चाननप्रणीतया आशुबोधिनी समाख्यया टीकयासहिता । तेनैव संस्कृता प्रकाशिताच । 8vo pp. 368 *Sd* 2-

4272 —— with comm. परिभाषा प्रकाशिका by अनन्तकृष्णशास्त्री with a foreward by Prof राधाकृष्ण. 1927. Roy. pp XII, 378 *Cw* -6

व

4273 — By धर्मराजाध्वरीन्द्र with the comm. अर्थदीपिका by शिवदत्त पण्डित, ed. with notes etc by Pt. श्यामसुंदरशास्त्री *Hs* 1-4-

4274 VEDANTA-PHILOSOPHY.—outline of the वेदान्त system of philosophy according to शंकराचार्य by Paul Deussen, transl. by Woods and C B. Runkle 2nd edn. 1915 8vo pp 56. *Ho* 3-8-

This book, a translation of the summary given by Deussen at the end of his monumental work, *Das System des Vedanta* was first published in 1906 Since then thanks to the learning and enthusiasm of Charles *Johnston the whole great work* has been made accessible in an English version, nevertheless the small book was so inexpensive and practical, that a new edition was made in 1915. *The summary, although brief* and compact is yet so lucid and adequate,—in short so altogether admirable that it is not likely soon to be superseded by a better exposition of what has been to unfold millions at once a philosophy and a religion

4275 वेदान्तसूत्रs in देवनागरि characters and explanatory quotations from *उपनिषद्s, भगवद्गीता etc. and their* Engl. transl by श्रीधर मुजुमदार. Barisal. *Sl* 5-

4276 — Three lectures delivered by Max Muller *Lm* 5-6-

4277 — *By म. रिवार्ड. Ad* -12-

4279 *वेदान्तरत्नमञ्जूषा* A comm. from the view point of निंबार्क philoso-

व

phy on the दशश्लोकी of श्रीनिम्बार्काचार्य, by भागवत पुरुषोत्तम.

4280 वेदान्तरहस्यम्-(वेदान्त) वेदान्तवागीशभट्टाचार्यविरचितम् । अत्राद्वैतमतसिद्धान्तो निरूपितः । उपपतिश्च प्रदर्शिता । भाषाऽतिसरला प्रौढा च । *Gu* 1-

4281 वेदान्तसार (वेदान्त) नृसिंहसरस्वतीस्वामिकृतसुबोधिन्या, रामतीर्थविरचित-विद्वन्मनोरंजनीटीकया, जे- ई. जेकब एतेषामाङ्ग्ल टिप्पण्या पाठान्तरैश्च समलकृत । pp. 10 2, 80 *N* 1-4-

4282 — of सदानन्द with the comm, of आपदेव and a critical Engl introd. by Prof. K सुन्दरम् अय्यर Cr 8vo cl. *Vt* 1-8-

4283 — Transl into Engl with introd and notes by Dr. Ballantyne 1898, 8vo, pp, IV, 136. 3-

4284 वेदान्तसार A work. on वेदान्त philosophy, ed with introd and transl explanatory notes by म हिरिअण्ण 1929 8vo pp XX, 62 1-8-

4285 — of रामानुज, ed by महिभूषण भट्टाचार्य *Sd* 1-8-

4286 — By सदानन्दसरस्वती with पञ्चसमार्सीटीका, ed by श्रीयोगानन्दयतीन्द्र. 1890 8v pp. 10, 73, 2. -8-

4287 — In मराठी (ओवीबद्ध) by सदानन्द सरस्वती 1890. 8vo pp -8-

4288 वेदान्तसंग्रह(ऋक्संग्रह) philosophical selections from the ऋग्वेद, ed with a मराठी transl. and footnotes by V G पराजपे 1928. 4-

4289 वेदान्त-सिद्धान्तसंग्रह — (वेदान्त) Nimbarka Philosophy with a

व

commentary by वनमाली मिश्र and वेदान्तकारिकावली by पुरुषोत्तमप्रसाद शर्मा, with a comm called अध्यात्म सुधातरङ्गिणी, ed by देवीप्रसाद शर्मा कवि. *Ch* 4-8-

4290 वेदान्तसिद्धान्तादर्श -(वेदान्त) श्रीमोहनलालशर्मणा साम्प्रतं वेदान्तीयबृहद्ग्रन्थेषु प्रविविक्षुणा कृते प्रणीत । *Lz* 1-

4291 वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावली (वेदान्त) of प्रकाशानन्द with Engl transl and notes by Late Col. Arthur Venis pp 108. 1-12-

4292 वेदान्तसूत्रं रामानन्दसरस्वतीकृत ब्रह्मामृतवर्षिणी वृत्तिसहित । *Lz* 3-4-

4293 Vedanta Sutras with बलदेव s comm transl into Engl with copious explanatory notes by श्रीशचन्द्र विद्यारत्न *Po* 15-3

4294 — with Shankara's comm. transl into Engl by Thibaut vol I and II *Of* 2--8-

4295 — with the comm of रामानुज transl. into Engl. by Thibaut G 1904 vol XLVII, 8vo pp. XI, 800, 8 *Of* 19-

4296 —with the श्रीभाष्य of श्रीरामानुज transl into Engl by M रंगाचार्य & M B वरदराज अय्यंगार 1899. 8vo. pp. III, LXXV, 440 *Bs* 8-

4297 वेदान्तसंग्रह-(वेदान्त) पूज्यपाद भगवद्व्यासमहामुनिकृत । *Ch* -3-

4298 वेदान्ततन्त्रसुधाकरी -(वेदान्त) ब्रह्मानन्दसरस्वतीविरचिता । *Aa* 2-6-

4299 वेदान्तसारसंग्रह -(वेदान्त) शंकराचार्य विरचित । *Ch* -4-

वे

4300 वेदोक्तशिवार्चन-(स्तोत्र) शिवपूजाविधान Vy -5-

4301 वेदान्तात्मसिद्धान्तदीपिका 1918 -8-

4302 Vedic Antiquities By G Jouveau Dubreuil Ad 1-

4303 VEDIC AKHYANA AND THE INDIAN DRAMA. Origin of Tragedy and the Akhyana by Keith A 1912 (I R A S) each 1-8-

4304 VEDIC BASIS OF HINDU LAW by P V काण 1922 8vo pp 57, 82 -8-

4305 VEDIC BRAHMANA PERIOD of the religion of ancient India by Hardy E Gi 10-

4306 VEDIC CHRONOLOGY and Vedanga Jyotish by Tilak B G Mi 3-8-

4307 A Vedic Concordance, being an alphabatic index to every line of the published Vedic literature and to the liturgical formulas thereof, that is an index to the Vedic Mantras, with an account of their variations in the Vedic books, by M Bloomfield 1906 Royal 4to (12" x 10) pp xxiv+1078, half morocco Hc 90-

4308 A VEDIC GRAMMER FOR STUDENTS by A A Macdonell 1916 Crown 8vo ($7\frac{1}{4}\times5\frac{3}{4}$) pp xii+508 Of 7- 4-

4310 — by Macdonell with indices 1910 New 1100 g Gr 24-

वे

4311 VEDIC INDIA as embodied principally in the ऋग्वेद by Z A Ragozin with 36 illustrations and maps Fu 5-10-

4313 वेदिकशोध by हंसराज with an elaborate introd by भगवद्दत्त, comprising a concordance of all the etymologies meanings of the Vedic words attributes of different देवताs, scientific & moral passages and other usefull material contained in the 15 printed ब्राह्मणs of the वेद्s pt I. 8vo pp 4 94, 699 Dv 12-

4314 VEDIC MYTHOLOGY by Macdonell A 15-

4315 — By Hillebrandt in German 3 vols each 30-

4316 Vedic Hymns transl from the ऋग्वेद by Thomas E J 1923 cr pp 127 Wu 2-12-

4317 VEDIC LAW OF MARRIAGE or the emancipation of woman by Pandit महादेवशास्त्री श्रीनिवास बरहानपुर 3-

4318 Vedic Metre in its historical Development by Arnold E V Demy 8vo Cam 18-

4319 VEDIC PHILOSOPHY WITH माण्डुक्योपनिषद् Text and Transl by हरनारायण Id 2 8-

4320 A VEDIC READER for STUDENTS containing thirty hymns of the Rigved in the original Samhita, Pada Texts with transliteration, translation explana-

वे

tory notes, introduction and vocabulary, by A. A Macdonell 1897 Crown 8vo pp xxvii 264 *Of* 5-

4321 VEDIC RELIGION and CASTE by Pt महादेवशास्त्री श्रीनिवास वरदाचारि. *Md* -8-

4322 VEDIC & Sanskrit Syntax by Spayer J 1896 -8-

4323 वेमभूपालचरितम् A prose work by वामनभट्टबाण with a sk introd by कृष्णमाचारियर विद्यानिधी Cr 8vo pp xv=235 Cloth *Ks* 2-

4324 — by Pt K कृष्णमाचारियर 1921 Cr pp iv, 36 -4-

4325 वैखानसधर्मप्रश्न by वैखानस *Tr* -8-

4326 वैखानसस्मार्तसूत्रम् The domestic rules of the वैखानस school belonging to the कृष्णयजुर्वेद, critically ed by Dr Caland 1927 8vo pp vii, 145. *Bi* 2-

4327 — Translated into Engl by Caland 4-4-

4328 वैतानसूत्र,- the rituals of the अथर्ववेद, see—no 48. 6-

4329 — see—no 49

4331 वैदिकधर्म A संस्कृत हिंदी magazine ed by S D सातवळेकर 1920 Issues 10 & 11 yearly 3-8-

4332 वैदिकवाङ्मयम् by Pt केदारनाथ विद्याभूषण -8-

4333 वैद्यमनन्तस्तव-(वैद्यक) टिप्पणीसमेत । श्रीमन्मिश्रवंशीधरप्रणीत *Gn* 5-

4334 वैदिकपदानुक्रम, ed with गुजराथी transl by R C. परीख Roy pp 15,431 *Gpim* 3-8-

वै

4335 वैद्यजीवनम् (संस्कृत-हिंदी) भिषग्वर्यश्री लिम्बराजकविविरचितम्।श्रामयतिवर्यसुखानन्द कृतयार्थदीपिकया टीकासहितम्। प मिहिरचन्द्र-कृतभाष्यविवृत्या च समन्वितम्। 1920 Roy. pp 4,124 *Vy*

4336 वैद्यकशब्दसिन्धु -(कोश) *Cc* -10-

4337 वैद्यविनोद-(वैद्यक) मूल *Mt* 1-8-

4338 वैयासिकन्यायमालाविस्तर -(वेदान्त) भारतीतीर्थमुनिप्रणीत । *Aa* 1-12-

4339 वैयाकरणभूषण of कोण्डभट्ट with the वैयाकरणभूषणसार and the comm. काशिका of हरिराम, ed. with notes by K P त्रिवेदी. *Bp* 10-

4340 वैयाकरणभूषणसार (व्याकरण) पर्ण-टीकोपेत । *Kg* 4-

4341 — सरलटीकासहित *Kg* 2-

4342 वैयाकरणसिद्धान्तकारिका-(व्याकरण) कोण्डभट्टविरचितवैयाकरणभूषणसाराख्यव्याख्यासमेता । भट्टोजीदीक्षितविरचिता । *Aa* 12-

4343 वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषा-(व्याकरण) by नागेशभट्ट with two comments i e (1) कुञ्जिका of दुर्बलाचार्य and (2) कला by बालभट्ट edited by Pt सिताराम शास्त्री शेंडे *Ch* 15-

4345 वैराग्यशतकम् of भर्तृहरि Text and Translation, published by माधवानन्दस्वामि *Ad* -10-

4346 — भर्तृहरिकृत, कृष्णशास्त्री महाबळकृतटीकासह *N* -6-

4347 — अप्पयदीक्षितकृत. *Vy* -3-

4348 — गोस्वामिजनार्दनभट्टप्रणीत *Km 13* 1-

4349 — सटीक, (जैन) of गुणविजय *Jb* 1-8-

4350 — पद्मानन्द कविप्रणीत *Km1* 1-

व

4351 वैशाखमासमहात्म्य,सटीक, स्कन्दपुराणान्तर्गत. *Vy* 1-

4352 — पद्मपुराणान्तर्गत सटिप्पण *Vy* -12-

4353 वैशेषिकदर्शनम् (वैशेषिक) प्रशस्तपाद भाष्य तथा श्रीकृष्णशास्त्रीनिर्मितटिप्पणीसहितम् । *Mc* -12-

4354 वैशेषिकदर्शनम् । सटीक-प्रशस्तपादभाष्योपस्कारास्यसमन्वितम् । *Kg* 3-8-

4355 — of कणादमुनि with उपस्कार, वृत्ति and भाष्य ed. by M G बाकेशास्त्री 1918 8*vo.* pp 4 402 14 4. *Gu* 2-

4356 — सविवरणभाष्योपस्कारम्, of कणाद with a comm. called उपस्कार by शंकरमिश्र and प्रशस्तपादभाष्य by प्रशस्तदेवाचार्य, ed with comm by Pt दुण्ढिराजशास्त्री *Ks* 2-8

4357 — with the commentary of प्रशस्तपाद and the gloss called किरणावली by उदयनाचार्य ed by Pt. विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्वबे *Bu* 6-4-

4358 कणादमुनिप्रणीत प्रशस्तपादभाष्यसहितम् । *Bm* 1-

4359 — (टिप्पणीसहितम्) ed by जयनारायण तर्कपञ्चानन *Sd* 2-

4360 — (सभाष्यम्) ed by चन्द्रकान्त तर्कालङ्कार *Sl* 2-

4361 Vaiesika Philosophy, according to the दशपदार्थशास्त्र Chinese text with introd. and transl. and notes by H Ui ed by Thomas F W. 1917 Roy. pp xii 263. *Ra* 9-8-

4362 The Vaiesika system described with the help of the oldest texts, by FADDEGON B. 1918 20-

4363 THE VAISESIKA Sutras of कणाद with the comm. of शंकरमिश्र and extracts from the gloss of जयनारायण and चन्द्रकान्त *transl* by नन्दलाल सिंह. 2nd edn Roy. pp xxx, 335 *Po* 7-8-

4364 वैशेषिकसूत्रपाठ श्रीमहामुनिकणादविरचित. *Ch* -3-

4365 वैशेषिकसूत्रोपस्कार—जयनारायणतर्कपञ्चाननभट्टाचार्यविरचित. *Gu*

4366 वैष्णव शैव-सौर-गाणपत्य,-स्कन्द-and शाक्त-भक्ति-मार्ग by R. G. भाण्डारकर in Engl. 1913 *Bp* 3-8-

4367 वैष्णवउपनिषद्—(१अव्यक्त २ कलिसंतरण ३ कृष्ण ४ गरुड ५ गोपालपूर्वतापिनि, ६ तारासार ७ त्रिपाद्विभूतिमहानारायण ८ दत्तात्रेय ९ नारायण १० नृसिंहपूर्वोत्तरतापिनी ११ रामपूर्वोत्तरतापिनि १२ रामरहस्य १३ वासुदेव and १४ हयग्रीव) ed by Pt A. महादेवशास्त्री with the commentary of श्रीउपनिषद्ब्रह्मयोगी 1923. 8vo pp 31, 407 *Ad* 5-

4369 वैष्णवमहाभारत केवल भगवान विष्णुकीर्ति तथा श्रीधरटीकासमेतम् । *Vy* 7-

4370 Vaishnavite Reformers of India Their lives and writtings by T राजगोपाल चारियर 2nd edn cr pp IV, 128 *Nt* 1-8-

4371 The Vaishnava Literature of Mediaeval Bengal, by दिनेशचन्द्रसेन 8vo pp 312 *Cu* 4-6-
The book contains a connected history of the influence of Vaishnava

व

Literature of the Mediaeval Age on the development of Bengali Language, *with concluding chapters on the* relation between the Buddhistic and Vaishnava creeds and similarity between Vaishnavism and Christianity It clearly shows how religion once played a great part in the building up of our national literature

4372 वशब्राह्मणम् सामवेदीयम् 5-

4373 वृत्तचन्द्रिका,—श्रीरामदयालु-विरचित *N*

4374 वृत्तप्रत्ययकौमुदी श्रीमद्रामचरणशास्त्रिविरचिता *N*

4375 वृत्तमणिमाला, orig संस्कृत with मराठी transl by केमकर शास्त्री. 1-

4376 वृत्तमणिमाला (छन्द) by श्रीनिवासकवि. A treatise on sanskrit metre V*i* -2-

4377 वृत्तरत्नाकर (छन्द) सटीक, स्थूलाक्षर. *Mi* -7-

4378 — pp 3, 98 IV. *N* 1-

4379 — केदारभट्टेनविरचित । विस्तृत-टीका-प्रमाणादिभिः समलंकृत । ed. by रेवतीकान्त भट्टाचार्य. cr *Cc* -10-

4380 वृत्तिवार्तिक-(अलंकार) श्रीमदप्पयदीक्षितप्रणीत *N* -3-

4381 वृन्दावनस्तोत्र गुर्जरअनुवादसहिता। *Vi* -10-

4382 वृन्दमाधव-(कर्म) कुसुमावल्याख्यटीकासंवलित *Aa* 6-12-

4383 — (वैद्यक) सिद्धयोग कण्ठदत्त व्याख्यासहित. *Aa* -12-

4384 वृन्दावनमहात्म्य, मूलमात्र *Iy* -12-

4385 वृद्धचाणक्य संस्कृत with मराठी transl publ. by v. D घुरते. 1914 8vo अध्याय 17. *Bo* -12-

व

4386 वृद्धवचनोद्धार with मराठी transl. by केमकर शास्त्री. 1888 Roy. pp. 126 1-

4387 वृद्धिदीपिका (धर्म) आशौचकाण्डम् । श्रीमत्तर्कतेश्वरशास्त्रिणा विरचिता तथा श्रीमृत्युञ्जयमानसिकपूजनम् । श्रीमच्छङ्करभगवत्पाद विरचितम् । *Ch* -3-

4388 वृषभानुजा—(नाटिका) श्रीमथुरादास विरचिता । *N* 5-

4389 व्रतराज-(धर्म) श्रीविश्वनाथदैवज्ञविरचित. *Ch* 6-

4390 — (धर्म) V*y* 6-

4391 व्रतोत्सवचन्द्रिका in Hindi ed by Pt. श्रवणलाल शर्मा. 3-

4392 व्रात्यताप्रायश्चित्तनिर्णय -(धर्म) महान-लघुश्च by नागेशभट्ट.

4393 व्रात्यनाग्रहिसंग्रह-: compiled by order of the महाराज of जयपुर, ed. with a prefatory notes by Pt नारायणशास्त्री खिस्ती. & Pt जगन्नाथशास्त्री होसिंग. 1-8-

4394 व्रात्यस्तोमप्रयोग orig संस्कृत with मराठी transl. by V, S. दाते 1920. 8vo, pp. 5-2-

4395 व्यङ्कटेशसहस्रनाम-(स्तोत्र) भूषणटीका समेत. *Vy* -12-

4396 व्यक्तगणित-(ज्योतिष) बापूदेवशास्त्री कृत सम्पूर्ण *Ky* 1-8-

4397 व्यक्तिविवेक-(अलंकार) by महिमाभट्ट with commentary *Tr* 2-12-

4398 व्यवहार-बालम्भट्टी (धर्म) An extensive comm on व्यवहार, portion of मिताक्षरा, by विज्ञानेश्वर, and by बालम्भट्ट पायगुण्डे, ed. by Pt. नित्यानन्दपन्त under the supervision of and with introd. by गोविन्ददास of दुर्गाकुण्ड *Ch* 16-8-

व

4399 — in orig. with Engl transl with references to मिताक्षरा, वीरमित्रोदय, व्यवहारमाधव, कमलाकर and जीमूतवाहन's दायभाग, also the याज्ञवल्क्यस्मृति complete in orig with an Engl transl notes and an introd on the sources of, and appendices containing notes on various topics of Hindu Law by V N मण्डलीक 1880 pt I and II Roy pp 16, 177, Lxxxvi 532. *Oa* 40-

1400 — A treatise on positive law by नीलकण्ठ भट्ट Engl transl with notes etc by J R घारपुरे 1924 pt II Roy pp xxxii 232 *Bo* 15-

1401 — with a short historical sketch of भगवद्देव in Hindi, by K शिवनाथसिंग ed by M G बाके & V R हेरे. 1923 8vo pp 10, 156 *Gu* 1-12-

1402 — of नीलकण्ठ with notes, by Prof P V काणे *Bp* 10-

1403 व्यवहाररत्न-(ज्योतिष) भामदास्तनाथ विनिर्मित *Ch* -8-

4404 व्याकरणश्लोकपत्रम। pt 1 & 2 *Su* 1-4-

4406 व्याकरणवीथी (व्याकरण) *Kg* -8-

4407 व्याकरणप्रयत्नलावली by कृष्णाचार्य 1918 *Mu* -6-

4408 व्याकरणदीपिका पाणिनिसूत्रवृत्ति। श्रीरामभट्टविरचिता॥ *L* 8-8-

1409 व्याकरणभूषणसार —सरलटीकासहित। *Gbl* 2-

4410 व्याकरणमहाभाष्य शब्दसूचि compiled by Pt श्रीधरशास्त्री पाठक and सिद्धेश्वरशास्त्री चित्राव "A monument of patient industry. No Oriental Library can afford to be without it" pp. 1150 15-

4411 व्याकरणमहाभाष्यम्। पूज्यपादभगवान्महामुनिपतञ्जलिप्रणीतम्। म म श्रीकैयटोपाध्याय—नागोजिभट्टाभ्यां रचिताभ्यां प्रदीपोद्योताख्य विवरणाभ्यां समुल्लसितम्। नवाह्निकपर्यन्तम्। प्रथमाध्याय द्वितीय पादादि समाप्तिपर्यन्त म म श्रीकैयटविरचित प्रदीपसहितम्। 25-

4412 — पूज्यपादभगवत्पतञ्जलिप्रणीतम्। कैयटविवरणसहितम्। नवाह्निकपर्यन्तम्। *Ch* 5-

4413 — of Patanjali by Dr. F. Kielhorn vol II & III 2nd edn (Text only) each *Bp* 9-

1414 — (व्याकरण) कैयटविवरणप्रदीपटीकोपेतम् *Kg* 24-

1415 व्याकरणमहाचतुष्ट—(German) Grammaticas sanskrit, ed by Othmarus Frml. Roy pp xvi, 2, 5, 218 *G* 30-

1416 व्याकरणसिद्धान्तदर्पण-(व्याकरण) A Sanskrit grammer in English by Pt ब्रजनन्दन 1899 pt I & II Roy pp II, 111 *L* 2-

1417 व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधि-(व्याकरण) A comm of Panini-sutras by विश्वेश्वरसूरि, ed by पं नन्दन and Pt माधवशास्त्री भण्डारी *Cl* 15-

1418 व्याख्यानमाला, स्वामी रामतीर्थजी सङ्कलित *Mu* -12-

1419 व्याख्यानरत्नाकर *L* -1-

4420 व्यायामज्ञानदीपक—(हठयोग) by मारुत वैद्यक cr 8vo *L* -8-

व

4421 व्युत्पत्तिवाद (न्याय) म म पण्डित श्रीजयदेव मिश्रविरचित तथा जयनाम्ना टीकयान्वित । द्वितीय विभागेऽयन्त ।
4422 — कृष्णभट्टीटिकासहित । *Kg* 4-
4423 —— *Su* 2-
4424 Verb Inflection in Sanskrit by Avery J 12-
4425 Varieties of the Vishnu Image by Pt विद्याविनोद *Gi* -12-
4426 *The Verbal system of* अथर्ववेद see—no 34
4427 The view-point of न्यायवैशेषिक Philosophy by G N कविराज *Sb*
4428 Vocabularie buddhique sanskrit chinois, by Aarlez 1897
4429 Votive Inscriptions on the stupas at साँची *Gi* 1-6-
4430 विवेकानन्दस्वामि the complete works of see—The complete works of विवेकानन्दस्वामि 1337
4431 व्यक्तव्यसत्तम् (काव्य) By पद्मनाभ शास्त्री, ed by G V शंकर -3-
4432 VARENDRA Research Society a catalogue of the archaeological relics in the museum, see—A catalogue of the Archaeological relics in the museum of V R Society 1343
4433 विजयधर्मसूरि reminiscences of, see-reminiscences of विजयधर्मसूरि
4434 विजयानगर, a forgotten empire of see—A forgotten empire of विजयनगर 2785
4435 VISHNU IMAGE the varieties of, see-The varieties of विष्णु Image

व

4436 विज्ञानेश्वर mitakshara treatise on the succession of, see-The Mitakshara treatise on the succession of विज्ञानेश्वर 3131
4437 वेदांत Philosophy, some aspects of, see—some aspects of the विशेष Philosophy
4338 WILLIAM JONES *memoirs* of life writing and corro pondence of, see—The memoirs of life, writing and corro pondence of William Jones 3529
4439 वेद, the religion of, see-The religion of वेद 3872
4440 — upto Upanishadic period, general introd and philosophy of, see-The general introd. and philosophy of the वेद upto Upanishadic period 1703
4441 वेदाs *the Researches in see*—The Researches in वेदाs 3878
4442 — The Artic home in the वेद's, see-The Artic home in the वेद's 377
4443 वेदान्त *the aspect of see*— The aspect of वेदान्त 278
4444 — An outline of, the see—An outline of the वेदान्त 983
4445 — the philosophy of, see The philosophy of वेदान्त 2799
4446 — System of philosophy, an outline of, see—An outline of the वेदान्त system of philosophy 983

व

4447 — the system of ब्रह्मसूत्र according to, see—the system of ब्रह्मसूत्र according to वेदान्त

4448 — सूत्राण the studies in, see—The studies in the वेदान्त सूत्राs

4449 — thought and culture, the systems of, see-The systems of वेदान्त thought and culture

4450 VEDIC authors, the chronology of, see-The chronology of Vedic authors

4451 VEDIC period, Indus valley in, see—Indus valley in the Vedic period. 546.

4452 — Researches modern, main results of, see Main results of Vedic Researches 3538

4453 — sacrifice and magic, ritual literature of, see-Ritual literature of Vedic sacrifice and magic

4454 VEDANTISM, the studies in, see-The studies in Vedantisim

4455 WESTERN India, British Beginnings in see-British Beginnings in Western India

4456 वैष्णव religion, the philosophy of, see—The philosophy of वैष्णव religion 2798

4457 वैष्णविज्म, early history in South India, see—Early history of वैष्णविज्म in South India 216

4458 शुंगसेन हिंदि text of कथा मञ्जरी-ति, critically ed by Pincott. *Cu* 7-

श

4459 शंकरसखा, the companion of God, in Engl. by आनन्द-स्वामी 8vo pp. 141 *Norway* 3-

4460 शक्तिवाद by हरिनाथ तर्कसिद्धान्त. Part I *Sd* -12-

4461 — माधवीटीका. *Kc* 1-4-

4462 — मञ्जुषाटीका *Ku* 1-4-

4463 शक्ति and शाक्त. ESSAYS AND ADDRESSES ON THE शाक्ततन्त्रशास्त्र, BY A AVALON pp VII--XII, 1-499. *Tl* 7-8-

4464 शतत्रयम् by भर्तृहरि 1918 cr. pp 2, 74. *Vi* -8-

4465 — नीति, वैराग्य, and शृंगार by धनराजकवि *Km13* 1-

4466 Shatakas or wise sayings of भर्तृहरि, transl into Engl from sansk with notes & introductory preface on Indian Philosophy by Kenney J M 8vo. pp 160. 6-8-

4467 SHATAKAS of भर्तृहरि transl. into Engl. from the orig संस्कृत by WORTHAM H 1886 cr pp-XII, 71, 52 *Kp* 10-

4468 शतश्लोकि । *Su* -8-

4469 शतदूषणी of व्यंकटनाथ वेदान्ताचार्य, ed by Pt. आनन्दाचार्य विद्याविनोद (1903-1904) 2 fasc *Bi* 1-8-

4470 - Part 1, 2 and 3 together *Su* 11-11-

4471 शतसाहस्रिकाप्रज्ञापारमिता, ed. by प्रतापचन्द्र घोष. (1902-1914) Pts. I-II. 19 fascicles. *Bi* 16-

4472 शतपथब्राह्मणम् in the माध्यन्दिनशाखा extracts from the (1)

श

commentary of सायणाचार्य, (2) हरिस्वामि and (3) द्विवेदगंगा, ed. by Dr. A. Weber. Complete Reprint. *Gr* 60-

4473 — Translated into English by J. Eggling, complete in 5 Vols *Of* 56-4-

4473ɪ — in the काण्वीयशाः — Text ed. for the first time with an Engl *introduction* of 120 pages by Dr. Caland. 1926 part I. *Mt* 10-

4474 शतश्लोकीप्रमाण, सटीक. *Vy* -5-

4475 शतश्लोकी by श्रीशंकराचार्य, orig. संस्कृत with मराठी transl. by बापटशास्त्री. 1922 8vo pp 124. *Ak* 1-

4476 शब्दकौस्तुभ-(व्याकरण) by pt. भट्टोजी दीक्षित, ed. by विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदि & गणपतिशास्त्री मोकाटे. 6fas. 9-

4478 शब्दभेदप्रकाश-स्फोटचन्द्रिका-(कोश) शब्दभेदकोश एकाक्षरकोशश्च। N -1-

4479 शब्दमंजरी-(व्याकरण) *Vc* -6-

4480 —— *Bm* -5-

4481 — अनन्तनारायण शास्त्रिणा संकलिता (अव्यय-समास-धातुमालिकासहिता) cr. pp 2, 132. *Vd* -6-

4482 — Glazed edn *Vd* -2-

4484 शब्दरूपावलि-(व्याकरण) गुजीकाङ्कन. *N* -2-

4485 — compiled by T. R कृष्णाचार्य 1927.cr. pp. xvɪ, 6. -8-

4486 — A collections of words of Panini-Grammar, ed. by Pt. श्रीकनकलालशर्मा *Hs* -2-

4487 —अर्थात 100 सस्वकशब्दानारुपाणि। *Ch* -2-

श

4488 शब्दशक्तिप्रकाशिका (व्याकरण) by Pt. जगदीश तर्कालंकार. 8vo. Part I, pp 158. *Cu* 1-6

4489 — श्रीकृष्णकान्तीयटीकासहिता। *Kg* 4-

4490 शब्दसमपद (निघण्टु) अगस्त्यमहर्षिप्रोक्तं लघुनिघण्टु।श्रीशंकराचार्य विरचित संग्रामनिनाममालिकाख्य लघुतरनिघण्टुसंहितः। *Vz* -8-

4491 शब्दार्थचिन्तामणि (कोश) by सुखानंद. Vol 4 Roy. pp. 3193 25-

4492 शब्दानुशासनम्-(व्याकरण) by अभयचन्द्रसूरि, publ by J. M शेर्मा 1907. 8vo pp. 12, 414, 74 *Ko* 3-

4493 शाकटायनव्याकरण शाकटायनाचार्यविरचित श्रीयशोवर्माचार्यविरचितया टीकयोपयुक्तम् वृत्तिसहितम्। ed. by मुन्नालाल जैनि. pp 907. 7-

4494 —— श्रीमदभयचन्द्रसूरि प्रणीत प्रक्रिया सग्रह सहितम्। *Ch* 4-8-

4495 — यक्षवर्मकृताचिन्तामणीटीकासहितम्। (German) transl. of Sutras and explanations by सुखठणकर. v. अध्याय १, पाद १ 2-

4497 शांकरदिग्विजय—(वेदान्त) सटीक. *Vy* 4-

4498 शाङ्करि-(व्याकरण) श्रीशंकरभट्टविरचितः। लघुशब्देन्दुशेखरस्य परिभाषा प्रकरण पर्यन्तस्य-व्याख्यानम्। *Ch* 3-

4499 — कारकोशस्व्याख्या *Mc* -6-

4500 शाकुन्तल—(नाटक) of कालिदास with the comm of—राघवभट्ट, various readings, introduction. literal transl. exhaustive notes and appendices by M. R. काळे. 1925. 6th edn. 8vo. pp. 67,

श

220 83, 210 revised and enlarged *Gn* 4-8-

4501 — The Purer दुर्गाध्यक्ष,Text ed with Literal Engl transl various readings preface, full notes and appendices by P N पाटणकर 1902 8vo pp 19 2 223, 89, 6, 16, 3 4-8-

4503 — French transl by Deveza G *Tr* 2-

4504 — (सटीकम्) ed by कृष्णनाथ न्यायपञ्चानन *Sd* 2-

4505 — Ed by हरिदास सिद्धान्तवागीश *Sl* 3

4506 — Ed with comm copious notes, and introd by K M जोगळेकर *Sl* 3-

4507 — Ed with a संस्कृत comm by S D गजेन्द्रगडकर and introd notes-critical & explanatory and appendices by Prof A B गजेन्द्रगडकर *Sl* 5-

4508 — with introd (German) text in Nagari and प्राकृत and notes by Cappeller 1909 2nd edn Roy pp 20 160 9-

4509 — सप्रयाख्यानम् । *Mp* 1-8-

4510 — with a new & exhaustive commentary by B B रामचन्द्र and रामशिरोमणि *Fd* 1-12-

4511 — The Bengali recension critically ed in the orig संस्कृत and प्राकृत by Prof Richard Pischel, at the Univ of Berlin Roy 8vo pp 250 *Ho* 18-6-

श

As descendants of भरत the Hindus are called भारताः Their "continent" is called भारतवर्ष and their great epic is called the Great Bharata (Story or Fight) महाभारत शकुन्तला is the mother of भरत and the beautiful story of her birth and life is told in the Great Epic This play is a dramatization of that story,and is the masterpiece of the literature of India

4512 — पोथी size 1871 pp 48, अंक 1-7 *Oa* 2-

4513 — of श्रीवेदव्यास—ed and publ by किंजवडेकरशास्त्रि 1928 cr pp 31 -4-

4514 — with the commentary of अभिराम, with a critical Engl introd and several half-tone & colour Illustrations Cr 8vo pp 1 332 Cloth *Vi* 8-

4515 — A sansl drama ed with the देवनागरी Recension and Engl transl of all the metrical passages and notes by M Williams 1875 2nd edn 8vo pp xii, 310 *Of* 16-

4516 — राघवभट्टकृत अर्थद्योतनिका टीकासहित \ 1-8-

4517 — in हिंदी critically ed with grammatical, idiomatical and exegetical notes by Pincott 1876 Act 1-7 Roy pp xii, 137 *Lm* 7-8-

श

4518 — Text with an orig. sansk. comm and critical and explanatory notes in Engl by S Ray *Ad* 3-8-

4519 — A poetic transl by वासुदेवराव ठाकोर *Ad* 1-12-

4520 — with comm *Gn* 1-8-

4521 — (essay) on the application of a few canons of textual & higher criticism to कालिदास's—by Dr. बेलवल्कर 2-4-

4522 शब्देन्दुशेखरव्याख्याशाकरी. *Mu* -10-

4523 शत्रुंजयमाहात्म्योक्त्यद्—(जैन) of माणिक्यसूरी. *Jb* 1-

4524 शाङ्खायनारण्यकम्—(वेद) *Aa* 9-

4525 शाङ्खायनब्राह्मणम्—(वेद) ऋग्वेदान्तर्गतम् *Aa* 1-4-

4526 — Ed by Keith *Of* 25-

4527 शाण्डिल्यभक्तिसूत्रम् with the comm of स्वप्नेश्वर. *Po* 1-

4528 शाण्डिल्यभक्तिसूत्रभाष्यम् । *Vl* -4-

4529 शाण्डिल्यस्मृति—(धर्म) *Vy* -6-

4530 शान्तिनाथचरित्रम् by अजितप्रभाचार्य, ed by उपाध्याय श्रीइन्द्रविजय (1909-1914) 4 fasc *Bi* 5-

4531 — पद्य 3-

4532 — शान्तिचरित्र (जैन) by वत्सराज. *Jb* 1-6-

4533 शान्तिमयूख—(धर्म) *Gu*

4534 शान्तिविलास By नीलकण्ठ दीक्षित *Kmb* 1-

4535 शान्तिसार—(धर्म) *Vy* 2-

4536 शान्तिशतकम or a hundred verses on tranquility, orig sansk text, ed with notes, Engl

श

transl by M चनर्जी 1896 cr pp. IV, 55, 24 *Cc* 5-

4537 शाब्दनिर्णय -(वेदान्त) by प्रकाशात्मयतीन्द्र *Tr* -12-

4538 शाब्दार्थप्रकाशिका, रामकिशोरकृता *Gu* -8-

4539 शारदातिलक (तन्त्र) सटीक *Kg* 4-

4540 शार्ङ्गधरपद्धति—(सुभाषित) with preface by P Peterson 1888 8vo pp. 7, 784 *Bo* 10-

4541 — (वैद्यक) मूलमात्र, अञ्जननिदानसहित *N* 1-

4542 शार्ङ्गधरसंहिता, मूल *Mt* 1-

4543 — with दीपिका & गूढार्थदीपिका टीका. *Mt* 4-

4544 शार्ङ्गधरसंहिता, सटीक श्रीमत्पण्डितदामोदरसुतशार्ङ्गधराचार्यविरचिता। आढमल्लविरचित दीपिकाव्याख्यया । पण्डित काशिरामवैद्यविरचित गूढार्थ दीपिकाव्याख्यया च समन्विता ।

4545 — orig ed with मराठी translation by P L वैद्य 1917 8vo 3-

4546 SHORT HISTORY OF INDIA from the earliest times to the present day by Havel E B with maps and illustrations cr 8vo *Cam* 3-

4547 SHORT MANUAL OF comparative philology by Giles. 1901 10-8-

4548 Short History of Aryan Medical Science by Bhagvan Singh Jee 1896 Roy pp 217. 20-

4549 Short History of India and of the Frontier States of

श

Afghanistan, Nepal and Burma by J. S. Wheeler. 1884. 8vo pp. xiv, 744 12-6-

4550 Short History of Indian Literature by Horrwitz. cr. pp. xxiii, 188 5-

4551 शाश्वतधर्मदीपिका-(धर्म) मन्वादिस्मृति भारत इतिहासेभ्यः श्रीगणेशशास्त्रिणा सन्ग्रहिता। Lz 1-

4552 शास्त्रदर्पण, a masterly treatise on the ब्रह्मसूत्र by अमलानन्द, the author of कल्पतरु Crown 8vo. Cloth. Vt 2-8-

4553 शास्त्रदीपिका प्रथमतर्कपाद N 1-8-

4553a शास्त्रदीपिका—(मीमांसा) तर्कपाद-मीमांसा by पार्थसारथी मिश्र with the comm. called युक्तिस्नेहप्रपूरणि by Pt रामकृष्ण मिश्र, and ed. by लक्ष्मणशास्त्री द्रविड Ch 5-

4553b शास्त्रदीपिकातर्कपाद (मीमांसा) रचनदीय पण्डितसुदर्शनाचार्यशास्त्रिप्रणीतप्रकाशाख्यया सहिता। Ch 5-

4553c शास्त्रसिद्धान्तलेशतात्पर्यसंग्रह-(वेदान्त) A prose abridgment of अप्पयदीक्षित's सिद्धान्तलेशसंग्रह by वासुदेवब्रह्मानन्दसरस्वती, ed. by T. M. त्रिपाठी 1908. N -8-

4554 शास्त्रसिद्धान्तलेश सटीक. सटिप्पण. book size. Kg 3-

4555 — पद्यात्मक, सटिप्पण. Kg 3-

4556 शास्त्रसोपान, धर्मशिक्षा in हिंदी. cr pp. 48. Kg

4557 शाश्वतकोश and नानार्थरत्नमाला by कुलकर्णी N. N. 1928 New edn. revised. Os 2-

4558 शिल्परत्नम्—(शिल्प) by श्रीकुमार. Part I. Tr 3-4

श

4559 शिवकर्णामृतम् -(वेदान्त) by अप्पयदीक्षित. Cr 8vo. Vt -6-

4560 शिवकालीन जन्त्री. Or 5-

4561 शिवकाव्य by पुरुषोत्तम क.कवि. A historical poem in संस्कृत on the rise, greatness & fall of the Maratha Empire from the times of शिवाजी the great to the abdication of बाजीराव the II, ed. by J B. मोडक. 1887. 8vo. pp. 126, 2, 4. 5-

4562 शिवकेशादिपादान्तस्तोत्रम् by शंकराचार्य Lmd 1-

4563 शिवचरित्रप्रदीप publ by आपटे and दिवेकर. B.I.S.M 4-

4564 शिवगीता—(वेदान्त) पद्मपुराणोक्ता । बालानन्दिनीव्याख्या सहिता । N -8-

4565 — with the comm, of परमहंसेन्द्र सरस्वति. Part. I Chapters. 1-3. Vt -8-

4566 शिवछत्रपति by सुरेन्द्रनाथसेन. 8vo. pp 284. Cu 4-14-

A translation of the oldest systematic biography in Marathi of the great Maratha hero, the Sabhasad Bakhar, with extracts from Chitnis and Shivadigvijaya with explanatory notes

4568 शिवतत्त्वविवेकम् (शिवार्चनमाला) by अप्पयदीक्षित publ. by V. सदाशिव अय्यर, 1895 Roy. pp. 112 Ams 2-

4569 शिल्पशास्त्र, ed. with introd notes & transl by P N. बोस 1928. 8vo. pp. 37 Ml 2-

4570 शिवतत्त्वरहस्यम्-(वेदान्त) A commentary on the शिवस्तोत्र by नीलकण्ठदीक्षित. Cr. 8vo. Vn -12-

शि

4571 शिवताण्डवस्तोत्र मूल Vy -12-

4572 शिवप्रोक्त Kn

4573 शिवध्यानरत्नमाला, सटीक Gs -6-

4574 शिवनामकल्पलताल्वाल of भास्करराय with a comm by व्यंकटाचल, ed by Pt भवानीशंकर 1911 Roy pp 2 82 1-

4575 शिवपरिणय of कृष्णराजानक A poem in the Kashamiri language, with chaya or gloss in Sanskrit by M M मुकुन्दरामशास्त्री ed by SIR GEORGE A GRIERSON (1914-1925) 6 fascicles Bi 5-4-

4576 शिवनाथ शास्त्री A sketch of his life & teaching by S N तत्वभूषण 1920 cr pp 48 -8-

4577 शिवपादादिकेशान्तवर्णनस्तोत्रम् by शंकराचार्य KmG 1-

4578 शिवपुराण, Engl transl Po

4579 — मूल 24000 Vy 10-

4580 शिवभारत (काव्य) of कवीन्द्र परमानन्द edited with 8 half tone and coloured illustrations and an introd by T S कुप्पस्वामीशास्त्रीगल cr 8vo pp 48-467 Cloth Vo 2-8-

4581 —— Tr 2-

4582 शिवमानस by गोकुलनाथ Kms 1-

4583 शिवसंहिता in संस्कृत with Engl transl, by S C वसु & ed by B D वसु 1914 Sep Roy pp 87 Po

4584 शिवसहस्रनाम-मूल Vy -3-

4585 — सटीक स्कन्दपुराणान्तर्गत शिवतत्त्वविवेकिनीनामसंस्कृत टीकासहित Vi -6-

4586 —— N -3-

शि

4587 शिवसूत्रवार्तिक, शिवसूत्रवृत्ति, and स्पन्दकारिका by राजानकभास्कर Bound in one Cloth boards Kn 2-8-

4588 — by वरदराज ed with preface & foreward by pt मधुसूदन कौल शास्त्री Km 2-

4589 शिवसूत्रविमर्शिनी of क्षेमराज, tran l into Engl by P T S अय्यर 8vo pp 33-48 Sl 1-8

4590 — Being the Sutras of वसुगुप्त with frontispiece preface and introd in Engl and a comm by क्षेमराज Kn 3-

4591 शिवस्तुति by नारायण पण्डित Kn 1

4592 — by लंकेश्वर Km 1-

4593 शिवस्तोत्रावली (Stotras) by उत्पलदेवाचार्य with the commentary of क्षेमराज ed by रामप्रसाद मिश्र and his son कालीचरण मिश्र Ch 3-

4594 शिवानन्दलहरी (वेदान्त) with Engl translation -8-

4595 शिवज्ञानबोध शिवाग्रयोगि विरचित लघुटीकासहित । पादरीजानसनमहाशयपाठिताहितम् वाराणसीस्थराजकीयसंस्कृतपाठशालाध्यापकनन्दलालाचार्येण शोधित । L 2-

4596 शिवाजी by Y N सरकार Pl 5-

4597 — The Maratha his life and times (1627-1680) By H G RAWLINSON 1915 Crown 8vo (7½+5½) pp 126, 2 illusts and map Of 2-4-

4598 शिवापराधक्षमापनस्तोत्रम् by शंकराचार्य N -8-

4599 — by शंकरभगवत्पादाचार्य Engl transl Io -2-

श

4600 — by शंकराचार्य transl in to Engl. by G C सुन्दरम् 1922 cr pp 3 20 38 त्रिचूर -8-

4601 शिशुपालवध—(काव्य) of माघ मल्लिनाथकृत सर्वंकषा टीकासहित *N* 2-8-

4602 — सर्ग 1—2 *Kg* -8-

4603 — सर्ग 1—3 *Kg* -12-

4604 —— published by गोंधळेकर 1890 सर्ग 1—3 1-4-

4605 —— वल्लभदेवकृतयासन्देहविषौषधिव्याख्यया श्री मल्लिनाथकृतया सर्वंकषाव्यख्यया समेतम् संपूर्णम् । *Ch*

4606 — with the comm of मल्लिनाथ, introd dealing with all important points, critical and explanatory notes and literal Engl *transl* by V R नेरूरकर & M S मण्डारे 1918 cantos 1 to 4 cr pp xviii 140, 55, 176 *St* 2-8-

4607 — आदित सौंद्रघामिक *Gbd* -6-

4608 —— —— *Gl l* -8-

4609 — (सर्गीकम) ed by हरिपद चट्टोपाध्याय *St* 3-

4610 — transl into Engl by P N पाटणकर 1907 cantos 1—4 cr pp 34 *Kg* 1-8-

4611 शिक्षाविनयपाठसंग्रह (व्याकरण) सटीक शिवसूत्रपाठ, गणपाठ, वार्तिकपाठ, धातुपाठ लिंगानुशासनम्, परिभाषापाठ, उणादिसूत्रपाठ, फिट्सूत्राणि पाठामसविंग्रन्थ *Kg* -12-

4612 शिक्षाश्रेणि, सटीक *Vt* -1-

4613 शिक्षासमुच्चय नागरी text ed by C Bendall Fasc 1-4 20-

श

4614 SIKSHA-SAMUCCAYA A compendium of Buddhistic teaching, compiled by शान्तिदेव chiefly from early महायान सूत्रs transl from the Sanskrit by C BENDALL and W ROUSE 1922 *Mm* 18-6-

4615 शिक्षादिवेदषडंगानि-(वेद) १ शिक्षा, २ ज्योतिष, ३ छंद, ४ निघंटनिरूक्त ५ श्रौतसूत्र गृह्यसूत्र तथा ६ अष्टाध्यायी *N* 1-4-

4617 शिक्षादिवेदांगचतुष्टयम्—१ शिक्षा, २ ज्योतिष ३ छंद, ४ निघंट *N* -4-

4617 THE SIKH RELIGION-the आदिग्रन्थ by M A Macaulife in 6 Vols *Ml* 47-

4618 शीलगुरुचरितामृतम् *Sbr*

4619 शीलांक *A critical study based* on orig sources by कालकरजन annorgs 1921 cr pp iv 452 *Cc*

4620 शीलप्रकाश शैलकवृत्त-(जैन) by पन्नालालाणी *Jb* -12-

4621 शुकसप्तती (कथा) Sk Text ed by Schmidt *Gr* 7-8-

4622 शुकसन्देश *Mp* -4-

4623 शुक्रनीति—(नीति) transl by Prof विनयकुमार सरकार with an index by कुमारनरनाथ ला 1923 Roy pp 270, xxiii *Po* 6-

4624 शुक्रनीतिसार orig Sk, Text with various selections by G Oppert 1882 Roy, pp xxii, 285 rare 10-

4625 शुक्लयजुर्वेद or the white यजुर्वेद of उवट & महीधर, complete in 4 parts *Bi* 8-

शु

4626 शुक्लयजुर्वेदीय वाजसनेयि माध्यन्दिन-संहिता (काण्वशाखा पाठान्तरसहिता ऋषि-देवता स चिभाग्य सूत्राश्च) स्वाध्यायमण्डल स्थानेकपण्डितानां साहाय्येन विविधप्राचीन हस्तलिखितपुस्तकपाठानुसारेण ed by S. D Satavalekar Roy 8vo 1927 pp 8 240 *Oundh* 2-8-

4626*a* — Transl into Engl with a popular comm by R T H. Griffith *Lz* 5 4-

4627 शुक्लयजुर्वेदीयमाध्यन्दिनीयमन्त्रपाठ संहिता. *Rt* 6-

4628 — माध्यन्दिनीयमन्त्रसंहिता। *Rt* 3-8-

4629 — पदसंहिता। *Rt* 3-8-

4630 — संहिता (पद्यी साज) 1915 दशकाः 1-14 pp 187 *Sp* 4-

4631 — माध्यन्दिनसंहिता याज्ञवल्क्य-शिक्षा, प्रतिज्ञासूत्र, सर्वानुक्रम अनुवाक्सूत्र तथा सर्व मन्त्राणां अकारादिवर्णक्रमकोश *N* 3-

4631*a* — मन्त्रपादानां वर्णानुक्रमसूची, ed by श्री दा सातवळेकर Roy 8vo pp 118 1929 1-0 0

4632 — संहिता —माध्यन्दिनवाजसने-यिशाखीया उवट—महीधरभाष्यसहिता — शास्त्री यावारबपरिशिष्टसहित *N* 5 8-

4633 शुक्लयजुर्वद रुद्राष्टाध्यायी—स्पष्टार्थ *N* -5-

4634 — काण्वसंहिता—(वैदिक) सायणाचार्यभाष्यसहिता। भाग १—२—३ अध्याय २० *Kj* 10-

4635 शुक्लयजुस्सर्वानुक्रमसूत्रम् of कात्यायन with the comm of याज्ञिकानन्त देव, ed and annotated by Pt युगलकिशोर *Bn* 4-

शु

4636 — ब्राह्मणसाहित, ed by S D सातवळेकर औंध Roy 8vo pp 104 1929. 1-0-

4637 शुक्लयजुः प्रातिशाख्यम्—(of the White Yajurveda) by कात्यायन with the comm of उवट, the Pratijna sutras with the comm. of अनन्तदेव the निरुक्त डिक्षानादिका सूत्राः also with अनन्तदेव s comm Definitons of जटा &c or Eight-fold permutations of Vaidik text with illustrations and comm The परिशिष्ट of Rik and Yaujus, the Parishishta sutras of the अनुवाक्ध्याय and शौनक's चरणव्यूहपरिशिष्ट sutras with expositions of महादास, ed by Pt युगल-किशोर पाठक *Bn* 6-

4638 शुद्धाद्वैतमार्तण्ड — (वेदान्त) A compendium of philosophy by गोस्वामीगिरिधरजीमहाराज with a comm called प्रकाश by रामकृष्ण भट्ट and प्रमेयरत्नार्णव by बालकृष्णभट्ट, ed by Pt रत्नगोपाल भट्ट *ch* 1-8-

4638*a* — प्रमेयरत्नार्णव सहित Vi 1-8-

4639 शुद्धाद्वैतसिद्धान्तसार Vi -3-

4640 शुद्धिकौमुदी by गोविन्दानन्दकवि कङ्कणाचार्य ed by कमलकृष्णस्मृतितीर्थ-भूषण 1904-1905 *Bi* 3-12-

4641 शुद्धिभास्कर —(धर्म) भास्करमिश्र महाराय विरचित। *Ch* -8-

4642 शुद्धभास्कर। *Gbd* -8-

4643 शुद्धिसर्वस्वम पण्डितवर श्रीरामामिश्र शास्त्रिणा प्रणीतम्। *Kg* 1-

4644 शैवाचरभ्रमज्ञसंग्रह—सचित्रचरित्र, मूलाष्टी, अन्वय भाषाय सहित *Sp* -8-

श

4645 SHAIVISM and Vaishnavism and minor religious systems by Dr भाण्डारकर *Bp* 3-8-

4646 शैवोपनिषद (1अक्षमालिक 2अथर्वशिख 3 अथर्वशिर, 4 कालाग्निरुद्र, 5 कैवल्य, 6 गणपति, 7 जाबाली 8 दक्षिणामूर्ति, 9 पञ्चब्रह्म, 10 बृहज्जाबाल, 11 भस्मजाबाल, 12 रुद्रहृदय, 13 रुद्राक्षजाबाल, 14 शरभ and 15 श्वेताश्वतर) edited by A महादेवशास्त्री. with the comm of श्री उपनिषद्ब्रह्मयोगी 1925 8vo pp 175 *Ad* 5-

4647 शङ्करविजयम् by विद्यारण्य with the commentary called डिण्डिमा by धनपतिसूरि cr 8vo V*t*

4648 शङ्करदिग्विजयम् see 4712

4649 शङ्कराभ्युदय by राजचूडामणि दीक्षित with the commentary of रामकृष्ण सूरि V*t*

4650 शङ्करस्तावः four episodes from the महाभारत 1866 8vo pp 90 *Bu* -14-

4652 शंकराचार्य—his life and times in Engl by C N कृष्णस्वामिअय्यर and his philosophy by Pt सीतानाथ तत्त्वभूषण 5th edn 8vo pp 109. *Nt* -12-

4653 Sankara's Select works with comm and Engl transl by S व्यङ्कटरामन् 8vo pp V 290 *At* 2-

4655 Sankaracharya—the Great and his Successors in काञ्ची, by व्यङ्कटरमन *Ad* 1-8-

4656 शङ्करगतिकम् by जयनारायण Songs to the goddess पार्वती after

श

the गीतगोविन्द of जयदेव ed by Pt. भट्टाचार्य 8vo pp 3, 26 *Sd* -6-

4657 शङ्कराचार्य and रत्नाकर An essay in मराठी—सकृत by Dr S K. बेलवलकर with a reply by B G. टिळक 1918 Roy. pp. 29 *Sn* -8-

4658 शङ्कराचार्य व त्यांचा संप्रदाय in मराठी by M R. बोडस cr pp 176 1-8-

4659 शृङ्गारतिलक by रुद्रभट्ट. *Km8* 1-

4660 शृङ्गारतिलक—(काव्य) of महाकवि कालिदास. *N* 1-

4661 शृङ्गारतिलकभाण—श्रीरामभद्रदीक्षितकृत *N* -8-

4662शृङ्गारतिलक (काव्य)of भर्तृहरिकृत,कृष्णशास्त्रीमहाबलकृतटीकासह *N* -5-

4663 शृङ्गारतिलक of रुद्र and शृङ्गारलीला of रुय्यक by Pischel *Gr* 3-

4664 शृङ्गारभूषणभाण-वामनभट्टबाणविरचित. *N* -3-

4665 — By वामनभट्टबाण. 8vo pp. 28 *Vz* -2-

4666 शृङ्गारदीपदार्पणत्रिंशती दिवाकरसूरिप्रणिता. publ, by A C भगवानदास 1926 8vo pp, 8 *Ah*

4667 शृंगारअमृतलहरी By सामराजदीक्षित. *Km5* 1-

4668 शृंगारशतक By कवि नरहरि *Km14* 1-

4669 — By गोसामिजनार्दनभट्ट *Km2* 1-

4670 शृंगारसर्वस्वम्। *Vt* 2-8-

4671 शृङ्गारसर्वस्वभाण—नल्लाकविरचित. *N* -7-

श

4672 श्राद्धक्रियाकौमुदी-(कर्म) A treatise on स्मृति by गोविंदानन्दकार ककणाचार्य, ed. by कमलकृष्ण स्मृतिभूषण 1904 fasc 1-6 *Bi* 5-8-

4673 श्राद्धमञ्जरी—(कर्म) केळकरोपाह्वबापुभट्ट विरचिता । *Aa* 2-

4674 श्राद्धमयूख —(धर्म) नीलकंठभट्टकृत । श्राद्धभेदतद्विशाधिकारिदन्यादि निरूपणपरः। ed. by M. G. बाकेशास्त्री and V. R. छेले 1920. 8vo. pp. 6,161, 8. *Gu* 1-8-

4675 श्राद्धमार्तण्ड (कर्म)श्रीमार्तण्डसामयाजी विरचित । श्रीशुक्लयजुर्वेदीयकण्वशाखीय । ed by चिद्म्बर रामचन्द्र देवज्ञ. 1922. 8vo pp. 19 *Sp* 1-

4676 श्रावणमहात्म्य *Vi* -12-

4677 श्राद्धविधि सटीक,-गयरय, (जैन) of रत्नशखरसूरि. *Jb* 11-

4678 श्रीकण्ठचरित-(काव्य) of मङ्खकवि जोनराजकृतटाकासहित सर्ग ५ *N* 2-8-

4679 श्रीकृष्ण, by S. चतर्जी, transl. by K. C. SEN and T THOMPSON. Introd by E. J. THOMPSON. 1922 pp xii+176. *Of* 2-

4680 श्रीकृष्ण —his life and teachings by धीरेन्द्रनाथ पाल *Ca* 10-

4681 श्रीकृष्ण of द्वारका and other stories by B A Kincaid 1920 cr pp 96 *Tu* 1-8-

4682 — By B C पाल 1-8-

4683 — the Lord of Love by बाबाभारती 5-

4685 श्रीकृष्णविलासकाव्यम्, सुकुमारकविविरचितम्, रामपाणिपादविरचितया विलासिन्याख्यव्याख्ययोपेतम् । *Ch* 12-

श

4687 श्रीकृष्णाष्टकम्, सटीकम् -1-

4688 श्रीचक्रसंभार-A Buddhist Tantra, ed. by Kazi Dausamdup with a foreword on the वज्रायन by Avalon *Tt* 5-

4689 श्रीचन्द्रचरित्र श्लोकबद्ध-(जैन) 2nd edn. *Jb* 6-

4690 श्रीधर्मकल्पद्रुम-(संस्कृत—हिंदी) An exposition of सनातनधर्म as the basis of all religion & philosophy by श्रीस्वामी दयानन्द 1917. Roy. pp. iv, 215, 6 1-6-

4691 श्रीधरीया-(व्याकरण) प. श्रीधरशर्मा-विरचिता, लघुशब्देन्दुशेखरस्य प्रथमकारकान्तव्याख्यानम्। *Ch* 1-

4692 श्रीजयनगरपञ्चरङ्गम्-(काव्य) by मङ्गमट हरिवल्लभ गोरङ्गकारा, कान्ताक्षोजशतोकय, शृंगारछदये, दशकुमारदशा, सुकसुकानि, देवीस्तोत्र, publ, by गुर्जर मुद्र 1891 8vo pp 2, 114. *Bo* 2

4693 श्रीनिवासचंपू. *Gn* 1

4693*a* — *Vy* 1-

4694 श्रीनिवासविलासचंपू—of व्यंकटेशकवि. धरणीधरकृतटीकासहित *N*

4695 श्रीपतजातकपद्धती—(ज्योतिष) *Kg* -12-

4696 श्रीपादसप्तति । *Mp*

4697 श्रीपालचरित्र- गद्य,(जैन) of जयकीर्तिसूरि. 4th edn *Jb* 2-

4698 श्रीभाष्य (वेदान्त) of रामानुज ed. by Pt रामनाथ तर्करत्न (1881-1891).

4699 — ed. by वासुदेवशास्त्रि अभ्यंकर. Vol. I and II containing text and notes respectively. *Bp* 17-8-

श

4700 — transl. into Engl. by म रंगाचार्य अय्यगार. 1899. Vol I. 8vo. pp III xxv, 440. (चतुःसूत्रीभाग) Md 8–

4701 श्रीभाष्य ed. by Rev. Johnson with assistance of पण्डित भागवताचार्य & वेङ्कटनाथशास्त्री. 1916 Roy pp 506 Lz 6–

4702 — English translation by Thibaut Of 18-12-

4703 श्रीभाष्यवार्तिकम्—(वेदान्त) A (Treatise on विशिष्टाद्वैत वेदान्त) also यतीन्द्रमतदीपिका—(वेदान्त) byश्रीनिवासाचार्य and सकलाचार्यमतसंग्रह—(वेदान्त) ed. by रत्नगोपालभट्ट. Bn 3-

4704 श्रीरंगमहात्म्य Mi -6-

4705 श्रीलक्ष्मीसहस्रम्-(काव्य) by व्यंकटाध्वरि, with the comm called बालबोधिनि by श्रीनिवास Pt. or रावजीभट्टराज, edited with अवतारिका's (contexts) by pt रामशास्त्रि तैलंग Ch 12-

4706 श्रीविज्ञानभैरव with commentary partly by क्षेमेन्द्र and partly by शिवोपाध्याय, ed with notes by M M pt मुकुन्दरामशास्त्रि 8vo pp 144, 64. Km 2-8

4707 श्रीविद्यारत्नसारणी, by गोडपाद Sb -9-

4709 श्रीविजयचन्द्रकेवलिचरित— (जैन) दृष्टान्तयुक्त प्राकृत पद्यबद्ध. पोथी साइज pp. 15. 6-

4710 श्रीविरमा By शिवप्रसादवर्मा Km? 1-

4711 श्रीशिवशिवोपपत्त्यापाद by शिव स्वमूर्ति. Km ? 1

श

4712 श्रीशङ्करदिग्विजयः —of विद्यारण्य, धनपतिसूरिकृताडिण्डिमाख्यटीकया, मोहकोपाख्यच्युतरायविरचिता द्वैतराज्यलक्ष्मीटीकान्तर्गतविशेषविषयटिप्पण्या च समेत। Aa 6-

4713 श्रीश्रेयसमर्दीयचरितम्-(जैन) A short account of the life of समादित्य by बाबू गोपीचन्द 1928 sup cr Roy. 12 mo N

4714 श्रीसूक्तभाष्यम्। Su -2-

4715 श्रीसूक्त-(वैदिक) भाष्यत्रयसहितम् with three commentaries (1) by विद्यारत्न (2) by पृथ्वीधर and (3) by श्रीकण्ठाचार्य, ed. with notes by Pt ढुण्डिराजशास्त्री. Ks -6-

4716 श्रीहर्ष—(निबन्ध) in मराठी by P. G पारसीनीस जी 1958 8vo. pp 3, 2, 4, 171 -12-

4717 — of कनोज. A Great Ruler of India —The Golden Age of Indian History by Prof. K. M' Pannikar, 1922. 8vo. pp. III, 52 Ts

4718 श्रुतबोधश्रुतरत्नाकर by हरिप्रसाद शर्मा. 1884 8vo. pp 93 Bo 1-

4719 श्रुतबोधरत्नाकर- (छन्द)Vy -10-

4720 श्रुतबोध by कालिदास, ed. with आनन्दवर्धिनि comm in संस्कृत and तात्पर्यप्रकाश in हिंदी by मनसाराम ठाकुर Ks -6-

4721 — (छन्द) by महाकविकालिदास, edited with Sanskrit and Hindi comm named विमला by pt कनकलाल शर्मा. Hss -3-

4722 श्रुतिमतोद्योत by श्यामशास्त्रि. cr. 8vo. Vi -8-

श

-4723 — (वेदान्त) माधुरस्य कामाक्षी विरचितया सभितटिप्पण्यासमेत।

-4724 श्रुतिरत्नप्रकाश (वेदान्त) भट्टश्रीत्र्यम्बक शास्त्रिप्रणीतः। *Ch* -12-

4725 श्रुत्यन्तसुरद्रुमः (वेदान्त) A Comm. on सविशेषनिर्विशेषकृष्णस्तवराज of निम्बार्काचार्य by पुरुषोत्तमप्रसाद श्रुतिसिद्धान्तमञ्जरी (वेदान्त) A comm. on सविशेष निर्विशेष कृष्णस्तवराज of निम्बार्क, ed. by रत्नगोपालभट्ट *Bn* 4-8-

4726 श्रुत्यन्तकल्पवल्लि-(वेदान्त) A comm. on सविशेषनिर्विशेषकृष्णस्तवराज of निम्बार्काचार्य by पुरुषोत्तमप्रसाद वैष्णव,ed. by Pt. गोपालशास्त्रि नेने *Ch* 3-

4727 श्रेणिकचरित्र श्लोकबद्ध (जैन)of हेमाचार्यजी. 2nd edn *Jb* 2-

4728 श्रौतपदार्थनिर्वचनम्,-(कोष) इह खलु वैदिकवाक्यानां यथार्थेन ज्ञानंविना मीमांसापरिशीलनं न कथमपि लभ्यतइतिप्रसिद्धम्। मीमांसाशास्त्रस्य गाम्भीर्यतया वाक्यार्थज्ञाने-पदार्थज्ञानरूपकारणतया तत्तत्सोमादिक्रतुपदार्थज्ञानस्य कारणत्वेन विना तद्ज्ञानं नैव भवेत्कथञ्चिदपि मीमांसायामधीकार इति विज्ञाय श्रीमता सोमणोपाह्व भागेश्वरशास्त्रिणा श्रौतपदार्थनिर्वचननामाय ग्रन्थो विरचितः। 1919 Roy pp 338, 2nd. edn *L*. 6-

4729 श्रौतसूत्रम्-(कर्म) सत्याषाढविरचितम्। (हिरण्यकेशिन्) 6 parts with commentaries *An* 15-12-

-4730 — of लाट्यायन with the comm. of अग्निस्वामि,ed. by आनन्दचन्द्र वेदान्त वागीश. 8vo pp. 4, 782, 43, 118. *Bi* 25-

-4730*a* श्रौतसूत्र of आपस्तम्ब belonging to the तैत्तिरीयसंहिता with the comm

श

of रुद्रदत्त, ed by R Garbe. Vol. II (6-15 प्रश्नाः) *Bi* 25-

4730*b* — of द्राह्यायण Part I, ed by I. N. Reuter 1904 *Lu* 25-

4731 श्रौतसूत्र कात्यायनीय, see—कात्यायनीय श्रौतसूत्र. 1092.

4732 — जैमिनीय, see—जैमिनीय श्रौतसूत्र. 1776

4733 श्वेताम्बर्स ऑफ गुजरात-(जैन) on the literature of the श्वेताम्बर by Dr. Hertel 2-

4734 श्वेताश्वतर Text and Transl. by S P. वर्मांशास्त्री *Ad* 3-

4735 श्वेताश्वतरोपनिषत् कृष्णयजुर्वेदीया सभाष्या, तथा शंकरानन्दकृता श्वेताश्वतरोपनिषद्दीपिका, नारायणकृता श्वेताश्वतरोपनिषद्दीपिका, विज्ञानभगवत्कृत विवरणं च। *Aa* 2-4-

4736 — Transl into Engl by Prof. S. वर्मांशास्त्री 1916 Roy. pp. xi, 120, iv. *Po* 3-

4737 श्लोकवार्तिक of कुमारिलभट्ट translated into Engl. with extracts from the comments. of सुचरितमिश्र and पार्थसारथिमिश्र, by M. M गंगानाथ झा. (1900-1905) *Bi* 10-
(for Sk. Text see 3457.)

4738 श्यामलादण्डकम् (काव्य) by कालिदास. *Km1* 1-

4739 ———— *Bm* -1-

4740 शतपथब्राह्मणम् (काण्वशाखीय.) see—काण्वशाखीयशतपथब्राह्मणम् 1081

4741 शब्देन्दुशेखरव्याख्या शाकरी, see —शांकरी शब्देन्दुशेखरव्याख्या 4,498,-99.

4742 शाक्यबुद्ध, romantic legend from Chinese sanskrit, see—Ro-

श

mantic legend from Chinese sanskrit of शाक्यबुद्ध. 3903

4743 शांग्टु, notes on the old mongolion capital of, see—Notes on the old Mongolian capital of शांग्टु. 2310.

4744 शिवाजी, a chapter from the life of, see—A chapter from the life of शिवाजी.

4745 शिल्पशास्त्र Indian, the principles of, see—The principles of Indian शिल्पशास्त्र. 2748.

4746 शीख्स the history of, see—The history of the शीख्स.

4747 शुद्रक's मृच्छकटिक, the date of, see — The date of शुद्रक's मृच्छकटिक. 1825.

4748 शंकर, the philosophy of, see—The philosophy of शंकर. 2797.

4749 शंकराचार्य, the select works of, see—The select works of शंकराचार्य.

4750 षड्दर्शनचिन्तनिका (वेदान्त) or Studies in Indian Philosophy, मीमांसादर्शनवृत्तिसह. orig. संस्कृत with मराठी and Engl. transl 1877. 8vo. pp. xv, 15, 5

4751 षड्दर्शनसमुच्चय (जैन) -4-

4752 — A brief account of बौद्ध न्याय, सांख्य, जैन, वैशेषिक and जैमिनीदर्शन by हरिभद्रसूरि with a comm. called लघुवृत्ति by मणिभद्र, ed. by Pt. दामोदरलाल गोस्वामि. *Ch* 1-8-

4753 षड्दर्शनरहस्यम् संस्कृतटीकासहितम्-(मीमांसा) श्रीमन्महर्षिजैमिनिर्मितमकरन्दफलितविषयाणि न्यासैः प्रणीतानि। *Ch* 1-8-

ष

4754 —— *Kg* 1-4-

4755 षड्विंशब्राह्मणम् विज्ञापनभाष्यसहितम्। by Eelsingh H F. 12-

4756 षडशीतिः—(धर्म) by आदित्याचार्य with a commentary, called शुद्धिचन्द्रिका, by नन्द alias विनायकपण्डित धर्माधिकारि, ed. by वैद्यनाथशास्त्री वरकळे and लक्ष्मीश्वर धर्माधिकारी. *Ch* 2-

4757 षट्चक्रनिरूपणम्. A work on the six centres of the body by पूर्णानन्दस्वामि with commentary of शंकर. पादुकापञ्चकम्. ("five-fold foot stool of the गुरु"). with a commentary of कालीचरण and notes from the टीका of विश्वनाथ on the second पटल of कैवल्यकालिकातन्त्र. pp. 154. *Tt* 2-

4758 श्रीपादुकापञ्चकम् by A. Avalon vol II *Tt* 2-

4759 षट्त्रिंशत्तत्वसन्दोहः—(जैन) with the comm by राजानक आनन्द, ed. with notes by Pt. मुकुन्दरामशास्त्री. 1918 *Km*

4760 षट्पदमञ्जरी—(काव्य) शंकराचार्यस्य. टीकासमेता। *Gu*

4761 षट्प्रश्नोपनिषद् with the भाष्य of मध्व and टीका of जयतीर्थस्वामि. and with मराठीय टिप्पणी. *Ut* 12-

4762 षाण्मासिकवृत्त, ed by K. C. मेहेंदळे 1912. Book 4, part 20 8vo pp. 2, 128, 3830, 25. *B. I. S.m.* 3-8-

4763 षाडशकलाविद्या छांदोग्य उपनिषद् (German) by Luders H. 1-

4764 षोडशयन्त्रा-(बालबोधा) by पुरुषोत्तम, ed. by श्रीवल्लभ शर्मा. 1917. 8vo. pp. 24. *N* -3-

स

4765 षोडशग्रन्थग्रन्थीपत्रम्, संस्कृत, जैन and हिंदी Mss. during the year 1911-1912 deposited in the संस्कृत College Benaras. 1913. Roy. pp. 18. -2-

4766 सखा—the comrade, by स्वामि श्रीभगनन्दाचार्य. 8vo. pp 105. 2-

4767 सजल्पल्लभ (काव्य) भानुपण्डित विरचित टीप्पणसहितः *Gn*

4768 सत्कार्यवाद: causality in सांख्य by G. N. कविराज *Sb*

4769 सत्पथहारः by केमरस्वामी, contains (1) राजनीति मुक्तकं टिप्पणम्, (2) श्रीगुरुतत्वार्थाविस्तकम्, (३) श्रीनारायणाष्टकम्, (4) विष्णुलहरी, (5) सिद्धान्ततत्वादर्शी प्राकृत टीकासह, (6) लक्ष्मीलहरी, (7) रामगीता, and (8) वृत्तमणिमाला with मराठी टीका. 1888 8vo pp 1-72. 1-50. 2-

4770 सदयवत्सचरित्र—(जैन) 2nd edn *Jb* 4-

4771 सदाशिवभट्टी—(व्याकरण) सदाशिवभट्ट विरचिता । लघुशब्देन्दुशेखरस्य स्त्रीप्रत्यय प्रकरणपर्यन्तस्य व्याख्यानम् । *Ch* 3-

4772 सदाशिवेन्द्रस्तुति—(स्तोत्र) श्रीधरकृत. *Md* -2-

4773 सदुक्तिकर्णामृतम् of श्रीधरदास, ed. by pt रामावतार शर्मा. (1912-1921) 2 fasc. *Bi* 1-8-

4774 सद्धर्मपुण्डरीक sansk. text, ed. by Profs H Kern and B Nanjio Fsc 1-5. each -5-

4775 — Transl. into English from the Sanskrit, by H. KERN. *Of* 12-

स

4776 सतसई of तुलसीदास, edited. by बिहारीलाल चौबे. (1888-1897) fasc 5. *Bi* 3-12-

4777 सत्यनारायणकथा. मूल स्कन्दपुराणान्तर्गत अध्याय ५. *Vy* 3-

4778 — भविष्योत्तर पुराणान्तर्गत अध्याय ७ *Vy* 3-

4779 — मूल अध्याय ७. -6-

4779*a* सत्यहरिश्चन्द्र (नाटक) कविरामचन्द्रकृत 8vo. pp 6, 15, 48 *N* -8-

4779*b* सत्प्रतिपक्षगादाधरी ( ) *Mu* -15-

4780 सप्रमाणतत्वदीप. प्रकरणत्रय. *Vl* 4-

4781 सनत्सुजातीय-(वेदान्त) सभाष्यम् (A conversation between धृतराष्ट्र & सनत्कुमार mentioned in the उद्योगपर्व of महाभारत. with भाष्य of शंकर भगवत्पाद and a commentary by नीलकण्ठ, ed by Pt. भाऊशास्त्री वझे. *Ks* 1-4-

4782 सनत्कुमारचरितम् (German) by Jacobi H. 1920. Sup Roy. pp. 164 7-

4782*a* सन्त्स's and letters in मराठी selected by P V मावजी. and D. B पारसनीस. 1913.

4783 सनातनसन्ध्या मूलमात्र *Mc* -3-

4784 सप्तगीतम्, *Vl* -8-

4785 सप्तपदार्थी—(वैशेषिक) by शिवादित्य together with its comm. मितभाषिणी of माधवसरस्वती. *Roy* pp. 77- 81 *Vj* 1-12-

4786 — by घाट with notes &c. 1919. 8vo pp. xi, 88. *Oa* 1-8-

4787 सप्तशती pp 16. *N* 1-4-

4787*a* — Loose sheets *N* 1-

4787*b* — Silk-cover *N* -12-

स

4787c — N -9-

4787d — Silk-cover. N -8-

4787e — Very small edn.

4788 सप्तभंगीतरंगिणी-(जैन) Su 1-8-

4789 सप्तशतकम् of हाल. Text ed. by Weber. Ml 7-

4790 समयमयूखः by नीलकण्ठभट्ट ed. by M. G. बाकेशास्त्री. and v. R. केळे. 1918. 8vo. pp. 2, 187, 8 Gu 1-4-

4791 समयमातृका-(काव्य) श्रीक्षेमेन्द्रविरचित. N -10-

4792 समञ्जसावृत्ति of नृसिंहनारायण शिरोमणि, unpublished gloss on the ब्रह्मसूत्र. Ss

4793 समसंस्कृतप्राकृतमहावीरस्वामिस्तोत्र by जिनवल्लभसूरि. Km7 1-

4794 समराङ्गण. A work on Architecture, town planning and engineering by king भोज of धार(11 th century) ed by M M T. गणपति शास्त्री. 1921 vol. I and II. each Go 5-

4795 समयोचितपद्यमालिका (काव्य) प्रासंगिक श्लोकचरणान्त । प्रतिश्लोकानामसंग्रहः । pp 75. N -8-

4796 SUMMARIES of papers read at the First Oriental conference. Poona. Bp 5-

4797 समराइच्चकहा of हरिभद्र, ed by col. Jacobi H. (1908–1923) fasc. 8. Bi 6-

4798 समासचन्द्रिका-(व्याकरण) Ch -1-

4799 समसमुच्चय (जैन) ग्रंथविवृति कान्यानि. N 1-4-

स

4800 सभाष्य व्यवहारसम्यक्पञ्चमोद्देश :— (जैन) Principles of daily practice with annotations, pt 5. A Jain religious book, by देवीदास छगनलाल. 1928 Roy. 12 mo. pp.29. Dj -8-

4800a सभाप्रदीप अथवा सभा व संस्था चालविण्याची माहिती.-मराठी by गजानन. cr. pp. 8, 89. -8-

4801 सभारञ्जनशतक By नीलकण्ठ. Km4 1-

4802 समरादित्यचरित्र—(जैन) of मतिवर्धनजी. Pt. 1, 2nd edn Jb 7-8-

4803 समासेनाणाध्यायमित्रपाठ. अस्मिन् पुस्तके तत्तत्सूत्राणां वार्तिकानि गणाश्च तत्र तत्र सूत्रेषु संयोजिताः Bm -12-

4804 समासचक्रचन्द्रिका-(व्याकरण) सूत्राधार व्याकरणान्तर्गत, संस्कृत with मराठी transl. by रेमकरशास्त्री 1888. Roy. pp. 52. -8-

4805 सम्यक्त्वकौमुदी गद्य (जैन)2nd edn. Jb 2-

4806 सर्वदेवप्रतिष्ठासंग्रह-(धर्म). Vy -4-

4807 समाधिराजसूत्र — (बुद्ध). Roy. pp 72.

4808 सर्वदर्शनशिरोमणिः (वेदान्त) Su

4809 सर्वदर्शनसंग्रह — (वेदान्त) मूल of माधवाचार्य. Aa 2-

4810 — or Review of the different systems of Hindu Philosophy by माधवाचार्य, ed. by COWELL E and GOUGH A. 1904, 4th edn. Roy. pp. ix, 281. Kp 10-8-

4811 — or an epitome of different systems of Indian phi-

स

losophy, transl into हिंदी by Pt W. N पिंह 1922 Sup. Rcy. pp 10, 308 *Bo* 3-

4812 — with an orig comm in संस्कृत and exhaustive indices, by वासुदेवशास्त्री अभ्यंकर pp 160-643 10-

4813 सर्वमतसंग्रह —(वेदान्त) *Tr* -8-

4814 सर्वमतसंग्रहविलास -(वेदान्त) १ अद्वैत, २ विशिष्टाद्वैत ३ द्वैत, ४ श्रीकण्ठसिद्धान्त, ५ पाञ्चरात्र, ६ वल्लभ, ७ भास्कर, ८ निम्बार्क, ९ सांख्य, १० योग, ११ वैशेषिक, १२ न्याय, १३ शाक्तखण्डन १४ बुद्ध, १५ जैन, १६ चार्वाक, १७ भट्ट, १८ प्रभाकर, १९ वैखानस, २० यादवमिश्र-एतत्सर्वमतप्रक्रिया सम्यक् संक्षेपेण प्रदर्शिता। *Bm* 1-

4815 सर्वमङ्गलापरिशेषख्यव्याख्या *Mu*-2-

4816 सर्वमूल A collection of all the works of मध्वाचार्य with their texts भगवद्गीता &c *Mt* 13-8-

4817 सर्ववेदान्त सिद्धान्तसारसंग्रह-(वेदान्त) by श्रीशंकर भगवत्पादाचार्य cr 8vo *Vr* -8-

4818 सर्वसिद्धान्ततत्त्वोपयोगित्व प्रभवल्लभविरचित *Vy* 4-

4819 सर्वार्थचिन्तामणि -(ज्योतिष) *Ch* 1-

4820 —— मूल *Vy* 1-

4821 सर्वोत्तमस्तोत्र सटीक *Kl* -6-

4822 सरलत्रिकोणमिति-चापीयत्रिकोणगणिते सविशेषवासनासहिते तदुपयोगिभिनवीन सिद्धान्त-द्विपुकपरिसिद्धान्त-लघुक्षयगणित-सिद्धान्त-त्रिविधप्रभावैश्च समलंकृत एव गुणविशिष्टयोरपिसर्वजनसुलभाय। *Gbd*

4823 सरस्वतीकण्ठाभरण—(अलंकार) धारेश्वर-श्रीभोजदेवविरचित *N* 6-

स

4824 सरस्वतीविलास—(व्यवहारकाण्ड) of श्रीप्रतापरुद्र महादेव, ed by Dr शामाशास्त्री 1927 8vo pp xxxii, 503. *Bs* 2-8-

4825 SURGICAL INSTRUMENTS OF THE HINDUS, by Dr. गिरीन्द्रनाथ मुखोपाध्याय 1909 Vol I and II 8vo pp 476, 172 respectively each *Cu* 9-:

The book represents many years of laborious investigations—a work of real research and erudition It is undoubtedly the most important work upon this subject which has yet been written in the English language It is full of interesting informations and is a valuable contribution '

4826 THE SERPENT POWER (षट्चक्रनिरूपण and पादुकापञ्चकम्) Two works on लययोग, transl from the sanskrit with introd and commentary 20-

4827 SARASWATI BHUVAN studies vol I part I contains —

(1) studies in Hindu Law by Ganganath Jha (2) The view point of Nyaya Vaisheshika Philosophy by G N Kaviraj (3) Nirmana Kava by G N Kaviraj — 5-

4828 — Studies Vol II 8vo. pp 200 contains — 5-

(1) Parshuram Misra alias Vani rasala Raya, by G N Kaviraj (2) Index to Sabara s Bhasya, by the late Col G A Jacob (3) Studies in Hindu Law —2 its sources by G N Jha (4) A New Bhakti Sutra, by G N Kaviraj (5) The System of Chakras according to Goraksa Nath,

स

by G. N. Kaviraj. (6) Theism in Ancient India, by G. N. Kaviraj. (7) Hindu Poetics, by Batuknath Sarma (8) A seventeenth Century Astrologer by Padmakar Dvivedi. (9) Some aspects of Vira Saiva Philosophy, by G. N. Kaviraj (10) Naya Kusumanjali English Translation by G. N. Kaviraj (11) The Definition of Poetry, by Narayana Sastri Khiste (12) Sondala Upaddhaya, by G. N. Kaviraj.

4829 — Studies. Vol III. 8vo. pp. 200 contains:- 7-8-
(1) Index to Sabara's Bhasya, by the late Col G. A. Jacob (2) Studies in Hindu Law 3 - Judicial Procedure by G. N. Jha (3) Theism in Ancient India, by G. N. Kaviraj, (4) Histroy andBibliography of NyayaVaisesika Literature by G N Kaviraj, (5) Naisdha and Sri Harsa by Nilkamal Bhattcharya,(6) Indian Dramaturgy, by P. N. Patankar

4830 — studies vol IV. 8vo pp. 198 contains— 7-8-
(1)Studies in Hindu Law & Judicial Procedure by G N Jha, (2) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by G N Kaviraj, (3) Analysis of the Contents of Rigveda Pratisakhay,by Mangala Deva Sastri (4) Narayan s Canita kaumudi, by Padmakar Dvivedi (5) Food and Drink in the Ramayanic Age, by Manmatha natha Roy, (6) Satkarya vada Causality in Sankhya, by G.N Kaviraj, (7) Discipline of Consequences, by C L Sinha, (7) History of the origion aud expansion of the Aryan by A. C. Ganguly, (9) Punishment in Ancient Indian schools, by C. L. Sinha. 5-

स

4831 — studies. vol v. 8vo. pp. 195. contains— 7-8-
(1) Ancient Home of the Aryans and their migration to India, by A. C. Ganguly, (2) A Satrap Coin, by Shamalal Mehr.(3) An Estimate of the Civilisation of the Vanaras as depicted in the Ramayan, by Manmatha natha Roy, (4) A Comparison of contents of Rigveda, Vajasanyea, Taittiriya & Atharvaveda Pratisakhyas, by Mangala Deva Sastri. (5) Formal Training and the Ancient Indian Thought, by G. I. Sinha (6) History and Bibliography of Nyaya Vaisesika Literature, by G.N. Kaviraj (7) A Discriptive Index to the names in Ramayana by Manmatha Roy. (8), Notes and Queries -1- Virgin Worship, by G. N Kaviraj.

4832 — Studies vol VI in progress 8vo. pp. 194 contains.—
(1) Index to Sabaras' Bhasya, by the late Col J A Jacob (2) Some Aspects of the History and Doctrines of the Nathas, by G N Kaviraj. (3) Studies in Hindu Law (4) Evidence by Ganganath Jha 7-8

4833 सहृदयलीला By राजानकरुय्यक. *Km5* 1-

4834 सहृदया in sanskrit, ed. by R. कृष्णम्माचारियर 8vo pp 59, 72, 17, 32 *Vv* 3-

4835 सहृदयानन्दम्—(काव्य) कृष्णानन्दकृत. सर्ग. 1-15. *N* 10-

4836 सहृदयानन्दम् with sanskrit comm by श्रेतारण्यम् नारायणशास्त्री. 1907. sargas 1-4. 8vo. pp. 124, 46. *Mu* 2-

4837 SOUTH INDIAN GUILDS by शास्त्री. *Md* 1-8-

स

4838 SOUTH INDIAN INSCRIPTION Vol I Rs 4-8 Vol II parts. 1, 2, 3, & 5 together 12-8 Vol III in 3 parts 7-4

4839 SOUTH INDIAN EPIGRAPHY— Annual Report of 1925 *Ui* 1-10-

4840 SOUTH INDIA AND HER MUHAMADAN INVADERS with sixteen illustrations and a map by S Krishnaswami Aiyangar 1921 8vo ($8^1 \times 5\frac{3}{4}$) pp xvi+258 *Of* 8-

4841 SONGS OF THE SEA, translated by अरविंदघोष *Pl* 1-

4842 THE SANGLI STATE by D B पारसनीस 1917 8vo pp 67, 16 2-

4843 साङ्ख्यकारिका-(साख्य) by ईश्वरकृष्ण with a comm of मथुराचार्य ed by Pt. विष्णुप्रसाद शर्मा *Cl* 1-8-

4844 — श्रीईश्वरकृष्णविरचिता श्रीनारायणतीर्थकृत चन्द्रिकाटीकासहिता। *Cl* -12-

4845 — श्रीइश्वरकृष्णविरचिता। गौडपादभाष्यसहिता *Cl* -8-

4846 — ईश्वरकृष्णविरचिता। गाडपादभाष्येण टीकया तथा वङ्गानुवादेन च सम लङ्कृता। ed by रेवनकान्त cr pp 82, 6 *C* 8-

4847 — Ed by दर्शकनाथ भट्टाचार्य *Sd* 8-

4848 — An exposition of the system of कपिल with an appendix of the न्याय and वैशेषिक systems by DAVIES J 1894 10-8-

म

4849 — *transl from the* संस्कृत by Colebrook T containing the भाष्य or comm of गौडपाद, in Engl with illustrations introd. and notes by Prof H H Wilson, also an article on a missing verse in the साख्यकारिका by Mr *B G* टिळक 1924 8vo pp. 271 *Kl* 3-

4850 — with an exposition called चन्द्रिका by नारायणतीर्थ and भाष्य of गौडपादाचार्य, ed by पण्डित बेचनराम त्रिपाठी *Bn* 1-

4851 साख्यतत्त्वकौमुदी —(साख्य) By वाचस्पति मिश्र *with comm called* तत्त्वविभाकर by Pt वशीधर मिश्र, and ed by बालरामशास्त्री माण्डारा *ch* 6-4-

4852 — पदुद्गामनटीकाकृद्वाचस्पतिमिश्र विरचिता। प आराजश्वरशास्त्रि कृतया विमर्शक टिप्पण्यासहिता। *Ch* 1-

4853 साख्यदर्शनम्—पूज्यपादभगवद् कपिल महामुनिप्रणीतम्। श्रीविज्ञानभिक्षुकृत साख्य प्रवचन भाष्यसहितम्। *Ch* 2-8-

4854 साख्यप्रवचनभाष्यम्, or comm on the Exposition of the सांख्य Philosophy by विज्ञानभिक्षु, ed in sanskrit [Roman letters] by Prof R GARBE 1895 Roy. 8vo *Ho* 12-8-

4855 Sankhya Philosophy of कपिल containing (1) साख्यप्रवचनसूत्र with the वृत्ति of अनिरुद्ध and the भाष्य of विज्ञानभिक्षु and extracts from the वृत्तिसार of महादेव वेदान्तिन्, (2) साख्यकारिका (3) तत्त्वसमास, and (4) पञ्चशिखा सूत्रम् trans-

स

lated by श्रीशचन्द्र बसु
Cloth 15-

4856 — A COMMENTARY on the by V N Roy *Ad* 1-

4857 — Transl and Annotations by J M Lawl 1921 *Ad* 14-4-

4858 सांख्यश्लोकाः by चाणक्य पण्डित, ed with full comments by जीवानंद विद्यासागर 1907 8vo pp 30 10-

4859 सांख्यसार A treatise on संस्कृत Philosophy by विज्ञानभिक्षु, ed by Fitz Edward Hall, 1862 8vo pp 51 and 48 rare *Bi* 12-8-

4860 सांख्यसार *Sd* -8-

4861 — as nature, study and salvation study by DAHLMANN J *Gr* 10-

4862 सांख्यवृत्तिदीपिका *Km* 1-

4863 सांख्यसंग्रह - A collection of the following works of Sankhya Philosophy — 1 सांख्यतत्त्वविवेचन by शिवानन्द दीक्षित 2 तत्त्वयाथार्थ्यदीपन by भावगणेश 3सर्वोपकारिणी -a comm on समाससूत्राः 4 स ख्यसूत्र विवरण-a comm on कपिलसूत्राः 5 तत्त्वसमास-a comm on समाससूत्राः 6 सांख्यतत्त्वप्रकाशिका 7 सांख्यत त्वप्रदीप by कविराजयति,- a pupil of यतिमावैकुण्ठ 8 तत्त्वमीमांसा by कृष्णमिश्र and 9 सांख्यपरिभाषा, ed by M M विन्ध्येश्वरिप्रसाद द्विवेदी and Pt धुण्डिराजशास्त्री *Ch* 3-

4864 सांख्यसूत्रवृत्ति containing comm of अनिरुद्ध transl with introd into Engl on the origin of the सामख्यसूत्र by Richard Garbe and the orig parts with the comm. of महादेव वेदान्ति 8vo pp xxv, 320 *Bi* 10-

4865 — Text in संस्कृत 8vo pp IX 342

4866 सांख्यसूत्रम् (अनिरुद्ध वृत्तिसमेतम् *Sd* 1-

4867 — (सांख्यवादम्) ed by कालीवर वेदान्तवागीश 1-

4868 - (अनिरुद्धवृत्तिसह) ed by कुञ्जबिहारी तर्कसिद्धान्त *Sd* 2-

4869 सांख्यसूत्रपाठ — (सांख्य) पूज्यपाद भगवत् कपिलमहामुनि प्रणीत । *Kg* -3-

4870 सांख्यायन आरण्यक, ed with an appendix on the महाव्रत, ed. by Keith A B 1908 Roy pp xv 81 *Of* 6-

4871 सांख्य & योग by Garbe R with Indices 1896 4-

4872 सांख्यायनगृह्यसंग्रह—A manual of domestic rituals by Pt वासुदेव ed by सोमनाथोपाध्याय and काव्यतीर्थ and कौषीतकिगृह्यसूत्राणि—manual of domestic Rituals, ed by रत्नगोपाल भट्ट *Bn* 1-8-

4873 सांख्यायनश्रौतसूत्र with comm of वरदत्तसुत अनर्तीय and गोविन्द, ed by A Hillebrandt complete 4 vols (1885-1899) *Bi* 22-12-

4874 सांख्यतत्त्वसंहिता *Su* 8-

4875 The SADHU A study in mysticism and practical religion, by Canon Burnett H. Streeter and A. I Appaswamy, B D O 8vo *Mm* 6-8-

स

4876 साधन – the realisation of life by रवीन्द्रनाथ टागोर crown 8vo *Mm* 4-8-

4877 साधनचन्द्रिका in हिंदी by स्वामी दयानन्द 1923 8vo pp 3, 218, 24 1-12-

4878 साधनचतुष्टय or fourfold means to truth by R जगन्नाथ *Ad* 1-6-

4879 साधनमाला-A Buddhist Tantric text of rituals, dated 1165 A. D consisting of 312 small works, composed by distinguished writers, ed by विनयतोष भट्टाचार्य 1925 vol. I and II. *Go* 10-

4881 साधुदितकृत्य श्लोकबद्ध,–(जैन) of हरिप्रभसूर *Jb* -12-

4882 साधिकपरम्परातिका by सदाशिव देव 8vo pp 7 21, 64, 4, 2 *Sb*

4883 साधिकावीपत्र-an independent essay by M. M पण्डित पर्वतीय नित्यानन्दपन्त शर्मा. *Ch* 16-8-

4884 सांवपुराण (सूर्यमहिमा वर्णन) *Vy* 2-

4885 सांवप्रद्युम्नचरित्र श्लोकबद्ध-(जैन) of रत्नसागरगणी *Jb* 11-8-

4886 साम्बपञ्चाशिका—(काव्य) साम्बकवि प्रणीत क्षेम राजकृतटीकासह *N* -4-

4887 साङ्ख्यप्रवचनसूत्रम् orig सस्कृत with Engl transl by N. सिंह 1913 Roy pp 71 230, 327, 422. *Pc* 3-

4888 सामवेद अनुक्रमणिका *Am* 12-

4889 —— *Am* 6-

4890 — the hymns transl with a popular comm by T H Griffith Roy pp III, V, 319 XXXVIII *Lz* 5-

स

4891 — Transl into Engl. by Stevenson D D 1906. 8vo. XI, 200 10-

4892 — Text with सायन's comm. and Hindi transl *Mt* 5-

4892*a* — Translated into Engl. by Griffith *Mt* 4-

4893 सामवेदसंहिता (अग्नियपर्व) ed by राजकुमार वर्तीथे *Sd* 2-

4894 — ed by रेवतीकान्त भट्टाचार्य *Sd* 10-

4895 — Ed. by सत्यचरण राय. *Sd* 1-8-

4896 — आर्षेयकल्प, ed by DR. Caland W. 1908 *Bu* 8-

4897 — कृष्णादिमित्रलिता। Roy. pp. 120 *Am* -12-

4898 सामवेदसंहिता with सायनभाष्य and हिंदी transl. by रामस्वरूप शर्मा. 1927. 8vo pp. 967 10-

4900 THE SAMKHYA SYSTEM by Keith. Cr 8vo, pp Cloth *As* 1-8-
The samkhya System is an ancient Hindu dualism which teaches that the whole universe comes from *prakriti* an imperceptible original from which all natural things are held to be evolved and an infinite number of *purushas* or individual spirits Professor Keith sketches the whole history of that system and expounds its elements in detail 2-

4901 सामवेद रही. -8-

4902 सामविधानं ब्राह्मणम् by सायणाचार्य. सामवेदस्य तृतीय ब्राह्मणम् अनुब्राह्मण वा 'वेदार्थप्रकाश' नाम माधवीयभाष्येण श्री सत्यव्रतभट्टाचार्यैकृतेनवङ्गानुवादेनसमन्कृतम्। cr. pp 89 *Cr* 10-

स

4903 — Being the third Brahmana of the सामवेद, ed. together with the comm. of सायन. An Engl. transl. introd. and index of words, by Burnell A. 1873. Vol. I. containing text comm. & introd. Roy. pp. xxxviii, 104. 12-8-

4901 — volume III by Garbe R. 1896. *Gr* 4-

सामान्यउपनिषदः—(१ अक्षि, २ अध्यात्म ३ अन्नपूर्ण, ४ आत्म. ५ आत्मबोध, ६ एकाक्षर ७ कौषितकीब्राह्मण. ८ गर्भ. ९ निरालम्ब १० प्राणाग्निहोत्र, ११ पैंगल, १२ महा, १३ मान्त्रिक, १४ मुक्तिक, १५ मुद्गल, १६ मैत्रायणी, १७ वज्रसूचिक, १८ शारीरक, १९ शुकरहस्य, २० संसार, २१ सावित्रि, २२ सुबल, २३ सूर्य. and २४ स्कन्द,) ed. with the comm. of श्रीउपनिषद् ब्रह्मयोगि, by A महादेवशास्त्री. 1921. 8vo. pp. 34, 527 *Ad* 7-

This volume contains the twentyfour out of 108 Upanishads which treat especially of pure Vedanta philosophy The commentary is lucid and full A full analysis of contents and index cloth with gilt letters

4905 सामान्यनिरुक्तिः श्रीगंगेशोपाध्यायविरचिता। श्रीरघुनाथशिरोमणिकृतटीकासहिता। तथा श्रीगदाधर भट्टाचार्यकृत शिरोमणि टीका, विवृति समलंकृता. I ed. by J. विद्यासागर. 1857 8vo pp. 162. *Cc* 2-4-

4906 Science of Language, three lectures on the—by Max Muller. 1899. cr pp. 73 2-4-

4907 Science of thought, three introductory lectures on the, by Max Muller. 1909. cr. pp. vi, 95, 28. 2-

स

4908 सायणभाष्यप्रदीपिका with मराठी transl. 1910. *Cr* 2-

4909 सारमञ्जरी-(व्याकरण) सटीका,ed. by रेवतीकान्त भट्टाचार्य. *Sd* -8-

4910 सारस्वतम्—(व्याकरण) by अनुभूति स्वरूपाचार्य, ed. with suitable notes and comments by नरहरि शास्त्री पेंडसे. *Hss* -8-

4911 सारस्वत-पूर्वपक्षावली(व्याकरण) *N*-3-

4912 सारस्वतव्याकरणम्-पूर्वार्धम्—Cloth Binding. *N* -9-

4913 — cover binding. *N* -7-

4914 — वृत्तित्रयसहित.— *N* 1-2-

4915 — — cloth. *N* 1-4-

4916 — चन्द्रकीर्तिव्याख्यासहित. *N* 3-

4917 — पूर्वार्ध and उत्तरार्ध-चन्द्रकीर्ति. व्याख्यासहित. *N* 3-8-

4918 सारस्वत सटीक मसाइटीका. *Vy* 1-

4919 — अनुभूति स्वरूपाचार्यप्रणीतम्। पण्डितनरहरिशर्मणा उपयुक्त टिप्पण्यादिभिः परिष्कृत्य संशोधितम्। पूर्वार्धम्। *Ch* -8-

4920 साहित्यदर्पण-(अलंकार) of विश्वनाथ कवि, श्रीरामचरणतर्कवागीश भट्टाचार्यकृत-टीकासहित. pp. 632, 14. *N* 4-

4921 — or mirror of composition, transl. from the orig. sansk. by परमदास मित्र. *B*

4922 — (सटीकम्), ed. by हरिदास सिद्धान्तवागीश. *Sd* 3-8-

4923 — ed. by हरिपद चट्टोपाध्याय. *Sd* 3-8-

4924 — परिच्छेद १-१० with notes on परिच्छेद्स I, II, X and history of अलंकार literature by काणे. 8vo.

स

pp clxxx, 352, 142. 1923 2nd edn *Bo* 6-

4925 — ed by जीवानन्द विद्यासागर, 1834. 8vo pp. 13, 248. *Ch* 5-

4926 साहित्यरत्नमञ्जूषा A collection of familiar quotations from the various Sanskrit Dramas, Kavyas and Prose literature by Pt. R V. कृष्णमाचारियर cr. 8vo. pp 181. *Vv* 1-

4927 — By S P सर्वाधिकारी. 1885 3rd edn cr. pp 11, 85. -10-

4928 साहित्यसार—पूर्वार्ध and उत्तरार्ध 1880. pp 360 *Oa* 5-

4930 — (अलंकार) अच्युतरायकृत स्वकृतव्याख्यासहित V 2-8-

4931 सिद्धसिद्धान्तसंग्रह बलभद्रविरचित with an introd. by G. N कविराज 1925. 8vo. pp 4 40. *Sb* -14-

4932 सिद्धहेमसूत्रपाठ -(जैन) कलिकालसर्वज्ञ श्रीहेमचन्द्राचार्यविरचित । cr pp 143, 2 *Vy*

4933 सिद्धहेमव्याकरणसूत्राणामकारादिक्रम. *Vl* -4-

4934 सिद्धहेमव्याकरणानुशासन (जैन) मूळ. -5-

4935 — (जैन) लघुवृत्तिसहित. 5-

4936 सिद्धान्तकल्पवल्ली—(वेदान्त) with the comm केसरावल्ली by सदाशिवेंद्रसरस्वती *N* -8-

4937 सिद्धान्तकौमुदी—(व्याकरण) of भट्टोजीदीक्षित अष्टाध्यायी, सूत्रपाठ, गणपाठ, धातुपाठ, लिङ्गानुशासन शिक्षा, तथा सूत्रानुक्रमणी. *N* 3-

4938 — तत्त्वबोधिनीनामक टीकासहित—

स

4939 — वासुदेवदीक्षितविरचितया भीबालमनोरमाख्यव्याख्यया समुद्भासिता। *Bm* 25-

4940 — or Panini's grammatical Aphorisms as arranged and explained by भट्टोजी दीक्षित. Sansk. Text and Engl. Transl by श्रीशचन्द्र विद्यारत्न and वामनदास वसु. *Po* 6-

4941 — ed BY S Ray Vol. I Part I up to सन्धि with an elaborate introd. Pt. II up to स्त्रीप्रत्यय and Vol. II कारक and समास. 7-8-

4942 — with transl and sansk. comm by S R. विद्याविनोद & K. K B भिषगाचार्य vol I Pt I सन्धि. only. cr pp 23, 171 *Cc* 2-8-

4944 सिद्धान्तगाथागतर-(जैन) *Jb* -4-

4945 सिद्धान्तचंद्रिका-(व्याकरण) श्रीगंगाधरसरस्वतीकृतसटीका. *Gn* -4-

4946 — सटीकोत्तरार्ध. *Gs* -3-

4947 — तथा तत्त्वदीपिका सपूर्ण *Vy* 5-

4948 सिद्धान्तचिन्तामणि । *Su* -12-

4949 सिद्धान्ततत्त्वविवेक A treatise on astronomy by भट्ट कमलाकर with notes by Pt सुधाकर द्विवेदी, ed. with his own notes by मुरलीधर झा. *Bn* 10-8-

4950 सिद्धान्ततत्त्वम्—(वेदान्त) by श्रीमदनन्तदेव तैलगरामशास्त्रिणा परिशोधितम् । pp 84 *Lz* -12-

4951 सिद्धान्तत्रयोदशी orig संस्कृत with मराठी transl by केमकरशास्त्री 1888. Roy pp. 29 60 1-

स

4952 सिद्धान्तत्रयोदशी. सक्त. with मराठी transl. by V A. क्षीरसागर. 1888 cr. pp. 160. -8-

4953 सिद्धान्तलेशसग्रहः- (अलकार) by अप्पयदीक्षित, with extracts from the comm. श्रीकृष्णालंकार of अच्युतकृष्णानन्दतीर्थ, ed by M. N. गगाधरशास्त्री मानवल्ली. 1890 Roy. pp. 4, 8, 116. Vj 2-8-

4954 सिद्धान्तदर्शनम् (वेदान्त) महर्षिवेदव्याससूत्रम् श्रीमन्मनास्विश्वदत्ताचार्यकृतनिर्जनमाष्यसमेतम् । Aa 1-4-

4955 — original text and Engl. transl with a comm. Po 3-

4957 सिद्धान्तनिदान-श्रीगणनाथसेनकृत Mt 2-

4958 सिद्धान्तबिन्दु of मधुसूदनसरस्वती with an orig. and lucid comm. in sanskrit by M M. वासुदेवशास्त्री अभ्यकर. pp 232. 2-8-

4959 — with रत्नावली by मधुसूदन सरस्वती and ब्रह्मानन्द सरस्वती, publ. by सावशिव अय्यर 1893. Roy pp 8212 Ams 4-

4960 सिद्धान्तशिरोमणि. Sd 2-4-

4961 सिद्धान्तमुक्तावली, सटीक Il -3-

4962 — (वेदान्त) of प्रकाशानन्द with Engl. transl. and notes by Col. Venis Reprint 1922. 2nd edn pp. 186. Bn 1-12-

4963 सिद्धान्तरत्नमञ्जूषा. पूर्वमीमांसाखण्ड. 1616. pt I Roy. pp. 64.

4964 सिद्धान्तरत्नम् with the comm. of बलदेवमिश्र, ed. with an introd. and notes by G N. कविराज. 19.9, 8vo. pp. 142. 14, 351 Sb 2-14-

4965 सिद्धान्तरत्नमञ्जूषा—(मीमांसा) पूर्वमीमांसा खण्ड, publ. by रमणनाथशास्त्री. 1916. Roy. pp. 60, 24. Bd -8-

4966 सिद्धान्तलेश Vj 2-12-

4967 सिद्धान्तलेशसंग्रहः-(वेदान्त) by अप्पय्य दीक्षित with the comm. कृष्णालंकार by कृष्णानन्दतीर्थ and वेदान्तसिद्धान्तसूक्तिमञ्जरी by रामचन्द्रशर्मा.

4968 सिद्धान्तशिरोमणि A treatise on Astronomy by भास्कराचार्य with his own comm. the वासनाभाष्य, ed. by Pt. बापूशास्त्री. 1866 8vo pp. 6, 384, 13 Bi 15-

4969 सिद्धान्त of रामानुज by Rudolf O. 6-

4970 सिद्धत्रयी प्रत्यभिज्ञाकारिका of उत्पलदेव. Km 3-

4971 सिद्धदण्डिका-प्रव्रज्याविधान—(जैन) सटीक. Gb -8-

4972 सिद्धित्रयम्—(वेदान्त) A treatise on विशिष्टाद्वैत philosophy, ed by Pt. रामिश्रशास्त्रि. Ch 1-8-

4973 सिद्धान्तशिरोमणिः (ज्योतिष) श्रीभास्कराचार्यविरचित श्रीनृसिंहदैवज्ञकृतवासनावर्तिकेन श्रीमुनीश्वरविरचितेन मरीचि सहितः ॥ Vol I pp. 534. Lx 3-

4974 सिद्धान्तलक्षणम् । Su

4975 सिद्धान्तसिद्धिगा Il 6-

4976 सिद्धान्तागमस्तव— (सावचूरि) by जिनप्रभसूरि. Km7 1-

4977 सिद्धान्तसिद्धाञ्जनम्—(वेदान्त) by श्रीकृष्णानन्दसरस्वती, pt I-IV. Tr 7-4-

स

4978 सिंहासनद्वात्रिंशिका—गद्य (जैन) of क्षेमकरमुनि. *Jb* 2-8-

4979 सिद्धिप्रियस्तोत्र by देवनन्दी *Km7* 1-

4980 Significance of Indian Nationalism *Pl* 1-8-

4981 The Six Systems of Indian Philosophy by Prof Max-Muller cr XXVIII, 474 7-4-

4982 SIX BUDDHIST NYAYA TRACTS (Sanskrit) ed by M M अशोक and रत्नाकरशास्त्री *Bi* 1-4-

4983 SYSTEM OF BUDDHISTIC THOUGHT by Rev S Yamakami Royal 8vo pp 372 *Cu* 15-

The book presents in a comprehensive though short form a complete view of Buddhistic Philosophy both of the Mahayana and Hinayana Schools

Contents Chapter I— Introd Essential principles of Buddhist Philosophy All is impermanence —*There is no Ego— Nirvan is the* only calm.

Chpter II —Karma Phenomenology —Karma is a principle in the Moral World— Karma as an active principle in the physical world

Chapter III — The Sarvastitvavadins (Realists) —The Tenets of the Sarvastitvavadins — Explanation of the Seventy five Dharmas Shankar's criticism of the Sarvastitvavadins &c, &c

4984 The System of चक्रस according to गोरक्षनाथ by G N, कविराज *Sb2*

4985 System of वेदान्त according to बादरायण's ब्रह्मसूत्र and शंकर's comm thereon set forth as a compendium of the dogmatics of Brahmanism from the standpoint of शंकर Authorized transl. by Johnston, ed by Deussen Paul 1612 15-

4986 SYSTEM OF VEDANTIC THOUGHT and Culture (An introduction to the Metaphysics of Absolute Monism of Shankara School) by महेन्द्रनाथ सरकार Demy 8vo pp 340 *Cu* 7-

It is a treatise the first of its kind intended to bring out Advaita Vedantism as a complete system which has been made specially interesting by the introduction of the conceptions of the *Shankar tes* from Padmapada down to Prakashananda It leaves no important topic out of consideration

4987 Systems of Sanskrit Grammar by Dr बेल्वल्कर 1915 8vo pp VIII, 148 *Oa* 3-

4988 SACRED LAWS OF THE आर्यास see – धर्मसूत्र No 3288-3293

4989 Secret Philosophy of the Indians by B मोहामद्गु 3-12-

4990 SELECT WORKS OF श्रीशंकराचार्य, orig संस्कृत with Engl transl by S वेंकटरमण 2nd edn. cr pp IV 240 *Nl* 2-

4991 Select Specimens, the Theatre of the Hindus by Wilson H. 1835 2 Vols. 60-

4992 SELECTIONS from Sanskrit inscriptions by D B दिस्कळकर

स

1925. Part I & II. 8vo pp 2, 5, 250. *Oa* 4-

4993 — from the-महाभारत, ed by F Johnson 1842 Roy. pp. XIII, 97, 99-265 *Allen& Co* 8-

4994 SELECTIONS FROM AVESTA AND OLD PERSIAN. by J S. तारापुरवाला, Prof. of Comparative Philology First Series, Part I. 8vo pp. 255. *Cu* 6-

Arranged on a most convenient plan —the text in Roman letters with a literal English translation on the page opposite, each text and transl being followed by elaborate linguistic and other notes – the book is intended primarily for students of Sanskritist No finished Sanskritist can do without some acquaintance with Avestan and Dr. Taraporwala's book, already adopted for class work in several European Universities is by far the best chrestomathy of Avesta The Selections have been highly praised by distinguished scholars like *Profs. Rapson, Alfred Hillebrandt, L. D. Barnett, Otto Jespersen, J. Jolly, F. O. Schrader, A. B. Keith, Hermann Jacobi, Dr. F. W. Thomas Sir George A. Grierson Rev. Father R. Zimmermann, etc. etc.*

4996 SELECTIONS from Buddhistic Drama (German), by Luders H. 12-8-

4997 SELECTED pieces from Hemachandra's Parisistaparvan (German) by Hertel J. roy. pp XI, 271. *Gr* 7-

स

4998 CEYLON BUDDHISM by Rev. D. J. Gogerly. 2 vols 4to each *Kp* 9-6-

5000 सुदर्शनशतक सटीक by कुरनारायण. *KmS* 1-

5001 — (रा सां) *Vy* -3-

5002 THE SEED OF RACE —an essay on Indian Education by Sir John Woodroffe. 1-

5003 सुन्दरीशतक By उत्प्रेक्षावल्लभकवि. *Km9* 1-

5004 सुन्दरीलहरी—(काव्य) टिप्पणीसमेता. *Gn* -4-

5005 सुधालहरी By जगन्नाथपण्डित. *Km1* 1-

5006 सुपासनाहचरिय-(जैन) by लक्ष्मणगणि, ed. with संस्कृत equivalents by Pt हरगोविंददास शेठ, publ. by V. G. जोशी. 1919. Pt III. Roy pp. 22, 22, 3, 486–659, 7. 2-

5007 सुबन्तविचार—रामचंद्रन शास्त्रि पराठी व्याकरण with the commentary by V. K. राजवाडे. 1912 8vo pp. 90. *Pb* 2-

5008 सुबोधमन्मथ or वेदान्तदर्शन शांकर भाष्यानुसार वैयासिक न्यायमालेसह. दशपूर्व अवतरण, शास्त्राचे धुवार्थ, वैयासिकन्यायमालेचेस्वरूप, त्यांचा अन्वयार्थ. सूत्रांचा, आणि कलमांचे पेशारदर, प्रस्तावना अनुक्रमणिका इत्यादि by V. V. वासुदेवशास्त्री. 1923 *Ak* 3-

5009 सुरविद्या—(वेदान्त) वल्लभाचार्य's comm from the view point of शुद्धाद्वैत Philosophy on तत्त्वार्थदीप of श्रीमद्भागवत (chap. 10th) with a gloss by गोस्वामी श्रीगिरिधरलालजी-

स

and-प्रकाश (Short notes upon the above two by श्रीपुरुषोत्तममहाराज). Ch 4-8-

5010 सुबोधिनिजी फलप्रकरण Vl

5011 सुभद्रावनञ्जयम् (नाटक) by कुलशेखर वमा with the commentary of शिवराम Tr 2-

5012 सुभद्राहरणम्—(काव्य) an abduction of सुभद्रा – a poem by H Ray cr pp 8, 66 -8-

5013 सुभाषित संस्कृत with मराठा transl by विष्णुशास्त्री चिपळूणकर publ by S N जोशी 1915 8vo pp 164 -12-

5014 सुभाषितकौस्तुभ Su

5015 सुभाषितत्रिशती (काव्य) भर्तृहरिशतकत्रयम् श्रीरामचन्द्रयतिन्द्राविरचित सहृदयानन्दिनी व्याख्यासह N 1-4-

5016 — Text Vl -8-

5017 सुभाषितनीवि of श्रीवेदान्तदेशिक with the commentary called रत्नपीठिका, ed by नृसिंह अय्यगार cr 8vo xii 106 Vv -8-

5018 — by व्यंकटनाथ Kms 1-

5019 सुभाषितरत्नाकर A collection of witty and epigrammatic sayings in sanskrit, with explanatory notes by K S माटवेडेकर 1913 4th edn 8vo pp 2, 47, 362 Gn 2-8-

5021 — or Gems of Sanskrit Poetry selected and arranged by K P परब Ad 4-

5022 सुभाषितसार—(काव्य) by भर्तृहरि 1913 8vo pp 8 -2-

5023 सुभाषितसारसंग्रह-(काव्य) of भर्तृहरि Mu -1-

स

5024 सुभाषितसंदोह of अमितगति Sansk. Text by Schmidt R. transl into German Gr 12-

5025 — — Mt 7-

5026 सुमित्रचरित्र श्लोकबद्ध—(जैन) of हर्षकुञ्जर उपाध्याय 2nd edn Jb 1-2-

5027 सुभाषितावली of वल्लभदेव, ed by Dr P Peterson and Pt दुर्गाप्रसाद Bp 2-8-

5028 सूत्रार्थबोधिनी by स्वामि नारायणतार्थ edited by रत्नगोपाळ भट्ट Cl 3-

5029 सुरथोत्सव-(काव्य) श्रीसोमश्वरदेवविरचित N -14-

5030 सुरप्रियमुनिकथा श्लोकबद्ध-(जैन) of कनककुशल 2nd edn Jb -4-

5031 सुश्रोद्धारव्याकरण समाससूत्रचन्द्रिका with मराठी translation by केमकर शास्त्री 1868 8vo pp 52 -8-

5032 सूरिसंरक्षण of गोविन्द कविभूषण, ed by जगन्नाथमिश्र (1912 1914) fasc 1-3 Bi 2-4-

5033 सूर्यकवच—(स्तोत्र) मूल Vy 1-

5034 सूर्यसिद्धान्त—(ज्योतिष) by म — म सुधाकर द्विवेदि. 1925 2nd edition Bi 3-

5035 सूर्यसहस्रनामावलि Bo—4-

5036 सुलभकेकावली of मयूरकवि श्लोकांचा सुलभगद्यार्थ, कठीण शब्दाचा अर्थ, शब्दार्थ व समासार्थ स्पष्टीकरण, कथासंदर्भकथन, यासह, ed by R B जोशी 1925 4th edn cr pp 2 82 -6-

5037 सुश्लोकलाघवम् of विठोबाअण्णा with मराठी transl by K G आपटे 1922 cr size 1-8-

5038 — by विठ्ठल पण्डित with सरमार्टीका 1915 2nd edn. Roy, pp 121

स

5039 सुवृत्ततिलक by क्षेमेन्द्र. *Km*2 1-

5040 सूक्तिसंग्रह—(काव्य) कविराजसत्कृत. *N* 1-

5041 — (वैद्यक) By श्रीविल्हणाचार्य. सुश्रुतसंहिता निबन्धसंग्रहाख्यव्याख्यया सहिता. *N*

5042 सुश्रुतआयुर्वेद orig. sansk. transl. into गुजराथी by प्रभुराम जीवनराम & डा. पेथट प्रभुराम, publ. by द्वारकानाथ घरमशी. Roy. pp. 76, 1273, 10. 10-

5043 सुश्रुतसंहिता मूलमात्र. *Mt* 4-

5044 — संग्रहाख्य-टीका-सहिता, ed. by अविनाशचन्द्र. Roy. pp. 1044-1074.

5045 — An Engl. Transl. (In three Vols) A great Ayurvedic work of high authority on Anatomy, Physiology, Surgery, Midwifery, Medicine, Pharmacy, Hygiene, etc. with full comprehensive introductions, Engl. translation, Appendix, Glossary, Index, and a Scientific dissertation on Vayu, Pitta and Kapha and illustrated by Plates of ancient surgical instrments, etc. by K. L. कविराज in 3 Vols. Demy 8vo. pp. 1970. Vol. 45-

5046 सूक्तिसंग्रहाविश्लोकवृन्द, — (जैन) 2nd edn. *Jb* 4-

5047 सूक्तिरत्नतरङ्गिणी. A novelity in sansk. literature contains 1200 choice quotations from well-known foreign writers and thinkers of the world, rendered into excellent Sanskrit Verses. part 1&2. each 1-

5048 सूक्तिमुक्तावली by सोमप्रभाचार्य. *Km*7 1-

5049 Sutta Nipata by P. V. Bapat in नागरी लिपि. *Gn* 6-

5050 सूतसंहिता स्कन्दपुराणान्तर्गता श्रीमाधवाचार्यकृतटीकोपेता Vols 1-2 11-8-

5051 — तात्पर्यदीपिकासहिता *Bm* 7-

5052 — with तात्पर्यदीपिका of विद्यारण्य, mainly based on the various south Indian texts, ed & publ. by S. रामचन्द्र शास्त्रि & हरस्वामि शास्त्रि. 1916. Roy. pp. 1066. 6-

5053 सूयगड-(जैन) The second book of the जैन्स for the first time critically ed. with the text of निर्युक्ति, various readings, notes & appendices by P. L. वैद्य. 1928. Pt. I. Roy. pp. 152. 1-

5054 Second Book of Sanskrit by Bhandarkar R. G. 1-12-

5055 सेतुबन्धमहाकाव्य by श्रीप्रवरसेन, श्रीरामदासभूपतिप्रणीतटीकासहित I. *N* 3-4-

5056 सूत्रवृत्ति by शंकरमगवत्पादशिष्य, publ. by सत्यशिवअय्यर. 1894. *Roy.* pp. 132. *Ams* 1-8-

5057 सेतुमाहात्म्य. *Vl* 1-

5058 सेवार्थप्रदी — वासकृष्णभट्ट दीक्षित प्रणीता publ. by मट्टश्री बलभद्रशर्मा. 1917. cr. pp. 2, 23. *Bo* -4-

5059 सेव्यसेवकोपदेश by क्षेमेन्द्र *Km*2 1-

5060 सेतुमहात्म्य. स्कन्दपुराणान्तर्गत. मूल. *Vy* 2-

5061 सेश्वरमीमांसा -(वेदान्त) *Su* 1-14-

स

5062 Central Conception of Buddhism and the meaning of the word Dharma, ed. by Stcherbatsky. 1923 *Ra* 15-12-

5063 Centenary Memorial Volume. 1905 B.B.R.A.S. 5-

5064 Centenary supplement to the Journal of the R. A. S. of Great Britain and Ireland by Pargiter. 1924. 10-

5065 Centenary volume of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland. 1823-1923 by Pargiter F. *Ra* 12-

5067 Sage and King in Kosala-Samyutta by Mrs. Rhys Davids, 8vo. pp. 133-138.

5068 SAYINGS OF BUDDHA, the Pali Text composing the Iti-vuttaka, translated with introd. and notes, by J.H. Moore 1908. pp XII+142. *Ka* 9-5-

5069 The Seven Principal Musical notes of the Hindus with their presiding deities, composed by Sir. S. M. टागोर. 1892. sup. Roy. pp. 51. 10-

5070 A SEVENTEENTH CENTURY ASTROLOGER, by पद्माकर द्विवेदि. *Sb2*

5071 ST ANSELM, transl. from the Latin by Deane S. N. 1910. 8vo. pp. XXXV, 288. 3-8-

स

5072 ST. PETERSBURG DICTIONARY by Bothlingk & Roth. 7 Vols 1st edn. *Gr* 950-

5073 SOMA JUICE is not a Liquor by N B. पावगी. 1924. cr. pp. 15, 2. -8-

5074 श्यैनिकशास्त्र or A book on hawking—by राजा रुद्रदेव of कुमांव, ed. with an Engl. transl by M. M. हरप्रसादशास्त्री. 1910. *Bi* 1-

5075 सोमरस -सुरानव्हे in- मराठी by ना. भ. पावगी 1922. cr. pp. 4, 242. -4-

5076*a* सोमसिद्धान्त — (ज्योतिष). *Kg* 10-6-

5077 SOUL and BODY. 1-

5078 THE SOUL THEORY OF THE BUDDHISTS by Stcherbatsky. 1920 Roy. pp. 823-854, 937-958. 2-

5079 SOURCES OF LAW AND SOCIETY IN ANCIENT INDIA, by नरेशचन्द्रसेन. 8vo. pp. 109.

In this book the author traces the sources of Ancient Indian Law with reference to the environments in society and deals with matters regarding legal conceptions historically, initiating a somewhat new method, mainly following the one indicated by Ihering with reference to Roman Law in the study of problems of Hindu Law. *Cu* 1-8-

5080 Social and military position of the ruling caste in Ancient India as represented by the sansk. epic with an appendix on the

स

status of woman by E W Hopkins 1889 Roy pp 58, 376 10-

5081 SOCIAL ORGANISATION IN NORTH-EAST INDIA, IN BUDDHA'S TIME, by Richard Fick *transl* by शिशिरकुमार मित्र Demy 8vo pp 390 *Cw* 7-8-

5082 सोऽहम्—योगमीमांसा ed by कैवल्यानन्द 1924

5083 सौगंधिकाहरणम्(काव्य) श्रीविश्वनाथकृत टिप्पणीसहितम्। *N* -4-

5084 सौन्दर्यटीका. *Vl* 2-

5085 सौन्दर्यलहरी—(वेदान्त) by श्रीशंकरभगवत्पादाचार्य 1922 cr pp 28 Vv -4-

5086 सौन्दरानन्द काव्यम्—by अश्वघोष, ed by हरप्रसाद शास्त्र (1910) *Bi* -8-

5087 सौरपुराणम्। *Aa* 3-

5088 सौन्दर्यलहरी—(स्तोत्र) By श्रीशंकरभगवत्पाद *Vi* 2-

5089 SAURAPURANAM (German) by Wilhelm Jahn 1908 8vo pp xxvii, 507 6-

5090 स्कन्दोपाध्याय by G N कविराज pp 200 Vol II *Sb2*

5091 स्कन्दखण्डम्— जैमिनायपोडशाध्यात्मकचतुरध्यायी उपासनामीमांसास्वरूपम्। मामोतापारदुश्वबुधवरश्रीभास्करभट्टकृतभाष्योपेतम्। पण्डितस्वामिश्रीरामशास्त्रिसंकलितटिप्पणीसमेतम्। *Lz* 1-4-

5092 सकल्पसूर्योदयनाटकम् by कृष्णमाचार्य pp 254 *Lz* 2-

5093 सङ्गीतसारसंग्रह (संगीत) by आहोबलपण्डितश्रीकृष्णपंडित, publ by R S गोंधळेकर 1897 cr. pp 134 1-

स

5094 संगीतरत्नाकर (संगीत)श्रीशार्ङ्गदेवकृतचतुरकल्लिनाथविरचितटीकासमेत। Vol. I & II *Aa* 10-4-

*5095 संगीतमकरन्द—a work on music by नारद ed. by M R तेलंग *Go* 2-

5096 संगीतसमयसार-(सङ्गीत) *Tr* 1-2-

5097 संधिप्रकरणम्-(व्याकरण) 1915. 8vo pp. 16 — *Gn* -2-

5098 सन्ध्याप्रश्न of all Vedic Shakhas Text and Transl by B V. कामेश्वर अय्यर *Ad* 1-

5099 सन्ध्यावन्दनभाष्यम्। *Su* -8-

5100 सन्ध्याप्रश्नभाष्यम्-(धर्म) *Vy* -8-

5101 सन्ध्याभाष्यसमुच्चय -(वेद) *Aa* 2-

5102 सन्यासउपनिषद् -Text in sansk. characters, preface, critical notes in Engl &c pp 500 *Ad* 10- (१ आरुणि, २ आश्रम ३ कथाश्रुति, ४ कुण्डिक, ५ जाबाल, ६ तुरीयतीतावधूत, ७ नारद, ८ निर्वाण, ९ परब्रह्म १० परमहंस- ११परिव्राजक, १२ब्रह्म, १३ बृहत्-अवधूत १४ बृहत्सन्यास, १५ भिक्षुक, १६ मैत्रेय, १७ याज्ञवल्क्य, १८ लघु अवधूत, १९ लघु सन्यास, and २० सत्यायनीय)

5103 सन्यासनिर्णय श्रीमद्वल्लभाचार्य चरणप्रणीतः। अष्टविवरणसमेत। orig sanskrit with गुजराथी *transl* ed by M. T. तेलीवाला Roy pp 6, 88, 31 —

5104 सम्बन्धवार्तिक of सुरेश्वराचार्य being a metrical expansion of the introductory portion of शंकराचार्य's comm on the बृहदारण्यकोपनिषद् transl into Engl by S V अय्यर. 1905 Roy pp 166, 5. *Lz* 1-12-

स

5105 संबोधसित्तरि-(जैन) सटीक of रत्नशेखरसूरि with the comm. of अमरकीर्तिसूरि *Jb* 1-4-

5106 सम्यक्त्वसप्ततिप्रकरण-(जैन) part. IV. 3-

5107 Some aspects of वीरशैव Philosophy, by G. N. कविराज. *Sb2*

5108 Some aspects of the history and doctrines of the Nathas, by G. N. कविराज. *Sb6*

5109 Some contribution of South India to Indian Culture, by S. कृष्णस्वामि अय्यंगार. Demy 8vo. pp. 488. *Cu* 6-

This book by the Prof of Indian History and Archæology in the University of Madras contains the reader—ship lectures he delivered in 1919 in Calcutta,

5110 Some notes in the अध्यक्षप्रचार; Book II of the कौटिलियमर्थशास्त्रम् in English by Sorabji J. 3-

5111 Some notes on William Hawkins by H G Rawlinson. (1607–1612) 8vo. pp 277–293.

5112 Some problems of Indian Literature, by Prof. M. Winternitz Roy 8vo. pp 130. *Cu* 2-8-

Contents —1 The Age of the Veda 2 Ascetic Literature in Ancient India 3 Ancient Indian Ballad Poetry 4 Indian Literature and World-Literature 5 Kautilya Arthasastra-Bhasa.

5113 SOME THOUGHTS ON HINDU MUSIC A paper read before the Literary & philosophical Club Poona by G, S Khare 1912 cr pp 16, 2 -4-

स

5114 सत्यासुन्दरगय,-(जैन) of रत्नमण्डनसूरि. 2nd edn. *Jb* -8-

5115 सशोधित होडाचक्र. मूळमात्र. *Mc* -2-

5116 संहितोपनिषद्ब्राह्मण being the 7th Brahmina of the सामवेद, the Sanskrit Text with comm. index of words &c ed. by A. C Barnett, 1877. pp. xx. 49 XIII 5-

5118 संहिता of सामवेद by the Rev. Stevenson J. 1906. 8vo. pp. xi, 200. *Cc* 10-

5119 संक्षिप्तवाल्मीकिरामायण by C V. वैद्य. 3rd. edn. 1921. 8vo pp. 2, 300, 10. *Bo* 10-8-

5120 संक्षेपशारीरकम्-(वेदान्त) अग्निचित्पुरुषोत्तममिश्रविरचितसुबोधिन्या, परमहंसपरिव्राजकाचार्यकृष्णतीर्थविरचितान्वयार्थप्रकाशिकया च व्याख्ययासमेतम् । Vol. I & II *Aa* 8-8-

5121 — अन्वयार्थप्रकाशिकासहितम् by सर्वज्ञात्ममुनी with a gloss called अन्वयार्थप्रकाशिका by रामतीर्थस्वामि, ed. by भाऊशास्त्री वझे. *Ks* 8-

5122 — मधुसूदनटीकासमेतम् । of सर्वज्ञात्ममुनी, with a gloss called सारसंग्रह by श्रीमधुसूदनसरस्वती, ed by भाऊशास्त्री वझे and Pt, सिताराम शास्त्री केळकर and साख्य योगाचार्य. *Ks* 8-

5123 संस्कारकौस्तुभ(कर्म) अनन्तदेवभट्टकृत. (पोथीसाइज). *N* 2-

5124 — orig संस्कृत with मराठी transl. containing comm. on difficult passages and the dic-

स

tionary of difficult words by A. M. मसानी. 1914. Roy. pp. 13, 8 53, 23. *Bd* 5–

5125 संस्कारदीपिकः(धर्म)पारस्करगृह्यानुसारि साङ्गोपाङ्गविवाहगर्भाधानादिसमावर्तनान्तसंस्कारनिरूपणात्मकः। कर्मविनियुक्त संहिता गृह्यसूत्रोक्तमन्त्रव्याख्यासहितः। नित्यानन्दपन्तपर्वतीयविरचितः। *Ch* 6-4–

5126 संस्कारपद्धति—(धर्म) भट्टगोपीनाथदीक्षितविरचितोपनिषद्व्यासहिता।अभ्यंकरोपाभिधभास्करशास्त्रिविरचिता। *Aa* 2-8–

5127 संस्कारमयूखः-(धर्म) ed. by Pt. नारायण शास्त्री झेंडे. 1913. 8vo. pp. 11, 154, 12. *Gu* –12–

5128 संस्कारमार्तण्ड—(धर्म) खण्ड 1 & 2. pp. 130. *Sp* 9–

5129 संस्काररत्नमाला-(धर्म) by गोपीनाथभट्ट ओक, ed. and revised by Pt. रामशास्त्रि. *Ch* 3–

5130 — (गोपीनाथभट्टी). vol. I & II. *Aa* 12-8–

5131 संस्कृतकोशः (Sansk. Engl. Dict.) by रामजसन पण्डित. *Sd* 6–

5132 संस्कृतकाव्यानि (Nine in no.) by मधुरकवि, publ. by R. D. पराडकर. 1916. cr. pp. 10, 2, 418, 2. 3–

5133 संस्कृतप्रवेश. An introd. to the संस्कृत Language. A book for the student of संस्कृत, publ. by R. D. देसाई. 1928. 6th edn. cr. 8vo. pp. 376. *Sa* 2–

5134 संस्कृतमयावलि by T. V. काणे. cr. pp. VI, 228. *Mm* 1-8–

5135 संस्कृतनाटकावतरणी-श्रीराघव कुलमहीमहीरसाभिना महाभारत-विष्णुपुराण-भागवतान्तरित –कारपदित्यादिकविरचिता। Cloth. Cr. 8vo. pp. 72. *Pr* 1–

स

5136 संस्कृतपुष्पमञ्जरी. *Mp* –4–

5137 संस्कृतभाषान्याकरण पं. सुदर्शनाचार्य शास्त्रिप्रणीतम्। *Ch* –4–

5138 संस्कृतलघुबोधिनी-(व्याकरण) देशरत्नामी विरचिता। *Ch* –7–

5139 संस्कृतोपक्रमपाठः। *Mp* –3–

5140 संस्कृतग्रन्थानुक्रमणि. A list of Sanskrit manuscripts of palm leaves by Hiersemann. (Leipzig.) Roy. pp. 46. 3–

5141 Sansk. composition by B. B. महाचार्य revised by काव्यव्याकरणतीर्थ. 1915. pt. I & II cr. pp. 135, 104. *Cc* –12–

5142 Sansk. Buddhism. a literary history of, by G. K. Nariman. 1923. 2nd. edn. sup. roy. pp. 341.–10–

5143 Sansk. Drama in its orig development, theory, and practise by A. B. Keith. 1924. 8vo. pp. 406. *Of* 16–

5144 Sansk. Engl. Dict. by Monier Williams. 1st edn. 1872. *Of* 50–

5145 — Engl. Dict. Etymologically and philologically arranged, with special reference to cognate Indo-European Languages, by Sir M. Monier-williams. Enlarged and improved by E. Leuman and C. Cappeller, and other scholars. 1899. 4to. (12x9¼), pp. xxxvi+1334. 73 *Of* 65–

5146 — Transl. ammended and enlarged from an orig. compilation prepared by learned natives

स

for the college of Fort William by Wilson H [H ed by जगन्मोहनतर्कालंकार & K M मुकर्जी Roy pp 1007 *Cc* 25–

5147 — Intended chiefly for High school and College Students compiled by V G आपटे 1912 8vo pp 2, 366 2 *Gn* 1–12–

5148 — Engl Dict for students by V S. आपटे contains appendices on sansk Prosody and Lit. and geographical names in the Ancient hist. of India 1922 2nd edn Roy. pp 8 664 *Gn* 10–

5149 — *Practical* containing appendices on sansk Prosody and important *Literary & geographical* names in the Ancient History of India by V S आपटे 1924 3rd edn revised and enlarged Roy pp 3 2, 1042, 24 *Gn* 15–

5150 — Engl Dict (Practical) contains alphabets from अ to ण 1889 Vol I Roy pp 3, 524 –8–

5152 — Engl Dict Being a practical hand book with transliteration accentuation and Etymological analysis-throughout compiled by Macdonell A 1893 *Roy pp XI 384* 25–

5153 — *Engl Dict* with appendix, explaining the use of affixes in Sansk by Pt Ram Jasan super Roy 8vo pp 707 5–

स

5154 — (*standard*) *containing* appendices on संस्कृत prosody and names of noted mythological persons by L R वैद्य, revised by Prof N S पानसे 1916 2nd edn. 8vo pp XV, 884 *Bo* 5–

5156 Sansk grammar for beginners in Devangai and Roman letters throughout by F Max Muller, 2nd edn 1870 Roy pp XXIV 300 *Lon* 15–12–

5158 — Including both the classical language and the older dialects of Veda and Brahman by W D Whitney Fourth issue of 2nd edn 1921 8vo pp XXV 578

The greatest extant *repository of the* grammatical facts concerning the Sanskrit language A masterpiece of orderly arrangement Prefixed is a brief account of the literature of India *Ho* 16–

5159 — Higher for the use of schools and colleges by M. R काळे 1922 6th edn cr pp. 532 156 *Gn* 4–

5160 — by H P Froster. 1810 Roy pp XXI, 691, 8. *Cc* 20–

5161 — for beginners by F Max Muller *1886* cr pp XVI 192 12–8–

New and abridged edition accented and transliterated throughout with a chapter on syntax and an appendix *on classical metres*

5162 — by wilson H 12–

5163 Sansk Language on a plan similar to that most commonly

स

adopted in the learned language of the west by Rev W Yates 1920 8vo pp. XXVIII 403. 5-

5164 — — (German) elementary grammar by Kellar 1884 XVI 262 2-

5165 — (Dutch) by Ublenbhck o o 1898 Roy pp 115 8-8-

5166 — — —a practical grammar for the use of early students by Benfey I 1863 Roy pp XIV 228 5

5168 Sansk, Manual Part I containing the accidence of Grammar and Part II a complete series of progressive Exercises by M Williams 1868 2nd edn cr pp VIII 176 *Lon* 5-

5169 संस्कृत व प्राकृतकोश contains — अमरकोश, त्रिकाण्डशेष, मेदिनी, हारावली एकाक्षरी, and some portions in the other कोशs, some words in नवनीत, हितोपदेश and in the text Books of the Primary Schools from std 1 to 6, ed by रा. आ गाडगाळे and रा शि कळकर आवृत्ति १ ला Roy pp 507. 25-

5170 संस्कृत प्राकृतकोश with the help of अमरकोश prepared by अनन्तशास्त्री तळेकर 1853 8vo pp 500

5171 Sansk and प्राकृत Mss in the Adyar Library, a list 5-

5172 — Prose selections, prescribed for Inter-Arts—exam 1925 and 1926 with notes by K. S. सवैद 1924 Roy 3-

5173 Sansk Papers (1862–1923) set at the Matric Exam of the Bom Univ with full solution by M R. काळ 1920 1-12-

स

5173*a* — (1917–1926) set at the Matric Exam. of Bom Univ. by L R खरे. 1926 1-

5174 — Papers of the Bombay University Matriculation Examination 1900–1917 *An* 14-

5175 Sansk Poems of Mayura edited with transl notes and introd with text and transl of Bana's Candishataka by G P Quackenbos 1917 8vo (9 x 6) pp XVII x 362 x VI 3 facsimiles *Qf* 9-

5177 — Primer Based on the Leitfaden fur den Elementarcursus des Sanskrit" of Prof Georg Buhler of Veinna with Exercises and Vocabularies by I D Perry 8vo Cloth pp 230 *Gn* 9-6-

5179 Sansk Reader Text and vocabulary and Notes by C. R. Lanman 1920 Roy 8vo pp. 430 *Ho* 12-

5180 Sansk Research–An Anglo-sansk quarterly devoted to research work in all fields of Indian Antiquity, ed by Pt. L. श्रीकोटा 1915 vol I No 1, 2, 3, and 4 and II each No 3-

5182 — reader by Liebich *Ml* 15-

5183 — Selections Chrestomachie by Bothlingk 12-

5184 Sansk Syntax ed by Speyer with an introd by Dr. H Kern. 1886 (x 402) *Br* 9-

5185 Sansk. Teacher, on new lines, full of interesting sentences and verses from sanskrit Literature

स

by त्रिवेदी 1911. 8vo pp 6, 232, 2 Bo 1-8-

5186 संस्कृत वाङ्मयाचा इतिहास नाटक-मराठी by c v वैद्य. 1922 cr. pp 2, 4, 174 1-8-

5187 Sansk. Tutor by K. सदाशिव शास्त्रिगल 1908 part I-x 8vo pp 256 Tr 2-

5188 Sansk. Worterbuch-by Bohlingk abridged in 7 parts, bound in 3 vols new edn 1923—25- 126

5189 सप्तबुद्धस्तोत्र-बुद्धस्तोत्रसंग्रह (Sansk & Tibetan) or a collection of Buddhist hymns by भिक्षुसर्वज्ञमित्र of काश्मीर, ed by S C विद्याभूषण 1908 vol I Bi 4-

5190 स्मृतिर्निस्तुप-(धर्म) श्रीमदनन्तदेवमहकृत A 2-2-

5191 स्मृतिचन्द्रिका-(धर्म) by देवणभट्टोपाध्याय, ed by L श्रीनिवासाचार्य 1914 8vo pp. III, 227. Bs 13-12-

5192 स्मृतिप्रकाश by वासुदेवराय ed by M M सदाशिवमिश्र 1912 Pu 12-

5193 स्मृतिरत्नाकर-(धर्म) Vy 2-

5194 स्मृतिसारोद्धार – (धर्म) by विश्वम्भरत्रिपाठी ed by Pt. मगनमिश्र Ch 6-

5195 स्मृतीनां समुच्चय । अङ्गिरःस्मृतिश्रीधरादान्तानां सप्तविंशतिसंख्यामितानाम् । (A collection of 27 स्मृतिs) १ अङ्गिरस २ अत्रिसंहिता, ३ अत्रि, ४ आपस्तम्ब, ५ औशनस ६ गोभिल, ७ दक्ष, ८ देवल ९ प्रजापति १० बृहस्पति ११ बृहस्पति, १२ बौधायन, १३ यम, १४ लघुविष्णु १५ लघुव्यास, १६ लघुशातातप १७ लघुहारीत, १८ लघ्वाश्वलायन, १९ लिखित २० वसिष्ठ, २१ वृद्धशातातप, २२ वृद्धहारीत, २३ वेदव्यास २४ शङ्खलिखित २५ शङ्ख, २६ शातातप, and २७ संवर्त) 5-

5197 स्तवचिन्तामणि-(स्तुति) devotional work in praise of शिव by भट्टनारायण with a commentary by क्षेमराज Cloth Km 12-4-

5198 स्तवमाला—(स्तोत्र) श्रीरूपदेवविरचित, जीवदेवकृतभाष्यसहित. N 2-

5199 स्तवरत्नमाला by ताम्रपर्णी आनन्दतीर्थाचार्य. This is a key to the understanding of द्वैत Philosophy. More useful than that of माध्वसिद्धान्तसार Mi 5-

5200 स्तुतिकुसुमाञ्जलि(काव्य) श्रीजगद्धरभट्टविरचित, राजानकरत्नकण्ठविरचित टीकासहित N 3-

5201 स्तुतिपारिजातम् publ by भट्टरमानाथशर्मा 1916 cr pp 13 Vl -4-

5202 स्तुतिशतकम्- (स्तोत्र) by मूकशिव Vv 2-

5202 a Student's Hand Book of Progressive Exercises Part II by Vaman Shivaram Apte Ad -4-

5203 स्तोत्ररत्नाकर-स्तोत्ररत्नाकर part II Ch -12-

5204 स्तोत्रमुक्ताहार प्रथम भाग Gu 1-
Contains 25 Stotras or hymns addressed to various Indian Gods & Goddesses (Deities) It is a veritable garland of hymns highly appreciated by Devotees and scholars Pt I size 32 mo Cl bound

5205 — द्वितीयो भाग Gu -12-
Contains 150 new stotras or hymns. The collection is very unique of its kind & contains some hitherto new and unpublished hymns. These are edited with great care after compa-

स

ring severel Mss collected from different parts of India. pt, II sup. Roy. size Cl.

5206 — तृतीयो भागः Gu 1-

5207 स्तुतिशतकम्. Md -3-

5208 स्तोत्राणि श्रीमच्छिंगमान्तमहादेशीकैः— अनुगृहीतानि कृष्णाम्माचार्येणसंशोधितानि। 1911. 8vo. pp. 179. Mu 1-

5210 — composed by His Holiness चन्द्रशेखरभारतीय स्वामीगल—the present जगद्गुरु of शृङ्गेरी. Vv -6-

5211 स्थविरावली or परिशिष्टपर्व by हेमचन्द्र, being an appendix of the त्रिशष्टिशलाकापुरुषचरित्र, ed. by Hermann Jacobi. Bi 12-

5212 — चरित्र or परिशिष्टपर्व of हेमचन्द्र in Engl. ed. by col. Jacobi. 8vo. pp. 86, 3. Bi 5-

5213 — (जैन) सटीक of देववाचक. Jb 1-

5214 स्तोत्राणि by R. V. कृष्णमाचार्य or अभिनवभट्टबाण. 1911. 8vo. pp. 6. 170. Tan 1-

5215 स्थळांची सूची—मराठयांच्या इतिहासाची साधनें खंड 1-8,10-12 and 15-19 by V. K. राजवाडे. 1917. cr. pp. 238. B. I. S m 4-

5216 स्थूलिभद्रचरित्र—(जैन) of जयानन्द-सूरि Jb 1-

5217 स्यानन्दूरपुरवर्णनप्रबन्धः — (काव्य) by H. H. स्वातिभिरामवर्मा महाराज with the comm. सुन्दरी of राजराजवर्मा. Tr 2-

5218 स्पन्दकारिकावृत्तिः (वेदान्त) A metrical exposition of the शैवसूत्र in sansk. with the वृत्ति of रामकण्ठाचार्य, Cloth Km 2-12-

स

5219 स्पन्दकारिका- (वेदान्त) of वसुगुप्त with the निर्णय by क्षेमराज, ed. with preface, introd. and Engl. transl. by Pt. मधुसूदन कौलशास्त्री. Ad 5-

5220 स्पन्दनिर्णय(वेदान्त) A comm. on the स्पन्दकारिका by क्षेमराज. Discusses how the involution and evolution of the universe are ultimately traceable to the Supreme Energy whether known in the male aspect as परमशिव or in the female as पराशक्ति. The steps which the average self has to pass in order to get absolute identity with Him or Her are very well described. Brought out for the first time, with preface, introduction and transl. in Engl. Cloth Km 4-

5222 स्पंदप्रदीपिका(वेदान्त) of उत्पलाचार्य. A comm. on the स्पन्दकारिका, ed. by वामनशास्त्री. इस्लामपूरकर. 1898. Roy. pp. 2, 54. 1-4-

5223 स्पन्दसन्दोह- (वेदान्त) by क्षेमराज, Abridgment of the स्पन्दनिर्णय. paper cover. Km -8-

5224 स्फुटार्थअभिधर्मकोशकारिका. A work of यशोमित्र, ed. by Prof. S. Levi. fsc. 1. 5-

5225 स्फोटसिद्धि—(व्याकरण) Tr -8-

5226 स्फोटसिद्धिन्यायविचारः—(व्याकरण) Tr -4-

5227 स्याद्वादमञ्जरी- (जैन) by मल्लिषेण with a comm. of हेमचन्द्र, ed. by दामोदरलाल गोस्वामि. Ch 3-

स

5228 — with the comm of इम चन्द्र and notes by Prof A B ध्रुव *Bo*

5229 — (जैन) 1–

5230 स्याद्वादरत्नाकर-(जैन)A religious work of the Jains said to have been written by वादीदेव सूरि and ed by मोतिलाल लाधाजी 1928 part IV 8vo pp 266 2–

5231 स्वच्छन्दतन्त्र– (आगम) with the comm by क्षेमराज Sets forth the rules regarding the Shaivaistic initiation Vol 1–3 8vo pp IX, 253 each *Km* 3–8–

5232 स्वप्नचिन्तामणि काव्यबद्ध,-(जैन) of श्रीजगदेव *Jb* –12–

5233 स्वप्नवासवदत्ता—(नाटक) Being a transl of an anonymous sansk drama attributed to Bhasa, by V S सुखठणकार 1923 *8vo* $(8_{\frac{1}{2}} \times 5\frac{1}{2})$ pp VI + 94 *Of* 5–

5234 — ed by गणपती शास्त्री 2nd edn *Tr* 1–8–

5235 Transl. into Engl with critical view by कुमाराव, 1917 cr pp XXIX, 54 –12–

5236 — By Prof D B देवधर 1928 2nd edn 8vo pp XIV 134 *Oa* 2–

5237 — Sansk. text only, publ by P N पटवर्धन 1916 cr pp 53 –4–

5238 — ed with Engl transl. introd notes &c by A B भिड (आपटेकर's edn)

5239 — transl into Engl with critical review by S कुमाराव publ. by Pt T B कृष्णमाचार्य 1927 cr. pp XXVII 54 *Md* –12–

5240 स्वप्नसुंदरी-(गुजराथी) भासकृत स्वप्नवासवदत्ता नाटकाधार भाषांतर, by K H, ध्रुव 1923 2nd edn cr pp 109 *Bd* –15–

5241 स्वराज्य की महिमा– (वैदिक) orig संस्कृत with Hindi transl by S D. सातवळेकर 1921 cr pp 112 4 *Bo* –8–

5242 A stanza from पाणिनीयशिक्षा by G S स्वर 8vo pp 439, 442. –8–

5243 स्वानुभव-तरंग—(काव्य) or वेदान्त शास्त्रकाव्य in orig संस्कृत with मराठी transl by घेलप contains –वेदान्त, तत्वज्ञान आरोग्य, भक्ति नीति—विषयक मार्मिक विवेचन स्वामींचें चरित्र, फोटो प्रस्तावना, प्राकृत भाषांतर, वेदान्तस्तोत्रें and पंचवटी स्थानान्तर्गत देवतास्तोत्रें ed and publ. by G R भेण्डकर. १९१० नाशिक 2–

5244 स्वावलंबन टिळक लोकशिक्षण सभाचें मासिक, ed by G N कानिटकर 1926 अंक १–८ 3–8–

5245 स्वामी रामतीर्थ—a sketch of his life and teachings 8vo pp 48. *Nt* –4–

5246 स्वानुभवादर्श—(वेदान्त) with a comm by माधव शर्मा ed by Pt सिताराम शास्त्री शेंडे *Ch* 3–

5247 स्वाहासुधाकर By नारायणभट्टपाद *Km4* 1–

5248 SKETCH OF THE TURKI Language as spoken in Eastern Turkastan Kashghar & Yarkand together with a collection of

स

extracts by A. B Shaw. 1874. Pt. I 8-12-

5249 THE STORY OF BUDDHISM. by K. J. Saundars with eighteen illustrations ($7\frac{1}{2}$x$5\frac{1}{4}$). pp. 168. 1916. cr. 8vo *As* 3-8-

5250 STORY OF SATARA by B. D बसु, ed by रामानन्द चतर्जी. 8vo. pp. xxxII, 542 10-

5251 STORY OF TI MED KUN DEN. A Tibetan Nam-thar, ed by Ross E. D. 1912. *B*ı 1-

5253 THE STUDY OF PATANJALI. (Griffith Memoril Prize 1915.) by S N. दासगुप्त Demy 8vo pp 216. *Cu* 4-8-

Here we have an account of the Yoga system of thought as contained in the Yoga Sutras of Patanjali according to the interpretations of Vyasa Vacaspati and Vijnana bhikshu with occasional references to the views of other systems by an acknowledged authority on Hindu Philosophy.

5254 The sweets of Refutation-an Engl. transl of खण्डनखण्डखाद्य of श्रीहर्ष, ed. by गंगानाथ झा. Vol II परिच्छेद, 2-4. 8vo. pp 279, 414 433. 5-

5255 A STUDY OF THE INDIAN PHILOSOPHY by देसाइ. 1906. cr. pp x. 396. *Bo* 5-

5256 STUDIES in Indian History and Culture by N N. Law Demy 8vo pages 430 Contents I The Antiquty of the four stages of life. II The origin and development. 8-

स

5257 — IN HINDU LAW-by G. N, झा. *Sb* 1-

5258 — — -evidence by G N. झा *Sb6*

5259 — — -its evolution by G N. झा. *Sb4*

5260 — — -its judicial procedure by G. N. झा. *Sb4*

5261 — — -its sources by G N. झा. *Sb6*

5262 — IN THE HISTORY OF SANSK. POETICS by S K. De 2 vols. 16-

5263 — in South Indian Jainism by M. S रामस्वामी अयङ्गार & B शेषगिरिराव. 1922. pt. I 8vo pp IV, 144. *Md* 5-

5264 — in the six Upanishadas together with the transl. of the ईश and केन according to शङ्कराचार्य, ed by श्रीचन्द्र बसु 4-

5266 — in Vedant by V. J. कीर्तिकर, ed. by M R.जयकर. *Ta* 14.

5267 — *in Vedantism by K. C.* भट्टाचार्य. 1919 8vo pp. IX, 73. *Cu* 3-12

It is a treatise dealing on Vedantic lines intended to bring out relations of the system to modern philosophical system

5268 — in the वेदान्त sutras and the उपनिषद्स (संस्कृत-Engl) by S. C बिद्यारत्न, 1918. Roy. pp. II, 124. *Po* 4-

5271 Spirit of Ancient Hindi Culture of by M. A. Buch. 1921. cr. pp. II, 246. 2-4-

स

5272 Studies in the Medicine of Ancient India by A F R Hoernle part I, Ostelogy 1907 Section I, introduction Medical Schools Chronology, Section II Text-Critical, the Records, Section III Anatomical Identifications, Section IV, Appratus Criticus 8vo (9x6), pp xii+ 252, 33 illustrations *Of* 9-6-

5273 — in Mugal India by Prof Y N सरकार 1919 8vo pp 313 *Pl* 2

5274 — in Hindu Political thought by A K सेन, published by L M गुप्त 1926 8vo pp IV, 179 *Cc*

5275 Sanskrit Inscriptions, the selection from see—The selections from sanskrit inscriptions

5276 Study of language an introduction to see—An Introduction to the study of Language. 573

5277 Study of योग, an introduction to, see—An introduction to the study of योग 576

5279 संहिता काण्व with सायणभाष्य see काण्वसंहिता—no 1083

5280 SANSKRIT Buddhism, a literary history of, see—A literary history of sanskrit Buddhism. 4025

5281 SANSKRIT composition, a key to, see—A key to sanskrit composition 1241

स

5282 SANSKRIT Composition, a guide to, see—A guide to sanskrit composition. 1466

5283 — drama, the bibliography of, see—The Bibliography of sanskrit drama 2840

5284 — an Influence of analogy in, see—An influence of analogy in Sanskrit. 550

5285 — grammar, a composition to see—A composition to sanskrit grammar

5286 — grammar, the system of, see—The system of sanskrit grammar 4987

5287 — Language a practical grammar of see—A practical grammar of sanskrit Language 2695

5288 — Language a grammar of see —A grammar of sanskrit Language 1585, 1586

5289 — Language, the roots, verb forms & primary derivations of, see—The roots, verb forms & primary derivations of Sanskrit Language 3894*a*

5290 SANSKRIT LEARNING and composition a guide to, see—A guide to sanskrit learning and composition. 1465.

5291 SANSKRIT LITERATURE, a history of see—A history of sanskrit literature

5292 — A hand book of, see—A hand book of sanskrit literature.

स

5293 — Mss. in the Adyar Library, a descriptive catalogue of, see—A descriptive catalogue of sanskrit Mss. in the Adyar liabrary.

5294 SANSKRIT manuscripts, the history for search in the Bombay Presidency, see—The history for search of संस्कृत Mss. in the Bombay Presidency,

5295 — manuscripts at Leipzig, a catalogue of, see—A catalogue of sansk. Mss. at Leipzig. University 1397.

5296 — Mss. in the library of H. H. the महाराजा of बिकानेर, a catalogue of, see—a catalogue of sans. Mss. in the library of H. H. the महाराजा of बिकानेर. 1399.

5297 — Mss. in Mysore and Coorg, a catalogue of, see—A catalogue of sansk. Mss. in Mysore and Coorg. 1398.

5298 — Mss. the R. A. Society London, a catalogue of, see—A catalogue of sanskrit Mss. in the R. A. Society London. 1396.

5299 — And prakrit Mss. in the Adyar Library, a preliminary list of, see—A preliminary list of sanskrit and prakrit Mss. in the Adyar Library. 2729.

5300 Sansk. & प्राकृत Mss. B. B. R. A. S. a catalogue of, see—A catalogue of sanskrit and

स

prakrit Mss. in the B. B. R. A. S. 1400.

5301 — poet, the making of, see—The making of sanskrit poets. 3501.

5302 — plays, time analysis of, see—Time analysis of sansk. plays. 1804.

5304 — poetics, studies in the history of, see—The studies in the history of sansk. poetics.

5305 — poetics, a history of, see—A history of sansk. poetics.

5306 — Philosophy, the history of, see—The History of sansk. philosphy.

5307 — Sandhies, a guide to, see—A guide to Sansk-Sandhies. 1467.

5308 — verb inflection in, see—Verb inflection in संस्कृत. 4428.

5309 — writers, religions and moral sentiments rendered from, see—The religions and moral sentiments rendered from sansk. writers, 3877.

5310 — and Pali books in the British Museum, a catalogue of, see—A catalogue of sansk. and Pali Books in the British Museum. 1401.

5311 संस्कृतसाहित्य, the problem of, see—the problems of संस्कृतसाहित्य. 2705.

5312 सावरकर बॅरिस्टर, the life of, see—the life of सावरकर बॅरिस्टर. 3893.

स

5313 स्वामी विवेकानन्द the life of see-the life of स्वामी विवेकानन्द 3997.

5314 Sovereignty, the theory of, see-The theory of Sovereignty, 2011.

5315 Saracenic art, drawing of geometric pattern in, see The drawing of the Geometric pattern in Saracenic art. 1839

5316 शास्त्रभाष्य,an index to, see-an index to शास्त्रभाष्य 497.

5317 Science of religion, an essay on, see—An essay on the science of religion 927.

5318 PSYCHOLOGY of religion, a study in; see—A study in the psychology of religion.

5319 SCIENCE of language, an essay on. see—An essay on the science of language 927.

5320 SIAM, the Indian, colony of, see—An Indian Colony of Siam 515

5321 SINHALESE, Literature and language of, see–A literature and language of Sinhalese 4010.

5322 SACRAD language, writings &c of the पारसीs, an essay on, see–An essay on the sacred language, writings &c. of the पारसीs. 926

5323 SECOND Oriental Conference, the proceedings of, see–The proceedings of the 2nd Oriental Conference. 2718.

स

5324 SELF CULTURE, the Hindu principles of see-The Hindu principles of self culture

5325 हठप्रदीपिका *Bs* 1–

5326 हनुमन्नाटक सटीक. *Vy* 1-8–

5327 हनुमानसहस्रनाम *Vy* –2–

5328 हम्मीरमदमर्दन-(नाटक) A drama glorifying the two brothers वस्तुपाल and तेजपाल and their king वीरधवल of धोलका by जयसिंहसूरि-pupil of वीरसूरि and an आचार्य of the temple of मुनिसुव्रत at Broach, composed between samvat 1267 & 1296 or A D 1220 and 1239. ed by C D दलाल. 1920 *Go* 2–

5329 हम्मीरमहाकाव्यम्-(जैन) of नयचन्द्रसूरि, ed by N J. कीर्तने 1879. 8vo pp 47, 136. *Bo* 13–

5330 हरचरितचिन्तामणि-(काव्य) by राजानक जयरथ, ed by M M Pt शिवदत्त and K P परब 1897 8vo pp. 281 *N* 1–12–

5331 हारलता (Text) A treatise on स्मृति (ordinances) by अनिरुद्ध भट्ट. edited by कमलकृष्ण स्मृतितीर्थ *Bs* 2-4–

5332 हरलीला by बोपदेव with the comm of मधुसूदन सरस्वति *Co*

5333 — ed by ईश्वरचन्द्र शास्त्री. *St* 1–4–

5334 हरविजय—(काव्य) राजानकरत्नाकर-विरचित *N* 5–

5335 हर्षचरित Prose Engl Transl. ed & publ by M. V. काणे 1897. 8vo pp. 7, 751. *Cr* 10–

5336 हरतालिकाव्रतकथा सन्मार्ग. *Vy* –2–

ह

5337 हरिहरसुभाषित-(काव्य) by श्रीहरिहर. *N* -8-

5338 हरिवंशपुराण. सटीक. *Vy* 10-

5339 हरिविलास by लोलिम्बराज, *Kms* 1-

5340 हर्ष & HIS TIMES by C. V. वैद्य.1924. 8vo. pp. VIII 351. *Oa*

5341 हर्षचरित-(काव्य) of बाणभट्ट, शंकर कृत संकेतटीकासहित. *N* 2-

5342 — Text with comm. संकेत, edited. by DR. A. A. Fuhrer. part 1. *Bp* 2-

5343 — A monograph on the history of India in Engl. in the first half of the 7th century, by K. M. पाणिक्कर. 1922. Roy. pp. 3, 78. 3-8-

5344 — Transl, by Cowell E. and Thomas F. 1897 pp. XIV, 284. *O.T.F.* 10-8-

5345 — An abridgement of बाण's हर्षचरित, ed. with an orig. sansk. comm. introd. and notes by V. V. मिराशी. 1920. Roy. pp. ii, 56. 2-

5346 — ed. with an introd. notes, & appendices by P. V. काणे. 1920. Vols 2 उच्छ्वास 1-8. 8vo pp. 1-3. 1-83, 1-312 1 39. *Bs* 7-8-

5347 — Ed. with a sanskrit comm. बालबोधिनि by S. D. गजेन्द्रगडकर, introd notes—critical and explanatory & appendices by A. B. गजेन्द्रगडकर उच्छ्वास-1-8. 8vo. pp xix, 61, 53, 46, 96, 89. 7-8-

ह

5348 — Notes by R. B. काळे. 1892. chapters I-IV. cr. pp. VIII 200, 67. 2-

5350 हास्यार्णव-(वैद्यक) पालकाप्यमुनिनिर्मितः। *Aa* 7-8-

5351 हस्तदूत रसायन काव्य. *Vl*

5352 A Handbook of Indian Art with illustrations. by Havell E. B. medium, 8vo. *Jm* 19-

5353 Handy reference Atlas of the world, ed. by Bartholomew. 1923. 10th edn. 8vo. pp. 171. 10-

5354 A Handbook of Hindu Pantheism,—the पञ्चदशी of विद्यारण्य स्वामि, transl. by नन्दलाल ढोले. *Ad* 5-

5355 A handbook of Sanskrit Literature by Small G. 1866. 5-

5356 How to be a योगी by स्वामि-अभेदानन्द. *Ad* 3-

5357 हारिभद्रीयावश्यकवृत्तिटिप्पणकम्- (जैन by श्री महेमचन्द्र सूरि, ed. by कुमुद-विजय. 1920. pp. 118. *Bo* 1-12-

5358 हायनरत्न -(ज्योतिष) *Kg* 1-8-

5359 THE HIGHER LIFE, or Role of राजयोग by भगवानद्रुद. *Bt*—2-

5360 HARMONY in thoughts, comparisons and uses of, words & expressions of Indian Poets from कालिदास to माघ, by walter in German. *Gr* 1-8-

5361 The Heart of Aryavarta by the Earl of Ronaldshay,-a study of the Psychology of Indian unrest. Demy 8vo. cl. *As* 18-

ध

"Since sir Alfred Lyall no great British administrator has produced such an illuminating series of studies of Indian psychology as Lord Ronaldshay lately governor of Bengal In the present volume which is the third of the series he gets down to bedrock and finds the secret of what we call Indian unrest in the clash of two civilizations as far as the poles asunder

5362 The Heart of Buddhism being an Anthology of Buddhist Verse, translated and edited by K Saunders 8vo *As* 1-8-
This book is an excellent anthology of Buddhist poetical literature enriched with a brief but sympathetical appreciation of the Buddha and the religion he preached

5364 The Heart of India-sketches in the history of Hindu Religion and Morals by L. D. Barnet 3rd impression 1908 cr pp 122 *As* 2-12-

5365 — of Jainism by Mrs Sinclair s with an introd by G P Taylor 1915 8vo pp 360 *Of* 6-

5366 हृत्पद्म by K [illegible] *Vv* 12-

5367 हितोपदेश-सन्धि and विग्रह 1907 part II cr pp 35 *Md* -4-

5368 — Ed containing the Sansk Text with interlinear transl by M Muller 1865 book II, III and IV Roy pp VI 151 *Lon* 5-

5369 — or a Protege of King [illegible] by K [illegible] 1893 4th edn 8vo pp 130 5 *N* -8-

ट

5370 — or a selection of proverbs and quotations in Engl. transl into sanskrit by H. H. श्रीमन्नारायणसिंग बहादुर 1910 8vo. pp II 88 Freeman & co 2-

5371 — (काव्य)— of नारायणपण्डित. *N* -12-

5372 — Text with full Engl. transl by B T [illegible] *Gn* 1-8-

5373 — Text only *Gn* -8-

5374 — Engl Transl by [illegible]
It is both free and literal, and specially prepared for Indian students *Gn* 1-

5375 — ed with a संस्कृत comm. Engl transl and notes by M R काळे 1924 5th edn 8vo pp 105, 124, 54 *Gn* -8-

5376 — Text. transl from the sansk. by Hale Wortham B 2-

5377 — ed by Dr P Peterson. *Bp* 1-10-

5378 — or Salutory Counsels of विष्णुशर्मा being an Engl. Version of the Sansk. beast fables for use in Indian schools by C. ARNOLD with illustrations 1920 pp XII 155 *L. I. C*

5379 हितोपदेश or The book of wholesome house of Eastern story ed by Sir E Denison Ross. 8vo pp 194

5380 — with grammatical and glossarial notes by N S [illegible] and N S [illegible] 19 8 No. II 3rd edn cr pp 42, 3 *Md* -6-

ह

5381 Hints for coin collectors & coins of southern India by Tuffnell R. 1890. Roy. pp. 52. 5–

5382 हिंदुत्व by a maratha in Engl. 1928. cr. pp. 128. 1–4–

5383 Hindu Achievements in exact sciences—a study in the history of scientific development by B. K. Sarkar. 1918. 8vo. cr. pp. XIII, 12, IV. *Po* 3–

5384 Hindu Astronomy by G. R. Kaye. *Gn* 3–

5385 The Hindu Colony of Cambodia. by P. N. बोस. *Ad* 3–

5386 Hindu drama compiled and transl. from various sansk. authorities by Sir सौरिंद्र मोहन टागोर. 1880 sup. Roy. pp. 46.

5387 HINDU MANNERS, Customs and Ceremonies. by J. A. Dubois. Translated from the Author's later French Mss (c 1821) with notes, corrections, and Biography, by H. K. Beauchamp, 3rd edition 1906, pp, xxxiv × 742, with a portrait. India paper. *Of* 6–8–

5388 — MUSIC, some thoughts on by G. B. खरे. 1922 cr. pp. 15. 2–

5389 — ETHICS—an historical and critical essay by John Mckenzie. 1929. 8vo. ($8\frac{1}{4}$x$5\frac{1}{2}$) pp. xii.+261. *Of* 7–14–

5390 — musical scale and the twenty-two श्रुति by K, B, देवल. 1910. 8vo. pp. ii, viii, 49. 1–

ह

5391 — Gods and Heroes—studies in the history of the Religion of India, by Lionel D. Barnet. *Wu* 2–10–

5392 — Holidays and Ceremonials with dissertations on origin folklore and symbols by B A. गुप्त, with 18 illustrations. Six in colour, *Ad* 8–

5393 — Law and customs by Jolly J. authorised transl. by Balkrishna Ghosh. 1928. Roy. pp. 341. 10–8–

5394 — by K. महाचार्य. New edn. revised by M. Ray and S. C. Sen. 1905. cr. pp. 220. *Cu* 2–4–

5395 — Mythology, वैदिक and पौराणिक, illustrated and ed. by Wilkins W. 1915. 3rd edn. pp. xviii, 537. *Tha* 10–

5396 हिंदुपदपादशाही or a Critical Review of the Hindu Empire of महाराष्ट्र, by V. D सावरकर with an introd. by Dr. B. C. मुजुमदार. *Pl* 3–

5397 THE HINDU PHILOSOPHY by D. N. पाल. 2nd edn. 2–

5398 — —the सांख्यकारिका of ईश्वरकृष्ण-an exposition of the system of कपिल with an appendix. of न्याय and वैशेषिक system by Davis J. 1894. 2nd edn. 8vo. pp. 151. 10–8–

5399 — — By Dr. M. Schultz. *Ad* 1–

ह

5400 — — of Law, by राधाविनाद पाल Demy 8vo. pp 176 *Cu* 6–
In this book the author has directed his efforts mainly towards an unfolding of early Hindu fundamental conception of law and has confined himself to the Vedic and Post Vedic times prior to the institutes of Manu.

5401 Hindu psalms and Hymns. Text and translation by K V रामस्वामी *Ad* –4–

5402 Hindu Poetics by वटुकनाथ शर्मा *Sb* 2–

5403 Hindu Polity—a constitutional history of India in Hindu times by K P Jayaswal 1924. Roy pp xxxii, 277 *Butt* 10–

5404 Hindu principles of Self Culture by राधाकृष्ण सुकर्ज *Ad* -6–

5405 — Realism—excellent introduction to the metaphysics of the न्याय-वैशषिक system of Hindu philosophy in Engl *Km* 3–

5406 Hindu Relig on and sociology on वर्णाश्रम, the synthesis of science, philosophy, religion, sociology and politics cr pp x 148, vi. *Tan* –12–

5407 Hindu sea voyoge problem by Pt. A महादेव शास्त्रि *Ad* –4–

5408 Hindu Relig ous Year by M M. Underhill 1921 pp 194 *As* 4-8–

5409 Hindu System of Religious Science and Art by K L सरकार 1910 2nd edn Revised and enlarged. cr. pp. III, 208, IV *Gr* 1–4–

ह

5410 Hindu Tales by Meyer J 1909 *Luz* 10–8–

5411 Hindus Ancient-on the weapons, army organisation and political maxims with special reference to gun powder and firearms by Oppert Madras. 1880 pp VI, 621 10–

5412 The Hindu view of life by S राधाकृष्ण 1926 cr pp 131 3–12–

5413 Hindus, the ethics of, see—the Ethics of the Hindus.

5414 Hindu Sociology, the positive back ground of, see—The positive back ground of Hindu sociology. 2507

5415 Hinduism, Religion and social condition in present India with 43 illustrations in German by Glasenapp H *Gr* 15–

5416 Hinduism the world-ideal, by हरिन्द्रनाथ मित्र *A I* 2–10–

5417 Hinduism and India, by गोविंद दास 1–

5418 The Hibbert Lectures by Max Muller 1878 pp VIII 394 *Jm* 7–

5419 — by Rhys Davids 1881 pp VI 262. *Jm* 5–

5420 हिरण्यकेशिगृह्यसूत्र with extracts from the comm of मातृदत्त by Kirste *Gr* 25–

5421 हीरप्रश्न गद्य (जैन) of कीर्तिविजय-गणि 2nd edn. *Jb* 2–4–

5422 हीरसौभाग्यकाव्य of देव विमलगणि with his own gloss ed by M M. Pt. शिवदत्त and K P परब 1900. 8vo. pp. 10, 918 *N* 5–8–

₹

5423 THE HIMALAYAS IN INDIAN ART with illustrations by E. B. Havell. 8vo. *Gn* 9–

5424 HISTORY OF ARCHITECTURE in India and East, revised and edited, with additions, by Burgess, ed. by Fergusson; 2 vols. Demy 8vo. *Jm* 30–

5425 — of the Aryan Rule in India by Havell. E. B. Roy. pp. xxxi, 582. *Hars* 15–8–

5426 History and Bibliography of न्याय वैशेषिक Literature, by G. N. कविराज. *Sb4*

5427 — of British India from the earliest Engl. Intercourse by c. Macfarlane 1881. cr pp. 694, 8. New edn. 2–

5428 — of the British Empire in India with an entirely new & enlarged glossary. by E Thornton. 1859 *8vo.* pp. xxiv, 655. 2nd edn Lon. 12–

5429 — of Trichinopoly prior to British occupation by M. S. Nateson. 8vo. pp. 31. *Nt* –4–

5430 — of fine art in India & Ceylon by V. A. Smith with five colored plates 1911. 4 to pp 536. ($11\frac{1}{2} \times 9\frac{1}{2}$) 381 other illustrations. 100–

5431 — of caste in India with an apppendix by S. V. केत्कर. 1909. vol. I cr. pp. xv 192. 5–

5432 — of Chess, by H. J. R. Murray 1913 Roy. 8vo. pp. 900

₹

with 160 illustrations, cloth. *Of* 31–8–

Contents: Histories of Oriental chess were published by Hyde (at Oxford University Press) in 1694 and by Forbes in 1860, of European chess by Von der Lasa in 1897; the three works of Van der Linde in 1874 1881; in the present treatise the auther has been able to make use of more recent isolated inquires, but the greater *part of his book is based* upon his own thirteen year's work at original sources, especially unpublished Arabic and early Eropean manuscripts upon chess and the assistance of Mr. John G white of Cleveland, Ohio, who placed his liberary unreservedly at his servise, and of other scholars who have healped in the problems presented by many languages and countries.

Part I. Chess in India, Malaya and the far East, in Persia and the Eastern Empire, Arabic and Persian iiterature, Chess under Islam and in Muslim legend, the game of Shatranji, derived and modern Eastern games

Part II. Chess in western Christendom, the mediaeval game, early didactic literature and moralities, the mediaeval problems, chess in mediaeval literatue, chessboards and chessmen and five chapters on modern chess down to Steinitz

5433 — of Education in ancient India, by Prof नरेन्द्रनाथ ल्रवाहा, cr. 8vo. *Mm* 1–8–

5434 — of HINDU CHEMISTRY from the earliest times to the middle of the 16th Century A. D. with Sanskrit

इ

texts, variants and illustrations by P C Ray 1925 vol I and II 2nd edn 8vo pp 7 6 cxxxii 312, 170 Cc 8

5435 — of Hindu Political Theories from the earliest times to the end of the 1st quarter of the 17th Century by U Ghosal 1923 8vo pp xiv+296 Of 8-12-

5436 — of India from the earliest times, from the age of Rigveda to the rise of Buddhism by V S वव्राड 1911 Vol I & II 8vo pp iii, 314 13 5, 8 4 7, 3 6, 32 Surat 10-

5437 — of India, the Hindu and Mahomdan periods with notes and additions by E B Cowell ed by Elphinstone Jm 16-

5438 — of Language by Henry Sweet 1920, pocket size edn pp xi, 148 2-

5439 — of Indian literature (German) by M Winternitz Vol 3 35-

5440 — of India by A Weber, transl from the 2nd German edn by John Mann, and Dr Th Zachariae 5th edn Roy pp xxiii 36 Kp 8-

5441 — of Indian Literature, ed with introd and revised by M Winternitz containing the Engl. transl of Veda, National *Epics, Puranas and Tantras from the orig German by Mrs S.* Ketkar 1927 Roy pp xix, 634 Vol I Cu 10-

5442 — of Indian Literature 1914 by Weber A Kp 10-8-

5443 — and criticism of Pali Grammar and Dictionary in German by R Franke 3-

5444 — of Indian Logic (Ancient, Mediaeval and Modern Schools) by सतीशचन्द्र विद्याभूषण with fore word by Sir Asutosh Mukerjee Demy 8vo pp 696 Cu 15-

A monumental work Dr Vidyabhushan has given here a detailed account of the system of Nyaya and has left no source of information whether Brahmanical or Buddhist (Indian and Tibetan) or Jaina untapped The history is brought down from the days of the Vedas to the 19th century and is full of facts well disposed and lucidly set forth The author did not live to see the publication of a work which is sure to make his name immortal in the annals of Indology

5447 — of Indian Medicine, by G मुखोपाध्याय with a foreword by Sir Asutosh Mukerjee 2 Vols pp 403 & 433 Cu 12-

5448 — of Indian Philosophy by Mason Oursen in Fr 10-

5449 — of Kilwa, ed from an Arabic Mss by Stronge (J R.A.S. April 1895). 1-8-

5450 — and criticism of महाभारत by Holtzmann A Gr 10-

इ

5451 — of the Mahrattas, by J. C. Grant Duff, Revised annotated edition, with an introduction by S. M. Edwardes, 1921. in 2 vols. I, pp. xcii+586, with frontispiece; II, pp. xxii,574 with a map. India paper. *Of* 31-8-

5452 — of the Maratha People, by C A. Kincaid, and D B. Parasnis 8vo. (9X6) vol. I, To the Death of Shivaji. 1918 pp. viii 294, with 8 illustrations with 2 maps. 7-8-
Vol. II From the death of Shivaji to the death of Shahu. 1922 pp viii+332 with 8 illustrations and 2 maps. 7 8
Vols. III From the death of Shahu to the end of Chitpavan Epic. 1925 pp xii+254, with 9 illustrations *Of* 7 8-

5453 — of Mediaeval Hindu India by C V. वैद्य 1921 8vo. pp. x, 400. Vols. 1-3. each *Oa* 7-8-

5454 — of the Mediaevol school of Indian Logic. by S. B विद्याभूषण. 1909. Roy. pp. xxi, axt. *Cu* 7-8-

5455 — of the Nayaks of Madura by R S. Aiyar, ed. by S. K. Aiyangar. 1924 Mds Univ. 8vo. pp xvi, 404. 8-

5456 — of the origin and expansion of the Aryans by A. C. Ganguly. *S*54 4-

5457 — of Pre-Buddhistic Indian Philosophy, by B. M. Barua, Roy. 8vo. pp. 468. *Cu* 10-8-
The book gives a clear exposition of the origin and growth of Indian philosophy from the vedas to the Buddh and seeks to establish order out of chaos-to systematise the teachings of the various pre Buddhistic ages and seers scattered in Vedic literature(Vedas, Brahmans, Upnishadas) and in the works of the Jains, the Ajivikas, and the Buddhists,

5458 — of sanskrit literature by Macdonald. 1925. Roy pp. VIII, 472. 7-8-

5459 —— an outline of, by T. चौधरी pnbl by G. C. चौधरी 2nd edn. cr. pp, III, 165, *Cs* 1-4-

5460 — of अलंकार literature with notes by P. V. काणे 1923. परिच्छेद I, II & X. pp. clxxx, 192, 352, 142. 6-

5461 — of the search for sanskrit Mss. in the Bombay Presidency from 1868 to 1900. *Bp* -8-

5462 — of Sansk. Philogy in German by Windisch E. 2 Vols. 2 parts. *Gr* 37-

5463 — of sansk. Poetices by Dr. S K. De in two vols. complete upto date. *Lnz* 16-

5464 —— of sansk. poets by P V. काणे. 1923 8vo pp clxxx *Bs* 3-

5465 — of the Sikhs, from the origin of the nation to the battles of the Sutlej by J. D. Cunningham. 1849. ed. by H.

ह

L O Grrrett 1918 pp lu & 429 India papper *Of* 7-14-

5467 Historical Gl an ngs, ed with a forward of Barua by Dr Bi mala Charan Law 1922 8vo pp x, 191 Cloth *Co* 6-

5468 — Gleanings from the Kautilya cultural, Linguistic & Literary by H Jacobi transl from the German into Engl by N B Utgikar 1924 Roy pp 15 *Bo* 1-

5469 — study of the terms Hinayana, and Mahayana and *the origin of Mahayana Buddhism* by R Kimura 1927 Roy pp xx, 203 *Cu* 2 4-

5470 — studies in Mughal *Numismaties* by Prof. S H Hodivala *Br* 10-

5471 — sketches of ancient Deccan with an introd and a foreword by K V कृष्णस्वामय्यर 1917 very rare Roy pp IV 429 5-

5472 — Record Commission held at Lahore 1925 vol III *Gt* 8-14-

5473 Hymns to the Goddess from the Tantra & the स्तोत्र of शङ्कराचार्य by Arthur Avalon *Bt* 3-

5474 Hymns of the Atharva veda see—nos 32 33 &c

5475 Hymns of the सामवेद transl by Griffith *Lz* 4-

5476 — of the Tamil saints by F Kingsbury & G E. Philips. 1921 pp 137 *Ar* 1-8-

ह

5477 Heat Light and sound-elementary physics by K V जासी 1923 5th edn cr pp 110 1-8-

5478 Hunas in Avesta & Pahalvi, by J J मादी 8vo. pp 65 50

5479 हैमलिङ्गानुशासनम् सावचूरिसहितम् । ed by बुद्ध लाल-पन्नालाल 1905 cr pp 160 *Kg* 1-

5479 / हैमलिङ्गानुशासन (जैन) 5-

5480 Hellinism in Ancient India by G N Banerjee 1919 cr pp viii 373 *Cc* 7-8-

5481 Heglianism and Human Personality, by हिरालाल हलधर Demy 8vo pp 67 *3-12-*

The theory advanced in this bookn provides a philosophical foundatio for the empirical fact of multiple, personality It also explains what the sublimimal self of man is The real theory of Hegel has thus been interpreted in this publication It really strikes out a freshl ne of thought by which a new meaning has been attached to the usual British interpretation of Hegel

5482 हेमरीमुग्न see—चन्द्रप्रभा 1669

5483 The Home of Literary Pali, by G A Grerson 8vo pp 117 123

5484 होरारत्न—(ज्योतिष) *Kg* 5-

5485 होरासार (ज्योतिष) with विवरण *Tr* 3-

5486 होत्रमीमांसा by कृष्णिगड रामचन्द्राचार्य धर्माधिकारी *Iv* -4-

5487 Hungary in ancient, mediaeval and modern times ed by

ग

Vambory A. 7th edn. cr pp. x vi, 453. 7-8-

5488 Hampi Ruins by A. H. Longhurst. *Gi* 2-4-

5489 हंससंदेश (Sanskrit) *Bs* 3-8-

5490 Hindu Architecture, a dictionary of, see—A dictionary of Hindu Architecture. 1832.

5491 — Chemistry, a history of, see—A history of Hindu chemistry. 5435.

5492 — And Christian the redemption of, see- The redemption of Hindu and Christian.

5493 — Culture, ancient, the spirit of, see- The spirit of ancient Hindu culture.

5494 — nationalation in, see-Nationalation in Hindu culture.

5495 Hindu ethics, a manual of, see-A manual of Hindu ethics. 3566.

5496 Hindu India, mediaval, of, a history, see-A history of medieval Hindu India. 5453.

5497 — the music of, see-The music of Hindus.

5498 — and Mohamedan law the principles of, see-The principles of Hindu and Mahomedan law. 2739.

5499 — ethics, the principles of, see-The principles of Hindu ethics. 2736.

5500 — India, the downfall of, see-The downfall of Hindu India. 1837.

ह

5501 — Law, the Vedic basis of, see-The Vedic basis of Hindu Law. 4304.

5502 Hindi Language, a grammar of, see-A grammar of Hindi Language. 1587.

5503 Hindu Law the mimansa rules of interpretation as applied to, see The mimansa rules of interpretation as applied to Hindu Law. 3549.

5504 — a treatise on, see-A treatise on Hindu Law. 1809.

5505 Hindu Law, position of women in, see—The position of women in Hindu Law. 2515.

5506 — medicine, ancient, an interpretation of, see-an interpretation of Ancient Hindu Medicine. 555.

5507 — mythology and religion, a classical dictionary of, see—A classical dictionary of Hindu mythology and religion. 1379.

5508 — Law, evidence, studies in, see—The Studies in Hindu Law-evidence.

5509 — Law, judicial procedure studies in, see—The studies in Hindu Law-Judicial procedure.

5410 — Its revolution, studies in, see—The studies in Hindu Law-its revolution.

5411 — The studies in, see—The studies in Hindu Law.

ह

5512 — and its sources, the studies in, see—The studies in Hindu law and its resources.

5513 — Music, some thoughts on, see—Some thoughts on Hindu music

5514 — Pantheism, a hand book of, see—A hand book of Hindu Panthism.

5515 Hindu Pantheism, a manual of, see—A *manual of Hindu* Pantheism. 8538.

5516 — — the beginnings of, see—The Beginnings of Hindu Pantheism. 5254.

5517 — Political theories, a history of, see—A history of Hindu political theories.

5518 — — thought the studies in, see—The studies in Hindu political thought·

5519 — Shipping, ancient notes on, see—notes on Ancient Hindu shipping.

5520 — religion, philosophy and yoga, of see—The Philosophy *& Yoga of Hindu religion,*

5521 — an essay on the religion, of see—An essay on the religion of the Hindus. 924.

5522 — the political instittutions and theories of, see—The political institutions and theories of the Hindus. 2350.

ह

5523 — the surgscal instruments of, see—The surgical instruments of the Hinds.

5524 Hinduism, the crown of, see—The crown of Hinduism.

5525 — *the folk tales of, See*—The folk-tales of Hinduism. 2807.

5526 — a primer of, see—The primer of Hinduism. 2716.

5527 — *the essentials of, See*—The essentials of Hinduism. 484.

5528 History of ethics, an outline of, see—An outline of the history of ethics. 384.

5529 History of Iran, an essay, See-An essay on the history of Iran. 919.

5530 Himalayas, linguistic studies from, see—The linigustic studies from Himalayas. 4008.

5531 Hiuen Tsiang, the life of, see—The life of Hiuen Tsiang. 3993.

5532 Human *understanding*, an essay, see—An essay on the human understanding 920.

ADDENDUM.

1 अणुभाष्यम् (ब्रह्मसूत्रभाष्यम्) पोथी साईज अध्याय 1-4 pp. 159. *Mv*

2 अथर्ववेद by Kreyenberg. pp. -222. 30-

3 Antiquity of Hindu Medicine—including an introductory lecture to the course of Materia Medica and Therapeutics, Royle F. 1837. 8vo. pp. 196. rare, 35-

4 अमरुशतकम् critically ed. with introd. and notes. by Schroder 8vo, pp. 4, 72, 27. *Mt* 1-8-

5 Aphorisms of शाण्डिल्य with the comm. of स्वप्नेश्वर on the Hindu doctrine of faith transl. into Engl. by Cowell E. W. *Bi* 2-

6 अभिभाषणम् An address delivered in संस्कृत by कृष्णशास्त्री करवडे at the 18th भारतीय वैद्य संमेलन held at राजमहेंद्री in 1925.

7 Early Hindu Civilization B. C. 200 to 320, by R. C. Dutt. 1927, 8vo. pp. xx. 319. *Cc* 25

8 अष्टसहस्री by विद्यानन्द ed. by वंशीधर 1915. Roy. pp. 295. *N* 3-

9 The Assalayna suttam (German) ed. and transl. by Richard Pis.hel. cr. pp 42. 2-

10 Authorship of पार्वतीपरिणय with a transl. by S. G. शङ्करामशास्त्री. A work of research & Literary criticism by Pt A. V. कृष्णमाचार्य 1928. cr. pp. 6, 41. *Md* -4-

10a Yuan chwang's travels in India 624-645 by T. Watters, ed. by Rhys Davids & Bushell. 1904. Vol. I & II. *Ka* 25-

11 The Ayurvedic System of Medicine by कविराज सेन. 1919. 3 Vols. I & 3rd ed. 8vo. pp. 29 Lvs. 408. 15-

12 आर्यविद्या व्याख्यानमाला Transl. into गुजराथी *Gpim.* 2-

13 Aryan Origin of the Alphabet by Waddell C. A. 1927. Roy. pp. VIII 80 7-12-

14 आर्योनी नीति, गुजराथी Transl. by C. D. उपाध्याय 8 V. pp. 190 1-

15 आर्योना इतिहास by करवेदी in गुजराथी 1925. 8 Vo. pp. 587. 3-8-

16 The Army pageant held at Fulham Palace ed. & arranged by Benson F. R. 1910 Roy. pp. 153 5-

17 Our tertiary Indo-Aryan Ancestors not Nomads. But Autochthonous Agriculturists by N. B. पावगी 1926. -8-

18 आश्चर्यचूडामणि on the wonderful crest Jewel. An Engl. transl. by शंकरराम शास्त्री. 1927 cr. pp. 7. 141. *Ad.*

19 आर्षेयब्राह्मणम्-सामवेदीयम् ed. by सत्यव्रत सामाश्रमि. 1892 Demi. 8 Vo. pp. 181 *Cc.* 5-

20 Archaeological survey of India Annual report 1904-5. Sup. Roy. pp. 169 IV.

21 –Survey of India Annual report 1903–4 Sup Roy pp 314

22 –Survey of India 1906–7 Sup Roy. pp 267 IV.

23 Archaeological survey of India Administrative report for 1905 6, 1906–7, 1907–8, 1909 10. each with pt. I. 5–

24 –Survey of Ceylon Epigraphia Zeylanica being Lithic & other inscriptions of Ceylon ed & transl. by Wickremasinghe 12 pt per pt 3–12

25 अपस्तम्ब of सामवद (German) ed. by Dr Caland pt XXVI, 270 10–

26 Origin of Indian Brahma Alphabets by Buhler G pp 124 1898 5–
2 Appendix on खरोष्ट्री alphabet.

27 Origin of Tragely & the Akhyana by Keith A B pp 413–433 1–8–

28 The orders of Knighthood British & foreign with brief review of the titles of Rank & Merit in Ancient Hindustan by Sir S M. टागर 1884 Parts I-III Roy pp 235, 165. 10–

29 Eagle & the captive sun– A study in comparative mythology by J L. हुमरार 1909 8 Vo pp XII, 7231. *Cc.* 6–

30 Eclipses of the Moon in India by R Sewell pp IX 1898. *(continuation of the Indian* Calender) 10–

31 Eminent Orientalists Indian, European & American 80 pp. VIII, 378 Nt 2–

32 Elementary grammer of the संस्कृत Language for the use of मराठी students completed & prepared by कृष्णशास्त्री चिपळूणकर 1864 8 Vo pp 82 8–

33 Encyclopedia-priceless information 1927 pp XIV 809.

34 Epistles of स्वामी विवेकानन्द 1913 Pocket Size pp 144. *Ai.* –6–

35 Evolution of the Aryan by Rudolph transl from the German by Drucker A 1897 Roy. pp. XVIII 412 30–

36 Ethnography (Castes & Tribes) with a list of the more important works on Indian Ethnography 1912 12–

37 Illustrations to Oriental Memoirs by J Forbes Esqr. with Explanatory notices 1835, 20–

38 Index to Atlas Antiquas, twelve maps relating to Ancient History by Heinrich Kiepert. 10–

39 Index to मनुस्मृति with the भाष्य of मेधातिथी Vol I & II. 1922. *Cu* 1–8–

40 Index to sixty two Mss Volumes deposited in the Oriental Mss. Library Containing References to Archaelogical, Historical Geographical & other *subjects ed by G Oppert 1878.* 8 Vo pp XLVII. *Bd* 5–

41 Indo-sumerian seals deciphered descovering sumerians of Indus vedalls by Waddell L. 1925. Roy. pp. XV, 146. 7-8-

42 Indian Calender-with tables for the conversion of Hindu & Mohamedan into A. O. Dates & *vice versa*. by R. Sewell & S. B. Dixit. (with tables of Eclipses visible in India by Dr. R. Schram. pp. 169. 25-

43 Indian chronography-An extension of the Indian Calender with working examples by R. Sowell. pp. 187. 1912. 10-

44 Indian Materia Medica by K. M. नाडकर्णी 1927 80 pp. XVIII 1142, ct. XIX Sc. 12-

45 Indian Philosophy-an introd-to by Suali. (Italian) pp. 478. Pavia. 15-

46 Inscr.ptions of अशोक ed. by D. R. भाण्डारकर 1920. Sup. Roy pp. 103. *Ca* 4-4-

48 Intermediate sansk. selections for 1928-1930 ed. with complete Engl. transl., introd & notes. critical & explanatory by A. B. गजेन्द्रगडकर & R. D. करमरकर 1927. Roy. pp. 435. *Rb.* 3-8

48 Intermediate Prose selections critically ed. by Dr. बेलवलकर 1924 Roy. pp. VIII, 79. 3-8

49 Introductions to the ऋग्वेद by सायनाचार्य ed. by पशुपतिनाथ शास्त्री 80 pp. 2, 18, 80. 1-

50 Introd. to पेशवा diaries in Engl. by M. G. रानडे 1900. 8 Vo. pp. 38. 1-

51 Imperial Library catalogue, pt. I contains Author catalogue of printed books in European Languages: Vol. I A. L 3 Roy. pp. 639. 10-

52 ईश, कठ, केन, मुण्डक, माण्डुक्य, तैत्तिरीय ऐतरेय & श्वेताश्वतर transl. into Engl. from orig. sansk. by Dr. Roer E. & ed. with introd. by M. N. दत्त 8 Vo VIII. pp. IV, 200 *Cc.* 10-

53 ईशोपनिषद् संस्कृत & हिंदी by S. D. सातवळेकर. 80 pp. 174. -10-

54 ईश, केन, मुण्डक text संस्कृत, transl. into Engl by सिताराम शास्त्री with शंकरा's commentry. 1905 pp. 156. छान्दोग्य transl. with Engl. transl. by G. N. झा. 1923. pp. 263.

55 उत्तररामचरितम् ed. with introd. marginal notes, addititional notes, glossary & appendices by वासुदेवशास्त्री अभ्यंकर. 1915. cr. 1-4-

56 १. उपनयनसंस्कार २. गणेशाथर्वशीर्ष, ३. चौलसंस्कार, ४. यज्ञोपवितसंस्कार, ५. ब्रह्मयज्ञ, ६. समावर्तनसंस्कार, ७. संध्या, and हिंदुधर्मसंस्कार all in orig. संस्कृत transl into मराठी by चित्रावशास्त्री 2-

57 उपनिषद्स transl. into Engl. with a premable and arguments by G. R. Mead & J. C. चट्टोपाध्याय 1896. Vol. I and II. 5-

58 ऋग्वेद (French) by A Langlois pp 609 20-

59 The Gotter Des Rigved by Fritz Bonsens. 1894 cr pp 14 *Gr* 1-

60 Rigved texts et Traduction by Paul Regnaud 1900 super Ro, pp 467 20-

61 ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका in हिंदी by स्वामी दयानन्द अङ्क 1-14 5-

62 ऋषि An Engl poem by M N कुंटे 8 Vo pp 6 47. 2-0-

63 Ancient India as described by मगास्थानस & अरन, ed with introd notes & maps of Ancient India by McCrindle 1926 80 pp xiii 227 7-8-

64 Ancient India as described by Ptolomy ed with introd notes & an additional map by S N मुजुमदार शास्त्री 1927 pp xxxix 431 7-8-

65 Ancient Mid Indian Katriya tribes with a forward of L C Barnett by B C Law 1924 Roy pp IV 166 III *Cc* 8-

66 Ancient Hindus on the weapons, army organisation and political maxims with special reference to gunpowder by Gustav Oppert 1880 80 pp 6 762 12-

67 Ancient Hindu Medicine an interpretation of, by C. चक्रवर्ति 1923 pp XXVI, 599 8-

68 Essay on Hinduism, its formation & future by S V केतकर 1911 cr pp xxxiv 177. *Luz* 5-

69 An Echo from Andamans by सावरकर 1924 80 pp. 126. 6-

70 Essays on गीता by अरविन्द घोष 1922 2 Vols 12-

71 ऐतरेय ब्राह्मणम् of the ऋग्वेद with the comm सायणचार्य ed by pt सत्यव्रत सामाश्रमी *Bi* 20-

72 ऐतरेय ब्राह्मण text in Roman) by T Aufrecht 1879 10-

73 ऐतरेयालोचनम् by आचार्य सामाश्रमि 1863 2nd edn revised & enlarged *Bi* 5-

74 कबीर A sketch of his life and teachings pp 39 *Nt* -8-

75 Concordance to Panini & Candra by Liebich 1928 *Gr* 4-

76 चाणिक्यकवतम् of नीलकण्ठदीक्षित orig in Sans with Hindi transl by गाविन्दराम 1910 cr pp 64

77 कल्पसूत्र and नवतत्त्व Two works illustrative of the Religion and Philosophy transl from the मागधी with an appendix containing remarks on the language of the original by Stevenson, 1848 xxviii, 144 10-

78 Commemoration Volume for Garbe 1927 9-

79 Vedanta by MaxMuller 6-8-

80 कात्यायनमतसंग्रह or a collection of the Legal Fragments of कात्यायन by N. C बन्द्योपाध्याय 1927. Roy, pp 32, 81. *Cu* 2-4-

81 The computation of Hindu Dates in inscriptions &c. by

Prof Herman Jacobi. Sup. Roy pp 58 10-

82 कामन्दकीय नीतिसार on the elements of polity, original ed with comments by various authors. *Bi* 5-

83 कालिदासशाकुन्तल Recensionibus-Dissertatio by R Pischel 1-

84 कालिदास and विक्रमादित्य A historical and literary essay to relieve the monotony of retirement by S C ठक्के 1923 8vo pp XI, 571. 3-

85 कुमारपालप्रतिबोध by Ludwig 1928. Sup Roy XII, 227.

86 कुमारसंभव with Sk comm बालबोधिनी by S V गजेन्द्रगडकर, introd. transl, notes crit & explan & appendices by R D करमरकर 1923 cantos I-IV, pp 165, 176 3-8-

87 कुसुमाञ्जली or Hindu proof of the existence of a supreme being by उदयनाचार्य ed with preface & Engl transl by Cowell E B 1864 XV, 85 *Cc* 10-

88 कूर्मपुराण ed. by नीलमणि न्यायोपाध्याय *Bi* -10-

89 कौमुदी महोत्सव (नाटक) A historical drama ed by रामकृष्ण कवि & रामनाथ शास्त्री 1929. अङ्क I to V Roy pp V. 50. *Oa* -10-

90 कौटिल्य or An exposition of his special ideal & Political theory by N. C बन्द्योपाध्याय Roy. pp XIV 319, K. *Cc* 8-8-

91 *Course of eight lectures on the* संस्कृत Language by R भागवत 1903 80 pp XVI, 94, 5-

92 Companion to संस्कृत composition by K G ओक 1921 cr pp 2, 135 -12-

93 Catalogue of Sansk Mss. existing in Oudh Prep by J. C. Nesfield assisted by Pandit Deviprasada ed by Rajendralal Mitra LL D Calcutta Fa c IV, VII VIII IX XI XIII each 2-

94 A Catalogue of Sans mss contained in private libraries of Gujrata, Kathiawar, Cutch, Sindh and Khandesh facicle I. Compiled under the Superintendence of G. Buhler 1871 4-

95 A Catalogue of संस्कृत and प्राकृत *Mss in the Royal Library of* Berlin compiled by Weber A. in German 1853-92 4 Vols. pp XXIV, 481 XXVII, 1363. 100-

96 A Catalogue of संस्कृत Mss. *existing in the Oudh Province* 1888. compiled by देवीप्रसाद 1890. 8vo pp 253. 5-

97 Clerk's manual by N A. Fischer 1927. Roy pp II, 148 1-

98 गांधीशिक्षणमाला Pt 1, 2, 3, 4, 5, 6. each 4-

99 Guide to the Bombay Presidency including Sindh by P C. दिवानजी. 1920. Roy. pp. 5, V, 221. 4-

100 Grammar of the Pali Language simplified by Muller E. 1884, 8vo pp xvi, 140 *Kp* 15-

100*a* बुद्ध-पठो किंवा बौद्धधर्मातील प्राथमिक पाठ. by Prof N K भागवत -8-

101 गुरुगोविन्द Sketch of his life & teachings 8vo 48 -4-

102 चैतन्य His life & teaching 8vo 46 -4-

103 गुरुपूजा कौमुदी (Weber A) Commemoration Vol 1896 10-

104 गौतमधर्मशास्त्रम् the institutes of Gautama ed with an index of words by Stenzler 1876 Roy. pp iv, 78 7-

105 Great Ganga the Guru or how a seeker sought the real by K Kaumudi Walles, 124 4-8-

106 ...of पेठारकरि ed by G V. ताम्हनकर 1923 cr pp 2, 543 1-

107 चरकसंहिता (वैद्यक) from सूत्र to इन्द्रियस्थान Sansk Text with Orig Sansk Comm by J N सेन 2 Vols 18-

108 चाणक्य by Kressler pp 195 1907 Indica 1-8-

109 चरकसंहिता by अग्निवेश with the व्याख्या दीपिका by चक्रपाणि ed by नरेन्द्रनाथ शास्त्री Pt I & II 80 pp 1410 *Ml* 10-

110 चाणक्यसूत्राणी Engl transl by बंद्योपाध्याय 2-

111 चतुर्वर्गचिन्तामणि by हेमाद्रि ed by Pt भरतचन्द्रशिरोमणि 8vo pp 1717 Vol 1-5 complete 250-

112 Journal of the American Ori. Society Vols 14

113 Journal of the Anthropological society. Vol pt nos 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
Vol II nos. 1, 2, 3, 4, 7, 8.
— III – 1.
— V – 1, 3, 4.
— VI – 1, 2, 3, 4.
— VII – 1, 2. 3, 4

114 Journal and text of the Buddhistic society of India
Vol I, pt nos 2 3, 4.
— II, — 1, 2, 3
— III, — 1, 2, 3
— IV, — 1, 2, 3
— V, — 1, 2, 3
— VI, — 1 2, 3
— VII, — each pt. 2-8-

115 चारुदत्त of भास Italian trans by Belloni Fillipi Pocket size 3-

116 जातककथासंग्रह in मराठी by धर्मानन्द कौसाम्बी 1924 pt I 8vo pp 8, 254 2-8-

117 जैमिनीयब्राह्मण (in auswahlt) Text Transl Indices (Gr) by W Caland pp 326 1919 Amsterdam 15-

117*a* जातककथासंग्रहो or Selections from Pali जातक in देवनागरी by Prof N K भागवत M A. 1929 2-8

118 Geographical data of रघुवंश & दशकुमार चरित by Collins M 1907 Roy pp 61 2-

119 Jain Law of Inheretance and 3 partition in Engl by J L जैनि 8 Vo pp XIX, 126

120 Translation of various inscriptions found among the ruins of विजयानगर by E. C. Ravenshaw with Preliminary observations by H. H. Wilson Roy. pp. 43.

121 The Truth about publishing by Stanby Unwin. Roy. pp. 356 5-8-

122 Two वज्रयान works प्रज्ञोपायविनिश्चयसिद्धिः of अनङ्गवज्र & ज्ञानसिद्धी of इन्द्रभूति ed. with introd. and index by भट्टाचार्य. 1929. Roy. pp. XXI, 118. *Uo* 3-

123 Date of चन्द्रगोमिन् and कालिदास by B. Liebich. 8vo. pp 11. 1903. -12-

124 Dance of Shiva — Fourteen Indian essays by A. Coomar-ewami with an introductory preface by Romain Rolland. 1924. Roy. pp. I, 139. 10-

125 A Dictionary of the Mixed dialects & foreign words used in Telegu with an Explanation of the Telegu Alphabet by C. P. Brown, Madras pp. XXVIII, 131 1854. 40-

126 Dictionary of Rig Veda by W. Neisser part I. 1924. 10-

127 Decisive battles of India from *1746 to 1849 inclusive* with a map four plans &c. by col. G. B. Malleson. 1888 4th edn. Roy. 80 pp. XXIV, 452. 13-8-

129 तर्कसंग्रह with notes & Engl. transl. by B. N. बहुलीकर 1903. 80 pp. 23, 14. 1-8-

130 तर्कभाषा transl. into मराठी with explanatory notes by S. M. परांजपे 1924 3rd edn. 8 Vo pp. 91. 1-

131 English, Marathi Dict. Compiled for the Government of Bombay. Planned & commenced by J. T. Molesworth continued & compiled by Candy, Bombay, Roy. pp. 11, 974, 2nd Edn. 1873. 12-

132 तोताकहानी Tales of a Parrot in the Hindustani language translated from महमद कादरी's Persian Version called तुतीनामा by हैदरी. *new edition*.

The Vowel points &c carefully marked, and accompained by a vocabulary of all the words occurring in the Text.

185[illegible] pp. 1[illegible] 15-

133 [illegible] पोथी साइज. pp. 101. *Gn* 4-

134 Thoughts on वेदान्त by स्वामीविवेकानन्द. 1923. cr. pp. 76. 10-

135 दशकुमारचरितम् or the Ten Princes transl. into Engl. from orig. संस्कृत by Ryder A. W. 1927. cr. pp. XIX. 240. 7-8-

136 दशरूपचन्द्रिका *Ch* 1-

137 Theistic attitude in education by G. N. गोखले. 1929. 2nd ed. *8vo. pp. 40.*

138 दर्शन or System of Hindu Philosophy. 1911. 2nd edn. cr. pp. 123. *Ac* -8-

139 दानक्रियाकौमुदी By गोविंदानन्द ed. by pt. कमलकृष्णस्मृतिभूषण 8vo. pp. 206. *Bi* 2-4-

140 धमनीविवेचन आयुर्वेदीय by गंगाधर शास्त्री जोशी 8vo pp 23 *Tmv* -5-

141 धर्मबिन्दु A work on Jain Philosophy by हरिभद्र with the comm of मुनिचन्द्र अध्याय ३,8 Vo pp 80

142 धातुरूपकल्पद्रुम (व्याकरण) being practical धातुरूपकोश giving everything about Sansk conjugation with two appendices & supplement by G K मोडक 1924 *Ga* 1-

143 धातुरूपकोश compiled by D N गांधी 1914 6th edn 8vo pp 674 *B* 6-

144 धन्वन्तरि by अगस्त्य text ed and publ by pt हरस्वरूपशास्त्री 1895 rare 8vo pp 70 1-

145 नानार्थबोध cr pp 70 -6-

146 नागार्जुन Buddhistic Philosophy by Max Walleser 1912 8vo pp xiii, 190 *Km* 6-

147 निरुक्तभाष्यटीका Fragments of the comments of स्कन्दस्वामी & महेश्वर ed for the first time from the orig palm leaf & paper Mss written in Malayam & देवनागरी लिपी with introd & critical notes by लक्ष्मण स्वरूप Roy pp 139 *Pw* 1-8-

148 निरुक्तालोचन A guide to यास्क's निरुक्त by सत्यव्रत सामाश्रमि 2nd edn revised & enlarged 8 Vo pp 2-0 *Bi* 6-

149 A New Students Atlas Engl Hist. by Emil Reich 1903 *Mm* 12 6-

150 नीतिप्रकाशिका ed by Gustav Oppert 1882 Roy pp 83 5-

151 Natural religion of India by Lyall 1891 Demi 8vo pp 64 7-

152 नैषध An Engl Transl 8vo pp 31 Cants I & II 1-

152*a* — with the comm of मल्लिनाथ 1916 cr pp 294 Cantos 1-XII 3-12-

153 — (काव्य) संस्कृत with मराठी टीका by रामचन्द्रशास्त्री तळेकर 1869 सर्ग १ pp 4 236,4 2-2-

154 Notes on बुद्धचरित with a Sk comm by अप्पाशास्त्री राशिवडेकर 191. Roy pp 70, 56 5-

155 न्यायदर्शनम् by जीवानन्द विद्यासागर 8vo pp 6, 336 2-8-

156 Notes on the न्यायसार by Prof C B दत्तर 1923 XI cr pp II 98 1-8-

157 Notes on रघुवंश IX X, Roy. pp 153—251. 1-8-

158 Notes on रत्नावली with Engl & Bengali transl by S C विद्याभूषण 1-8-

159 Notes on हर्षचरित by काळे 2-

160 न्यायकुसुमाञ्जलि by मुनि न्यायविजय with introd in Engl & transl & notes in Engl & गुजराथी by Prof H R कपाडिया 1922 8vo pp 40, 33 351 3 5-

161 न्यायावतार सूत्र (जैन) by सिद्धसेन दिवाकर transl into गुजराथी 1927 -4-

162 न्यायसार by वल्लभाचार्य transl into हिंदी by श्री रमानाथ शर्मा 1916 8 Vo pp 33 -4-

163 पन्हाळा by D B पारसनीस in Eng 1923 Roy pp 63, 2-

164 Persian Grammar in संस्कृत by Prof V S घाटे 1912 Roy pp 7 -8-

165 पर्णालपर्वतग्रहणाख्यान of जयरामकवि ed with मराठी transl by S M दिवेकर 1923 Roy pp 50 -10-

166 पल्लव Antiquities 21-

167 Persian Kita' t i Nasat-lio or a guide to Persian good hand writing publ by Homee Sorab and Co 1-6

168 Public Administration in Ancient India

169 Public worship- A study in the Psychology by Hylan A 1901 cr pp 4 94 *GP* 2-

169 *a* The Makers of Civilization in Race and History, by Waddell *Lz* 21-

169 *b* Resumo of Marathi Grammer A Suppliment to start in Marathi through the Direct Method by B V Devadhar 1926 *Or* 2-8-

169 *c* The Antiquity of Hindu Medicine, by David C Muthu (Balliere) 1-4-

170 पारस्करगृह्यसूत्राणि (german) ed by Luth Otto 1878 8vo pp xii 5-

171 Pali Reader, Notes & glossary by C V राजवाडे 1916 Part I & II cr pp ix 90 3-

172 Panini s grammer by Both lingk 25-

173 पातञ्जलयोगदर्शनम् संस्कृत with मराठी transl by M M बोडस 1915 Roy pp 95 1-

174 Pali Literature, a short sketch by C V राजवाडे 1916 cr pp ix 96 1-

175 Pali Literature of Burma by Bode M H 1909 8vo pp xv, 5-4 119 *Ra* 9 6

176 Positive Sciences of the Ancient Hindus by ब्रजेन्द्रनाथ शील 1915 Roy pp viii, 295 25-0

177 पूर्वमीमांसापद्धतीचा इतिहास (निबंध) in मराठी by P V काणे 1925 cr pp 63 -8-

178 पूजाप्रारंभ सकलीकरण कर्मसहिताचि पाथि साईज, 1905 pp 75 2-

179 Poona- the Peshawa's city & its neighbourhood-a guide to places of interest & a map by Howell pp 91 1-8-

180 The Periplus of the Erythraean Sea travel & trade in the Indian Ocean by a merchant of the first century 1912 Roy pp 215 long 10-

181 पञ्चतन्त्र transl into Engl from the orig संस्कृत by Ryder A W cr 8vo pp 465 13-

182 पञ्चदशी A hand book of Hindu pantheism transl into Engl with copious annotations by नन्दलाल ध स 1899 vol I 2nd edn, 8vo pp 41 334 6-

183 प्रसन्नराघव of जयदेव ed with an introd & notes critical & expla by S M परांजपे 1814 xvii 208 106 2 2-8-

184 Preliminary list of the संस्कृत & प्राकृत Mss in the Adyar Library 8vo pp 280 2-
185 Proceedings of the American Oriental Society 1888 1889
186 Progressive exercises for students by V S आपटे 1923 15th edn cr pp 4 110 44 -12-
187 Progressive exercises for the the use of schools & colleges by V S आपटे 1916 Pt II 1-
188 First Principles of knowledge by Rickaby 1896 3rd edn cr pp xvi 422 5-
189 प्राकृत व्याकरण by हेमचन्द्र with स्वोपज्ञवृत्ति ed with index, words Roots & notes by P L वैद्य 1928 8vo pp 8, 273 72 2-
190 Philosophy of Brahmanism explained with referenc to its history in Engl by S N तत्त्वभूषण 1927 2nd edn 8vo pp xiii 341 xiii ce 2-8-
191 Fictions in the development of Hindu Law texts by C शंकररामशास्त्री 1926 IV 229 *MD*
192 Flowers at the feet of the Lord or essays Religions & philosophical by R G K 1923 cr pp 6, 5 91 2 -12-
193 Bernier s Voyage to the East Indies containing the history of the late revolution of the Empire of great Mogul 1909 8vo pp III 303 10
194 बाजाप्रभु An Engl poem by भरत घास cr pp 34 1-
195 बालंभट्टी Sank text being a comm by बालभट्ट पायगुंडे on the मिताक्षरा of ज्ञानेश्वर ont he याज्ञवल्क्यस्मृति ed by J R घारपुरे 1914 Roy pp 2, 8, 318, 8 6-
196 बाहिर्विज्ञानप्रज्ञप्ति belong to समन्तपासादिका ed by भगान र कोलवे 1914 cr pp 100 1-
197 Buddhist manual of Psychological ethics transl from the orig Pali with introductory essay by Rhys Davids 1923 Roy pp XVIII 364 6 tf 19-
198 Buddhism (german) by Dr Dhalke 1926 Roy pp 255 10-8
199 Buddhist Philosophy of नागार्जुन Nach Chinesischen Versionubestragen by man Walleser 3 jeil 5-
200 Buddhism imferenosten by otto Rosenberg 2-
201 — by L Vallee-Poussin (French) cr pp 447 5-
203 Book of the balance of the wisdom pp 128 3-8-
204 बावपञ्जनीका अभिनवगुप्तपाद विरचिता
205 Buddhism in its connection with Brahmanism & Hinduism and in its contrast with Christianity by M Williams 1890 2nd edn Roy pp xxxvii 381 25-
206 ब्रह्मसूत्रभाष्यम् ed by H R भागवत 1928 8vo pp 4 16 462 3-
207 Barkut Inscriptions by B Barua and Sinha 1926 Roy pp 139 ca *Cu* 3-

208 बृहज्जातकम् of वराहमिहिर (ज्योतिष) with an Engl. Transl. and copious explanatory notes and examples by V. सुब्रह्मण्य शास्त्रि Mysore 1929 8-8-

209 भक्तिसूत्राणि of नारद with an introd, explanatory notes transl. into Engl by नन्दलाल सिंह 1917 2nd edn. Roy. pp. xiii 156. *Po* 7-

210 भर्तृहरि A classical essay on the life and writings of-being an introd to his शतकs by K. M. जोगळेकर and S. B. जोशी 1900. 8vo. pp 3 6 Bd 1-8-

211 भागवत श्रीधरीटीकासहित Bold type *Vy.* 32-

212 — with श्रीधरी भावार्थदीपिका प्रकाशवंशीधरी and other comments *Vy.* 30-

213 — with बालबोधिनी टीका literal meaning by गोस्वामि गिरिधरजी महाराज *Vy.* 25-

214 भागवत मूल *Vy* 3-

215 — अन्वयार्थ प्रकाशिका टीका by गंगासहायजि *Vy.* 20-

216 — दशमस्कन्ध, श्रीधरीटीकासमेत *Vy.* 5-

217 भागवततत्त्वविकल्पद्रुम *Vy.* 1-4-

218 भगवत्तत्त्वस्तुति with श्रीधरी, वंशीधरी विश्वनाथ, शेषगी and नीलकण्ठी comments. *Vy.* 1-4-

219 महाराष्ट्रीय-सारस्वत-स्फुटप्रकरणे 1914 8vo. pp. 70 (*BISM*)-12-

220 महाराष्ट्रसाहित्यसंमेलन ७ वा रिपोर्ट 1914 pp. 103 1-

221 महाभागवतदेवीभागवत pp. 196. by कोल्हाट. 1913. *Gn* 2-

223 मालतीमाधवमितम ed. with the comm. भावार्थदीपिका of रामशिरोमणि by शंकरराव शास्त्रि 1929. pp. 157 *Bm* 1-8-

224 — Engl. transl. and annotations by शंकरराम शास्त्रि-

225 मीमांसान्यायप्रकाश or आपोदेवी (मीमांसा) A treatise on मीमांसा system by आपदेव transl. into Engl., with an Introd transliterated Sk. Text and glossarial Index by F. Edgerton, 1929 pp. ix. 308 Roy. 8 vo. cloth. 13-8-

226 मेघदूत मराठी अर्थासह cr. pp. -12-

227 — or new messenger. French transl. by A. Guerinot 1902 pocket size. 2-

228 रघुवंश ed. with introd, transl. notes critical explanatory and comm. of मल्लिनाथ by R. D. करमरकर 1924 cantos *I–V* 3-

229 Lectures on the economic conditions of ancient India.

230 Local self Government in India Vedic &Post-Vedic by Pawagi N. 3-8-

230 रघुवंश-सर्ग xv -8-

232 व्यवहार and मिथाई ed. by Schubring. *Ml.* 5-

233 Whitney's views on the Solar Eclipse mentioned in the Rig-veda by Ludwig. 5-

234 शत्रुंजयमहात्म्य (जैन) by Weber Brockhaus 3-

235 Die Weltanschauung des moderner Budhism in ferner osten by Dr Otto Rosenberg & Prof Th Stcherbatsky 1925 pp 47 2-

236 Sex extinction and Feminism by A Kenealy 1920 8vo pp 313 6 8-

237 संस्कृत ज्ञानेश्वरी with original marathi text Ist pt (1-6 chs) by M P Oak 1929 Crown pp 298 2-

238 Sanskrit Phonetics in comparisionwith the Indogermanic mother-language, for Students of Germanic and classical Philology by Dr C C Uhlenbeck 1898 8vo, pp 12. 115 8-8

239 Studies in honour of Maurice Bloomfield by a group of his pupils New Haven 1920 Roy pp xxxi 312 25-

240 Studies in the phonetic obser vations by S Varma 9-8-

241 Henley's twentieth Century book of recipes, formulas and processes Ten thousand money saving Suggestions for home work, shop and Factory 1927 Demy 12-

242 संस्कारमीमांसा by [illegible] 2 8

243 Doctrine of Maya in the philosophy of Vedanta by Prabhudatta Sastri 1911 Crown pp 14 138 3

244 Dramas and Dramatic dances of Non-European races, in Special reference to the origin of Greek tragedy, with an appenddix on the origin of Greek Comedy by William Ridgeway 1915 Super Royol pp xv, 418, 1?-6

245 History of Hindoostan, Sanskrit & Classical. Indian Antiquities or Dissertaions, relative to the ancient geographical divisions the pure system of primeval theology, the grand code of civil laws the original form of Government and the various and profound literature on Hindostan Compared throughout with the religion laws Government, and literature of Persia Egypt and Greece The whole intended as introductory to and illustrative of, the history of Hindostan London 1793 Vol I Pt I Containing the dissertations on the geographical divisions and the theology of Hindostan pp cxxi Vol 2 Pt I contd do pp 153 522 3 Pt III in which Indian theology is continued and the sacred edifices of Hindostan and Egypt are compared pp 313 540 Vol4 in which the Oriental triads of deity are *extensively investigated* pp 403 672 Vol 5 in which the investigation of the Oriental

triads of deity is continued, and the horrible penances of the Indian devotees are detailed pp 773-1091. From the birth of Brahma, Compared throughout with the religion, laws, Govt & Literature of Persia, Egypta, & Greece Very Scarce Vols 1-5 each 10

246 Sarva Siddhanta Sangraha ed trans. & annotated by Pr Bose, M A in two parts (1) Text in devanagari Character, pp 80, (11) Trans and Notes, 1929 pp 11, 98 3-8

247 मराठेशाही घराण्याचा इतिहास, उत्तरार्ध— खण्ड पहिला १९२९, क्रौन पाने ५१२ (दुसरा खण्ड छापत आहे) 5-

248 History of Vedic literature (in Sanskrit) वैदिकसाहित्यचरितम् by P P S Sastri 1927 Crown pp XIX, 353 3

249 कीचकवध of नीतिवर्मन् ed by Dr S K De with Intro, Notes, and containing the Tika of जनार्दन सेन and the extracts from that of सर्वानन्द 1929 Decc uni 4-8-

250 काव्यालंकार of भामह ed by V. N Sastry, with Eng trans & Notes Demy, pp xvi 122 Tanjore 3-

251 सार्थभावप्रकाश-Text with Marathi trans by P G Nanal Sastry Poona pp 783 6-

252 पाश्चात्य रोगनिदान by Dr. V M Bhat pp 407 3-

253 चिकित्सा प्रभाकर-a treatise on the treatment of diseases by Prabhakar B Ogale pp 1080 13-

254 अशोकाचे धर्मलेख प्रथमभाग लेखक जनार्दनभट्ट स १९८०. पाने ५०० क्रौन 2-12

255 Kant's Prolegomena to any future metaphysics ed in English by Paul Carus, with an essay on Kant's philosophy, and other supplementary material for the study of Kant 1926 Crown pp 301 Op C 3-8-

256 छान्दोग्योपनिषद् by Otto Bohtling Leipzig 1889 Royal pp x 93 rare 20-

257 Gospel of Buddha according to old records told by Paul Carus 1921 Crown pp XVI 275 Ope C 3-8

258 Dharma or the religion of enlightenment an exposition of Buddhism by Paul Carus 1918 pocket size pp VI, 134 Op C 1-8

259 Hindu Mysticism, six lectures on the development of Indian Mysticism by S N Dasgupta 1927 Cr pp xx, 168 Op c 6-8

260 अभिसमयालङ्कारनामप्रज्ञापारमितोपदेशशास्त्रम्, the work of Bodhisattva Maitreya edited, explained and translated by Th Stcherbatsky & E Obermiller Fsc 1 Intro. Sk. text and Tibetan translation 1929 Bibl Bud xxiii Royal pp xii, 40. 5-

AUTHOR INDEX
ALPHABETICAL (ENGLISH)

Nos with A denote the book in the ADDENDUM

SUBJECT INDEX

ALPHABETICAL (SANSKRIT)

Nos with A denote the book in the ADDENDUM.

उपनिषद् (Upanisad)

कथा (Folk-lore,

बृहत्कथाश्लोकसंग्रह—2914.
Bharata Readings—3211.
Rama legend—3822.
विक्रम's Adventures—4121.
वेतालपञ्चविंशति—5247 & 48
शुकसप्तति—4621.
शुकसन्देश—4622
सत्यनारायणकथा—4777-79.
हरतालिकाकथा—5336.
हितोपदेश—5367-80.
Hindu Tales—5410

कर्म (Ritual)

अग्निष्टोम—10.
अग्निहोत्रचन्द्रिका—11.
अन्त्याग्निभद्र—22
आह्निकप्रकाश—97.
आचारचन्द्रिका—300
आचारभूषण—303.
,, मयूख—3 4
,, मार्तण्ड 305
,, रत्न—306
,, अर्क—307.
,, दर्श—308.
आचारेन्दु—310.
आधानपद्धति—328
आह्निककर्मसूत्रावलि—338
,, चन्द्रिका—339.
,, प्रकाश—340.
,, सूत्रार्थदीप—341.
,, सूत्रावलि—342, 343.
आश्वलायनसूत्रप्रयोगदी—401.
उपनयनसंस्कार 2 गर्भाधानसंस्कार etc—56A
उत्सर्जनोपाकरणविधि—723
कर्मयोगी—351.
कर्ममीमांसा—1012
Karma the conception etc—1016.
कातीयेष्टिदीपिका—1088
कात्यायनीतर्पण—1089
कात्यायनी शान्ती—1090.
कात्यायनश्रौतसूत्रभाष्य—1093
क्रियमाणप्रयोगसंग्रह—1226
कुशकण्डिकाभाष्य—1251
कृत्यरत्नाकर—1340 & 41.
गयायात्रापद्धति—1456
गायत्रीपुरश्चरणपद्धति—1482.
गोत्रप्रवरनिबन्धकदम्ब—1544
गौडीयश्राद्धप्रकाशमहानि—1514.
ग्रहशान्ति—1573
जलाशयोत्सर्गप्रकाश—1776
दर्शपूर्णमासप्रकाश—2036.
दशकर्मपद्धति—2038
दानदीपकौमुदी—139A
नवग्रहजपविधि—2189.
नवग्रहविधानपद्धति—2190.
नारायणबलिप्रयोग—2226
नित्यकर्मपद्धति—2240 a
नित्यकर्मप्रयोगमाला—2241
नित्यक्रिया—2246 & 47.
नित्यषोडशिकार्णव—2249.
नूतनगृहप्रवेशपद्धति—2289
परिणयपद्धति—2415
पितृदीक्षा—2512.
पुरुषार्थचिन्तामणि—2524 & 25
पूजासमुच्चय—2538.
पुरश्चरम—178A
पौरोहित्यकर्मसार—2556.
प्रतिष्ठारत्नविक्माद्य—2614
प्रमेयकमलमार्तण्ड—2641
प्रयोगपारिजात—2614
प्रेतकल्प—2741.
प्रयोगरत्न—2645 & 46
भट्टकमलपुष्प—2914-16
भस्मधारणप्रकार—3166
रुद्रकल्पव्याख्यानि—3773

कामशास्त्र (Erotics)

काव्य (Poetry)

कोश (Dictionary)

Eng French vice versa—471
Indian Dictionary—523
एकाक्षर—331 & 82
कल्पद्रुम—1038
Classical Dictionary—1379
गीत गोविन्द क -1409
Telugu Eng —1919
Dictionary of Rig Veda—126A
Dictionary of the mixed dialects & foreign words—125A
त्रिकाण्डशेष—1986
देवकोश—2087
द्विरूपकोश—2118
धातुरूपकोश—143A
नानार्थसंग्रह -2215a
नाम लिङ्गानुशासनम—2215 g
निघण्टु & निरुक्त -2237-40
न्यायकोश—2374
पद्यचन्द्रकोश—2387
Pali Eng Dict—2494
महानिघण्टुरत्नाकर—2927
मराठी Eng Dict—3301
मेदिनी—3520
विश्वप्रकाश—4216
Vocabularies शुद्ध, संस्कृत & यावना —1428
शब्दरत्नकोश—4478
शब्दसङ्ग्रहनिघण्टु—4490
शब्दार्थचिन्तामणि—4491
शाश्वतकोश—4557.
शैवागमपरिभाषा—4728
संस्कृतकोश—5131
Sk Eng Dict—5144-51
संस्कृतशब्दकोश—5169 & 70
Sk Wortbuch—5188

कॅटलॉग (Catalogues)
— of B B R A S—1389
— Yearly—1390
— Mss in Central Library Baroda—1391
— Provincial Cabinet of coins —1385
— Assam—1386
— Lucknow—1387.
— India office Library—1388
— Imperial Library—51A
— Indian drugs—1339
— Mss in जैसलमेर भंडार—1393
— Oriental Library—1394
— Catalogrum—1395
— Sk Mss in R A S—1396
— — in Leipzic Uni—1397
— — in Mysore & Koorg—1398
— — in Bikaner—1399
— — in Adyar Libr—1829
— — existing in Oudh—93A, 96A
— — contained in private libraries of Gujarata Kathiawar, Kutch Sindh & Khandesh—94A
— Sk & Pali books in British Museum—1401
— Copper Plates & Inscriptions in Varendra R S—1850
List of संस्कृत & प्राकृत Mss —2729
पाइअसद्दमहण्णव —1765
संस्कृतप्राकृतमणि—5140
Sk Prakrit Mss in the Adyar library—5171
— — in the Royal Library of Berlin—95A
— — in the Adyar libr—181A

ORIENTAL BOOK AGENCY, 15 Shukrawar, Poona City. (India)

चरित्र (Life)

Journals, Periodicals, Reports

ज्योतिष (Astronomy)

तन्त्र मन्त्र (On Tantra & Mantra)

तर्क न्याय-वैशेषिक (On Logic & Nyaya Vaiseshika Phil.)

पदार्थधर्मसंग्रह—2398.
पदार्थरत्नमाला—2399.
पक्षतागदाधरी—2447.
रासार—3864.
प्रशस्तपादभाष्य—2648-50.
प्रामाण्यवाद—2708.
बाधगादाधरी—2827.
भास्करोदय—3234.
मणिदर्पण—3265.
मणिसार—3268.
मथुरापञ्चलक्षण—3274.
महाविद्याविडंबन—3346.
मुक्तिवाद—3464 & 65.
लक्षणावली—3973.
वादिविनोद—4107.
विधानपारिजात—4152.
विधिविवेक—4153
वैशेषिक दर्शन—4353-60.
Vaisesika Philosophy—4361.
Vaiseska System—4362.
Vaisesika Sutras of कणाद—4363.
वैशेषिकसूत्रपाठ—4364.
व्युत्पत्तिवाद—4121-23.
View point of न्यायवैशेषिक Phil.—4427.
शक्तिवाद—4460-62.
सप्तपदार्थी—4785 & 86.
सांख्यकारिका of ईश्वरकृष्ण—5398 & 99.
Hindu Realism—5405.
History & bibliography of न्याय वैशे. lit.—5426.
History of Indian logic—5444.
— Medaeval school of Indian logic—5454.

धर्म (On Religion & Law)

Address Parl. of Religion Chicago—13.
अभिज्ञानम परीक्षा—78.
अध्यात्मचण्डि—80.
अन्त्ययकर्मदीपक—21.
आग्निदीपान—155.
आचारचिन्तनम्—301.
आत्मचिन्तन—312.
आशौचपञ्जिका—394.
Hinduism—484.
Evolution of Law—486.
Institutions of Hindu Law—551.
— Vishnu—552.
International Law—553.
उत्सर्गमयूख—722.
Philosophy of religion—923, 924.
On Parsee religion—926.
Science of Religion—927.
Religious Literature—982.
कर्मविपाक—1014.
कमलाकर-तत्वदीपिका—1015.
कल्पसारसमुच्चय—1040.
कालमाधव—1149-51.
कालविवेक—1152.
Comparative Religion—1334.
कृत्यसारसमुच्चय—1342.
Crown of Hinduism—1367.
गौतमधर्म शास्त्र the institutes of Gautama ed. with an index—104A.
गौतमसूत्रताक्षरटीका—1549.
— मस्करी—1550.
चतुर्विंशतिमतसंग्रह—1634.
जयसिंहकल्पद्रुम—1706.
Transfromed Hinduism—1807.
Treatise on Hindu law of inheritance—1809.
Treasures of Magi—1811.
Democratic Hinduism—1827.
त्रिस्थलीसेतु—1998.
Theory of adoption—2008.

शान्तिशतक—4536
शाश्वतधर्मदीपिका—4551
शैव Religion—4617.
शुद्धिभास्कर—4611.
Shaivism & Vaishnavism—4645
श्रीधर्मकल्पद्रुम—4690
षडशीति—4756
समयमयूख—4790
सर्वदेवप्रतिष्ठासंग्रह—4806
सरस्वतीविलास—4824
सालयनगृहसंग्रह—48,2
The Sadhu—4875
संस्कारदीपक—5125
संस्कारपद्धति—5126
संस्कारमयूख—5127.
संस्कारमार्तण्ड—5128
संस्काररत्नमाला—5129 & 30
सन्ध्यामन्त्रभाष्य—5100
हरलता—5331
स्मृतिकौस्तुभ—5190
स्मृतिचन्द्रिका—5191
स्मृतिरत्नाकर—5193
स्मृतिसारोद्धार—5194
स्मृतीनां समुच्चय—5195
Heart of India—5361
Hindu Law & Customs—5393
Hindu Phil of Law—5400
Hindu Religion—5406
Hindu system of Religious year—5408
Hindu system of Religious Science—5409
Hinduism—5415-17

नाट्य नाटक (On Drama & Dramaturgy)

अतस्याकरण—20.
अद्भुतदर्पण—54
अनर्घराघव—92.
अनर्घ नलचरित्—93
अभिमन्यु—167
अभिषेक—169
अमृतोदय—190
अविमारक—246
कीचकवध of नीतिवर्मन—249.
आश्चर्यचूडामणि—403 & 04
Indian Dramatergy—521
Indian Drama—522.
उत्तररामचरित—55A, 733 to 44
— साविचार—745
उदात्तराघव—754
उन्मत्तराघव प्रेक्षणक—756
कमलिनीकलहंस—1003
कर्णसुन्दरी—1006
कर्पूरमञ्जरी—1008 & 09
कलिविडम्बन—1031 to 33.
कल्याणसौगन्धिक—1045 & 46
कुन्दमाला—1252.
कौमुदी महोत्सव (नाटक) A histo—89
कृष्ण—1353.
चतुर्भाणी—1615
चारुदत्त—115A 1645
चैतन्यचन्द्रोदय—1658
Dramas & Dramatic dances—244
Dramatic Divertissements—1838
तपतीसंवरणम्—1884.
दशरूपक—2049 & 50
दामकप्रहसन—2067
दूतवाक्य—2082,
दूतघटोत्कच—2083
द्रौपदीपरिणय—2109 & 10
धर्मविजय—2143
नलचरित—2180 & 81
नलदमयन्तीयम्—2182
नलविलास—2184
नागानन्द—2202-09

नीति (On Ethics)

कामन्दकीय नीतिसार —82A, 1116
चाणक्यसूत्राणी Engl. transl.—110A.
दृष्टान्तमञ्जूषा—2100.
धौम्यनीति—2167.
नशाखण्डनचालीसी--2197
नीतिप्रकाशिका—150A.
नीतिमनोरमा—2273
नीतिसार—2283
Maxims of चाणक्य—3570
राजनीतिरत्नाकर—3790.
लघुचाणक्यम्—3935.
विदुरनीति—4149
शुक्रनीति—4623.
— सार—4624.

पुराण, महात्म्य. (On Epics)

अग्नि—7, 8, 9.
अवान्तिक्षेत्र—237
आरम—317, 318
आदि—323
कल्कि—1026.
काञ्चिमहात्म्य—1066.
कार्त्तिकमहात्म्य—1139-41
कालिकापुराण—1156.
काशीखण्ड—1221
कूर्म—88A, 1285.
केदारखण्ड—1288.
गणेशपुराण—1445
गयामहात्म्य—1455.
गरुड—1459-62.
गोकर्णमहात्म्य—1513
गोदावरीमहात्म्य—1515.
गंगामहात्म्य—1559
चातुर्मासमहात्म्य—1641.
जगन्नाथमहात्म्य—1695 & 96
जयन्तीमहात्म्य—1708.
दशमस्कन्ध—2051.
देवीपुराण—2089.
देवीभागवत—2090.
देवालयग्राममहात्म्य—2095
द्वारकामहात्म्य--2115 & 16.
नर्मदामहात्म्य—2172.
नारदपुराण—2221.
नासिकेतोपाख्यान—2235
नीलमतपुराण—2287.
नृसिंहपुराण—2315 & 16
पद्मपुराण—2388-91
पुराण in the light of—2518
पुराण Text—2519.
Puranas the Geography of—1224
पुराणपञ्चलक्षण—2518A
बद्रीनारायणमहात्म्य—2819
बृहद्धर्मपुराण—2923.
बृहत्स्वायम्भुपुराण—2935.
ब्रह्मवैवर्तपुराण—2954.
ब्रह्माण्डपुराण—2996a.
ब्रह्मोत्तरखण्ड—3000.
भविष्यपुराण—3164
भागवत—211A--217A, 3168a-87.
मत्स्यपुराण—3270-73.
मार्कण्डेयपुराण—3400-02
वाराहपुराण--4067 & 68.
वामनपुराण—4103 & 09
वायुपुराण—4110 & 11.
विष्णुपुराण—4191-93
वैखानसमहात्म्य—4351 & 52
वैष्णवमहापुराण—4369.
साम्बपुराण—4884.
सतसंहिता—5050-52
हरिपुराण—5087 & 89.
हरिवंश—5338

प्रवास (On Travel)

प्राकृत & पाली (On Prakrit & Pali)

बुद्ध (On Buddha)

भाषा व भाषाशास्त्र
(language & Phylology)

Studies in the phonetic observations—240A.
Science of thought—4907
Sanskrit language—5163
Sketch of Turki language—5248
History of language—5438
Hist of Sansk Philology in German 5462

भूगोल (Geography)

अल to Ganges—210
Indus valley in Vedic period—546
Imperial Gazetter—581
— Maharasatra ancient—892
— Ancient Monuments Burmah—893
गावार Notes on ancient geography of—1475 & 76
Geographical Dictionary of India—1749
Geographical Data of रघु & दशकुमारचरित—3720.
रसातल—3768
Researches on Ptolmeys Geography 3880

मीमांसा (On Mimansa)

अधिकरण कौमुदी—76
अध्वर मी कुतूहलवृत्ति—86
अर्थसंग्रह—204-209
Intro to—570
जैमिनीयसूत्रवृत्ति—1779
तन्त्ररहस्य—1970
तन्त्रवार्तिक—1973, 74
दिङमीमांसा—2068
दुप्टीका—2074
न्यायरत्नमाला—2346
न्यायसुधातन्त्रवार्तिक—2367
पश्चात्कर्ममीमांसा—2436
पूर्वमीमांसाधिकरण कौमुदी—2545 & 46.
प्रकरणपञ्चिका—2601.
प्रभाकरविजय—2637.
Brief sketch of पूर्वमीमांसा—2840b
भाट्टदीपिका—3189
भाट्टभाषाप्रकाश—3190
भाट्टरहस्य—3191
भाट्टचिन्तामणितर्कपाद—3192
भाट्टदीपिका—3193.
भास्करविजय—3236
मानमेयोदय—3390.
मीमांसार्थप्रकाश—3433
मीमांसाभ्युदय—3434
मीमांसानुक्रमणिका—3435
मीमांसाकौस्तुभ—3436 & 37
मीमांसादर्शन—3438 and 39
मीमांसान्यायप्रकाश—225A, 3440 & 46
मीमांसापरिभाषा—3447-50
मीमांसापादुका—3451
मीमांसाबालप्रकाश—3452 & 53
मीमांसासूत्राणि—3454
मीमांसासारसंग्रह—3455
मीमांसासूत्रपाठ—3456
मीमांसाश्लोकवार्तिक—3457 & 58
मीमांसा rules of interpretation—3459
विधिरसायन—4154
शास्त्रदीपिका—4553-55
षड्दर्शनसूत्राणि—4753 & 54
सिद्धान्तरत्नमञ्जूषा—4963
सिद्धान्तरत्न—4964
सिद्धान्तरत्नमञ्जूषा—4965
हौत्रमीमांसा—5486

वेदान्त (On Vedanta)

वैद्यक (On Medicine)

व्याकरण (*On Grammar*)

साहित्य (On Literature Composition etc)

Sanskrit tutor—5187.
Students handbook of progressive exercises—3202a.
Handbook of Sk. lit—5355.
History of Indian lit.—5441 & 42.
Hist of Sk. lit—5458 & 59.

सुभाषित (On Subhasita)

सुभाषित—5013.
सुभाषितकौस्तुभ—5014.
सुभाषितनीवि—5017 and 18.
सुभाषितरत्नाकर—5019 and 20.
सुभाषितसार—5022.
सुभाषितसारसंग्रह—5023.
सुभाषितसंग्रह—5024 & 25.
सुभाषितावली—5027.

सूत्र (On Sutras)

आपस्तंबीय—346-48.
आश्वलायन सूत्र—397 to 400.
— श्रौत—402.
बौधायनकल्प—409.
Aphorisms of शांडिल्य—5A.
कात्यायनसूत्र—1078.
खादिरसूत्र—1433.
गोभिलसूत्र—1528.
गोभिलसूत्रसंग्रह—1529.
गोभिलपरिशिष्ट—1530.
गृह्यसूत्र by पस्तर—1567-69.
जैमिनीयगृह्यसूत्र—1772 & 73.
जैमिनीयश्रौतसूत्र—1776.
द्राह्यायणगृह्यसूत्रवृत्ति—2108.
नारद—150.
निदानसूत्र—2252.
पारस्करगृह्य—2179-82.
बौधायनगृह्यसूत्र—2394.
बौधायनधर्म—2395.
बौधायनपितृमेध—2396 & 97.
कल्पसूत्र and नक्षत्र—77A.
बौधायनश्रौतसूत्र—2900.
भारद्वाजगृह्यसूत्र—3215.
मानवगृह्य—3384-86.
मानवश्रौत—3388.
List of words in the Sutras—4016
वैखानसस्मार्त—4326 & 27.
शुल्बसूत्रसंबंधिकम—4035.
श्रौत—4729-32.
सांख्यायनश्रौत—4873.
हिरण्यकेशीगृह्य—5420.

संकीर्ण (Miscellaneous)

अनेकविद्याकल्पनिरूपण—120.
आर्यांनी नीति, गुजराथी Transl.—14A.
The Army pageant—16A.
Ideals of कर्मयोगी—351.
Ideals from संस्कृत—352.
Ideals of Indi. Art—353.
Art manufacture—361.
आर्यांचे मूलस्थानविचार—371.
आर्यांचित्याख्यानमाला—12A, 372.
आर्यविद्यासुधाकर—373.
आर्यांचे होम—374.
आर्यन Period—376.
आश्रम Ideal—413.
Evolution of man—437.
Ancient East—857.
Ancient home of Aryans—858.
Ancient Romic Chronology—859.
Oriental Conferences Summaries —958.
Oriental Memories—970.
Kashmir Shaivism—1222.
Court Painters—1309.
कृष्णजन्माष्टमि—1313.
Creadle of mankind—1375.
Climatic Changes—1381.

संगीत (Music)

रागतत्त्वबोध--3779.
रागतरङ्गिणी--3780.
रागनिरूपण--3781.
रागमञ्जरी--3782.
रागमाला--3783.
रागलक्षण--3784.
रागविबोध--3785.
Seven principle musical notes--5069.
संगीत पारिजात 5093.
संगीतमकरन्द--5095.
संगीतसमयसार--5096.
Hindu music--5388.
Hindu musical scale--5390.

संहिता स्मृति (On Samhita & Smriti)

अहिर्बुध्न्य--284.
Intro. to पञ्चरात्र--*571.*
काठकसंहिता-- 1079, 1349-52.
काण्वसंहिता--1083.
गर्गसंहिता--1457 & 58.
घारेण्डसंहिता--1647.
जयाख्यसंहिता--1709.
जैमिनीयसंहिता--1777.
तैत्तिरीयसंहिता--1966, & 67.
नारदपञ्चरात्र--2219 & 20.
निशाचार्पिण्डीप--2244 & 45.
बृहत्संहिता--2929.
मैत्रायणीसंहिता--3541.
यजुर्वेदसंहिता--3624.
वाजसनेयसंहिता--4097.
शुक्लयजुर्वेद वाज. माध्यन्दिन--4626-32.
,, काण्वसंहिता--4634.
संहिता of सामवेद--5118.

सांख्य & योग (On Sankhya & Yoga)

Intro to योग Phil.--576 & 77.
गुरुपादुकास्तोत्र--1509.
घेरण्डसंहिता--1609-11.
जयमङ्गला--1705.
Treatise on योग philosophy--1810.
तत्त्वकौमुदी--1857 & 59.
पातञ्जलयोगदर्शनम् संस्कृत with मराठी transl.--173A.
पतञ्जली for Western Readers--2383a.
पातञ्जलदर्शन--2456-69.
पातञ्जलसूत्रवृत्ति--2474.
Problems of सांख्यकारिका--2705.
माठरवृत्ति an Essay--922.
माठरवृत्ति & Date of ईश्वरकृष्ण--3365 & 66.
Mysterious Kundalini--3432.
योग aphorisms--152, 2383b, 3660-62.
— its object--3652.
— as Philosophy--3653 & 64, 67.
— दर्शन--3654 & 70-72.
— lessons for developing spritual Consciousness--3655.
— lower & higher--3656.
— Study of Mystical Phil.--3657.
— Methods--3648.
— उपनिषद्--3663.
— चिन्तामणि--3668.
— शास्त्र--3673 & 74.
— तारापुर--3669.
— सारसंग्रह--3675 & 76.

Studies & Essays

Texts of Confucianism--1801
Time of चन्द्रगोमिन् and कालिदास--1803
Time analyses of Sk. Plays--1804
Triumph of वाल्मीकि--1813
Date of भागवत पुराण--1822
— कालिदास & विक्रमादित्य—1824.
— मृच्छकटिक—1825
Descent of man—1828
New light on गुप्त era--2290
Notes on ancient Hindu shipping —2309
Study of महाभारत—2311.
Pantus to Indus—2476
मत्तधकल्पलतिका--2630
प्रस्तारचन्द्रिका—2666
Plays ascribed to भास--2716
Phenicians--2803a & 06
Flowers at the feet of the Lord or essays Religious & philosophical —192A
Birth place of कालिदास--2821
Bana & his Muse—2825
बाणभट्ट—2826
Beitraege Zur Late Jacobi--2888
Bhandarkar Commemoration Volume—3194
भामह & दण्डिन्--3197.
भारतगति--3210
भास & authorship--3230
Bhasa Studies—3231
Bhasa's Plays—3232
Bhasa's Works—3233.
महाभारत Criticism etc —3313-14c
Mutual relations of four casts—3500
Making of सम्राज Poet—3501
Megasthenis & Kautilya--3502
रघुवीरगद्यम्—3719
रामायणान्तरचे भारत—3352
Local self Govt in India—230A
वरुण & मित्र--1078
Was Shankar the propogator of *new thought*—4096.
विधवोद्वाहविवेक--4155
Vicissitudes of Aryan Civilisation --4210
विश्वामित्र वासष्ठ etc—4218 & 19
Wisdom of the Aryans—4233
Sankara's select works—4653
शंकराचार्य and रहस्यवाद—4657.
शंकराचार्य व सांप्रदाय--4658
श्रीकृष्ण—4679
Saraswati Bhavana Studies--4827 -32
सावित्र्यपदीपिका—4883
Select works of शंकराचार्य—4990
Selections from Avesta & old Persian—4994
Soma juice is not liquor—5073
Social & military position of the ruling caste--5080
Study of Patanjali—5253
-- Ind Phil —5255
Studies in Ind Hist & Culture—5256
-- Hindu Law—5257-61
-- Sk. Poetics—5262
— in S Ind Jainism—5263
— in six Upanisads—5264
— in Vedanta—5266
— in Vedantism—5267.
— in वेदान्तप्रसार--5268
-- ancient Ind medicine-5272

स्तोत्र (On Stotras)
